

पं. रुपचन्द्र जोशी

कृत

लाल विजाल

کتب

1952

VOL 2

दैवज्ञ पं. वेणीमाथव गोस्वामी

हिन्दी में प्रामाणिक लिप्यन्तरण कर्ता

मंदी हालत

1- सनीचर अगर जाती सुधाओं के उसुल पर मंदा साबित हो तो शादी बल्कि सगाई के दिन से ही राहु (ससुराल) के घर राख उड़ने लगेगी । टेबे बाला जिस क़दर ज़्यादा सनीचर की अश्या (मकान-मशीन-मोटर-लारियां बैरह) क्वायम करता चला जाएगा उसी क़दर ज़्यादा ही ससुराल की सनीचर की मुतअलिलक़ा अश्या (मकान-मशीनें-मोटर लारियां) बरबादी पर हो जाएगी ।

2- नगे पांव मंदिर में जाकर भूल मान लेना नागहानी बलाए के बुरे असर से बचा देगा ।

3- सांप का बज़रिया चंद्र (दूध पिलाना बैरह) उपाओं करने से ससुराल की हालत उत्तम होगी । काली या दोरंगी भैंस मनहूस फल देगी ।

4- इस घर दो आंख का मालिक सनीचर अगर मंदा हो तो राहु (ससुराल) की जड़ मार देगा । जिसमें टेबे बाले के लिये ही सिरदर्दी और दूध की शरारतें खड़ी हो जाएंगी मगर अब बृहस्पत भला असर देगा । शादी के लान के बक्त ही से (कुड़माई बैरह) ससुराल घर में बीरान करने वाली आग जलनी शुरू होगी और उनकी गुरीबी दिन व दिन बढ़ती होगी बल्कि ससुराल कीचड़ में आक मदार या ससुराल का घर चील कौओं के बैठने की जगह (बरबाद) होगा पापी ग्रह खुद बाहम एक दूसरे का बुरा करते करते टेबे बाले के लिये ख़राबी दर ख़राबी खड़ी करते जाएंगे । राहु नम्बर 8 के बक्त ससुराल घर से मर्दों को कमी और राहु नम्बर 12 के बक्त ससुराल घर में दौलत की कमी होगी ।

जब राहु नम्बर 8-12 में खुद सनीचर राहु केतु के ख़िलाफ़ चलता होगा

5- बुरी शोहरत और खुदपसंदी का मालिक होगा । } बृहस्पत नम्बर 11

6- मशहूर जवाहरथा और दिमारी बहम का मालिक होगा मगर आमदन ख़र्च की जमा तफ़रीक़ बराबर होगी । } सूरज नम्बर 12

7- 28 ता 39 साला उम्र तक हमेशा बीमारी गले लगी रहेगी । } मंगल मंदा हो ।

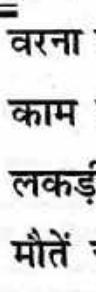
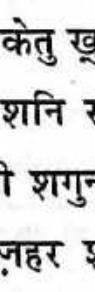
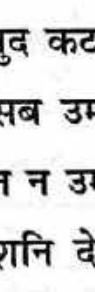
मुतअलिलक़ा-सम्पर्क रखने वाले चीजे ख़िलाफ़-विरुद्ध नागहानी-आकस्मिक, दैविक बज़रिया-के द्वाया कुड़माई-सगाई तफ़रीक़-जुदाइयां, फर्क शोहरत-इन्जत खुदपसंदी-अपने को सबसे पसंद करने का भाव

मंदी हालत

वहमी होगा	} राहु नम्बर 8 क्रियाफ़ा :- हाथ की उंगलियों के सिरे चौड़े हों ।
अलाहदगी पसन्द होगा	
मुर्दा ख़्यालात का मालिक होगा ।	} राहु नम्बर 9 क्रियाफ़ा :- हाथ की उंगलियां बहुत लम्बी हों । मंगल नम्बर 9 क्रियाफ़ा :- हाथ की उंगलियां बहुत ही लम्बी लम्बी हों ।
बेबुनियाद ख़्यालात का मालिक होगा । बृहस्पत नम्बर 8 में देखो।	
हृद से ज्यादा उदासी अलाहदगी पसन्द होगा ।	} बुध नम्बर 9 क्रियाफ़ा :- हाथ की उंगलियां बहुत छोटी छोटी हों । बृहस्पत नम्बर 8 सूरज बुध बृहस्पत नम्बर 8 क्रियाफ़ा- तमाम उंगलियां मद्दमा की तरफ झुक जावे ।
बुरी शोहरत पसन्दी (मद्दम सी हालत में) की तबीयत का प्रानी होगा ।	

सनीचर ख़ाना नम्बर-3

अगर हुआ तो 2 गुना मंदा होगा।

मिले राजा दो शेर बकरी कहेंगे
 मगर मर्द माया जुदा ही रहेंगे
 मदद केतु से खुद शनि बढ़ता  वरना केतु खुद कटता हो
 वैद धनतर नज़र का होता  काम शनि सब उम्दा हो
 दरवाज़ा दक्कन या पूरब मंदा  लकड़ी शगुन न उम्दा हो
 साथ मकान जब पत्थर गड़ता  मौतें ज़हर शनि देता हो

१ -बड़े दरवाजे के सामने दाखिले पर मगर मकान से बाहर ।

२ -बाल बच्चों के साथ रिहायशी मकान का दरवाज़ा ।

वहमी-शंकालु

दक्कन-दक्षिण दिशा

अलाहदगी-पृथक, अलग, जुदा

क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

नेक हालत

1- तीन आंखें

ज़रूर रक्षा होती

2- मेमार को

हर वक्त मौजूदा

का असर उत्तम

रखे मकान बनें

(नायाब हकीम

उत्तम फल देंगे

ज़हरी-जहर भी

बीनाई-आंखों

नेक हालत

603

सनीचर नम्बर 3

केतु वैठा 10 क्रायम साथी
 बिंगड़ा मंगल बद हो जब ज़हरी
 पांच रवि से केतु मंदा
 नज़र दवाई मुफ्त जो देता
 चंद टेके घर 10 वें वैठा
 मौत को आन खुद अपना होगा

माया दौलत सब बढ़ता हो
 गैर मदद उस करता हो
 उम्बा शनि न होता हो
 आंख क्रायम खुद रहता हो
 सांप शनि जड़ कटती हो
 ऊर्ध रेखा माया मंदी हो

हस्त रेखा

सनीचर से शाख उम्र रेखा को काटकर
 मंगल नेक में या गुहस्त रेखा सनीचर के
 बुर्ज पर।



नेक हालत

1- तीन आंख का मालिक फरिश्ता-ए-अजल मर्द व माया दोनों इकट्ठे कम ही होंगे मगर उम्र की ज़रूर रक्षा होती रहेगी जब तक जुबान के चस्के के लिए शाराबी और कबाबी न हो।

2- मेमार को रूपयों की धैली की क्या ज़रूरत उसे तो ईट पथर

हर वक्त मौजूद चाहिए। इसी तरह ही सनीचर का हर वक्त मकानों का असर उत्तम होगा ख़ासकर जब कुत्ता (दुनिया के तीन कुत्तों की सेवा) रखे मकान बनेंगे। धन बढ़े और नज़र बीनाई का हातिम (नायाब हकीम) होगा और सनीचर के मुतअल्लक़ा कारोबार व रिश्तादार उत्तम फल देंगे।

केतु की मदद (केतु नम्बर 3-10)

ज़हरी-जहर भरी रवि-सूर्य ग्रह
 बीनाई-आंखों की ज्योति, दृष्टि, नज़र

टेके-जन्मपत्री

मेमार-एज मिस्त्री

फरिश्ता-ए-अजल-मौत का देवता

सनीचर-शनि ग्रह

मंदी हालत

- 3- गैर शख्स भी मदद पर होंगे गो लोगों का काम बिगाड़ता मगर } मंगल बद या मंदा
खुद आराम पाता होगा । } ज़हरी मंगल
- 4- अगर कुत्ता न रखे तो कुत्ता काटता (मंदा केतु) ही होगा-और सनीचर बरबादी करेगा। जिसम
पर हर मुसाम से चार-चार बाल पैदा हों तो मुफ़्लिस-बेहनर और अव्याश होगा । अपने भाई
बन्दे ख़राबी का सबब होंगे । माली हालत (नक्कद नामा) में मंदा ही होगा। अगर
मंदा हो तो तीन आंख के मालिक फ़रिश्ता-ए-अजल की तरह दो गुना मंदा होगा (सिर्फ़ माली हालत
में) मगर राशि फल का (उपाओं के क्रांतिकार) केतु का उपाओ मददगार आए केतु नम्बर 10 या 3 हो तो
किसी उपाओ की ज़रूरत नहीं ।
- 5- नज़र की दवाई दूसरों को मुफ़्त देते रहने से अपनी नज़र में बरकत होगी ।
- 6- पूरब (मशरिक खाना नम्बर 1-5) या दक्कन जुनूब (खाना नम्बर 3) के दरवाज़ा (सूरज) का
साथ गैर मुबारक होगा। दक्कन के दरवाज़ा के साथ पर्यावरण होने के बक्त या
जब कभी भी होने लगे 40 दिन के अन्दर अन्दर एक के बाद दूसरी 3 मौतें
हुआं करेंगी ।
- 7- मकान के आख़ीर पर अन्धेरी कोठरी बास्ते धन दौलत मुबारक होगी ।
- 8- केतु (नर औलाद) और खुद सनीचर का असर मंदा होगा । } सूरज नम्बर 1-5-3
- 9- सनीचर मंदा जड़ से कटता होगा। ऐसी हालत में अपना ही कुआं
खुद (अपने घर का कुआं) मौत देगा और ज़र व दौलत
बरबाद होता होगा। उर्ध रेखा का बेशक चोर डाकू मगर फिर भी
मंदा ही हाल होगा । } चंद्र नम्बर 10
- 10- चोरी धन हानि दीगर ख़राबियां आम होंगी । } दुश्मन साथी

शाख्स-इंसान, आदमी मुफ़्लिस-गरीब बेहनर-गुणहीन, ज़र-धन दौलत मुसाम-रोम छिद्र
अव्याश-व्यभिचारी, अच्छे खाने-पहनने और आराम से रहने का शौकीन दीगर-अन्य, दूसरा, दुबाय, पुनः

नेक ।
तं
सा
10
सेव
मव
ज़ह
रात
तेल

1 -ऐसे अ-
तमाम-सम्प-
लावल्दी-

नेक हालत

सनीचर खाना नम्बर-4

पानी का सांप

खुशक ज़हर से मरने वाला मरेगा

घुली जब वह पानी न कोई बचेगा

तीन चंद्र 2-पितृ रेखा

ऊर्ध रेखा गुरु तीसरा जो

साथ साथी जब चंद्र बैठा

ज़हर शुक्कर दूध मंदा हो

10 बें चंद्र से दुखिया माता

उलटी ज़हर खड़ी करता हो

सेहत जिस्म हो जब कभी मंदा

सांप शिफ़ा खुद देता हो

मकान नया खुद अपना बनते

सांप माता सिर चढ़ता हो

ज़हर मगर जा मामूं पकड़े

पेशा हकीमी उम्दा हो

रात पिया दूध ज़हरी होगा

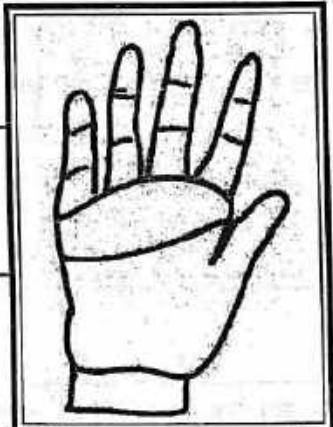
ज़हर दवा खुद बनती हो

तेल 'बेचे जब सांप का दुनिया

औलाद मरे लावल्दी हो

हस्त रेखा

उम्र रेखा और दिल रेखा मिल जावें।



नेक हालत

1 -ऐसे आदमी में दिमागी खाना नम्बर 4-मोहब्बत के तमाम हिस्से (अलिफ़) उल्फ़त (वाल्दैनी मोहब्बत)

तमाम-समस्त, समग्र, सब
लावल्दी-जिसकी कोई संतान न हो

मामू-मामा (माता का भाई)

वाल्दैनी-माता पिता, जनक जननी

औलाद-संतान

पेशा-व्यवसाय, धंधा

नेक हालत

(बे) इश्क (जवानी में औरत की मोहब्बत)–(जीम) और इश्क के बाद का गलवा आरिफ यानी परहेज़गारी मौजूद होंगे।

2- हकीम साहब -4 आंख का मालिक सनीचर अब टेवे वाले पर कभी मंदा असर न देगा । अगर अधरंग बगैरह से नाकारा होकर मुर्दे को तरह ज़मीन पर गिर जावे तो साप खुद आकर उसको डंग मार कर उसका अधरंग हटा कर तंदुरुस्त बल्कि मुर्दे से भी ज़िन्दा कर देगा । सिफ़्र सनीचर की मुतअल्लिका अश्या से मदी सेहत में शिफ़ा होगी । बल्कि आज़दा (गिरी हुई बहुत ही मंदी) हालत और गरीबी बगैरह के बक्त सनीचर के कारोबार या रिश्तेदार खानदान में बाप-बाबा-ताथा-चचा-ज़रूर हकीम या डाक्टर होगा तो सनीचर नम्बर 4 वाला भी खुद ज़ाती रिज़िक के ताल्लुक में हकीमी या डाक्टरी के पेशा सज़ो सामान-कारोबार मुतअल्लिका हकीमी डाक्टरी बगैरह से दूर नहीं रह सकता) और ज़हरीले जानवरों के काटे का इलाज मुवारक और ज़हर खुद अपनी दवाई का काम देगी । लेकिन साप का तेल बेचने से लावल्दी का सबूत मिलेगा ख़ाह औलाद के योग लाख उत्तम हों । इसी तरह ही अगर शराबनोशी-सांपों के मरवाने या रात के बक्त नये मकानों की बुनियादें रखने की बजह से शनि नाकारा कर लिया जावे तो अपनी ही छत से गिरा हुआ पर्थक्ष अगर सिर नहीं तो आंखें ज़रूर तबाह (अन्धा) कर देगा ।

3- बाल्दैन का सुख सागर और टेवे वाले का अपना गृहस्ती व दुनियावी सुख सागर लम्बा अरसा और उत्तम होगा । } चंद्र नम्बर 2-3

कियाफ़ा :- पितृ रेखा उम्र रेखा
जब बृहस्पत के बुर्ज की
जड़ की बजाय बृहस्पत
के बुर्ज नम्बर 2
तर्जनी की जड़
के नज़दीक नज़दीक से शुरू हो।

4- ऊर्ध रेखा का मालिक जो सबको लूट खसोट कर जायदाद बना लेवे । } बृहस्पत नम्बर 3

5- अपने नये बनाये मकान बुनियाद रखते ही माता को सांप लड़े और मामू को ज़हर चढ़े की तरह परहेज़गारी-नियम का पालन शिफ़ा-रोग मुक्ति लिंक-जीविका, रोजी आज़दां-सताया हुआ लावल्दी-जिसको कोई संतान न हो वाल्दैन-माता पिता आरिफ़-ज़ाता, ब्रह्मज्ञानी शराबनोशी-शराब पीना

मंदी हालत

जानों के लि
ताल्लुक में
सनीचर अब
6- टेवे वाल
असर मंदा ह
7- रात का
8- छाती पर
9- मंदी सेह
और चंद्र की
10- साप को
की ज़हर धोए
में दूध गिराना

11- चंद्र नम्ब
करेगी। चंद्र खु
से टेवे वाले व
के ख़्याल पर
में ज़हर होगा-
जायदाद ज़दूती
औरतों (बेबा य

बेबगान-विधवा
बेएतबारा-जिसव

मंदी हालत

जानों के लिहाज से माता और माता खानदान की जड़ में ज़हर और माली हालत के ताल्लुक में अपने ही खानदानी खून मय-खुद पर सनीचर की मियाद तक मंदा असर देंगे । सनीचर अब पानी का सांप होगा ।

6- टेबे वाले पर सनीचर कभी मंदा असर न देगा-मगर औरत की कबूतरबाज़ी से सनीचर का असर मंदा होगा और शुकर का फल ज़हरीला ही होगा ।

7- रात का पिया हुआ दूध ज़हर होगा ।

8- छाती पर बाल न हों तो वह बेष्टबारा होगा ।

9- मंदी सेहत के बकूत सांप खुद शराब तेल यानी ज़हरीली नसी बाली अश्या मदद देगी और चंद्र की अश्या से कोई फ़ायदा या मदद न होगी ।

10- सांप को दूध पिलाना या मछली-भैंस-कौवा-मज़दूर पेशा आदमी को पालना करना सनीचर की ज़हर धोएगा-जिससे माता व माता खानदान का बचाओ होता रहेगा और कुएं में दूध गिराना माली हालत के असर को नेक करेगा ।

11- चंद्र नम्बर 10 से माता दुखिया और चंद्र की अश्या उल्टा ज़हर खड़ा करेंगी। चंद्र खुद बरबाद होगा-और उसका असर जानों के लिहाज से टेबे वाले की माता खानदान के खून पर और माली हालत के ख़्याल पर खुद अपने खानदान पर ज़हर की तरह मंदा होगा या दूध में ज़हर होगा-पानी से खतरा मौत होगा धन दौलत-बरबाद जायदाद जद्दी के कोयले करेगा। स़फ़र का सैलानी ख़र्चा बेवगान या औरतें (बेवा या माशुका) तंग करेगा।

चंद्र नम्बर 10-4

क्रियाफ़ा :- उम्र रेखा और दिल रेखा मिल जावे ।

बेवगान-विधवा औरतें लिहाज-आदर, शील, लज्जा मियाद-निश्चित समय सीमा माशुका-प्रेमिका, प्रेयसी चेष्टवाग-जिसका कोई विश्वास न हो, यकीन न हो ताल्लुक-संबंध सैलानी-जिसे धूमना फिरना बहुत पसद हो

सनीचर खाना नम्बर-5

बच्चे खाने वाला सांप

जले माया धन-जान बचता रहेगा
मरें बेटे पोते-तो फिर क्या करेगा

सांप शनि का लड़के खाता
बाकी सभी फल उत्तम होगा
केतु भले-औलाद हो बढ़ता
सुभाओ शनि हो जब कभी मंदा
सात 12 घर-शुक्कर आया
मंगल टेबे खाह 10 बैं बैठा
मकान नया जब अपना बनता
महल लाखों औलाद बनाया
रवि टेबे जब तख्त पर बैठा
अक्ल अन्धा खाह गांठ का पूरा

या दुश्मन वह मकानों का
शनि-बृहस्पत दोनों का
मकान राहु से बनता हो
पाप उम्र तक जलता हो
रवि चंद्र 5-10-9 हो
औलाद बुरा न होता हो
सामान लावल्दी होता हो
बुरा कोई न होता हो
शनि पाया घर पहला हो
फिर भी माया ज़र कलपता हो

- १ - जद्दी मकान में सूरज या चंद्र या मंगल की अश्या क्रायम करें लेकिन जब नम्बर 10 में राहु केतु हों तो जद्दी मकान में सूरज या चंद्र या मंगल की अश्या जलावें वर्षफल में बादाम मंदिर में ले जाकर निस्फ़ वापस लाकर घर में क्रायम रखें। सनीचर बच्चे मारता है जब मंगल बद हो।
- २ - औलाद की तादाद और उम्र पर तो बेशक मंदा न होगा मगर उनकी बाकी सब बातों (मसलन बृहस्पत नम्बर 10 तो औलाद खुद ही अपने घर का सोना चोरी करके बाहर चोरों को लोहे के निरख पर बेच दे पर मंदा होगा।
- ३ - बमूजिव वर्षफल घूम कर।

निस्फ़-अर्द्ध, आधा

बमूजिव- के अनुसार

मसलन-जैसे

निरख-भाव, दर

टेबे-जन्मपत्री

1- दि
2- अ
कुछ 1
3- भा
की आ
मकान
मकान
4- वा
होगा।
5- छा
औलाद
6- मक
7- अब
उपाओ व
पर कोई
लिए को
घर का 2
बाहर चोर
मुश्तरका

नेक हालत

हस्त रेखा

सनीचर से शाख सेहत रेखा को काटे।

नेक हालत



- 1- दिमागी खाना नम्बर 15 बृहस्पत से मुश्तरका खुदारी की तबियत का मालिक होगा।
- 2- औलाद की हालत केतु से और मकानों की हालत राहु से पता चल जाएगा-खाह कुछ भी हो वह लावल्द कभी न होगा।
- 3- भोला बादशाह खुदी (तकब्बुर) और खुदारी का मालिक होगा मार छानबीन की आदत से ज़िन्दगी डम्डा बना लेगा-खुद अपने बनाए हुए मकान या ख़रीदे हुए मकान औलाद की बुराबनी लेंगे मगर औलाद के बनाए हुए या ख़रीदे हुए मकान कभी बुरा फल न देंगे।
- 4- बास्ते औलाद जद्दी मकान (घर) में मंगल या बृहस्पत की मुतअलिलका अश्या कायम करना मुबारक होगा।
- 5- छानबीन की आदत से उम्दा ज़िन्दगी बना लेने वाला होगा } जब केतु भला हो औलाद बढ़ती ही होगी। } जब राहु भला हो।
- 6- मकान बनेंगे } जब राहु भला हो।
- 7- अब सनीचर का औलाद पर कोई बुरा असर न होगा और किसी उपाओं की ज़रूरत न होगी-गो अब तादाद और उम्र औलाद पर कोई बुरा असर न होगा मगर ऐसी औलाद वाल्दैन के लिए कोई कारआमद साबित न होगी बल्कि ऐसी औलाद खुद ही अपने घर का सोना (बृहस्पत) सामान खुराक (मंगल) चोरी से निकाल कर बाहर चोरों को लोहे के निरख पर फ़रोख़ करेगा। } शुक्रकर 7-12 या सूरज चंद्र नम्बर 5-9-10 मंगल या बृहस्पत नम्बर 10

मुश्तरका-मिले जुले, इकट्ठा

तकब्बुर-अभिमान

कारआमद-डपयोगी

मुतअलिलका-संबंधित

अश्या-चीजे, बस्तुएं

फ़रोख़-विक्री निरख-शाव, दर

नेक हालत

8- सनीचर अब धरम देवता होगा।

खाना नम्बर 11 खाली हो
क्रियाफ़ा: सेहत रेखा क्रायम
और खाना नम्बर 11 तक ही होवे।

9- क्रिस्मत का नेक असर 5-17-29-41-53-65-77
89-101-113 साला में होगा मगर औलाद का फिर भी
मंदा ही हाल होगा।

बृहस्पत नम्बर 9

10- पहला लड़का क्रायम रहे या न रहे मगर औलाद पर सनीचर नम्बर 5
का बुरा असर न होगा बल्कि उसके ऐकज में टेबे बाले का खानदानी
पुरोहित बरबाद होगा। दुनियाकी तीन कुत्तों (दुनियाकी आम कुत्ता जानवर)
की पालना मुवारक फल देगी।

केतु नम्बर 4

मंदी हालत

1- सनीचर (बमूजिब जनम कुण्डली) खाना नम्बर 5 या 7 में हो तो सूरज या चंद्र या मंगल
(बमूजिब वर्षफल) नम्बर 7 में आने के बक्त सेहत के ताल्लुक में बुरा असर होगा।

2- तमाम जिस्म पर ज्यादा बाल हों तो बेशक चोर फरेबी भी बने फिर भी मंदभाग
और बदनसीब होगा गो अहले कलम मार निर्धन ही होगा। मुकदमा ज़हमत बीमारी का आम झगड़ा होगा।

3- मंदे बक्त किसी का धन जले किसी की औलाद बरबाद हो और कोई खुद ही अपने जिस्म और नज़र
पर मंदा हो बैठे।

4- जद्दी मकान में सूरज (मोघ) (sky light -बन्दर-तांबा-भूरी भैंस) चंद्र
(चावल-दूध-मोती-चकोर) बृहस्पत (सोना केसर) मंगल (शहद
खाण्ड-सौंफ-लाल मूंगे-हथियार) की मुतअल्लिका अश्या क्रायम करें
लेकिन जब नम्बर 10 में राहु केतु हो तो मंगल की मुतअल्लिका अश्या जद्दी मकान में जलावें तो औलाद
की तादाद और उम्र में बरकत होगी। जब कभी वर्षफल के मुताविक सनीचर नम्बर 5 हो तो धरम अस्थान में
बादाम ले जाकर आधे वापिस घर में क्रायम करें। औलाद की पैदाइश

वर्षफल-वर्षफल धरम अस्थान-धर्म स्थान ऐकज-बदले में क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र फरेबी-छल, कपट, धोखा

मंदी हालत

पर मीठा बांटने का
मुवारक फल देगा।

5- सनीचर की रुक्षा
या उस ग्रह की रुक्षा
नुकसान देवे सनीचर।

6- अन्धा बच्चे रुक्षा
खाह सात हों और
या बना बनाया खाह
मकान ही होगा खाह
में सूरज या चंद्र होगा
तरह बरबाद कर देगा।

7- पाप राहु केतु
गुलामी में 'गुजार देगा।

8- खाह अक्ल वापिस होगी।

उपाय

की अर्चा क्रायम वापिस लाकर घर में
करने की अब क्सानी

१ सूरज-गुलाम
मंगल-सौंफ
चंद्र-चावल

मगरिब-पश्चिमी दिश
मल्लौ-बनावटी ग्रह

मंदी हालत

पर मीठा बांटने की बजाए नमक (नमकीन चीज़ें) आम लोगों में बतौर शायन या खैरात तक्सीम करना मुबारक फल देगा।

5- सनीचर की उम्र 36-18-9 में नम्बर दो के ग्रह के रिश्तेदार या उस ग्रह की मुतअल्लिका जानदार अश्या को सांप काटे या नुकसान देवे सनीचर अब राहु सुभाओ (मंदा) मस्नूई सांप होगा। } मंगल बुध टेवे में इकट्ठे या दृष्टि से बाहम मिलते हों।

6- अन्धा बच्चे खाने वाला सांप औलाद-नरीना का दुश्मन शादियां खावा ह सात हों औलाद बहुत पैदा हों मगर अपना नया मकान बनावे या बना बनाया खरीदें तो 48 साला उम्र तक सिफ़ एक लड़का या मकान ही होगा खासकर जब 7-12 में शुक्रकर और 5-9 में सूरज या चंद्र हो औलाद को तो लोहे की ज़ंग की तरह बरबाद कर देगा। } जब नम्बर 10 खाली हो।

7- पाप राहु केतु की उम्र तक सनीचर का असर मंदा होगा बल्कि उम्र भर } जब जाती सुभाओ के गुलामी में गुज़ार दे। } उसूल पर सनीचर मंदा हो

8- खावा ह अक्ल का अन्धा और गांठ का पूरा हो फिर भी माया की कलपना } बमूजिब बर्षफल होगी। } सूरज नम्बर 1 या सनीचर नम्बर 1 हो जावे।

उपाओः-

जद्दी मकान के खाना नम्बर 10 (मणिरिव तरफ़) में सनीचर के दुश्मन ग्रहों की अश्या क्रायम करें या सनीचर की खुद अपनी चीज़ बादाम धरम अस्थान में ले जाकर आधे बापिस लाकर घर में क्रायम रखें खाल रहे यह बादाम खाया नहीं करते। सनीचर ने बुराई न करने की अब क़सम खा ली गिनी जाएगी।

१ सूरज-गुड़-तांबा-भूरी भैंस-बन्दर

मंगल-सौंफ़-खाण्ड-शहद-लाल मूंगे-हथियार

चंद्र-चावल-चांदी-दूध-कुआं-कुदरती पानी-घोड़ा-चकोर

मणिरिव-पश्चिमी दिशा

नरीना-नर

बाहम-एक साथ, मिलकर, परस्पर

मस्नूई-बनावटी ग्रह

अश्या-चीज़े, वस्तुएं

तक्सीम-विभाजन, बांटना

सनीचर खाना नम्बर-6

बुरा लड़का गो पैसा खोया न अच्छे
मगर काम फिर भी वह अक्सर हैं आते

उलटी दृष्टि दूजा देखे
असर शनि खुद वैसे होंगे
बुध केतु न दो कोई मंदा
शादी पहले जब 28 करता
केतु टेवे घर 10 की गिनती
बाप से ऊपर नाम खिलाड़ी
मित्तर शनि 10 चौथे बैठा
मौत फ़रिश्ता सिर जब कटता
हालत कोई ख़ाह कैसी टेवा
बाद 42 ऐसा उम्दा

असर बुरा न 10 पर हो
जैसा केतु कहीं बैठा हो
न ही लावल्दी टेवा हो
चंद्र शुक्कर केतु मंदा हो
हाल मुसाफ़िर उम्दा हो
आयु-मर्द-माया बढ़ता हो
बुध पाया घर दूजा हो
मदद शनि न करता हो
हल्फ़ शनि जब लेता हो
फ़लक स्याही धोता हो

हस्त रेखा

सनीचर से शाख़ मुस्तालि को जावे।

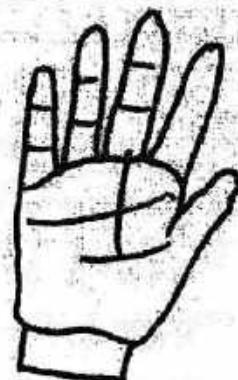
१ -बुध-शुक्कर-राहु

हल्फ़-शपथ, कसम, सौगंध
शुक्कर-शुक्र ग्रह

फ़लक-आकाश, गगन, आसमान
मुस्तालि-आयत

लावल्दी-निःसंतान
टेवा-जन्मपत्री

फ़रिश्ता-देवता



नेक
1-
होगा
नम्बर
2-
3-
किए
4-
लिए
खास
न क
का ह
बर्ष ज
मंदा
तो बुध
लड़के
5- मं
नेक उ
तारे तो
और ख

बमूजिं
ख़ाह-

नेक हालत

नेक हालत

- 1- अमूमन खाना नम्बर 2 देखा करता है खाना नम्बर 6 को मगर सनीचर नम्बर 6 के बक्तु अब उलट हालत होगी और सनीचर अब नम्बर 6 में बैठा हुआ खाना नम्बर 2 के ग्रह को देखेगा और वहां खाना नम्बर 6 में अगर सनीचर का दोस्त भी (ख़ाह शुकर ही) होवे तो भी ज़हरीला ढंग सार देगा।
 - 2- जिस्म पर एक मुसाम से अगर दो दो बाल पैदा हों तो अक्लमंद और हुनरमंद होगा।
 - 3- नहोराता वाला सांप जिसे दिन को तो नज़र आवे मगर रात को अन्धा हो या रात के बक्तु किए हुए काम में सनीचर का कोई मंदा असर शामिल न हो सकेगा।
 - 4- अपनी बिल से बाहर निकल कर फन (सिर) उठाते हुए ढंग पर किसी को जान से मार देने के लिए तैयार शुदा सांप की तरह सनीचर अब उलटी दृष्टि खाना नम्बर 2 के ग्रह को देखता होगा। खासकर जब राहु नम्बर 8 में हो। सनीचर खुद अपने खाना नम्बर 10 के ग्रह पर सनीचर का कोई बुरा असर न करेगा। जैसा केतु का असर उस बक्तु टेवे में हो वैसा ही सनीचर के हुक्म पर औरों का हाल होगा। जहां केतु होगा वहां ही सांप का फ़र्राया (या असर की लहर) जाएगा। सनीचर बमूजिब बर्ष जब नेक घरों में आ जावे सिर पर साया करने वाला शोषनाग होगा। बुध मंदा न होगा और न ही लावल्दी का टेवा होगा लेकिन अगर शादी 28 साला उम्र से पहले हो तो बुध चंद्र शुकर तीनों ही मंदे 28 साला उम्र के बाद अगर शादी हो तो 24 साल लड़के ही लड़के पैदा होंगे। माता पिता ज़र व दौलत अक्ल हुनर सब की बरकत होगी।
 - 5- मंदा ज़माना सिर्फ़ 42 साला उम्र तक होगा जिस के बाद सनीचर हलफ़िया नेक असर देगा ख़ाह टेवे में सूरज 12 ही क्यों न हो। सनीचर अगर तारे तो कुल ज़माना की ही स्याही धो देगा। नालायक बेटा और खोटा पैसा फिर भी कभी न कभी काम आ ही जाता है।
- जब राहु जन्म कुण्डली में या बमूजिब बर्षफल नम्बर 3-6 में ऊंच हो जावे।

बमूजिब-अनुसार
ख़ाह-चाहे

बर्षफल-वर्षफल

हलफ़िया-शपथ पूर्वक

हुनरमंद-कला जानने वाला
हुक्म-आज्ञा, आदेश, फरमान, इजाजतअमूमन-प्रायः, अक्सर
सिर्फ़-केवल

नेक हालत

5- जब सनीचर नेक घरों में आ जावे या टेवे में बर्षफलं के मुताबिक नेक असर का होवे तो गुरु बुध का असर होगा और लड़की की जगह लड़का पैदा होंगे। सफर के उम्दा नतीजे। बाप से उम्दा नामवर खिलाड़ी और हर तरह की खेल करतब या चाल चलन की रंग बिरंगी हालत में सब से ऊपर के दर्जा का मालिक होगा। मर्द आयु-माया की बरकत होगी।

अब शुक्रकर आबाद होगा। औरत सुखिया होगी।

केतु नम्बर 10 या जब केतु उम्दा हो।

सूरज नम्बर 12

मंदी हालत

1- सनीचर नम्बर 6 अपने असर की मंदी हालत खुद सनीचर की अशया के ज़रिए ज़ाहिर करेगा यानी चमड़े के बूट जूते या लोहे की चीज़ें जो बच्चों के इस्तेमाल की हों अमूमन सनीचर के मंदे असर आने की पहली निशानी होगी। ऐसा प्रानी अगर शराब का आदी हो जावे या मुकान बनावे खासकर जब सनीचर नम्बर 6 (जन्म कुण्डली नम्बर 6) दोबारा नम्बर 6 (बर्षफल) आवे तो सनीचर ज़रूरत अदालत-राजदरबार और महकमा पुलिस के ताल्लुक में मंदे और तकलीफ देह नतीजे पैदा करेगा। बहरहाल शनि नम्बर 6 की मंदी हालत की पहली निशानी के तौर पर अमूमन टेवे वाले के जूती या बूट गुम होंगे या नम्बर 6 (जन्म कुण्डली) का शनि नम्बर 6 (बर्षफल) में आए हुए शनि के वक्त नए बूट ख़रीदने की निहायत ज़रूरत पड़ेगी जिसके ख़रीदे जाने के दिन के बाद राजदरबारी ताल्लुकात में अमूमन ख़राबियां या मंदे नतीजे होंगे। यही हाल नई मशीनें या सनीचर की मुतअल्लिका अशया ख़रीदे जाने पर होगा। सबसे बेहतर तो यही होगा कि चमड़े (चमड़ा खुद शनि की चीज़ है और केतु इस का मददगार ग्रह है जो पावों का मालिक है लेकिन चमड़ा चूंकि मुर्दा चीज़ है और जिस्म की खाल उतरी हुई इसलिए शनि भी चमड़े की चीज़ों के आने के वक्त मुर्दा की तरह मंदे असर देगा) की

उम्दा-अच्छा

सफर-यात्रा, गमन, प्रस्थान

अमूमन-प्रायः आमतौर से

नामवर-प्रसिद्ध, मशहूर

तकलीफ-कष्ट, परेशानी, दुख

ताल्लुकात-संबंध

मुतअल्लिका-संबंधित

नई
होगा
(सनीचर)
मदद
3-
और
बह
अश
4-
उम्दा
5-
6-
उपर
7-
के
ताल
गहु
8-
होग
तवे
वेश
स्वय

मंदी हालत

नई चीजें पावों के लिए खरीदी न जाएं ताकि चमड़े के जूते सिर पर न पड़ें।

2- लेख की स्याही का मालिक अगर मंदा हो तो सिर्फ़ एक गुना मंदा होगा और वह भी सदा ही मंदा न होगा। अगर यह ज़हर से न मारे तो अपने जिस्म के लपेट (चक्कर दर चक्कर लपेट लेना) से घोंट कर ही दुखिया कर देगा। सनीचर नम्बर 6 का असर वेशक शक्की (अच्छा या बुरा) होगा मगर अब बृहस्पत का असर ज़रूर ही मंदा ही होगा ख़ाह बृहस्पत उस वक्त (सनीचर नम्बर 6 के वक्त) कहीं और कैसा ही बैठा हो। नारियल या बादाम दरिया में बहाना मददगार होगा।

3- 28 से पहले शारी हो तो सनीचर छाती पर सांप की तरह ज़हरीला असर देगा और बुध मंदा होगा जिससे 34 ता 36 साला उम्र में माता व औलाद बरबाद होगी मगर वह कभी मंदा न होगा। अब न सिर्फ़ सनीचर अपना बुरा असर देगा बल्कि खुद सनीचर की अपनी अश्या और केतु भी मुतअल्लिका अश्या दोनों ही के मंदे नतीजे होंगे।

4- सनीचर की मियाद (36-39 साला उम्र) के बाद मकान का बनाना मुवारक होगा बल्कि 48 साला उम्र तक मकान बनाना मुवारक न होगा।

5- सांप की सेवा से औलाद बढ़ेगी।

6- केतु की बरबादी को रोकने के लिए पूरा स्याह कुत्ता (सरसों व दीगर राहु की अश्या का उपाओ) मददगार होगा।

7- मंगल के मुतअल्लिका रिश्तादारों (टेबे वाले का बड़ा भाई उस के बाप का बड़ा भाई यानी ताया-माता का बड़ा भाई यानी मामू) के ताल्लुक में सनीचर का असर बीनाई वगैरह मंदी होगी ख़ासकर जब राहु नम्बर 1 में हो तो मामू 21 साला उम्र में अन्या होगा।

8- सिर कटने से मौत हो। खुफिया काम करने का आदी होगा। घर में रोटी पकाने के लिए मिट्टी के तवे या पूरी बदबू खड़ी होगी।

बुध शुक्र राहु नम्बर 4-10 या बुध नम्बर 2 या सूरज चंद्र मंगल का साथ।

कियाफ़ा:- हथेली का ख़ाना नम्बर 6 में सिर रेखा के ऊपर मगर दिल रेखा के नीचे सनीचर के बुर्ज के नीचे छोटी सी लकीर या त्रिशुल X का निशान हो।

वेशक-निःसंदेह
स्याह-काला

ख़ाह-चाहे
मुतअल्लिका-संबंधित

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
बीनाई-आंखों की ज्योति, नजर, दृष्टि

बदबूख़ी-भाग्य की खराबी, दुर्भाग्य
मामू-मामा (माता का भाई)

मंदी हालत

9- मंद भाग होगा।

10- सनीचर ज़हरीला मंदा सांप होगा जो गुरु-बिधन और धन हानि करेगा

यानी शुकर की जानदार अश्या (गाय-बैल-स्त्री वर्गीरह) और चंद्र

की जानदार अश्या (माता वर्गीरह) पर भी हमला करेगा खासकर जब राहु

नम्बर 8 में हो या मंदा (राहु) हो रहा हो।

शुकर या चंद्र नम्बर 2

उपाओः-

सनीचर नम्बर 6 की आम मंदी हालत से बचने या ज़हरीले असर को रोकने के लिए सरसों के तेल से भरा हुआ बरतन (मिट्टी का) किसी तालाब या दरिया के पानी के अन्दर ज़मीन की तह में दबावें जहां वह बरतन पानी के अन्दर छूपा रहे चूंकि जब खाना नम्बर 2 खाली हो तो खाना नम्बर 6 का शनि रात को अन्धा होता है। इसलिए अगर शनि के मुतअल्लिका कारोबार या साज़ों सामान के शुरू या पैदा करने की ज़रूरत हो जावे तो रात का वक्त ऐसे कारोबार या साज़ों सामान के शुरू या पैदा करने के लिए कारआमद होगा वशर्ते कि रात स्याह रात हो यानी रात को उस वक्त चंद्रमां न चमक रहा हो।

सनीचर खाना नम्बर-7

कलम विधाता (रिज़क)

उलट रंगी बोतल की जो नाज़नीं थी
कफन खींचने को वह तेरा खड़ी थी

न बुजुर्गी शान माया
हकीम सादिक दुनिया बनता

न इल्म दरकार हो
पल समंदर पार हो

१- पराई नाज़नीन की मोहब्बत से अपनी औलाद मंदी बल्कि नदारद ही होगी।

तह-नीचे, अन्दर

नाज़नीन-स्त्री, औरत

कारआमद-असरदार, प्रभावशाली

सादिक-सत्यवादी, सच्चा, चरितार्थ

नाज़नी-मृदुल, कोमल, सुकुमारी, सुंदरी

दरकार-वचित, अभिलाषित

नेक हालत

617

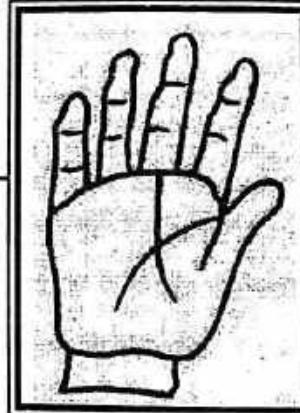
सनीचर नम्बर 7

बुनियाद शनि की शुक्कर होता
दौलत हुकूमत साथ दो लाता
गुरु शुक्कर बद मंगल मिलता
पर उपकारी दौलत उम्दा
बुध शत्रु-10 तीन या 7 का
चंद्र करे जब मंदा टेवा

ताकृत गुना 7 होती हो
शर्त जागीर न कोई हो
नसीब मारा वह होता हो
वरना न्यासरी माया हो
आयु-पिता-ज़र मंदा हो
शनि मंदा खुद रोता हो

हस्त रेखा

उँगली और सिर रेखा मिली हो। सनीचर से
शाख़ सिर रेखा पर या शुक्कर के बुर्ज में होवे।



नेक हालत

- 1- जिस पर एक मुसाम से अगर एक एक बाल पैदा हो तो सनीचर नेक व उत्तम असर देगा।
 - 2- किसी के हुक्म से इधर देख रहे हो कि धमकी देने वाला-पक्का हठधरमी-देखने की बजाय सुनने पर क़ायल और अलाहदगी पसन्द होगा।
 - 3- माल हराम व हरामकारी कफन मुफ्त न देगा। आई चलाई ख़ाह लाखों हज़ारों की हो मगर जागीर।
- १ -जब शनि की तबीयत (चालाक) का मालिक और औरतों से मोहब्बत रखने वाला हो
मुसाम-रोम छिद्र हरामकारी-पर स्त्री गमन जागीर-बहुत बड़ी सम्पत्ति वाला
कफन-मुर्दे का दिये जाने वाला कपड़ा अलाहदगी-भिन्नता, वियोग शुक्कर-शुक्र ग्रह

नेक हालत

की शर्त न होगी।

4- क़लम बिधाता (रिज़क़) ऊंच गृहस्ती हालत। जनम वक्त ख़बाह राई के बराबर मामूली हालत का आदमी हो मगर सनीचर की मियाद पर वह ज़रे से ऊंचा पहाड़ हो जावेगा। काग रेखा यानी सनीचर नम्बर 1 के वक्त जिस तरह निहायत मंदी हालत हुआ करती है अब उसी तरह ही उलट हालत में उम्दा से उम्दा हालत हर तरफ होगी।

5- दरअसल सनीचर की बुनियाद शुक्कर ही होगा और असर की ताक़त 7 गुना होगी। दौलत व हुक्मत का साथ होगा। अगर शादी 22 साला उम्र तक न हो तो टेवे वाले की नज़र बेबुनियाद अन्धापन होगी। मकानात बने बनाए बहुत मिलेंगे।

6- बहरहाल पर उपकारी तो धन कारआमद वरना न्यासरी (जिस घर जावे उस को तबाह कर के आगे चल पड़ने वाली) माया होगी।

7- चालाकी और होशियारी के लिए उड़ती हवा को फ़र्ज़ी तौर पर एक जानवर मानो तो उसी जानवर की आंख में मिट्टी डालने की हिम्मत का मालिक होगा।

8- राजदरबार से 5 लड़कियों की शादी करने के पैमाना के बराबर धन दौलत प्राप्त होगा। ऊंच सनीचर अपने वक्त में नेक बृहस्पत का काम देगा या बृहस्पत व शुक्कर का फल उम्दा होगा और वह अमीरों से अमीर होगा।

9- हज़ारों सफ़र करेगा। उसके बुजुर्गों की शर्त नहीं। बगैर पुल बांधे ही समंदर को पार करने की हिम्मत और मुआविन उम्र का मालिक होगा।

10- घर में लेटा हुआ पत्थर या खड़ा सुतून उत्तम सनीचर की निशानी होगी।

11- सनीचर-शुक्कर-बुध-राहु सब का उम्दा फल-ख़ैशो अक़ारिब सब मद्दगार होंगे लेकिन पेशा सनीचर में शामिल होने वाले सब माल व दौलत खा जाएंगे।

दोस्त ग्रह (बुध-
शुक्कर-राहु) 3-5-7-11
कियाफ़ा:-
उम्र रेखा व सिर रेखा मिल जावे।

12- जायदाद जद्दी तो बेशक इतनी न होगी मगर माहवारी आमदन हज़ारों रुपयों की होगी।

जब मंगल नेक हो।

सुतून-खंभा, स्तंभ

समंदर-समुद्र

कारआमद-उपयोगी, उपयुक्त

ख़ैशो अक़ारिब-भाई बन्धु

सफ़र-यात्रा

मुआविन-सहायक, मद्दगार

मियाद-समय, अवधि, काल

नेक हालत

13- गांव का मालिक रईस होगा।

14- दोगुना मंगल नेक और दो नेक केतु का उम्दा फल होगा। मुआविन उम्र रेखा से लम्बी उम्र-उम्दा सेहत-आल औलाद का सुख और बवकत दुर्मन हर एक से ज़ाहिरा व गैबी मदद मिले।

बुध नम्बर 11:

मंगल-शुक्र-सनीचर इकट्ठे क्रियाफ़ा:-मुआविन उम्र रेखा के साथ साथ एक और उम्र रेखा।

15- मुआविन धन रेखा होगी। माया दौलत बेहद ज़्यादा क़ायम

मंगल बृहस्पत

देखते हों
सनीचर को।

मंगल शुक्र

16- मुआविन उम्र व गैबी मदद रेखा का उत्तम फल होगा।

मंगल चंद्र या

देखते हों
बृहस्पत को।

मंगल सनीचर

मंदी हालत

1- किसके हुक्म से इधर देख रहे कि एतिकाद का मुतक्किर दुनियादार होगा।

2- सनीचर (बमूजिब जनम कुण्डली) खाना नम्बर 5 या 7 में हो तो सूरज या चंद्र या मंगल (बमूजिब वर्षफल) खाना नम्बर 7 में आने के बवकत सेहत के ताल्लुक में बुरा असर होगा।

3- पराई औरत की मोहब्बत के बवकत अपनी औलाद मंदी चालिक नदारद ही होगी। सब कुछ बिक जावे लेकिन जब तक पुराने जद्दी मकान की दहलीज़ क़ायम हो सब कुछ वापिस बहाल होगा।

4- शराबख़ोरी काग़ रेखा और सनीचर के मंदे असर की पहली निशानी होगी और क़ैद गले लगी रहती होगी ख़ाह कितना ही ज़बरदस्त डाकू या मशहूर चोर हो।

जब सनीचर जाती सुभाओं से मंदा हो।

5- दुखों का पुतला होगा।

मंगल-चंद्र-शुक्र सब रद्दी

6- हासिद-कमीना मगर ज़ाहिरदारी उम्दा होगी।

बृहस्पत मंदा

7- मस्तुर्ई सनीचर { बृहस्पत शुक्र-केतु सुभाओं } 27 साल हथियार का { मंगल बुध राहु सुभाओं } मंगल बुध इकट्ठे या गुरु शुक्र इकट्ठे।

ख़ौफ़-29 साला उम्र तक मंदी सेहत-झगड़ालू-नसीब मारा होगा।

ज़ाहिरा-दिखाई देने वाला, स्पष्ट

एतिकाद-शृङ्खला, आस्था, विश्वास

गैबी-देवी ताकत

हासिद-ईज्यालु, दूसरों से जलने वाला

मुतक्किर-अहंकारी, अभिमानी

शराबख़ोरी-शराब पीना, मदपान

मंदी हालत

- 8- सनीचर भी मंदा ही होगा (वास्ते दौलत) सिर की बीमारियां होगी। } चंद्र मंदा
- 9- आयु ज़र व दौलत पिता सब मंदे होंगे। जद्दी जायदाद व } बुध या सनीचर के दुश्मन
मकानात मंदे। } ग्रह (सूरज-चंद्र-मंगल)
- नम्बर 3-5-7-10
- 10- बेग़ज़ मगर गंदा आशिक़ होगा और स्त्री बहुत लम्बे अरसा तक बीमार रहे। } शुक्र का साथ
- 11- हर तरह की बरकत-घर में शहद का बर्तन रखना ज़रूरी वरना पोते } खाना नम्बर 1 खाली
के आते आते सब माया दौलत काल माया (बरबाद) होगी। } खाना नम्बर 1 खाली
- 12- मौत सिर कटने से होगी। } बुध नम्बर 1
- 13- आंख ख़राब होगी। } बुध बमूजिब बर्षफल
नम्बर 7 आ जावे
- 14- हिज़ा-निकम्मा आदमी-नहोराते बाला टेवा (ऐसे टेवे में रात के } सूरज नम्बर 4
बक्त ग्रह काम नहीं करते)
- 15- सनीचर नम्बर 1 का दिया हुआ मंदा फल देगा और 27 साला उम्र तक } जब मंगल बद हो
हथियार से नुकसान का डर होगा। } हथियार से नुकसान का डर होगा।

उपाओः-

खाण्ड से भरकर बंसरी बाहर चीरने में दबाना मुबारक बशर्ते कि सनीचर सोया न हो।
अगर सोया हो तो शहद के बर्तन का उपाओ मददगार होगा।



हिज़ा-नामद	ज़र व दौलत-रूपया, पैसा	बशर्ते-शर्त के साथ	मकानात-मकान, घर
पोते-पोता (पुत्र का पुत्र)	बमूजिब- के अनुसार	बंसरी-बाँसुरी	निकम्मा-काम चोर

नेक हा
न
च
श
ज़
अ
ख़

1- दिमाग
टेवा-जन्म
तकब्बुर-

सनीचर खाना नम्बर-8

हैडक्वार्टर

खुशी जनम की-उसकी क्या वह करेगा

जनमते ही जिसके-हो मातम पड़ेगा

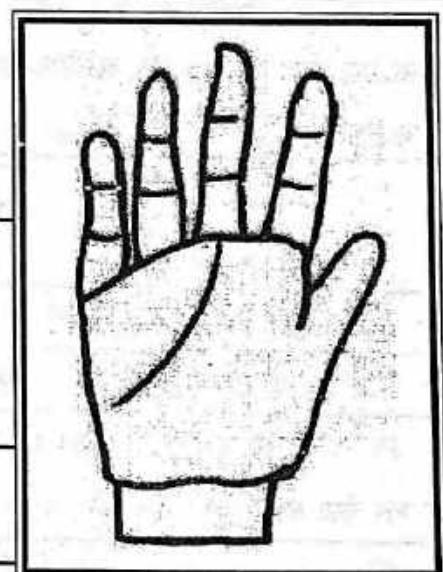
न शनि की चीजें मंदी
चाल उसकी होगी वैसी
शनु ग्रह जब साथ या साथी
ज़हर भरेगी नाग में इतनी
असर शनि दे मंगल जैसा
खाली पड़ा घर 12 टेवा

न बुरा खुद आप वह
जैसा बुध या पाप हो
मंदा शनि खुद होता हो
मौतें खड़ी ही रखता हो
बैठा टेवे में जैसा हो
उग्र-कब्र तक दुखिया हो

हस्त रेखा

मंगल बद से शाख सनीचर में। सनीचर का
हैडक्वार्टर खाना नम्बर 8 होता है।

नेक हालत



1- दिमागी खाना नम्बर 14 तकब्बुर व खुदपसंदी का मालिक होगा।

टेवा-जन्मपत्री

तकब्बुर-अभिमान, अहंकार

खुदपसंदी-अपने को सबसे अधिक पसंद करने का भाव

सनीचर-शनि ग्रह

ज़हर-विष

हैडक्वार्टर-मुख्यालय

नेक हालत

2- साप और चोर मुर्दा भी हो तो भी उन से डर ही लगेगा। सनीचर अब अपने हैंडक्वार्टर में बैठा होगा जिसका कुछ पता नहीं कि भला असर करे या बुरा फल देगा मगर ज़रूरी नहीं कि बुरा ही हो या भला ही करे। असर शक्की ही होगा मगर ऐसा शख्स अपना भला हर एक के भले में मांगने वाला होगा या बिल में छुसे हुए सांप की तरह सनीचर अपने हैंडक्वार्टर में अकेला बैठा हुआ मौत के बारंट जारी करने वाला खुद ही बअखियार हाकिम होगा।

3- जैसी बुध-गहु-केतु की चाल होगी वैसे ही सनीचर की चाल होगी। सनीचर अब अपने एजेंटों के ऐतबार पर काम करेगा मगर खुद सनीचर का ज़ाती असर व खुद अपनी राय का ढलान वैसा ही होगा जैसा कि मांगल हो। अकेला बैठा कभी मंदा न होगा। यह घर मारग अस्थान की बजाय अब सनीचर का हैंडक्वार्टर होगा।

4- चंद्र के उपाओ (अपने पास चांदी का चौकोर टुकड़ा रखने) से सनीचर की असलियत का पता चलेगा।

5- सनीचर की मुतअलिलक़ा चीज़ें न मंदी होंगी और न ही खुद सनीचर का असर मंदा होगा मगर यह शर्त नहीं कि भला ही होगा मौक़ा के मुताबिक़ } जब सनीचर अकेला हो। जैसा मुनासिब होगा बदल जाएगा।

मंदी हालत

1- शराबख़ोरी से परहेज़ रखना सनीचर का असर मंदा न होने देगा।

2- छाती पर ज्यादा बाल हों तो उम्र भर गुलामी में गुज़ार दे।

3- इस घर में अब सनीचर के जितने ग्रह साथी हों उतने ही खून (मौतें) हो जाने के बाद ऐसा शख्स जन्म लेगा।

4- मंदी हालत में चंद्र का उपाओ यानी ख़ालिस चांदी का टुकड़ा अपने पास रखना या पत्थर पर बैठ कर दूध से अस्नान करना मुबारक होगा यानी मिट्टी पर बैठ कर अस्नान न करे।

मारग अस्थान-४ वां घर का स्थान

बअखियार-अपने अधिकार से

परहेज़-अलग रहना, बचाव

शराबख़ोरी-शराब पीना, मद्यपान

मुनासिब-उचित

ख़ालिस-शुद्ध

मंदी हालत
जब कभी
पांव तले)
पांव का त

4- सनीचर
और नज़र

5- कुल उ
ऐसे टेवे वा
मुतअलिलक़
बुढ़ापे में न

(सनीच
रहु को सि
घर से आगे
उस घर पर
बर्फकल) स
दुम

मुतअलिलक़
अस्नान-स्न

मंदी हालत

जब कभी भी होवे अस्तान करते बक्त अपने पावों तले (टेवे वाले के पांव तले) कोई न कोई चीज़ ज़स्तर ही रख लें ख़ाह कंकर पत्थर ही क्यों न हों ताकि पांव का तलवा सीधा ही ज़मीन की कच्ची तह से न लगे।

4- सनीचर खुद ही इतना मंदा होगा कि मौतें ही मौतें खड़ी रखता रहेगा और नज़र का बुद्धापे में धोका होगा।

दुर्मन ग्रह (सूरज चंद्र मंगल) साथ या साथी।

5- कुल उम्र बल्कि आख़री बक्त तक कम दौलत और दुखिया ही रहेगा। ऐसे टेवे वाले के जनम लेते ही दूसरे साथी ग्रहों के मुतअल्लिका क़रीबी रिश्तादारों को क़ब्र में जाना पड़ेगा। बुद्धापे में नज़र का धोका होवे।

खाना नम्बर 12

खाली कियाएँ।

हाथ की उंगलियों के

नाखून स्याह रंग हो

(सनीचर के मंदे असर का रुख़ किधर होगा) :-

राहु को सिर और केतु को दुम समझकर अगर सांप की शक्त बना दें तो राहु बैठा होने वाले घर से आगे जहाँ कहीं भी यानी जिस खाना में ख़त निकल कर सीधा ही जा सकता हो उस घर पर सनीचर का असर पड़ेगा। अच्छा या बुरा जो मौका के मुताबिक़ (जनम कुण्डली या बमूजिब बर्षफल) साबित हो।

दुम (केतु) पहले या कुण्डली के पहले घरों में हो तो सनीचर का असर उत्तम च मददगार होगा।



मुतअल्लिका-संबंधित
अस्तान-स्नान, नहाना

तह-जमीन के अन्दर
रुख़-तरफ, पक्ष

बमूजिब-के अनुसार
दुम-पूँछ
बक्त-समय, काल

इलान
गी बजाय

का

सनीचर अकेला हो।

पत्थर पर

मुनासिब-उचित
ख़ालिस-शुद्ध

सनीचर खाना नम्बर-9

कलम बिधाता
(मकानों/मर्दां)

नेक हालत

सोया रात निर्धन चले जब सवेरे
उठाता नहीं कोई घर बार तेरे
जागीर मालिक और भारी कबीला
बुरा यहां न वह कभी करता
60 साल तो उम्दा होगा
शर्त बृहस्पत इतनी करता
शनि मालिक है आंख शुकर का
चोट शनि हो जब कहीं खाता
शनि बैठा जब उत्तम टेवे
शुकर मगर जब आया दूजे
मंगल टेवे जब चौथे बैठा
फूंक तमाशा सारी दुनिया
सात छठे बुध शुकर उम्दा
बेच कफन खुद दौलत पाता
पापी ग्रह हो जब शनि बनता
कीनावरी शाह होगा माड़ा

पुश्त तीनों तक चलता हो
बुध कोढ़ी से डरता हो
बल्कि उम्र हो सारी ही
होवे पर उपकारी भी
तरफ चारों ही देखता जो
अन्धा शुकर खुद होता हो
शुकर असर 2 देता हो
शनि गुना 9 होता हो
शनि जलावे 9 वें को
खुद प्लेगी चूहा हो
शनु बुरा न तीजा हो
खाली पड़ा जब दूजा हो
धूमता पत्थर होता हो
मन की दलीलें सोचता हो

1 - जिस घर शनि हो शुकर में वही असर और दृष्टि भी शुकर की उस घर की तरफ होगी मगर दृष्टि की चाल खुद शुकर की अपनी पिछली तरफ (जहां से बैठा हुआ शुकर आगे घरों को देख सकता हो) की होगी लेकिन अगर शुकर बैठा ही बाद के घरों में हो तो भी वह (शुकर) देखेगा तो वह शनि ही की तरफ मगर दृष्टि का दर्जा टेढ़ी ही आंख की तरह देखने के ढंग का ही होगा।

2 - बच्चे के माता के पेट के बक्त का बनाया या ख़रीदा हुआ मकान।

प्लेगी-चूहों की बीमारी

तीजा-तीसरा

दूजा-दूसरा

माड़ा-कमज़ूर

कीनावरी-मन में द्रेष रखना, समय पढ़ने पर शत्रुता प्रकट करना, कपटाचरण

पुश्त-पीठ, बंश, नस्ल

किस्मत रेखा
ऊर्ध रेखा हो

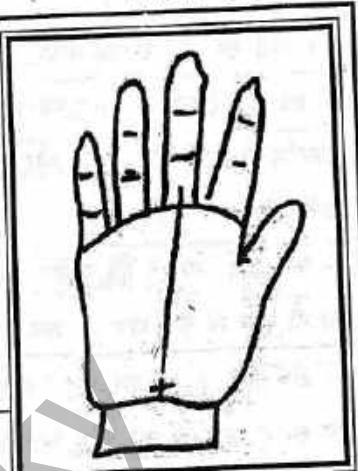
1- मर्दों और मकानों पर या दुनिया से कूच या तीन मकान कायम
2- पहाड़ी हवा और सफ़र व तालीम मका
3- भारी कबीला और वह किसी हालत में दुनिया का मालिक और खुद असर देगा। सिफ़र यह अगर तकलीफ़ होवे तब वाले सांप की तरह मरीज़ की निशानी होगी।

4- सनीचर जब उत्तम में शुकर नम्बर 2 कोहसार-पर्वतमाला, प

नेक हालत

हस्त रेखा

किस्मत रेखा की जड़ पर
+ त्रिशूल हो या
ऊर्ध्व रेखा होवे।



नेक हालत

1- मदों और मकानों के लिए क़लम बिधाता (बहुत उत्तम नेक मायनों में) सनीचर की मियाद पर या दुनिया से कूच के आखूरी वक्त तक कम अन्त कम तीन मकान रिहायश कायम होंगे या तीन मकान कायम हो जाने उसके आखूरी वक्त (मौत) की निशानी होगी।

2- पहाड़ी घवा और प्रबल कोहसार की तरह उत्तम और सरसब्ज़ करने वाली आंख का मालिक सामान सफ़र व तालीम मकान की तालीम में कामयाब हमदर्द और सख्ती होगा।

3- भारी क़बीला और जारीरों का मालिक हमेशा सुखिया लम्बी उम्र और माता पिता का सुख उम्दा होगा। वह किसी हालत में क़र्ज़ा छोड़ कर नहीं मरेगा। तीन पुरुत (बाबा-बाप-पोता) हर दम कायम का मालिक और खुद सनीचर कभी यंदा असर न देगा। 6 साल तो ज़रूरी बल्कि सारी उम्र ही उत्तम असर देगा। सिफ़्र यह शर्त होगी कि इन्सान परठपकारी भी होवे। माता पिता के बाद अगर तकलीफ़ होवे तो गुरु का उपाओ मददगार होगा वरना मुख़ालिफ़ दुनियादार उसे काटने वाले सांप की तरह मारने को दौड़ेंगे। घर में जनम का गड़ा हुआ पत्थर मुवारक फल की निशानी होगी।

4- सनीचर जब उत्तम बैठा हुआ हो तो शुक्कर कहाँ भी होवे वह (शुक्कर) सनीचर के ताल्लुक में शुक्कर नम्बर 2 का दिया हुआ फल देगा लेकिन अगर शुक्कर ही हो नम्बर 2 में तो 9 गुना नेक

कोहसार-पर्वतमाला, पहाड़ों का सिलसिला

मुख़ालिफ़-दुर्मन, विरोध

सखी-दानी

उपाओ-उपाय

सरसब्ज़-हरियाली, हरा भरा

गोगी मगर दृष्टि
देख सकता
खेगा तो वह
गा।

माड़ा-कमज़ोर
पीठ, बंश, नस्ल

होगा मगर चंद्र भाग हर दो हालत में मंदा होगा।	
5- हर तीनों (सनीचर-बुध-शुक्र) का असर उम्दा होगा। रफ़ा ए आम के कामों से फ़ायदा होवे। औरत अमीर खानदान से होगी (बुध नम्बर 6)	बुध नम्बर 6 या शुक्र नम्बर 7
6- कोई मंदा असर न देंगे लेकिन अगर पिछली अन्धेरी कोठरी रोशन कर दी जावे तो तीन साल के अन्दर अन्दर सब कुछ बरबाद होगा	दुश्मन ग्रह (सूरज चंद्र-मंगल) नम्बर 3 में
7- लर्ध रेखा का मालिक दुष्ट (मनहूस) भागवान जिस के धन से सड़े हुए मुर्दे की बदबू आवे या धन दौलत के होते हुए भी गंदी ज़िन्दगी का मालिक हो।	नम्बर 2 खाली
8- औलाद का हाल मंदा न हो।	
9- कुदरत की तरफ़ से कोई बुरा वाक़िआत भौत वगैरह दुख देने वाला न होगा।	बृहस्पत नम्बर 5 मंगल नम्बर 3 सूरज चंद्र या मंगल नम्बर 3
10- मां बाप दोनों की तरफ़ से उम्दा क्रिस्मस और भला लोग होगा। औरत अमीर खानदान से और खुशक्रिस्मत होवे।	चंद्र नम्बर 4
11- दूसरों से हमदर्दी और बाल्दैन की बाहमी नेक मुआफ़कत अब सूरज और सनीचर का कोई झगड़ा न होगा।	सूरज नम्बर 5
12- गो माया ज्यादा मगर माया पर पेशाब की धार मारने वाला होगा।	बृहस्पत नम्बर 12

मंदी हालत

1- पेशानी पर या चाबों की पीठ पर बाल हों तो मंदभाग होगा।	
2- किसी निर्धन को रात को भी अपने मकान में आराम न करने देगा कि कहीं वह उस का घर बार न उठा ले जाए।	
3- बच्चे के माता के पेट के बक्त का बना हुआ या ख़रीदा हुआ मकान बाप को सनीचर की मियाद वाकिआत-घटना, हाल मुआफ़कत-दोस्ती, बराबरी रफ़ा ए आम-लोक कल्याण पेशानी-माथा, ललाट	

मंदी हालत

पर ज़िन्दा न
लेगा।4- छत पर
गुरु का उप5- अब और
जायज़ होंगी।6- सनीचर
प्लेगी चूहे व
बाला होगा।7- ऐसा शरू
के कफ़न तर8- सनीचर
हुआ निर्धन
कीनावरी के
कमज़ोर शाह
औलाद की पैशनि खाना न
है। यानी जो
पीछे भागकर
प्यास बुझाएगातक्सीम-विध
तरक्क

मंदी हालत

पर जिन्दा न छोड़ेगा। राजदरबार में आहिस्ता आहिस्ता कक्षुए की चाल की तरह तरबूकी लेगा।

४- छत पर चौकाठ ईंधन लकड़ी मंदे असर की पहली निशानी होगी। मंदी हालत में गुरु का उपाओ मददगार होगा।

५- अब औलाद पर बुरा असर न होगा बल्कि पूरी मच्छ रेखा (९ लड़के ३ लड़कियाँ) } केतु नम्बर ५ जायज़ होगी।

६- सनीचर खाना नम्बर ९ को जलाएगा। घर बार और सारी दुनिया को फूंक कर प्लेगी चूहे की तरह बीमारी व लानत की गन्दी हवा फैलाने } मंगल नम्बर ४ वाला होगा।

७- ऐसा शख्स अमीर तो होगा मगर दुष्ट मनहूस भागवान होगा जो दूसरों } नम्बर २ खाली। क्रियाक्रा-: कर्ध रेखा हथेली के खाना नम्बर ९ से चलकर हाथ को दो² हिस्सों में तक़सीम करने वाली रेखा।

८- सनीचर बेबुनियाद घूमता पत्थर होगा। साहुकार से ग्रीब हो चुका हुआ निर्धन प्रानी अपने ही मन (दिल) की दलीलें करता रहता और कीनावरी के ख़्याल में ग़र्क़ रहता होगा। या ऐसा शख्स कीनापरवर क़मज़ोर शाह व मन की दलीलें करने वाला होगा जिसकी अपनी औलाद की पैदाइश के रास्ते में भारी मनहूस और मंद पत्थर फंस रहा होगा। शनि खाना नम्बर ५ में औलाद के मारने में एक ज़हरीला सांप माना गया है। यानी जो औलाद पैदा हो जाने के बाद भी उन पैदाशुदा बच्चों को उन के पीछे भागकर उनके मारने के लिए ज़हरीले सांप की तरह उनको मारकर अपनी प्यास बुझाएगा मगर खाना नम्बर ९ का शनि औलाद के ताललुक में सांप

सनीचर बहैसियत पापी ग्रह (राहु-केतु की तरह सनीचर को मिलते या देखते हों।)

तक़सीम-विभाजन, बांटना

साहुकार-व्याज पर पैसा देना

कीनापरवर-गुप्त शत्रु, कपटी मित्र

तरबूकी-उत्थान, उत्तराति, वृद्धि, बढ़ती

बहैसियत-अपनी समर्थ के अनुसार

की बजाए एक बड़ा भारी पत्थर का पहाड़ होगा जिस को उबूर कर के बच्चों को अपनी माता के पेट से बाहर आना मुश्किल होगा लेकिन जो बच्चा पैदा हो गया उस के पीछे शनि नम्बर ९ का पहाड़ शनि नम्बर ५ के सांप की तरह नहीं भाग सकता। किस्सा कोताह शनि नम्बर ९ के बक्त बच्चे देर बाद पैदा होंगे और जो जो पैदा हो गए जिन्दा रहेंगे।

9- खुद बदला लेने वाला बरना औलाद को बदला लेने की नसीहत कर जाने वाला होगा। आग के मदे बाकिआत बृहस्पत की चीज़ें (सोना-हवाई ज़र्द रंग) और चंद की चीज़ें (चांदी-बजाज़ी) और बृहस्पत के कामों से नफ़ा मगर सनीचर की चीज़ें और सनीचर के मुतअल्लिका काम मंदा फल देंगे।

सनीचर बहैसियत पापी
ग्रह (राहु-केतु किसी
तरह सनीचर को मिलते या
देखते हों।

नेक हालत

सनीचर खाना नम्बर-10

लेख का कोरा
खाली काग़ज़

अक्स दिल का आखों पे इन्ज़त करेगा
क़दम पर क़दम आगे बढ़ता चलेगा

मालिक नज़र ग्रह मण्डल होगा
नेक असर खुद अपना देता
केतु बेशक हो टेवे मंदा
नेक शनि तो सब से उम्दा
शत्रु ग्रह या मंदा साथी
नज़र उड़ेगी ग्रह सब ही की

दौलत शाहाना पाता हो
दूजा गुरु आ मिलता हो
पापी बुरा न होता हो
मदे ज़हर खूनी होता हो
अन्धा शनि खुद होता हो
न ही भला शनि रहता हो

१ - मगर आखरी नतीजा मंदा जब खुद भला लोग धर्मात्मा हो लेकिन अगर शनि की तोबियत का तो हर तरह उम्दा।

उबूर-पार करना, लांधना किस्सा कोताह-सारांश यह कि, मतलब यह कि, यानी कि, अर्थात् बाकिआत-घटना
मुतअल्लिका-संबंधित शाहाना-एजसी, शाही ठाठ बाठ अक्स-छाया, परछाई

1- खाना नम्बर
10 का सनीचर

2- पिता की

१ - ३-५
93-99-105-1

तरङ्ग-लग्न, सि
कम ३

39 साला 48 होते
शनि असर दे जब खुद मंदे
तख्त चंद्र गुरु चौथे बैठा
4 मंवा या दुश्मन धेरा
साल सातवां तीसरा हर कोई उम्दा
घूम चक्कर बुध 7 वें आता

उम्र पिता का साथी हो
भली मदद गुरु होती हो
ऐश सवारी देता हो
27 साला ज़र मंवा हो
चारों तरफ शनि देखता हो
ससुराल अमीरी देता हो

हस्त रेखा

सनीचर के बुर्ज पर अपनी रेखा

ॐ श्री गणेश जी की शक्ति।

सनीचर के बुर्ज पर मद्दमा की जड़ से रेखा हो
तो सनीचर नेक होगा।



नेक हालत

1- खाना नम्बर 10 का सनीचर अगर खाना नम्बर 1 के ग्रह का मददगार हो को 2 गुना उम्दा बरना नम्बर 10 का सनीचर खाना नम्बर 1 के ग्रह का दो गुना दुश्मन होगा।

2- पिता की उम्र का टेवे वाले की कम अज़ कम 48 साला उम्र तक साथ होगा। सनीचर हर 7 वें साल
- 3-9-15-21-27-33-39-45-51-57-63-69-75-81-87

93-99-105-111-117 साला उम्र में।

तख्त-लग्न, सिहासन

कम अज़ कम-कम से कम

मददगार-सहायक, मदद करने वाला, हिमायती, सहारा देने वाला

सनीचर-शनि ग्रह

ज़र-धन दौलत

(3-9-15-21-27-33-39-45-51-57-63-69-75-81-87-93-99

102-111-117) हर तरह से मान व इज्जत दौलत बरकत देगा और खुद सनीचर व बृहस्पत दोनों ही का उम्दा असर होगा।

3- मगर अकेले सनीचर की हालत में उम्र का हर तीसरा साल उम्दा और सनीचर न सिर्फ़ चारों तरफ़ देखने वाली आंख का मालिक या मद्द करने वाला होगा बल्कि किस्मत (लेख) का सफेद कोरा खाली कागज़ (नेक मायनों में) तमाम ग्रहों की नज़र का मालिक और उनके लिए बहैसियत पिता होगा।

4 दरख़त-जंगल और पहाड़ तरह तरह की जायदाद का मालिक-ध्वजाधारी की तरह शाहाना दौलत और आसमान तक की बुलंदी व इज्जत व आबरू पा कर आखरी वक्त ऐसा गिरेगा कि उसका निशान ढूँढना भी मुश्किल होगा खासकर जब वह धर्मात्मा हो। लेकिन अगर सनीचर की तबीयत (सांप की तरह चौकंजा और दूसरों पर संगदिल) वाला हो तो हर तरफ़ से उम्दा व उत्तम शान का मालिक होगा और सनीचर खुद शेषनाम सिंहासन की तरह मददगार होगा। उसी तरह ही भारी पहाड़ की तरह स्थिर होकर यानी बैठा ही रह कर काम करने वाला हो या ऐसे काम हों जिन में बैठा ही रहना पड़े तो फ़ायदामंद लेकिन अगर दौड़ने भागने या (out door duties) में हरदम मारा मारा फिरने वाला हो तो मुर्दा सांप की तरह हर एक के पावों के तले आता होगा।

5- केतु बुरा हो तो बेशक बुरा हो मगर राहु सनीचर कभी मंदा असर न देंगे।

6- पिता की उम्र लम्बी और टेबे वाले की कम अज़ कम 39 ता 48 साला उम्र तक पिता का साथ होगा। और टेबे वाले की खुद अपनी उम्र 90 साल के क़रीब होगी। राजसमा ख़ाह शादी या धरम अस्थान मंदिर वग़ैरह गज़ोंकि हर जगह बतौर अपनी नज़र इज्जत व मान होगा और वह उम्दा और फ़क़ीर की झोली की किस्मत (जिसका भेद न खुले) का मालिक होगा। जिसका फ़ैसला खाना नम्बर 11 से होगा।

7- जिस क़दर दूसरों की इज्जत करे उतनी ही ज़्यादा अपनी इज्जत बढ़ती होगी।

8- **०** बुध का गोल दायरा जमा 1-बृहस्पत का सीधा डंडा (कुल 10 का हिन्दसा) या

दरख़त-वृक्ष, पेड़

आबरू-प्रतिष्ठा, इज्जत

बहैसियत-प्रतिष्ठित, इज्जतदार, सम्मानित

बुलंदी-ऊंचाई

शाहाना-राजसी ठाठ बाठ

धरम अस्थान-मंदिर

नेक हाल
दोनों मिल
में सनीच
श्री माति
9- जब
को ज़ाहि
को मका
मकान द
आगे औ
मुराद सि
के लिए
10- ह
11- स
12- ग
भी अ
13- सनी
1- दा
जायदा
2- न
बमूजि

नेक हालत

दोनों मिले हुए बुध बृहस्पत के खाली आकाश का ब्रह्मण्ड होगा जिस में सनीचर (त्रिशूल जपा की निशानी) जमा ॥॥ (सीधे खड़े खत बृहस्पत की रेखा)

५ श्री गणेशाय नमः का सब से ऊपर इज्जत निशान देगा गोया वह इत्यं जादू का मालिक और आंखों से ढी सुनता होगा।

9- जब तक शारब न पीवे सनीचर की बरकत बढ़ती रहेगी और उस का भेद किसी को ज़ाहिर न होगा और अगर 48 साला उम्र तक नया मकान न बनावे तो सनीचर टेवे बाले को मकान की क़ीमत व सामान के बराबर धन दौलत देता जावे लेकिन जब ही मकान बन जावे सनीचर अपनी मदद का विस्तार बोरिया उठा कर ले जावेगा और उस दिन से आगे और ज्यादा नक़ा न देगा मगर यह मतलब नहीं कि बुरा असर देने लग जाएगा। मुराद सिर्फ़ यह है कि उस दिन के बाद यानी जब मकान बन जावे सनीचर मकान बनाने के लिए फ़ालतू धन जमा न होने देगा।

10- हर तरह से ऐश व सवारी का आराम। } चंद्र नम्बर 1 बृहस्पत नम्बर 4

11- समुराज खानदान अमीर होंगे और दौलत देंगे। } जब बुध ब्रूजिव वर्ष
} फल नम्बर 7 में आ जावे।

12- गो सनीचर अब एक सोए हुए सांप जी मानिंद होगा। मगर फिर भी असर मुबारक ही देगा। } नम्बर 2 खाली हो कियाफ़ा
} हाथ की उंगलियों के नाखून दरमियाना हो।

13-सनीचर अब नेक ही फल देगा। कियाफ़ा:-सनीचर के बराबर मद्दमा की जड़ पर रेखा हो सनीचर जागता हो

मंदी हालत

1- दाढ़ी और मूँछ के बाल कम या बिल्कुल नदारद तो कम हौसला होगा और उसको खुद पैदा करदा जायदाद न होगी।

2- नम्बर 10 में अब्बल तो सनीचर मंदा न होगा लेकिन आगर हो तो खूनी अज़दहा ही होगा।

ब्रूजिव-अनुसार

अज़दहा-सांप

मानिंद-तुल्य, समान

वर्षफल-वर्षफल

3- दुश्मन ग्रह (सूरज-चंद्र-मंगल) या कोई और मंदा ग्रह अगर साथ साथी हो तो सब ही ग्रह अन्ये बल्कि खुद सनीचर भी मंदा होगा।

4- हथियारों से हत्या करने से 27 साला धन दौलत का मंदा ज़माना होगा। जब सनीचर का असर मंदा होवे तो बृहस्पति की मदद मुबारक होगी।

} नम्बर 4 मंदा या नम्बर 4 में सनीचर के दुश्मन (सूरज-चंद्र-मंगल)

सनीचर खाना नम्बर-11

लिखे विधाता
(खुद विधाता)

कथा दांत दुनिया से धरमी जो डरता
पकड़ पापी बेड़ी है खुद पार करता

दरबार गुरु के हल्फ से पहले
केतु राहु हों जैसे टेवे
ग्रह उत्तम को वह बढ़ा कर
सिर्फ बुध से है वह डरता
साथ साथी जब हो गुरु बैठा
मंदे गुरु घर तीसरा मंदा
लेख नसीबा तख्त यह खोलता
बुध दबाया हो या मंदा

धरम अदालत बैठता हो
फैसला उन पर करता हो
जल्दी जल्दी खुद बढ़े
कि न हो घर तीसरे
धरमी शनि खुद होता हो
खाली तीजे शनि सोता हो
उग्र 84 रक्षा हो
बेकार शनि खुद होता हो

१ -11-23-36-48-57-72-84-94-105

119 साला उप्र ।

२ -लड़की भैंस का मंदा हाल बुध की चीजों के गैर मुबारक नतीजे

हल्फ-शपथ, कसम, सौगन्ध

धरम-धर्म

टेवे-जन्मपत्री

तीजे-तीसरा

नसीबा-धार्य

1- सनीचर

2- दौलतम्

उग्र में किं

१

1- आप ह

2- जब श

3- जब रा

का उप

दबकन-द

बजात-अप

रवि मंगल घर 10 वें बैठे
राज दौलत सब उत्तम होते
दरवाजा दक्कन का साथी मिलते
अव्याश जिना ही घर खुद होते



चंद्र आया घर 6 वें हो
पाप स्याही धोता हो
असर दौलत धन मंदा हो
जिस्म आयु शनि जलता हो

हस्त रेखा

बृहस्पति सनीचर के बुजाँ की दरमियानी
जगह खाना नम्बर 11 होगा।



नेक हालत

- 1- सनीचर की नेक व बदनीयत का फैसला राहु और केतु बजात खुद अपनी अपनी हालत से होगा।
- 2- दौलतमंद मगर आंखों को होशियारी और फ़रेब से धन कमावे। अमूमन 48 साला
- उम्र में किस्मत (अच्छी या बुरी) का फैसला होगा। नेक हुआ तो मिट्टी को हाथ डालने पर

उपाओ :-

- 1- आम हालत में बृहस्पति का उपाओ मददगार।
- 2- जब शनि का जाती सुभाओ मंदा खुद शनि का उपाओ मुवारक।
- 3- जब राहु केतु मंदे या उन की चीज़ों की मंदी निशानियाँ या ग्रहण निशानी हो तो मंगल का उपाओ और उपाओ के दिन से एक साल लगातार लंगोटे पर पूरा क़ाबू रखे।

दक्कन-दक्षिण दिशा	अव्याश-भोगविलासी	जिना-व्यभिचार, परायी स्त्री या पराए पुरुष से सहवास
बजात-अपने आप से	फ़रेब-धोखा, छल कपट	दरमियानी-बीच का

नेक हालत

भी सोना ही मिलेगा लेकिन अगर मंदा हो तो सोने की भी मिट्टी हो गयी बाला हाल होगा।

मगर हर दो हालत में आयी चलाई तावकृत कूच हमेशा मंदी होगी

3- सनीचर अब बच्चे के जन्म का हुक्म देने वाला खुद ही बहैसियत विधाता होगा यानी औलाद के योग बेशक मंदे हों मगर अब ऐसा प्रानी कभी लावल्द न होगा। सनीचर खुद किस्मत का हर दम राखा और पाप (राहु-केतु) की स्थाही धोने वाला होगा। ऐसा शख्स पक्का मर्द होगा मगर खुद उसकी पैदा करदा जायदाद शायद ही कोई होगी या बाल्दैन से अमूमन जायदाद पाएगा। बहरहाल वह धरमी तबीयत और धरमी आंखों का मालिक होगा।

4- सबसे पहले अब सनीचर कुल ज़माना और सब ग्रहों के गुरु बृहस्पत का हलफ़ ले और फिर बाद में धरम अदालत करेगा। जैसे राहु-केतु होंगे वैसा ही अपने धरम ईमान से फ़ैसला करेगा। उत्तम ग्रह को जल्दी जल्दी बढ़ाकर खुद बढ़ेगा जब तक बुध नम्बर 3 में न हो।

5- अब सनीचर खुद धरमी होगा खासकर जब टेवा धरमी (पाप राहु केतु)-चंद्र के साथ या नम्बर 4-10 में हो) हो लेकिन अगर बृहस्पत मंदा हो तो खाना नम्बर 3 बुनियाद होगा अगर नम्बर 3 खाली हो तो सनीचर सोया हुआ होगा और न सिर्फ़ खुद सनीचर का अपना फ़ैसला बहाल होगा बल्कि तख्त पर आने के दिन (11-23-36-48-57 72-84-94-105-119) से सनीचर नेक फल देगा। और 84 साला उम्र तक मदद देता रहेगा।

बृहस्पत साथ साथी
कियाफ़ा:-सनीचर के
बुर्ज या मद्दमा की जड़ से
सनीचर व बृहस्पत के
दरमियानी खाना नम्बर 11 में
अगर रेखा जावे तो
सनीचर मंदा होगा लेकिन
अगर मद्दमा की जड़ या सनीचर
के बुर्ज से हथेली के
खाना नम्बर 11 में रेखा जावे तो
सनीचर का फल उम्दा उत्तम और
मददगार होगा।

बाल्दैन-माता पिता

अलाहदा-अलग

बहैसियत-अपनी क्षमता के अनुसार

हलफ़-शापथ

धरम-धर्म

लावल्द-जिसकी कोई संतान न हो

दरमियानी-बीच का

नेक हालत

5- राज

की स्था

6- रुक्मि

असर अ

7- पानी

नम्बर 11

कच्चा ब

1- खाना

48-57-

नेक फल

2- अण्डे

खुराक य

की आम

लेकिन 3

में उसी

तरह) अ

दरमियान

ही कोई

3- दक्ष

अव्याश

कुंभ-चंद्र

श

नेक हालत

5- राजदरवार माया दौलत सब उत्तम और खुद राहु-केतु भी पाप की स्थानी भी देंगे। } सूरज मंगल नम्बर 10
और चंद्र नम्बर 6 या सूरज नम्बर 1 और चंद्र नम्बर 2

6- रफा ए आम के फ़ायदे और आराम की पूरी ताकत और नेक असर और खुद आराम पावे। } शुक्रकर नम्बर 7

7- पानी का भरा हुआ घड़ा (सनीचर खाना नम्बर 11 में दृष्टि खाली) यानी जब या जिस का शनि खाना नम्बर 11 में हो तो ऐसे शख्त को शुभ काम करने के बक्त यानी का भरा हुआ घड़ा (मिट्टी का कच्चा बर्तन) बतौर कुंभ रख लेना निहायत मुवारक होगा।

मंदी हालत

1- खाना नम्बर 11 से चलकर खाना नम्बर 1 में आने के दिन से यानी 11-23-36

48-57-72-84-94-105-119 साल उम्र में सनीचर मंदा होता हुआ भी

नेक फल देगा।

2- अण्डे ही खा जाने वाला सांप बच्चे कहाँ छोड़ेगा की तरह सनीचर की खुराक यानी शराबख़ोरी/से सनीचर के नेक असर ज़ाया होगा और मंदे ज़माने की आम लहर होगी। अपना बनाया हुआ नया मकान पिछली अवस्था (54-55) में कायम होगा। लेकिन अगर पहली अवस्था (सनीचर की उम्र 36-39 से पहले) बना लेवे तो आख़री अवस्था में उसी मकान में देर तक बीमारी से लेट कर मौत होगी (मंदे हस्ताल की तरह) अपनी औलाद और गृहस्ती ज़िम्मेदारियों की बेड़ी को समंदर की मङ्गधार के ऐन दरमियान में छोड़कर मर जाएगा कि इन की आहों और दुखे दिलों की फ़रियाद सुनने वाला शायद ही कोई गृहस्ती दुनियादार मददगार होगा या हो सकेगा।

3- दक्कन के द्रवज़ा का साथ हो तो धन दौलत का हाल मंदा होगा और जब अव्याश ज़िना ही होवे और शराबख़ोरी को अपना फ़र्ज़ ही बना लेवे तो अपना

कुंभ-घड़ा रफा ए आम-लोकहित, जनता मङ्गदार-बीच में दक्कन-दक्षिण दिशा शराबख़ोरी-शराब पीना, मध्यान ज़ाया-बर्बाद अव्याश-भोग विलासी

जिस्म-उम्र और खुद सनीचर का नेक असर सब मंदे और जलते हो होंगे। दांत कथा मंदे वक्त की पहली निशानी होगी। बेहतर तो यही होगा कि जब भी मौका आवे शराब को मुँह में डालने की बजाए ज़मीन पर गिरा दिया करे तो सनीचर का नेक असर बढ़ता होगा। सब से उत्तम तो यही होगा कि शराब से हलफिया परहेज़ हो।

4- बुध की मुतअल्लिका अश्या रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिका बुध लड़की बहन का मंदा हाल और गैर मुबारक होगा। फ़रेब व बददयानती का धन अपने लिए ही कफ़न का बहाना होगा। अपने जन्म से पहले बने हुए मकानों के दरवाज़ों का रुख़ बदल देना (यानी उखाड़ कर मशरिक से मगरिब या शुमाल से जुनूब की तरफ़ यानी पहले से उलटी तरफ़ कर देना (ख़ासकर जुनूब में) उम्दा बने बनाए खेल को मंदा कर देगा और ज़िन्दगी मातम की सराय हो जाएगी।

5- न्यासरी माया गो तालीम अधूरी मगर धन दौलत भला ही होगा बेशक ज़माना का उत्तर चढ़ाव बहुत देखेगा मगर गुज़रान मंदी न होगी।

6- तीनों ही निष्फल होंगे और मंदे असर के साबित होंगे। } बुध नम्बर 3 बृहस्पत
} नम्बर 9 सनीचर नम्बर 11

7- मंदी सेहत के वक्त औरत से गृहस्ती ताल्लुक का कम अज़ कम एक साल परहेज़ चाहिए वरना बीमारी कम अज़ कम तीन साल और बढ़ती जाने वाली मियाद की होगी।

8- सनीचर बेकार और निष्फल (बेमानी बल्कि मंदा) होगा बुध दृवाया या मंदा हो

9- राहु केतु की मुतअल्लिका अश्या के मंदे असर की निशानियों के वक्त मंगल का उपाओ मददगार होगा अगर बृहस्पत निकम्मा हो या बाप बुजुर्ग गुरु या लम्बी उम्र का बूढ़ा कोई साथी न हो तो बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा। मंदे वक्त में बृहस्पत का उपाओ मदद देगा ज़ाती सुभाओ के उसूल पर अगर सनीचर मंदा हो तो खुद सनीचर का उपाओ मददगार

बददयानती-बैईमानी, धोखेबाजी
जुनूब-दक्षिण दिशा

मशरिक-पूर्व दिशा
हलफिया-शपथपूर्वक
शुमाल-उत्तर दिशा

मगरिब-पश्चिम दिशा
तालीम-पढ़ाई, शिक्षा

मंदी हालत

होगा। कुंभ यानी पानी का भरा हुआ घड़ा कायम रखना सब ही मंदी हालतों में और हमेशा ही नेक फल देगा।

आम उपाओ :-

सनीचर की पानी की तरह बहने वाली अश्या (तेल सरसों का-शराब-स्प्रिट वैरह) सुबह सूरज निकलने के बक्त ज़मीन पर गिराना राजदरबार गृहस्ती हालत और आमदन के ताल्लुक में हर तरह की ख़राबियों से बचाओ देगा।

सनीचर खाना नम्बर-12

कलम विधाता
(आराम)

मदद सांप ज़हरी जो तेरी करेगा
ज़माना में दुश्मन न बाकी रहेगा

नाग बैठे न जले जंगल में
साँधु खुशी हो अपनी समाधि
लेखा क्या देखे दरपन में

मछली नहावे जल में
गृहस्ती खुशी हो धन में
जब शुक्कर मंगल नहीं घर में
या शत्रु आए हों दर में

१ -मंगल-बुध

६ -बुध

११ -उम्दा हालत

२ -मच्छ रेखा

७ -कायम उत्तम

१२ -बृहस्पत

३ -चंद्र या नम्बर 4 उत्तम उम्दा

८ -सूरज-चंद्र-मंगल

४ -नम्बर 12 नेक

९ -नम्बर 2

५ -उत्तम धन रेखा नम्बर 7-9 तक

१० शुक्कर

ताल्लुक-संबंध

दरपन-शीशा

कायम-मौजूद

विधाता-विधाता

बाकी-शेष बचा हुआ

१ शुक्कर-शुक्र ग्रह

उम्दा-अच्छा

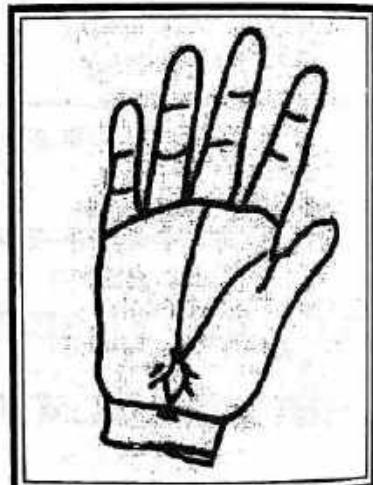
असर शनि का प्रबल ऐसा
 बुध बारह¹² न पापी मंदा
 व्योपार कबीला बेहद लंबा
 उत्तम शनि ख़ाह तख़्त हो देता
 पिछली कोठड़ी घोर अन्धेरा
 पाप बैठा जब ऊंच हो घर का
 सूरज छठे दीवार जो फटती
 पदम असर न झूठ शराबी

सांप हाथों में खेलता हो
 शेषनाग साया करता हो
 अरब करोड़ी होता जो
 पेशाब दौलत पे करता वह
 रोशन जभी न होती हो
 उत्तम रेखा मच्छ होती हो
 औरत औरत पर मरती हो
 मच्छ मुआविन उड़ती हो

हस्त रेखा

मच्छ रेखा

जब उम्र रेखा या ऊर्ध रेखा मछली के मुँह में होवे
 सनीचर उत्तम फल देगा।
 लेकिन जब मच्छ रेखा के मुँह में सूरज की तरक्की रेखा
 या बुध की सेहत रेखा गिर रही हो तो जुबान के चस्का
 से बरबादी होगी।



नेक हालत

- दुश्मनों के ताल्लुक में हाथ में त्रिशुल लिए बहादुर की तरह अच्छी और उम्दा ज़िन्दगी गुज़ारेगा।
- अन्धेरी कोठड़ी के जुनूब मशरिकी कोना में बादाम मुबारक। शनि मंदा होने से पहले बुध की मंदी निशानी दर्द आंख होगा।

व्योपार-व्यापार मुआविन-सहायक, मददगार जुनूब-दक्षिण दिशा मशरिकी-पूर्व दिशा तरक्की-उत्थान, उत्तर

नेक
 औ
 2-
 धन
 3-
 औ
 4-
 रात
 को
 सांप
 खुद
 उन
 पोशा
 5-
 का
 6-
 कंच
 ख़ाना
 7-
 व्योप

नेक हालत

और सामान खुराक की कभी कमी न होगी। अगर सिर पर टटरी (बालों का उड़ जाना) हो तो	
2- अब राहु केतु का देवे में बुरा फल न होगा और बुध भी अपनी शरारतों से बाज़ आ चुका होगा। धनाद्य दौलतमंद और भी सुखिया होगा।	
3- अमूमन हर 6-12 साला उम्र में नया मकान बनेगा। मकान बनने को न रोके। जैसा और जब बने बन ही लेने देवे। मकानात बहुत बनेगा।	
4- ज़हर और तमाम सांप हमेशा इन्सान को मारने वा ही बहाना नहीं होते। सनीचर अब रात के वक्त सिरहाने बैठ कर रक्षा करने वाला अज़दहा होगा जो जले हुए को आबाद करने वाली आंख का मालिक होगा। सनीचर का नेक असर इतना प्रबल होगा कि अगर सांप भी हाथों में आ जाए तो लड़ने की बजाय खेलता होगा बल्कि सनीचर खुद शेषनाग का साया करने वाला होगा। व्योपार और क़बीला हर दो लंबे पैमाना के उत्तम दर्जा पर होंगे। ख़ाह सनीचर अब करोड़ों रुपए देवे मगर वह शख्स पोशीदा फरेब व राजदारी का आदी होगा। बहरहाल वह माया पर पेशाब की भार मारता होगा।	
5- रात का पूरा आराम और सुख के लिए क़लम बिधाता की ताक़त का मालिक होगा।	<div style="display: flex; align-items: center; justify-content: space-between;"> <div style="flex: 1; text-align: right; margin-right: 10px;"> } </div> <div style="flex: 1; text-align: left;"> नम्बर 2 में सनीचर के दुश्मन (सूरज-चंद्र-मंगल) न हों। </div> </div>
6- जब तक पिछली अन्धेरी कोठड़ी क़ायम हो और पाप (राहु-केतु) कंच बैठा हो उत्तम मच्छ रेखा का फल होगा। ऐसे वक्त मंगल भी	<div style="display: flex; align-items: center; justify-content: space-between;"> <div style="flex: 1; text-align: right; margin-right: 10px;"> } </div> <div style="flex: 1; text-align: left;"> राहु नम्बर 3-6 केतु नम्बर 9-12 कियाफ़ा:-क़र्ध रेखा मछली के मुँह में गिर रही हो </div> </div>
खाना नम्बर 6 ता 12 में होगा।	
7- अब सनीचर तारने वाला इच्छाधारी मददगार सांप होगा।	<div style="display: flex; align-items: center; justify-content: space-between;"> <div style="flex: 1; text-align: right; margin-right: 10px;"> } </div> <div style="flex: 1; text-align: left;"> राहु नम्बर 12 </div> </div>



व्योपार-व्यापार, मकानात-बहुत से घर अज़हदा-सांप पोशीदा-गुप्त पहनाया हुआ राजदारी-भेदिया, मर्मज़

मंदी हालत

- 1- अगर झूठ बोलने वाला जिनाकार और शराबी हो तो पदम और मुआविन उम्र या मच्छ रेखा का भी कोई असर उत्तम न होगा। ज़बान का चस्का बरबादी का बहाना होगा।
- 2- आँखों की बीमारी के बाद मंदी सेहत फिर बाद में सनीचर का मंद असर शुरू होगा।
- 3- औरत पर औरत मरती जावे खासकर जब अपने मकान की पिछली दीवार फाड़ कर मकान को रोशन कर लेवे। } सूरज नम्बर 6
- 4- चंद्र अब चुप होगा। } चंद्र राहु नम्बर 12

अलिफ़- ज़बान का चस्का या बुध के कारोबार अश्या या रिश्तादार

मुतअलिल्का बुध बरबाद करें।

बुध मंदा हो।

बे- तबियत का गुस्सा- ज़नमुरीदी वगैरह-राजदरबारी ताल्लुक में सूरज व सनीचर का बाहमी झगड़ा (सांप बन्दर की लड़ाई का नज़ारा) पैदा करेंगे।

सूरज का ताल्लुक
कियाफ़ा:- मछली के मुंह में सूरज की तरक्की रेखा या बुध की सेहत रेखा गिर रही हो।

राहु

रहनुमाए ग्रीवां
(मुसाफिरां)

मुबारक यही तू जो आंसू बहाता
हुई मौत बीवी ख्वाह दुश्मन की माता

फलक ढांचा बहरे दुनिया
मद्दद पर जब राहु आया
मालिक बदी का पाप एजेंसी
लिखत शनि को ख्वाब में पढ़ता
साथ शनि खुद सांप का मनका
बाद बैठा ले हुक्म शनि का
शनि दृष्टि राहु पर करता
राहु मगर हो उलट जो चलता
शनि बैठे को राहु देखे
मदद मगर न शनि को देवे

दोनों नीला हो गया
दुनिया सिर सब झुक गया
मौत बहाने घड़ता हो
लिखा हुआ बद मंगल जो
असर मगर खुद अपना हो
पहले बैठा खुद हाकिम हो
लोहा-तांबा रवि बनता हो
हसद तबाही करता हो
राहु मंदा खुद होता हो
ज़ंग लोहे को खाता हो

- १ -मदे राहु के वक्त दक्कन के दरवाजे का साथ न सिर्फ माली नुकसान देगा। बत्तिक उस का ताकतवर हाथी भी चूंटी से मर जाएगा। जब तक खाना नम्बर 4 या खुद चंद्र उम्मा राहु कभी मंदा न होगा। चांदी का डपाओ मददगार।
- २ -मंगल नम्बर 12 या 3 सूरज बुध नम्बर 3 या राहु खुद नम्बर 4 के वक्त राहु मंदा असर न देगा।
- ३ -सांप की मणि जो उस के सिर में होती है जिसे सांप अपनी जान से भी ज्यादा अजीज़ रखता है।

फलक-आकाश, गगन
अजीज़-रिश्तेदार, प्यारा, प्रिय

दक्कन-दक्षिण दिशा
रवि-सूर्य ग्रह

सिर्फ़-खालिस, केवल
हसद-ईर्ष्या, जलन

मंगल राहु जब जुवा जुदाई
घर बैठक पर-असर न कोई
मंगल बैठे जब साथ दृष्टि
असर मगर इस घर का गिनती
मंगल दृष्टि राहु पे करता
उलट मगर हो जब वह बैठा
शनि रवि दो इकट्ठे टेवे
झगड़ा दोनों का लम्बा बढ़ते

बार्गी हाथी राहु बनता हो
मस्त खोई ख्वाह कैसा हो
असर केतु का देता हो
मिले असर जिस घर में दो
चुप राहु खुद होता हो
बाजू मंगल के पकड़ता हो
असर भला न दो का जो
नीच राहु-बद मंगल हो

दुनिया के फ़र्ज़ी अंदेशों की सोच विचार और जागते हुए ही इन्सानी दिमाग़ में
ख़ाबी लहर और कियासी ख़्यालात की नक्ल व हरकत का 42 साला उम्र का ज़माना राहु का अहद होगा।
सब कुछ होते हुए कुछ भी न होना राहु शरीफ़ की असलियत है।
दिमाग़ी लहर का मालिक सब दुश्मनों से बचाओ और उन का नाश करने वाला माना गया है।

आम हालत 12 घर

हाथी तख्त पर ग्रहण रवि का
लेख पंधूड़ा गुरु मंदिर का
उप्र-दौलत का राखा तीजे
पाप क़सम वह करता चौथे
धुआं शुक्कर बुध 7 वें उड़ता
मौत नवक़रा घर 8 बजता

10 वें शक्की खुद होता वह
रोता गुरु-घर 11 हो
गोली पक्का बंदूक़ची हो
औलाद-बच्ची न पांच की हो
कट्टी फांसी घर 6 से हो
ज़हरी चंद्र जब सनीचर साप से हो

तख्त-सिहांसन, लग्न

औलाद-संतान

फ़र्ज़ी-काल्पनिक

कियासी-विचारी, अनुमानी
ख़्यालात-विचारधारा

पंधूड़ा-झूला

शरीफ़-सभ्य

जले धरम 9 राहु भट्ठी
लाख उम्मीदें 12 फ़र्ज़ी



शिफा पागल को देता हो
हाथी ख़र्च न रुकता हो

क्रियाफ़ा:-

राहु-केतु-इन ग्रहों की कोई रेखा मुकर्रर नहीं है। सिर्फ निशान मुकर्रर हैं।

जहां निशान मिले वही घर कुण्डली का होगा और अगर निशान भी न हों तो दोनों ग्रह

अपने अपने घर के होंगे। यानी राहु खाना नम्बर 12 में होगा और केतु नम्बर 6 में होगा।

मच्छ रेखा के बक्त राहु-केतु ऊंच घरों में यानी राहु 6-3 केतु 9-12 ऊंच घर काग़ा रेखा के बक्त यह दोनों नीच घरों के होंगे। यानी राहु 9-12 केतु 3-6 नीच घर।

नेक हालत

1- उत्तम असर के बक्त चोट लगने से नीला रंग हो चुके जिस्म को फूंक से ही तंदुरुस्त करने वाला-मानिंद हाथी मगर सफेद रंग होगा।

2- आसमान के गुम्बद और दुनिया के समंदर दोनों ही नीले रंग का मालिक राहु जिसकी मदद पर हो जावे कुल दुनिया का सर उसके सामने झुक गया होगा मंगल के साथ या दृष्टि में होने से केतु का असर देगा। जब टेवे में मंगल सनीचर मुश्तरका (जब मंगल खुद अपनी हैसियत में नेक मंगल हो) हों तो राहु हमेशा ऊंच और उत्तम असर का होगा। खासकर जब खाना नम्बर 4 खुद या चंद उम्दा हो या मंगल नम्बर 12

3- या सूरज बुध नम्बर 3 या राहु अकेला नम्बर 4 } हो तो राहु कभी मंदा असर न देगा बल्कि टेवे वाले बुध के साथ या बुध की दृष्टि में } का सबसे ज्यादा मददगार होगा और मंगल नेक के दौरा (नम्बर 1 में आने के बक्त) पर चुप रहेगा।

फ़र्ज़ी-बनावटी

मुकर्रर-निश्चित, नियुक्त

गुम्बद-ऊंचाई, चोटी

हैसियत-आर्थिक अवस्था, प्रतिष्ठा

शिफा-रोग मुक्ति

धरम-धर्म

3- मंगल बद जो तहरीर करादे और सनीचर जिसे खुद लिखे उस तहरीर को ख़याली सफर की ताक़त का मालिक राहु ख़बाब में ही यानी (मंगल और सनीचर के मदे असर आने की ख़बर का उसे पहले ख़बाब आ जाएगा) पढ़ लेगा। कुण्डली में सनीचर से बाद के घर में बैठा हुआ सनीचर से हुक्म लेकर काम करेगा मगर जब वह सनीचर से पहले घर में बैठा हो तो खुद हाकिम होगा और सनीचर को हुक्म देगा।

4- यह चंद्र को मद्दम करता है मगर चंद्र के साथ ही ठंडा और कीले बंधा हुआ चुपचाप रहने वाला हाथी होगा गो सूरज को ग्रहण लगाता है मगर उस की गरमी से और भी ज्यादा नुकसान करने वाला हिलता हुआ हाथी होगा। बृहस्पत के शेर और साधु को तो कोद और दमा कर देगा मगर बुध के परिन्दों और सनीचर के कौवे को न सिर्फ़ आसमान में उड़ने की हिम्मत देगा बल्कि ^{बुध-सनीचर} _{बुध-राहु} दोनों ही ग्रहों का उम्दा असर कर देगा। अगर यह एक तरफ़ शुक्कर का जानी दुश्मन और केतु का रहनुमा सरदार है तो दूसरी तरफ़ सनीचर के सांप की मणि और मंगल के महावत के साथ शेरों का शिकारी हाथी भी माना गया है।

मंदी हालत

1- राहु मदे के बक़त उसका मदा असर राहु की कुल मियाद (42 साला उप्र) के पूरा होने पर दूर होगा। फ़ालतू धन दौलत-दुनियावी आराम व बरकत 42 के बाद फ़ौरन बहाल होंगे।

2- कड़कती हुई विजली-भूचाल-अतिशखेज़ माददा-पाप की एजेंसी बदी का मालिक-हर मदे काम में मौत का बहाना घड़ने वाली ताक़त-ठगी चोरी और अव्यारी का सरगना-आनन फ़ानन में चोट मार करके नीला रंग कर देने वाली ग़ैबी लहर का नाम नामी फ़रिश्ता कभी छुपा नहीं रहता।

3- जिस टेवे में सूरज शुक्कर मुश्तरका हों राहु अमूमन मदा असर देगा और जब सूरज सनीचर मुश्तरका और मदे हों तो राहु नीच फल बल्कि मंगल भी मंगल बद न ही होगा।

तहरीर-लिखावट फ़रिश्ता-देवता रहनुमा-मार्गदर्शक, आगे आगे चलने वाला हाकिम-पदाधिकारी, अफसर परिन्दों-पक्षियों मियाद-समय, अवधि, काल अव्यारी-बहुत अधिक चालाकी सरगना-सरदार, कमान्डर

मंदी हाल
4- कुप
का अस
5- अग
नरीना व
6- सूर
होगा ब
7- मदे
बल्कि र
8- मदे
खड़ी हो
अलि
बे- म
ही भागी
जीम-
दाल-
सीन-
जिस्म को

दबकन-द
च्यूटी-

मंदी हालत

4- कुण्डली में अगर केतु पहले घरों में बैठा हो और राहु बाद के घरों में हो तो राहु का असर मंदा और केतु सिफर होगा।

5- अगर राहु अपने दुश्मन ग्रहों (सूरज-शुक्र-मंगल) को साथ लेकर केतु को देखे तो औलाद नरीना और केतु की अश्या-कारोबार या रिश्तेदार मुत्तुलिङ्क का केतु बरबाद होगे।

6- सूरज की दृष्टि या साथ से राहु का असर न सिफर बैठा होने वाले घर पर मंदा होगा बल्कि साथ लगता हुआ घर भी बरबाद होगा।

7- मंदे राहु के वक्त दक्कन के दरवाज़ा का साथ न सिफर माली नुकसान होगा बल्कि उसका ताक़तवर हाथी भी मामूली च्यूटी से मार खा लेगा।

8- मंदे राहु के वक्त यानी जब बुखार-दुनियाबी दुश्मन या अचानक उलझन दर उलझन खड़ी होती जावे तो:-

अलिफ़- चांदी का उपाओ मददगार होगा। जब दिल की शान्ति बरबाद हो रही हो।

बे- मसूर की दाल-सुख़र रंग दली हुई-भंगी को सुबह स्वरें दे देवें या बैसे ही भंगी को पैसा धेला खैरात करते रहें।

जीम- मरीज़ के हमवज़न जौ (अनाज कनक जौ) चलते पानी में बहा देवें।

दाल-जौ रात को सिरहाने रख कर सुबह जानवरों या किसी ग़रीब-गुरबा को तक़सीम कर दें।

सीन-राजदरबार या ब्योपार के आए दिन झगड़े और नुकसानों के वक्त अपने जिस्म के बज़न के बराबर कच्चे कोयले दरिया में बहा देना मदद देगा।



दक्कन-दक्षिण दिशा

च्यूटी-चीटी

गुरबा-गरीब लोग

खैरात -दान

हमवज़न-वज़न के बराबर

तक़सीम-विभाजन, बांटना

राहु खाना नम्बर-1

हुआ लेख अन्धेर-बादल जो धेरा
कोई पोंछे आंसू -पसीना न तेरा

हाथी बैठा तख्त पर तो
सूरज बैठा जिस हो घर में
सूंड राहु का बुध हो बनता
टोला तीनों का जिस दम मिलता
चलती गाड़ी में रोड़ा अटका
होते सभी कुछ न कुछ होना
धन दौलत और लड़के पोते
राहु चमक जब अपनी देवे
बुध शुक्रकर हो जब तक उम्दा
मंगल बैठा जब आ घर 12

सीढ़ी पर चढ़ने वाला हाथी
दौलत मंदी की निशानी मगर सूरज
बैठा होने के घर ग्रहण होगा।

तख्त थर्नाने लगा
ग्रहण वां आने लगा
केतु जिस्म बन चलता हो
मौत फ़रिश्ता गूंजता हो
माला भली जो टूटी हो
राम कहानी होती हो
क्रायम सभी ख्वाह होता हो
काम कोई न आता हो
ग्रहण असर न मंदा हो
राहु सिफ़र खुद होता हो

- सिवाय सूरज बुध नम्बर 3 बैठा होने के बहुत
- खाना नम्बर 1 ता 6 पर सूंड का असर यानी बुध का असर जैसा भी टेवे के मुताबिक़ जन्म कुण्डली या वर्षफल के हिसाब हो रहा हो।
खाना नम्बर 7 ता 12 पर बाक़ी जिस्म का असर यानी केतु का असर जैसा भी टेवे के मुताबिक़ जन्म कुण्डली या वर्षफल के हिसाब हो रहा हो।

थर्नाने-कांपना, डरना

बाक़ी-शेष बचा हुआ

सिफ़र-शून्य, जीरो

फ़रिश्ता-देवता

मुताबिक़-बराबर, अनुसार

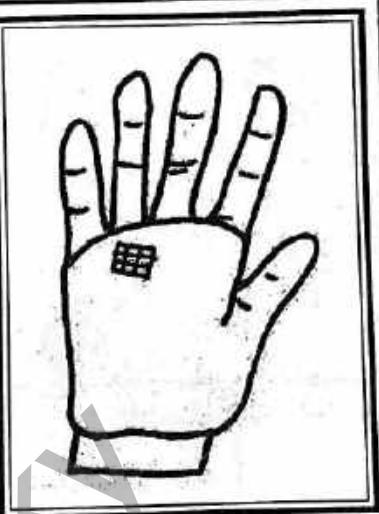
सिफ़र-शून्य

नेक हालत

हस्त रेखा

सूरज के बुर्ज पर राहु (जाल) का निशान हो

नेक हालत



1- सीढ़ी पर चढ़ने वाला हाथी-दौलत मंदी की निशानी-अपने जिस्म पर और कबीलदारी के कामों में गो खँचा ज्यादा होगा मगर नेक खँचा होगा। कुण्डली में सूरज बैठा होने वाले घर में अन्धेरा ही होगा और टेवे में $\frac{\text{सूरज ग्रहण}}{\text{चंद्र ग्रहण}}$ के वक्त $\frac{\text{सूरज}}{\text{चंद्र}}$ पर राहु की ज़हर का कोई भी मंदा असर न होगा अगर अन्धेरा होगा तो सिफ़ एक तरफ़ तमाम दुनिया अन्धेरे में न होगी यानी अगर किस्मत एक तरफ़ हार देगी तो सूरज की रोशनी या अपना रिज़क़ किसी दूसरी तरफ़ से ज़ाहिर हो जाएगा और ग्रहण हटते ही सूरज की पहली ताक़त और बैरूनी रोशनी व गरमी अपना रिज़क़ और शानोशौक़त सब कुछ़ फ़ौरन दोबारा बहाल हो जाएगा।

2- ख़ाना नम्बर 1 ता 6 पर हाथी का सूँड (बुध जैसा भी बमूजिब जन्म था बर्षफल टेवे में हो) और ख़ाना नम्बर 7 ता 12 पर हाथी के बाक़ी जिस्म (केतु जैसा भी बमूजिब जन्म या बर्षफल टेवा में हो) का असर होता होगा।

3- बिल्ली की जेर सूरज रंग कपड़े में रखी हुई उत्तम असर देगी या सूरज की मुतअलिक़ा अश्या का दान नेक और बद दोनों हालत में मददगार होगा।

4- एक आला मालदार आदमी होगा मगर औरत की सेहत (उम्र तक) } शुकर नम्बर 7
निकम्मी या शक्की ही होगी। }
वैरूनी-बाहर वाला, कबीलदारी-समुदाय, दल शानोशौक़त-तड़क भड़क, वैभव
रिज़क़-अन्न, अनाज फ़ौरन-तुरन्त मुतअलिक़ा-संवैधित

5- राहु का असर नदारद-न भला न बुरा यानी राहु अब टेवे में
चुप होगा मगर गुम न होगा। } मंगल नम्बर 12

राहु नम्बर 1 के वक्त अगर
सूरज बैठा हो खाना नम्बर में

तो असर क्या होगा

1	राजदरबार में अपने दिमागी ख़्यालात में बेबुनियाद वहम और मंदी शाररतें खड़ी होंगी।
2	धरम विरुद्ध-पूजा पाठ से नफरत करने वाला ससुराल और धरम अस्थान दोनों इज्जत की बजाए उन पर पेशाब होने के वाकिआत
3	भाई बंदे पर दुख मुसीबत खड़ी होगी।
4	माता खानदान और खुद ज़ाती आमदन में रोड़ा अटकता होगा।
5	अब राहु सूरज की मदद करेगा। औलाद ज़रूर होगी बेशक हाथी की लीद से घर की रुसवा ही करे।
6	लड़के लड़कियों के रिश्तेदारों की तरफ से मंदी हवा और नाहक तोहमतों की लहरें जारी होंगी।
7	अदानती कारोबार गृहस्ती हालत में मंदे वाकिआत होंगे।
8	बिलाक्षण नाहक खर्चा या आदमी की रोटी कुत्ता खा गया के वाकिआत होंगे।
9	न सिर्फ खुद धरम से लापरवाह होगा बल्कि बुजुर्गों के बनाए धरम मंदिर को नावलों की लाइब्रेरियां बनाने का शौकीन होगा।
10	दुनियावी बेषेत्कारी की ज़िन्दगी आम रूपया होगा।
11	मुनसिफ़ और इन्साफ़ पसन्दों के दिमागों को भी तकब्बुर की बदबू से बरबाद कर देगा।
12	रात को सोने और आराम करने के वक्त कोई न कोई लानत खड़ी ही होगी जिसका नतीजा कुछ भी हो या न हो।

नदारद-गायब, लुप्त
धरम अस्थान-मंदिर

नाहक-अकारण, अन्याय
तकब्बुर-अभिमान, अहंकार

तोहमतों-इलज़ामों
मुनसिफ़-इन्साफ़ करने वाला

رہنوما یہ گریبان (مسافر)

राहु رahu



شہری سرسوٹی بھارتی **Bharati** شہری سرسوٹی بھارتی

मंदी हालत

1-जब राहु नम्बर 1 की विजली चमक रही हो तो खाना नम्बर 1 ता 6 पर हाथी के सूंड का साया यानी बुध का असर जैसा भी वह हो और पड़ रहा होगा और

खाना नम्बर 7 ता 12 पर हाथी के बाकी जिस्म का साया यानी केतु का असर जैसा भी वह हो पड़ रहा होगा।

वक्त पैदाइश सख्त आधी बारिश वे मौका ^{नाना} _{नानी} मौजूद (जिन्ना) होंगे। एवे वाले के जदूदी घर से निकलते ही सामने घर का हाल मंदा या वह और वहां बौराना हालत और लावल्दी का रुख होगा। 40 साला उम्र तक राहु की अस्या रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लका राहु भी सब मंदे या मन्दे असर के होंगे। वास्ते खुद मुतअल्लका खाना नम्बर 1

2-राहु का कड़वा धुआं मस्त हाथी का शारती सूंड चोरी करनी तो कोतवाल का क्या डर के एतिकाद का हामी चोर या बदनीयत कोतवाल की तरह जो खुद ही चोरी अव्यारी करता या करवा रहा हो। जिस फैलाए खूब मोटा ताज़ा हो कर हुक्मत की कुर्सी को तोड़ रहा होगा।

3-राहु की उम्र 11-21-42 पर पिता के लिए मंदभाग (दुनियावी ख़ारी व धन हानि) का बहाना होगा।

4-तब्दीली वेशक कितनी दफ़ा मगर तरबूकी महदूद ही होगी।

5-सूरज बैठा होने वाले घर की किस्मत को (खुद सूरज को नहीं और सिवाय सूरज बुध नम्बर 3 के बक्त) सब जगह ग्रहण लगा हुआ होगा और अदालत की कुर्सी पर राजा की बजाय गुराने वाला हाथी बैठा हुए की तरह किस्मत पर मंदा साया पड़ता होगा।

चलती गाड़ी में रोड़ा अटकाना उस का आम काम होगा। जपते जपते अचानक माला दूटी की तरह सब राम कहानी बेमौका खत्म होगी ख़ाह धन-दैलत लड़के पोते सब ही क़ायम बैठे हों फिर भी सब कुछ होते हुए कुछ भी न हो सकना या राहु शरीफ़ नम्बर 1 की तासीर होगी और खासकर जब राहु की अपनी विजली चमक रही हो (मुफस्सिल पक्का घर नम्बर 5)

महदूद-सीमित, धिरा हुआ

तासीर-प्रभाव, असर

एतिकाद-आस्था, विश्वास

मुफस्सिल-स्पष्टीकरणकर्ता

बेमौका-अवसर के विरुद्ध, अनुचित

मुतअल्लका-संबंधित

(देखें) जो 42 साला उम्र तक मरे साथा का ही सबूत देगी। मंदी किस्मत के वक्त कोई आंसू तक पोछने में मदद न देगा।

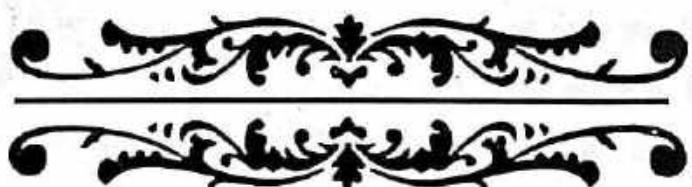
6-शादी के वक्त सनीचर या राहु की अश्या का कोई बहम न होगा। मगर शादी के बाद समुयल के हां से सनीचर की अश्या या राहु (विजली चौरह) का सामान जिस वक्त टेवे वाले के हां आएगा राजदरबार या सूरज बैठा होने वाले घर पर ग्रहण का मंदा ज़माना पैदा करेगा।

7-राहु का मंदा ज़माना आम अर्सा 2 साल और एक साल के बर्षफल के हिसाब से 2 माह और सारी उम्र में या उम्र के पहले 42 साला हिस्सा में 18 साल महांदशा का ज़माना हो सकता है। सूरज ग्रहण या चंद्र ग्रहण (सूरज-राहु-चंद्र-केतु) के वक्त जो ख़राबियां होंगी वह अपने जाती दिमाग़ की बजह से ही पैदा करदा होंगी और जब कभी सूरज बैठा होने वाला घर पहले ही मंदा हो तो मालीखूलिया आवारा बोलते ही बोलते जाने की बीमारी का दुख) होगा।

8-धरम-ईमान की ख़राबियां होंगी } सूरज नम्बर 9

उपाओः-

चंद्र का उपाओ मददगार होगा।



मालीखूलिया-मस्तिष्क विकृति, उन्माद, दौरा, एक रोग विशेष
किस्मत-भाग्य, किस्मत

अश्या-चीजें, चलनुएं
चौरह-आदि

उपाओ-उपाय

१ - राहु
२ - चंद्र

पंचडा-ज्यू

राहु नम्बर 2

राजा गुरु के मातहत लेख
पंधूड़ा-बरसाती बादल

उम्र गुजरी मंदिर मुफ्त माल खाते
मिले दिल कहां फिर जो खैरात बांटे

लेख पंधूड़ा 2-8 घूमे (झूला)

भूंचाल माया ज़र चंद्र रोके
उम्र लम्बी गुजरान हो उम्दा
बचत सिफर हो या हो गुना 11
लेख धुआं जब शनि हो मंदा
शनि-केतु-बुध फौरन उम्दा
धरम मंदिर का पापी दुनिया
ज़ालिम ज़माना बेशक कितना
गुरु हालत पर माया चलती

मिट्टी सोना दो मिलता हो

राजा सखी वह होता हो
जंगल बासी ख़ाह राजा हो

लेख झलक दो रंगा हो

मदद चंद्र गुरु करता हो

मंगल शुक्रकर घर भरता हो

कब्र बैठा खुद तरसता हो

क़ैद राजा न होता हो

धुआं निशानी देता हो

बारिश मगर ज़र-उस दिन होगी।
शनि तख्त गुरु उम्दा हो

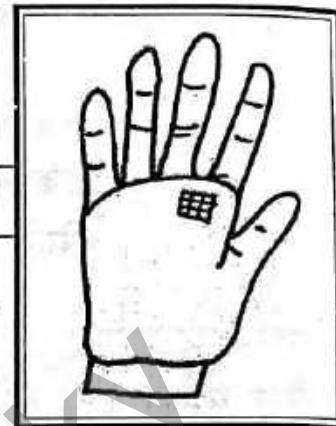
१ - ख़ाह जंगल ही का राजा होवे।

२ - चंद्र (चांदी की गोली ठोस) वृहस्पत (सोना-केसर-ज़र्द अश्या)

हस्त रेखा

बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 पर राहु (जाल) का निशान

नेक हालत



1-दरमियाना दर्जा की बजाय अब राहु की चाल आखरी दर्जा (नेक या बुरी) होगी।

2-गृहस्ती दर्जा बेहद लम्बा मगर माला व दौलत की अच्छी या बुरी हालत का फैसला बृहस्पत की हालत पर होगा जिसकी निशानी राहु खुद ही अपनी अश्वा कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लक्ष का राहु के ज़रिए देगा मगर दौलत की बारिश सिर्फ उस दिन ही होगी जब सनीचर नम्बर 1 में आ जावे और साथ ही उस वक्त गुरु भी उम्दा हो।

3-अगर जाती सुभाओ (खुद सनीचर का) के उसूल पर या बमूजिब खाना नम्बर 1 सनीचर उम्दा तो राहु का धुआं उम्दा बरसाती बदल या आइंदा नेक ज़माना आने की उत्तम निशानी देगा और सनीचर खाना नम्बर 1 या गुरु के उत्तम होते ही धन की बारिश होगी। सनीचर मंदा तो ज़हरीला गैस या मंदा और कड़वा धुआं होगा जिस से दम और भी छुटेगा।

4-यह घर राहु के लिए उस की असल बैठक और गुरु का घर है जिस में वह मानिंद राजा होगा मगर गुरु के हुक्म के ज़ेरसाया चलता होगा। पापी मंदिर में भी नहीं छुपते। जिस घर की कभी चोरी न हुई हो या वह घर या ऐसा आदमी जिस से चोर कोसों दूर

मानिंद-समान, तुल्य

बमूजिब-अनुसार

दरमियाना-बीच का

ज़ेरसाया-किसी की छत्रछाया में

माल व दौलत-रूपया ऐसा

सनीचर-शनि ग्रह

भागे वह भी राहु राहु मंदिर के नम्बर की आंखों के स्ताकुर (मूर्तियां) या चोरी के वारे टेबे वाले की अमाया जाएगी। कि वह रात के खुद अपना की ठोस गोली मददगार होगी।

5-ऐसा शख्स हु हो जावे तो भी

6-बहरहाल वह

7-अपनी कमाई हुई ज़रूर होगी। का बासी हो औ सेहत उम्दा होगी।

8-नेक हालत में

9-कंगाल हो खु कुछ भी हो मगल से चोरी व दूर करने के लिए

हुक्मरान-आदेश गुरुरान-गुजर व



तो

तीला

न-रूपया वैसा
र-शनि ग्रह

भागे वह भी राहु की चोरी और दिन दहाड़े सीनाज़ोरी से बरी न होंगे। राहु मंदिर के नम्बर 2 में बैठा हुआ और उसे चुराने को कुछ भी न मिले तो वह पुजारियों की आंखों के सामने और उन के पूजा करते करते ही पूजा अस्थान और मंदिर के ठाकुर (मूर्तियां) को ही मंदिर से बांध कर ले भागेगा। ग़ज़ेकि राहु दौलत का चोर या चोरी के बाक़िआत (नक़द नामा या माल) अमूमन होंगे मगर दिन के बक्त और खुद टेवे वाले को अपनी आंखों के सामने देखते दिखाते खुद संभाली हुई अपनी जेब से माया जाएगी। राहु का धरम अस्थान में बैठे हुए धरम सिफ़र इतना होगा कि वह रात के बक्त कभी कोई शरारत नुकसान ख़राबी या चोरी न करेगा। टेवे वाले के खुद अपना आप चोर होने की शर्त नहीं मगर उस के पीछे चोर आगे लगा होगा। चांदी की ठोस गोली राहु की चोरी की शरारतों या ससुराल की मंदी हालत से बचाओ के लिए मददगार होगी।

5-ऐसा शख़स हुक्मण या राजा होगा ख़बाह जंगल ही का हो और अगर कभी धरम मंदिर का साधु भी हो जावे तो भी हाथियों को खुराक देने की हिम्मत का मालिक होगा।

6-बहरहाल वह सख़ी और राजा की तबियत व हालत का मालिक होगा।

7-अपनी कमाई से बचत सिफ़र हो या 11 गुना मगर क़िस्मत की दोरंगी मानिंद पंधूड़ा ऊपर नीचे चलती हुई ज़रूर होगी। मिट्टी सोना और सोना मिट्टी दोनों ही ढंग का हाल होगा। ख़बाह जंगल का बासी हो और ख़बाह आबादी का राजा हर दो हालत में उम्र लंबी-गुज़रान भली और सेहत उम्मा होगी।

8-नेक हालत में शुकर का (25 साला अरसा) उम्र दौलत के आराम का होगा।

9-कंगल हो ख़बाह फ़रारी (जो घर छोड़ भागे) राज छोड़े ख़बाह दरबार छूटे।

कुछ भी हो मगर वह किसी भी हालत में राजा की क़ैद में न होगा मगर ख़ैरात के जमा शुदा माल से चोरी का इल्ज़ाम न धो सकेगा यानी जहां सब लोग अपनी बलाए और मुसीबत दूर करने के लिए माल व दौलत की ख़ैरात दे रहे हों वहां से उसके

हुक्मण-आदेश देने वाला
गुज़रान-गुजर बसर, जीविका

पंधूड़ा-झूला
फ़रारी-पागना, पलायन

मानिंद-तुल्य
ख़ैरात-दान

हाथों चोरी हो ही जाया करती है या करेगी।

10-बृहस्पत-शुक्र-चंद्र-मंगल-सनीचर-केतु एक के बाद दूसरा ख़ाह मंदे भी होते जावें तो भी ऐसे टेवे वाले को राहु की सब से ऊपर मदद होती जाएगी।

मंदी हालत

1-राहु की मियाद (10 $\frac{1}{2}$ -21-42 साला उम्र) में आगर जद्दी मकान के शुमाल मणिब गोशा (छत पर बैठ कर पूरब (मशरिक) की तरफ मुंह करके बमूजिब मकान कुण्डली ख़ाना नम्बर 2 की जगह) में धुएं-रोटी पकाने के लिए नया मकान कायम होवे तो राहु न सिर्फ टेवे वाले का बल्कि उसके समुराल मय खुद उसके अपने ख़ानदान का भुआं निकाल देगा जो टेवे वाले की 36 साला उम्र 42 साला उम्र तक ज़ोर से मंदी हालत पर असर देता होगा। किस्मत का हाल ऊपर नीचे धूमते पंचूड़े की तरह (सोने से मिट्टी और मिट्टी से सोना दोनों ढंग) का हाल होगा। मंदे वाकिआत और ग़बन और चोरी वगैरह से धन हानि आम होगी। कैद-जेलख़ाना बेएतबारी-हर तरफ और हर तरह का स्याह ज़माना ज़ोर पर होगा।

2-ऐसी हालत में चंद्र (चांदी की ठोस गोली) या बृहस्पत की अश्या (सोना-केसर-ज़र्द अश्या) अपने जिस पर या पास रखना मददगार होंगे या अपने शुमाल-मणिबी गोशा ख़ाना नम्बर 2 बमूजिब मकान कुण्डली) वाले मकान में चंद्र की अश्या कायम करें।

3-ऐसे शख्स ख़ाह मुफ्त माल खाते सारी ही उम्र गुज़ारे मगर खुद खैरात करने से परहेज़ करेगा।

4-धरम मंदिर में बैठे हुए पापी (राहु-केतु-सनीचर) की तरह अपनी क़ब्र को भी तरसेगा यानी ऐसा शख्स धरम मंदिर में बैठ कर भी पाप करने से परहेज़ न करेगा। और अपनी आकिबत आख़री अवस्था गन्दी कर लेगा। 25 साला उम्र तक केतु खुद राहु नम्बर 2 के

शुमाल-उत्तर दिशा

मणिब-पश्चिम दिशा

स्याह-काला

गोशा-घर का कोना

मशरिक-पूरब दिशा

आकिबत-मृत्यु लोक

शख्स-व्यक्ति

मंदी ह

बक्त

और

5-मा

होते

6-दि

र

र

ग

त

र

र

र

र

र

र

र

अह

मह

बक्त नम्बर 8 का हुआ करता है—का फल उम्दा रहेगा मगर 26 वें साल से राहु और केतु दोनों ही का फल मंदा होना शुरू हो जाएगा।

5—माया दौलत पर मंदे भूचाल को चंद्र रोकेगा या माता के नेक ताल्लुक़ कायम होते हुए सब कुछ उम्दा होगा।

6—किस्मत की हालत मंदे ज़हरीले धुएं से भरपूर गैस होगी। सनीचर मंदा

राहु ख़ाना नम्बर-3

उम्र व दौलत का मालिक
रईस-गोली बंदूक लिए
पहरादार।

अक्लमंद कभी तेरा दुश्मन बनेगा
बुरा यार अहमक़ से कमतर करेगा

साल ख़बर दो पहले देता
जाल नरक त्रैलोकी कटता
उम्र रवि और शर्त तरक़की
मंद 12 कोई दूजा साथी
बुध रवि घर तीसरे साथी
साथ मंगल से शाही सवारी
साथ वैरी न राहु मंदा
औरत दौलत ज़र हरदम सुखिया

ख़बाब सच्चा उसे आता हो
लावल्द कभी न होता हो
मालिक जागीरां होता हो
34 केतु बुध मंदा हो
बहन दुखी बेवा बैठी हो
राजा महावत हाथी हो
न ही ग्रहण रवि होता हो
औलाद अमीरी भोगता हो

१ -ख़ाना नम्बर 12 में

अहमक़-मूर्ख

महावत-हाथी को अपने वश में रखने वाला

कमतर-बहुत कम

त्रैलोकी-तीन लोक

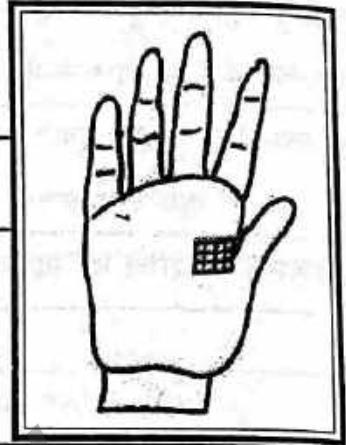
लावल्द-जिसकी कोई संतान न हो

ज़र-धन, दौलत, संपत्ति

हस्त रेखा

मंगल के बुर्ज नम्बर 3 पर राहु (जाल) का निशान

नेक हालत



1-जंचे आसमान की चोटी तक मदद करने वाला रईस और साहब जायदाद होगा।

राहु अकेला ही होने की हालत में खुद उम्र और दौलत का राखा हाथ में बंदूक गोली लिए हुए पक्का निशानची और चौकन्ना पहरादार होगा। ऐसा शख्स शेर के शिकार करने वाले पालतू हाथी की तरह वीरान बयानों में भी कभी किसी से न डरेगा और बेधड़क मदद करने का धनी होगा। अगर वह दुश्मन भी हो जावे तो भी बेवकूफ दोस्त से कम ही बुरा करने वाला बल्कि आखिर पर बेहतर ही होगा।

2-किसी बात का वाकिआ होने से 2 साल पहले खबर लग जाएगी और उसे खाब जो आएगा वह सच्चा आएगा। त्रैलोकी के नरक का जाल कटेगा और लावल्द कभी न होगा।

लंबी उम्र और तरक्की-जागीरों की मिलकीयत की शर्त ज़रूरी होगी और वह खुद सुखिया-दुश्मन का सिर काटने के लिए क़लम में तलवार से ज्यादा ताक़त होगी। सूरज का असर अब दो गुना नेक होगा। आखिरी वक्त जायदाद ज़रूर ही बाकी होगी और कर्ज़ी कभी भी न छोड़कर जाएगा। दुश्मन पर अकेला ही फ़तहयाब और हावी होगा।

3-शाही सवारी का हाथी या राजा की गिनती का आदमी होगा। } मंगल नम्बर 3

مُسْتَبْدِلُ الْمُنْتَهَى

फ़तहयाब-जीत हासिल करने वाला खाब-स्वप्न, सोने की क्रिया बीरान-निर्जनस्थान, जहां आमदी न रहता हो
निशानची-अच्छा निशाना लगाने वाला बयानों-सुनसान बाकी-शेष बचा हुआ

नेक हालत

4-राहु अब दुश्मन ग्रहों से न मंदा होगा और न ही मरेगा
और दुश्मन ग्रहों के असर में भी कोई ख़राबी न होगी बल्कि औरत
दौलत सब तरफ से सुखिया और औलाद अमीर होगी

दुश्मन (सूरज-शुक्रकर
मंगल) साथ-साथी

मंदी हालत

1-भाई बंद-रूपया पैसा बरबाद करेंगे। माल व दौलत उधार बतौर कर्ज़ी
बौरह लेकर मुन्किर हो जावें या धोका फ़रेब से तबाह करेंगे।

2-मंदे बवत में चंद्र का उपाओ मददगार होगा।

3-34 साला उम्र तक बुध केतु दोनों ही मंदे होंगे

कोई भी ग्रह नम्बर 12
में या साथ साथी नम्बर 3
में सिवाए मंगल नम्बर 3
के।

4-सूरज बुध की उम्र के दरमियान बहन बेवा दुखिया बैठी होगी
मगर खुद उसे राज दरबार में ख़िताब और हर तरह के आराम
और इज़्ज़त बौरह सब कुछ मुहैया होगा।

सूरज बुध नम्बर 3
साथी

साथी दांत अपने पास रखना गैर मुवारक होगा।



मुहैया-उपलब्ध

गैर मुवारक- अशुभ

फ़रेब-धोखा

मददगार-मदद करने वाला, सहायक

बेवा-जिसका पति मर चुका हो

मुन्किर-एहसान फरमोश

राहु खाना नम्बर-4

धरमी मगर धन व दौलत
के आम ग्रम

भला कहते अस्नान-गंगा जो करता
वही तेरा खुद अपने घर ही का बनता

राहु खड़ा न जब तक करते
चंद्र उत्तम या तख्त पर बैठे
माया चंद्र के घर से लेता
ससुराल दौलत ज़र शादी बढ़ता
लेख भला जो मामूँ घर का
साथ मिलेगा रवि मंगल का
10 वें ग्रह नर चंद्र साथी
साल गुज़रते उम्र चंद्र की

धरमी टेवा वह होता हो
हाथी माया में नहाता हो
बुध घरों में भरता हो
केतु वक्त गुरु फलता हो
मिट्टा उम्र सब चंद्र हो
बैठा कोई ज़ब मंदिर हो
मदद शनि ख़वाह हल्की हो
बारिश दौलत ज़र होती हो

- १ -खुद जाती कोशिश से और सिफ़ शौकिया ही राहु की अश्या कायम करना मसलन टट्टी खाना ग़र्की-भट्टी बनाते और बदलते रहना कोयले की बोरियों के अंबार दर अंबार जमा कर लेना सिफ़ छतें बदलना।
- २ -सूरज या मंगल से एक या दोनों।

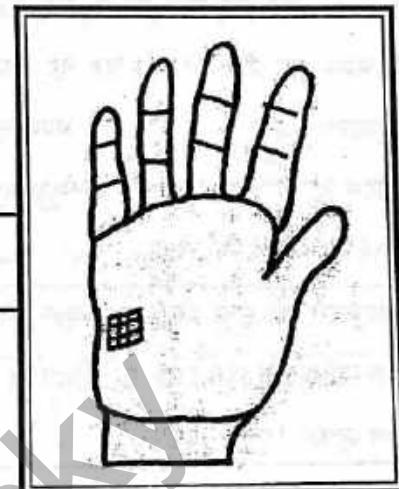
अंबार-किसी चीज को ज्यादा मात्रा में इकट्ठा करना
ग्रम-शोक ज़र-पैसा

शौकिया-मनोरंजन के लिए

सिंहासन-बादशाह या राजा के बैठने की चौकी
अश्या-चीजें मसलन-जैसे माने

हस्त रेखा

चंद्र के बुर्ज नम्बर 6 पर राहु (जाल) का निशान हो



नेक हालत

1-दौलत मंदी की निशानी होगी।

2-धरमी टेवा-चंद्र की बेजान अश्या का फल मद्दम बल्कि मंदा ही होगा। चंद्र की

सिफात इल्म व अवृत का साथ ख़र्चा गो अपनी दिली मर्जी पर मगर लम्बा और नेक ख़र्चा होगा।

3-केतु और सनीचर बुरे कामों में अब राहु के साथ हाँ में हाँ नहीं मिलाएंगे

और उनका अपना अपना फल होगा। खुद राहु भी माता के चरणों में सिर झुकाए माता पिता के

ताल्लुक में पाप न करने की क़सम उठाए हुए नेक और धर्मत्वा होगा। जब

तक अकेला ही हो या चंद्र के साथ नम्बर 4 में हो वरना अपनी शारारती नस्ल के खून

का सबूत देगा। ऐसे आदमी के अपने घर ही का अस्नान गंगा पर यात्रा

करने से बेहतर होगा।

4-माया पर हाथी का साया या हाथी माया में नहाता (बहुत दौलतमंद) होगा और जैसा

चंद्र होगा वैसा ही राहु के हाथी के सूंड में पानी भरा हुआ (या दौलत की

हालत) होगा। दौलत चंद्र बैठा होने वाले घर से लेगा यानी चंद्र बैठा होने वाले

घर की मुतअलिल्क़ा अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअलिल्क़ा वह घर दौलत पैदा करने

के लिए मददगार और मुवारक होंगे और जहाँ बुध बैठा होगा उस घर में भर देगा।

चंद्र

उत्तम

या नम्बर 1

अश्या-चीजे, वस्तुएं

क़सम-शापथ, सौगंध

मुतअलिल्क़ा-संबंधित

नस्ल-वंश, गोत्र, कुल

सिफात-प्रशंसा, गुण, उत्तमता

मुवारक-कल्याणकारी, शुभ सूचना

यानी बुध बैठा होने वाले घर के मुतअल्लिका रिश्तादार-कारोबार
या अश्या मुतअल्लिका बुध वह घर जहां बुध बैठा हो। ऐसे शख्स
से फ़ायदा उठाएंगे और खुद उसे मददगार और
मुबारक होंगे। मसलन राजदरबार से धन कमा कर अपने
बुजुगों के घरों में भर देगा।

चंद्र नम्बर 1 बुध नम्बर 10

5-समुराल का माया दौलत टेवे वाले की शादी के दिन से
बढ़ता होगा और उस बढ़ी हुई दौलत से टेवे
वाला अपना हिस्सा लेता होगा।

शक्कर उम्दा हो।

6-टेवे वाले पर राहु का नेक साया होगा और सूरज
और मंगल की मदद मिलेगी।

सूरज या मंगल या दोनों
नम्बर 2 में

7- $\frac{48}{24} \frac{12}{12}$ साला उम्र में या औलाद के जन्म दिन से माता पिता के लिए
नेक और मुबारक असर का होगा।

केतु उत्तम हो

मंदी हालत

1-24-48 साला उम्र तक चंद्र की बेजान चीज़ों का फल मंदा होगा मगर वह खुद
इल्म व अकूल का मालिक और धरमी होगा। 45 साला उम्र से राहु केतु दोनों ही का उत्तम
फल होगा। मामूं घर का उत्तम लेख चंद्र की उम्र $\frac{24}{6}$ तक बरबाद हो चुका होगा। खुद धरमी
होगा मगर मंदी हालत में धन दौलत के फ़िक्र व ग्राम आम होंगे ख़ासकर जब
कभी खुद जानबूझ कर राहु खड़ा किया जावे यानी राहु की मुतअल्लिका अश्या ग़र्की-भट्टी-
टट्टी खाना बनाते और गिराते रहना-कोयलों की बोरियों के अम्बार-मकान की सिफ़्र छत
बदलना यह सब राहु मरे की निशानियां होंगी। राहु नम्बर 4 वाला अगर मकान को छेड़े
तो सिफ़्र छत ही बदल कर न हट जावे बल्कि नीचे से ऊपर तक कुल उस छत
की मुतअल्लिका चार दीवारी और छत दोनों ही बदले बरना ऐसी छत बदलने से

शख्स-व्यक्ति, मनुष्य

फ़ायदा-लाभ, मुनाफ़ा

बेजान-निर्जीव, मुर्दा

ग़र्की भट्टी-गद्ढे वाली भट्टी

मसलन-जैसे, मानो

सिफ़्र-केवल

मंदी हालत
राहु खाना
मकान य
हो गई ह
सामान क
छत कोई
2-माल
3-सब ग
की तरह
होगी औ

८

तसव्वुर-
चिराग-द

मंदी हालत

राहु खड़ा किया हुआ गिना जाएगा जिस पर धन हानि का कोई न कोई बहाना बन ही जाएगा।

मकान या छत की मरम्मत इस शर्त से ब्री होगी अगर सिर्फ छत ही ख़राब

हो गई हो तो नई छत के सामान में थोड़ा बहुत हिस्सा पुरानी छत के

सामान का शामिल करके दोबारा छत पर डाल देवे जिस से यह बदली हुई

छत कोई नई डाली हुई छत न गिनी जाएगी बल्कि छत मरम्मत की गई तसव्वुर होगी।

2-माल व दौलत का असर हद का ही रहेगा। } चंद्र उम्दा न हो।

3-सब ग्रहों पर धुआं पड़ता होगा मगर मंदा ज़माना ख़ाब
की तरह गुज़रता होगा और चंद्र की उम्र गुज़रते ही धन की बारिश
होगी और सब नरक दूर हो जाएगा। } चंद्र या नर ग्रह (सूरज-
मण्डल-बृहस्पत) नम्बर 10
या चंद्र नम्बर 4

राहु खाना नम्बर-5

शरारती औलाद-ग़र्क़

मगर सूरज को तारे

खुशी दिन में त्योहार-काफ़िर जो बनता
निशानी लावल्दी की-पैदा वह करता

पहली औरत-औलाद न देखे
लावल्द ज़रूरी जोड़ी गिनते
साल 21 घर पहला लड़का
नम्बर दूसरा जिस दम आता

शनि मंदा जब बैठा हो
दिया बत्ती गुल करता हो
उम्र 42 दूजा हो
सुसर-बाबा चल बसता हो

—मर्द-औरत हर एक या दोनों की पहली शादी या औलाद गो बृहस्पत (अक्ल-आमदन) सूरज
(सेहत राजदरबार) माया-दौलत का फल उत्तम मगर औलाद का चिराग बुझा हुआ (औलाद नरीना
मंदी या नदारद) और सनीचर का मंदा फल ही लेंगे।

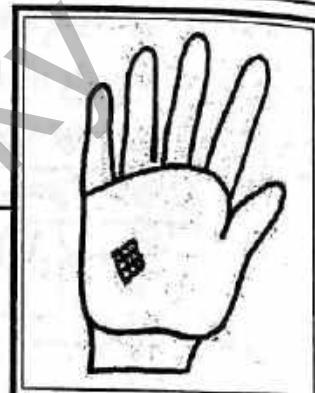
तसव्वुर-कल्पना
चिराग-दीया, दीपकमाल व दौलत-रूपया पैसा
नरीना-नरग़र्क़-हूआ हुआ
नदारद-विहीन, गायब
काफ़िर-सत्य को छिपाने वाला
औलाद-संतान

साथ चंद्र रवि तख्त पे बैठे
 बैठी माता न साथी होवे
 रवि चंद्र या मंगल चौथे
 तादाद औलाद न लेख ही मदे

मदद राहु खुद करता हो
 जिन्दी होते मच्छ रेखा हो
 या घर 6 वें 12 हो
 योग नस्ल ख्वाह मंदा हो

हस्त रेखा

सूरज की तरक्की रेखा पर राहु (जाल) का निशान



नेक हालत

1- बृहस्पत (धरम-मर्दादा-इज्जत-अक्ल व आमदन) और माया दौलत का फल उत्तम-खुद तेज़ फ्रहम-उम्दा सेहत और अब खुद सूरज को मदद देगा जिससे राजदरबार का ताल्लुक बरकत पर बरकत देवे। अगर माता जिन्दा हो तो उस के आखरी सांस तक मच्छ रेखा आल औलाद व धन दौलत दोनों ही की बरकत होगी मगर बृहस्पत सनीचर मुश्तरका नम्बर 7 के बराबर बड़ी भारी मच्छ रेखा न होगी। मतलब सिर्फ यह है कि औलाद नरीना भी ज़रूर और जल्दी होगी मगर यह नहीं कि 9 लड़के और दो बहन और धन दौलत भी साथ देगी जो ज़रूरी नहीं कि शाहनशाही हालत की हो। बहरहाल परिवार व माया की तरफ से सुखिया ही होगा।

तादात-गिनती, संख्या बरकत-बढ़ोत्तरी नस्ल-वंश, कुल शाहनशाही-साम्राज्य राज्य तेज़फ्रहम-बुद्धिमान, अक्लमंद

2-आबिद-स
 साया चंद्र व
 ज़रूरी होगे :
 लिए कोई म
 मदद करेगा।
 देगी। (छोटी
 हो जावे) म
 (माली) होग
 3-औलाद व
 और हर तर
 मय खुद योग
 उस से ज़दाद
 घटते ही होंगे

1-अचानक 1
 सेहत बीमारी
 2-औलाद के
 होगी बल्कि 1
 औलाद को 1
 में एक बड़ा
 नम्बर 5 नर
 करने वाला 1
 सूफी-सर्वधर्म

नेक हालत

2-आविद-सूफी और ब्रह्म शनास होगा। दौलत पर हाथी का साथा चंद्र के साथ से गो औलाद (ख़ाह नर या मादा) के विघ्न ज़रूरी होंगे मगर औलाद की बाकी सब बातें गिनकर औलाद के लिए कोई मंदा न होंगा बल्कि राहु अब चंद्र और सूरज की खुद मदद करेगा। माया अमूमन लाभे अर्से तक टेवे वाला का साथ न देगी। (छोटी उम्र में गुज़र जावे या वैसे ही अलाहदा हो जावे) माता ज़िन्दा या साथ होते हुए मच्छ रेखा (माली) होंगी।

3-औलाद के योग ख़ाह लाख मंदे हों मगर अब तादाद औलाद और हर तरफ से उम्र और नसीबा की बरकत होगी। उसके भाई मय खुद योगी मानिंद राजा और वह पांच बेटों का बाप होगा। उस से ज़्यादा जिस क़ुदर औलाद में बढ़ेगा भाई औलाद में घटते ही होंगे।

चंद्र नम्बर 5 या
सूरज नम्बर 1-5-11

सूरज-चंद्र-
मंगल
नम्बर 4-6 या सनीचर
मंगल नम्बर 5

मंदी हालत

1-अचानक विजली गिरने पर जान और बेजान का क्या फ़र्क होगा की तरह ऐसे प्रानी का सेहत बीमारी पर फ़ज़्रूल ख़र्चा आम होगा।

2-औलाद के त्योहार या खुशी के दिन न मनाने वाले काफ़िर को औलाद देखनी ही कब नसीब होगी बल्कि उनकी औलाद नरीना का चिराग बुझा हुआ (नदारद) ही होगा। औलाद को मारने वाला सांप गिना तो ख़ाना नम्बर 9 का शनि औलाद की पैदाइश के रास्ता में एक बड़ा भारी पहाड़ मुकर्रर होगा। सनीचर की इन दो हालतों के मुकाबला पर राहु नम्बर 5 नर औलाद के ताल्लुक में एक ऐसी कड़कती हुई विजली या ज़मीन के अन्दर भूचाल पैदा करने वाला जलता हुआ मादा होगा जो कि औलाद को माता के पेट में आते ही या नुत्फ़ा मुकर्रर

सूफी-सर्वधर्म प्रेमी

मुकर्रर-निश्चित, निर्धारित

आविद-भक्त

नुत्फ़ा-बीर्य

शनास-पहचानने वाला

काफ़िर-सत्य को छिपाने वाला

होते ही अपने ज़हरीले असर से ख़त्म कर दिखाएगा। यही राहु खाना नम्बर 9 में औलाद के ताल्लुक में सांप की ज़हरीली सिरी (सिफ़्र सिर का हिस्सा जिस के साथ से सांप का बाक़ी जिस्म कट चुका हो) भागती हुई सवित होगी। जो कि पैदाशुदा बच्चों को उनके भागने की ताक़त पा जाने के दिन तक मारने से गुरेज़ न करेगी।

या राहु नम्बर 5 में अगर बच्चे माता के पेट में ही मर गए तो राहु नम्बर 9 के बक़्त खेलना कूदना सीखते सीखते ही इस दुनिया से कूच करते गए होंगे। दूसरे लफ़्ज़ों में नर औलाद देरी से पैदा या बिल्कुल न ही पैदा या औरत के पेट ही में ग़र्भ होती रहे और अगर पैदा हो ही जावे तो 12 साल उम्र तक औलाद की सेहत मंदी ही होगी। फिर भी बाबे पोते का झगड़ा होगा (बाबा बैठे पोता न खेलेगा)। अगर टेवे वाला का पहला लड़का उस की 21 साला उम्र में पैदा हो तो दूसरा उसकी 42 साला उम्र में आएगा। जिस की पैदाइश पर टेवे वाले का बाप या समुराल चलता बनेगा।

यही हालत राहु की उम्रों में औलाद पैदा होने या औलाद की उम्र होने पर हो सकती है। ऐसे टेवे में ख़ाहिश नफ़्सानी के दक्षत औरत की रणवत की ज्यादती नर औलाद की ज्यादती की बुनियाद होगी। अगर राहु नम्बर 5 का बुरा असर उसकी औलाद पर न हो तो हो सकता है कि राहु नम्बर 5 का बुरा असर टेवे वाले के पोते पर हो जावे।

3-हर हालत में न सिफ़्र राहु की कड़कती विजली और शारारती हाथी का फल मंदा बल्कि सनीचर की ज़हर का बुरा असर दिन व दिन बढ़ता ही होगा। अमूमन लावल्द होगा। वर्ना पहली मर्द औलाद नरीना न देखे बल्कि मर्द औरत की जोड़ी ख़ाह पहली ख़ाह दूसरी (जब पहली औरत या मर्द तबदील हो हो जावें) औलाद नरीना के देखने वाला अपने लड़कों के सुख को तरसती ही होगी।

4-12 साला उम्र तक औलाद की सेहत और बाप (टेवे वाला) बृहस्पत साथ साथी या राहु का बरूए दृष्टि बौरह मंदी ही लेंगे। } या राहु का बरूए दृष्टि बौरह बृहस्पत से बाहमी झगड़ा

रणवत-रूचि, इच्छा

गुरेज़-बचाव

ख़ाहिश-इच्छा

नफ़्सानी-वासना से संबंधित बाहमी-आपस में

5-एक ही से राहु कर

6-जददी (तमाम करें या से परहेज़)

अस पहा बुध-बीम शगु गोलं

कौसो कज़

5-एक ही औरत से दो दफा शादी का रस्मो रिवाज दो दफा कर लेने से राहु की ज़हर दूर होगी।

6-जदूदी पुराने मकान में दाखिला के बूत सबसे पहली दहलीज के नीचे (तमाम की तमाम में) चांदी का पतरा देवें या शुक्कर की अश्या गाय चौरह कायम करें या चांदी का ठोस हाथी (छोटा सा मानिंद खिलौना) सनीचर की मंदी कार्रवाइयों से परहेज करें तो राहु का मंदा असर औलाद पर न होगा

राहु खाना नम्बर-6

फांसी काटने वाला
मददगार हाथी

गिरे तुझ से जब खून भाई का कृतरा
नस्ल बंद तेरी-का बढ़ता हो ख़तरा

असर वही जो शनि 12 के
पहाड़ ऊंचे जा-दुश्मन मारे
बुध-मंगल कोई 12 मंदा
बीमारी ज़हमत का पता न चलता
शगुन मुबारक कुत्ता काला
गोली सिक्का या काला शीशा

फांसी लगा खुद छूटता हो
ताकत दिमागी ऊंचा हो
आग जली खुद होता हो
माया घटी घर लुटता हो
छींक उलट न उम्दा हो
असर मुबारक देता हो

८ -ससुराल की किस्मत कौसो क़ज़ह होगी।

कौसो क़ज़ह-इन्द्रधनुष धनुक
ज़हमत-कष्ट, तकलीफ

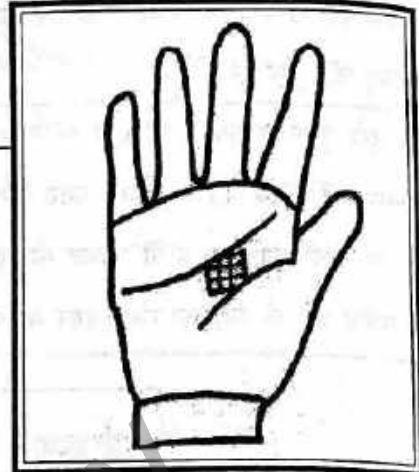
रस्मो रिवाज-प्रथा और नियम
मुबारक-खुशखबरी, शुभ सूचना

दहलीज-चौखट
किस्मत-भाग्य

हस्त रेखा

हथेली की बड़ी मुस्ततील (खाना नम्बर 6)

में राहु का निशान



नेक हालत

- 1-जाती आसाइश और पोशिश पर उम्दा और नेक खूर्चा होगा।
- 2-नम्बर 6 में अकेला बैठा हुआ बिजली की ताक़त का मालिक और शहज़ोर हाथी के गले में फांसी की रस्सी लगी हुई को भी तोड़ने वाला हवा की तरह मददगार होगा। नामी चोर सज़ा से क्या ढरे या नामवर चोरों को सज़ा देने वाला हमेशा ऐसे प्रानी का खुद निगहबान और मददगार होगा।
- 3-राहु अब मंदी शरारत से हमेशा दूर होगा। दिमाग़ी ताक़त उत्तम देगा।
- 4-सनीचर नम्बर 21 का दिया हुआ उत्तम असर साथ होगा। ऊँची ताक़त वाले पहाड़ की बुलंदी पर बैठे हुए दुश्मन को फ़ैरन मार देगा।
- 5-हमेशा तरक़की की शर्त है। बार बार तब्दीली की शर्त नहीं होगी।
- 6-दिमाग़ी खाना नम्बर 14 (सनीचर से मुश्तरका) तकब्बुर और खुदपसंदी का मालिक होगा।
- 7-पूरा काला कुत्ता हमेशा उम्दा शागुन होगा। सीसा या सिक्के की गोली या काला शीशा मददगार होगा।

आसाइश-सुख, चैन, आराम
तकब्बुर-अभिमान, अहंकार

शहज़ोर-शक्तिशाली, बलवान
पोशिश-वस्त्र, लिवास, पहनावा

निगहबान-देख रेख रखने वाला
मुस्ततील-आव

मंदी हा

1-अप

2-नार्म

3-तेरे

4-आगे

5-बीम

लुटता

6-जब

बुझे (

7-धरम

की वि

होगी।

बावजूद

(जहां

नम्बर

मानिं

मंदी हालत

मंदी हालत

1-अपनी ही फौज को मारने वाला गंदा हाथी हर तरफ मंदा कीचड़ ही देगा।

2-नामी चोर सजा से कब डरे।

3-तेरे हाथों से भाई के खून का गिराया हुआ कृतरा तेरी नस्ल ही मार देगा।

4-आगे से उलट छींक मंदे असर की पहली निशानी होगी।

5-बीमारी का घर मगर वजह मालूम न हो सके। धन दौलत
लुटता और घटता जावे। } बुध या केतु मंदा

6-जब बड़े भाई बहन से लड़े चूल्हे की अग्नि
बुझे (टेवे वाले का खाना व खाना बरबाद हो जावे। } मंगल नम्बर 12

7-धरम ईमान-नेकी व इज्जत के लिए राहु खूद मंदा। ससुराल
की किस्मत मानिंद कौसो कृजा मगर अमूमन मंदी हालत ही
होगी। धरम अस्थान में बैठे हुए होने के
बावजूद सूरज की गरमी से अब न सिर्फ खाना नम्बर 6 का
(जहां कि राहु कंच माना गया है) असर मंदा होगा बल्कि खाना
नम्बर 2 और खाना नम्बर 7 भी मंदा ही असर देंगे। } बुध नम्बर 12
सूरज नम्बर 2

मानिंद-तुल्य, बहवर

अमूमन-आमतौर से

वजह-कारण

कौसो कृजा-इन्द्रधनुष, धनुक
धरम अस्थान-धर्म स्थान

राहु खाना नम्बर-7

चंडाल-लक्ष्मी का
धुआं निकालने वाला

फूर्क बीवी बेटी-या हो नज़र माता
बढ़ेगा दिमागी-ख़्याली खुशी का

१ बुध-शुक्रकर का तराजू उल्टे
दौलत का वह राखा होवे
शनि देव उस रक्षा करेंगे
मच्छ रेखा फल उत्तम देवे
राज ताल्लुक मरतबा-ऊंचा
दरख़ा तले हो जिस जा बैठा
केतु कुत्ता हो सब से मंदा
पेशा राहु ही-हो जब करता
तख़्त शुक्रकर से मिट्टी उड़ती
उलट जभी सब हालत होती

२ औरत मंद परिवारां
खावें दोस्त यारां
शनु मरें दरबारां
बुध शुक्रकर-2-ग्यारां
दौलत-औरत न सुखिया हो
उखड़ा वही जड़ जलता हो
अव्याश ज़िना ही होता जो
ख़तरा उम्र तक बढ़ता हो
जलती सेहत ज़र माया हो
अमीर होता इक आला हो

- १ -खुद तुला रशि खाना नम्बर 7 के दोनों पलड़े-मस्नूर्ह सूरज गृहस्ती हालत।
- २ -औरत के टेवे में तलाक़-जुदाई (मंदी हलत) बगैरह होगी। मर्द के टेवे में औरत की उम्र बरबाद या कई बार शादी या औरत के मां बाप का कबीला बरबाद खासकर जब शादी 21 साला उम्र में हो।
- ३ -बुध सनीचर केतु कोई नम्बर 11 या दुनियावी यार दोस्त।

परिवार-परिवार

दरख़त-पेड़, वृक्ष

खावें-खायें

ताल्लुक़-संबंध

मरतबा-पद, दर्जा

ग्यारां-ग्यारह

यार-यार, दोस्त, मित्र

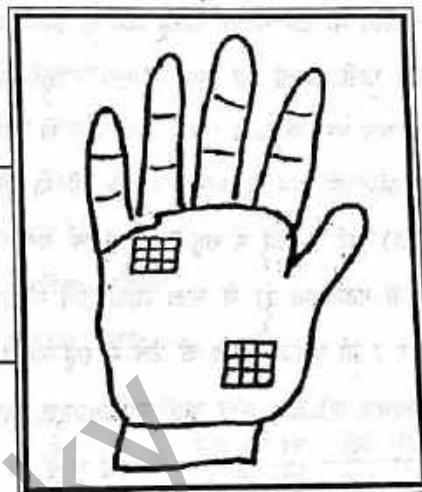
दरबारां-राजसभा

आला-उत्तम, श्रेष्ठ

हस्त रेखा

शुक्कर या बुध के दूर्ज पर राह का निशान

नेक हालत



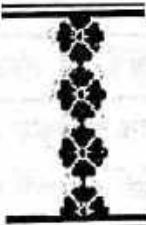
1-बुध मालदार मगर औरत व दौलत का गृहस्ती सुख (शुक्कर का असर) मंदा ही होगा। ससुराल व औरत खावाह मंदे ही हों मगर सूरज कभी मंदा न होगा और राजदरबार में मरतबा ऊंचा होगा। उसे किसी के आगे गरीबी या तंगदस्ती की वजह से दस्तदराज़ न होना पड़ेगा।

2-बुध सनीचर हर तरह से मदद व बरकत देंगे और राजदरबार की पूरी मदद व ताक़त भरे सब दुश्मनों को मार देंगे।

3-मच्छ रेखा (माली) का उत्तम फल होगा। } बुध शुक्कर नम्बर 2-11

मंदी हालत

बुध-शुक्कर-का तराज़ू उल्टे
दौलत का वह राखा होवे



औरत मंद परिवारं
खावें दोस्त यारां

1-दौलतमंद मगर चंडाल राहु जो हर तरफ मंदा धुआं कर दे।

मरतबा-पद, दर्जा तंगदस्ती-हाथ खाली होना दस्तदराज़-हाथ छुट, अत्याचारी परिवार-परिवार यारां-दोस्त

2-औरत के टेवे में 21 साला उम्र से पहले या 21 वें साल शादी बेमानी होगी यानी या तो वह खुद ही गुज़र जाएगी या तलाक़ जुदाई होवे या उसका मर्द चल बसे या दोनों में से भोई एक या दोनों ही घरबार से फ़रार भागे हुए और हर तरह से अपनी बद चलनी या मंदी ज़िंदगी से बदनाम होंगे। यही असर (मंदा) मर्द के टेवे में राहु नम्बर 7 के बक्त जाएगा। मुख्तसर तौर पर 21 साला उम्र से पहले या 21 वें साल शादी होने पर (ख़ाह मर्द के टेवे में राहु नम्बर 7 हो ख़ाह औरत के टेवे में राहु नम्बर 7 हो) धी के पराँठे पर कुत्ते अपनी औरत के पेशाब को तरह मंदी गृहस्तियां अव्याश निनाही कि उसे गंदे इश्क़ में अपने ख़ाविंद और बेटी मर्द का टेवा में कोई फ़र्क़ ही नहीं होगा और जलती हुई लक्ष्मी होगी। हर तरफ़ मंदी हालत की बुनियादी बजह सिर्फ़ अपने ही फ़र्ज़ी दिमाग़ी ख़्यालात होंगे। ब्योपार सद्टे का फल मंदा ही होगा टेवे वाले को सुख मिलने की बजाय खुद औरत दौलत भी मंदे बल्कि दोनों का ही धुआं निकले और खुद दौलत का राखा होगा दूसरे यार दोस्त उसे खाते जाएंगे। गृहस्ती दुख झगड़े और फ़ज़ूल बेबुनियाद औरतों की लानत और मौत बीमारी पर बेमानी लम्बे ख़र्चे औरत की तलाक़ तक नौबत और गृहस्त की हर तरफ़ से मंदी हालत होगी। औरत के टेवे में औरत की कई बार शादी या औरत के माता-पिता बरबाद होंगे और अगर टेवे वाले की (ख़ाह मर्द का टेवा हो ख़ाह औरत का) 21 साला उम्र से पहले या 21 वें साल तो ख़ासकर शादी हो जावे तो राहु मंदी हालत से शुकर व बुध दोनों ही ग्रहों (शुकर-बुध) मस्नूई सूरज गृहस्ती हालत का तराजू उलटा या शुकर बुध के तमाम मुतअल्लिक़ा कारोबार अश्या व रिश्तादारों और लक्ष्मी का तो अमूमन धुआं निकाल देगा और मुआफ़ न करेगा। मुसीबत का मारा हुआ ऐसा शख़स जिस दरख़त के तले जा बैठा वही जड़ से उखड़ जावे। केतु का असर सब से मंदा होगा।

4-जब कभी पेशा भी राहु (बिजली-जेलखाना-गैस वर्गरह) का ही हो तो उम्र तक शक्की होगी।

5-शादी के बक्त लड़की की तरफ़ से (जब राहु ख़ाह मर्द के टेवे ख़ाह औरत के टेवे में ख़ाना नम्बर 7 का हो) ख़ालिस चांदी की डली ऐन उस बक्त जब लड़की का संकल्प (दान) हो उसी दान करने वाले के हाथ से लड़की के दान किया जाने के बाद ही लड़की दान

ज़िना-व्यभिचार मुआफ़-माफी	मस्नूई-बनावटी ख़ाविंद-पति	अव्याश-व्यभिचारी बेमानी-निरर्थक, बेकार	मुतअल्लिक़ा-संबंधित ऐन-समय से
------------------------------	------------------------------	---	----------------------------------

किए जाने की तरह दान करवा कर लड़की के अपने पास रखने के लिए दी जावे तो हर तरह से गृहस्त में मदद होगी बरता मर्द औरत हर दो की जुदाई व तलाक और मंदी बरबाद जिन्दगी होगी। यह चांदी की डली खुद व खुद ज़माने के उतार चढ़ाओं से न कभी गुम होगी न चोरी होगी। ख़्याल सिर्फ़ यह रहे कि खुद बेच कर उसकी क़ीमत न खा ली जावे। बदनामी की मंदी मिट्टी उड़ती-औरत की मंदी सहत और दौलत बरबाद के बक्त घर में यही चांदी की ईंट रात का चौकीदार होगी। सनीचर का उपाओ बज़रिया नारियल (दरिया-नदी-नाला में नारियल बहा देना) मददगार होगा। कुत्ते से ताल्लुक़ बाइसे तबाही होगा।

6-राहु नम्बर 7 बमूजिब बर्षफल आवे ख़ाह बमूजिब जनम कुण्डली हो तो घर में ख़ालिस चांदी की ईंट और उसके अलावा एक बर्तन में दरिया का पानी डालकर उस में ख़ालिस चांदी का टुकड़ा डालकर टांका लगवाकर मुँह बरतन का बंद करवाकर घर में रख छोड़ें। जब तक वह बर्तन घर में क़ायम रहे राहु को मंदे असर से बचाओ होता रहेगा। देखते जावें बरतन का पानी खुशक न होने पाए। जब खुशक होता नज़र आवे खुशक होने से पहले ही उस में और पानी मिला कर मुँह बंद करवा दिया करें।

7-अगर शादी 21 साला उम्र से पहले हो चुकी हो तो राहु नम्बर 7 वाला (ख़ाह मर्द ख़ाह औरत) चांदी के बरतन गिलास या चांदी का कोई गोल बरतन कटोरी व़गैरह) में गंगा जल या किसी भी दरिया का पानी डालकर उस में ख़ालिस चांदी का एक और टुकड़ा डाल कर (वज़न की शर्त नहीं ख़ाह कितना ही छोटा या बड़ा हो) धरम अस्थान में देवे (रख आवे) और ऐसा ही एक और चांदी के गिलास या गोल बर्तन कटोरी व़गैरह में (गंगा जल या किसी दरिया-नदी-नाले का पानी) चलता रहने वाला या कुदरती पानी मसलन बारिश ओले या बर्फ़ कुदरती का पानी) भर कर उस में ख़ालिस चांदी का टुकड़ा डालकर औरत अपने पास रखे तो हर तरह से मदद होगी।

8-बुध सनीचर केतु में से जो कोई नम्बर 11 में हो उसी ग्रह की मुतअल्लक़ा } बुध सनीचर केतु अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लक़ा टेवे वाले को खा जावें या बरबाद करेंगे } नम्बर 11

9-दूसरी नर औलाद 42 साला उम्र के बाद नसीब होगी } मंगल सनीचर मुश्तरका या सनीचर मंगल अकेले } अकेले नम्बर 5

बज़रिया-माध्यम से	मसलन-जैसे कि	बमूजिब-अनुसार	अश्या-चीजें
मुतअल्लक़ा+संबंधित	मुश्तरका-इकट्ठा, साथ साथ	क़ायम-मौजूद, स्थापित	कुदरती पानी-प्राकृतिक पानी

राहु ख़ाना नम्बर-८

कूच नक्कारा व मौत के
पैगाम का मालिक कड़वा धुआं

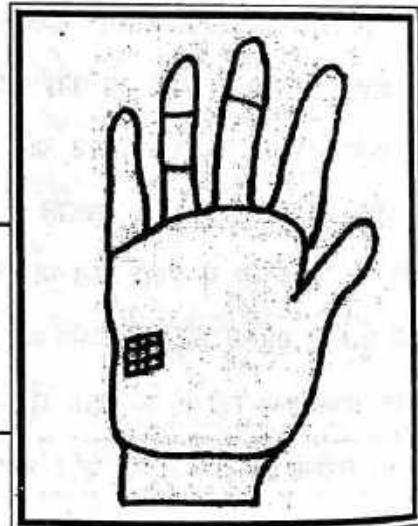
हुक्म मौत मालिक-न फरियाद जोई
सिर्फ दाद अपनी-न दिलदार कोई

चाल चंद्र और हुक्म शनि का
नेक मंगल जब 12 बैठा
बाकी घरों बदू मंगल ज़हरी
चर्बी कच्ची छत अपनी उड़ती
28 साला जब मंगल आवे
सोया नसीबा पकड़ जगावे

असर राहु दो मिलता हो
राहु मंदा नहीं होता हो
मौत नक्कारा बजता हो
लेख नसीबा मंदा हो
शनि फेरा खुद पाता हो
उजड़ा ख़ज़ाना भरता हो

हस्त रेखा

मंगल बद के बुर्ज पर राहु का निशान



- ^१ -मंगल बद-सूरज का दुश्मन होगा।
- ^२ -राहु अब शनि के खिलाफ़ मंदा होगा।
- ^३ -मंगल नेक हो या नम्बर 1-8 में आ जावे।
- ^४ -सनीचर नेक हो या नम्बर 8 में आ जावे।

नक्कारा-भेरी, नगाड़ा,
दाद-प्रशंसा, इंसाफ़

ख़ज़ाना-भण्डार, राजकोष
दिलदार-प्यारा, प्रेम पात्र

पैगाम-संदेश, समाचार
बाकी-शेष बचा दुआ

नेक हालत

- 1-राजा व
की तरह हुआ शब्द
- 2-अब चाल चंद्र
- 3-राहु अन्य
या नम्बर और उजड़ा
- 4-28 साल
या नम्बर

- 1-बददिया
शब्द मोर्फ
काम से र
से बिरंगी
चंद्र फौरन
चलेगा! ख़
फ़साद अ
नहीं उसी
हर हालत
- काफ़िरों-
नसीबा-

नेक हालत

नेक हालत

1-राजा व फ़कीर को एक न एक दिन बराबर कर देगा या उस की किस्मत कँसो कँज़ा की तरह रंग बिरंगी होगी जिस का असर चलते पंधूड़े की तरह ऊपर नीचे होता हुआ शक्की ही होगा।

2-अब राहु का भेद चौकोर चांदी का टुकड़ा $\frac{40}{43}$ दिन अपने पास रखने से खुलेगा।

चाल चंद की और हुक्म सनीचर का और राहु नम्बर 2 का दिया हुआ असर साथ होगा।

3-राहु अब मंदा न होगा } नेक मंगल नम्बर 12

4-28 साला उम्र मंगल नेक हो या नम्बर 1-8 आ जावे या सनीचर नेक हो } मंगल नेक या नम्बर 1-8 में।
या नम्बर 8 में आ जावे तो सोया हुआ नसीबा पकड़ कर जगा देगा। } या सनीचर नेक या नम्बर 8 में
और उजड़ा खजाना भर देगा।

मंदी हालत

1-बददियानती का कमाया हुआ पैसा उसकी ज़ाती कमाई से 8 गुना कम कर देगा। कड़वा धुआं शक्ल मोमिन करतूत काफ़िर यानी नेक नस्ल होता हुआ भी काफ़िरों की करतूत के काम से बदनाम होगा और खुद अपने ज़ाती ख़्याल के मंदे नतीजे होंगे।

रंग बिरंगी किस्मत का फ़ैसला सनीचर पर होगा। जब सिर्फ़ छत बदली जावे चंद फ़ौरन राहु के बरखिलाफ़ चलेगा और राहु खुद सनीचर के बरखिलाफ़ चलेगा। ख़ाह टेवे में कितना ही ऊंच बैठा हो राहु का फल ख़राब ही होगा। झगड़े

फ़साद अदालती ख़राबियों में फ़जूल लंबे ख़र्चे। जिस तरह मौत के आगे किसी का चारा नहीं उसी तरह मंदे वक्त में न कोई मददगार और न कोई फ़रियाद सुनने वाला होगा। हर हालत में अपना आप ही हौसला देने वाला और दिलदार होगा। राहु अपने असर में

काफ़िरों-दुश्मन

नसीबा-भाग्य, किस्मत

कँसो, कँज़ा-इन्द्रधनुष, धनुक

बददियानती-अमानत में ख़्यानत

पंधूड़े-झूले

फ़साद-दंगा, उपद्रव

मोमिन-मुसलमान मर्द

दिलदार-प्यारा, माशूका

मंदी हालत

लेटा हुआ खूनी हाथी मौत का हुक्मनामा साथ लिए हुए कड़वा धुआं और खुद ही मौत के लिए गिरफ्तारी का नक्कारा बजा रहा होगा। अचानक हादसा-ज़हमत-बीमारी और धन हानि करेगा खासकर जब राहु को सिर और केन्तु को दुम गिनकर सनीचर बतौर सांप सीधा हो बैठे और चंद को ज़हर देवे। ऐसी हालत में घूमती ग्रह चाल से सोना और इन्सानी जिस्म मिट्टी में मिले हुए की तरह किस्मत का हाल होगा।

2-घर का सबसे बड़ा कारकुन अगर पूरा राहु (काला-काना-लावल्द) हाथी क़द और हाथी के रंग का हो तो राहु का सारे घर पर बुरा असर न होगा।

3-दक्कन का दरवाज़ा छत व फ़र्श दाखिला से अंदर जाते वक्त नीचा दर नीचा होता जावे-सिर्फ़ छत बदली जावे-मकान के साथ भड़भूंजे की भट्टी (जिस में तांबे का पैसा डालना मुबारक होगा) सब मंदे असर देंगे।

4-जनम कुण्डली के नम्बर ४ का राहु जब बमूजिब वर्षफल नम्बर ४ में आवे तो उस का हाथी क़ब्रों में गिरकर मरता होगा (बहुत नुकसान होंगे। इसलिए राहु नम्बर ४ में आने वाले साल जनम दिन के बाद जब आठवां महीना शुरू हो तो बादाम हर रोज़ मंदिर में ले जाकर निस्फ़ वापिस लेते आवें और अपने आने वाले जनम दिन तक उपाओ जारी रखें तो हाथी के गुज़रने के लिए पुल तैयार होगा।

उपाओ :-

5-खोटे सिक्के (ख़राब शुदा और मंदे) जिन की बाज़ार में कुछ कीमत न हो और ज़मीन पर टकराने से बिल्कुल आवाज़ न हो (या सिक्का सीसा- Lead) दरिया में डालते जाना मुबारक होंगे (तक़रीबन ४ सिक्के या हर रोज़ एक तक़रीबन ४३ दिन तक)

6-मौत का नक्कारा बजता होगा खासकर जब २१ साला उम्र में राहु के दुश्मन ग्रह के मुतअल्लका कारोबार किए जावें-मसलन शुकर २१ साला उम्र में शादी- सूरज बिजली के महकमा की नौकरी-मंगल ज़ंगली मुलाज़मत में बददियानती-फ़रेब धोकादेही वगैरह के मंदे वाक़िआत } टेबे में जब मंगल बद हो (मंगल या बुध मंदे) किसी भी घर में सिवाय मंगल नम्बर १२ के

ज़हमत-मुसीबत
मुलाज़मत-सेवा, नौकरी

दक्कन-दक्षिण दिशा
कारकुन-काम करने वाला, कर्मचारी

बमूजिब-अनुसार

निस्फ़-आधा
वाक़िआत-घटना

7-सनीचर और राहु की उप्र (9 साला-11 साला) पर चचा की माली व औलाद की जड़ कटती हो खासकर जब चचा सनीचर के मुतअल्लका सामान खड़ीदे। सनीचर नम्बर 6 के बक्त राहु नम्बर 8 को किसी के मौत के हुक्मनामा की मुनादी तकमील और मौत पाने वाले शख्स को मौत होने वाली जगह पर लाकर मार देने का पूरा इंखियार होगा और कमी बेशी को पूरा करने के लिए मौका पर हाजिर मजिस्ट्रेट की तरह सनीचर मौत का हुक्म देने के लिए खुद साथ हाजिर खड़ा हुआ गिना जाएगा।

} सनीचर नम्बर 2 या 3

राहु खाना नम्बर-9

पागलों का सरताज हकीम
मगर बेर्इमान

धरम तेरी ढोलक या बच्चों की ज़ाती
बचेगी कहां तक-जो हाथी से बजती

धरम जला जब राहु भट्टी
सरसाम हटाता फूंक से अपनी
ग्रह चौथे का तख्त पे आते
तख्त मगर जब खाली होवे
झगड़े अदालती खून से करता
औलाद हालत खुद ऐसी करता

चुप गुरु 5-11 हो
शिफा पागल को देता हो
राहु मंदा खुद होता हो
सेहत बुजुर्गी मंदा हो
पक्की लावल्दी होती हो
पैदा होती और मरती हो

— 4-16-28-40-52-64-76-88-100-114 साला उप्र।

इंखियार-हक, अधिकार मजिस्ट्रेट-जज
तकमील-पूर्ति, समन्पि

लावल्दी-जिसकी कोई संतान न हो
सरसाम-दिमाग की सूजन, एक बीमारी

मुनादी-ऐलान, घोषणा
शिफा-रोग मुक्ति

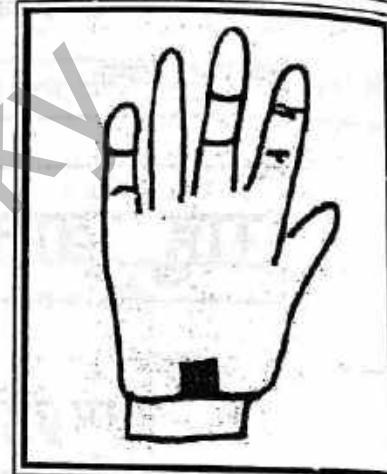
शनि टेवे जब 5 वें बैठा
योग औलाद का ऐसा मंदा
उपाओ केतु या पालन कुत्ता
बार कटी हो कुत्ता मरता



हुक्म शनि से पाता हो
न ही मरे न पैदा हो
भाओ सेवा ख्वाह कितना हो
उम्र औलाद की बख्शाता हो

हस्त रेखा

किस्मत रेखा की जड़ (बृहस्पत का बुर्ज नम्बर 9) पर राहु का निशान



नेक हालत

1-पागलों के इलाज के लिए सरताज हकीम जो सरसाम के मरीज़ को फूंक से शिफा देवे मगर लालच के मारे बेईमान जिसका धरम ईमान भट्टी में जलता होगा। बृहस्पत अब चुप होगा मगर गुम न होगा।

बृहस्पत नम्बर 5-11

मंदी हालत

1-फ़क़ीर साधु के फ़ज़ूल ख़र्चे जो लुटेरे बन के खा जावें।

2-औलाद नरीना माता के पेट में ही या पैदा होते ही बार बार मरती होगी (मुफ़सिल राहु बख्शाता-माफ करना मुफ़सिल-विस्तारपूर्वक

सरताज-स्वामी, मालिक

सरसाम-एक बीमारी, सन्निपात, मस्तिष्क शोध

नरीना-लड़का, औलाद

उपाओ-उपाय

नम्बर 5 मंदी हालत में देखो) बाप-दादा और ससुराल तबाह और भाई बंद तंग करेंगे
लेकिन जब अपने खून के ताल्लुकदारों से अदालती झगड़े करे तो ^{पवकी} _{पूरी} लावलदी
मिलेगी।

3-राहु अब 9 गुना मंदी ताक़त का मालिक होगा जो चंद्र को भी मद्दम कर देगा।

खाना नम्बर 5 औलाद नम्बर 11 आमदन कमाई पर भी राहु का असर मंदा ही होगा।

4-जनम कुण्डली के खाना नम्बर 4 के ग्रह 6-16-28-40-52-64-76-88-

100-114 साला उम्र में जब कभी भी तख्त नम्बर 1 पर आवें राहु का मंदा असर उन ग्रहों की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका खाना नम्बर 9 पर होगा। ऐसा प्रानी धरम के उसूल और कारोबार को भट्टी में डाल कर उड़ता हुआ धुआं बना देगा क्योंकि धरम की ढोलक को राहु का हाथी जब अपने सूड से बजा रहा हो तो वह कितने दिन बजेगी। उसके उलट किसी भी तरह की कैद या बंदिश वह पसन्द न करेगा।

5-बालिगों-व्यस्कों से मुतअल्लिका झगड़े-बीमारी औलाद पर बलाए बद मंदी छत-भट्टी ग़र्भी-दहलीज़ के नीचे से गन्दा पानी गुजरना-स्याह कुत्ता गुम-बिल्ली का रोना-स्याह रिश्तादार की मौत-नाखून झड़ जाना वर्गीरह राहु के मंदे असर की निशानी होगी।

6-केतु (कुत्ता या दुनियाकी तीन कुत्ते) का पूरी नेक नीयत से पालन मददगार गो कुत्ता कई बार (11 दफ़ा तक) मरता जावेगा मगर औलाद की उम्र बख़्शाता रहेगा।

7-खानदान में मुश्तरका रहना-खुदमुख्तार न होना-ससुराल से ताल्लुक न तोड़ना मंगल मंगल बद की सलाह से बचना-बृहस्पत क़ायम रखना (चोटी-सोना) उत्तम व मुबारक फल देगा।

8-सेहत और इज्जत (बुजुर्गों) मंदी होगी। दिमागी और बुजुर्गों की तरफ से परेशानी मिलेगी। } खाना नम्बर 1 खाली

9-नर औलाद न पैदा हो और न ही मरे। औलाद का योग हर तरह से मंदा होगा। सनीचर नम्बर 5 का दिया हुआ मंदा असर प्रबल होगा। } सनीचर नम्बर 5

मुतअल्लिका-संबंधित बोंदिश-गांठ, मनाही, रोक

ताल्लुकदारों-बड़ी जायदाद का मालिक व्यस्कों-जवान, नवयुवक

खुद मुख्तार-मनमानी करने वाला दहलीज़-चौखट बख़्शाता-प्राण देने वाला

राहु खाना नम्बर-10

सांप की मणि (मददगार)
सांप की सिरी (खतरनाक)

करे दोस्ती जब-तो हाथी या राजा
बड़ा रखना दरवाज़ा-बेहतर ही होगा

दुगना राहु हो-नेक शनि से
टेवे मंगल बद आ जब बैठे
गर टेवा कोई अन्धा होवे
गैर डरे-घर अपना मारे
चंद्र अकेला चौथे बैठा
दिमाग़ फटे या हो सर कटता
ख़ाली मंदिर से राहु सोता
मित्र ग्रह पर कीचड़ देता

मंदे नज़र आयु घटता हो
लीद हाथी घर भरता हो
हाथी अन्धा खुद होता हो
मंदा नंगा सिर काला हो
ख़ाली धुआं आ होता हो
बिजली राहु ज़र कड़कता हो
तेज़ तबीयत मंदा हो
उपाओ मंगल का उम्दा हो

हस्त रेखा

सनीचर के बुर्ज (मध्यमा की जड़ में)
राहु का निशान हो।

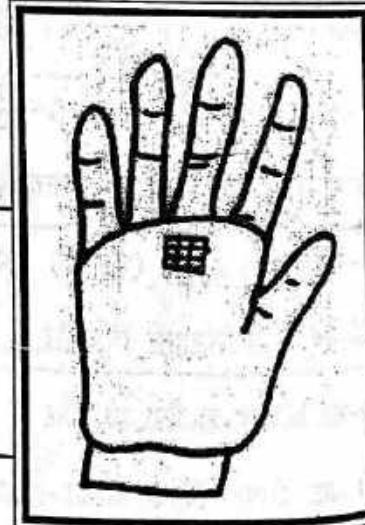
१ बुध-सनीचर-केतु

ज़र-धन, दौलत, संपत्ति

उपाओ-उपाय

लीद-टट्टी

सांप की सिरी-सांप का कटा हुआ सिर



नेक हालत

नेक हालत

1-पिता के लिए वह उम्दा और खुद नेक ख़सलत होगा जिसकी हर जगह इज़्ज़त होगी।

मगर फिर भी दोस्त हाथी से 'कीचड़' का ख़तरा ही होगा यानी राहु का नेक और बुग असर शक्की ही होगा जो सनीचर के इशारा पर चलता होगा यानी जैसा सनीचर हो वैसा ही राहु का असर होगा।

2-दौलत मंदी की निशानी-मददगार तो सांप की मणि का काम देवे जो सांप (सनीचर) की ज़हर को भी चूस लेवे।

3-राहु वास्ते धन दौलत दो गुना नेक होगा और शेरों का शिकार करने वाला बहादुर हाथी होगा। जिसके असर की रफ़तार भी दो गुना तेज़ और नेक होगी। ब्योपारी साहिबे कमाल और उम्र लम्बी होगी } जब सनीचर उम्दा हो

मंदी हालत

1-गो बाप के लिए उम्दा मगर माता के लिए (या चंद्र के असर में) मंदा ही होगा

और खुद अपनी सेहत भी शक्की ही होगी बहरहाल राहु अब शक्की असर का होगा जिसका फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा। ख़र्चा गो लम्बा मगर नेक जब सनीचर नेक हो वरना सोने को लोहे और उसकी भी अफ़्यून बनाकर खा जावे की तबीयत का मालिक होगा जो जायदाद जदूदी के कोयले कर देवे।

2-सांप की सिरी (सिर्फ़ कटा हुआ सिर) जो मारने के लिए सांप से भी ज्यादा ख़तरनाक और मुश्किल होवे।

3-तंगदिली और कंजूसी उसकी दूसरे से अदावत पैदा करने का बहाना बनेगी।

ख़सलत-आदत, विशेषता, गुणधर्म

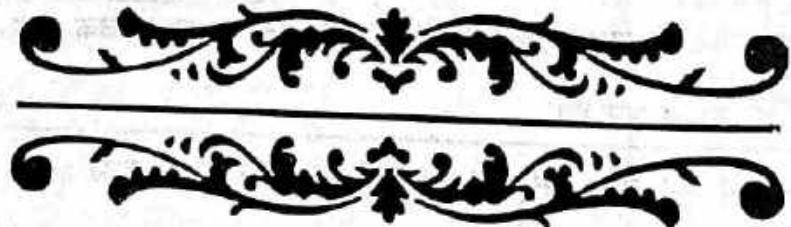
अफ़्यून-अफीम

तंग दिली-ओछापन

अदावत-दुश्मनी

मंदी हालत

4-राहु का मंदा असर सिर्फ धन दौलत पर होगा।	} सनीचर मंदा
5-नज़र व आयु का ख़तरा ही होगा।	
6-हाथी की मंदी लीद से घर भर जावे (मंदी हालत) निर्धनी और मुसीबत दर मुसीबत मिले।	} मंगल बद हो
7-राहु का हाथी अंधा होगा जो गैरों से डर कर अपनी ही फौज मारेगा।	
8-राहु का मंदा असर टेवे वाले पर न होगा।	} मंगल नेक
9-ख़्याली दिमाग़ी धुआं बाइसे परेशानी-दिमाग़ फटे या सिर कटे या नज़र गुम हो जावे और धन व दौलत पर विजली की तरह मंदा असर होगा। मंगल का उपाओ मद्दगार होगा।	
10-काला नंगा सिर रखना धन हानि का पेशाख़ैमा होगा।	} जब मंगल का साथ न हो।



गैरों-पराये, अंजान

सिर्फ़-केवल

बाइसे-कारण

पेशाख़ैमा-होने वाले काम की तैयारी

राहु खाना नम्बर-11

पिता को गोली मारे या मुंह
न देखे। प्लेग या ग्रह चाली
गोली से मार देवे

बढ़े नाम बदनाम-जब सीना ज़ोरी
क़सम खा के बेचेंगे सब माल चोरी

जन्म दुनिया बेटा होते
राहु टेवे चम्क देते
बृहस्पत भागा पापी भागे
शनि बैठा पांच तीजे
एक तीजे पापी बैठे
धन न मांगे मां से अपनी
उम्र पिता सुख सागर उसका
औलाद केतु दरवेश हो मंदा
धरम मंदिर और दान हमेशा
बंद पड़ा धन व दौलत सड़ता

बाप वहां रहता नहीं
बृहस्पत वां होता नहीं
भागता संसार है
योगी अलंकार है
राहु बढ़ता आप से
न ही लेगा बाप से
न ही दौलत धन मिलता हो
वक्त गुरु तक उम्दा हो
चलती हवा या पानी हो
जजिया-मरीज़ प्रानी हो

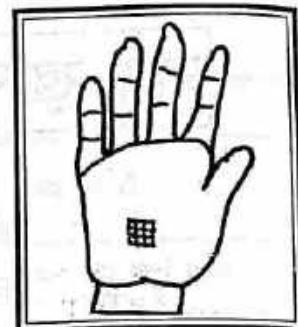
- १ -खाना नम्बर 3 के ग्रह का असर होगा। मुफसिल पक्का घर नम्बर 5 (विजली पड़नी) देखें
- २ -मर्द के टेवे में अगर बृहस्पत से मुराद बाप-बाबा-दादा हो तो औरत के टेवे में उसका ससुर होगा जिसका मतलब भी वही है कि औरत का ससुर दरअसल टेवे वाले का बाप ही हुआ करता है।
- ३ -बृहस्पत की उम्र (16 साला) या बाप की ज़िन्दगी तक

तीजे-तीसरा प्लेग-चूहे की बीमारी दरवेश-भिखारी, साधु, सन्यासी जजिया-कर मुफसिल-विस्तारपूर्वक

नेक हालत

हस्त रेखा

हथेली के खाना नम्बर 11 में राहु का निशान हो।



नेक हालत

1-गो पिता नहीं रहा करता भगर पिता की उम्र तक राहु का असर धन दौलत के लिए उच्च ही रहेगा। पिता के बाद बृहस्पत (सोना-ज़र्द अश्या) क्रायम करना या रखना मददगर बल्कि ज़रूरी ही होगा।

2-योगी आलंकार हो-राहु अब पिता पर भारी न होगा। } सनीचर नम्बर 3-5

3-खुद व खुद अपनी हिम्मत और नसीबा बढ़ाता ही जाएगा।
धन न ही अपनी माता (चंद्र) से मांगेगा और न ही
बाप (बृहस्पत) से लेगा। न पाप करे और
न ही धोका देवे-खुद साखा अभीर होगा। } पापी ग्रह (सनीचर केतु
नम्बर 1-3

मंदी हालत

1-जिस तरह मंगल बद वाला ऐसे घराना (खानदान) में जन्म लेगा जहां कि उस के जन्म से पहले खूब सब्ज़ा गुलज़ार और हर तरह से मालिक की इनायत धन और परिवार सब तरफ ही बरकत हो रही हो जिसे वह मंगल बद वाला बरबाद कर सके।
हू व हू उसी तरह ही रहु नम्बर 11 वाला भी ऐसे बक़ूत जन्म लेगा जब कि उस के

साखा-बनाया हुआ, निर्मित

इनायत-कृपा, दया, अनुकूल्या, मेहरबानी

ज़र्द-गहरा पीला

खुद व खुद-अपने आप

सब्ज़ा गुलज़ार-हर भग, जहां खूब चहल पहल हो

मंदी हालत
बाल्मीन खूब शानो ।
उस के जन्म पर
के बाक़िआत-नाहर
मुकामी अफ़सर ।
वँगैरह होवे।
2-अब खाना नम्बर
मदे धुएं की स्थाही
धनाद्य) घटते घटा
से बने हुए काम
मरते होंगे यानी स
3-गुरु बृहस्पत (f
बरबाद और कटरी
या माता के पेट से
से मार देवे। अमूर
या पूरी होते ही ब
मुतअल्लिका बृहस्प
से बाक़ी होगा भी
के ऐतबार से भी
फ़जूल ख़र्चा आग
पर जावें वँगैरह व
में होगा और किं
कर रहा होगा।
4-पिता-ससुर या
नाचाक़ी-अनवन, ।

वाल्डैन खूब शानो शौकत और माली हालत में बाआराम जिन्दगी बसर कर रहे हों।

उस के जनम पर बंद पड़ा हुआ धन दौलत बरबाद-फ़ज़ूल नुकसान-आग सांप

के बाक़िआत-नाहक जुर्माने और मरीज़ों की बीमारियों में ख़र्च होगा। पहले

मुकामी अफ़सर Immediate officer से बिलावजह नाचाक़ी और नारज़गी से नुकसान

बँगैरह होवे।

2-अब खाना नम्बर 2 का ग्रह अगर कोई या नम्बर 2 (दुनियावी इज़्ज़त व ससुराल) भी राहु के

मंदे धुएं की स्याही से भरपूर होगा। जनम वक्त का हाथी (दौलतमंद

धनाद्य) घटते घटते 36 साला उम्र तक सिफर हो जाएगा। जनम वक्त और मुद्दतों

से बने हुए काम और नामवर हाथी अब खुद व खुद पुरानी ख़ंडकों में गिर कर

मरते होंगे यानी सब बने बनाए काम बिलावजह बिगड़ जाते होंगे।

3-गुरु बृहस्पत (पिता) इज़्ज़त-जाय नशिस्त (बैठने की जगह) की जड़ नष्ट

बरबाद और कटती होगी। जनम लेते बल्कि जनम लेने से पहले ही पिता का मुंह न देखे

या माता के पेट में ही आने के वक्त से पिता को ग्रह चाली गोली या हादसा

से मार देवे। अमूमन 11 माह-11 साल या आख़री हदबंदी 21 साला उम्र में

या पूरी होते ही बृहस्पत(पिता) बृहस्पत की अश्या-कारोबार या रिश्तादार

मुतअल्लिक़ा बृहस्पत अमूमन ख़तम बरबाद या नष्ट ही होगा। अगर किसी तरह

से बाक़ी होगा भी तो भी सोने से ख़ाक ही हो चुका होगा। ग़र्ज़कि किसी बैईमान की क़सम

के ऐतबार से भी धोका हो जावे। क़ुदरत के नाहक दुखों से

फ़ज़ूल ख़र्च आग लगे-चोरी हो जावे क़ज़्रा अदा करने वाली आसामी

मर जावे बँगैरह बँगैरह। हर तरह और हर तरफ से मंदा ही ज़माना माली हालत

में होगा और क़िस्मत का कच्चा कड़वा धुआं पूरी पूरी मुख़ालफ़त से तंग

कर रहा होगा।

4-पिता-ससुर या नाना की दौलत उम्र और सुख सागर और तोशा (बचा हुआ माल व धन)

नाचाक़ी-अनवन, मन मुटाब

मुद्दतों-अवधि, वक्त, समय

मुख़ालफ़त-विरोध, शत्रुता, दुरमनी

नाहक-अकारण

जाए नशिस्त-बैठने की जगह

मंदी हालत

सिफर के बराबर होगा और ज़ाती कमाई के फ़ालतू धन का फैसला खाना नम्बर 3 के ग्रह की हालत पर होगा। राहु की बिजली (मुक्सिल पक्का घर नम्बर 5) के बक्त बृहस्पत बरबाद होगा। जिस तरह ब्रैमान और हलफ़ से बात करने वाले आदमी का कोई यक़ीन नहीं होता उसी तरह अब राहु का कोई यक़ीन नहीं कि कब वह बृहस्पत (पिता) पर मंदा असर कर जावे। केतु (औलाद) दरवेश और सनीचर (अश्या करोबार या रिश्तादार मुतअल्लका सनीचर और जिस्मानी अंग बीनाई बगैरह) का फल भी मंदा हो सकता है बल्कि खुद गुरु बृहस्पत पिता की उम्र या जिन्दगी तक मंदा ही होगा लेकिन अगर बृहस्पत (बाबा) या पिता गुरु किसी दूसरे ग्रहों की मदद बगैरह से ज़बरदस्त हालत और लम्बी उम्र का मालिक हो तो यह सब मंदी हालत (यानी उम्र का बहुत छोटी होना या सोने की राख और राख भी ऐसी जो किसी काम न आवे और अंधा या लंगड़ा बगैरह हो जाना) खुद टेवे वाले पर हो सकती है। बाप की बजाय उसका समुर और नाना भी हो सकता है जो राहु के भूचाल से जल उठे या चल बसे या उस टेवे वाले $\frac{\text{लड़की}}{\text{लड़के}}$ के काम न आवे। राहु नम्बर 11 के बक्त बाप-बेटा या बाबा-पोता बहुत लंबी उम्र तक इस दुनिया में इकट्ठे नहीं चल सकते -जुदाई होगी और कई बार जल्द होगी।

5-धरम मंदिर और दान हमेशा मददगार होगा।

अलिफ़ -बृहस्पत क़ायम रखना (जिसम पर सोना क़ायम रखना) मददगार बल्कि ज़रूरी होगा वरना सोने को कोढ़ होगा। जिसम पर राहु की अश्या महकमा पुलिस की मुफ़्त वर्दी दियूटी की वर्दी ख़ाह किसी महकमा की हो कोई बहम की बात न होगी या हथियार नीले कंपड़े-बिजली का सामान और नीलम को अंगूठी बगैरह का कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लका राहु का ताल्लुक़ क़ायम करने से बृहस्पत (माया-दैलत-इज़्ज़त) का और भी नुक्सान होगा।

बे -भंगी को बतौर ख़ैरात कभी कभी पैसा धेला देते रहना मददगार होगा।

अगर बृहस्पत भी नम्बर 3-11 में हो तो सोने की बजाए लोहे (सनीचर) का जिस्म

यक़ीन-विश्वास

ख़ैरात-दान

मुतअल्लका-संबंधित

बीनाई-आंखों की ज्योति, दृष्टि, नज़र

भंगी-सफाई कर्मचारी

महकमा-विभाग

मंदी हालत
पर क़ायम क
और चांदी के
ज़हर घटाएगा
7-भाई की
रीढ़ की हड्डी
पांव-दर्द चोट
रिश्तादार (म
केतु से नुक़

रात
ब्रह्म
लक्ष्मी
ख़च्च

सनी

वृह

मंदरचा ख़ाल

मंदी हालत

पर कायम करना मदद देगा। चांदी के गिलास में पीने की चीजों का इस्तमाल और चांदी के केस या नाली (टूटी) में सिगरेट वगैरह का इस्तमाल राहु की ज़हर घटाएगा।

7-भाई की गर्दन बरबाद-ताया लावल्द या लंगड़ा होवे } मंगल खाना नम्बर 3

8-केतु का असर मंदा ही होगा यानी औलाद नरीना-कान-टांग रीढ़ की हड्डी-पेशाब-पेशाबगाह-घुटना (ज़ानू) पांव-दर्द चोट-मुसाफ़िरी में नुक्सान-केतु के रितावार (मामूं-मामूं खानदान) का कारोबार मुतअल्लक़ा केतु से नुक्सान वगैरह हो सकता है। } केतु नम्बर 5

राहु खाना नम्बर 12

शेख चिल्ली-सुथरा शाही
मंदरचा ख़्यालम व फ़लक
दरचा ख़्याल

रहा भूका दिन भर-कमाई जो ढोता
ख़ज़ाने भरे क्या-न जब रात सोता

रात का आराम उम्दा या गुज़र ससुराल की
ब्रह्म शनासी दुनिया होगा नेक चलता जब शनि
लकड़ी मीठी पौन्ह मीठी धुआं तो कड़वा ही है
ख़र्चा घर का होता हाथी लगता कामों शुभ ही है

१ सनीचर

बृहस्पत

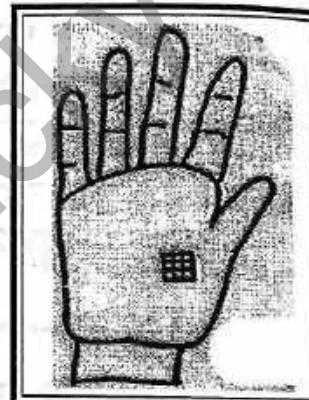
मंदरचा ख़्यालम फ़लक दरचा ख़्याल-तुलना में किस ख़्याल में हो और आसमान किस ख़्याल में हैं।
हम किस ख़्याल में हैं और आसमान क्या सोच रहा है। मुसाफ़री-यात्रा करना

मंद शनि खुद योग हो मंदा
शनु ग्रह जब साथ हो बैठा
चोर अव्यारी गबन न उम्दा
बारिश धुआं न माया करता
मंगल टेवे हो जिस दम साथी
11 शुक्कर से कन्या बढ़ती

अजूं
अंग मंदा जो योगी हो
हसद तबाही होती हो
छींक उलट मंद होती हो
फलक हवा ख्वाह भरती हो
राजशाही सुख होता हो
बुध गुरु धन देता हो

हस्त रेखा

हथेली के खाना नम्बर 12 में राहु का निशान हो।



नेक हालत

- जैसा बुध टेवे में हो वैसा ही राहु का असर होगा।
- राहु का नेक असर मकानों और चारदीवारी से मुत्तलिका होगा।
- शेख चिल्ली या मन दरचा ख़यालम व फ़लक दरचा ख़याल इंसान। सोचे तो कुछ मगर कुदरत को कुछ और ही मंगूर हो। खर्च हाथी की हैसियत का जो रोकने से न रुक सके और खुफिया ही खुफिया होता चला जावे मगर क़बीलदारी के नेक कामों में लगेगा। खुद अपनी खुशी और मर्ज़ी से किया हुआ होगा जो क़र्ज़ी न होगा बल्कि बहनों

हसद-ईश्वा, जलन

अव्यारी-बहुत अधिक चालाक

फ़लक-आकाश, गगन, अंबर, व्योम, आसमान

नेक हालत
और बेटियों (बुध)
4-रात का आरा
दुमनों से हमेशा
5-राजशाही व सु
6-बादशाही सुध
अध्यास दिन-बा
7-लड़कियों की
आमदन और जम
बृहस्पत बुनियाद
वैसे ही लड़किय
होवे वैसे ही धन
की हालत होगी
मुत्तलिका हर
कभी तंग हाल

1-नेक काम शु
पहली निशानी
और नतीजे मंदे
2-क़बीले के
3-फ़र्ज़ी बेबुनिय
वाले की जान
और हिलती रहे
शनास-पहचान

गी हो
ती हो
ती हो
ता हो
ता हो



उदरत

आसमान

नाना नम्बर 12

नेक हालत

687

राहु खाना नम्बर 12

और बेटियों (बुध के रिश्तादार) की पालना में लगता होगा।

4-रात का आराम उम्दा और संसुगल की गुज़रान भली होगी। वह अमीर होंगे।
दुश्मनों से हमेशा बचाओ रहेगा।

5-राजशाही व सुखिया-हर तरह से उत्तम } मंगल साथी

6-बादशाही सुधरा और दुनियावी ब्रह्म शनास होगा और योग } जब सनीचर उम्दा हो।
अध्यास दिन-बदिन उम्दा व उत्तम असर देगा।

7-लड़कियों की पैदाइश और क़ायम रहना और धन दौलत की आमदन और जमा होना दोनों ही की ज्यादती होगी। बुध और बृहस्पत बुनियाद होंगे यानी जैसा बुध होवे वैसे ही लड़कियों की तादाद और हालत होगी। जैसा बृहस्पत होवे वैसे ही धन दौलत की आमदन और जमा रहने की हालत होगी। बुध और गुरु के कारोबार-अश्या या रिश्तादार मुतअल्लका हर दो ग्रह (बुध-बृहस्पत) धन दौलत देंगे।
कभी तंग हाल न होगा।

शुक्रर नम्बर 10-11

मंदी हालत

1-नेक कार्म शुरू करने के बक्ता आगे से उलट छोंक मंदे नतीजे की पहली निशानी होगी। फौजदारी-चोरी-बमबारी ग्रन के ताल्लुक से नाहक परेशानी और नतीजे मंदे होंगे।

2-कबीले के फ़ज़ूल ख़र्चों के लिए नाहक भारी बोझ के बाक़िआत।

3-फ़र्जी बेबुनियाद और लाहासिल उम्मीदों के खुशक दरिया के मालिक टेवे वाले की जान और उसके मकान की छत राहु के भूंचाल से हर दम कांपती और हिलती रहेगी।

शनास-पहचानने वाला

गुज़रान-निर्वाह, जीविका

बाक़िआत-घटना

नाहक-अकारण

4-आसमान में उड़ता हुआ धुआं खुद मेहनती-दिन भर कमाई करता और हर तरह का बोझ
छोता रहेगा बल्कि रात को भी न सोएगा मगर मंदे राहु की मेहरबानी से
नतीजा वही काला कड़वा धुआं होगा जो दम भी घोट देवे और नाहक खुदकुशी
तक के हालत बना देवे।

5-वे आरामी व फ़ज़ूल ख़र्च के फ़र्ज़ी बादल आम होंगे।

6-आसमान ख़ाह सारा ही धुएं से भर जावे मगर धन की
बारिश कहां होगी। ऐसा मंदा कि जिस क़दर ज़िदबाज़ी से और जिस
अंग (अनु) से सन्यास की कोशिश करे वही अंग मंदा
हो जावे मसलन आँखों से बज़िद होकर सन्यास दूँदे
तो आँखे ख़त्म बाक़ी जिस्म क़ायम रहेगा। दिमाग़ से कोशिश करे
तो पागल मगर बाक़ी जिस्म खूब मोटा ताज़ा। आँखों नतीजा वही होगा जो
कि सनीचर की हालत का हो गो सनीचर का असर उच्चा और बृहस्पत का
फल नेक मगर खुद राहु का ज़ाती असर मंदा और कड़वा धुआं ही होगा।

सनीचर मंदा हो

7-नाहक तोहमत ले लेने वाला या बदनाम हो।

8-तबाही करने वाले हसद से भरपूर शरारतों से ख़राब होगा।

} शत्रु ग्रह (सूरज शुक्रकर)
साथ-साथी

उपाओः-

रात को आराम करने की जगह पर मंगल की अश्या (खांड की बोरी या सौंफ़ की बोरी)
क़ायम करने से राहु उत्तम फल देगा जहां रोटी पके वहां ही बैठकर रोटी खाना राहु
के मंदे असर से बचाता रहेगा।

हसद-जलन, ईर्ष्या

बज़िद-हठपूर्वक, जिद के साथ

ज़िदबाज़ी-हठ, विपरीत

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह



(सफर की आंधी में दुनिया के
लड़के पोते-आइंदा की नस्ल)

केतु

दरवेश-आकिबत अंदेश

नज़र पांव तेरे-जो उखड़े पड़ेंगे
सभी ज़ेर रहते-ही सिर पर चढ़ेंगे

गुरु-मंगल-बुध तीनों ग्रह का
8 वैं कान मुंह दूजे खुलता
मिले केतु बुध-कुत्ता दुनिया
गुरु-मंगल-बुध न घर 12
सफेद काला दो रंग बिरंगा
शनि मंगल कोई साथ ही बैठा
केतु तख्ज से रवि हो ऊंचा
कुतिया बच्चा जब एक ही होता

केतु कुत्ता त्रैलोकी हो
छटे टेढ़ी दुम जिसकी हो
पापी बुरा ही होता हो
केतु भला ही होता हो
लाल मिला-बुध होता हो
असर सभी का मंदा हो
छटे मंगल-केतु मरता हो
नस्ल क्रायम कर जाता हो

- १ -कुत्ते की नस्ल या केतु कि असलियत (मुंह खाना नम्बर 2 के ग्रह मसलन मंगल नम्बर 2 तो शेर जैसा मुंह) कान (खाना नम्बर 8 के ग्रह मसलन बुध नम्बर 8 तो बकरी जैसे कान)
दुम (खाना नम्बर 6 के ग्रह मसलन शनि नम्बर 6 तो सांप की दुम) जब तक 2-6-8
उम्दा केतु (8 औलाद की उम्र-2 माली हालत-6 तादाद मेवरान) कभी मंदा न होगा।
बृहस्पत का उपाओ हमेशा मददगार होगा।

त्रैलोकी-तीनों लोक
आकिबत-यमलोक

दरवेश-साधु, सन्यासी
असलियत-सच्चाई

दूजे-दूसरा
मसलन-जैसे, मानो

छठे-छः
दुम-पूँछ

आम हालत 12 घर

केतु तज्ज्ञ पर पिसर हो मिलता
सफर हुकूमत घर 2 उम्दा
रंग बिरंगा हाल हो तीजे
गुरु हालत 5 लड़के उसके
शेर बहादुर घर 7 बैठे
पिता 9 वें घर अपना तारे
उम्र-नज़र-न माता साथी
ऐश करे घर 12 इतनी

फर्जी फिक्र भी होता हो
उत्तम छटे ही अकेला हो
ससुर भाई खुद अपने जो
बेटा जल्द न चौथे हो
औलाद कब्ज़ 8 भरता हो
10 वें शनि पर चलता हो
केतु पाया घर 11 जो
माया फैली घर भरता हो

केतु का दूसरे ग्रहों से ताल्लुक

- बृहस्पति उम्दा आसन-नेक आकिंबत। (यमलोक)
- सूरज तूफान-खुद बरबाद (केतु) मामूँ मंदे।
- चंद्र कुत्ते का पसीना-दोनों मंदे।
- शुक्रकर कामदेव की नाली-शुक्रकर की जान-गाय का बछड़ा
- मंगल शेर के बराबर का कुत्ता।
- बुध कुत्ते की जान सिर में-एक अच्छा तो दूसरा मंदा।
- सनीचर सांप कान नदारद-केतु पर सनीचर का फैसला होगा।
- राहु केतु का असर राहु के साथ बल्कि राहु के हाथ या राहु की मर्जी पर चलेगा।

सुपुर्दम बतो मायए ख्वैशरा
तू दानी हिसाबे कमो बेशरा

सनीचर-शनि ग्रह

पिसर-औलाद

आकिंबत-यमलोक

नदारद-गायब

नेक हालत

1- दुनियावी कारोबार के हल करने के लिए इधर उधर सलाह मशविरा के लिए पावों की नक्ल व हरकत (दौड़ धूप) का 48 साल उम्र का ज़माना केतु का दौर दौरा होगा।

2- ज़र्द (बृहस्पत-सुर्ख-मंगल-अण्डे का रंग बुध) तीनों ग्रहों का मजमुआ केतु (3 कुत्ते) होगा जो तीनों ही ज़माना का मालिक होगा। छलावा या पापी ज़रूर है। जान से मारने की बजाय आखीर कब्र तक (चारपाई-तख्ता) मदद देगा।

3- केतु (कुत्ते) के जु़ज़:-

अलिफ़-कान-नम्बर 8 का ग्रह मसलन बुध नम्बर 8 तो बकरी जैसे कान-औलाद (केतु) की उम्र का फ़ैसला मगर अक्ल की शर्त नहीं।

बे-मुह-नम्बर 2 के ग्रह मसलन मंगल नम्बर 2 शेर जैसा मुह-असलियत दुनियावी गुज़रान का हाल-माली हालत

जीम-दुम-नम्बर 6 का ग्रह मसलन सनीचर नम्बर 6 सांप जैसी दुम-तादाद मेम्बरान-तबियत अन्दरूनी चाल-नज़ या वह नाड़ी जो इसका भेद बता दे या जिस के ज़रिए

इसका इलाज हो सके। ख़ाना नम्बर 10 के ग्रह के मुतअल्लिका जानवर ज़हरीली दुम वाले होते हैं।

4- केतु नेकी का फ़रिश्ता सफ़र का मालिक और आखीर तक मदद देने वाला ग्रह है।

5- केतु बुध दोनों इकट्ठे मिलकर कुत्ते का सिर (कुत्ते की जान सिर में) होगा यानी जब तक बुध उम्दा या नम्बर 2-6-8 उम्दा या नम्बर 12 में उसके तीनों जु़ज़ बृहस्पत मंगल बुध न हों। केतु नम्बर 2 माली हालत-नम्बर 8 औलाद की उम्र-नम्बर 6 तादाद मेम्बरान)

मशविरा-सलाह

सुर्ख-लाल

दुनियावी-सांसारिक

दुम-पूँछ

फ़रिश्ता-देवता

जु़ज़-टुकड़ी

नेक हालत

भला ही छोगा ख़ाह कैसा और कहीं ही बैठा हो।

6-केतु से मुराद सफेद (दिन) व काला (रात) दो रंग कुत्ता होगा मगर ^{सूरज} लाल रंग के साथ से बुध होगा जिसमें चाल व असर तो बुध की होगी मगर मियाद केतु की होगी। अब नर कुत्ते की नस्ल की बजाए मादा नस्ल लेंगे (कुतिया) और बुध की अश्या क़लम वगैरह पर पहले असर देगा।

7-कुतिया का नर बच्चा जो एक ही पैदा हुआ हो खानदानी नस्ल क़ायम कर जाएगा।

8-मंदे केतु के वक्त अपनी कमज़ोरी किसी दूसरे को बताना दूसरों के आगे रोना और भी मंदी मुसीबत देगा। बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा।

9-मंदी सेहत के वक्त चंद का उपाओ मगर जब लड़का मंद हो तो धरम अस्थान में कम्बल देना मुबारक होगा।

10-केतु के इलाज के लिए उसकी नब्ज़ या इलाज का भेद खाना नम्बर 10 के ग्रह होगा।

पावों या पेशाब की तकलीफ के वक्त पावों के दोनों अंगूठों में खालिस रेशम का निहायत सफेद धागा बांधना या चांदी का छल्ला डालना (जो चंद की चीज़ें हैं) निहायत मददगार साबित होगा।

11- केतु की चारपाई भी मानी गई है। मगर ग्रह चाल में चूंकि केतु को शुक्कर का फल माना है इस लिए चारपाई दरअसल वह चारपाई मानी है जो शादी के वक्त जहेज़ में मामूं की तरफ़ या माता पिता की तरफ़ से लड़की को बतौर दान दी गई हो। ऐसी चारपाई को औलाद की पैदाइश के तात्पुक इस्तेमाल करना सब से उत्तम फल देगा ख़ाह केतु टेवे में कितना ही नीच मंदा या बरबाद ही क्यों न हो। जब तक वह चारपाई घर में मौजूद और इस्तेमाल मज़कूर में चलती रहे केतु का फल कभी मंद न होगा।



मियाद-अन्त समय

धरम अस्थान-धर्म स्थान

मज़कूर-कहा हुआ, वर्णित

निहायत-छोर, अंत

मुराद-इच्छा, कामना

जहेज़-ब्याह में दुल्हन को दिया जाने वाला सामान

मंदी हालत

मंदी हालत

- 1- गोया ग्रह बहैसियत पापी (जब राहु व सनोचर बरुए दृष्टि वर्गरह केतु को किसी न किसी तरह आकर मिलते हों दूसरों पर असर के लिए बुरा ही होता है मगर यह जान से नहीं मारता ख़ाह जहां जन्म लिया वहां कुछ भी बाकी न रहने देव। दुनिया का धोकाबाज़ छलावा होगा।
- 2- जब तक बुध (केतु की असल दुम) अच्छा केतु बुरा ही होगा
- 3- धरम अस्थान में पांव (केतु) पवित्र मानते हैं या धरम अस्थान के अंदर का केतु (नया पैदाशुदा या बना हुआ बच्चा) हमेशा ज़िंदा रहेगा।
- 4- केतु का मकान बच्चों व औरत ज़ात की हालत मंदी ही रखेगा वृहस्पत या सूरज जब दुश्मन ग्रहों से खुद ही मर रहे हों तो केतु बरबाद होगा।
- 5- केतु मंदे के बक्त खासकर जब टेबे में चंद्र और शुक्कर किसी तरह से इकट्ठे हो रहे हों तो बच्चे का जिस्म सूखने लग जाया करता है। ऐसे बक्त में बच्चे के जिस्म पर दरिया-नदी-नाले की या वैसे ही कोई मिट्टी या गाचनी (मुल्तानी मिट्टी या वह मिट्टी जिस से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे अपनी लिखने की तख्ती पोचा करते हैं) मल कर खुशक होने देवें। जब कुछ अरसा हो जावे यानी घंटा आधा घंटा गुज़र जावे तो बच्चे को ख़ाह ठंडे ख़ाह गरम पानी से जो भी मौसम के मुताबिक़ हो नहला कर साफ़ कर दें। 40-43 दिन लगातार करने से जिस्म का सूखना दुरुस्त हो जाएगा।



केतु खाना नम्बर-1

हर वक्त बच्चे बनाने की
फिक्र वाला-तमाम शहर के बच्चों के
फिक्र में ग़लतां होगा।

रिज़क तेरा जब तुझ को-है आज मिलता
लंगोटा फिक्र कल-का क्यों ढीला करता

सोच रहे थे स़फर की अपनी
वक्त मंदा ख़्वाह कितना होवे
जान क़सम वह हर दम खाता
सात छटा हो बेशक मंदा
ख़ाली पड़ा जब 6-7 टेवा
बुध शुक्कर न राहु उम्दा
दरवेश सेवा हो मदद खुदाई
मंगल गद्दी जब 12 पाई
बाद शादी जब केतु मंदा
वरना कुत्ता हड़काया ऐसा

बच्चा नया आ पहुंचा हो
पिता गुरु को तारता हो
हड़काया कुत्ता ख़्वाह लेख का हो
ऊंच असर रवि देता हो
तूफान जनम घर आता हो
उत्तम रवि गुरु होता हो
चरण पिता के धोता जो
केतु बुरा नहीं होता हो
मदद शनि से पाता हो
पिता रवि भी काटता हो

१ -मंगल 12 हो तो केतु का नम्बर 1 पर कभी बुरा असर न होगा।

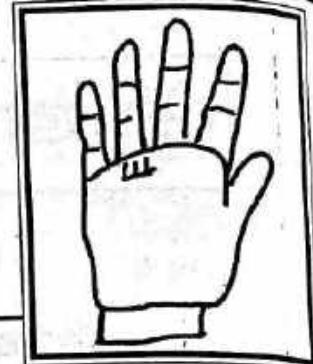
ग़लतां-लुड़कता हुआ, लुठायमान

ख़्वाह-चाहे

रिज़क-जीविका, अनाज दरवेश-साधु, सन्यासी

हस्त रेखा

सूरज के बुजे नम्बर 1 पर केतु का निशान हो।



नेक हालत

- गो सफर के लिए हुक्मनामा और इसका फ़िक्र हर वक्त साथ लगा हुआ और तब्दीली के लिए हर वक्त तथ्यारी होती और बाकी सब हालात तथ्यार हो गए मगर आख़ीर पर सफर न होगा।
- राजा का चलन कौन रोके के ड्रूला पर हर वक्त नए बच्चे बनाने वाला तमाम शहर के बच्चों के फ़िक्र में ही ग़लतां होगा। दौलत और कामदेव की बेहयाई दोनों इकट्ठे ही बढ़ते होंगे। उसका आज का रिज़क़ कोई बन्द नहीं कर सकता इसलिए उसे कल का फ़िक्र न होगा जिसके डर से बार बार दम खुशक होता रहे।
- अब सूरज का असर ऊँच होगा ख़ाह खाना नम्बर 6-7 में नीच या मंदा ही हो रहा हो। केतु जब कभी बमूजिब वर्षफल नम्बर 1 में आ जावे ^{लड़का} दोहता पैदा होने की भाँजा निशानी होगी।
- केतु कैसा ही मंदा हो ब्रह्मस्त का असर उत्तम ही होगा। दरवेश सेवा दर्जा खुदाई और पिता-गुरु के चरण धोता और पिता की मंदी किस्मत में हमेशा मदद देगा।
- केतु का नम्बर 1 पर कभी मंदा असर न होगा } मंगल नम्बर 12

बमूजिब-अनुसार

ग़लतां-लुढ़कता हुआ, लोटता हुआ, लुठायमान

तथ्यारी-तत्पर, आमादा

उड़ूला-अवलों, बुद्धियाँ
बेहयाई-लज्जाहीनता

नेक हालत
6-अब
बुध (श
की अर
के लिए

1-अग

फ़िक्र

मगर

ज़्यूर

कि गु

मुसापि

जनम

2-मंव

(खुरा

पर उ

में दै

3-बु

4-

ख



नेक हालत

6-अब सूरज नीच न होगा मगर औलाद नरीना (लड़कों) को बुध (शाम कच्ची) और केतु (सुबह सादिक) के वक्त सूरज की अश्या गुड़ या बाजार में आवारा खाने पीने और खुर्चने के लिए तांबे के पैसे बगैरह देना ज़हर का सबूत देगा।

सूरज नम्बर 6-7

मंदी हालत

1-अगर मंगल नम्बर 12 में हो तो केतु नम्बर 1 का असर मंदा न होगा। यह ग्रह अमूमन उस घर फ़र्ज़ी फ़िक्र भी पैदा किया करता है। नम्बर 1 में बैठा हुआ नम्बर 7 या नम्बर 6 पर बुरा असर कर ले तो बेशक मगर सूरज पर कभी बुरा असर न देगा। शादी के बाद जब केतु मंदा हो तो सनीचर ज़रूर नेक असर और मद्द देगा या सनीचर का उपाओ कारआमद होगा वरना केतु ऐसा मंदा होगा कि गुरु पिता को भी काट खाएगा। पैदाइश तो बेशक जद्दी घरबार से बाहर (परदेस-सराय या किसी मुसाफ़िरी-मुसाफ़िरखाना-नाचके घर बगैरह) होगी मगर जन्म के घर पर-वह जगह जहां पर कि दरअसल जन्म हुआ (जद्दी घर पर नहीं) मंदा तूफान जारी होगा। पड़ोसी (हमसाया) घर पर भी मिट्टी ड़ड़ती होगी।

2-मंदे वक्त की पहली निशानी बुध की मुतअलिलका अश्या से शुरू होगी फिर शुक्कर (खुराक-गृहस्ती अश्या) बाद अज्ञान जंगल (खून ज़हरी या गन्दा मंदा होकर) और आख़ीर पर जगत गुरु बृहस्पत की हवा में मिट्टी भर देगा जो इधर उधर फ़र्ज़ी चक्कर में दौड़ने का बहाना होगी।

3-बुध और शुक्कर दोनों का मंदा हाल होगा। } खाना नम्बर 2-7 खाली

4- मंदी सेहत खासकर जब दोहता या पोता पैदाइश में हो। } सूरज नम्बर 7

खुर्चने-खर्च करना

नरीना-नर, लड़का

सादिक-सच्चा

कारआमद-प्रभावशाली मुसाफ़िरी-सफर में

केतु खाना नम्बर-2

आसूदा हुक्मरान

मुसाफिर

हुई पैदा औलाद-हर घर जो तेरी
बुढ़ापे तुझे कौन देगा दिलेरी

खाली ४ मंदिर अकेला
सफर उसको बहुत लिखा
तिलक कुदरती मदद पे उसकी
बैठा ग्रह जब हो ४ कोई
भाग शुक्कर हो हरदम उम्दा
चंद्र असर न उत्तम देगा
राज खिताबां लेख गो ऊंचा
आई चलाई लाखों करता

नेक और बेहूदा हो
हुक्मरान आसूदा हो
आठ दृष्टि खाली जो
अल्प आयु खुद ज़हमती हो
बैठा शुक्कर ख़ाह मंदा हो
ऊंच हुआ या बरसता हो
माया जमा नहीं होती हो
नतीजा दलाल दलाली हो

हस्त रेखा

बृहस्पत के बुर्ज नम्बर 2 पर केतु का निशान हो।

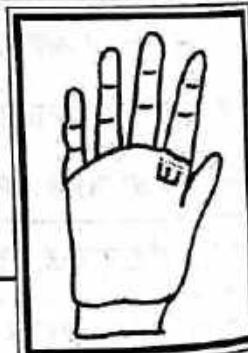
१ राहु के अलावा खासकर केतु के दुश्मन (चंद्र या मंगल)

ज़हमती-मुसीबत

आसूदा-धन से परिपूर्ण

गो-यद्यपि

खिताबां-उपधि, संबोधन



नेक हालत

1- हर नया सफर सेहत की तब्दीली पर होगा यानी आगर पहले जुनूब को चले तो फिर वापिस मारिब में ठहरे फिर मशरिक में आवे।

शुमाल

मारिब

मशरिक

जुनूब

2- गो घूमती हुई किस्मत मगर हुक्मरान-मुसाफिर-खुशकी का सफर बहुत होगा और तरक्की देगा।

3- शुक्रकर भाग हमेशा उत्तम ख़ाह शुक्रकर खुद कैसा ही बैठा हुआ हो चंद्र का असर उत्तम होने की कोई तसल्ली की न होगी ख़ाह चंद्र ऊंच और बरसते हुए पानी का मालिक ही क्यों न हो। गो राजदरबार या ख़िताब भी मिलेंगे और लाखों रुपए की आई चलाई व आमदन पर क़ुलम होगी मगर माया जमा न होगी। सिर्फ दलाल की दलाली की तरह अपना हिस्सा होगा। केतु अब शुक्रकर और बृहस्पत की नक़ल या नक़ली सोने और रंग बिरंगी रोटी की तरह किस्मत का दर्जा या जैसा बृहस्पत हो वैसी ही हालत माया दौलत की और जैसा शुक्रकर हो वैसा ही हाल गृहस्ती गुजरान का होगा क्योंकि ग्रह चाली कुत्ते (केतु) का मुंह इस घर माना है जो हमेशा अपने बैठा होने वाले घर के मालिक (नम्बर 2 का मालिक शुक्रकर पक्का घर बृहस्पत का है) की रोटी पर सब्र करेगा।

4- सफर और हुक्मत गो ज्यादा मगर हर दो का हर तरह से उचम फल और हर तरफ तरविक्यां-हुक्मरान आसुदा होगा माथे पर तिलक कुदरती मदद देगा या माथे पर तिलक की जगह केतु का निशान या तिकोन



नम्बर 8 ख़ाली और खुद जब केतु हर तरह से अकेला हो। **क्रियाफ़ा:-** पेशानी पर तिलक की जगह केतु का निशान हो।

5-24 साला उम्र (केतु की मियाद) के बाद खुद कमाई करने वाला और वारौनक ज़िन्दगी का मालिक होता जाएगा।

} सूरज नम्बर 12

शुमाल-उत्तर दिशा

मारिब-पश्चिम दिशा

जुनूब-दक्षिण दिशा

मशरिक-पूर्व दिशा

हो
हो
जो
हो
हो
हो
हो
हो



मंदी हालत

1-हर घर में औलाद बनाए जाने से बुद्धापे में कोई मददगार बच्चा न होगा।

2-नम्बर 8 चाले ग्रह मुत्अल्लिका के असर के बक्ता (आम अरसा मियाद बृहस्पत-16 सूरज-22 चौरह) पर ज़हमती बल्कि अल्प आयु लेंगे।

} राहु के अलावा नम्बर 8 में कोई भी ग्रह खासकर केतु के दुश्मन (चंद्र या मंगल)

केतु खाना नम्बर-३

बुझे प्यास न-खून भाई का करते
गले बाजू बांधेंगे-तलवार कटते

नेकी मालिक को याद हो रखता
दुखिया भाइयों से अक्सर होता
असर शुक्कर बुध न कुछ उम्दा
ससुराल घराना हरदम दुखिया
मंगल टेवे जब 12 बैठा
उम्र 24 में उत्तम होगा

दरवेश भला ही करता हो
परदेस जुदाई फिरता हो
मंदा खेती फल होता हो
जंगल मंगल बद होता हो
मच्छ मुआविन तारता हो
या जब लड़का पहला हो

१ -टूटे बाजू गले से चिमटे भाई फिर भी मददगार ही हों। यह ग्रह अब उम्र और दौलत को खुद व खुद ही बरवाद करेगा। मंदा ग्रहण देगा।

दरवेश-साधु, सन्यासी टेवे-जन्मपत्री ज़हमती-मुसीबत मुआविन-सहायक, मददगार मच्छ-मछली

1-गो अ
मगर औत
2-दूसरे
मदद को
3-24 स
व मुआवि
कोई न

मुत्अल्लि

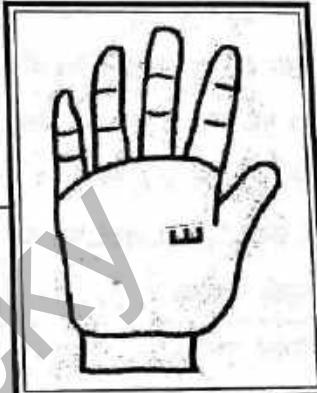
केतु मंदे हो मदद गुरु की
रीढ़ की हड्डी दर्द जो करती



तिलक केसर भला होता हो
सोना ज़िस्म पर उम्दा हो

हस्त रेखा

मंगल नेक के बुर्ज नम्बर 3 पर केतु का निशान हो



नेक हालत

1-गो अपने समुराल और भाईबंद का रंग बिरंग हाल (नेक व बद हर दो हालत मुश्तरका)

मगर औलाद ज़रूर नेक होगी।

2-दूसरे साथी और मालिक की नेकी को याद रखने वाला भला लोग हर वक्त बिन बुलाए
मदद को आ जाने वाला मेहरबान होगा।

3-24 साला उम्र या पहले लड़के के जन्म से ही मच्छ रेखा (माली)

व मुआविन (लम्बी) उम्र रेखा हर दो का नेक फल खासकर उस वक्त जब

कोई न कोई सफेद बाल बूढ़ा बुजुर्ग साथ मदद पर होवे।

} मंगल खाना नम्बर 12

4-जब कान या रीढ़ की हड्डी पावों घुटने-कमर वगैरह केतु के मुतअल्लिका किसी भी
जगह दर्द हो।

मुतअल्लिका-संबंधित

मुआविन-सहायक, मददगार

मुश्तरका-मिले जुले

औलाद-संतान
वक्त-समय

मंदी हालत

- 1-अपना दिमाग़ खँचें बैर ही दूसरों की हाँ में हाँ मिलाकर दुखिया होगा।
- 2-खामख़ाह टू-टू करते रहने वाले कुत्ते की तबियत मगर अंदरूनी तौर पर नेक दरवेश। अमूमन भाइयों से तंग और दुखिया। परदेस की ज़िन्दगी में मारा मारा फिरो। यह ग्रह अब उम्र और दौलत को खुद व खुद हीले बहाने बना कर बरबाद करता जाएगा और हर बक्त मंदा ग्रहण देगा। बुध शुक्र व खेती का फल कोई ऐसा उम्दा न होगा। अपने भाई बंद और समुराल घराना हरदम दुखिया और जंगल में भी सुखी न होगा।
- 3-दीवानी मुकद्मात में को लम्बी लम्बी चालें करके दौलत बरबाद करेगा। औरत और सालियां बैरह से नाइक बिला बज़ह जुदाई का बहाना होगा।
- 4-समुराल के कुत्ते के साथ से छोटा भाई दुखिया होगा।
- 5-हमसाया का मकान गिरा हुआ या कुत्तों के टट्टी फिरने की जगह की तरह बरबाद ही होता रहेगा। ऐसे टेवे वाले के मकान में अमूमन $\frac{3 \text{ लड़के}}{1 \text{ पोता}}$ या $\frac{3 \text{ पोते}}{1 \text{ लड़का}}$ या 3 खिड़कियां या तीन दरवाज़े होंगे।
- 6-दक्कन के दरवाजे के साथ से हर साल $\frac{\text{औलाद}}{\text{घर के बच्चों}}$ के विघ्न ज़रूर होंगे।
- 7-भाई के खून से प्यास बुझाना अपने ही बाजू काटना होगा।
- 8-औलाद निकम्भी या नालायक होगी।
- 9-दक्कन के दरवाजे वाले मकान में लगातार रिहाइश के तीसरे साल से औलाद (लड़के और लड़कियों हर दो) का मंदा हाल बल्कि उन की मौतों तक शुरू हो जाएगा और चंद्र या मंगल (जो भी नम्बर 8 में हो) की मियाद तक मंदा असर चलता रहेगा।

खँचें-इस्तेमाल, प्रयोग
दक्कन-दक्षिण दिशा

मुकद्मात-मुकद्मा
विघ्न-विघ्न

अमूमन-आमतौर से
मियाद-समय सीमा

जब चंद्र या मंगल या
दोनों नम्बर 8 में हों। कियाफ़ा:-
दक्कन के दरवाज़ा का
साथ हो।

मंदी हालत
10-मुफ़्त
11-फ़ेफ़
चलते पा
के लिए
मुतआल्ल

तूप
ची
गुरु
पैद
गुरु
कु
मुफ़्त

10-मुफलिस-गरीब

चंद्र या मंगल 3-4 में

कियाफ़ा- हाथ के अंगूठे का नाखून वाला हिस्सा मोटा व छोटा।

उपाओः-

11-फेफड़े की बीमारियां या मंदी सेहत के वक्त में बहस्यत की अश्या चलते पानी में बहाना या केसर का तिलक उत्तम होगा। माली हालत को दुरुस्त करने के लिए जिस पर सोना (कान-रीढ़ की हड्डी-पावों-घटने-कमर वैरह केतु के मुताबिलक्ष अश्या में दर्द) मुबारक होगा।

केतु खाना नम्बर-4

बच्चों को डराने वाला कुत्ता
ज्वार भाटा (समन्दर
में तूफान)

सब्र अपने का फल-गो मीठा मिलेगा

मगर बोझ देरी-का सहना पड़ेगा।

तूफान समन्दर आयु माता
चीज़ चंद्र सब रवि करता
गुरु टेवे न जब तक उम्दा
पैदा कोई जब लड़का होता
गुरु उपाओ गर करे
कुल उसकी चलती रहे

उम्र दौलत खुद उम्दा हो
लड़का पैदा न होता हो
कन्या बहुत उस होती हो
उम्र सदी पूरी होती हो
दोनों दुख हों दूर
माया मिले ज़रूर

मुफलिस-धनहीन, गरीब, कंगाल

अश्या-वस्तुएं, चीजें

समन्दर-समुद्र

टेवे-जन्मपत्री

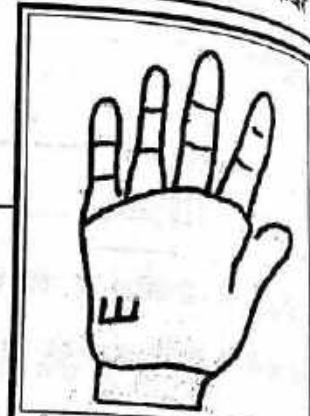
उपाओ-उपाय

नेक हालत

केतु खाना नम्बर 4

हस्त रेखा

चंद्र के बुर्ज नम्बर 4 पर केतु का निशान हो



नेक हालत

1-बाप के लिए उम्दा और मुबारक फल का बल्कि बृहस्पत पिता गुरु की ताक़त उत्तम-ऊंच व नेक करता होगा।

2-मगर खुद अपनी औलाद के ताल्लुक में सब्र का फल मीठा होगा यानी देरी का बोझ बर्दाशत करना ही पड़ेगा।.....बहरहाल औलाद नरीना बहुत देरी से पैदा या देर बाद कायम होगी। वह भी कुलपुरोहित (खानदानी गुरु) की आशीर्वाद से या जब टेवे में बृहस्पत उत्तम हो (बमूजिब जन्म कुण्डली) या हो जावे (बमूजिब वर्षफल) लेकिन जब कभी भी कोई लड़का पैदा होगा वह पूरी सदी की उम्र (लम्बी दीर्घ आयु) बसर करेगा गो माता की उम्र और दौलत पर तूफान होगा और चंद्र की सब चीज़ों का फल मंद होगा मगर खुद अपनी उम्र और दौलत हर तरह से उत्तम व उम्दा होगी। खुद मेहनती व इस्तक़लाली पक्का मर्द होगा जो नतीजा उस मालिक पर छोड़ता हो।

3-गुरु उपाओ से औलाद व दौलत सब में बरकत होगी। मंदिर में सोना या कुलपुरोहित को ज़र्द रंग अश्या देकर आशीर्वाद लेना मददगार होगा।

4-कन्या की ज्यादती अवलम्बन और उम्दा तदबीर का मालिक-दौलत की कोई कमी न होगी } जब चंद्र या मंगल नम्बर 3-4 में न हों

गो-जैसे कि आशीर्वाद-आशीर्वाद

इस्तक़लाली-मजबूती, दृढ़ता

तदबीर-उपाय, प्रयत्न, कोशिश

मंवी हालत

1- बच्चों को
(Diabetieमें तूफान-ज्वा
पैदा हो-और
से ज़िन्दा रहेग2- केतु और
कायम। कुर्ए
की हालत हो

3- बहशी ह

समन्दर-सा

मंदी हालत

1- बच्चों को डराने वाला कुत्ता-खुद अपनी सेहत हल्की (मंदी)। पेशाव में शक्कर का आना (Diabetie) चारूरह। माता और अपनी औलाद दोनों का ही बरबाद समन्वय में तूफान-ज्वार भाटा-औलाद बहुत देरी (36-48 के दरमियान) से ऐदा हो-और वह भी कुल पुरोहित (जो पहले ही हट चुके होंगे) की जारीबाद से ज़िन्दा रहेगी या क़ायम होगी।

2- केतु और चंद्र दोनों ही मंदे-न माता सुखिया न औलाद क़ायम। कुएं में गिरे हुए कुत्ते की तरह औलाद नरीना की हालत होगी जो बाहर न निकल सके।

चंद्र या मंगल नम्बर

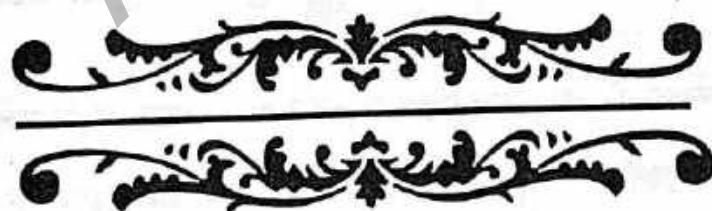
3-4 कियाफ़ा:-

हाथ के अंगूठे

का नाखून वाला हिस्सा

छोटा व मोटा।

3- वहशी हालत व ख़्यालात-कम दौलत



केतु खाना नम्बर-5

अपनी रोटी के टुकड़े
के लिए गुरु का
निगरान

हुए नेक थे-जब जवानी के चढ़ते
मिले पोते इतने-न थे जितने लड़के

हाल टेवे जो बृहस्पत होता ————— केतु वैसा ही होता हो
बाद २४ खुद केतु उम्दा
चंद्र मंगल ३ चौथे बैठा
लड़का ख़त्म ३-अक्सर होता
गुरु मंदा ४५ मंदे
गिनती गिनी हो बेशक कितने
ऋण पितृ जब टेवे बैठा
लड़का जिन्दा २ अक्सर बचता

शर्त गुरु न करता हो
पांच शनि ख़ाह ९ वें हो
बाद ३६-तीन^३ मिलता हो
दमा औलाद को लगता हो
पूरा कोई ही होता हो
केतु गृहस्ती मंदा हो
सुखिया मुकम्मिल होता जो

१ -चंद्र मंगल की मुत्तु अलिलका अश्या का दान मुबारक होगा जब सनीचर
५ या ९ वें हो वस्ता केतु मंदा न होगा ख़ासकर जब चंद्र या मंगल
नम्बर ३-४ में होंगे।

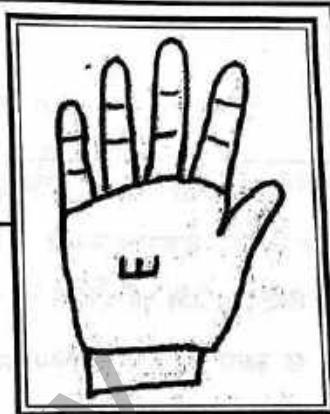
नेक हालत

707

केतु खाना नम्बर 5

हस्त रेखा

सूरज की तरक्की रेखा पर केतु का निशान हो



नेक हालत

1-उठती जवानी के बक्त अगर नेक होवे तो अपने लड़कों से पोतों की तादाद और भी बहुत बढ़ती होगी। केतु का फल अपने लिए उत्तम होगा।
2-लड़की की हालत तादाद और उम्र वृहस्पत की हालत पर होगी। 24 सालों उम्र तक अपनी रोटी के लिए गुरु का निगरान मगर बादअज्ञान केतु खुद व खुद उत्तम होगा। वृहस्पत की शर्त न होगी।

3-नर औलाद पांच से कम न होगी और माली हालत में केतु का कभी मंदा असर न होगा। } वृहस्पत सूरज
या चंद्र खाना नम्बर 4-6-12 में हो।

4-अब सनीचर औलाद के ताल्लुक में कोई मंदा असर न देगा और न ही दो औरत का झगड़ा होगा। तादाद औलाद एक ही औरत से 9 लड़के 3 लड़कियां (पूरी मच्छ रेखा) क्रायम गिनते हैं। } सनीचर नम्बर 6
शुक्रकर नम्बर 4

तादाद-संख्या, गिनती
तरक्की-उन्नति, वृद्धि

खुद व खुद-अपने आप
अज्ञान-उससे

निगरान-निरीक्षक

सनीचर-शनि ग्रह
क्रायम-मौजूद

मंदी हालत

- 1-टेवे वाला खुद तो एक आला खूबसूरत था मगर पता नहीं कि वह खूबसूरती जबाबी में कहाँ गई और वह औलाद के लिए मंदा और इन लड़कों को सांस (दमा) की बीमारियां या 45 साला उम्र तक केतु का मंदा हाल वेशक पैदाइश में कितने ही लड़के मगर क्रायम और मुकम्मिल शायद ही कोई होवे बल्कि घर में नर औलाद की जगह कुत्ते रोने की आवाज़ आएगी। } जब बृहस्पत मंदा हो
- 2-केतु का गृहस्ती असर मंदा ही होगा। गो सिर्फ दो लड़के बाकी मगर वह मुकम्मिल व पूरी हालत के सुखिया व सुख देने वाले होंगे। } त्रृण पितृ बुध शुक्रवर राहु या सनीचर बहैसियत पापी ग्रह नम्बर 2-5 9-12 में।
- 3-केतु का असर मंदा-मुफलिस-गरीब-वहशी ख़यालात मंदे हालात चंद्र मंगल की अश्या का दान मुवारक होगा। जैसा धरम ईमान वैसी ही औलाद की हालत होगी। } चंद्र या मंगल नम्बर 3-4
- 4- 3-लड़के नष्ट होने के बाद 3 साला उम्र तक फिर तीन क्रायम ज़रूर होंगे ख़ासकर जब चंद्र मंगल भी खाना नम्बर 3-4 में ही होवे। } सनीचर नम्बर 5-9

मुकम्मिल-पूर्ण, सम्पूर्ण मुफलिस-धनहीन, गरीब, कंगाल ख़यालात-विचार, ध्यान आला-सर्वश्रेष्ठ वहशी-ज़ंगली, वह व्यक्ति जो मनुष्यों के संपर्क से बचे धरम ईमान-धर्म पर दृढ़ विश्वास बहैसियत-क्षमतानुसार

केतु खाना नम्बर-6

शेर कँद खूँखार कुत्ता
दो रंगी दुनिया

हज़म धी अगर कुत्ता-दुनिया में करता
छुपे फिरता हर घर में-बुज़दिल न डरता

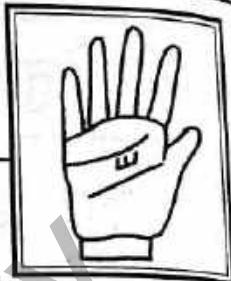
रंग दो रंगा केतु होता
मामूँ माता न बेशक उम्दा
केतु की चीज़ों पे केतु मंदा
ग्रह टेवे कोई साथी बैठा
गुरु भले औलाद हो बढ़ता
टेवे कोई नर जब दो उम्दा
गुरु मंगल न हो जब साथी
बढ़ता केतु खुद नेकी अपनी

असर होता भी दो रंगा हो
शनि भला ही होता हो
पर मंदा न दूसरों पर
खुद मंदा बुरा दूसरों पर
शुक्कर मुसीबत कटता हो
तूफ़ान केतु का मंदा हो
न ही मिला बुध 12 हो
तकब्बुर खुदी न जब तक हो

- १ -अपनी औलाद व दीगर सलाहकार हमेशा नेक फल देंगे।
- २ -जब चंद्र नम्बर 2 में हो ऐसी हालत में बुद्धापा हल्का।
- ३ -सिवाय बुध जो अब नेक असर देगा।
- ४ -सोने की अंगूठी बाएं हाथ पर मुवारक होगी।

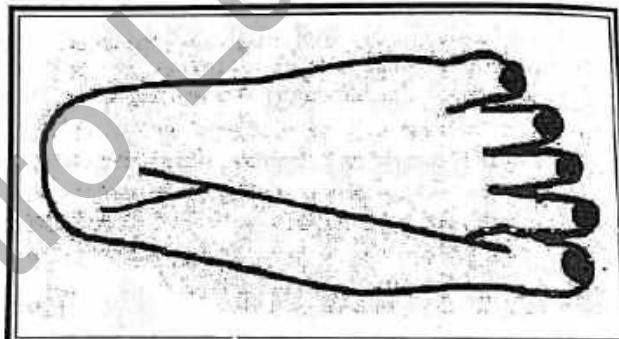
हस्त रेखा

हथेली की मुस्तील में केतु का निशान हो।



क्रियाफ़ाः- पावों में रेखा

इस ग्रह की दुरुस्ती और असर इंसान के पावों से ज़ाहिर होगा। पावों का वही हिसाब है जो हाथ का है और पावों की उंगलियों के वही नाम हैं जो हाथ की उंगलियों के हैं और बुर्ज व राशियां बाँह



सब कुछ हाथ की मानिंद गिना है। पांव हमेशा ज़मीन से लगता है और ज़मीन को शुक्कर माना है। शुक्कर का बुर्ज अंगूठे पर होता है। इसलिए पांव की सिर्फ़ एक रेखा हाथ की रेखाओं से फ़र्क पर होती है। बाकी बातों में पावों की सब रेखा हाथ की रेखा की मानिंद देखी जाती हैं। पावों में रेखा अगर एड़ी से निकल कर अंगूठे तक चली जावे तो सबारी का सुख होगा। उंगलियों को छोड़ कर (पावों की) अगर चक्कर-संख-सदफ़ का निशान दाएं पांव पर हो तो बुर्ज या ग्रह के कायम होने का नेक असर हाथ की तरह होगा मगर बाएं पांव पर चक्कर-संख-सदफ़ सिर्फ़ बुर्ज के नीच होने का असर

मुस्तील-आयत

मानिंद-समान, सदृश्य, तुल्य

सदफ़-सीप, सीपी

बाँह-आदि आदि

दें। अगर बायां पांव दाएँ का अंगूठा छोड़ा हो तो केतु

1-अंगूठा बहुत हुए होः-
मंद भाग होगा

2-अंगूठा छोड़ एक जगह

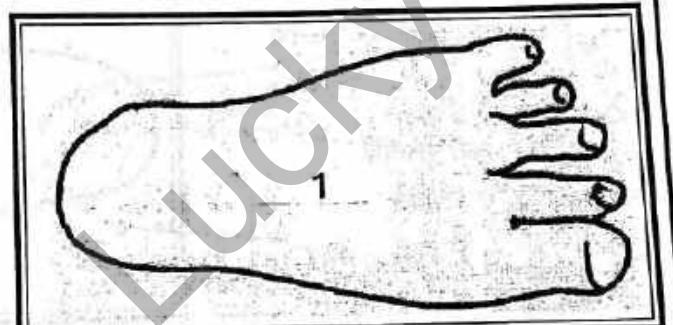
3-अंगूठा बड़ी होः-
पहले लाद सुख न होगा

शाखा-आदमी

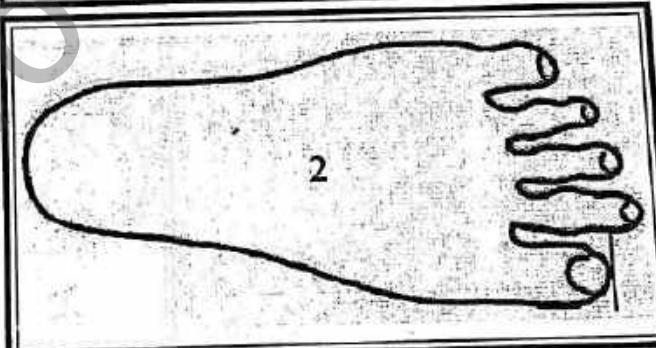
देंगे। अगर बावों पांव दार्द से बड़ा हो तो कम हौसला और डरपोक होगा। बावों का अंगूठा छोटा हो तो केतु नीच या मंदा होगा। ऐसा शख्स एक जगह न रहे।

पावों की उंगलियां

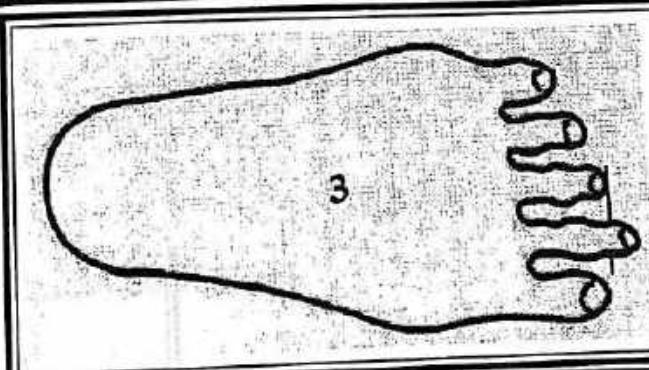
1-अंगूठा व तर्जनी बाहम मिले
हुए होः:-
मंव भाग होगा।



2-अंगूठा छोटा हो :-
एक जगह न रहे।



3-अंगूठा छोटा और तर्जनी
बड़ी होः:-
पहले लड़का या लड़की का
सुख न होगा।



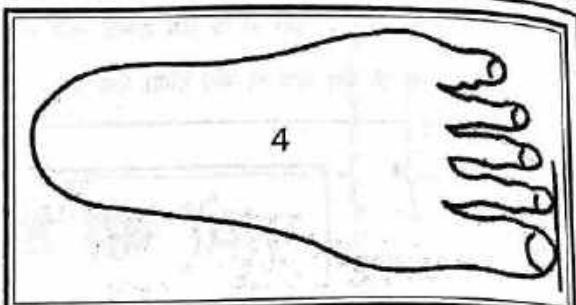
शख्स-आदमी, मनुष्य, व्यक्ति

बाहम-परस्पर, आपस में

4-अंगूठा और तर्जनी बराबर:-

खुशगुजरान।

4



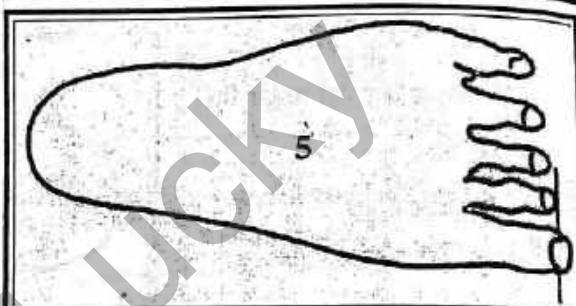
5-अंगूठा बड़ा और तर्जनी

छोटी:-

दूसरे का गुलाम

रहे।

5



6-तर्जनी मद्दमा से बड़ी

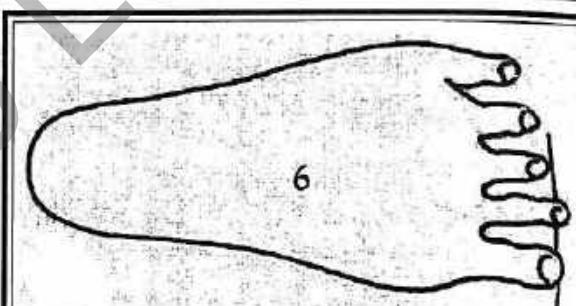
होवे:-

औरत खानदान ग्रीव

औरत से रंजीदा हाल

रहे।

6



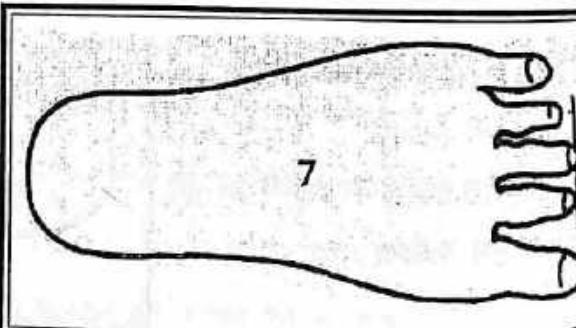
7-तर्जनी मद्दमा से थोड़ी

छोटी हो:-

औरत का सुख पूरा

होवे।

7



खुशगुजरान-अच्छे प्रकार के जीवन व्यतीत करने वाल, सुजीवी

रंजीदा हाल-दुर्जित, संतप्त ग्रमणीन

गुलाम-दास, नौकर, परधीन

8-तर्जनी
छोटी
औरत
हो।

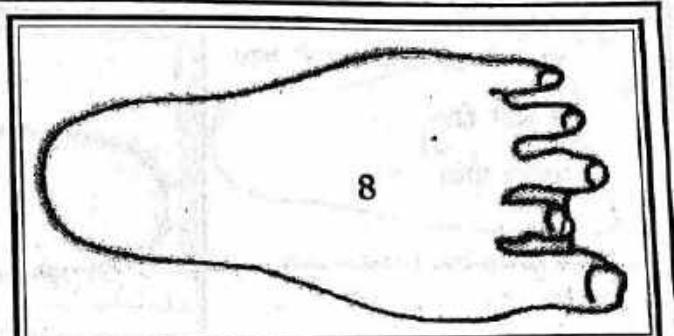
9-अंगूठा
छोटी
औरत
हो।

10-तर्जनी
कदरे
नेक

11-
बहुत
मनहात
मंद

कदरे-कि

8-तर्जनी मद्दमा से बहुत
छोटी हो:-
औरत का सुख हलका
हो।



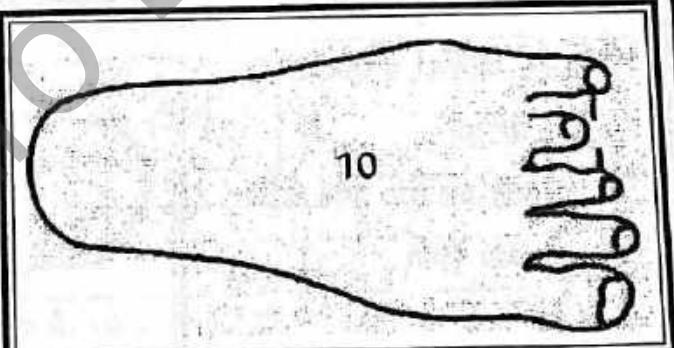
8

9-अनामिका मद्दमा से
छोटी हो:-
औरत का सुख हलका
हो।



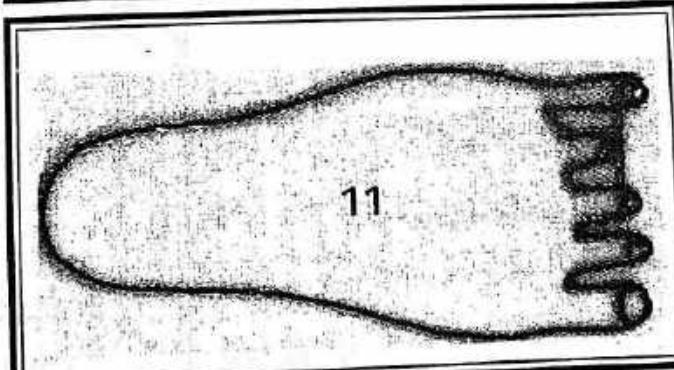
9

10-कनिष्ठा अनामिका से
क़दरे बड़ी हो:-
नेक नसीब।



10

11-कनिष्ठा अनामिका से
बहुत बड़ी हो:-
मनहूस
मंदभाग।



11

क़दरे-कि तरह से

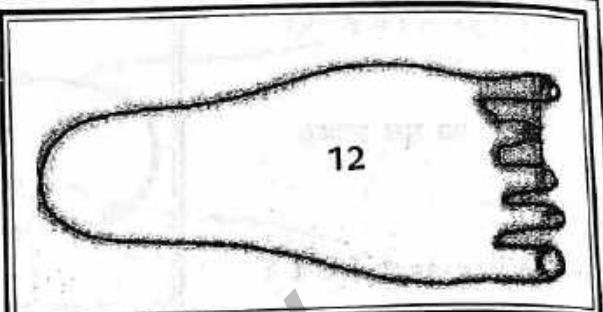
मंदभाग-बुद्ध

मनहूस-अभाग

नसीब-भाग, किस्मत

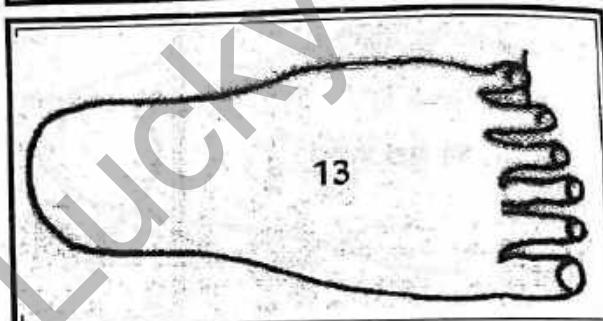
12-कनिष्ठा अनामिका से बहुत ही बड़ी हो:-
ज़लील होवे।

12



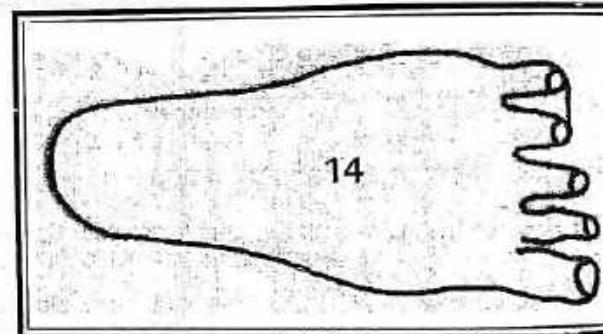
13-कनिष्ठा अनामिका से छोटी हो:-
नेक असर होवे।

13



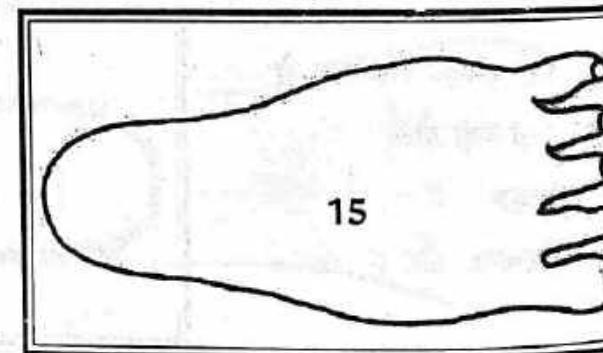
14- कनिष्ठा अनामिका के बराबर हो:-
औलाद का सुख मगर अपनी उम्र कम होगी।

14



15-पांचों बराबर या दराज़:-
हुक्मरान होवे।

15



ज़लील-नीच, कमीना, तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्जत

हुक्मरान-आज्ञा देने वाला, आदेश देने वाला

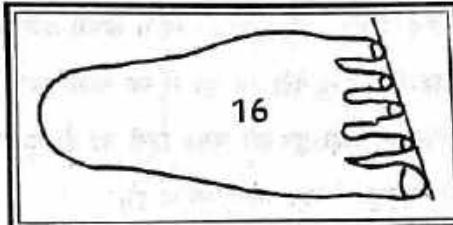
दराज़-लम्बा

16- पांचों बिलतरतीब एक

से दूसरी बड़ी होती

जावे:-

साहबे औलाद होते।



पावों की उंगलियों के नाखून

सुख्ख तांबे के रंग के -----:-राजा या हुक्मरान होते।

नीलांगू-----:-आली मरतवा।

ज़र्द-----:-दीवान साहब।

स्याह-----:-चोर-डाकू फिर भी मंदा हाल।

नेक हालत

1-जैसा बृहस्पत टेवे में हो वैसा ही केतु का असर होगा।

2-केतु को लड़का कुंद गधा और सूर भी माना है। ऐसे शख्स की औलाद अगर किसी बजह से ऐसे जानवरों की तरह नालायक या मंदी हो ही जावे तो जिस तरह

एक मामूली बुता शेर की खाल पहन कर अपने मालिक की मदद कर सकता है। उसी

तरह वह औलाद अपने पिता को ज़रूर ही मदद देगी जिस तरह केतु खाना नम्बर 1

ने सूरज को मदद दी थी ख़ाह सूरज टेवे में कैसा ही और कहीं भी

बैठा हो। हू ब हू उसी तरह नम्बर 6 का केतु बृहस्पत को कभी मंदा न होने

देगा ख़ाह बृहस्पत केतु खाना नम्बर 6 के बक्त कहीं भी और कैसा ही बैठा हो।

तरतीब-क्रम, सिलसिला।

आलसी-सुस्त

सुख्ख-लाल

आली मरतवा-बहुत सम्मानित, महामहिम

नीलांगू-नीली झलक पान

महामहिम

स्याह-काला

हू ब हू-एक जैसा, विलक्षुल एक-सा

ज़र्द-गहरा पीला

3-सनीचर का असर भला ही होगा। अपनी औलाद व दीगर सलाहकार हमेशा नेक फल देंगे। इस घर में ग्रह चाती कुत्ते (केतु) की टेढ़ी दुम की जगह मानी गई है। दुश्मन हमेशा ज़ेर होंगे। दौलत की आमद पर आमद हो।	क्रियाएँ :- हाथ का अंगूष्ठा सीधा रहे।
4-अकेला ही बैठा हुआ हर तरह से उत्तम फल देगा और मामूली कुचा भी शेर की खाल पहन कर अपने गुरु बृहस्पति पिता को मदद देगा। गुर्ज़ोंकि ऐसा शख्स अपने लिए अच्छा होगा मगर दूसरों पर अपना बुरा असर देगा।	
5-शेर क़द खूब्खार कुत्ता-दो रंगी दुनियावी क्रिस्मत (घर का और नीच भी) खुद सुखिया होगा।	
6-दिमाग़ी खाना नम्बर 7 - ज़िंदगी बदलने की ख़ाहिश। दिमाग़ी खाना नम्बर 8 - हमला रोकने की हिम्मत। दिमाग़ी खाना नम्बर 9 - बदला लेने की हिम्मत। दिमाग़ी खाना नम्बर 10 - ज़ायका। दिमाग़ी खाना नम्बर 11 - ज़खीरा जमा करने की आदत। दिमाग़ी खाना नम्बर 12 - राजदारी।	का साथ होगा।
7-बुध और केतु दोनों ही का नेक फल होगा।	बुध नम्बर 6
8-औलाद में बढ़ता हो। मामूली चूहा भी जाल काट कर मदद देवे।	बृहस्पति उम्दा
9-शुक्कर अब मुसीबत दूर करता होगा	शुक्कर उम्दा या क़ायम
10-केतु अपनी नेकी में बढ़ता और उम्दा ही फल देता होगा। जब तक ऐसा आदमी तकब्बुर और खूदी से खुद ही न मरे।	बृहस्पति-मंगल नम्बर 6 में न हो और न ही नम्बर 12 में बृहस्पति मंगल या बुध हो।
दीगर-भिन्न, दूसरे आमद-आना, आगमन राजदारी-भेद जानना, रहस्य जानने वाला	ख़ाहिश-इच्छा तकब्बुर-अभिमान, अहंकार
आगमन-आना, आगमन ज़ेर-निर्वल, आधीन	ज़खीरा-भण्डार, संचय

नेक हालत
9-उम्र लाल्ही 7
देस परदेस की

- 1-केतु अमूमन
चाल उलट 1
- 2-कुत्ता क्याम
इंसान बैकर्न
का नाचीन
- 3-बाएं हाथ
जब केतु का
मुत्अलिलक
- 4-बे मतला
- 5-मंदी हालत
मंदी हालत
मंदी हालत
- 6-मामूल और
(मंदा) हो
- अमूमन-प्राप्ति

नेक हालत

9-उम्र लम्बी 70 साला कम अज्ञ कम होगी। मामूँ खानदान को सुख और देस परदेस की ज़िन्दगी में आराम।

केतु खाना नम्बर 6

जब बृहस्पत
नेक हो या नम्बर 2 की
दृष्टि भली हो। क्रियाएः-
पीठ पर ऊर्ध रेखा (गर्दन
की तरफ से नीचे
को रोहँ की हड्डी पर
पीठ को दो हिस्सों में
तक्सीम करने वाली रेखा)

मंदी हालत

1-केतु अमूमन बुध का दुश्मन और शुक्रकर का दोस्त होता है मगर उस घर में केतु की चाल उलट होगी यानी अब केतु बुध का दोस्त और शुक्रकर का दुश्मन होगा।

2-कुत्ता क्या जाने हलवा का जायका या कुत्ते को धी हज़म नहीं होता के उसूल पर ऐसा इंसान बेक़दर बुज़दिल बल्कि हर जगह पावों की ठोकर से लड़खड़ाता हुआ पत्थर का नाचीज़ टुकड़ा होगा। मामूँ व मामूँ खानदान पर भी मंदा हो सकता है।

3-बाएं हाथ में सोने की अंगूठी मुबारक होगी
जब केतु की खाना नम्बर 6 की अश्या कारोबार या रिस्तादार मुतअल्लिका का फल बरबाद और मंदा हो

4-बे मतलब सफर और दुश्मन बिन बुलाए खड़े होंगे } जब बृहस्पत मंदा हो।

5-मंदी हालत में दिमाग़ी खाना नम्बर 13-होशियारी
मंदी हालत में दिमाग़ी खाना नम्बर 14 -खुदपसंदी
मंदी हालत में दिमाग़ी खाना नम्बर 15 खुददारी } का साथ होगा

6-मामूँ और माता का हाल उम्दा न होगा। ऐसी हालत में बुढ़ापा भी हलका ही (मंदा) होगा। मगर केतु अब केतु की बाक़ी मुतअल्लिका अश्या या औलाद पर बुरा न होगा } चंद्र नम्बर 2

अमूमन-प्रायः, आमतौर से

तक्सीम-विभाजन, बांटना

मुतअल्लिका-संबंधित

खुददारी-स्वाभिमान

7-खुद केतु और दूसरे साथ बैठे हुए ग्रह (सिवाए बुध के जवाब नेक होंगे) दोनों का हाल मंदा होगा	कोई भी दूसरा ग्रह
बुध के जवाब नेक होंगे)	
8-केतु अब हर तरफ मंदा तूफान पैदा करता होगा। खुद अपना ही कुत्ता काट खाए। पावों पर खराबियां शुक्कर की मंदी निशानी होंगी और ख़्यालात पर बुरा असर गुरु के मंदे असर का पेशाखैमा होगा	बृहस्पत शुक्कर दोनों से कोई एक
9-दोनों ही का मंदा फल होगा।	
	शुक्कर नम्बर 6

केतु खाना नम्बर-7

गड़रिये का पालतू कुत्ता

बच्चों का साथी

शेर का मुकाबला करने वाला कुत्ता

सभी कुछ के होते जो रोता रहेगा
तो यह नस्ल तेरी को ज़ाहिर करेगा

तरह कुत्ते की दुश्मन मारे
बढ़ता क़बीला साफ़ हों रस्ते
ग्रह शत्रु हो जब कोई मंदा
केतु चक्कर जब तख़्त का करता

चक्की हवाई चलती हो
मिट्टी पत्थर न कोई हो
बरबाद खुदी वह होता हो
लेख मंदा सब उम्दा हो

१ -बुध शुक्कर। २ -बृहस्पत मददगार। ३ -सनीचर मंदा न होगा।

४ -शत्रु ग्रह खुद ही या टेवे वाला तकब्बुर खुदी से बरबाद होंगा।

५ -लड़का बालिग हो जावे या लड़के की उम्र के साल बया 48 ज़रब 40 के जवाब के बराबर धन आएंगा 7-19-31-43-55-67-74-95-103-115 साला उम्र लड़के की उम्र

॥ 40 = साल की आमदन के बराबर का धन फ़्रालतू।

48

ख़्यालात-विचार, ध्यान

क़बीला-खानदान

नस्ल-खानदान

तख़्त-सिंहासन

पेशाखैमा-किसी होने वाले काम की तैयारी

तकब्बुर-अभिमान, अहंकार, अहं, अकड़, शेषी

ज़बान मंदा बुध झूटा वायदा
शुक्कर गृहस्ती आग में जलता

ज़हमत बीमारी पात हो
पत्थर तूफानी चलता हो

गृहस्त रेखा

शुक्कर के बुर्ज नम्बर 7 पर केतु का निशान।



नेक हालत

1-अमूमन जिस क़दर औरत के भैन-भाई उसी क़दर टेवे वाले के बाल बच्चे

होंगे। 24 साला उम्र में 40 साल गुजाये का धन दौलत जमा हो जाएगा।

लड़के की उम्र के साल

बटा हुआ 48 - ज़रब 8=धन की वरकत मसलन लड़के की उम्र हो 24 साल

$$\frac{24}{48} \times 8 = 4$$
 गुना यानी जन्म दिन पर जमा शुदा के मुकाबला पर लड़के की 24 साल

तो उम्र में चार गुना धन दौलत जमा हो जाएगा। जों-जों दूसरा लड़का बढ़ेगा

धन दौलत ज्यादा होता जाएगा।

2- महमूद फ़िरदौसी का वायदा दोबारा याद होगा मगर अब फ़िरदौसी बजाए खुद महमूद रोता

और क़ब्र में मायूस जाता होगा वशर्ते कि टेवे वाला "ज़बान कटे मगर वायदा न

हटे" के उसूल का क़ायल हो।

ज़हमत-मुसीबत

भैन-बहन

महमूद-प्रशस्ति, जिसकी तारीफ हो, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा

महमूद-सीमित, थोड़े चंद

क़ब्र-वह गर्त जिसमें शब गाड़े जाते हैं, समाधि

2-केतु अब अपनी गली का शेर बहादुर और बच्चों का साथी-उन से मोहब्बत और शेर का मुकाबला करने वाला कुत्ता या गड़रिये का पालतू कुत्ता होगा जो दुश्मनों को कुत्ते की तरह मार भगावे।

3-रिज़क देने वाली हवाई चक्की मदद पर चलती होगी। शुकर सनीचर कभी मंदा न होगा और दुश्मन ग्रह (चंद्र-मंगल) से जो कोई मंदा होवे खुद ही बरबाद होगा। जुबान कटे मगर जुबान से किया हुआ वायदा न हटे के क्लैल पर कभी मायूस ज़िन्दगी न होगी। सभी कुछ के होते जो रोता रहेगा तो यह उसकी अपनी और जद्दी नस्ल के खून के असर को ज़ाहिर करेगा।

} बुध शुकर और बृहस्पति की मदद

मंदी हालत

1-सामने घर का हाल केतु की चीज़ों पर मंदा होगा।

2-टेवे वाला अगर बरबाद होगा तो अपनी खुदी और तकब्बुर से ही बरबाद होगा।

3-आगर केतु मंदा हो भी तो जिस दिन तस्ख़ पर आवे (7-19-31-43-55

67-74-95-103-115) या जब लड़का बालिग हो जावे उम्दा होगा।

4-मंदी जुबान और झूटा वायदा ज़हमत बीमारी देगा। शुकर गृहस्ती आग में जलता और पत्थर गिराने वाला तूफान चलता होगा।

5-महमूद-फिरदौसी की अशफ़ियों का वायदा दोबारा याद होगा मगर अब महमूद (टेवे वाला) रोता मायूस कब्र को जाता और उसका कफ़न बदबू से भरपूर होगा।

} बुध मंदा होगा

6-बुध की 34 साला उम्र के बाद तारेगा और जो दुश्मनी करे वह खुद ही बरबाद होगा। 34 साला उम्र तक दुश्मन ज़रूर गले लगे रहेंगे मगर उस के बाद उनको कुत्ते की तरह मार भगा देगा।

} बुध नम्बर 7 (या सज़्ज़ क़लम अहल क़लम-पेशा बुध का साथी।

केतु खाना नम्बर-8

बच्चों की मोहब्बत के ग्राम में छत
पर रोने वाला कुत्ता-मौत के
यम को पहले देख लेने वाला कुत्ता

मरे बच्चे इतने-क़ब्र भर रही है

गिला मर चुकों का-तू क्या कर रही है

मारग घर जब केतु बैठा
मर्द औरत न सुखिया जोड़ा
पहले 6 वें तक बुध जो बैठा
बैठा मगर जब 7 ता 12
गुरु मंदिर जब ख़ाली टेके
आया गुरु ही हो जब दूजे

बुध सनीचर
पिस्तान पत्थर आ होता हो
लड़का क़ब्र जा सोता हो
औलाद क़ायम ता 34 हो
बाद 34 जा बद्धती हो
उपाओ गुरु का उत्तम हो
केतु गिना तब क़ायम हो

- १ -मंगल नम्बर 12 हो तो केतु का नम्बर 8 पर मंदा असर न होगा।
 - २ -मगर खुद अपनी उम्र लम्बी होगी
 - ३ -अपनी शादी के बाद अपनी भैन या लड़की की शादी के बाद (जो भी पहले हो)
- औलाद क़ायम होगी। 48 साला उम्र में।

खाना नम्बर का बुध हो	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
किस साल औलाद क़ायम	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40 साला उम्र में

४ राहु नम्बर 2 के बक्त खाना नम्बर 2 ख़ाली ही गिनेंगे

मारग-आठवां स्थान (मौत का घर)

उपाओ-उपाय

भैन-बहन

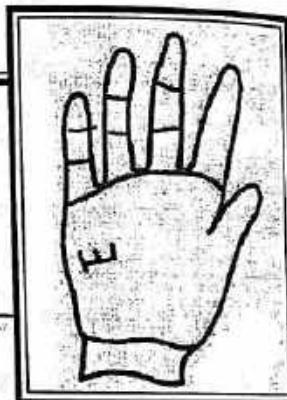
पिस्तान-उरोज, कुच, वक्ष

ग्रह साथी या साथ हो कोई
किस्मत की दोरंगी होगी
गुरु बुरा तो केतु मंदा
बुध शुक्कर न होगा उम्दा
मंगल गुरु 6-12 बैठे
औलाद दौलत न उम्दा गिनते
मींह बरसे औलाद का
चंद्र भी जब हो बुरा

केतु मंदा खुद होता हो
केतु देता फल 2 का हो
भला मंगल न रहता हो
औलाद देरी से पाता हो
मंगलीक मंगल बद चौथे हो
मंगल केतु दो मंदे हों
जब चंद्र दूजे हो
चंद्र पालन हो

हस्त रेखा

मंगल बद के बुर्ज नम्बर ४ पर केतु का निशान हो।



नेक हालत

- केतु के अच्छे या बुरे होने का फैसला हमेशा खाना नम्बर 12 से होगा। जब तक बुध उम्दा केतु मंदा न होगा
- जब तक बुध उम्दा हो केतु मंदा हो नहीं सकता खाना नम्बर 12 से होगा। जब तक शुक्कर होगा

मींह-बरसात, बारिश

खाना-अथवा या चाहे

दूजे-दूसरा

शुक्कर-शुक्र प्रह

नेक हालत
2-औलाद
और 70
3-यह बर
फौरन सुन
4-34 साल
औलाद ख
शुदा काय
ही तरफ
जनम कुण
उप्र तक
जनम कुण
उप्र के ब
कई दफा
कायम हो
4-ख
बुध खाना
की औला

किस ख

तो किस
होगी

खुद अपन

कायम ह

ताल्लुक

नेक हालत

2-औलाद जल्दी से क़ायम हो या देरी से मगर अपनी उम्र हर हालत में लम्बी होगी

और 70 से कम हर्मज़ न होगी और ज्यादा बेशक कितनी ही होवे

3-यह घर ग्रह चाली कुते (केतु) के कानों की जगह है। मौत के यांत्रों के आने की आहट

फैरन सुन लेने वाला कुता होगा यानी मौत का उसे पहले ही पता लगता होगा।

4-34 साला उम्र नर औलाद के क़ायम होने के ताल्लुक में फ़ैसलाकुन होगी यानी नर

औलाद खावह 34 साल तक की पैदाइश शुदा क़ायम होगी या 34 के बाद की पैदा

शुदा क़ायम होगी मगर 34 से पहले की भी और 34 के बाद की भी यानी दोनों

ही तरफ़ की इकट्ठी औलाद शायद ही ज़िन्दा होगी।

जन्म कुण्डली में अगर बुध खाना नम्बर 1 ता 6 में बैठा हो तो नर औलाद अमूमन टेवे वाले की 34 साल उम्र तक की पैदाशुदा ता आख़ीर क़ायम रहेगी।

जन्म कुण्डली में अगर बुध खाना नम्बर 7 ता 12 में बैठा हो तो नर औलाद अमूमन टेवे वाले की 34 साला उम्र के बाद की पैदाशुदा ता आख़ीर क़ायम रहेगी।

कई दफ़ा 45 से 48 साला उम्र तक सिफर या एक लड़का और बाद में दूसरा लड़का क़ायम होगा।

१ -खाना नम्बर 6 केतु का अपना घर भी है और वहां केतु नीच भी है इसलिए जब बुध खाना नम्बर 6 में हो तो 34 से पहले और 34 के बाद दोनों ही तरफ़ की औलाद ज़िन्दा रहने की हालत जायज़ हो सकती है।

किस खाना नम्बर का बुध हो	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
तो किस साल औलाद क़ायम होगी	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40

खुद अपनी भैन या अपनी लड़की की शादी जो भी पहले हो के बाद नर औलाद क़ायम होगी।

ताल्लुक-संबंध

सिफर-जीरो, शून्य

जायज़-उचित

औलाद-संतान

भैन-बहन

नेक हालत

5-अब केतु क्लायम गिना जाएगा और किसी उपाओं की ज़रूरत न होगी। औलाद का मीह बरसे (ज्यादा औलाद होगी) लेकिन अगर चंद्र मंदा हो तो चंद्र पूजन मददगार होगा।

6-केतु का असर कभी मंदा न होगा

मंगल नेक हो और
बृहस्पत नम्बर 2-1 या
चंद्र नम्बर 2
बृहस्पत और मंगल
नम्बर 6-12 में न हों।

मंदी हालत

1 -जब केतु नम्बर 8 हो तो बुध और शुक्रकर अमूमन मंदे घरों में होंगे या उस का चाल चलन फ़ूरन उसको औरत की सेहत पर असर देगा यानी औरत की सेहत मंदी होने से बचाने के लिए केतु की पूजना और चाल चलन पर काबू रखना मदद देगा।

2 -चच्चों के ग्रम उदासी से भरा हुआ छत पर लेट कर रोने वाला कुत्ता-नर औलाद क़ब्र में ही सोती जाएगी बल्कि औलाद नरीना से क़ब्र ही भर देगा। मंदे बक्त कि पहली निशानी कुत्ते का छत पर बैठ कर रोना होगा औलाद क्लायम होने का वक्त 34 साला उम्र हृदबंदी होगी। 48 साला उम्र तक औलाद का सुख हलका ही होगा। केतु की बीमारियां मसलन पेशाब की नाली खुद व खुद खुलते रहना यानी पेशाब क़तरा-क़तरा लगातार महीनों ही जारी रहना।

3 -25 साला उम्र तक केतु का फल उम्दा रहेगा मगर 26 वें साल से राहु और केतु मय बुध सनीचर मंदे होंगे। मर्द औरत दोनों ही गृहस्ती ज़िन्दगी में कोई ख़ास सुखिया न होंगे।

4 -केतु की अस्था (दो रंग स्याह-सफेद कंबल (पूरा कंबल मगर कंबल का टुकड़ा नहीं) केले वगैरह) धरम अस्थान में देना मुबारक व मददगार जब कोई और ग्रह साथी हो तो कंबल (दो रंग स्याह-सफेद) के टुकड़े में दूसरे साथी ग्रह की चीज़ें बांध कर

मीह-बरसात, बारिश

अमूमन-आमतौर से नरीना-लड़का हृदबंदी-सीमा, निर्धारण धरम अस्थान-धर्म स्थान

मंदी हालत
बाहर किसी बीराने में
5-औलाद की मंदी ह
कान छेदन मदद देगा।
ज़रूरी है) केतु की स
फोड़े ज़ख्ल वगैरह)
6-केतु खुद मंदा गिन
फल नम्बर 2 का दि
7-न सिर्फ़ केतु मंदा
भी मायूस करने वाल
8-औलाद व दौलत
ही का फल मंदा ह
9-केतु की सब च
छत मकान से गिर
मकान और उसका
10-ऐसे टेवे वाले
मौत हुई हो।

वह उप

मुख अलिलका-संबं

मंदी हालत

बाहर किसी बीराने में दबाना मददगार होगा।

5-जौलाद की मंदी हालत (बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा कान छेदन मदद देगा। 96 घंटा सुराख़ कायम रखना (जूरी है) केतु की मुतालिका बीमारियां (जुलाव-दर्द जोड़ फोड़ ज़ख्म बगैरह) सेहत की ख़राबी का बहाना होगा

6-केतु खुद मंदा गिना जाएगा। किस्मत की दोरगी होगी-और केतु अपना फल नम्बर 2 का दिया हुआ देगा।

7-न सिर्फ़ केतु मंदा बल्कि मंगल भी भला न होगा। बुध-शुक्रकर भी मायूस करने वाले और औलाद नरीना देर से क़ायम होगी।

8-औलाद व दौलत दोनों ही मंदे बल्कि मंगल और केतु दोनों ही का फल मंदा होगा।

9-केतु की सब चीज़ें मंदी और चारपाई तक गंदी (ज़हमत) छत मकान से गिर जावे-गृहस्ती-घरबार-रिहाइश मकान और उसका तो ख़ाना ही बरबाद होगा।

10-ऐसे टेवे वाले के जन्म से अमूमन 12 महीने पहले भाई की मौत हुई हो।

} ख़ाना नम्बर 2 ख़ाली राहु नम्बर 2 के बक्त नम्बर 2 ख़ाली लेंगे।

} कोई भी ग्रह साथी नम्बर 8 हो

} बृहस्पत मंदा हो

} गुरु मंगल कोई नम्बर 6 12 मंगल या मंगलीक या मंगल बद नम्बर 4

} सनीचर या मंगल कोई नम्बर 7

} मंगल नम्बर-12 और सनीचर नम्बर-1



बह उपाओ जो केतु नम्बर 4 में (सोना-केसर का इस्तेमाल) दिया है-मददगार होगा।

मुतालिका-संबंधित

ज़हमत-मुसीबत

सनीचर-शनि ग्रह

उपाओ-उपाय

केतु खाना नम्बर-९

इंसान की ज़ुबान समझने
वाला कुत्ता-बाप
का फरमांबरदार बेटा।

पिता माता एहसान-हम पर जो करते
उम्र गुजरे सारी-ऐवज़ उनका भरते

केतु क़ायम खुद पिता को तारे
औलाद नरीना तीन ही गिनते
चंद्र भले घर माता तारे
शत्रु ग्रह घर तीसरे बैठे
साल गुजरते ग्रह ७ वें के
सुख्न बेटा लावल्दां देते
ईंट सोने की घर जब रखता
सोना बढ़े घर हरदम उतना

तारता नहीं वह मामूं को
सुखिया होवे और उम्दा जो
गुरु भले पिता तारता हो
औलाद नरीना मारता हो
उम्दा असर केतु देता हो
हुक्म बिधाता होता हो
केतु जिस्म कुल उम्दा हो
जितना वज़न ज़र बढ़ता हो

- केतु के जु़ज़वी हिस्से-कान-रीढ़ की हड्डी-पांवों-यांगें-पेशाबगाह वर्गीकृत है।
- जिस क़दर सोना पहले घर में क़ायम होगा उतना ही और फ़ालतू आएगा। फिर फ़ालतू तो पहले में मिला दो तो फिर मजमुआ के बराबर और फ़ालतू हो जाएगा।

मजमुआ-आपस में मिला हुआ
लावल्दां-जिसकी कोई सन्तान न हो

मामूं-मामा (माता का भाई)
सुख्न-कथन, बात, वार्तालाप

नरीना-लड़का
ज़र-संपत्ति, दैत्य

औलाद केतु
हाल हो न ह
शुक्कर शनि
भाग भला न
गुजरान लिख
मालिक सिप्प

बृहस्पति

1-तरक़क़ी की शर्त है

2-कुचे की ब़फादारी
उसकी औलाद में ज़रूर
की हालत पर होगा।

3-दस्ती मेहनत के क
(दुनिया के तीन कुते-

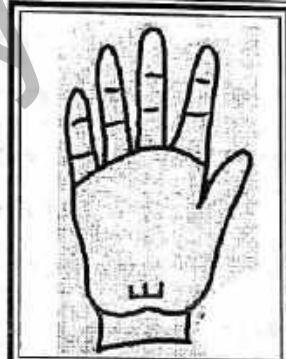
शुक्कर-शुक्र ग्रह

औलाद केतु में लड़का अपना हाल हो न हो साल जो अगला शुक्रकर शनि फल हर दो उम्दा भाग भला न बेशक माता गुजरान लिखी परदेस हो उम्दा मालिक सिफत दो शेरी कुत्ता

नेक सलाही होता हो पहले बता ही देता हो गुरु भला ग्रह मन्दिर जो साथ 9 वें ख्वाह चंद्र हो केतु पालन से बढ़ता हो अमीर बना खुद साख्ता हो

हस्त रेखा

बृहस्पत के बुजं नम्बर 9 पर केतु का निशान ढो।



नेक हालत

- 1-तरक्की की शर्त है तब्दीली की शर्त नहीं। दस्ती मेहनत से दौलतमंद होगा।
- 2-कुत्ते की वफादारी और सुअर की बहादुरी हर दो सिफत का मालिक होगा। यह सिफतें उसको औलाद में ज़रूर होंगी। केतु की जाती अच्छी या बुरी हालत का फ़ैसला बृहस्पत की हालत पर होगा।
- 3-दस्ती मेहनत के कारोबार (हुनरमंदी वर्गैरह) से अमीर होगा। केतु पालन (दुनिया के तीन कुत्ते-दुनियावी-कुत्ता-दरवेश-दोहता भानजा वर्गैरह की पालना) से बढ़ता होगा।

शुक्र-शुक्र ग्रह

ख्वाह-चाहे
गुजरान-निवाह, गुजर बसर

सिफत-गुण

साख्ता-अपने आप बना हुआ
दस्ती मेहनत-हाथ का काम करने वाला

4-शुक्रकर सनीचर और बृहस्पत का उम्दा फल और नम्बर 2 का हर एक ग्रह (मय चंद्र) उम्दा फल देगा।

5-खाना नम्बर 7 के ग्रह की उम्प (सूरज 22 साल बृहस्पत 16 साल बगैरह) के साल गुजरने पर केतु का असर उम्दा हालत पर होगा। नामदाँ को मर्द बनाने और लावल्दाँ को औलाद देने के ताल्लुक में ऐसे आदमी की आशीर्वाद विधाता के हृकम के बराबर होगी। घर में सोने की ईंट-जिस्म या कानों में सोना जब तक क्रायम रखे तो औलाद-दौलत और केतु की दीगर मुतअल्लिका अश्या (कान-रीढ़ की हड्डी-पांव-पेशाबगाह-दर्द जोड़-टांगें-घुटने बगैरह) पर केतु का असर हमेशा उम्दा होगा।

6-घर में रखे हुए सोने के बराबर सोना बढ़ता जाएगा। फ़र्ज़न एक तोला सोना घर में फ़ालतू रखना तो एक तोला और फ़ालतू जमा हो जाएगा। इस फ़ालतू को पहले से जमा किया तो 2 तोला का नया बना गिना जाएगा। अपनी औलाद से अपना लड़का सब से ज़्यादा सलाह देने वाला होगा जो बाक़िआ आइंदा साल में आने वाला हो वह बाक़िआ ऐसा लड़का पहले साल ही बता जाएगा। परदेस में गुजरान ज़्यादा होगी। आदमी की बोली (जुबान) समझने वाला कुत्ता-बाप का फ़रमांवरदार बेटा और बाल्दैन का एहसान सारी उम्प न भूलेगा।

7-पिता को जन्म से ही तारता और 12-24-48 साला उम्प तक आसूदा हाल कर देगा।

8-औलाद नरीना कम अन् कम 3 होगी जो सुखिया और औलाद आसूदा हाल होगी।

9-माता खानदान को तारेगा। } चंद्र भले घर या उम्दा हो

10-दीवान साहब आली बज़ीर होगा। पिता खानदान को तारेगा } बृहस्पत या राहु उत्तम या खाना नम्बर 2 उम्दा हो।

मंदी हालत

1- मंदी हालत में अमूमन मामूं की जड़ काट देगा और उनका खाना ही बरबाद कर देगा बेशक केतु क्रायम ही हो और चंद्र भाग भी मंदा होगा ख़ावाह चंद्र क्रायम

लावल्दों-जिसकी कोई संतान न हो

आली बज़ीर-उत्तम मंत्री

आसूदा-खुशहाल, धनवान

बाल्दैन-माता-पिता

फ़रमांवरदार-आज्ञाकारी

फ़र्ज़न-कर्तव्य निर्धारण

ख़ावाह-चाहे

या नम्बर 9 में

2-ओलाद नम्बर

3-चौर-डाकू 1

के

शक्की

मंगल

शनि

बुरे घर

ताकृता

उम्प पा

शनि 3

लड़का

उपात्मो

माया 5

7-दौलत

बदल-बुरा क

नरीना

या नम्बर 9 में साथ ही क्यों न हो

2-औलाद नरीना मरती जावे।

}

दुश्मन ग्रह (चंद्र-मंगल) नम्बर 3

3-चोर-डाकू फिर भी मंदा ही हाल होगा।

}

सनीचर मंदा

केतु खाना नम्बर-10

चुपचाप अपने रास्ते
पर चलने वाला मौका बाज़
(मंदी हालत) मौका
शनास (नेक हालत)

उजाड़े बिरादर-मुआफी हो देता

भरे पेट दौलत-न कंगाल होता

शक्की केतु दरबार शनि के
मंगल राजा ख़वाह साथी बैठे
शनि टेवे घर अच्छे होते
बुरे घरों जब शनि जा बैठे
ताक़त शनि ग्रह धोका होता
उम्र पापी 48 करता
शनि अकेला 6 घर बैठे
लड़का पैदा 3 होकर मरता
उपाओ वही अब उत्तम होगा
माया दौलत न केतु मंदा

जां केतु खुद मंदा हो
भला दोनों न होता हो
मिट्टी सोना दे जाती हो
सोना मिट्टी खा लेती हो
इंसाफ शनि पर होता हो
चलन संभलते उम्दा हो
नामी खिलाड़ी होता हो
शनि पाया घर चौथा जो
गिना केतु घर 8 का जो
नीच सिर्फ औलाद का हो

१-दौलतमंद मगर बदफल। पराई औरत (गो खुबसूरत मिट्टी) कफ़न का सबूत देगी।

बदफल-बुरा काम

शनास-नेक हालत

मुआफी-माफी

बाज़-कोई कोई

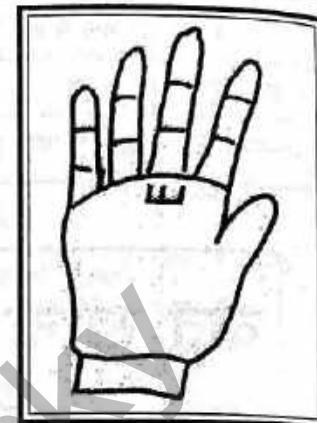
नरीना-नर, लड़का

सिर्फ़-केवल, निया

मौका-अवसर, स्थान

हस्त रेखा

सनीचर के बुर्ज नम्बर 10 मद्दमा की जड़ पर केतु का निशान हो।



नेक हालत

1-जिस क्रदर भाई उजाड़ें और वह मुआफी देता जावे वह और भी बढ़ता जाएगा और कभी कंगाल न होगा।

2-शबकी हालत-फैसला सनीचर पर मगर माल व दौलत पर कभी मंदा न होगा। अगर हो तो सिर्फ औलाद पर बुरा असर हो सकता है।

3-चुपचाप अपने रास्ते पर चलने वाला कुत्ता।

4-दौलतमंद अगर बदफेल तो पराई औरत (गो खूबसूरत मिट्टी) मंदे कफ़न सबूत देगी।

5-मिट्टी से भी सोना हासिल होगा। 24 साल लड़के ही लड़के पैदा हों। औलाद नरीना ज्यादा से मुराद है बृहस्पत का फल उत्तम होगा। } सनीचर उम्दा या उम्दा घरों में।

6-नामी खिलाड़ी होगा (चौसर-चोपट या खेल खावह कोई हो जिस में चाल चलन की नेक व बद खेलें भी शामिल हैं)

मुआफी-माफी

क़क्कन-मुर्दे को दिया जाने वाला कपड़ा

बदफेल-व्याभिचारी

नरीना-लड़का (नर)

सनीचर-शनि ग्रह

गो-यद्यपि, कहने वाला

1-मंदी हालत में देगा-जब सनीचर

2-औलाद की बर

45 केतु 48 से पा
और बाहर वीराने

45 से 48 साला
ज़रूरी चीज़ होगी।

से मदद होगी लेवि

3-दोनों ही का मं

3 काने सोने को

महल मकानों की

4-3 नर औलाद न

अन्याश-मोग विलास
ऐशा-अच्छे खाने ।

मंदी हालत

मंदी हालत

1-मंदी हालत में केतु की मुतअलिलका जानदार अश्या पर 24-48 साला उप्र तक मंदा असर

देगा-जब सनीचर मंदा हो।

2-औलाद की बरबादी के बक्त बल्कि बाप की उप्र (राहु-केतु) राहु 42 दोनों इकट्ठे

45 केतु 48 से पहले चांदी का बस्तन (कूजा) शहद से भर कर रख लेवें

और बाहर बोराने में दबा देवें। 48 के बाद कुत्ता रखना मददगार बल्कि ज़रूरी होगा।

45 से 48 साला उप्र $\frac{1}{3}$ चाल चलन का संभालना जो औलाद जिन्दगी की बुनियाद होगी एक

ज़रूरी चीज़ होगी। केतु नम्बर 8 में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा। अकेला केतु मंदा हो तो मंगल

से मद्द होगी लेकिन जब मंगल भी साथ ही (नम्बर 10) में हो तो

3-दोनों ही का मंदा फल होगा। अव्याश ज़िना ही होगा। गृहस्ती करेबार में हर जगह

3 काने। सोने को मिट्टी ही खा जावे (हर तरफ़ बरबादी) अब चंद्र का उपाओ या

महल मकानों की तह (बुनियाद) में दूध शहद दबा दें। } सनीचर मंदा या मंदे घरों में

4-3 नर औलाद नष्ट होगी मगर दौलत के लिए मंदा न होगा। } सनीचर नम्बर 4



अव्याश-भोग विलासी

ऐशा-अच्छे खाने पहनने और आराम से रहने का शौकीन

ज़िना-व्यभिचार, परायी स्त्री या पराए पुरुष से सहवास

मुतअलिलका-संबंधित

तरफ़-दिशा ओर

अश्या-वस्तुएं, चीजें

केतु खाना नम्बर-11

गीदड़ सुभाओ
कुत्ता

फ़िक्र छोड़ गुज़री की जो चल गई है

नज़र रख तू आगे की जो आ रही है।

ताक़त केतु हो गुना 11

साथी शनि बुध तीजे बैठा

भला शनि या 3 घर आया

औरत टेवे ख़्वाह कैसा बैठा

केतु गुरु 5-11 होते

जिस्म उम्र उस मुर्दा गिनते

वक्त केतु ता माता मरती

शनि मंदे न होगी उतनी

उम्दा दौलत ज़र देता हो

असर केतु का मंदा हो

केतु बुरा न होता हो

शर्त शनि न करता हो

जनम लेता जो लड़का हो

लाश अमूमन पैदा हो

दौलत मगर खुद बढ़ती हो

औलाद मकान जड़ कटती हो

—गो खुद बहुत दलिद्दरी और खुद केतु औलाद व सनीचर का फल मंदा ही होगा लेकिन

अगर नम्बर 5 का राहु किसी दूसरी शतों से मददगार हो तो औलाद 11 गुना उम्दा

नेक होगी।

5-11-23-36-48 साला उम्र में चंद्र का फल मंदा या सिफ़र ही होगा और

पीछे की आवाज़ मंदे असर की निशानी हुआ करेगी।

ख़्वाह-अथवा या चाहे

दलिद्दरी-कंगाली, गरीबी

ज़र-संपत्ति

मददगार-सहायक

अमूमन-आमतौर

गुना-गुणव

हथेली के ख़ु
का निशान है

1-जो गुलर गई वह
तो इक्की न होगी जिसके
तक नम्बर 3 में बुध

2-गुरु का आसन-

3-11 गुना उम्दा दौलत

4-11 गुना नेक (मंदा)

में आने पर उम्दा 3

5-राजदरबार के लिए

1-अपने लड़के के
न होगी। केतु की

गुजरान-चंद्र की ज

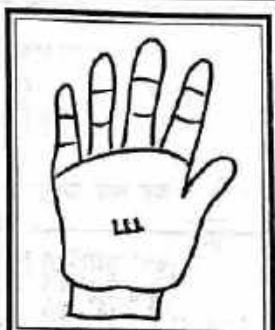
मगर औलाद खुद

ज़र-संपत्ति
बाही-पारस्परिक,

नेक हालत

हस्त रेखा

हथेली के खाना नम्बर 11 (आमदन) पर केतु
का निशान हो।



नेक हालत

1-जो गुजर गई वह अच्छी होती होगी। हमेशा आगे का ख़्याल रखना होगा। जद्दी जायदाद
तो इतनी न होगी जितनी खुद पैदा करे। केतु राजदरबार के लिए राजयोग-ज्व
तक नम्बर 3 में बुध न हो। हरदम एक अकेला दो ग्यारह की तरह बढ़ता होगा।

2-गुरु का आसन-गीदड़ सुभाओ कुत्ता खुद केतु की ताक़त (काम देवी)

3-11 गुना उम्दा दौलत ज़र होगा। } सनीचर नम्बर 3

4-11 गुना नेक (माली) 11-23-36-48 साला उम्र में नम्बर 1 } नर ग्रह
में आने पर उम्दा असर देगा। } ज्वर स्वी ग्रह में

5-राजदरबार के लिए राजयोग होगा। } खाना नम्बर 3 में बुध न हो

मंदी हालत

1-अपने लड़के के जन्म पर (औरत के टेवे में लड़का और दोहता) अमूमन माता
न होगी। केतु की उम्र तक चंद्र का फल अपनी माता की नज़र बल्कि उम्र और माता व औलाद का बाहरी
गुजरान-चंद्र की जानदार और बहने वाली अश्या सब ही भदे असर के लंगे
मगर औलाद खुद नेक होगी।

ज्वर-संपत्ति
बाहरी-पारस्परिक, आपस का

ख़्याल-विचार, कल्पना ताक़त-शक्ति
गुजरान-गुजर बसर अमूमन-आमतौर अश्या-चीजे, वस्तुएं

हो हो हो हो हो हो हो

आमतौर
गुणव

2-खुद वह दलिद्दरी परेशानी का घर मगर अपनी औलाद ज़रूर नेक होगी। जब नम्बर 5 का राहु किसी दूसरी शतों की वजह से मददगर हो मगर औरत के टेबे में यह सब उलट या हर हाल में केतु का असर नेक और मुबारक होगा

3-नेक काम को चलते वक्त किसी दूसरे प्रानी की तरफ से पीछे से दी हुई आवाज़ मदे असर की निशानी हुआ करेगी।

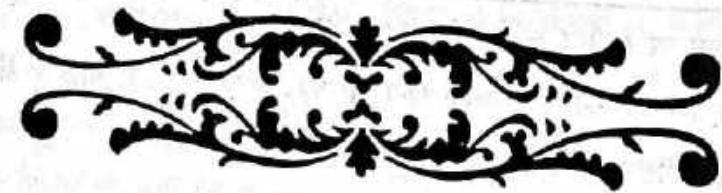
4-चंद्र का फल खासकर 11-23-36-48 साला उम्र में
मंदा या सिफर होगा

5-मकान औलाद दोनों की ही उन्नति न होगी मगर औरत के टेबे में सनीचर बुरा होने पर केतु कभी मंदा होगा।

6-औलाद नरीना मुर्दा लाश पैदा होगी। सनीचर की अश्या-सफेद मूली खासकर रात को औरत के सिरहाने रख कर सुबह धरम अस्थान में देना मुबारक मददगर होगा। औरत की ज़िंदगी बचेगी और फिर दूसरे ही साल वह दोबारा औलाद (नरीना) देगी। बहरहाल पहली औलाद शायद ही ज़िंदा पैदा होगी।

बुध नम्बर 3

सनीचर मंदा



दलिद्दरी-गरीबी, कंगाली

बहरहाल-वास्ते, हालत

नरीना-लड़का

धरम अस्थान-धर्म स्थान

प्रानी-मनुष्य

सिफर-शून्य

केतु खाना नम्बर-12

ऐश व आराम
जद्दी विरसा

भरे ज़र कबीला ख़्वाह बच्चों से तेरा

ऐवज घर गुरु का तू किस जन्म देगा

आप बढ़ता साथी बढ़ते
मर्द माया होंगे फलते
ऊंच केतु जड़ ख़ाली बैठा
शनि शुक्कर और गुरु तीनों का
मदद भाई न मंगल गिनते
शर्त तरक्की केतु लेते
शत्रु मित्र ख़्वाह साथी बैठा
टेवे राहु का दुश्मन साथी
औलाद नरीना होंगी शक्की
केतु 12 न असर जो देवे
औलाद असर धन दौलत अपने

बढ़ता कुल परिवार हो
फलता सब गुलज़ार हो
सुख गृहस्ती बढ़ता हो
असर मुवारक देता हो
लड़का ज़ाती खुद तारता हो
मकान सफर फल उम्दा हो
औलाद केतु न मंदा हो
जहर केतु को देता हो
मंदा केतु खुद होता हो
निशानी दूजे जा देता हो
ससुराल घरों आ भरता हो

¹ -राहु के दुश्मन=शुक्कर-सूरज-मंगल
केतु के दुश्मन=चंद्र मंगल

यानी जब राहु नम्बर 6 के साथ उन के
दुश्मन (सूरज-चंद्र-शुक्कर या मंगल हों केतु का असर
मंदा होगा

² -जब तक चाल चलन उम्दा रखे मगर अव्याश तबियत उम्दा पुल होगा।

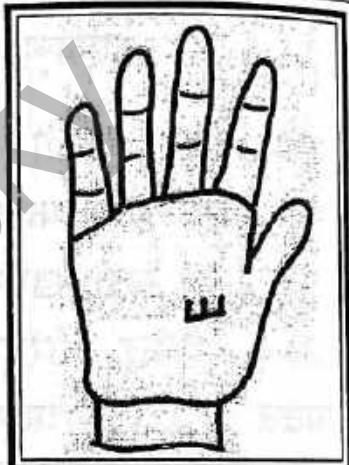
नेक हालत

असर दो तरफी पाप जो मंदा
औलाद उपाओ राहु होगा
मंगल राहु में हसद हो भरता
शत्रु बैठा खुद रक्षा करता

बाहर टेवे से होता हो
दूध अंगूठा चूसता हो
लड़के तरफों चार
फले फूले गुलजार

हस्त रेखा

हथेली के खाना नम्बर 12 में केतु का निशान



नेक हालत

- 1-तरक्की की शर्त है तब्दीली की शर्त नहीं।
- 2-केतु जब नम्बर 12 का फल ज़ाहिर न करे नम्बर 2 ससुराल में या नम्बर 2 का फल देगा।
- 1-जब औलाद (नरीना) तो क्रायम मगर चंद्र (माया-दौलत-शान्ति) का फल मंदा हो रहा हो।
- 2-औरत के टेवे में खुद केतु की मोहब्बत या ताल्लुक पैदा करना मददगार होगा।
- 3-जब नम्बर 6 में ^{राहु} केतु के दुश्मन तो केतु बरबाद लेकिन जब नम्बर 2 में दुश्मन तो केतु का उम्दा असर सिर्फ $\frac{1}{3}$ यानी 2 लड़के होंगे।

हसद-ईर्ष्या, जलन

ज़ाहिर-प्रकट करना, बतलाना

गुलजार-उद्यान, बाग

ताल्लुक-संबंध

तब्दीली-फेरबदल

नेक हाल
निशानी
आदमी
जमा ख
3-सनी
बौरह)
मकान
4-मरने
सेहत व
वशते 1
5-मणि
करेंगे 1
से बरब
6-दौल
होगा।
तरफ र
ही गुल
क्रायम
1-टेवे
2-औल
मुतअलि
विश्वसत

निशानी नम्बर 2 मुतअलिलका अश्या से होगा और बृहस्पत के ग्रह की तबियत होगी।

आदमी के हां औलाद के जन्म दिन या उसके 24 साला उम्र से इज्जत व दौलत

जमा खूब ऐश व आराम व माया दौलत की बरकत होगी।

3-सनीचर-शुक्र-बृहस्पत तीनों का उम्दा फल मगर मंगल (बड़ा भाई-ताया-मामू

बैरह) की मदद न होगी। सिर्फ अपना जाती लड़का ही तारेगा। तरक़की की शर्त होगी

मकान व सफर का फल उम्दा होगा।

4-भरने लगे तो एक झोल में ही क़बीला भर दे। नर औलाद 6 ता 12 जो

सेहत व दौलत में उम्दा हो (ख़ाह नम्बर 12 में कोई दुश्मन ग्रह ही साथी हो)

बशर्ते कि केतु की सेवा या केतु क़ायम रखे।

5-मंगल और राहु हसद करेंगे या उन की मुतअलिलका अश्या या रिश्तादार मदद न

करेंगे मगर केतु अपने लड़के-केतु की मुतअलिलका अश्या व रिश्तादार हर तरफ

से बरकत लाएंगे और हर तरफ बरकत होगी।

6-दौलतमंद परिवार का मालिक-जद्दी विरसा कुदरती हक़

होगा। केतु का फल ऊंच होगा-गृहस्ती सुख में सब

तरफ बरकत-खुद अपना आप आल औलाद रिश्तादार सब

ही गुलज़ार में शानो शौक़त जब तक (ऐशपसन्दी)

क़ायम रखे।

जब नम्बर 6 ख़ाली यानी

राहु नम्बर 6 अकेला।

मंदी हालत

1-टेबे वाले पर कभी मंदा असर न होगा।

2-औलाद नरीना शक़की-केतु बरबाद।

मुतअलिलका-संबंधित

विरासत-उत्तराधिकार

मामू-मामा (मां का भाई)

नरीना-लड़का

ख़ाह-चाहे

गुलज़ार-वह स्थान जहां खूब रौनक हो

3-जब तक केतु का ताल्लुक नेक और उम्दा हो औलाद बरबाद या नदारद जब नम्बर 6 में राहु के साथ हो।

अलिफ़-मंगल तो औलाद 28 साला उम्र तक नदारद बे-चंद्र तो औलाद 32 साला उम्र तक नदारद

जीम-सूरज तो औलाद 42 साला उम्र तक नदारद

दाल-शुक्र कर तो औलाद 25 साला उम्र तक नदारद

मगर जब अंयाश तबियत हो तो औलाद की बरकत होगी और केतु मंदा न होगा। ऐसा आदमी मंगल बद के इंसान से मिलता जुलता होगा।

केतु (औलाद) की जड़ कटती होगी। केतु बेशक नम्बर 12 में ऊंच फल का मुकर्रर है मगर जब राहु नम्बर 6 के साथ बुध भी हो तो केतु पर कोई बुरा असर न होगा हालांकि बुध और केतु दोनों बाहम दुश्मन हैं। खाना नम्बर 6 में राहु के साथ राहु ही के दुश्मन (सुरज मंगल-शुक्रकर) के साथ राहु के दोस्त या उस के (राहु के) बराबर के ग्रह हों तो केतु नम्बर 12 पर कोई बुरा असर न होगा बेशक वह ग्रह (राहु के दोस्त या राहु के बराबर के) केतु के दुश्मन ही क्यों न हों।

4-केतु नम्बर 12 में होता हुआ भी बेमानी होगा-अगर किसी दूसरे ग्रहों की भद्र से केतु का नेक असर भी हो तो भी औलाद नरीना सिफ़ दो लड़के क़ायम। किसी लावल्द से मकान के लिए तह ज़मीन या लावल्द का मकान ही बना बनाया ख़रीद ले तो ऐसा टेवे वाला भी लावल्दी से दूर न होगा

नम्बर 6 में राहु के चंद्र साथ उसके दुश्मन शुक्रकर
मंगल सूरज हो या नम्बर 2 में दुश्मन (चंद्र या मंगल शुक्रकर) चंद्र नम्बर 2

नदारद-खत्म, न होना

मुकर्रर-निश्चित, निर्धारित

अलिफ़-दूर्द वर्णमाला का पहला अक्षर

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

अंयाश-व्यामिचारी

मंदी हालत

5-दोनों ग्रहों में से सिर्फ़ एक का उत्तम फल-चंद्र
} चंद्र नम्बर 2
नम्बर 2 में मुफसिल देखें।

6-अगर केतु मरवाए या कुत्ते नष्ट करे तो केतु नम्बर 12 होता हुआ भी मंदा फल

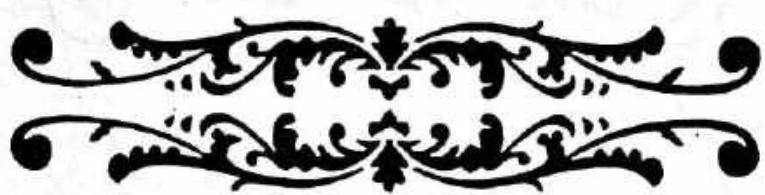
देगा। औलाद की मंदी हालत पर राहु का उपाओ मददगार होगा और जब

औलाद कायम हो मगर माली तकलीफ़ हो तो दूध में डालकर अंगूठा चूसना मुबारक

होगा। औरत के टेवे में खुद केतु की मोहब्बत या ताल्लुक पैदा करना मददगार

होगा। औलाद के विधन को दरवेश कुत्ता बर्दाशत करेगा यानी कुत्ते पर

कुत्ता मरेगा और ग्यारह¹¹ की गिनती तक कुत्ते मरेंगे मगर औलाद ज़िन्दा रहेगी। 40-43 दिन के अंदर अंदर दूसरा कुत्ता कायम करते जावें।



फलादेश

ग्रह मुश्तरका

(कोई दो ग्रह)

बृहस्पत-सूरज

(शाही धन)

तरङ्ग मिले से साल ३८
 बृहस्पत सूरज
 विष्णु-ब्रह्मा पालन सृष्टि
 बाप बेटे का दोनों दुनिया
 जुदा जुदा ख़बाह लाखों मंदा
 दोनों देखें जब चंद्र माता
 नज़र दृष्टि शनि जो करता
 साथ साथी माता अंधी
 बुध मगर जब हो कभी साथी

आला दौलत धन शाही हो
 भाग उदय त्रैलोकी हो
 लेख नसीबा मिलता हो
 मिलते सुखी दो होता हो
 खुशक कुएं ज़र भरता हो
 सोया जला फल दो का हो
 पिस्तान भरे दूध होती हो
 रवि गुरु दो क़ैदी हो

बृहस्पत के साथ सूरज होने के
 वक्त किस्मत का ताल्लुक गैरों के साथ से
 नेक मगर रुहानी होगा। दुनियावी कामों में
 क़ामयावी ज़रूर होगी मगर खुद कोशिश से मुश्तरका
 मिलावट में अगर सूरज का असर ३ हो तो बृहस्पत
 का असर सिर्फ़ दो ही होगा। जिसमें पहले बृहस्पत फिर
 सूरज का असर शुरू होगा। दोनों मुश्तरका से चंद्र ही बन जाता है मगर किस्मत का असर शेर की रफ़ता
 शेर की ताक़त और मानिंद दमकता सोना होगा। बृहस्पत अकेला होने के वक्त अगर उससे मुगद बाबा

—टेवे वाले की ३८ साला उम्र में

आला-ऊंचा

ख़बाह-चाहे

पिस्तान-उरोज, वक्ष, स्तन

गैरों-पराये

रुहानी-आध्यात्मिक

मुश्तरका-मिले जुले

रवि-सूर्य ग्रह



बृहस्पत का सूरज या
 सूरज के घर का
 ताल्लुक या किस्मत
 से शाख़ सूरज के
 बुर्ज को

(बाप का बाप
 का बाप और सूरज
 बेटे की किस्मत
 जुदा जुदा दोनों उ
 असर भला होगा
 का मिला हुआ

४	किस्मतने
५	किस

गोया फ
 या ऐसे टेवे वा
 उम्र तक खुशबू
 की तरफ़ से ल
 (बुलंदी) के

४	विव
५	मुश्तरका

ऐसा
 का भंडारी उ
 और विष्णु र
 की हिम्मत
 मुराद-इच्छा

(बाप का बाप या जगत गुरु हो तो सूरज के साथ बैठा होने पर बृहस्पत से मुराद टेवे वाले का बाप और सूरज से उसका लड़का गिना जाएगा या टेवे वाले की किस्मत में उसके बाप और बेटे की किस्मत का असर शामिल होगा। उसकी किस्मत उसके बाप और अपने बेटे को मदद देगी। जुदा जुदा दोनों ग्रह बेशक ही मंदे असर के हों मगर मुश्तरका होने के बक़ूत दोनों ही का असर भला होगा और मन्दरजाजैल सालों तक बाप बेटे दोनों ही के लिए उत्तम और हर दो ग्रह का मिला हुआ असर उम्दा होगा।

मुश्तरका	A	कितने साल तक मिलते	1	38	2	39	3	40	4	41	5	42	6	43	7	44	8	45	9	46	10	47	11	48	12	49
मुश्तरका	A	किस घर बैठे																								

गोया कि बाप बेटा (जिस के टेवे में सूरज बृहस्पत मुश्तरका हो वह बेटा और उसका बाप या ऐसे टेवे वाला जब बाप बन चुका हो तो उसका बेटा) हर दो मुश्तरका हालत में हमेशा ही 70 साला उम्र तक खुशहाल होंगे। अगर एक की उम्र के हिसाब से किस्मत का दर्जा कम हो तो दूसरे की तरफ से उम्र की बरकत और नसीब की मदद का ज़ोर मिलकर हर दो बाप बेटा 70 साल तक उरुज (बुलंदी) के मालिक होंगे।

मुश्तरका	A	किस्मत	1	70	7	63	14	56	21	49	28	42	35	35	42	28	49	21	56	14	63	7	70	1	120
मुश्तरका	A	उम्र																							

नेक हालत

ऐसा शख्स दिमागी खाना नम्बर 20 इन्जिनियरिंग का मालिक अन्दर बाहर से नेक ज्ञान दाता अक्ल का भंडारी और किस्मत के मैदान में मानिंद राजयोगी होगा जिस में न सिर्फ ब्रह्मा जी (बृहस्पत) और विष्णु जी (सूरज) की मुश्तरका ताक़त की बदौलत विधाता की लिखत को भी उलट कर देने की हिम्मत होगी बल्कि वह इंसाफ लम्बी उम्र और जागती हुई किस्मत मस्नूई चंद्र का उत्तम असर या

मुराद-इच्छा

मुश्तरका-मिले जुले

मन्दरजाजैल-निम्नलिखित

उरुज-बुलंदी

नेक-वाल्दैनी खून (नुत्फा-बीरज) का मालिक होगा।

बाल बच्चों की बरकत और हर तरह से वृद्धि होगी। राजा के दरबार और धरम मंदिर हर जगह इज्जत और मान बढ़ता ही होगा।

शुक्रकर बाद के घरों में हो।

सेहत जिसमानी उम्दा-दुनियाबी इज्जत की तरक्की मुस्तकबिल (आइंदा आने वाला ज़माना) हर तरह से दिन ब दिन रोशन (उत्तम) और हर दो ग्रहों की अश्या कारोबार मुतअल्लिका या रिश्तादार मुतअल्लिका और हर दो ग्रह सब खुशहाली व दौलत देंगे।

घर बैठक के लिहाज़ से जब सूरज का असर उत्तम हो रहा हो।

चंद्र खुद अपना नेक असर पैदा कर देगा। खुशक कुएं खुद ब खुद पानी से दोबारा भर जावें। बच्चे की आवाज़ सुन कर ही माता के पिस्तान दूध से भर जावें ख़बाह वह अंधी (चंद्र दुश्मन ग्रहों से मारा हुआ) ही हो। राजदरबार से नेक ताल्लुक तरक्की और बेहतरी होगी मगर क़िस्मत का अखिल्यार किसी दूसरे के साथ से नेक होगा।

दोनों देखते हों चंद्र को।

राजदरबार के ताल्लुक ज़रूरी सफरों के नेक नतीजे होंगे। माली मफ़ाद (फ़ायदा) और बरकत ही होती होगी।

दोनों बाहम देख रहे हों और चंद्र क़ायम हो।

मानिंद राजा दूसरों से ख़िराज लेवे-मौत अचानक होवे सुनहरी तख्त पर आला हाकिम उम्र लम्बी और गृहस्ती सुख उम्दा व दुनिया का पूरा आराम होगा। खुद ख़बाह मिट्टी का माधो और लिखा पढ़ा न ही हो दस्ती हुनर में कामयाबी होगी।

दोनों ख़ाना नम्बर 1 में



महल मकान आला और शानदार ज़िन्दगी होगी मानिंद शेर बहादुर बेथड़क मगर बेरहम होगा।

दोनों नम्बर 2 में

मुतअल्लिका-संबंधित

अखिल्यार-अधिकार

पिस्तान-उरोज, वक्ष

दस्तीहुनर-अपने हाथ से काम करने वाला

मफ़ाद-फ़ायदा

माया दौलत की हरदम तरक्की जब तक लालच का पुतला न हो	दोनों नम्बर 3 में
दूध पहाड़ से बहता यानी पत्थरों से (सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा सनीचर) भी सोना बनता जावे। शाहाना और आला ज़िंदगी का मालिक होगा।	दोनों खाना नम्बर 4 में हाक़िमाना आला
पूरा इक़बालमंद और औलाद नरीना के जनम दिन से और भी इक़बालमंद होगा।	दोनों नम्बर 5 और चंद्र उसी वक्त नम्बर 4 में

आौलाद दौलतमंद होगी। खुद अपने लिए परस्परारथ से माया दौलत मिलेगी दुश्मनों का हमेशा नाश होता रहेगा। आौलाद का मामूली सांस दुनिया में उसे हवाई जहाज के पंखों की तरह उम्मा मदद देगा। अब बेशक पायी भी उस घर में आ बैठें (यानी राहु केतु या सनीचर भी बेशक साथ ही नम्बर 5 में आ जावें) फिर भी सूरज और बृहस्पत का अपना अपना फल कभी भी मंदा न होगा। } दोनों नम्बर 5 में

दोनों ग्रहों का जगह व् जगह दिया हुआ अच्छा या बुरा अपना अपना फल मगर दोनों का मुश्तरका असर बुद्धापे की तरफ़ या बुद्धापे पर अमूल्य होगा। जागती हुई किस्मत और मौतों से बचाओ ही होता होगा।	खाना नम्बर 6-7-10 और नम्बर 11 खाना नम्बर 8
---	--

दोनों ग्रहों का असर कुल उन्नति-खानदान की वृद्धि बरकत और हर तरह की तरक्की ही (तादाद व मेघरान और माया दौलत) होती होगी। } खाना नम्बर 9-12

मंदी हालत

सूरज बृहस्पति दोनों ही पर मिट्टी पड़ती (मंदगी) होगी। न राजदरबार
में सुखंस्तुई और न ही मनुष्यद्वारा पंचायत में इज़्जत बुलन्द होगी। हर तरफ फर्जी
आंधी की तरह मिट्टी से कपड़े खराब होते नजर आएंगे } शुक्रकर पहले घरों
में हो

दोनों ही का फल सोया और जला हुआ होगा बल्कि अब केतु 7 साला } दोनों को सनीचर देखता

सुर्खेस्ट-सम्पादन, इन्ज्यून, सफलता, कामयाची शाहाना-राजसी, शाही, ठाठ-बाठ आला-सर्वश्रेष्ठ, उत्तम
डाकिमाना-अफसरों जैसा, पदाधिकारियों जैसा इकबालमंद-प्रतापी, तेजस्वी

महांदशा (मंदी हालत) में होगा। जिस से केतु की अश्या-कारोबार या रिश्ता दार मुत्अल्लिकंगा केतु (मामूं-औलाद) सब ही का असर मंदा और धन हानि के मंदे नतीजे खड़े होंगे। राजदरबारी कारोबार में फैसला हक्क में होने की कोई तसल्ली होगी। सनीचर अगर बज़ाते खुद (अपने असर के लिहाज़ से) नेक हो तो क़दरे उम्दा वरना सख़ा ख़राबी होगी।

हो या दोनों नम्बर 4
और सनीचर नम्बर 10
में बैठा हो।

किस्मत की चमक न होगी। हर काम में तकलीफ और नाकामी ज़िन्दगी का कोई लुत्फ़ न होगा बल्कि ज़िन्दगी सिफ़र खानापुरी का ही नाम होगी।

दोनों ऐसे घरों में हों जहां
सूरज का असर हल्का
या मंदा हो रहा हो।

अगर लालच का पुतला होवे तो लाखोंपति होने पर भी कुल ग़र्क़ होगी
या कुल ग़र्क़ करने वाला ही होगा।

दोनों नम्बर 3 में

उपाओ

किसी भी मंदी हालत (जिस्मानी या माली) में बाप बेटा दोनों इकट्ठे हो जाने पर मंदी हालत फैरन पुलस्त होगी। मुफ़्त का माल (दान ख़ैरात) लेना दोनों के लिए ग़ैर मुबारक होगा। एक दूसरे से मजबूरन अलहदगी की सूरत में बाप का अपना इस्तेमाल करदा बिस्तर या चारपाई रात के वक्त बेटे की पीठ तले मुबारक होगी। घर की सब से पुरानी देरीना चारपाई भी यही असर देगी। घर में बृहस्पत (ख़ालिस सोना या केसर) क़ायम रखना मुबारक होगा।

दोनों में मुश्तरर
—नम्बर 2
पापी जो माता
में उत्तम या ब
विरासत-जर्मीन

ग़र्क़-खत्म, समाप्त

तसल्ली-सांत्वना, ढाढ़स, दिलासा, सन्तोष, सब्र

अलहदगी-अलग होना

देरीना-पुराना, प्राचीन, पुरान

देरीना चारपाई-पुरानी चारपाई

बृहस्पत चंद्र

(विया हुआ धन-महकमा कानून-बड़ का वरख़ा)

अक्ल घटे पर धन बढ़े
 विरासत काशत सब फले
 इन्साफ़ महकमा दौलत अपनी
 उत्तम असर ग्रह दोनों जाती
 दोनों बैठों को दुश्मन देखे
 उलट हालत हों दोनों मरते
 क्रष्ण पितृ या मार्तृ होते
 आराम औलाद न उसका देखे
 कन्या कीमत न जब तक लेते
 धरम दया का पुतला होते
 करनी जैसी हो वैसी भरनी
 राज फ़क़ीरी मिट्टी उड़ती
 थाली चंद्र घर क़ायम होते
 गंदी हवा घर मंदा बैठे
 ख़ालिस चांदी का बर्तन ख़ाली
 गुरु चंद्र से ज़हर हटेगी

सफ़र भी उम्दा हो
 गैबी मदद भी हो
 काम मर्द खुद आती हो
 तीनों काल त्रैलोकी हो
 नष्ट वही खुद होता हो
 शनु ज़हर न चढ़ता हो
 माता पिता सुख उड़ता हो
 शुक्कर गृहस्ती मंदा हो
 माता पिता सुख लम्बा हो
 सोने चांदी की कुटिया हो
 मंदी तपस्या होती हो
 राजशाही या धोबी हो
 हवा बारिश की चलती हो
 नेक बुढ़ापे होती जो
 मकान कोने में दबाता जो
 बादल बरसात होता हो

दोनों में मुश्तरका के वक्त बृहस्पत का असर जो अमूमन 16 साला उम्र से शुरू हो 28 साल

१ - नम्बर 2-5-9-12 में बुध शुक्कर राहु जो पिता भुगते वही बेटे पर गुज़रे २ - नम्बर 4 में

पापी जो माता पर गुज़रे वही बुध शुक्कर की जानदार चीज़ों पर। ३ - दोनों ग्रह नेक घरों

में उत्तम या क़ायम या घर में जब चांदी की थाली हो तो असर भी मानिंद चांदी की थाली उम्दा होगा।

विरासत-जमीन जायदाद

काशत-कृषि, काशकारी, खेत की भूमि, खेती

त्रैलोकी-तीनों जहान

ख़ालिस-शुद्ध

मानिंद-तुल्य

उम्दा-अच्छा

उम्र के अकेला ही रह गया समझा जाएगा और उस पर दुश्मन ग्रहों का असर हो सकता हो।

जब चंद्र खाना नम्बर 2 में ऊंच हो रहा हो तो बृहस्पत का असर ज़ोर पर होगा और जब

बृहस्पत खाना नम्बर 4 में ऊंच हो रहा हो तो चंद्र का असर ज़ोर पर होगा। मुश्तरका हालत में चंद्र

का उत्तम असर एक हिस्सा हो तो बृहस्पत का 2 गुना नेक होगा।

अमूमन बृहस्पत चंद्र सोने चांदी के तख़ा के मालिक वाले पिता के टेवे में
खाना नम्बर 1 लगन में होंगे मगर काल माया ग़रीबी से हर तरफ़ आंसुओं भरे सांस वाले
बाप के टेवे में खाना नम्बर 1 में नहीं होंगे।

नेक हालत

दिमाग़ी खाना नम्बर 21 - हमदर्दी या रहमदिली

दिमाग़ी खाना नम्बर 37 - राग

दिमाग़ी खाना नम्बर 38 - ज़बानदानी

दिमाग़ी खाना नम्बर 39 - बजह सबब की ताक़त

दिमाग़ी खाना नम्बर 40 - एक चीज़ का दूसरी से मुक़ाबला की ताक़त

दिमाग़ी खाना नम्बर 41 - इंसानी ख़सलत

दिमाग़ी खाना नम्बर 42 - ऱज़ामंदी

देखा मालिक का



वह छतरधारी बड़े के साया की तरह हर ख़ास व आम

को फ़ायदा देने की क्रिस्त का मालिक होगा। चंद्र का असर उत्तम होगा।

बुद्धापे में हाफ़िज़ा बेशक कम होता जावे मगर जिस क़दर उम्र

बढ़ती जावे दिल की शांति के सामान (माया दौलत व दीगर

गृहस्ती हालत) ज़्यादा मददगार होती जावें। बाल्दैन की

जायदाद का काश्त की ज़मीन और ग़ैबी मदद सब की बरकत हो

बालाई आमदन ससुराल से दौलत और इलम की तरक्की हो। तालीम

मुश्तरका-मिले जुले

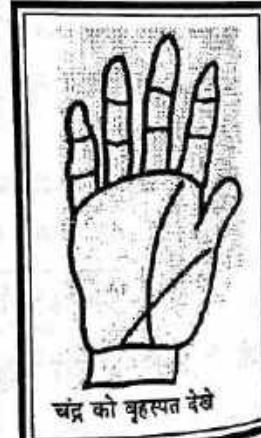
ख़सलत-अल्ला
ऱज़ामंदी-हाँ में हाँ मिलाना, स्वीकार करना

अमूमन-आमतौर से

बाल्दैन-माता पिता

मियाद-समय सीमा

इलम-विद्या, जानकारी हाफ़िज़ा-स्मरण शक्ति



24 साल
धन दौलत
उम्मा होगी
दृष्टि और
चांदी सो
बारिश र
असर व
दर्जा दृष्टि
पहले बै
यानी बृ
दोस्त (
होवे) ग्र
मुतअलि
बृहस्पत
फल हे
होगी ख़
दोनों क
के नती
होशिया
ख़ाला
ख़ाना
बेरुकाल

24 साल बेरुकावट तीर्थ यात्रा-20 साल नसीब होवे। बुद्धापा वा आराम गुजरे। धन दौलत और ज़माना माज़ी (गुजरा हुआ ज़माना) सब उम्दा होंगे।	} चंद्र उत्तम व उष्ण हो।	धर बैठक के लिहाज़ से जब
दूध और साया तक सब उत्तम बलिक अमृत होगा		दोनों मुश्तरका टेवे में बुध से पहले बैठे हों।
चांदी सोने की थाली की तरह मौनसून हवा मददगार बारिश से लदी हुई की तरह नसीब की मदद होंगी। पिता माता का असर बड़ के साया की तरह मददगार होगा।	} जब दोनों अच्छे घरों में बैठे हों।	जब दोनों अच्छे घरों में बैठे हों।
दर्जा दृष्टि ख़ाह हो या न होवे अपने से पहले बैठे हुए दोस्त ग्रहों को पूरी मदद देंगे। यानी बृहस्पत चंद्र और उनसे पहले बैठे हुए उन के दोस्त (सूरज-मंगल-बुध में से जो भी कोई होवे) ग्रहों की मुतअलिका अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअलिका सब को चंद्र बृहस्पत को पूरी पूरी मदद मिलती होगी।		दोनों ग्रह खुद तो कुण्डली के ख़ाना नम्बर 7 ता 12 में बैठे हों और उनके दोस्त ग्रह ख़ाना नम्बर 1 ता 6 में कहीं भी हों।
बृहस्पत और चंद्र दोनों ग्रहों का अपना अपना और नेक फल होगा। दोस्त ग्रहों को मदद देने की शर्त न होगी ख़ाह दर्जा दृष्टि हो या न होवे।	} दोनों ग्रह खुद व ख़ाना नम्बर 1 ता 6 में बैठे हों और उनके दोस्त ग्रह उनके बाद ख़ाना नम्बर 7 ता 12 में कहीं भी बैठे हों।	दोनों ग्रह खुद व ख़ाना नम्बर 1 ता 6 में बैठे हों और उनके दोस्त ग्रह उनके बाद ख़ाना नम्बर 7 ता 12 में कहीं भी बैठे हों।
दोनों का नेक असर हर काम में उत्तम भरोसा उम्मीदों के नतीजे अमूमन उम्दा ही होंगे। दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 18 होशियार तिलियत (नेक मायनों में) का मालिक होगा।		जब सनीचर उम्दा हो।

ख़ाना नम्बर 1- चंद्र और बृहस्पत दोनों के ख़ाना नम्बर 2 में दिया हुआ फल होगा

ख़ाना नम्बर 2- बुध राहु का साथ ही मिलते बड़ के पेड़ों को तिलियर काटे

दूध ज़हर दो मंदा हो साथ साली न उम्दा हो

१ - आरत की बहन

बेरुकावट-बिना रुके

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

मुतअलिका-संबोधित

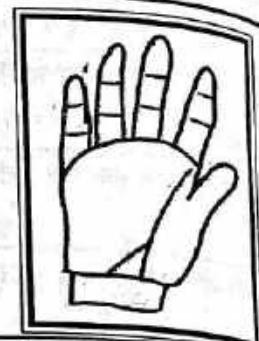
ख़ाह-चाहे

तिलियर-जानवर छोटे-छोटे स्थान

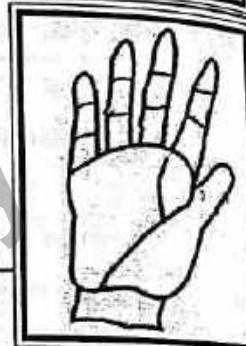
अमूमन-आमतौर से

उम्दा-अच्छा

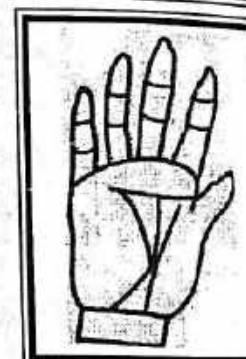
ऊंच चंद्र और बृहस्पत का उत्तम भगर सधारण
फल साथ होगा। हजारों लाखों के लिए साया व
सहारा होगा। बालाई आमदन माता का सुख सागर व साथ खेती
की ज़मीन जायदाद जदौदी की वृद्धि (तरक़क़ी) गैबी
मदद सब का नेक असर होगा।



खाना नम्बर 3- खुशाल-भागवान-इक्कबालमंद-दौलत
का मालिक खुद तरे और उसका धन भाइयों को तारे
जो इक्कबालमंद हो जावें। उस का घर दोबारा बारौनक
और धन से भरपूर हो जावे।

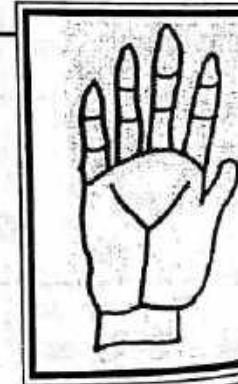


खाना नम्बर 4- जन्म से ही धन का चश्मा निकल पड़े।
नेक से नेकी में मानिंद के छतरधारी बड़े तानों की तरह
अपना क़बीला मददगार बना लेवे। मामूली पानी की नाव उसे बड़े
भारी हवाई जहाज़ का काम देवे। चंद्र का फल बृहस्पत के फल
से उत्तम हों। दिल की पूरी शान्ति होवे। चंद्र और बृहस्पत
की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतब्लिक़ा हर दो मर वह (बृहस्पत
और चंद्र) हर तरह से मुबारक फलदायक होंगे।



खाना नम्बर 5-

ऐवज़ दोनों के असर रवि का
नेक बुलंदी देता जो
अमीर ताजिर हो माल हाजिर का
अहल ए क़लम गुरु होता हो



इक्कबालमंद-तेजस्वी, प्रतापी
गुरु-बृहस्पति ग्रह

ताजिर-व्यापारी
गैबी-दैवी ताकत

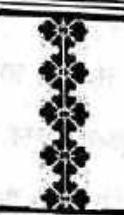
अहल क़लम-लेखक
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

बृहस्पत और चंद्र के असरों से मिला हुआ अब सूरज का उत्तम और नेक फल होगा।
ताजिर (व्योपारी) हाजिर माल और अहले क़लम हो तो दूसरों को भी फ़ायदा होवे।

ख़ाना नम्बर-6 - जैसा भी बुध और केतु का अब टेवे में असर हो वैसा ही वह अब इन दोनों ग्रहों के असर में असर मिलाएंगे। हस्पताल-क़ब्रिस्तान में कुआं लगाना कोई मंदा असर न देगा।

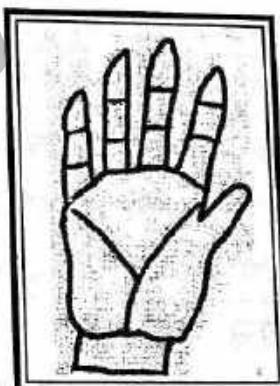
ख़ाना नम्बर-7-

मिले दोनों जब इस घर बैठे
शत्रु ग्रह जब तख़्त पे आवे



ताक़त निकम्मी होती हो
बाप माता सोई होती हो

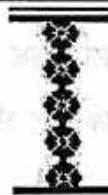
दलाली मददगार तिजारत या व्योपार ताल्लुक होगा जिस से



बहुत ज़्यादा फ़ायदा होवे।

ख़ाना नम्बर-8-

माया दौलत खुद लाख हज़ारी
चीज़ मामूँ से शनि मंगल की



भाई बंदे मरवाता हो
मौत ज़हर भर लाता हो

उम्र लम्बी होगी। भाईबंद धन की उम्मीद रखने वाले होंगे
जो हर दो नेक और मंदी हालत पैदा करने के लिए बराबर बराबर
होंगे यानी कोई भाई तो सिपहसालार की तरह मदद देवे
और कोई भाई जंगो जदल का बहाना होगा। मगर उस का धन
दौलत खुद टेवे वाले के लिए कभी नुकसान देने वाला
न होगा।



ताजिर-व्यापारी, सौदागार, व्यवसायी
व्योपार-व्यापार ताल्लुक-संबंध

हस्पताल-अस्पताल

हाजिर-बिना बात की

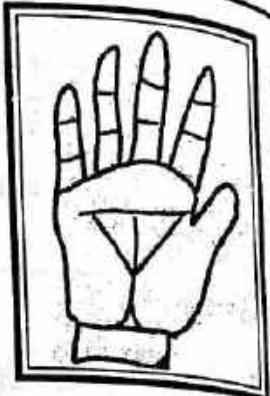
क़ब्रिस्तान-शमशान घाट

अहल-योग्य, पात्र

निकम्मी-बिना काम की
सिपहसालार-सेनापति

बृहस्पत-चंद्र

खाना नम्बर-9 - पानी की बजाए दूध से पले हुए दरख़त की तरह नेक क्रिस्मत वाला जिसे बड़े के दरख़त की तरह बाल्दैन का सुख सागर पूरा और लम्बा अरसा नसीब होगा। जब कभी यह दोनों ग्रह ब्रूमूजिब बर्षफल खाना नम्बर 9 में आवें दबे या दबाए धन की तरह माया दौलत की लहर दोबारा बुलंद हो जावे और हर वक्त रैनकू रैनकू बढ़ती जावे। चंद्र की तमाम मुतअल्लिका अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका चंद्र नेक फल देवें और दिल की पूरी शांति हो। मातृ हिस्सा की मदद 20 साल तीर्थ यात्रा और उत्तम फल हो।



खाना नम्बर-10 - खुद साख़ा मर्द होगा। मगर खुद साख़ा अमीर नहीं होगा यानी अपने मतलब के लिए किसी की बात भी न सुनेगा बल्कि बाप को भी कह देगा कि वह (टेवे वाला) खुद व खुद ही पैदा हुआ था ग़ज़ीकि वह मुतकब्बिर मगर क़दरे कोताह अदेश (कम सोचने वाला) और कुछ उखड़े हुए दिल का मालिक (बेवकूफ़ जिस का बीमारियों से खून घट चुका हो) अपने नसीब पर धोका खा रहा होगा। दरिया में तांबे का पैसा डालते रहना मददगार होगा।

खाना नम्बर-11 - रफ़ा ए आम के काम दूसरों को तारें मगर अपनी क्रिस्मत (अपने पेट के) के मालिक खाना नम्बर 3 के ग्रह होंगे। अगर खाना नम्बर 3 खाली ही हो तो खाना नम्बर 11 के ग्रह (चंद्र बृहस्पत) सोई हुए ही गिने जाएंगे। खाना नम्बर 5 का खाना नम्बर 11 पर कोई असर न होगा। सोई हुई हालत में बुध का नेक कर लेना या लड़कियों (कम उम्र) की आशीर्बाद मददगार होगी।

खाना नम्बर-12-

लड़की जनम या वक्त हो शादी
जाले लगे घर अक्सर मकड़ी
अच्छी हालत की आम निशानी
बाप बेटे ग्रह हालत कोई

माया दौलत घर मंदी हो
थाली भोजन से खाली हो
बेटा होने से होती हो
उम्दा क़ायम जब अच्छी हो

दरिया-नहर

ब्रूमूजिब-अनुसार

रफ़ा ए आम-लोकहित, जनहित

साख़ा-अपने आप बना हुआ

अक्सर-बहुधा, प्रायः,,

मुतकब्बिर-अहंकारी, अभिमानी

कोताह-अल्प, थोड़ा

बाल्दैन-माता पिता

गो मिसल राजा मगर धन दौलत से राजा जनक की तरह पूरा त्यागी होगा।

चांदी का खाली बरतन तह मकान में दबाना मुबारक होगा।

मंदी हालत

बुध का जाती असर मंदा होगा बेशक घर बैठक (जहाँ कि बुध बैठा हो) के लिहाज़ से बुध दूसरे ग्रहों की अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका के ताल्लुक में कैसा ही अच्छा या बुरा असर देने वाला हो।

कसीफ़ गंदी हवा के सांस और क्रिस्मत की बदनसीबी से चेहरा पर आंसुओं का पानी जम रहा होगा। खुद ख़बाह वह कितना ही होसला करने वाला और मेहनत से मुकद्दर का मुकाबला करने वाला हो।

जब कभी भी सनीचर या दुर्मन ग्रह की मुतअल्लिका चीज़ (मसलन मकान-सनीचर की चीज़ है। शादी शुक्रकर की रागरंग के साज़ों सामान बुध से मुतअल्लिका) का बक्त आवे यानी लाई या ख़रीदी जावे या पैदा की जावे जो अपनी ही गिनी जावे तो माता पिता पर मौत तक मंदा असर माना गया है। दृष्टि की रौ से

बृहस्पत व चंद्र दोनों ग्रहों से जो ग्रह पहले के घरों का होवे उस का मुतअल्लिका रिश्तादार बाद में और जो ग्रह बाद के घरों का है उसका मुतअल्लिका रिश्तादार पहले मुसीबत में गिरफ़्तार या मौत से हार पाएगा। दोनों ग्रहों ही के असर नेक रहने के लिए केतु की अश्या ज़मीन की तह में दबावें या केतु की अश्या (आसन) अस्थापन करें या केतु की अश्या दो रंगे पत्थर (होलदरी ब़ैरह) उस के गले में या जिस्म पर क्रायम करें।

मुतअल्लिका-संबंधित

ख़बाह-चाहे

शुक्रकर-शुक्र ग्रह

अस्थापन-स्थापित

जिस्म-शरीर

कसीफ़-मलिन, मेला, अपवित्र, गंदा

मुकद्दर-भाष्य, प्रारब्ध

लिहाज़-आदर, शील

} दोनों मुश्तकका टेंवे
में बुध के बाद बैठे
हों।

} दोनों मंदे घरों
में बैठे हों या जब
मंदे हो रहे हों।

बृहस्पत और चंद्र
दोनों जुदा जुदा और एक
दूसरे की सामने
या एक से दूसरा
7 वें घर में हो।

तबाहकून और फोकी उम्मीदों का मालिक बल्कि नास्तिक होगा
जो उस मालिक के खिलाफ भी मरे दिमागी ख़बाब आम
देखता रहेगा।

जब सनीचर निकम्मा या मंदा
हो।

ख़ाना नम्बर-2 बृहस्पत चंद्र दोनों ही की मंदी हालत
होगी। बड़ के दरख़त तिलयर (जानवर छोटे छोटे स्थान रंग)

ही काट देंगे। चंद्र का दूध बोतल में बंद होगा जिसका ज़ायक़ा
न होगा अगर फिर भी होगा तो बिच्छु या भिड़ की ज़हर होगा। अब साली (औरत
की बहन) का साथ रहना नेक असर न देगा। हर तरफ़ ख़राबी ही खड़ी
होती जाएगी।

राहु व बुध का ताल्लुक

नज़र कमज़ोर और सनीचर का ज़ाती असर मंदा होगा। बुद्धापे
में मंदा हाल और उम्र का अरसा अमूमन 90 साल मंदा होगा।

दोनों नम्बर 2 और बुध
नम्बर 6

ख़ाना नम्बर-3 -बुध (तोते) के ताल्लुक या साथ से चंद्र

बृहस्पत दोनों ही का फल निकम्मा बल्कि बुध नम्बर 3 का दिया हुआ हर तरफ़
मंदा असर होगा। बुध की अश्या-करोबार या रिश्तादार मुतअलिलका
बुध हमेशा ख़राब ही असर देते होंगे

बुध का ताल्लुक

ख़ाना नम्बर-6 -ऱफ़ा ए आम या खेती की ज़मीन में कुआं लगाना

सब उम्दा असर को बरबाद कर देगा जिस से खुद टेवे

कुएं का ताल्लुक

वाला और उस (कुएं) से फ़ायदा उठाने वाले तबाह होंगे।

ख़ाना नम्बर-7 -बचपन में तकलीफ़ हो और चंद्र के बक्त (6-12-24 साला उम्र) से

माता पिता दोनों दुखिया हों धन दौलत शादी (शुक्कर) के दिन और लड़की (बुध) के जन्म

से घटना शुरू हो जावे।

ख़ाना नम्बर-9
जोर दान पर गुज़ार

ख़ाना नम्बर-10
(बमूजिब जनम क)

के पत्थर (बेमानी
समन्दर जाग न ह)

जल्दी कटने में
बाप की दाढ़ी

की शान होगी।
हाथों की तरफ़

ख़ाना नम्बर-11
गिने जाएगे। बृह

उम्र में नम्बर 3
बरबाद-तबाह र

अश्या (बुध-ल
स्त्री-राहु नाना-
ख़ैरात उनको च

ख़ाना नम्बर-12
जायदाद का प
बेहद अंधेरा उ
चांदी के बरत

फलों से धरे
सफ़ेद जले ह

ख़ैरात-भीख
समन्दर-समुद्र

मुतअलिलका-संबंधित

अश्या-चीजे, दस्तुएं

दरख़त-पेड़, बृक्ष

सनीचर-शनि ग्रह

ताल्लुक-सम्बन्ध

ऱफ़ा ए आम-जनहित

तबाही-बरबादी, नष्ट

खाना नम्बर-9 जब कभी लड़की की कीमत या उसका पैसा (धन दौलत) लेकर खावे या खैरत और दान पर गुजारा करे चंद्र और बृहस्पत दोनों ही का असर बरबाद मंदा बल्कि ज़हरीला ही होगा।

खाना नम्बर-10 मां बाप के पास सोने चांदी की ईंटें होते हुए भी आखूरी चक्का (बमूजिब जनम कुण्डली) या आमतौर पर (बमूजिब वर्षफल) कुण्डली वाले के लिए वह अधियारे के पत्थर (बेमानी) और नेक पानी की जगह बुलबुलों की सिर्फ़ झाग होगी। जो कोई समन्दर झाग न होगी जो किसी दवाई के काम आ सके। घोड़ी की दुम लम्बी तो सवार का सफर जल्दी करने में क्या मदद।

बाप की दाढ़ी लम्बी तो बेटे के लिए क्या खूबसूरती-वाल्डैन की सिर्फ़ दिखलावे की शान होगी। ग़ज़े़कि वाल्डैन से अपने लेने के ताल्लुक में टेवे वाला दूसरों के हाथों की तरफ़ देखने वाला ही साबित होगा और किस्मत मंदी का मालिक होगा।

खाना नम्बर-11 चंद्र बृहस्पत दोनों ही बेबुनियाद बल्कि बरबाद

गिने जाएंगे। बृहस्पत की उम्र 16 साला और चंद्र की 12 साला

उम्र में नम्बर 3 के ग्रह के मुतअल्लिका रिशतादार की बजाए टेवे वाले के वाल्डैन बरबाद-तबाह या दुखिया ही होंगे। दुश्मन ग्रहों की मुतअल्लिका

अश्या (बुध-लड़की-बहन-भुआ-फूफी-मासी-शुक्कर गाय-लक्ष्मी

स्त्री-राहु नाना-नानी-ख़ाकसार (भंगी) की पालना-कुछ बतौर

खैरत उनको दे देना) मददगार होगा।

बुध शुक्कर या राहु
नम्बर 3 में

खाना नम्बर-12 शादी के दिन (शुक्कर का चक्का) और लड़की पैदाइश (बुध-शुरु) से

जायदाद का फल मद्दम और धन दौलत बरबाद होंगे। जायदाद के आलीशान मकानों में

बेहद अधेरा और उनमें मकड़ी के जाले (बे आबादी और बरबादी) आम होंगे। सोने

चांदी के बरतन उम्दा ग़िज़ा से भरे रहने की बजाए क़लई के सफेद दूटे बरतन गंदे

फलों से भरे होंगे। घर में ख़ालिस चांदी के अंबारों की जगह क़लई (सफेद धात और

सफेद जले हुए चूने की राख) के जरूर बहुत बिखरे होंगे।

खैरत-पीख

बमूजिब-अनुसार

वर्षफल-वर्षफल

फूफी-बुआ (पिता की बहन)

समन्दर-समुद्र

ख़ाकसार-विनम्र, विनीत, बोलने वाला इस शब्द का प्रयोग विनप्रता वश अपने लिए भी करता हो

बृहस्पत-शुक्कर

बूर के लद्दू-दिखावे का धन

असर गुरु का पहले गिनते
सुभाओ जाती बुध किस्मत लेते
भला शुक्कर हो इश्क में उम्दा
कामदेवी जब कीड़ा बनता
तरफ़ 12 त्रैलोकी होते
माया हवा जब मिलने लगी तो

पीछे शुक्कर का होता हो
खत्म जनम जब पिछला हो
रिज़क मंदा नहीं करता जो
असर दोनों का मंदा हो
गुरु जगत में जनम हुआ
पिछला जनम अब खत्म हुआ

दोनों मुश्तरका में पहले बृहस्पत और फिर शुक्कर का असर (भला या बुरा जैसा भी टेवे के मुताबिक हो) शुरू होता गिनते हैं और 33 साला उम्र तक मुश्तरका लेंगे।

असर की मुश्तरका मिलावट में अगर बृहस्पत का एक हिस्सा तो शुक्कर का $3\frac{3}{4}$ गुना

असर शामिल होगा। असर की रफ़तार में अगर शुक्कर 2 गुना हो तो बृहस्पत निस्क रफ़तार पर चलेगा।

खाना नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
उम्र में	4	5	6	1	2	3	8	11	10	9	12	7

रिज़क-अनाज

मुश्तरका-सांझी

मुताबिक-समान, बराबर, अनुसार

निस्क-आधा

गो बृहस्पत
और वह शाखा इ
सनीचर (केतु सुभ
दुख बीमारी से ह
से हमेशा मदद मि
रहेंगी।

खाना नम्बर—
कागा
बाप

जंगल में

एक ही बाकी र

खाना नम्बर
होगी। मिट्टी के

खाना नम्बर

उस की औरत

खाना नम्बर

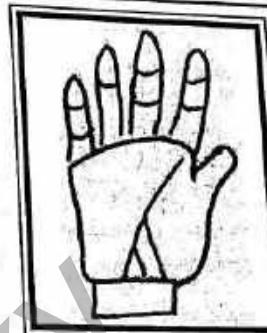
औरत उ
बच्चा उ

—मर उ

मस्तूई-बनावटी
मददगार-सहायक

नेक हालत

गो बृहस्पत का असर मद्दम मगर शुक्रकर का असर उम्दा
 और वह शाखा इश्क में कामयाब होगा मस्नूई
 सनीचर (केतु सुभाओ यानी उम्दा मददगार) का असर या
 दुख बीमारी से हमेशा बचाओ होगा। औरतों
 से हमेशा मदद मिलती रहे या वह मदद करती
 रहेंगी।



खाना नम्बर-1-

काग़ रेखा फल तख्ता पे होता इज्जत जंगल में पाता हो
 बाप औरत से जब कोई मरता लेख रोशन खुद होता हो

जंगल में इज्जत होगी और गृहस्त में औरत और बाप दोनों से
 एक ही बाकी रहने पर नेक असर होगा।

खाना नम्बर-2 -सोने की जगह बेशक मिट्टी तो होगी मगर वह मिट्टी आम मिट्टी से कीमती
 होगी। मिट्टी के कामों से सोना नसीब होगा।

खाना नम्बर-3 -खुद खुशहाल भागवान और उसका धन भाइयों को तारे।
 उस की औरत एक मददगार भाई की तरह मददगार मर्द का काम देवे।

खाना नम्बर-4-

औरत उम्र औलाद की गिनती
 बच्चा औरत भी हो एक देती

टुकड़े मांगे रोटी होती हो
 बदल ज़माने जाती हो

१ -मर जावे या ख़विंद बदल लेवे।

मस्नूई-बनावटी

मददगार-सहायक, मदद करने वाला

औलाद-संतान

मर्द-मनुष्य, आदमी, पुरुष, नर

ख़विंद-पति

बदल-प्रतिकार, बदला

नसीब-भाग्य, किस्मत

बृहस्पत नम्बर 4 का नेक फल जब तक औरतों की मंडी (ज्यादा तादाद में इकट्ठे करते जाने की आदत) का मालिक न हो।

खाना नम्बर-5 - इल्म से खूब दौलत कमावे बल्कि इल्म और औलाद की मारफत हर दम बढ़े और इल्म से खूब दौलत कमावे।

खाना नम्बर-6 - औरत के सिर के बालों में खालिस सोने का कायम रहना औलाद की बरकत और नसीब में मदद देगा।

खाना नम्बर-7 - बुध की मुतअल्लिका अश्या-करोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका बुध का साथ या नेक ताल्लुक रहे तो धन कम या गुम होने पर भी तंगहाल न होगा। मुतबन्ना सुख पाए। किस्मत किसी तरह भी बेशक मंदी हो जावे फिर भी दोबारा खुशहाल हो जाएगा।

खाना नम्बर-8-

धन दौलत का असर न उम्दा

बाकी असर सब उत्तम है

असर गुरु घर 2 का देगा

शुक्कर को घर 8 का हो

शुक्कर का असर वही जो नम्बर 8 में दिया है जो सिवाए धन व दौलत के बाकी सब नेक मायनों का होगा।

धन दौलत के लिए वही असर जो बृहस्पत नम्बर 2 का दिया है।

खाना नम्बर-9-

मिलता असर दो हर दम उम्दा

शुक्कर शनि से ऊपर है

काम हज़ारों देगी दुनिया

गैस ज़हरीली बेशक हो

दोनों का नम्बर 9 का जुदा जुदा दिया हुआ फल मगर फिर भी उम्दा होगा। दुनिया का पूरा आराम-तीर्थयात्रा 20 साल उत्तम

मारफत-द्वारा

मुतबन्ना-गोद लिया हुआ (दत्तक पुत्र)

ज़हरीली-जहर से भरा हुआ तादाद-संख्या, गिरी

बृहस्पत-शुक्रकर

खाना नम्बर-10-

चाल चलन ख़्वाह सेहत मंदी
 इश्क शुक्कर माशूक खुदाई
 आता है याद मुझको
 क्या शान मिलती हमको

मंदी दौलत न होती हो
 उड़ती मिट्टी कुल घर की हो
 गुज़रा हुआ ज़माना
 क्या ठाठ था शाहाना

खुद कमाया धन दौलत ख़राब न होगा मगर बालैनी धन दौलत सोने से
 मिट्टी ही होगा खासकर जब धरम से मुखालफत करने वाला हो। लक्ष्मी हवा की
 तरह आवे और हवा की तरह ही चली जावे।

खाना नम्बर-11-

गुरु शुक्कर फल अपनों अपना
 सोना गुरु जो दूजा बनता

इश्क नसीहत मिलता हो
 मिट्टी ज़र अब होता हो

खाना नम्बर-12 -तमाम गृहस्थी आराम व रुहानी सहूलियत मुहैया होंगी।

मंदी हालत

कामदेव की ज्यादती या इश्क की बेहद
 राबत किस्मत के सोने को मिट्टी के भाव
 विकवा देगी गो धन दौलत तो ऐसा ख़राब
 न होगा (सोना मिट्टी में गिरने से क्या ख़राब होगा)
 मगर मंदे चाल चलन से जिस्मानी नुक्स होंगे।
 औलाद के तक़ाज़े-ख़राबियां बल्कि लावलदी तक हो
 सकती है या जनम लेते वक्त दुख और मंदे नतीजे होंगे।



माशूका-प्रेमिका
 नसीहत-सलाह

शाहाना-राजा जैसा रहन सहन

ज़र-धन, दौलत

राबत-इच्छा, रुचि

मुखालफत-विरोध, शत्रुता, दुरमनी
 जिस्मानी नुक्स-शारारिक कमी

खाना नम्बर-1 -काग रेखा (कौवे की खुराक का भागी) के मंदे हाल वाले साधु की तरह निर्धन किस्मत होगी। गृहस्त बरबाद।

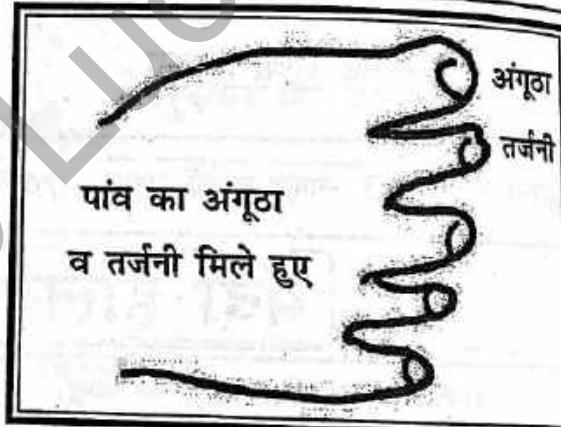
खाना नम्बर-2 -मर्द की तरफ से नर औलाद के विघ्न या औलाद की पैदाइश में रुकावट या दूसरे झगड़े होंगे। सोने के कामों से राख नसीब होगी खासकर जब उसका घर 2 बाकी बचने (मानिंद कुत्ता) की हैसियत का हो

खाना नम्बर-3 -नसीब की बुलंदी में आम लोगों की तरफ से उसकी खुशामद शुरू होगी जिससे उसकी ताक़त नसीब की हर तरफ हार हानि होने लगेगी।

खाना नम्बर-4 -हर औरत एक बच्चा बतौर नमूना देवे और चल बसे। हर घर से रोटी के टुकड़े इकट्ठे किए हों की तरह औलाद का हाल होवे।

खाना नम्बर-5 -गैर मगर शादी शुदा औरत के मिलाप से धन चोरी और धन हानि के बहुत वाक़िआत देखे।

खाना नम्बर-6 नर औलाद (केंतु की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका केतु) न हो या न ज़िन्दा रहे अगर बाकी रहे तो मंदा किस्मत कर दे। खुद भी तादाद मेवरान के लिए मंदभाग ही होगा। खासकर जब अपनी असली औरत से नफरत करने वाला या उसकी बेक़दरी करने वाला हो।



खाना नम्बर-7 -गो घर के सब साथी ऐश करें और आराम पावें मगर वह खुद वे आराम ही होगा। बृहस्पत नम्बर 7 का दिया हुआ फल आम होगा। इश्क में शामा का परवाना या ज़न मुरीदी में दीवाना होने की आदत दुखिया होने की वजह होगी। नर औलाद की पैदाइश में औरत की तरफ से शुक्कर भी ज़हरीला ही असर देगा। यग में अपनी औलाद ही की कुर्बानी दे देने वाला होगा। हर काम में सोने की जगह मिट्टी

विघ्न-विघ्न

वाक़िआत-हादसा, घटना

मानिंद-तुल्य

मेवरान-सदस्य

हैसियत-क्षमता

बेक़दरी-जिसकी इज़्जत न हो (कद्र न हो)

बुलंदी-ऊंचाई

बृहस्पति-शुक्रकर

बटा लाएगा या बैसी ही मिट्टी बट कर आ जाएगी।

बृहस्पति मंदा होगा-ख़स्सी सांड की तरह औलाद से

महरूम और मुतबन्ना बगैरह से भी सुख न पावे। जोड़ भाई

जोड़-खाएंगे कोई और (जोड़ भाई तू जोड़ता जा

खाने के बक्त कोई और ही आ) का हिसाब होगा।

बृहस्पति शुक्रकर नम्बर 7

मंगल नम्बर 4

ख़ाना नम्बर-9 -स्त्री भाग में काग रेखा (ग्रीवी का साथ) का मंदा फल होगा।

ख़ाना नम्बर-10 -13 ता 15 साला उम्र में गंदी बल्कि मामूली सी औरत भी सोने की मिट्टी

चाल-चलन (जिस्मानी नुक्स) होंगे पराई औरत माश्कुका बगैरह बरबाद

करें औलाद का दुख माता पिता का दुख अमूमन होगा मगर माता पर टेवे वाले का कोई दुख

न होगा। भाईयों से रंजीदगी-अक्सर होगी। फ़क़ीरी में ऐसा शख़्त कोई साहबे कमाल

न होगा बल्कि हर दम यही कहता होगा।

आता है याद मुझको गुज़रा हुआ ज़माना

क्या शान थी हमारी घर घाट था शाहाना

हर गुज़रे हुए सांस से आने वाला सांस और भी ग्रीवी लाता होगा।

क्योंकि वह दूसरों की मौत खुद ही मरने वाला होगा।

ख़ाना नम्बर-11 -(1) किस्मत में सोने की जगह ज़र्द रंग मिट्टी उड़तो (मंदी हालत) ही होगी।

(2) वही असर जो शुक्रकर नम्बर 11 यानी अगर ख़ाना नम्बर 3 ख़ाली हो तो बारतपात एहतिलाम या मुश्तज़नी का बेहद आदी हो सकता है जो ज़रूरी नहीं कि ऐसा बदकार ज़रूर ही हो अमसाक बिल्कुल ही न हो या किसी और वजह या औरतों के हवाई ख़्यालों से बढ़ते बढ़ते नामदीं तक नौबत गिनते हैं (उपाओ के लिए शुक्रकर नम्बर 11 देखें)

ख़ाना नम्बर-12 -सट्टा का व्योपार मंदा असर देगा।

ख़स्सी सांड-जिसके अण्डकोश निकाल दिए गए हों वह सांड	एहतिलाम-सोते में बीर्यस्खलन	बदकार-दुराचारी
मुश्तज़नी-हस्तमेथुन, हथलस	रंजीदगी-दुशमनी	शाहाना-राजसी ठाठ वाठ

बृहस्पत-मंगल

(श्रेष्ठ गृहस्ती धन)

नेक मंगल हो किरनें सोने की
आग मंगल बद जलता पराई
घर दूजे ता पांच वें बैठे
फ़क़ीर कामिल घर बाक़ी गिनते
मुआविन उम्र का मालिक गिनते
असर गुरु गो मंदा लेते

जगत भंडारी होता हो
केतु रद्दी बुध मंदा हो
लेख राजा का होता हो
सुखिया गृहस्ती फलता जो
शनि दोनों को देखता जो
वापस क़ब्र से आता हो

घर बैठक के लिहाज़ से जब मंगल उम्दा हो तो खोजदानी में बराज और उनकी हालत
और गुज़रता हुआ ज़माना (हाल) सब उत्तम होंगे।
दोनों ग्रह टेवे वाले की 72 साला उम्र तक इकट्ठे होंगे। दोनों मुश्तरका
में अगर बृहस्पत का नेक हिस्सा एक हो तो मंगल का नेक हिस्सा 2 गुना होगा मिले मिलाये
मानिंद जु़बी सोना क्रिस्मत का हाल होगा।
टेवे वाले के अपने ताल्लुक में दोनों ग्रहों का असर उस के अपने
हौसला और अंदरूनी दिली ताक़त की मज़बूती से मुतअलिलक़ा होंगे।

मुआविन-सहायक, मददगार

मुश्तरका-मिले जुसे

लिहाज़-आदर, शील, लज्जा

मुतअलिलक़ा-संबंधित

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

क्रिस्मत+भाग्य

फ़क़ीर कामिल-चमत्कारी साधु

नेक हालत

मंगल नेक हो तो वह सब का मुनसिफ़
एक को दूसरे पर ज्यादती करते न
देखेगा। सरदार हुक्मरान वालिये तख्त
बरना खुदा परस्त परहेजगार ब्रह्मजानी
हर दम मददे मर्द मददे खुदा का उत्तम असर
अंदरुनी व गैबी ताक़त की मदद होगी।
ज़्यादा से ज़्यादा हर 8 वें साल के अन्दर अन्दर औलाद होती जावे।



किस्मत रेखा
में मंगल
नेक को या बुध
को रेखा हो

हाथियों (दुश्मन) का सिर पर आंक्स की तरह छाया रहेगा।
अब मुखालफ़त मर्द न होगी बल्कि धन-दैलत के लिए मुआविन
उप्रेखा का असर यानी क़ब्र से वापसी तक मुमकिन होगी।

दोनों सनीचर
देखें

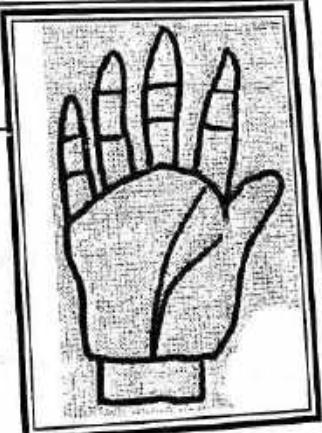
खाना नम्बर-1-

राज हुकूमत माया बढ़ता
बुध वज़ीर हो जब कभी बनता

सरदार हुक्मरान

अमीर अमीरां होता हो
नष्ट दोनों का करता हो

बड़ा ही अमीर होगा। आंक्स-कान का दायरा और कुंडल तीनों ही निशान
(राहु केरु) उम्दा असर होगा।



खाना नम्बर-2 - औरत खानदान के

गृहस्तियों का ताल्लुक नेक होगा। गृहस्ती
साथी मुतअल्लिक़ा दुनियादार उसकी आवाज़
पर सिर काट दें और उसके पसीना की
जगह खून बहा दें।

मुनसिफ़-ज्यायकर्ता
मुमकिन-सम्भव

मुखालफ़त-विरोध, शत्रुता, दुश्मनी
आंक्स-अंकुश

मुआविन-सहायक, मददगार
मुतअल्लिक़ा-संबंधित

दिमागी लियाकृत से धन
दौलत को पूरी प्राप्ति (लाभ और
आमद) होगी।

बुध नम्बर 6



ख़ाना नम्बर-3-

पाठ पूजा लासानी होता
बरबाद पैसा न धेला करता

रक्षा विरासत होती हो
शर्त माया न जाती हो

बुजुगों के धन की पूरी हिफाज़त करने वाला और उसको क़ायम रखेगा।
मगर उसमें अपना और धन मिलाने की शर्त न होगी मगर पूजा पाठ में
लासानी होगा।

ख़ाना नम्बर-4 -मर्दों की तादाद में कमी न होगी मगर उनके गुज़ारा के लिए
धन दौलत की शर्त न होगी।

ख़ाना नम्बर-5 -

ख़ैरात लेने का हो जब आदी
मान सरोवर माया उसकी

कोढ़ सोने को होता हो
उल्लू सभी पर बोलता हो

औलाद की पैदाइश के साथ धन का शानदार चश्मा गर्म इलाक़ों के लिए
ठड़ी हवा की तरह बह निकलेगा जो 28 साला उम्र तक बढ़ता जावेगा और दान से हरदम बढ़ता जाएगा और
खूब रैनक होगी।

ख़ाना नम्बर-6- खुद ही बड़ा भाई होगा और नेक बाप पर कोई बुरा असर न होगा।

लासानी-अद्वितीय, अनुरूप

ख़ैरत-दान

हिफाज़त-देख रेख करने वाला

आमद-आगमन, पधारने
विरासत-वार्षिक अधिकार, उत्तराधिकार

अब बुध का नम्बर-8
ख़ाना नम्बर-8
असर देने
बुध बैठे
दोनों का जुदा जुदा
ख़ाना नम्बर-
और उत्तम असर
ख़ाना नम्बर-
साधु देने
ग्रह चंद्र
ग्रह जैसे
घर चंद्र

ख़ाना नम्बर
खाली ही हो तरह
माला माल होगा
ख़ाना नम्बर
रखना सब तरह
ख़ाना नम्बर
तार देगा और

छटे-छटा
शाहा

अब बुध का नम्बर 6 का फल नेक होगा जो बृहस्पत नम्बर 6 पर बुरा असर देगा।

खाना नम्बर-8-

असर दोनों का अपनों अपना
बुध बैठे जब टेवे मंदा

खैश कबीले भरता हो
मंगल गुरु दो मरता हो

दोनों का जुदा जुदा नम्बर 8 का असर लेंगे।

खाना नम्बर-9 -गृहस्त परिवार और धन दौलत में हर तरह से आलीशान
और उत्तम असर होगा।

खाना नम्बर-10-

साधु करेगा दुनिया की चोरी
ग्रह चौथे न 6 वें कोई
ग्रह जैसे हों 4 छटे के
घर चौथा 6 ख़ाली होते

माल मुफ्त का खाता हो
लेख नसीबा खोटा हो
असर वैसा ही होता हो
खून बीमारी जलता हो

खाना नम्बर 4-6 के ग्रहों की हालत से किस्मत का फैसला होगा अगर खाना नम्बर 4-6
ख़ाली ही हों तो सोने की जगह किस्मत में मुलम्मा ही होगा। बहरहाल दूर दुनिया की चोरी से
माला माल होगा।

खाना नम्बर-11 -भाई और पिता के बैठे हालत शाहाना होगी। मंगल बृहस्पत कायम
रखना सब तरह से मददगार होगा।

खाना नम्बर-12 -हर तरह से उत्तम और बड़े परिवार होगा जिसे आशीर्वाद देवे
तार देगा और खुद भी मीठी नींद पाने वाली किस्मत का मालिक होगा।

छटे-छटा

मुलम्मा-गिलिट किया हुआ, चांदी या सोने का पानी चढ़ाया हुआ, कलई

शाहाना-राजा जैसा रहन सहन

नसीबा-भाग्य

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

बृहस्पत-मंगल

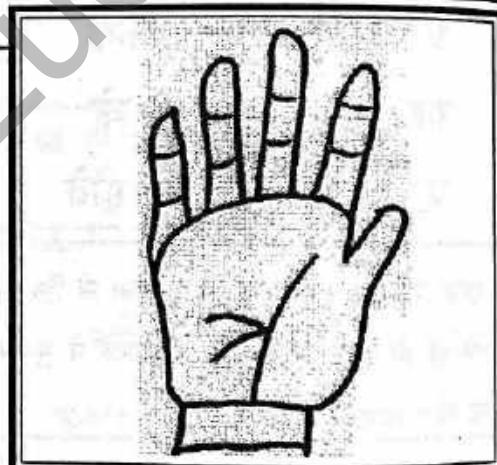
मंदी हालत

मंगल बद हो तो ढाल की तरह बदबू
 अपने ही धाईबंदों की बीमारी 31 साला
 उम्र तक और नुकसान 5 साला उम्र तक
 मुखलफत मर्दी-रिश्तादारों
 की मौतें और मातम आम होंगे।
 सनीचर के बुरे वक्त में बृहस्पत किस्मत का फैसला करेगा।
 बृहस्पत के बुरे वक्त में सनीचर किस्मत का फैसला करेगा।



खाना नम्बर-2 -मंदा फल जब

मंगल बद का ताल्लुक होवे।



खाना नम्बर-5 -दान लेने से सोने को कोढ़ होने की तरह गुर्तने वाले
 शेर का भूक मारे सांस बंद हो जाने की मानिंद किस्मत की मंदी हवा जिस्म के
 खून को कम करने लगेगी।

खाना नम्बर-6 -बुध और केतु दोनों ग्रहों की अश्या कारोबार या रिश्तादार
 मुतअलिलका औलाद पर खासकर मंदा असर लेंगे।

बदबू-बद किस्मत, अधारा, बदनसीब

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

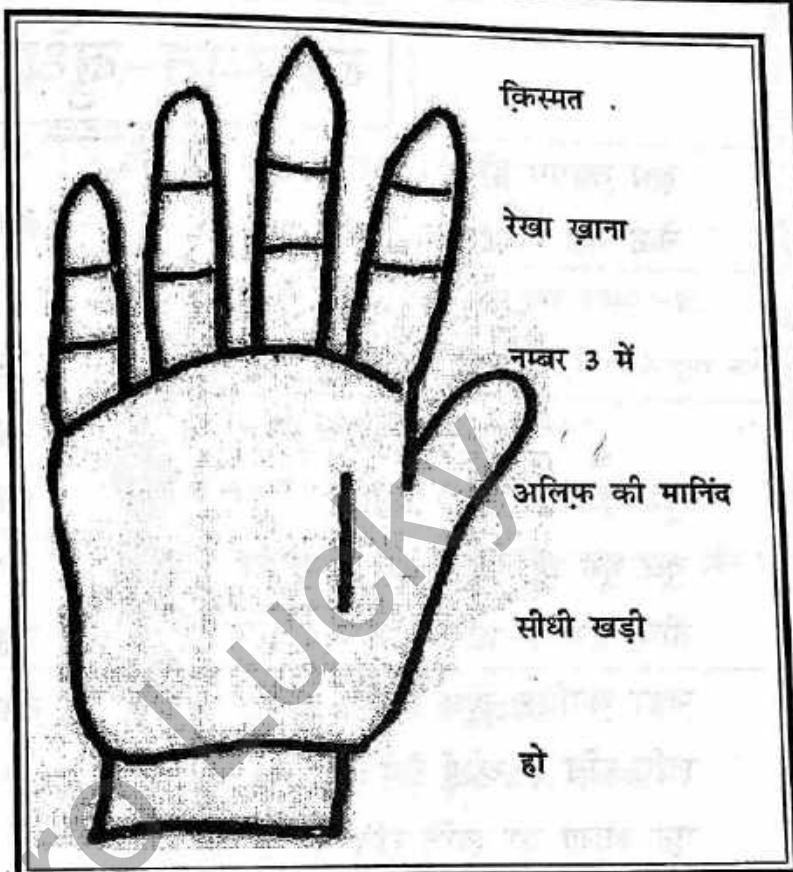
मुखलफत-विरोध, शक्ति, दुश्मनी
 सनीचर-शनि ग्रह

ताल्लुक-संबंध
 अश्या-वसुएं, चौबे

खाना
 होते हुएखाना
 के अपनेखाना
 ग्रह के

माकूल-

खाना नम्बर-7 -माकूल आमदन
होते हुए भी क़ज़ाई ही होगा



खाना नम्बर-8 -दोनों ग्रहों का जब कभी मंदा असर होवे तो वह कुण्डली वाले
के अपने ही खानदान वालों पर चलता होगा।

खाना नम्बर-11 -बृहस्पत और मंगल की अश्या रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिका हर दो
ग्रह के बाहर किस्मत की हर तरफ मंदगी होगी।



माकूल-उचित, योग्य

क़ज़ाई-त्रहणग्रस्त, कर्जे में रहने वाला

मुतअल्लिका-संबंधित

बाहर-बिना

बृहस्पत-बुध

बुध क्रायम हो गुरु ख्वाह उत्तम
नेक चंद्र रवि होता जिस दम

वरना

दही हो
१ गुड़ रहे^२ (सूरज)
गुरु घरों या साथी बैठा
बुध गुरु को जिस दम देखा
तीन पांच ९-१२ बैठा
ज़हर क्रातिल बुध हरदम होगा
शनि रवि से कोई टेवे
गुरु आया घर शनि रवि के
कँद ख़त्म हो गुरु की दुनिया
गुरु बुध^३ से कोढ़ी होता

भला शनि जब होता हो
लेख असर सब उम्दा हो

आ लिक्खी बुध-फ़कीर
न हो मक्खी (सनीचर)
धरमी बेटा बुध होता हो
गुरु कँदी हो जाता हो
पहले चंद्र से अकेला हो
निस्फ़ सदी तक मंदा हो
पांच दूजे ९-१२ हो
कँद रिहाई पाता हो
असर भला हर दो का हो
उपदेश भला गुरु देता हो

बृहस्पत का असर आगर एक हिस्सा हो तो बुध का २ गुना होगा।

१ ख़ाली बुध होगा (क्राविल उपाओ बुध का ही उपाओ होगा) २ बृहस्पत बुध इकट्ठे हों तो पिता के लिए बुध का असर मन्दरजाजैल हालत का होगा।

नम्बर 2 में सोने की राख़ कर देवे।

३ फ़कीर (बुध)

नम्बर 3 में बतौर अक्ल ज्ञान मगर माली हालत में निर्धन

४ मायूस (सनीचर)

नम्बर 9 में सोने को कोढ़ (सोना बरबाद) होगा

५ रिज़क (सूरज)

नम्बर 11 में आमदन के ताल्लुक में यह ग्रह अब उल्लू का पट्टा मंदा बरबाद करने वाला होगा।

गुरु-बृहस्पति ग्रह
कँद-गिरफ़तारी, कारावास

रवि-सूर्य ग्रह

क्राविल-ज्ञानी, योग्य, कुशल

फ़कीर-साधु, मांगकर खाने वाला

दूजे-दूसरा

निस्फ़-आधा

मन्दरजाजैल-निनालिखित

मुश्तरका हालत में दौलत ख़राब करे 8 साला उम्र से 25 साला उम्र तक }
मुश्तरका हालत में बाल्दैन दुखिया 17 साला उम्र से 25 साला उम्र तक }

बृहस्पत के साथ या जब बृहस्पत के असर में बुध का असर दृष्टि के हिसाब से आकर
भिल रहा हो तो बृहस्पत का ही नाश होगा मगर

जब बृहस्पत कुण्डली के पहले घरों यानी 1 ता 6 में हो } बृहस्पत का 34 साला उम्र तक अच्छा फल
और बुध कुण्डली के बाद के घरों यानी 7 ता 12 में हो } और बुध का 35 वें साल से बुरा असर शुरू होगा

जब बुध कुण्डली के पहले घरों यानी 1 ता 6 } बुध का 34 साला उम्र तक अच्छा फल
में हो और बृहस्पत कुण्डली के बाद के घरों } और 35 वें साल से बुध का निकम्मा फल शुरू
यानी 7 ता 12 में हो } होगा बृहस्पत का 34 साल उम्र तक मंदा फल और 35
वें साल से बृहस्पत का अच्छा फल शुरू होगा

बृहस्पत और बुध मुश्तरका होने के बक्त बृहस्पत का असर मंदा ही होगा बल्कि बृहस्पत
को बुध फौरन अपने दायरा में बांध लेगा। ऐसी हालत में बृहस्पत का बिगड़ा हुआ असर मन्दरजा-
जैल हालत पैदा होने पर ठीक होगा।

सनीचर के घरों (ख़ाना नम्बर 10-11)

जब (1) बृहस्पत अपनी चाल के हिसाब से (बमूजिब वर्षफल) या सूरज के घर (ख़ाना नम्बर 5)
में आ निकले या (2) सनीचर में से कोई भी (बमूजिब वर्षफल) बृहस्पत के घरों
(2-5-9-12) में आ निकले। (3) सनीचर नम्बर 5 में आ जावे और सूरज नम्बर 2-5
9-12 में होवे

ऊपर कही हुई उन सब हालतों के बक्त अगर सूरज या चंद्र या सनीचर में से
कोई भी नेक होवे तो बृहस्पत का असर नेक होगा। धन दौलत के लिए कुछ भरोसा
और उम्मीद उम्दा होगी वरना फोकी और तबाह करने वाली कहनियों में रात गुज़ारता होगा।
ख़ाना नम्बर 2-4 में बुध अकेला या बृहस्पत बुध मुश्तरका होने के बक्त बुध
दुश्मनी की बजाए हमेशा नेक असर देगा। ख़ासकर माली हालत में कभी मंदा असर
न होने देगा।

मुश्तरका-मिले जुले

बमूजिब-अनुसार

बाल्दैन-माता पिता

वर्षफल-वर्षफल

मन्दरजाजैल-निम्नलिखित
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

नेक हालत

दस्ती दिमागी कामों में उम्मा असर मार धन दौलत के लिए कभी शाह कभी रावाह
अचानक अमीर अचानक फ़क़ीर (निर्धन) होगा। अपनी ही अक्ल से बारौनक हुआ करेगा।

कियाफ़ा -(दायरा के अंदर दूसरा दायरा चक्कर होगा)

चक्कर का असर उंगली की पोरी (नाखून वाला हिस्सा) पर पूरा असर देगा। दाँए हाथ की ६ हथेली पर मद्दम फल और बाँए हाथ की हथेली पर ख़राब फल होगा।

ख़ाना नम्बर-1 -राजा -अमीर या हाकिम होगा। (एक चक्कर का असर होगा)

ख़ाना नम्बर-2 -ब्रह्मज्ञानी-धन और उपदेश उम्मा होगा। (3 चक्कर का असर होगा)

ख़ाना नम्बर-3-

लेख शाकिर यक तरफ़ा तबीयत
माया दौलत और साथ हुकूमत

शुक्कर मंदा खुद होता हो
दलेर बहादुर दुनिया हो

साविर- शाकिर और दिलावर बहादुर होगा।
(7 चक्कर का असर होगा।)



ख़ाना नम्बर-4-

राजयोग बुध गुरु हो ऊंचा

हरदम मुबारक होता हो

काम कायर जब पापी करता

खुदकुशी कर मरता हो

पितृ रेखा (उम्र रेखा) का उत्तम फल। मंगल का असर बुरा न होगा। राजयोग (2 चक्कर का असर)

हाकिम-पदाधिकारी, अफसर

वालदैन-माता पिता

शाकिर-आभार भाने

फ़क़ीर-निर्धन, गरीब, कंगाल

दिलावर-शूर, वीर, बहादुर, साहसी, हौसलामद

ख़ाना नम्बर-

ख़ाना नम्बर-

ख़ाना नम्बर
बुध
सोना

ब्रह्मज्ञानी लड़के

ख़ाना नम्बर

ख़ाना नम्बर

नीच

मिले

खुशहाल भागव

ख़ाना नम्बर

दिन यानी 11-

नेक नाम और

मुतबन्ना-गोद, ति

इल्प-विद्या, ज्ञा

खाना नम्बर-5 -खुशहाल भागवान बशते कि कोई लड़का चौरबार पैदा हो चुका हो।

(5 चक्कर का असर)

खाना नम्बर-6 -पूजा पाठ

(6 चक्कर का असर होगा)



सिर रेखा
से शाखा
बृहस्पत
को हो

खाना नम्बर-7 -

बुध लड़की नर इस घर मंदा

लड़के भला न होता हो

सोना गुरु उस घर से उड़ता

मुतबन्ना सुखी न रहता हो

ब्रह्मजानी लड़की के टेवे के बक्तुं ^{बुध} बृहस्पत नम्बर 7 मुबारक होगा। (4 चक्कर का असर)

खाना नम्बर-8 -जब नम्बर 2 खाली हो बुध कभी मंदा न होगा। (8 चक्कर का असर)

खाना नम्बर-10-

नीच करम गो गुरु का हरदम

बुध शनि खुद बनता हो

मिले मिलाए हर दम उत्तम

माया क़बीला सुखिया हो

खुशहाल भागवान-अब बृहस्पत की हवा मंदे चक्कर से दूर ही होगी। 10 चक्कर का असर

खाना नम्बर-11 -जब नम्बर 3 मंदा हो बमूजिब वर्षफल दोनों ग्रह नम्बर 1 में आने के

दिन यानी 11-23-36 साला उम्र से मालामाल कर देगा। दौलतमंद इल्म व हुनर वाला शर्मसार

नेक नाम और सुखिया गृहस्ती होगी। (9 चक्कर का असर)



मुतबन्ना-गोद लिया हुआ (दत्तक) पुत्र

हुनर-कला

गुरु-बृहस्पति ग्रह

बमूजिब-अनुसार

इल्म-विद्या, ज्ञान, जानकारी

क़बीला-वंश, खानदान, एक दल के आदमी

शर्मसार-लज्जित

नेकनाम-कीर्तिमान

खाना नम्बर-12 -खुद अपने लिए नेक नसीब-लम्बी उम्र-खुश गुजरान मगर व्योपार ताल्लुक में मामूली ही व्योपारी होगा। (12 चक्कर का असर)

मंदी हालत

बृहस्पत (बाप या बाबा औरत का बाप ससुर) का सांस रुकता या बाप बाबे और ससुर को दमा की तकलीफ होगी। खुद टेवे वाले की अपनी गोयाई कम होने लगे या बोलने में शर्म आने लगे। माता पिता का सुख न देख सके या यतीम ही हो जावे। अपनी किस्मत की बजाए दूसरों की किस्मत देखने लगे। अपना ही बेड़ी डोब मल्लाह पिता के धन दौलत पर तबाही कबीला का भारी बोझ उसके जिम्मा होगा। सोना ख़त्म होने के अलावा बेइज्जती तकलीफ और फ़र्जी उम्मीदों के भी मंदे नतीजे।

खुद अपनी बेवकूफी से अपना ज़माना ख़राब किया करेगा और ख़राबी का वक़्त अमूमन जवानी के दिन होंगे।

खाना नम्बर-1 -गरीबी का मारा हुआ बेवकूफ साधु होगा।

खाना नम्बर-3 -शुक्कर मंदा होगा।

खाना नम्बर-4 -कायराना (बुज़दिल-हकीर आदमी) काम बाइसे तबाही और खुदकुशी होंगे।

पाप भरी कारिवाइयां बाइसे खुदकुशी होंगी।

खाना नम्बर-6 -अव्याशी

खाना नम्बर-7 -लड़के के टेवे के वक़्त बुध का असर मंदा होगा। धन दौलत से महरूम दुखिया-मुतबना रखे और वह भी बेमानी खुद मुफ़लिस व निर्धन हो या लाखोंपति बैठा हुआ भी दूसरों की मुसीबत पर

मुसीबत देखे मगर अबूल की कोई पेश न जावे। कभी शाह कभी मलंग। कभी खुशाहल कभी

बेड़ी डोब मल्लाह-खुद अपना ही नुकसान करने वाला मुफ़लिस-धनहीन, गरीब



बृहस्पत के सीधे ख़त औलाद होंगे जब बुध के बुज़ पर ही हों और शादी रेखा को काटें

अव्याश-व्याभिचारी, भोग विलासी

महरूम-बैंडी

यतीम-जिसके माता पिता न हो

गोयाई-बोलने की शक्ति

मलंग-चिंतामुक्ति

तुग (सीटी से भी तंग)

लड़की के टेबे में नम्बर 7 के बक्तु मुबारक फल होगा।

खाना नम्बर-8 - हमेशा बीमारी-चांदी की तार (खाण्ड का बरतन मिट्टी में जब तक न दबाया जावे) नाक में सिर्फ़ 96 घन्टे तक डालने से मौतों से बचाओ होगा। 16 ता $\frac{19}{22}$ साला उम्र में किसीत की हवा में मंदे बावबगूले-हर काम में उलटा चक्कर और मुकद्दर का मुकाबला करना पड़ेगा।

खाना नम्बर-9 - औलाद

शादी व गृहस्त बरबाद

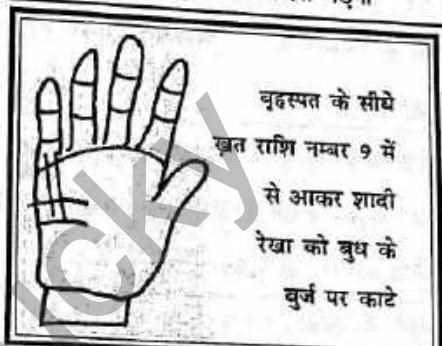
मनहूस बल्कि कम उम्र हो

जब बुध नम्बर 9

मंदा हो।

(अलादा अकेला बुध

में दी हुई शतों
के मुताबिक़)



बृहस्पत के सीधे
छत राशि नम्बर 9 में
से आकर शादी
रेखा को बुध के
बुर्ज पर काटे

बृहस्पत-सनीचर

सन्यासी फ़क़ीर की माया जिसका
भेद न खुल सके)

गुरु बारिश की हवा जो बनता
दोनों इकट्ठे मींह हो बरसता
फ़क़ीर झोली धन रेखा गिनते
माया व दौलत दिन शादी बढ़ते
शुक्कर देखे जब दोनों बैठा
नज़र केतु जब दो पर करता

पहाड़ शनि बन बैठता हो
समन्दर सहरा नहीं देखता हो
तीन छटे 7-9 वें जो
बैठें तख़ा पर जिस दिन वह
पहाड़ माया धन मिट्टी हो
औलाद मासूमी मरती हो

मीह-बरसात-बारिश, वर्षा

सिफ़-केवल

मुताबिक़-समान, बराबर

मासूमियत-भोलापन, सिधाई

तख़ा-सिहासन

सहरा-जंगल

श्री गणेशाय नमः सब के पूजने की जगह होगी। किस्मत के ताल्लुक में फ़क़ीर की झोली जिस के अन्दर के हाल के मुतअलिलका बुरा या भला शुरू और आखिर जानना मामूली बात न होगी। किस्मत का फ़ैसला ख़ाना नम्बर 11 के ग्रह करेंगे। अगर ख़ाना नम्बर 11 ख़ाली ही हो तो सनीचर की ज़ाती हालत का फ़ैसला बहाल और प्रबल होगा। दोनों मुश्तरका के टेवे वाले की 34 साला उप्र तक बालिद की उप्र के बासे और 43 साला उप्र तक धन दौलत के लिए इकट्ठे गिने जाएंगे। इस मिलावट में अगर सनीचर का असर 4 हिस्से हो तो बृहस्पत का 5 गुना शामिल होगा टेवे वाले के अपने ताल्लुक में दोनों ग्रहों का असर उस के अपने कुव्वते ख़्याल और सोच विचार की ताक़त से मुतअलिलका होगा।

ऐसा शख़्स दूसरों को लोहे के लिए पारस का काम देगा उनको मालामाल कर देगा मगर खुद अपने लिए ख़्वाह कैसा ही मंदा हो जावे।	मुश्तरका बैठा होने के बक़्त जब सनीचर मंदे घरों में और बृहस्पत उम्दा
लोहे की तलवार तमाम दुनिया की मंदी हवा (मुसीबतों) को काटती हुई चली जाएगी।	लेकिन जब मुश्तरका बैठा होने के बक़्त बृहस्पत मंदा और सनीचर क़ायम हो दोनों मुश्तरका के बक़्त सूरज नम्बर 1 में आ जावे।
(1) जब सनीचर बृहस्पत दोनों उम्दा हों तो उत्तम और नेक नतीजे होंगे।	दोनों मुश्तरका के बक़्त सूरज नम्बर 1 में आ जावे।
(2) जब सनीचर बृहस्पत नीच या मंदे घरों के हों राज दरबार का कमाया हुआ धन और जिस्म का कोई न कोई हिस्सा (अंग) दोनों चीज़ें ही बरबाद होगी।	
(3) सनीचर उम्दा मगर बृहस्पत मंदी हालत का हो तो राज दरबार का कमाया हुआ धन बेशक बरबाद हो जावे मगर अंग नहीं (जिस्म का हिस्सा ज़ाया) हो जाने की शर्त न होगी।	
(4) जब बृहस्पत उम्दा और सनीचर मंदी हालत का हो तो जिस्म का कोई न कोई हिस्सा (अंग) ज़ाया होना माना है मगर धन दौलत बरबाद होने की शर्त न होगी।	

ताल्लुक-संबंध

बालिद-माता पिता

ख़्वाह-चाहे

कुव्वते-शक्ति, बल, ताक़त

बृहस्पत सनीचर
शुरू होने का उस
जाने (सूरज 20-21)

जब टेवे वाला सब
वाला साविर और
दोनों जहानों के म
हालत में दोनों ग्रह
नम्बर 1 जहां सनी
का हो जावे। दोनों

ऐसे शख़्स में
होंगी। ज़िदगी (उ
बरी होगी।

ऐसे शख़्स का
बहुत मगर क़ीमत
(बाप बाबे की
शादी के दिन स

ख़ाना नम्बर

इल्म की कमी

सेहत अफ़ज़ुल

इश्क़ क न होगा

साविर-सब्र क

ख़्याल

बृहस्पत सनीचर मुश्तरका को देखने वाले घर के ग्रह जगाएंगे और किस्मत के शुरू होने का उस ग्रह की उम्र का साल होगा जो ग्रह कि उन को देखता या जागता होवे यानी (सूरज 20-22 चंद्र 24 मंगल 28 वृग्रह वृग्रह)

नेक हालत

जब टेवे वाला सबके मालिक से सिर्फ अपनी किस्मत का हिस्सा मांगने वाला साबिर और शाकिर (शुक्र करने वाला) हो तो सनीचर की माया दोनों जहानों के मालिक बृहस्पत गुरु के पावों की गुलाम होगी। ऐसी हालत में दोनों ग्रहों से ख़ाव कोई भी नीच घर (यानी दोनों मुश्तरका नम्बर 1 जहां सनीचर नीच है या नम्बर 10 जहां बृहस्पत नीच है) का हो जावे। दोनों का ही फल उम्दा होगा।

ऐसे शख्स में कुव्वते ख़्याल और सोच विचार की ताक़त दर्जा कमाल होगी। ज़िंदगी (उरुज) बढ़ने की ताक़त और खुदाई मगर हसद से बरी होगी।

ऐसे शख्स का धन मानिंद मिट्टी का पहाड़ होगा। दिखलावा बहुत मगर क़ीमत कम। ऐसा धन उसके अपने ख़ानदान (बाप बाबे की तरफ़ का हिस्सा) और औरत के काम आवे। शादी के दिन से ऐसा धन बढ़ेगा।

दोनों को
शुकर देखता
हो

और बाएं हाथ की हथेली
पर ख़राब असर होगा।

ख़ाना नम्बर-1 -साधु या गुरु मगर मुफ़्लिस।

ख़ाना नम्बर-2 -आलिम और विद्यापति होगा जिसकी बुनियाद और फ़ैसला सनीचर की हालत पर होगा।

इस की कमी बेशी पर नसीब की चमक या स्याही या उस शख्स की नेकी बदी की कोई शर्त न होगी।

सहेत अफ़ज़ा पहाड़ की तरह दोनों मुश्तरका से ऊंच चंद्र उत्तम और उम्दा फल होगा। बदनाम

इश्क न होगा और न ही ग़लबा इश्क होगा बल्कि हक़ीकी लगन होगा।

साबिर-सब्र करने वाला
ख़्याल-विचार

शाकिर-शुक्र करने वाला

हसद-ईर्ष्या, जलन

मुश्तरका-मिले जुले

कुव्वते-शक्ति, बल
मुफ़्लिस-धनहीन, गरीब, कंगाल

खाना नम्बर-3-

दर्जा औसत की दौलत मंदी
उम्र शनि गुरु-माता पिता की

आराम बुढ़ापे पाता हो
मिट्टी दौलत ज़र उड़ता हो

दौलत मंद मगर औसत दर्जा ज़िंदगी-बुढ़ापे में आराम पावे।

खाना नम्बर-4 -मशहूर ज़माना होगा। सांप अमूमन लोगों को मारे मगर अब खुद सांप मारने की बजाए तार देगा यानी अगर सांप लड़े तो अधरंग भी ठीक हो जावे और नाकारा जिसम मज़बूत और काम का बन जावे।

खाना नम्बर-5 -साधारण किस्मत जैसी कि बाक़ी ग्रहों से ज़ाहिर हो। बड़ी इज़्ज़त आबरू पावे मगर सूरज के नेक असर में ख़ुशबी ही होवे। अमूमन करम धरम (बृहस्पत के कारोबार) बाईसे तनाज़ा होंगे या सरकारी ताल्लुकात (सूरज के कारोबार) झगड़े को बुनियाद होंगे। बहरहाल अदालती मुकद्दमात दीवानी या अपने से बड़े अफसरों या हाकिम वक़्त से बेशक अदावत व नुक़सान होवे मगर फ़ैसला हक़्क में होगा। जब तक ऐसा शारूप सनीचर की तबीयत (चालाकी मक्कारी और सनीचर की खुराक (शराब-कबाब-ज़िनाकारी) का आदी या दिलदादा न होवे)

खाना नम्बर-6 -औरत का सुख पूरा होवे।

} सनीचर क़ायम मगर बृहस्पत चुप
यानी नम्बर 2 में राहू या केतु

तर्जनी मद्दमा से
योड़ी छोटी सनीचर
क़ायम बृहस्पत मंदा

मद्दमा
तर्जनी

ज़र-धन, दौलत

अमूमन-आमतौर से

तनाज़ा-झगड़ा

अदावत-विरोध, अप्रसन्नता

ज़िनाकारी-व्यभिचार, जारकर्म

दिलदादा-आसक्त, मोहित, मुथ

खाना नम्बर-7
चंद्र शुक्र
गरीब प
नष्ट मंद
बुध रात

सनीचर के वाकिस
(सनीचर) या अश
नेक फल देंगे जि
बद्दा और बरक
ख़सलत-नेक ख़ु
बरकत बढ़ने वा
का असर होगा।
गरीब को धन
तख़ा बनावे। स
मछली की तरह
जल्दी और बह
बृहस्पत की
चीज़ आख ज
रहे का मालिन
हुई मिट्टी में
पानी में भी न
(बे) सूरज
ख़बाह-चाहे
तख़ा

खाना नम्बर-7-

चंद्र शुक्कर या मंगल उम्दा
गरीब पाए धन दौलत दुनिया
नष्ट मंदा शनि तीन द्रोही
बुध राजा ख्वाह तीन से कोई

उत्तम रेखा मच्छ होता हो
अमीर तख्त ज़र पाता हो
उलटी रेखा मच्छ होती हो
नष्टी शुरू आ होती हो

सनीचर के वाकिआत (कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका
सनीचर) या अश्या मसलन नया मकान जायदाद वगैरह सब
नेक फल देंगे जिनके खर्चने पर धन दौलत और भी
बढ़ेगा और बरकत देगा। खुद ऐसा शख्स नेक
ख़सलत-नेक खून-भला लोग-भले काम करने वाला होगा।
बरकत बढ़ने वाली “मगरमच्छ रेखा”
का असर होगा। मच्छ रेखा” या मगरमच्छ रेखा”
गरीब को धन और अमीर को वालिए
तख्त बनावे। सनीचर की चीज़
मछली की तरह औलाद (यानी जिस तरह जल्दी
जल्दी और बहुत ज़्यादा तादाद में मछली अंडे देती है)
वृहस्पत की चीज़ मेंढक का सांस और सनीचर की
चीज़ आंख जो पानी और खुशकी में देखती
रहे का मालिक सब तरफ से बंद की
हुई मिट्टी में भी सांस लेता रहे या
पानी में भी सांस ले सके और खुशकी पर भी।

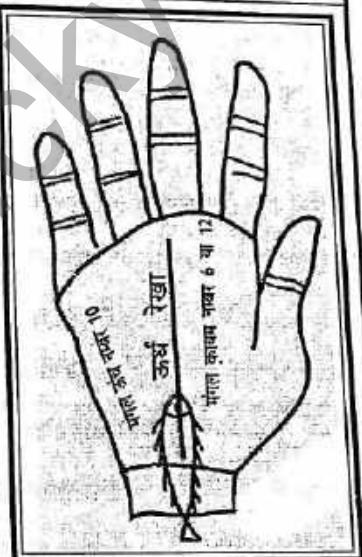
(बे) सूरज-चंद्र मंगल तीन दुश्मन का ताल्लुक

ख्वाह-चाहे

तख्त-बादशाह का सिहांसन

ख़सलत-आदत, विशेषता, गुणधर्म

मसलन-जैसा



ताल्लुक-संबंध

तादाद-संख्या, गिनती

बृहस्पत-सनीचर

बढ़े परिवार-लोह-लंगर सिवाय। ऐसा शख्स बड़े
ही क्वाला वाला होगा। अबल तो वह 9 भाई (नौ ग्रह)
और 2 बहनें (जन्म और चंद्र कुण्डली) या 7 भाई
और 3 बहनें होंगे। उस की शादी अमूमन
16 और 25 के दरमियान होगी और जल्दी
जल्दी औलाद पैदा होगी। अनाज पैदा करने वाले
और अनाज खाने वाले कीड़ों की तरह बढ़ते जाएंगे। आदमियों की इतनी बरकत होगी कि अगर अपने
ब्रह्म के साथी मौजूद न हों तो रोटी खाने वाले मेहमान ही हाजिर हो जाएंगे और सनीचर का उत्तम असर होगा।
शुकर क्रायम से औरतज्ञात के ताल्लुक से बढ़े और अपनी खुदमुझारी से
चंद्र क्रायम पर माता की तरफ से बढ़े। अपने भाई बंद सब मददगार होंगे और चंद्र का पूरा उत्तम फल होगा।
मगर 25 साला उम्र के बाद अपनी औलाद की पैदाइश बहुत जल्द जल्द न होगी। माता
की उम्र लंबी होगी और मंगल क्रायम खासकर मंगल जब खाना नम्बर 6 तो 12 में क्रायम या ऊंच बैठा हो।
के बक्त चंद्र या शुकर का बुरा असर न होगा। दौलतमंद होगा मगर ज़बरदस्ती लोगों का माल इकट्ठा करते
करते भागवान होगा जो दुष्ट भागवान भी कहलाया जा सकता है।

खुलासतन बृहस्पत सनीचर मुश्तरका नम्बर 9 में दिया हुआ फल साथ होगा।

खाना नम्बर-8 -दरमियाना धन मगर लम्बी उम्र अब खाना नम्बर 8 मारग अस्थान (मौत का घर) न होगा यानी ऐसे शख्स के होते हुए घर में कोई ज़्यादा या सख्त बाक़िआत या तबाह करने वाली मौतें न होंगी। बल्कि तादाद मेम्बरान जानदारान बढ़ती ही होगी।

खाना नम्बर-9 -निहायत भारी और मुवारक क्वाला
खुद बढ़े दूसरों को तारे। जायदादों और
धन के लिए लम्बे पैमाना का होगा। गो अब खुद अपनी कमाई
का हिस्सा कम होगा मगर अमीरों में अमीर होगा। अब धन
जो खुद अपने हाथों ख़ुचें और बरते और जिस धन

दरमियान-बीच में

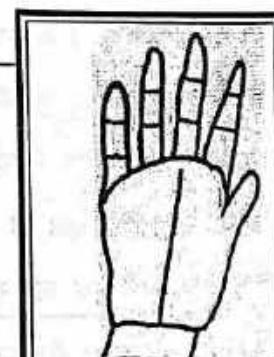
ताल्लुक-संबंध

खुलासतन-संक्षेप में

मेम्बरान-संस्करण

खुदमुझारी-स्वच्छंदता, मन की मौज, स्वतंत्रता, स्वाधीनता, आजादी

मारग अस्थान-मौत का घर



से दूसरों का बुरा न होगा। ऐसे शख्स में सनीचर कंवर करकर होगी। लोग तो उन अपने लिए वह निहायत न अपने बाप का मरीज (उन धरम का पावंद न होगा) तो सिर्फ़ धन से ही हुआ वही मुवा यानी खाना नम्बर-10

मान सरोवर

माया न्याय

अपने लिए निहायत

खाना नम्बर-1

शनि बृह

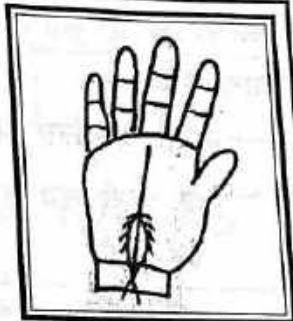
बुध दब

किसत का फैसल
और खाना नम्बर
तो सनीचर नम्बर

ऐसे शख्स की
ही फायदा होगा
मोहब्बत पक्की
नफा-फायदा

बृहस्पत-सनीचर

से दूसरों का बुध न होगा और न ही दूसरों को नफा देगा।
 ऐसे शख्स में सनीचर की आंख की होशियारी की पूरी
 ताकत होगी। लोग तो उसे दुष्ट कहेंगे मगर
 अपने लिए वह निहायत ही भागवान दौलतमंद होगा।
 न अपने बाप का मरीज न ही दूसरों से हमदर्दी
 (न धरम का पाबंद न दीन का लिहाज) मोहब्बत अगर होगी
 तो सिर्फ धन से ही होगी खावह वह ठगी से खावह फ्रेव से इकट्ठा हो सके। जो उससे
 हुआ वही मुवा यानी छोटी मोटी मछलियों को खाकर बड़ा मगरमच्छ होगा और लम्बी उम्र होगी।



खाना नम्बर-10-

मान सरोवर दुनिया बनता
 माया न्यासरी जो गुरु देता

गणेश दाता सिद्ध होता हो
 शनि सफा चट करता हो

अपने लिए निहायत उत्तम श्री गणेश जी की इज्जत का मालिक

खाना नम्बर-11-

शनि बृहस्पत 11 राशि
 बुध दबाया हो या मंदा

दोनों बुध से चलते हैं
 दोनों निष्फल जाते हैं।

किस्मत का फैसला खाना नम्बर 3 के ग्रहों से होगा
 और खाना नम्बर 5 का कोई असर न होगा। अगर नम्बर 3 खाली हो
 तो सनीचर नम्बर 11 का दिया हुआ फल होगा।

ऐसे शख्स की दोस्ती से दूसरों को फ़ायदा
 ही फ़ायदा होगा खुद खावह वह एक कौड़ी का ही होवे
 मोहब्बत पक्की और हक्कीकी इश्क का आदमी होगा। लोहे को



नफा-फायदा

खावह-चाहे

न्यासरी-जो किसी के काम न आवे

हक्कीकी इश्क-सच्चा प्यार, वास्तविक प्यार

मुवा-मरा हुआ

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

बृहस्पत-सनीचर

पारस की तरह मदद देगा।

खाना नम्बर-12-

बढ़ते कबीला साल मंगल के
शत्रु 6 वें का तख्त पे आते

नेक भागवान अब न राहु का मंदा असर और न
ही केतु का फल बुरा होगा।

सनीचर और बृहस्पत का नम्बर 12 में जुदा जुदा दिया हुआ हाल
होगा। उसका धन शादी के दिन से और भी बढ़ेगा। चंद्र शुक्रकर
मंगल के नेक या भद्रे होने पर क्रिस्मस का वही अच्छा या बुरा
असर होगा जो बृहस्पत सनीचर नम्बर 7 मच्छ रेखा में दिया है।
अब मच्छ रेखा तो होगी मगर आस्जी होगी। कभी तो बेफिक्क
सोने का दान करता है और कभी रात को च्यूटियों भरी चारपाई से
दुखिया हो रहा है। चंद्र की पूजना मदद देगी।

चिराग बुलंदी होता हो
हानि चोरी धन जाता हो



मंदी हालत

शारबख़ोरी से सनीचर का नेक
असर बरबाद। खैरात का माल
लेकर खाने वाला या दूसरों के
मुफ्त माल पर नज़र रखने वाला

होने से बृहस्पत का उत्तम
असर जाया होगा।

बुढ़ापे में तकलीफ होवे। जिसमानी हालत में
बीमारियां कुदरती कमज़ोरी और मंदी ख़ाहिशात होंगी

आस्जी-अस्थाई

कबीला-वंश खानदान

च्यूटियों-चींटी



ख़ाहिशात-इच्छाएं, अभिलाषाएं

खैरात-दान

सनीचर-शानि ग्रह

जोलाइ पर बड़ी
मकान में शार ए
खाना नम्बर-
खाना नम्बर
(बमूजिब वर्षफ
तो हो सकता है
जिस की पहली
खाना नम्बर
(धन दौलत)
खाना नम्बर

औरत से रंजी
औरत खानदा
होवे।

खाना नम्बर-
धन दौलत
में बेशक त

जब भी न
भी नम्बर
शारए आप

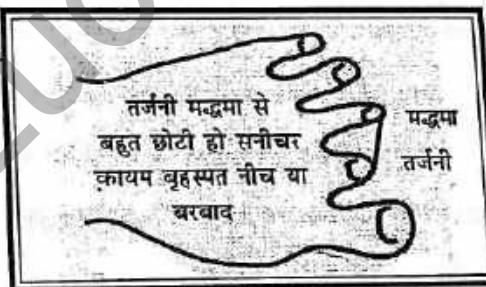
ओलाद पर बड़ी हवा के हमले (जिन भूत की मार) खासकर जब उस के प्रकान में शार ए आम से सीधी आने वाली हवा का ताल्लुक हो रहा हो } दोनों को केतु देखता हो

खाना नम्बर-1 -जब सनीचर मंदा तो काग रेखा वाला (मंदा) हाल ही होगा।

खाना नम्बर-2 -बीमारी-बृहस्पत सनीचर नम्बर 2 (बमूजिब जनम कुण्डली) जब वापिस नम्बर 2 (बमूजिब वर्षफल 9-21-33-45-57-65-74-96-105-117 साला उग्र में आवें तो हो सकता है कि बृहस्पत की मुतअल्लिका अश्या अपनी सेहत और वालिद की उग्र तक मंदा असर हो जिस की पहली निशानी सनीचर की अश्या की मारफत होगी। सनीचर का उपाओ मददगार होगा।

खाना नम्बर-3 सनीचर खुद निर्धन होता है। सनीचर की (9-18-36 साला) उग्र में पिता (धन दौलत) के ताल्लुक में मंदा होगा।

खाना नम्बर-6 औरत } सनीचर कायम मगर बृहस्पत का सुख हल्का } नष्ट (बरुए दृष्टि नम्बर 2)



और से रंजीदा और और खानदान गरीब होवे। } बृहस्पत कायम मगर सनीचर बरुए दृष्टि नम्बर 2 रद्दी या मंदा।



खाना नम्बर-7 लड़की की पैदाइश (बुध के मुतअल्लिका रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिका बुध) से धन दौलत (बृहस्पत) का बुरा फल बल्कि बरबाद मगर सनीचर पर बुध का कोई बुरा असर न होगा। बचपन में बेशक तकलीफ रहे।

जब भी नष्ट या नीच ग्रहों (चंद्र या शुक्र या मंगल) से कोई भी नम्बर 1 में आवे बरकत घटने वाली मगरमच्छ रेखा होगी या चंद्र शारए आम-आम गस्ता } दोनों नम्बर 7 या 12 और चंद्र या शुक्र वर्षफल-वर्षफल अश्या-चीजे, बस्तुएं वालिद-माता पिता उपाओ-उपाय ताल्लुक-संबंध रंजीदा-गुमगीन, दुःखी

बृहस्पत-सनीचर

(माता) शुक्रकर (स्त्री) मंगल (बड़ा भाई या बाप का बड़ा भाई ताया माता का बड़ा भाई माम्) के ख़ुतम होने लड़ाई झगड़े से अलाहदा या अदावत पर होते ही बरबादी खड़ी होगी। हो सकता है कि ऐसा शख़्स ज़ानी और अव्याश हो जिसे जुबान का चस्का बरबाद करे या शादी होते ही (शुक्रकर) माता चल बसे और पिता बुध के अरसा (34 साला उम्र) में अपना साया उठा ले।

या मंगल नष्ट या
नीच हो

सनीचर की उम्र (9-18-36 साला) में घर की माली व दूसरी हालत हर दो निहायत ही मंदी होगी-मिट्टी के तबे माने हैं।

सूरज नम्बर ।

खाना नम्बर-10 -अब सनीचर अपने घर में साथ बैठे हुए बृहस्पत और सामने आए हुए सूरज नम्बर 4 दोनों ही को जला देगा। सूरज खुद तो बेशक जल जाएगा मगर वह (सूरज) खाना नम्बर 4 में बैठा होने की वजह से चंद्र की मदद के कारण उन तमाम पत्थरों को जो शनि ने जलाकर स्याह कर दिए हैं चमकते हुए कीमती लाल बना देगा मगर सनीचर की उस ज़हर से बृहस्पत न बच सकेगा। यानी उसका धन न्यासरी माया होगी। जो दूसरों को तबाह करके छोड़ेगी शहवत परस्ती (बुध का ताल्लुक दृष्टि बौरह) से सनीचर का मंदा फल पैदा होगा और तंगहाली होगी। ठगी और बद्दियानती की कमाई का धन (सनीचर की माया) बेशक 12 साल तक साथ देगा मगर बृहस्पत की दौलत साथ न देगी। मंदी हालत के बक्तु बृहस्पत का ताल्लुक (बृहस्पत की अश्या-रितादार या कारोबार बृहस्पत) दौलत बढ़ाता जाएगा। ख़बाह सनीचर बरबाद ही करता जावे

सूरज नम्बर 4

खाना नम्बर-11 अगर टेबे में बुध निकम्मा हो तो क्रिस्मत का कोई भी भरोसा न होगा अपने लिए धन दौलत को तरसना ही पड़ेगा लेकिन अगर बुध भला हो तो लोहे का गुब्बारा हवा में उड़ता रखने की हिम्मत का मालिक होगा।

अदावत-विरोध, अप्रसन्नता

शहवत परस्ती-व्यधिचार
बद्दियानती-अमानत में खियानत करना, बेइमानी, धोखेबाजी

न्यासरी-जो किसी के काम न आवे
सनीचर-शनि ग्रह

बृहस्पत
दोनों के
बृहस्पत
है गंज
घर से
तकिया
चलते
गुरु ल
धुआं
दुनिया
झगड़
24. चंद्र
25. शुक्र
लेटा
.28
मगल
केतु

1 गहु की
2 केतु के
(टेबे व

बे-

गंज-निधि, ख़ज़ा

बृहस्पत-राहु^{बे}

बृहस्पत गिना पवन तो
 दोनों के चलने फिरने को
 बृहस्पत का प्रण है ये
 है गंज ने क़सम पाई
 घर से चले थे एक से
 तकिया फ़क़ीर साधु का
 चलते सुबह से दोनों थे
 गुरु लगा समाधि में
 धुआं हटे न साधु जागे
 दुनिया के सब साथी बदे
 झगड़ा बढ़ा तवील तो
 24. चंद्र बना है घोड़े तो
 25. शुक्कर बना जो मिट्टी था
 लेटा पड़ा जो सांप था
 36. 28. मगल ने शीरी छोड़ी थी
 केतु के आते आते ही

राहु धुआं हुआ
 बृथ आकाश बन गया
 टेढ़ा कभी न होगा
 सीधा न वह चलेगा
 अब 12 हो गया
 धुआं धार हो गया
 तब शाम हो गया
 सुनसान हो गया
 दोनों अपनी लय में हैं
 इन दोनों की शरण में हैं
 22 साल सूरज भी आ गया
 17 बृथ पहिये हो गया
 अब लक्ष्मी हुआ
 अब भैरों हो गया
 अब चीता हो गया
 सब ख़्वाब हो गया

- १ राहु की 19 साला महांदशा।
 २ केतु के आते आते ही केतु (48-24-12 साला) उम्र या नर औलाद को पैदाइश पर बशर्ते कि वह (टेवे वाला) समुराल घर का कुत्ता न बने वरना पोते के जन्म पर बृहस्पत का सोना बहाल होगा।

बे- फ़क़ीर की कुटिया में हाथी-बुजुर्गों को दमा की बीमारी

गंज-निधि, ख़ज़ाना, कोष

तवील-लंबा, दराज, विसृत

शीरी-मधुर, मीठ

ख़्वाब-स्वप्न, सोने की क्रिया

हाथी ने सिर टटोला तो
केतु जो गुरु^{गुरु} के नीचे था
बृहस्पत ने आंख खोली तो
राजा फ़क़ीर होते भी
गुरु राहु जब हों दो इकट्ठे
झगड़े फ़साद बेइन्ज़न्ज़त करते

टुकड़े हैं पाए दो
उसके भी रंग दो
देखे जहान-दो
किस्मत दो रंगी हो
शेर सोया गुरु होता हो
पीतल सोने का बनता हो

शेर और हाथी की लड़ाई या किस्मत के मैदान में ज़माना की सांस और ध्वांस की लहरें

ऐसे प्रानी के पैदा होते ही ज़माना के गुरु और बृहस्पत के गृहस्ती शेर के सांस की
हवाएं नीले आसमानी गुंबद के मालिक राहु के हाथी की चिंचाड़ों का चंडाल धुआं भरा तो किस्मत
की क़ौसो कुज़ह का रंग विरंगा नज़ारा अक़ल को चक्कर में डालता हुआ ख़ाली आकाश के मुहीत में
अपनी लहरों से इधर उधर दौड़ने लगा।
बृहस्पत का शेर आसमानी क़दूसावर हाथी की दौड़ धूप की उलझन की हवा से अपने
रास्ता पर चलता हुआ भर जाए कट जाए तो वेशक मगर वह हवाई सांस के चलते दम तक
अपने ज़ाती क़ौल से हटता और मुकाबला की शिद्दत की बजह से कभी झुकता न होगा। उसके मुकाबला
पर कड़कती हुई बिजली की ताक़त की मदहोशी से भरपूर अपने जिस्म को चोट दर चोट से
नीला करता हुआ शाहज़ोर हाथी तमाम दुनिया के मुकर्रर किए हुए रास्ता पर कभी सीधा न चलेगा।
गोया ज़र्द हवाई शेर दुनिया के क़ानूनी रास्ता पर सीधा चलने से न रुकेगा और आसमानी
नीला हाथी हर एक सीधे रास्ता को अपनी टेढ़ी चालों पर नापने से बाज़ न रह सकेगा।

एक सीधा चले दूसरा हमेशा ही टेढ़ा जावे व ऐसे दो साथी मुसाफिरों का मुश्तरका रास्ता कब बराबर होगा
मुहीत-छाया हुआ, आच्छादित, व्यापक, फैला हुआ, दरिया-नदी शाहज़ोर-शक्तिशाली, बलवान
मदहोशी-बे सुधपन, निश्चेष्टता, मतवालापन क़ौल-कथन, वचन, वात क़ौसा कुज़ह-इन्द्रधनुष गुरु-बृहस्पति ग्रह

किस्मत की ज़ाफ़रानी से टक्करी हुई सोने के गले हुए दम से उत्थन के भाव बिकने वाले दमकते हुए कुदन की किसी तेमाने में न जम लिए हुए एक या शेर और हाथी सी प्राणी का जदूदी चर तकिया की तरह धुअं जिसमें वह सुबह से न अपनी समाधि लग तरफ़ मुनसान (निहायी की किसी से भूली हर तरफ़ गरीबी और धुआं और साधु अवलुक्तदार) उन दब गया और मर्दी किस्मत से ख़ाली 20-22 वां साल कमाने लगे। राज दो हिस्से हुए। परियों की चौज सूरज के मुख्यमन्त्र-संक्षिप्त मुसाफिरी-यात्रों, प

किस्मत की जाफ़रानी (ज़र्द केसरी रंग) झलक कभी निर्धनी के धुएं की स्याह नीली शआओं से टकराती हुई सोने को अपनी दौड़ती हुई लहरों से पीतल बना रही है और कगी वह कोढ़ से गले हुए दम से उखड़े हुए और नीले ज़ंग से मरे हुए मर्दे पीतल के भाव बिकने वाले प्राणियों को बिजली की चमक की तरह दम के दम में झगमग झगमग करने वाले दमकते हुए कुंदन की तरह चमक दे रही है। मुख्तसरन ज़माना की दोरंगी की ऊँच नीच और तूल अँजु दुनिया के किसी पैमाने में नहीं बंधते।

¹² जन्म लिए हुए एक से बारह साल हो गए दोनों ग्रहों ने 12 ही खानों में चबकर लगाया या शेर और हाथी सीधे और टेढ़े चलते चलाते दुनिया की 12 ही तरफ़ों में धूम आए तो ऐसे प्राणी का जद्दी घर घाट एक किस्मत की हार में फ़ंसे हुए फ़क़ीर साधु के ऊँचे हुए तकिया की तरह धुआंधार ज़माना की मंदी ढवा से भर गया और मुसाफ़िरी का दिन या यह 12 साला चबकर जिसमें वह सुबह से ही रवाना हुए थे शाम पर आ पहुंचा। ज़माना का गुरु और गृहस्ती साधु ने अपनी समाधि लगा दी या किस्मत का शेर निर्धनी की ऐसी ज़ोर भरी नींद से सो गया कि हर तरफ़ सुनसान (निहायत ही मंदा ज़माना) हो गया। शेर की नींद मशहूर है और साधु की समाधि भी किसी से भूली हुई नहीं। न ही धुआं हटता है और न ही साधु और शेर जागते हैं।

हर तरफ़ गुरीबी और निर्धनी का अंबार दर अंबार भरता चला जा रहा है मगर वह दोनों शेर व हाथी और धुआं और साधु अपनी अपनी मस्ती में मशगूल हैं और दुनिया के सब साथी बदे (टेवे वाले के ताल्लुकदार) उन दो सोए हुए ग्रह चाली शेर और हाथी के पावों में दबे चले जा रहे हैं। जब झगड़ा बहुत बढ़ गया और मंदी किस्मत की रात के अंधेरे की कोई कमी बाक़ी न रही तो किस्मत से ख़ाली हो चुके हुए आकाश में सूरज का प्रकाश होने लगा या यूं कहो कि उम्र का 20-22 वां साल आ पहुंचा और जाती किस्मत के सूरज निकलने का चक्र हो गया। हाथ पांव कुछ कमाने लगे। राज दरवार से सहायता होने लगी मगर ज़माना के सूरज की रथगाड़ी के दो हिस्से हुए। पहिये। बुध का ज़माना या उम्र का 17 साला अर्सा और गाड़ी का बाक़ी हिस्सा असल मतलब की चौज सूरज का अहद या उम्र का 20-22 साला चक्र इस 20-22 साला उम्र में सूरज के रथ

मुख्तसरन-संक्षिप्त

मुसाफ़िरी-यात्री, पथिक, राहगीर

दोरंगी-दो रंग की

अहद-प्रतिज्ञा, इकरार, वचन, काल, समय चक्र

सूरज-सूर्य ग्रह

जाफ़रानी-ज़र्द केसरी रंग

शआओं-चौजों

के लिए अगर बुध का 17 साला अरमा पहिये का काम देने से तो चंद का ज़माना या 24 साला उम्र का बक्त उस रथगाड़ी के लिए धोड़ों का साथ भरने लगा या 17 साला उम्र में नेक तरफ़ और ऐसे काम करने को अक्ल आने लगी जो उत्तम नीति देवें। राज दरबारी रथ गाड़ी में माया दौलत के धोड़ों का साथ हो गया। इतने में शुकर खुद भिट्टी की हालत में हो चुका था। शादी की औरत के आने का बहाना और ज़माना की लक्ष्मी की लहरों में तब्दील होने लगा। भाई चंद खुद अपनी शेरों भूले दैर्ते थे जिनका खून सो गया था। 28 साला उम्र में मंगल का शेर गुर्जने लगा या वह सब साथी बदे मदद पर हो गए। माया दौलत की हिफाजत करने वाला इच्छाभारी साप या सनीचर के ख़ु़जांची का बक्सा जो धन से ख़ाली और मुर्दा रुह से लेटा हुआ था अब 36 साला उम्र में भैंस बली की तरह बुलंद हुआ। मकान बने आंखों की बीनाई बढ़ती और हर एक को भय आने लगा। गृहस्त परिवार माया दौलत में सुख की नींद से तरह तरह के डरम ख़ुब आने लगे। आल औलाद बढ़ने लगी और केतु के 48 साला उम्र का दीरा ज़ोर पर हो गया। ज़माना के गुरु ने सुख सागर की हड्डा का सांस मारा और गृहस्ती शेर की नींद सुली तो राहु की फैलाई हुई निर्धनी का मंदा भुआं और चंडाल हाथी अपने ही सिर को टटोलने लगा तो मालूम हुआ कि उसके दो दुकड़े हो चुके थे और केतु गुरु गद्दी आल औलाद लड़का जो गुरु के नीचे था उसके भी स्याह व सफेद (चितकबरा) दो रंग पाए गए और खुद बृहस्पत ने भी अपनी हस्ती और खुदी से बेदार होकर दो जहानों का दीरा किया या बृहस्पत का दूसरा दीरा उम्र का 49 वां साल जारी हुआ।

(बे) ग्रन्जिंकि ऐसा प्रानी राजा के हां जनम लेकर फ़क़ीर और फ़क़ीर के घर पैदा होकर राजा या ज़माना में उसकी किस्मत की दोरंगी ज़खर होगी और उसका तमाम मंदा ज़माना सिर्फ़ एक ख़बाब की तरह होगा जो लड़के के आते आते ही (पैदा होते ही) सब दूर होगा दोनों मुश्तरका से मुराद मस्नूई बुध का ग्रह होगा जो ख़ाली और फोकी (बेमानी) शोहरत देगा। बुध का सब्ज़ तोता भी अगर होवे तो वह भी अब दुनिया तोता सिर्फ़ टें-टें ही करना जानता है होगा। यानी बेमतलब और बेमानी बुध होगा। राहु अब नीच फल का होगा और बृहस्पत चुप होगा मगर गुम न होगा।

हिफाजत-देख रेख करने वाला, मुरक्का करने वाला
बेदार-जाग्रत, सचेत, सोने से उठा हुआ

बीनाई-आंखों की नजर, दृष्टि
मुश्तरका-मिले जुले

औलाद-संतान
मस्नूई-बनावटी
सब्ज़-हया रो

ऐसा आदी सिर्फ़ दुनियावी
नासिक न होगा। ख़ासकर उ
नम्बर 7 तो 12 में बैठे हो।
बृहस्पत दोनों जहान का माला
व गंबी मदद दोनों ही मिल

ऐसा शख्स आराम या
महनत और मशक्कत का
काम करने का बक्त गले
रोटी पा लेगा या उसे अप
ख़ाह वह आराम की क

ख़ाना नम्बर-1-
फ़व्याज़ सरख़
रिज़क रोज़

ख़ाह धनाद्य हो ख़ाह
बोई हुई होवे ख़ाह कठ
चंडाल के घर का हो :
उस के दरवाज़ा पर हारा

ख़ाना नम्बर-2-
चुप गुरु
उपदेश

गैंवी-दैवी ताकत
सखी-ताती, उदारता

ऐसा आदी सिर्फ दुनियावी शख्स होगा जैनी ताकृत या इवादत का मालिक न होगा। खासकर जब वह दोनों ग्रह मुश्तरका बुण्डली के खाना नम्बर 7 तो 12 में बैठे हों।	दोनों खाना नम्बर 7 तो 12 में
बृहस्पत दोनों जहान का मालिक होगा या टेवे वाले को दुनियावी व जैनी मदद दोनों ही मिलती होंगी।	

नेक हालत

ऐसा शख्स आराम या हराम को रोज़ी का आदी होगा यानी अच्छल तो ऐसे शख्स को कोई भी सख्त मेहनत और मशक्कृत का काम करना ही न पड़ेगा लेकिन अगर किस्मत के घिरे घिराए कहीं सख्त काम करने का बकृत गले पढ़ ही जावेगा तो ऐसा प्रानी कुछ करे कराएगा ही नहीं मुफ्त में अपने पेट की रोटी पा लेगा या उसे अपना पेट भरने के लिए मुफ्त में रोज़ी मिल जाएगी। ख़ाह वह आराम की कहो ख़ाह हराम की गिनो।

खाना नम्बर-1-

फ़व्याज़ सख्ती हो तख्त पर बैठा

स्लिंक रोज़ी न हरिंज़ मंदा

फ़क़ीर राजा ख़ाह कोई हो

फ़सल कटी वा बोई हो

ख़ाह धनादृय हो ख़ाह निर्देन मगर फ़व्याज़ और सख्ती जरूर होगा। उसकी अपनी फ़सल ख़ाह बोई हुई होवे ख़ाह कट चुकी हो। उसको स्लिंक व रोज़ी की कमी न होगी। जनम ख़ाह चंडाल के घर का हो मगर उसे पेट भरने के लिए अनाज देने के लिए राजा खुद उस के दरवाज़ा पर हाजिर खड़ा होगा।

खाना नम्बर-2-

चुप गुरु जो टेवे गिनते

उपदेश पाएगा गुरु का अपने

ख़ामोश राहु अब होता हो

सवारी हाथी गुरु माया हो

जैनी-दैवी ताकृत

सख्ती-शरी, उदारता

मशक्कृत-कट, दुःख, दौड़ धूप

तख्त-सिहांसन

फ़क़ीर-साधु

ख़ाह-चाहे

फ़व्याज़-बहुत देने वाला, वाला

हरिंज़-कपी नहीं

बृहस्पत-राहु

नेकी के काम बहुत करे। गुरीबों का मददगार होगा। अब राहु टेवे वाले के बृहस्पत (अश्या कारोबार या रिश्तादार मूतअल्लिका बृहस्पत वाप वाबा वाँरह) पर कोई बुरा असर न देगा बल्कि राहु का हाथी अब बृहस्पत के साधु के हुकम के ज़ेर साया होगा यानी अगर किसी वजह से टेवे वाला गुरीब हो ही जावे तो भी हाथियों वाला गद्दी नशीन साधु होगा।

खाना नम्बर-3 -आंख की होशियारी जो दुश्मन से बचाती रहे ज़्यादा होगी। खुद भी बहादुर होगा। राहु की पूरी उम्र (42-21-10 $\frac{1}{2}$ साला) के बाद बृहस्पत राहु दोनों का खाना नम्बर 3 का दिया हुआ फल ज़ाहिर होगा। मंदी हालत में केतु का उपाओ पहले जो कि बृहस्पत राहु में लिखा है मददगार होगा।

खाना नम्बर-4 -उत्तम चंद्र के असर का पूरा फ़ायदा होगा मगर बृहस्पत अपने असर के लिए चुप ही होगा। यानी ज़ाहिरा तौर पर बृहस्पत के उम्दा असर का कोई खास ज़ोर न होगा मगर यह मतलब नहीं कि बृहस्पत का अपना फल मंदा होगा।

खाना नम्बर-5 -हाकिम या सरदार होवे।

खाना नम्बर-7-

सुसराल पिता से एक ही ज़िंदा
बुध मंदे से लेख हो जलता
वह भी दमा से दुखिया हो
तराज़ू शुक्कर बुध उलटा हो

जवानी में खुब आराम-

खाना नम्बर-12

लेख दौलत न कोई मंदे
करम धरम पर असर राहु से
दस्तीकार या पेशा हुनर से
सुख मर्दों का हलका गिनते
न ही आक्रिबत गंदी हो
गंदी नाली बह निकलती हो
नफा न हर्गिंज मिलता हो
शनि असर भी मंदा हो

ज़ेर-निर्बल, आधीन ज़ाहिरा-आमतौर
दस्तीकार-हाथ से काम करने वाला

आक्रिबत-भविष्य
पेशा हुनर-कामकाज

करम-धरम-धर्म कर्म
नफा-फ़ायदा

हर्गिंज-कभी भी नहीं

अब दोनों मुश्तका से खाल
जौर बृहस्पत का कोई झगड़ा
(mechanic) से कोई ऐसा
नोट-बाकी घरों (6-9-10)

सिवाए खाना नम्बर 2-12
रा किस्मत के मैदान में ज़ा
वाकिअत बल्कि 12 ता 16
42 साला उम्र में सोने की
अश्या का मंदा असर होगा।

बृहस्पत राहु मुश्तका दो
पिता की उम्र और धन दौलत
के लिए लिखा है। खुद ज़ा
बृहस्पत फ़क़ीर या फ़क़ीर
ऐसे गद्दी नशीन साधु का
गजा का हो या फ़क़ीर ब
दिखलाएगी। राजा से फ़क़ू
(राहु) सिर झुका कर सल
लौद उठाते उठाते सुख क
उपाओ- मंदी हालत व
मद देगा। अगर केतु भी
उपाओ मदद देगा। (केतु
ज़ाहिरा-आमतौर से

ताल्लुक

बृहस्पत-राहु

अब दोनों मुश्तरका से खाली बुध या खुले आकाश की तरह किस्मत का हाल होगा। राहु और बृहस्पत का कोई झगड़ा न होगा। हुनरपंद अक्लमंद मगर हुनर और पेशा दस्तकारी (mechanic) से कोई ऐसा फ़्रेयदा न होगा। यह मतलब नहीं कि नुक़सान ही होगा। नोट- बाकी घरों (6-9-10-11) दोनों का अपनों अपना दिया हुआ फल होगा।

मंदी हालत

सिवाए खाना नम्बर 2-12 बाकी घरों में 8 ता 12 साला उम्र में सोने का पीतल और पीतल भी नीला रंग किस्मत के मैदान में ज़ाहिरा साधु भी चोर का बर्ताओं करेगा। कड़वा धुआं मंदे वाकिआत बल्कि 12 ता 16 साला उम्र में पिता का सांस बंद या आधा जिस्म नाकारा हो जावे 42 साला उम्र में सोने की चोरी या राहु बृहस्पत के मुतअल्लिका करोबार या रिश्तादार या अश्या का मंदा असर होगा।

बृहस्पत राहु मुश्तरका दोनों बुध का (मंदी हालत में) काम देंगे।

पिता की उम्र और धन दौलत के ताल्लुक में वही मंदा असर जो राहु नम्बर 11 में बृहस्पत (पिता) के लिए लिखा है। खुद ज़ाती आमदन की नाली के दो टुकड़े और वह भी बेमानी। राहु-हाथी बृहस्पत फ़क़ीर या फ़क़ीर की कुटिया में हाथी धुस जाने की तरह किस्मत का मंदा हाल होगा और वह भी ऐसे गद्दी नशीन साधु का जिसको सवारी के लिए हाथी हर बक्त मौजूद रहा करते थे जनम ख़ाह राजा का हो या फ़क़ीर का जनम पर ख़ाह राजा ही क्यों न हो ख़ाह फ़क़ीर होवे किस्मत ज़रूर दो रंग दिखलाएगी। राजा से फ़क़ीर और फ़क़ीर से राजा भी होगा अमीरी के बक्त सवारी के हाथी (गह) सिर झुका कर सलाम करते होंगे मगर ग़रीबी के धुएं में फ़क़ीर हाथियों की लौंद उठाते उठाते सुख का सांस-रात की नींद ख़बाब में भी न ले सकेगा।

उपाओ- मंदी हालत के बक्त केतु के उपाओ से राहु का मंदा असर दूर होगा। जिस्म पर सोना मदद देगा। अगर केतु भी मंदा (लड़का नालायक) हो तो चंद्र की उपासना या माता की मारफत चंद्र का उपाओ मदद देगा। (केतु के स्याह व सफेद) रंग के नगीना की अंगूठी को हर रोज़ गाय (शुक्कर)

ज़हिंग-आमतौर से	वाकिआत-घटना	मुतअल्लिका-सम्बन्धित	अश्या-चीजे
ताल्लुक-सम्बन्ध	उपाओ-उपाय	मारफत-तरफ से	

बृहस्पत-राहु

के झूठे पानी से धोने के बाद मंगल की चीज़ों का दान करना ज़रूर होगा या जौ (अनाज) को दूध से धोकर चंद दाने अपने पास रखकर हर रोज़ 43 दिन तक दरिया में बहाते जाना मदद देगा।

खाना नम्बर-2 -अगर खाना नम्बर 8 में बृहस्पत राहु के दुश्मन ग्रहों या वैसे ही मंदे ग्रह हों तो नर औलाद के विघ्न होंगे।

खाना नम्बर-3 -बुध और केतु दोनों ही का फल 34 साला उम्र तक मंदा ही होगा।

खाना नम्बर-5 -औलाद के ताल्लुक में राहु नम्बर 5 का ही असर होगा।

खाना नम्बर-7 -पिता और ससुराल ससुर में से अमूमन एक ही ज़िंदा होगा। और दोनों ही ज़िंदा होने की हालत में हो सकता है कि एक को दमा (सांस की तकलीफ) होवे।

खाना नम्बर-8 ज़िंदगी खानापुरी का नाम होगा। हर तरफ बेडमीदी का मंदा धुआं ज़ोर से सांस को बंद करने की कोशिश पर तुला हुआ होता रहेगा।

बृहस्पत नम्बर 8 में दिया हुआ उपायो मददगार होगा।

बृहस्पत केतु^{बे}

साथ केतु से सेवा उम्दा
पहले केतु गुरु पीछे बैठा
बुध मदद जब उनको देता
धन आयु औलाद इकट्ठा
बाप गुरु तो केतु बेटा
वक्त मंदे जब दोनों इकट्ठा

बे (ज़र्द लीमू-गुरु गद्दी)
चंद्र बना गुरु होता हो
मंदा असर गुरु देता हो
लेख बिधाता खुलता हो
शनि औरत सुख पूरा हो
पाठ पूजा शुभ होता हो
दुखिया कोई न रहता हो

बे- दोनों के मिलाप में हर दो का असर उम्दा होगा। केतु अब गुरु गद्दी का मालिक या ऐसे पावों का मालिक जो जहां चरण हूँवें परिवार दौलत आ पहुंचे।

विघ्न-विघ्न

बेडमीदी-निराशा, कोई उम्मीद न हो

अमूमन-आमतौर से

गुरु-बृहस्पति ग्रह

तकलीफ-दुःख, कष्ट, पीड़ा, व्यथा

औलाद-संतान, बाल बच्चे

बृहस्पत (दरगाही कुदरती) और केतु (दुनियावी बनावटी) दोनों ही दरवेश माने जाए हैं। अगर बृहस्पत गुरु तो केतु उसका चेला या शारिर्द होगा। बृहस्पत अगर पूजा पाठ हो तो केतु गुरु के लिए पूजा पाठ करने की जगह या बैठने के लिए उसका आसन या गद्दी होगा। बृहस्पत की हवा बे कैद और खुली हवा हुआ करती है। मगर केतु जो सांप (सनीचर) के फ़रारी (सांस) की हवा है। दुनियावी धंधों से बंधी हुई किसी मतलब या ज़हर को (जब केतु मंत्र ही साथ लेकर चलती है। बृहस्पत किसी बुराई भलाई का ख़ादिशमंद न होगा मगर केतु किसी के भले या बुरे के लिए अपना छलावापन दिखला देगा।

मंदी हालत

अब खुद केतु (औलाद) ऊंच फल का होगा। मामूँ मरे तो बेशक हमसाए मारे जावें तो दुरुस्त मगर बृहस्पत का खुद ज़ाती फल बुरा न होगा। नक की तरफ से दोनों कानों का दरमियानी फ़ासला ज़्यादा होवा।

ख़ाना नम्बर-1-

सिंह सिंहासन योगी कुटिया	धरमी राजा वह होता हो
क़दम मुबारक जिस घर रखता	सुखिया सभी आ होता हो

हमेशा आगम पावे। **कियाफ़ा:-** हाथ पर एक संख का निशान हो।

ख़ाना नम्बर-2-

गुरु मंदिर दरवेश फ़क़ीरी	आठ दृष्टि आली हो
लेख नसीबा खुलती पेशानी	बुलंद मरतबा खाली हो
आठ बैरी या दुश्मन साथी	कुत्ता फांसी आ मरता हो
लेख लिखत सब कुछ हो मंदी	आयु अल्प तक होता हो

ज़ादिश-इच्छा, पसन्द
दरमियानी-बीच में

मामूँ-मामा (माता का भाई)
दरवेश-मांगने वाला

दुरुस्त-ठीक, सही
फ़क़ीरी-साधु

पेशानी-माथा, ललाट

बृहस्पत-केतु

उम्दा आसन (केतु) नेक आक्रियत लंबा चेहरा व चौड़ी पेरानी
झोगा जो हमदर्द और बुलंद मरतबा होगा वशर्ते कि नम्बर 8 खाली हो।
(नम्बर 8 खाली में दोस्त ग्रह)
हुक्मरान आसूदा हाल होगा।

खाना नम्बर-4-

ऊंच गुरु ख़बाह केतु मंदा
ज़र दौलत घरबार हो उम्दा
स्त्री रेखा का असर हो बढ़ता
बहर हवाई बारिश उम्दा

औलाद मंदा नहीं होता हो
भगत पिता और माता हो
इल्म अक्ल सुख मिलता हो
पाबों लक्ष्मी देता हो

तालीम बाला होगा।

खाना नम्बर-6 -अगर खाना नम्बर 2 की दृष्टि फली हो या नम्बर 2 खाली हो तो किस्मत का हाल भला खुश गुजरान होगा जिसे मरने से पहले अपनी मौत का पता लग जाएगा। चेहरा लंबा और बह नेक सुधाओं होगा।

दृष्टि खाली या दोनों साथी अंगूठा और तज़नी बराबर खुश गुजरान होवे चेहरा लम्बा वशर्ते कि नम्बर 2 खाली हो

खाना नम्बर -7-8-12

गरीब तपस्वी पेट से भूका
रात आराम अमीरी आला

साथ दलिद्दर भरता हो
बाकी असर सब उम्दा हो

खाना नम्बर-7 -तपस्वी मगर पेट से भूका खाना नम्बर 8 दलिद्दर से भरपूर मगर खाना नम्बर 12 बड़ा ही अमीर और आसूदा हाल होगा।

नोट:- बाकी घर अपना अपना फल

पेरानी-माथा, ललाट
तालीम-पढ़ाई, शिक्षा, ज्ञान

हुक्मरान-आदेश देने वाला
दलिद्दर-गरीब, धनहीन, कंगाल, निर्धन

आसूदा-धनवान, समृद्ध, अमीर, खुशहाल
उम्दा-अच्छा

दुसमत 40 साल उम्र तक
बद्द मगल (बृहस्पत की ज
नई लोम धरम अस्थान में
कुड़ली बाले के लिए दो
और बृहस्पत की जानदार
नाक की तरफ से मर्द के
ज्यादा होवे तो चौड़ा चेहरा

खाना नम्बर-2 -तं
मं भाग होगा।

खाना नम्बर-4 नर

खाना नम्बर-6 -प

लड़के या लड़की का
न होगा

दूसरों का गुलाम रहे

खाना नम्बर-7

खाना नम्बर-8

पेरानी-माथा, ललाट

मुफलिस-धनहीन, गरी

मंदी हालत

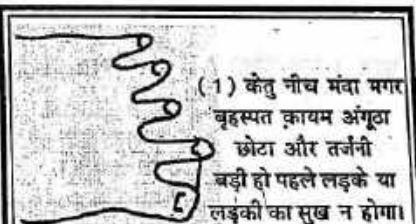
दुश्मन 40 साल तक तंग करेंगे (केतु की जड़ खाना नम्बर 6 में चंद्र मंगल (बृहस्पत की जड़ खाना नम्बर 9-12 में शुक्रकर बुध या राहु) } दोनों की जड़ों में
ज़र्द तीनू धरम अस्थान में देना मददगार होगा इनके दुश्मन बैठे हों।

कूण्डली चाले के लिए दोनों का फल उत्तम और मुवारक होगा मगर केतु } दोनों में से
और बृहस्पत की जानदार अस्था का फल मंदा ही होगा। किसी एक का फल
नाक की तरफ से मर्द के दोनों कानों का दरमियानी फ़ासला अगर ख़ाह किसी तरफ भी
ज़्यादा होवे तो चौड़ा चेहरा होगा जो खुदगर्ज़ होगा। मंदा हो जावे।

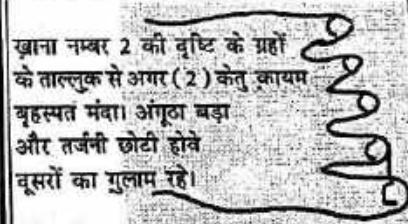
ख़ाना नम्बर-2 - तंग पेशानी और चौड़ा चेहरा खुदगर्ज़ } नम्बर 8 में दुश्मन
मंद धाग होगा। ग्रह

ख़ाना नम्बर-4 नर औलाद की देरी बल्कि किल्लत ही होगी (क़ियाफ़ा हाथ पर 4 संख का निशान हो)

ख़ाना नम्बर-6 - पहले } ख़ाना नम्बर 2 की दृष्टि की
लड़के या लड़की का सुख } रवैये के मुताबिक अगर
न होगा (1) केतु नीच या मंदा मगर
बृहस्पत क़ायम



दूसरों का गुलाम रहे } (2) केतु क़ायम मगर
बृहस्पत मंदा



ख़ाना नम्बर-7 - तपस्वी मगर मुफ़्लिस ही होगा। बृहस्पत नम्बर 7 का फल प्रबल होगा

ख़ाना नम्बर-8 - दलिदूरी निर्धन मुर्दा रुह का मालिक होगा।

पेशानी-माथा, ललाट

मुफ़्लिस-धनहीन, गरीब, कंगाल

खुदगर्ज़-अपने मतलब में चौकस, घोर स्वार्थी अपना स्वार्थ सिद्ध करने वाला

दरमियानी-मध्य में

किल्लत-नूनता, कमी, अपाव

सूरज चंद्र

(बड़े के दरख़त का ख़ालिस दूध
आलीची (फल) घोड़ा-टांगा)

रवि मालिक जो उम्र बुढ़ापा
मोती दमकते असर दोनों का
घर 1 ता 6 चंद्र बढ़ता
साथ ग्रह कुल ही गो मंदा
असर सूरज से चंद्र बढ़ते
मर्द बढ़ेंगे जिस घर बैठे

माया चंद्र खुद देता हो
लेख बैठ घर चमकता हो
बाद ज़ाहिर न होता जो
बुध गुरु पर उम्दा हो
राज कभी न मंदा हो
ख़ाह ही औरत न उम्दा हो

दोनों ग्रह 40 साल उम्र तक मुश्तरका होंगे। मिलावट में अगर चंद्र का असर 3 हिस्से हो तो
सूरज 4 गुना होगा। मगर प्रबल और ज़ाहिर तो सूरज ही का असर होगा।

नेक हालत

बुढ़ापा खासकर उम्दा होगा जायदाद
जद्दी का उम्दा फल व गृहस्ती आराम शांति
से होगा।



(बे) मुलाज़मत (आला) सरकार का धन-डाक्टरी अमूमन सिविल

ज़ाहिर-दिखाई देने वाला

मुश्तरका-मिले जुले

अमूमन-आपतौर से

मुलाज़मत-नौकरी पेशा

सूरज देखे
खुद व खुद

खाना नम्बर-1
खाना नम्बर-2-

गुरु मंदिर
औरत ब

दोनों का उम्दा फल
न हो

खाना नम्बर-3
खाना नम्बर-

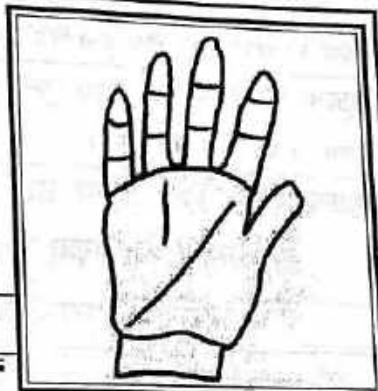
दुनिया का पूरा आर
खाना नम्बर-5
में आने के बक्त र

खाना नम्बर-6
असर
खाली

अब र
मंदिर

खुश-खुद हुए

सूरज देखे चंद्र को। खुशक कुएं
खुद व खुद पानी देने लग जावें।



खाना नम्बर-1 - मिसल राजा होवे जो दूसरों से खिराज लेवे।
खाना नम्बर-2-

गुरु मंदिर फल उम्दा गिनते
औरत बहाना झगड़े होते

राज तरक्की होती हो
हार हानि जो देती हो

दोनों का उम्दा फल राजदरबार में तरक्की इज़्ज़त मान जब तक मुकाबला पर औरतें
न हों।

खाना नम्बर-3 - अपने लिए उम्दा किस्मत मगर दूसरों के ताल्लुक में मतलब परस्त।

खाना नम्बर-4 - राजा महाराजा-सीप में मोती या मोती दान करने की हैसियत का प्रानी
दुनिया का पूरा आराम। रथ गाड़ी व दीगर सवारी का सुख बशते कि नम्बर 10 खाली हो।

खाना नम्बर-5 - जिंदगी भर आराम रहे। किस्मत का नेक असर। ऐसे प्रानी की औलाद के माता के पेट
में आने के बक्तु से ही शुरू हो जाएगा।

खाना नम्बर-6-

असर दोनों के अपनों अपने
खाली पड़ा जब दूजा टेवे
अब उपाओ मंगल होगा
मंदिर रवि की ज़हर हटाता

साथ पापी न मिलता जो
माता पिता दो मंदा हो
ऊंच रवि को करता जो
उम्र बढ़ा कुल देता हो

खुश-सूखे हुए

किस्मत-भाष्य

खुद व खुद-अपने आप

उपाओ-उपाय

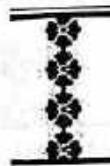
सूरज-चंद्र

दोनों का नम्बर 6 का दिया हुआ जुदा जुदा असर होगा।

खाना नम्बर-9 -मातृ हिस्सा (माता को तरफ व माता की मदद व ताल्लुक) निहायत मुबारक। तीर्थ यात्रा 20 साल और उत्तम फल।

खाना नम्बर-12-

गर्म पानी से ज़ख्म न जलते
शत्रु मगर जब घर द्वे बैठे



राज समाधि बढ़ता हो
आग पानी से जलता हो

दोनों का जुदा जुदा मगर सूरज का प्रबल होगा

मंदी हालत

औरतों से मुखालफ़त

हरदम दुखिया रात दिन
मुसीबत पर मुसीबत बरते
बेशक लाखोंपति फिर भी
न रात आराम न दिन चैन
कामयाब ज़िंदगी या आम सुख व
कामयाबी की कोई तसल्ली नहीं।
फ़ूजूल ख़र्च और स़फ़र दरपेश हों।

दोनों की जड़ों
(खाना नम्बर 4-5)
में दोनों के दुश्मन (शुक्रकर
व पापी)

**खाना नम्बर-1** -मौत अचानक हो।**खाना नम्बर-2** -औरतों से अमूमन नफ़रत झगड़ा हार या हानि होवे।**खाना नम्बर-4** -मौत अचानक होवे

मौत दिन के वक्त और दरिया-नदी-नाला या ज़मीन के नीचे
से पानी या चलते पानी से होवे।

निहायत-बहुत

दरपेश-किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति

मुखालफ़त-विरोध, दुश्मनी, शत्रुता

अपूर्ण-आमतौर से

नफ़रत-दुश्मनी

ताल्लुक-संवंध

} नम्बर 10 में सनीचर
हो

खाना नम्बर-6
तरी कि उम्र छोटी ही

खाना नम्बर-11
असर ग्राम

खुराक

अमूमन उम्र सिर्फ़ 9

औलाद

एक वक्त

22 सूरज शुक्र

सेहत मा

गरमी सूरज

लफ़्ज़ ज़

उम्र पिता

औलाद

दुश्मन ग्रहों (

वैरे हुए दुश्मन

25 साला उम्र

बुध यालना (ने

22 उ

खुराक-खाना

लफ़्ज़-जुदानी-

ख़ाना नम्बर-6 -लम्बी उम्र की कोई तसल्ली न होगी मगर यह मतलब
 नहीं कि उम्र छोटी ही होगी। } नम्बर 2 में पाप
 (राहु या केतु

ख़ाना नम्बर-11-
 असर ग्रह हर दो का मंदा
 खुराक शनि का गोश्त छोड़ा उम्र साला 9 होती हो
 आयु सदी तक लम्बी हो

अमूमन उम्र सिर्फ 9 साल होवे। अगर गोश्त ख़ाना छोड़ देवे उम्र सौ साल लंबी होगी।

सूरज शुक्कर

औलाद पैदाइश देरी करता
 एक वक्त ग्रह एक ही चलता
 सूरज शुक्कर की उम्र के सालों
 सेहत माया न उम्दा जानों
 गरमी सूरज से शुक्कर जलता
 लफ़्ज़ जुबानी औरत निकला
 उम्र पिता या राज हो शक्की
 औलाद पैदा में हो जब देरी

लाभ सोना नहीं होता हो
 दीगर जा नष्ट ही होता हो
 योग शादी न उम्दा हो
 मंदा औरत का होता हो
 सिफ़्त औरत न मंदी हो
 लकीर पत्थर पर होती हो
 दुर्गा पूजन खुद करता हो
 केतु पालन शुभ होता हो

दुश्मन ग्रहों (शुक्कर पापी) के साथ बैठ हुआ सूरज ख़ाह किसी घर में हो) उसके साथ
 बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस ख़ाना की मुतअल्लिका अश्या पर पूरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से
 25 साला उम्र के दरमियान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बज़रिया
 बुध पालना (नेक) कर लेना मुबारक होगा। दुश्मन ग्रहों के साथ ही सूरज के दोस्त (चंद्र
 बुध पालना (नेक) कर लेना मुबारक होगा।

१ 22 और 25 साला उम्र की शादी से औरत का नाश होगा।

खुराक-ख़ाना

अमूमन-आमतौर से

गोश्त-मांस

दीगर-भिन्न, दूसरे

लफ़्ज़-जुबानी-मुंह से निकला शब्द

सिफ़्त-गुण, प्रभाव

मुतअल्लिका-संबंधित

सूरज-शुक्रकर

मंगल वृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोनों की मुतअल्लिका अश्या पर मंदा असर होगा। दुश्मन बचा रहेगा ऐसे टेवे में राहु अक्षर नीच फल देगा।

दोनों मुश्तरका ग्रह 41 साला उम्र तक मुश्तरका असर के होंगे। इस मिलावट में अगर शुक्रकर 3 हो तो सूरज का जु़ू 4 होगा। खुद शुक्रकर के फल में ब्रेह्द गरमी या मंदे फल की ज़मीन का असर होगा बल्कि शुक्रकर अब नीच ही होगा और दोनों ग्रहों (सूरज-शुक्रकर) के मिलाप से बुध पैदा होगा यानी फूल तो होंगे मगर फल न होगा। किस्सा कोताह

एक वक्त में दोनों में से सिर्फ़ एक ही का असर उत्तम होगा यानी अगर राजदरबार की बरकत हो तो स्त्री की हालत और स्त्री का फल (औलाद नरीना या औलाद नरीना की नेक हालत) मद्दम ही होगी और अगर स्त्री नेक भागवान सुखिया दौलतमंद तो राजदरबार हल्का या मंदा होगा।

दोनों ग्रहों का वृहस्पत की ठोस अश्या (सोना वँगरह) से कोई ताल्लुक न होगा बल्कि दोनों मुश्तरका के वक्त वृहस्पत (पिता-बाबा-रिश्तादार मुतअल्लिका वृहस्पत) का कोई ख़ास नेक भतलब नहीं हुआ करता।

नेक हालत

खुद अपनी कोई जिस्मानी ख़रबी न होगी सूरज शुक्रकर और दोनों में से एक का फल तो हमेशा ही अच्छा होगा। उसकी रूह ज़बरदस्त मगर जिस्म (बुत) हल्का ही होगा।

ख़ाना नम्बर-1-

ग्रह मंडल ख़बाह तख़ान हज़ारी

असर रवि का मंदा हो

शुक्रकर औरत हो किस्मत मारी

आग गृहस्ती जलता हो

लगन पराई औरत मंदी

पतंग शुक्रकर का बनता हो

चलन नाली जब हो कभी गंदी

जेल ख़ाना तक पाता हो

अपने लिए और खुद अपना जिस्म और राजदरबार भले ही होंगे

मुतअल्लिका-संवधित

मुश्तरका-मिले जुले

तख़ान-लगन, सिहांसन

किस्सा कोताह-सारांश यह कि, भतलब यह कि यानी कि अर्थात्

शुक्रकर-शुक्र ग्रह

किस्मत-भाग्य

सूरज-शुक्रकर
ख़ाना नम्बर-1
ख़ाना नम्बर-2
ख़ाना नम्बर-3
राज ताली
ख़ाली
मदद गुरु
राहु धुरु
नोट- बाकी घर
पिता अमूमन लाम
ज़ोटी उम्र बैगरह
यानी 36 ता 39
क़ादम होगी। व
मुतअल्लिका शु
औरत की से
बीमारिया (तपेति
(गृहस्त आश्रम
होगा। औरत के
का पहला सचु
की सुनी सुनाई
सम्पद भाटे-सम्प
दालहदारी-पिन

सूरज-शुक्रकर

खाना नम्बर-7-खुद अपने लिए सूरज नम्बर 9 का दिया हुआ हाल तीर्थ यात्रा 20 साल उत्तम फल देवे।

खाना नम्बर-9 -कभी अमीरी का समंदर ठाठे मारे। तीर्थ यात्रा उत्तम और 20 साल उत्तम फल देवे।

खाना नम्बर-10-

राज ताल्लुक कासए गदाई

खाली होते घर चंद्र माई

मदद ग्रह नर सबसे उम्दा

राहु धुआं जब टेवे हटता



मदद ग्रह घर चौथा हो

चंद्र मदद खुद करता हो

चमक रवि खुद देता हो

लेख शुक्रकर सब बढ़ता हो

नोट- बाकी घर अपनों अपना फल होगा।

मंदी हालत

पिता अमूमन लम्बी उम्र का मालिक न होगा और उसका ताल्लुक और साया आतिफ़त बे बजह अलहदगी या छोटी उम्र बैराह अक्सर बचपन ही में उठ गया होगा। नर औलाद अमूमन सनीवर की पूरी हुकूमत का ज़माना

यानी 36 ता 39 साला उम्र या दोनों ग्रहों की मुश्तरका हालत को मियाद यानी 48 साला उम्र के बाद ही

कायम होगी। वरना शुक्रकर (शुक्रकर की अश्या कारोबार या रिश्तादार

मुतालिलका शुक्रकर स्त्री और स्त्री भाग) मंदा बल्कि बरबाद होगा।

औरत की सेहत शायद ही कभी उम्दा होगी। उसे लम्बी लम्बी

बीमारियां (तपेदिक तक) हो सकती हैं। दुनियाबी ज़िंदगी

(गृहस्त आश्रम हर दो मर्द औरत) का हाल मंदा ही

होगा। औरत के रुख़सार पर भद्दे निशान मंदी हालत

का पहला सबूत होगा। कानों का कच्चा होना (किसी

की सुनी सुनाई बात पर यक़ीन करके किसी दूसरे

समंदर ठाठे-समुद्र की लहरों की कँचाई की तरह

अलहदगी-भिन्नता, वियोग

कास ए गदाई- भीख मांगने का ठीकरा, पिक्षापात्र



आतिफ़त-मेहरबानी, दया, कृपा
रुख़सार-गाल, कपोल

का नुकसान कर देना) तमाम तरफ की मंदी हालत का सबब होगा।

ज़नमुरीदी बदअखलाकी बेहद गुस्सा रुहानी नुकस होंगे। इश्क़ फ़ाहिशा के हमेशा मंदे नतीजे बरबादी देंगे जिन से तपेदिक्क और जिस्म जलते रहना (खुद अपना या अपनी औरत का) आम दस्तूर होगा।

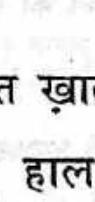
अगर शादी उम्र के 22 वें (सूरज) या 25 वें (शुक्कर) साल हो जावे तो राजदरबार अपना जिस्म (सूरज) और औरत जात दुनियावी गृहस्त (शुक्कर) दोनों ही बरबाद होंगे।

उपायों (1) औरत के बाजू पर सोने का कड़ा (चूड़ी या अनन्त) कायम करने से औलाद में मदद होगी।

(2) औरत की सहत मंदी होने या मंदी रहने की हालत में औरत के बज़न के बरबर चरी (ज्वार अनाज) का दान या धरम अस्थान में देना मदद देगा।

(3) शादी या सगाई के दिन ही से मर्द औरत एक गुड़ खाना छोड़ देवे। कियाफ़ा (दोनों में से कोई एक) **खाना नम्बर-1** - औरत की दिमाग़ी ख़राबियां पागलपन या मालीखूलिया बगैरह और वह बहुत हद तक मरीज़ काग़ रेखा की किस्मत (रोटी तक की कलपना) सूरज (राजदरबार) की भी मिट्टी ख़राब करे। पराई आग गैर औरत की मोहब्बत से जेलखाना बगैरह और अपने साथी हमराहियों की खुशक तालाब में ही ढुबो देने की तरह मंदी हालत।

खाना नम्बर-7-

शुक्कर चीज़ों का बढ़ता झगड़ा  रेत खाली बुध होता हो
देता रवि ख़वाह 9 वें का  हाल बुजुर्गी मंदा हो

दोनों ग्रहों की बजाए अब खाली बुध नम्बर 7 का दिया हुआ फल होगा।

औरत से झगड़ालू औरत की सहत मंदी बल्कि औरत की उम्र तक शक्की बुजुर्गों पर काग़ रेखा (मंदी किस्मत रोटी तक से दुखिया)

तह मकान (बुजुर्गी-जद्दी) का सुर्ख़ (सूरज मंगल) रंग होना दोनों ग्रहों की दुश्मनी का बुरा असर देगा।

१ तपेदिक्क या अंगहीन ख़ास कर खाना नम्बर 5-7-9 में किसी जगह भी ग्रह बैठे हों

ज़नमुरीदी-पलीभक्त, पलीक्रती

रुहानी-आत्मा संबंधी, हार्दिक

बदअखलाकी-दुर्योग

फ़ाहिशा-बहुत अधिक बुरा, लज्जाजनक

धरम अस्थान-धर्म स्थान

मालीखूलिया-मस्तिष्क, विकृति

खाना नम्बर-9 स्त्री भाग में काग् रेखा (मंदा हाल) सभी ग्रीष्मी में रेत के ज़रें की भी चमक न होवे।

खाना नम्बर 10- राज दरबार में हमेशा नाकामी और सनीचर हमेशा बुरा फल देवे। राजा होते हुए भी राजगद्दी से दूर या दूसरे राज दरबार में गदाई (फ़क़ीरी) का प्याला लिए

फिरता होगा। प्याला ख़ावाह मिट्टी (शुकर) पत्थर (सनीचर) ख़ावाह सोने (नीच वृहस्पत नम्बर 10) का ही होवे। किस्सा कोताह अपना राज भंग (बरबाद) और दूसरे राज का निगरान होगा।

सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा। औलाद की पैदाइश और औलाद की लम्बी उम्र के लिए खाना नम्बर 4 के ग्रह मददगार होंगे। अगर नम्बर 4 ख़ाली ही हो तो चंद्र का उपाओ मददगार होगा बल्कि चंद्र खुद व खुद ही मदद देता चला जाएगा।

चाल चलन का ढीलापन (पराई मिट्टी की ख़ूबसूरती की तारीफ में दिल की बेमौका लगन और बिला बजह कशिश जो अमूमन हो ही जाया करती है (मगर ज़रूरी नहीं कि ऐसा नुक़स ओश हो) जिल्द की बीमारियों तकलीफ खून की ख़राबियां या गृहस्ती दूध में मिट्टी या राजा होते हुए आख़री अवस्था दुखिया ही होगा। गऊ दान ख़ावाह एक गाय ख़ावाह ज्यादा मगर गऊ हाज़िर का दान कल्याण या औलाद नहीं देंगा। } गाय की जगह सिर्फ़ नक्कद रूपया ही का दान नोट:- बाक़ी घर अपने अपना फल होगा। } कोई दान न होगा।

सूरज मंगल (जागीरदारी का धन)

असर बुरा न हर दो कोई

खोट धरम न धेला पाई

बुध राहु जब केतु मंदे

मौत प्लेगी चूहा गिनते

चंद्र भला न होता हो

खून क़बीला तारता हो

सब्ज़ क़दम ही होता हो

मंदा सूरज न होता हो

दोनों ग्रह 48 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। सूरज के असर का अगर एक जुनू हो

गदाई-भीख मांगने का काम, भिक्षावृत्ति
निगरान-देख रेख

किस्सा कोताह-सारांश यह कि, मतलब यह कि यानी कि, अर्थात्
नाकामी-असफलता, ज़्राकामयाबी, निराशा क़बीला-वंश, खानदान, एक दल के आदमी

तो मंगल 2 गुना होगा।

सूरज का उत्तम और प्रबल असर होगा। जब मंगल नेक हो तो दोनों मुश्तरका किसी भी घर में हो सूरज हमेशा ऊंचे फल का होगा। ऐसे टेवे में चंद्र (माता-माता भाग ख़ज़ाना वगैरह चंद्र की अश्या) भंदा या हल्का ही होगा मगर कृष्टि न होगा।

नेक हालत

मंगल की अश्या-कारोबार या रिश्तादार

मुतअल्लिका मंगल बचपन की उम्र व अपनी औलाद और
अपने खून के हकीकी रिश्तादार और दुनियावी
ताल्लुक इंतज़ामिया महकमा की मुलाज़मत या ऐसे
कारोबार या मुलाज़मत जहां कि आम पब्लिक
(साथी दुनियादारों) से बराहे रास्त
ताल्लुक पड़ता हो सब का उत्तम फल होगा।



चहारगोशा मकान उत्तम असर देगा। ऐसा शाख़ा और उसका भाई (टेवे वाले से बड़ा) दोनों दौलतमंद और जायदाद वाले होंगे। जनम दिन से ही उम्दा किस्मत दुश्मन पर हमेशा ग़ालिब उम्र पूरी लम्बी बल्कि 100 साला होगी। दिली साफ़ ताक़त-धरम में धेले का खोट न होगा। जिस कदर उम्र बढ़े राज दरबार में मरतबा बढ़ता होगा।

खाना नम्बर-1-2 - पहली उम्र में दोनों ही ग्रहों का चढ़ते सूरज की लाली की तरह उत्तम फल होगा। ऐसा शब्द साफ़ दिली में भी उत्तम होगा। उम्र पूरी बल्कि 100 साल तक हो सकती है। मानिंद तलबार दृश्मन पर गालिब होगा।

खाना नम्बर 9-10-

आली मरतबा ९ वें होता

दोनों बैठे 10 दौलत बढ़ता

हक्कीक्की-सच्चा वास्तविक गालिब-शक्तिशाली, बलद

मुलाजमत-सेवा नौकरी

गालिब-शक्तिशाली, बलशाली

मानिंद-समान, तंत्र

उड़ती दौलत 10 मंदिर हो

11 शनि-6 चंद्र जो

A vertical decorative border element consisting of a series of stylized, symmetrical floral or geometric shapes arranged in a repeating pattern along the left margin of the page.

बराहेरस्त-सीधे तौर पर, जिस से काम हो सीधा उसी से चाहार-चार, चार की संख्या गोशा-घर का कोना, कोण

खाना नम्बर 9 आली मरतबा होगा

खाना नम्बर 10 भागवान होवे

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा।

सनीचर नम्बर 11

चंद्र नम्बर 6

मंदी हालत

जब मंगल बद होवे 3-13 गोशा

मकान मंगल बद की पूरी मंदी हालत

दिखला देगा।

दुनिया में सख्त मुख्तालफत रोज़गार

में धोकाबाज़ी और हर काम में दुनियावी

धोकाबाज़ी (मंदी हालत) गो टेवे

बाले के अपनी मौत तो न होगी मगर अपने क्रीबी खून के रिश्तादारों की मौतें

तो ज़रूर देखेगा और अपनी आंखों और नज़र पर भी अगर कोई ख़राब या बुरा असर हो

जावे तो हो सकता है।

खाना नम्बर-1-2 -अगर मंगल बद हो तो मेदाने जंग या लड़ाई झगड़े में ही मारा जावे।

खाना नम्बर-9-10 -जब मंगल बद हो खाना नम्बर 10 अजीज़ों से जरोमाल का झगड़ा होवे।

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा।

मुख्तालफत-विरोध, शत्रुता, दुश्मनी
अजीज़ों-स्वजन, प्रिय, रिश्तेदारधोका-धोखा
आली मरतबा-उच्च पददुनियावी-संसार संबंधी, सांसारिक, दुनिया का
सनीचर-शनि ग्रह

मंगल-मंगल ग्रह



सूरज बुध

(मुलाज्मत मुतअल्लका कळम सरकार का धन
सर सब्ज़ पहाड़-लाल फिटकड़ी-शीशा सफेद

वक्त मासूमी हलका होता
सेहत दौलत और केतु उम्दा
राज ताल्लुक नौकर शाही
उलट मगर जब हो कोई ज़िददी
ब्योपार 40 हृद अक्सर मंदा
असर मंदे बुध केतु मरता
सात पहले 2-10 घर बैठे
कीमत 13 जो दो की गिनते

अमीर बना खुद साख्ता हो
शुक्कर महादशा करता हो
शर्त ज़रूरी होती हो
रोटी मुफ्त जेल मिलती हो
ईमानदारी धन फलता हो
बढ़ता रवि बुध उम्दा जो
असर दोनों का उम्दा हो
पूरी सूरज दिन करता हो

दोनों ग्रह 39 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। इस मिलावट में अगर सूरज का असर 2 हिस्सा हो तो बुध का असर एक जु़ू होगा। गो दोनों का और उत्तम फल होगा मगर सूरज का उत्तम प्रबल होगा। दोनों मुश्तरका में सूरज कभी नीच फल का न होगा। बुध बेशक मारा जावे और मंदा असर देवे यानी जिन घरों में सूरज नीच या मंदा होगा वहां बुध का असर मंदा होगा और जहां बुध खुद मंदा है वहां सूरज को बेशक धब्बा लगे मगर बुध की अश्या सूरज को मदद देंगी।

१ सूरज बुध मुश्तरका को जब सनीचर देखता हो तो सनीचर के मुतअल्लका कारोबार से सनीचर की उम्र (28-33 ता 36-39)

तक नफा होगा लेकिन अब सरकारी ठेकेदारी या मुलाज्मत वैग्रह के माली नतीजे मंदे ही होंगे। सूरज के साथ बुध मानिंद पारा होगा।

२ बशर्ते कि सनीचर न देखता हो ३ माहवारी आमदन के उसूल पर सूरज की दस और बुध की तीन कुल तेरह रुपया माहवार मुफ्सिसल माहवारी आमदन के हाल में देखो।

मुलाज्मत-सेवा, नौकरी
मुश्तरका-मिले जुले

मुतअल्लका-संबंधित
मानिंद-समान, तुल्य

साख्ता-अपने आप बना हुआ
मुफ्सिसल-स्पष्टीकरणकर्ता, भाष्यकार

ब्योपार-ब्यापार
अश्या-वस्तुएं, चीजें

सूरज अगर रुहे इंसानी हो तो बुध विधाता की क़लम होगी या सूरज अगर दुनियावी चंद्र हो तो बुध लंगूर की दुम की तरह मददगार होगा। बुध की निस्फ़ (34 का निस्फ़ 17 साला) उम्र तक बुध का जुदा फल ज़ाहिर न होगा।

दोनों मुश्तरका से मुराद मस्तूर मंगल नेक होगी। खुद काम करने की ताक़त व आदत ज़्यादा - दूसरों की कमाई की तरफ़ उम्मीदें रखने की बजाए अपनी कमाई पर शुक्र व सब्र करने वाला होगा।

कियाफ़ा:-

सिर रेखा व सेहत रेखा के मिलने का

ज़ाविया मुकम्मिल हो तो उम्दा सेहत।



नेक हालत

राज ताल्लुक और सरकारी मुलाज़मत बगैरह

ज़रूर होगी और फ़ायदामंद उम्र लंबी मगर मौत

अचानक तालीम और क़लम हमेशा मददगार लैप्प

(रात की रोशनी में कारोबार) और तहीर

(दस्ती लिखना) उच्चम फल देंगे।



निस्फ़-आधा

मुश्तरका-मिले जुले

मस्तूर-बनावटी

मुकम्मिल-पूर्ण, सम्पूर्ण

मुलाज़मत-सेवा, नौकरी

जवानी में किस्मत जागेगी-स्त्री
को दिमागी ताक़त उत्तम होगी या रुख़साय
(चेहरे की हड्डी) पर ज़ख्म का निशान होगा।



सूरज के
बुज़ से
बुध नष्ट
के बुज़
को रेखा

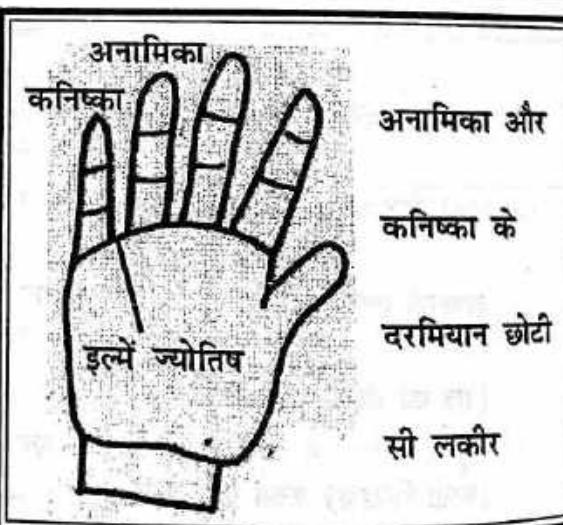
दूसरों की बजाए खुद अपनी और अपने
हाथों की पैदा करदा कमाई पर भरोसा करने वाला
होगा जिसका नतीजा नेक होगा या वह खुद
साख्ता (अपने आप बना हुआ) मर्द होगा। सेहत
उम्दा होगी।



अनामिका और
मन्द्वमा के
दरमियान छोटी
सी लकीर

नेक नतीजे-अब सूरज
और सनीचर दोनों का कोई
झगड़ा न होगा।

3-4-5 में
सनीचर



अनामिका और
कनिष्ठा के
दरमियान छोटी
सी लकीर

ज़ख्म-क्षति, धाव, चोट, आधात

साख्ता-बनाया हुआ, निर्मित इल्मे रियाजी-गणित शास्त्र रुख़सार-कपोत, गाल

खाना नम्बर-1-

चलती-धूमती-फिरती चक्की
शेर जंगल या सब्ज़ पहाड़ी
सात छटे जब दोस्त बैठा
शत्रु मगर जब 6-7 होता

अक्ल बज़ीरी पाता हो
माहिर रियाज़ी होता हो
ऊंच बुलंदी होता हो
दुखिया मुसीबत पाता हो

मानिंद बज़ीर साहब तदबीर-सरसब्ज़ पहाड़ की किस्मत में शान इल्म रियाज़ी योग अध्यास का नेक फल दौलतमंद राजदरबार से नेक ताल्लुक आम राजदरबारी झगड़ों का फैसला हक़ में होगा। जब तक सनीचर का मंदा असर शामिल न होवे।

खाना नम्बर-2 -जिस्मानी व दिमाग़ी उम्दा असर होगा। खाना नम्बर 1 का असर जैसा भी होवे शामिल ही होगा।

खाना नम्बर-3-

कुण्डली असर न राहु मंदा
भला शुक्कर न जिस दम होता

न ही बुरा दो होता हो
बुरा राहु बुध मंदा हो

राहु का अब कुण्डली पर बुरा असर न होगा पबका आश़िक और निहायत उत्तम असर होगा।

खाना नम्बर-4-

राज व्योपारी रेशम होते
माया दौलत ज़र इतने बढ़ते

चीज़ें बिसाती बज़ाज़ी जो
खाली नाली भर जाती हो

राज योग दोनों का अपना-अपना उत्तम

अब मंगल का असर कम होगा मगर सनीचर का $\frac{1}{4}$ हिस्सा मंदा असर शामिल होगा।

इल्म रियाज़ी-गणित शास्त्र
सब्ज़-हरा

मानिंद-समान, तुल्य

उम्दा-अच्छा, शुभ

तदबीर-उपाय, प्रयत्न, कोशिश, उपचार
निहायत-बहुत अधिक
व्योपारी-व्यापार

खाना नम्बर-5 -बुध का अब सारी उम्र (बुध की 17-34) ही जुदा असर ज़ाहिर न होगा। औलाद और बुज़गां पर कोई बुरा असर न होगा। उम्र कम अज़ कम 90 साल होगी।

सनीचर नम्बर ५

खाना नम्बर-6-

राज सभा खुद क़लम से अपनी ऊंचा मुबारक होता हो
क़ायम दोनों जब घर 2 ख़ाली सुखिया औलाद से होता हो

सूरज क़ायम और बुध अज़ दृष्टि नम्बर 2 मंदा
नेक असर और नेक नसीब होवे।

क्रियाफ़ा:-

पांव की कनिष्ठा छोटी हो अनामिका से या
पांवों की कनिष्ठा क़दरे बड़ी हो अनामिका से

क्रियाफ़ा:-

पांवों की कनिष्ठा और अनामिका बराबर

औलाद का सुख होवे।

दोनों क़ायम यानी नम्बर 2 ख़ाली

खाना नम्बर-7

घर ससुराल शुक्कर गो मंदा बरबाद केतु ख़्वाह होता हो
फ़िव्वारा दौलत का इतना उठता सैराब जंगल कोह करता हो
रहट माया का योग से चलता भला लाखों का करता हो
अस्नान जगत गो सारा करता प्यासा मगर खुद रहता हो

औरत की क्रिस्मत का अच्छा बुरा असर शुक्कर की अच्छी या बुरी हालत (जैसा कि टेवे के मुताबिक़ हो) पर होगा।

उसकी औरत अमीर खानदान से सूरज की तरह उत्तम और मुकम्मिल होगी। रंग और सुभाओं भी साफ़ और नेक होंगे।

खुद टेवे वाले की हालत में ख़्वाह शुक्कर अच्छा हो या बुरा। क्रिस्मत अगर शुक्कर क़ायम और के मैदान में चलते हुए रहट की तरह हर दम आमदन जारी नेक हो।

कोह-पहाड़, पर्वत, गिरि
मुकम्मिल-पूरा, सम्पूर्ण

कम अज़ कम- कम से कम, अधिक न हो तो इतना अवश्य सूरज-सूर्य प्रह
क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार ख़्वाह-चाहे सनीचर-ज्ञान प्रह

और फ्रव्वारे के उछलते हुए और ताज़ा पानी की तरह हर बक्त उत्तम असर का मालिक होगा।

और ऐसे मर्द की आमदन हजारों जंगल और पहाड़ों के पैदानों को सैराब करेगी।

अपनी जान के लिए खुद आप वह मर्द इतना नफा न पा सके और राजदरबार से उसे

ऐसा नफा न हो मगर फिर भी वह सूरज की तरह उत्तम और मुकम्मिल होगा और बक्त मुसीबत बंदर

की तरह बांस के सहारे छलांग लगा कर दरिया अबूर कर जाने की तरह (यानी बहुत ही

आसानी से) कामयाब होगा। अगर जवानी का हिस्सा ऐसा शानदार न निकले तो मुम्किन मगर उस का

बचपन और बुढ़ापा तो ज़रूर ही उम्दा और नेक होंगे।

अन्यास और इल्म ज्योतिष मुबारक होगा। केतु व बुध का फल 34 साला उम्र के बाद

नेक होगा यानी बुध की मियाद तक बेशक दौलत ज़्यादा होगी या ज़्यादा होवे

मगर बुध की मुतअलिलका अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअलिलका बुध का असर दिया हुआ ही होगा।

खाना नम्बर-8-

बुध असर दे-हर दम उम्दा

असर ग्रह घर-2 गो मंदा

खाली पड़ा जब दूजा हो

आयु मगर खुद लम्बा हो

शीशे के बरतन को गुड़ से भर कर शमशान में दबाना मददगार होगा जिस पर दोनों

ग्रहों का अपना अपना नम्बर 8 का दिया हुआ फल शुरू होगा।

खाना नम्बर-9 -वास्ते राजदरबार और तालीमी ताल्लुक दोनों ग्रहों का 24 साला उम्र से

नेक असर और मुबारक फल होगा जो 34 साला उम्र से और भी तरक्की पर होगा। ऐसे टेवे

बाल की लड़की 6 साला उम्र तक (सिवाय पहले और तीसरे साल) निहायत मुबारक साबित होगी।

उस की हर नम्बर की लड़की (बमूजिब पैदाइश एक बाद दूसरी पैदा होवे तो पहले पैदाशुदा

को नम्बर 1 की कहेंगे) और आगे ऐसी लड़की की उम्र का हर नम्बर का साल वही फल देगा जो बुध

खुद हर खाना में देता है।

खाना नम्बर-10 -दौलतमंद ज़्यादा होगा। सनीचर सूरज और बुध का अपना अपना और उत्तम

नफा-फायदा

मुकम्मिल-पूरा, सम्पूर्ण

अबूर-पार करना, लांघना

मियाद-समय

मुतअलिलका-संबंधित

तालीम-शिक्षा, विद्या

बमूजिब-अनुसार

सूरज-सूर्य ग्रह

सूरज बुध

फल साथ होगा।

टेवे के खाना नम्बर 1-2 के ग्रहों की दोस्ती और दुश्मनी के मुश्तरका असर का फल किस्मत में शामिल होगा। अगर खाना नम्बर 1-2 खाली ही हों तो सूरज और बुध का उत्तम फल होगा मगर सनीचर का फिर भी अच्छा या बुरा फल जैसा कि सनीचर टेवे के मुताबिक़ हो ज़रूर साथ शामिल होगा।

खाना नम्बर-11-

पाप जद्दी घर खावाह कोई करता
बुध रवि कोई-चाल न चलता

ज़हर टेवे आ भरती हो
बुनियाद पहले घर होती हो¹

अगर उसके बुर्जी मकान में धरम पूजन नेक और सुभाओ भद्र पुरुष रहते हों तो
नसीबा हरदम बढ़े।

दोनों ग्रहों का नेक और बुरा असर शुरू व खत्म होने की निशानी फौरन उसके खानदान
के मेम्बरों पर ज़ाहिर कर देगा और जद्दी मकानों या ज़ाती मकान की ज़मीन से मुतअल्लिक़ा होगा।

खाना नम्बर-12 -दोनों ग्रहों का अपना अपना फल मगर अब बुध का सूरज (राजदरबार
और टेवे वाले का अपना जिस्म) पर कोई बुरा असर न होगा बशरों कि उसके जिस पर सोना
क़ायम रहे बुध नम्बर 11 का दिया हुआ उपाओ मददगार होगा।

मंदी हालत

शुक्रकर का असर 25 साल रद्दी बल्कि मंदा
ही होगा। बचपन में तकलीफ़ और राजदरबार
में झांडा (मगर फैसला हक़ में) जब सूरज
नीच घरों या दुश्मन ग्रहों का साथी हो जावे
बुध का ज़ाती असर मंदा यानी व्योपार
वग़ैरह बेमानी होगा।



धरम-धर्म

उपाओ-उपाय, उपचार, इलाज

मेम्बरों-सदस्य

व्योपार-व्यापार

मुतअल्लिक़ा-संबंधित

सूरज-सूर्य ग्रह

बेमानी-निर्याक

शुक्र-शुक्र ग्रह

जब चंद्र नष्ट हो- दिमागी सदमात होंगे	क्रियाफ़ा:- दिल रेखा व सिर रेखा मिलकर एक ही रेखा हो गयी हो और उस पर सूरज और बुध से रेखा आ मिलें
झगड़ों का फैसला हक़ में न होगा।	
मदे नतीजे	दोनों सनीचर को देखें।
	दोनों के बिलमुकाबिल यानी नम्बर 3-6 की जड़ (नम्बर 5 (सूरज की जड़)) में चंद्र या बृहस्पति।

ख़ाना नम्बर-1 - राज दरबार में झगड़ा जब कभी हो जावे अपने से बड़ों के साथ होगा। अगर उस बवत (झगड़े के साल बमूजिब बर्षफल) सनीचर का टकराओ (बमूजिब दृष्टि वैरह) आ जावे तो फैसला हक़ में होने की कोई तसल्ली न होगी	क्रियाफ़ा:- दृष्टि का दर्जा फैसला हक़ में होने का दर्जा होगा यानी अगर 100 फ़ीसदी दृष्टि हो तो 100 फ़ीसदी हक़ में होगा। इसी तरह 50 फ़ीसदी और 25 फ़ीसदी कम हिसाब होगा।
---	--

ख़ाना नम्बर-2 - किस्मत के ताल्लुक़ में माली असर हलका ही होगा।	
ख़ाना नम्बर-3 - अगर गंदा आशिक़ होवे तो राहु और शुक्कर दोनों का ही पूरा बुध असर होगा। बदनाम और मतलब परस्त बुध का अर्सा और बुध की मंदगी की बजह से $\frac{34}{17}$ साल लगातार नुकसान ही नुकसान होगा।	

ख़ाना नम्बर-5 - मौत अचानक होगी।	
ख़ाना नम्बर-6 - बुध क्रायम और सूरज अज़ दृष्टि नम्बर 2 मंदा दोनों ही का नेक असर कम होता जावे।	पावों की कनिष्का बहुत बड़ी हो अनामिका से (पावों की कनिष्का बहुत ही बड़ी हो अनामिका से)
मनहूस ज़लील और मंदभाग होगा। अपनी उम्र लम्बी होने की कोई तसल्ली न होगी।	

ख़ाना नम्बर-7 - औरत का फल (औलाद-केतु) मंदा और खुद इतना सुख न पावे। ससुराल बरबाद या औलाद की उम्र के तकाज़े हों।	शुक्कर मंदा ख़राब या बरबाद हो।
--	--------------------------------

सदमात-सदमा, परेशानी गाल्लुक़-संबंध	क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र ज़लील-दृढ़ मजबूत	बिलमुकाबिल-सम्मुख, आमने सामने, मुकाबिले में तकाज़े-आवश्यकता, जरूरत	औलाद-संतान
------------------------------------	--	--	------------

बुध की 34 साला उम्र या नम्बर 9 के ग्रह को उम्र तक सूरज को बुध न ही कोई ऐसी मदद देगा और न ही उसके असर को चमकने देगा बालिक लोगों में बेष्टेबारी और हक्कीरता ही पैदा करता जाएगा और सूरज (राज दरबार) पर स्याही फेंकता होगा लेकिन ग्रहण नहीं लगाएगा मगर फ़ूँज़ी रेत तो ज़रूर होगी और राजदरबार में नीच सूरज का नज़ारा दरपेश होगा।

ख़ाना नम्बर 9 में ऐसे ग्रह ख़ाह बुध उन का दुश्मन ख़ाह वह बुध के दुश्मन ही चंद्र मंगल बृहस्पत हों।

ख़ाना नम्बर-8 ख़ाना नम्बर 2 के ग्रह अगर कोई भी हों बरबाद होंगे और बुध की अश्या-करोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका बुध बहन-भुआ-फुफी-मासी) बौरह की हालत मंदी होगी। जंगू-बेरहम-बेचलन होगा और मुमकिन है कि जंग व जदल या लड़ाई झगड़े में ही मारा जावे।

मंगल बद हो

ख़ाना नम्बर-9 -जब बुध मंदा हो तो 17 ता 27 साला उम्र मंदा असर होगा यानी अगर एक लानत हटी तो कोई न कोई दूसरी खड़ी होगी।

नर औलाद अमूमन 34 साला उम्र से पहले शायद ही क़ायम होगी।

औरत के टेवे में नर औलाद 22 साला उम्र से पहले शायद ही होगी।

मंदी हालत के बक्त सूरज या मंगल के नेक कर लेने का उपाओ मददगार होगा। इतवार मंगलवार के दिन पैदाशुदा लड़की के बक्त किसी उपाओ की ज़रूरत न होगी। सब कुछ खुद व खुद ही उम्दा फल पैदा हो जाएगा।

ख़ाना नम्बर-10 -सनीचर का बुरा फल अब शामिल होगा। बदनामी में मशहूर होगा और अपने काम खुद व खुद ही बिगाड़ता फिरेगा।

ख़ाना नम्बर-11 -जब उसके जद्दी मकान में ज़हर या मंदे काम पैदा करने वाले लोग आबाद हों तो वह ज़हर फौरन टेवे वाले पर मंदा असर देगी।

ख़ाना नम्बर-12 -गृहस्ती हालत में बुध की अश्या (जानदार और बेजान दोनों) और कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका बुध

फ़ालतू बोझ (नाहक खर्च व ज़हमत) का बहाना होंगे। जिस्मानी नुक़स-नाड़ों की ख़राबियां गृशीगोता मिर्गी तक हो सकता है। बुध अब ख़ाना नम्बर 6 के ग्रहों को बरबाद कर देगा।

दरपेश-किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति अश्या-चीजे, वस्तुएं मुतअल्लिका-संबंधित जिस्मानी-शरीर भुआ-भुआ (पिता की बहन) फुफी-भुआ (पिता की बहन) जंगू-युद्ध प्रेमी, सैनिक, सिपाही नाड़ों-नसें, नाड़ियाँ

रवि व
वजह
नतीज
इगड़ा
आग
शनि
काम
बुध

दुश्मन ग्रहों
दुश्मन ग्रह
के दरमियान
कर लेना मुव
मुतअल्लिका

बारा
चिड़-चिड़
दिमाग़ ने ब
किसी तरफ़
असर होगा

८ सुरु
३६ साला
बहाना होम
पर दर्ज है

शक्की-जि
क्षरिया-क

सूरज सनीचर

रवि शनि दो इकट्ठे बैठे
 बजह किसी हों जब कभी लड़ते
 नतीजा वही जो रवि हो टेके
 इगड़ा दोनों का लंबा बढ़ते
 आग वकुवे कीमत कौड़ी
 शनि जलावे ताकृत बदनी
 काम उत्तम ज़र चांदी होगा
 बुध साथी से दोनों उम्दा

झगड़ा कोई नहीं करता हो
 बुध ज़हर आ भरता हो
 शनि शक्की-ही होता हो
 नीच राहु बद मंगल हो
 चीज़े शनि सब मंदी हो
 रवि सेहत जिस्मानी को
 हालत तालीमी फलता हो
 असर उत्तम सब करता जो

दुश्मन ग्रहों (शुकर पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज (ख़ाह किसी भी घर में हो) उस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस ख़ाना की मुतअल्लिका अश्या पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरमियान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बज़रिया बुध की पालना नेक कर लेना मुबारक होगा। अगर सूरज के दोस्त (चंद्र मंगल वृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोस्तों की मुतअल्लिका अश्या पर मंदा असर होगा। दुश्मन बचा रहेगा।

बंदर और बये की दास्तान

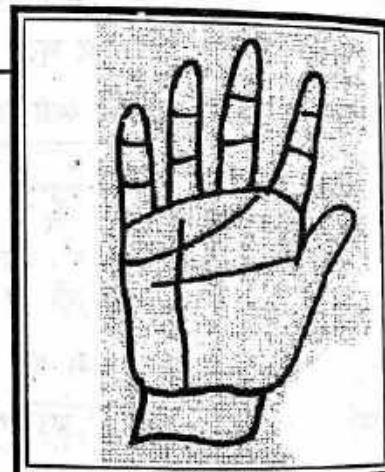
बारिश ज़ोर की हो रही थी और बया अपने घोंसले में बैठ रहा था। बंदर तकलीफ में उसी दरख़त पर चिड़-चिड़ चें-चें कर रहा था। बये ने वकृत से पहले घोंसला बनाने की बंदर को नसीहत की तो उस आली दिमाग़ ने बये का घोंसला ही बरबाद कर दिया। हू ब हू ऐसे प्रानी की क़िस्मत जब वह अपनी मदद के लिए किसी तरफ़ हाथ बढ़ाए तो सांप अपने ज़हरीले दांत से सब कुछ बरबाद कर देगा। ख़ाली बुध का बेमानी असर होगा जो बुध की ताकृत आम इल्म तालीम मुराद होगी और जिस में सनीचर का

१ सूरज सनीचर मुश्तरका में जब जहां और कहीं भी दो में से किसी का फल ख़राब हो। टेके में 22 या 36 साला उम्र तक राहु भी मंदा और मंगल बद का असर देगा। इश्क़ व मोहब्बत या मिट्टी की पूजना बहाना होगी। बदूदियानती से शुकर बरबाद होगा। २ अश्या मुतअल्लिका सूरज सनीचर सप्तः नम्बर 815 पर दर्ज है।

शक्की-जिसका विश्वास न हो ज़र-दौलत, धन, संपत्ति वकुवे-घटनायें, खबरें मियाद-समय, अवधि
 बज़रिया-के रास्ते से, माध्यम से दरख़त-पेड़ मुश्तरका-मिले जुले बदूदियानती-अमानत में खियानत करना, बैर्झमानी

मंदा फल भी शामिल होगा। (ख़्यालात की अज़ादी-मौक़ा के मुताबिक़ फौरन लट्टू की तरह बदल जाने वाला होगा) असर का बक़्त बुद्धापे से मुतअल्लिक़ा होगा। सूरज-चंद्र और बृहस्पत उत्तम फल देंगे। दोनों ग्रह वास्ते धन दौलत 46 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और सनीचर उस मिलावट में $\frac{2}{3}$ हिस्सा होगा। दोनों ग्रह वास्ते वालिद की उम्र 40 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और सनीचर उस मिलावट में $\frac{1}{2}$ हिस्सा होगा। दोनों ग्रह वास्ते दुनियावी सुख 34 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और सनीचर उस मिलावट में $\frac{1}{3}$ हिस्सा होगा। मुश्तरका हालत में सूरज बंदर और सनीचर सांप की बाहमी लड़ाई के हाल की तरह किस्मत में जमा (सूरज) तक़रीक़ (सनीचर) बराबर होगी। दोनों की बाहमी दुश्मनी में शुक्कर (स्त्री और स्त्री भाग) मंदा बल्कि बरबाद होगा मगर औलाद पर बुरा असर न होगा बल्कि ऐसी मुश्तरका हालत में सनीचर का सांप हामिला औरत के सामने आया हुआ अंधा हो जाएगा और उस पर कभी हमला न करेगा। और न ही इकलौते बेटे पर कभी डंग मारेगा यानी सूरज सनीचर मुश्तरका टेवे वाले की औरत पर जबकि वह हामिला हो या ऐसे टेवे वाले के इकलौते बेटे पर सांप कभी हमला न करेगा। बल्कि सनीचर की तरह से भी खुद सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिक़ा सनीचर के ताल्लुक में उसकी हामिला औरत और इकलौते बेटे पर बुरा असर न देगा। दोनों मुश्तरका में किस्मत का फैसला सूरज रेखा से होगा।

क्रियाफ़ा:- सूरज रेखा से अगर सनीचर की ऊर्ध रेखा का ताल्लुक हो जावे तो आग के बाक़िआत होंगे (अगर किसी क़ज़ह) से ऐसी ज़बरदस्त रेखा किसी मामूली हाथ में वाक़ै होवे तो भी सूरज व सनीचर का मुश्तरका बुरा असर होगा लेकिन अगर सोने चांदी या आग के कारोबार वाला होवे तो मुबारक होगा बहरहाल ज़बरदस्त सूरज आग पैदा कर देगा जिसमें सनीचर का सामान तो स्याही का असर देगा। मगर सूरज चंद्र और बृहस्पत उत्तम फल देंगे। बगैर सूरज रेखा बाज़ारी क़ीमत इंसानी ज़िदगी की न होगी और ज़नमुरीद होगा। और अगर साथ ही सूरज का बुर्ज भी कायम हो



तो इश्क व मोहब्बत के सिवा उसे दुनिया में कुछ और नज़र ही न आएगा। सूरज बंदर सनीचर सांप दोनों की लड़ाई का हाल उनकी बाहमी दुश्मनी का सबूत ज़हन नशीन कराएगा।

फ़ेहरिस्त अश्या मुत्तलिका सफ़्ह: 813

ख़ाना नम्बर	सूरज-सनीचर
1	हल़क का कब्बा-आग से जलना
2	माश सालिम
3	पुरानी क़िस्म की लकड़ी-बेरी कीकर
4	मकानों में काले कीड़े
5	सुरमा स्याह बुद्ध लड़का
6	कब्बा-पूरा काला कुत्ता
7	दरिदे-सुरमा सफ़ेद-बीनाई-स्याह अनाज
8	पुड़पुड़ी-बिच्छू
9	आक (मदार)-टाहली -फलाई
10	मगरमच्छ-ज़ाती घर का मकान
11	लोहा
12	गृहस्ती परिवार-मछली-तख्तपोश-सिर पर टटरी

नेक हालत

दोनों ही का नेक और उत्तम फल होगा।
सोने चांदी या आग के कारोबार
मुबारक होंगे।

दोनों मंगल के घर (ख़ाना नम्बर 1) या मंगल
किसी तरह से दृष्टि से देख रहा हो।

ख़ाना नम्बर-1 ब्रह्मज्ञानी होगा।

फ़ेहरिस्त-सूची

माश सालिम-माश की दाल साबत

अश्या-चीजे, वस्तुएं

ज़हन नशीन- जो बात समझ में आ गई हो, हृदयगम

पुड़पुड़ी-कनपटी

बीनाई-नज़र, दृष्टि

स्याह-काला

खाना नम्बर-5 -मङ्गवृत तबा

खाना नम्बर-6 -तकिया मुसाफिर अगर बुध चंद्र दोनों कायम तो सूरज का फल क़दरे उम्दा औरत का सुख पूरा उत्तम (सूरज कायम-सनीचर मंदा) कियाफ़ा:- पांचों की मद्दमा छोटी हो अनामिका से

खाना नम्बर-9 दौलतमंद मगर मतलब परस्त।

खाना नम्बर-12

शनि रवि न झगड़ा करते



असर बकूत पर उम्दा देते

न ही शुक्कर खुद मंदा हो
मर्द औरत सब सुखिया हो

अब दोनों ही ग्रहों का उत्तम व उम्दा फल होगा बल्कि शुक्कर भी मंदा न होगा।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल

मंदी हालत

खुद अपना घर फूंक तमाशा देखने वाला होगा। सनीचर का सामान स्याही का (मंदा) असर देगा दो मुह का सांप मस्नूई मंगल बद और नीच राहु की शारारत का असर मौजूद होगा। मंदी ऊर्ध रेखा होगी। कीकर का दरख़त मंदे असर की निशानी होगी। जवानी में तकलीफ़ सेहत की खुरावियां और राज दरबार की कमाई बरबाद होगी। लद्दू की सुई की तरह धूम जाने वाला गैर तसल्ली बख्खा दोस्त होगा।

सूरज की उम्र 22 साला या सनीचर की उम्र 36 ता 39 साला तक राहु नीच या मंगल बद होगा ख़ाह टेवे में राहु किसी भी अच्छे घर बैठा हो } किसी ऐसे घरों में जहां कि दोनों में और मंगल कैसा ही ऊंच जगह पर हो। } से एक का असर मंदा हो।

घर बैठक के लिहाज़ से अगर सूरज प्रबल हो और सनीचर कमज़ोर हो तो जिस्मानी ताक़त उम्दा होगी मगर जिस्मानी ढांचा कमज़ोर होगा। यह दो जुदा जुदा बाते हैं। मिसाल के तौर पर बिजली की लहर को अगर इंसान की ताक़त मानें तो बिजली की लहर को क़ाबू में रखकर चलाने वाली चीज़

कियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार	मस्नूई-बनावटी, झूठा	दरख़त-पेड़	मुसाफिर-यात्री, पथिक, ग़हग़र
तसल्ली-सांत्वना, दिलासा, ढाढ़स	लिहाज़-आदर, शील		जिस्मानी-शारीरिक, शरीर संबंधी

या ढांचा इसान का जिस्म गिनें। इस तरह पर अगर लहर एक ताक्त है तो बरतन एक बजूद होगा यानी यह दो चुदी जुदी बाते होंगी जो ताक्त और ढांचा से तसव्युर होंगी।

उपाओ- दुनिया में सूरज ग्रहण के बक्त सनीचर की चीज़ें (बादाम नारियल वगैरह) चलते पानी में बहाना मुबारक होगा। टेबे में सूरज ग्रहण से (सूरज राहु मुश्तरका) मुराद नहीं-दोनों मुश्तरका ग्रहों की मुश्तरका हालत में अमूमन औरत की जिंदगी बरबाद हुआ करती है खासकर उस बक्त जब दिन के बक्त बच्चे बनाने की कोशिश की जावे।

मंदे असर के बचाओ के लिए ख़्याल रखा जावे कि ऐसा मर्द या औरत शनि के ग्रह का मर्द या औरत न हो (यह दूसरी जगह मुफसिल लिखा है कि सनीचर का मर्द या औरत कैसा या किस किस्म का हुआ करता है। अगर ऐसे मर्द या औरत की शादी हो ही चुकी हो तो औरत के सिर के बालों पर तीनों नर ग्रह की मुतअल्लिका चीज़ें किसी भी शक्ति में सिवाय तिकोन (मसलन तांबा सुख्ख (सूरज) के टुकड़े में (बृहस्पत) सोना और लाल (मंगल-सुख्ख पत्थर) बना कर क्रायम करें।

ख़ाना नम्बर-1 मच्छ रेखा और काग रेखा मुश्तरका-मस्नूई मंदा बुध होगा। मानिंद कब्जा फ़रेबी या मानिंद काग सुभाओ होगा। राहु केतु दोनों ही मंदे होंगे। सूरज (बाप) कमाए सनीचर (बेटा) उड़ाए या सूरज के मुतअल्लिका कारोबार रिश्तादार या अश्या मुतअल्लिका सूरज का फल अगर उत्तम हो तो सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका बरबाद या बरबादी का सबब होंगे। नहूसत उनके घर में दर्जा अव्वल होगी दोनों ग्रहों के झागड़े में शुक्कर (औरत स्त्री माग) मंदा बरबाद होगा।

खोटे कर्मों का भंडारी या उसके हर काम में खोटापन कुदरती तौर पर खड़ा होगा। सरकारी मुलाज़मत में हर तरह से खराबियां। } बृहस्पत चंद्र नम्बर 12
जब कभी सूरज सनीचर मुश्तरका किसी ऐसे घर में बमूजिब बर्षफल आ जावें जहां कि सूरज का असर मंदा हो तो पागलख़ाना-जेलख़ाना नसीब होगा। } शुक्कर और बुध नम्बर 2

तसव्युर-ध्यान, विचार, ख्याल मुतअल्लिका-संबोधित	मुश्तरका-मिले जुले मानिंद-समान, तुल्य	अमूमन-आमतौर से मुलाज़मत-नौकरी, सेवा	मुफसिल-विस्तारपूर्वक फ़रेबी-धोखेबाज, छली
---	--	--	---

मसलन 31 वें साल बमूजिब

जनम कुण्डली	बर्षफल	जेलखाना वरना
सूरज सनीचर नम्बर 1	सूरज सनीचर नम्बर 7	पागलखाना
बृहस्पत चंद्र शुक्लकर नम्बर 12	बृहस्पत चंद्र शुक्लकर नम्बर 2	मिलेगा
बुध नम्बर-2	बुध नम्बर 5	

खाना नम्बर-5 - अगर सनीचर अपने जाती सुभाओं के हिसाब से मंदा हो तो खाना नम्बर 5 में आने के दिन से 9 साल मदे होंगे और हर तरह का खौफ व खदशा होगा।

खाना नम्बर-6-

हालत मंदी-बुध हर दम मंदा
चलते सीधा शनि रास्ते भूला
बुध चंद्र जब होंगे उम्दा
कुत्ता मुबारक काला पूरा

भला चंद्र न रहता हो
असर शक्की सब देता हो
केतु मंदा आ होता हो
वरना सोना उड़ जाता हो

सनीचर का असर वास्ते केतु (औलाद केतु की अश्या या कारोबार मुतअल्लिका केतु) मंदा होगा। सोने की जगह मिट्टी के तवे। निहायत मंदा और गरीबी का ज़माना। पूरा काला कुत्ता मददगार होगा। घर में अगर कोई लड़का सेहत और आखों से रद्दी हो जावे तो उस लड़के की 18 साला उम्र के बाद गया हुआ सोना बहाल होगा।

अमूमन 6 बाकी बचने वाले मकान की तरह तकिया मुसाफिर
मंदा हाल ही होगा जिस के लिए ऐसे मकान में बुध की
मुतअल्लिका अश्या मसलन लहलहाते हुए पौदों और खिल
खिलाते हुए फूलों के गमले या चहचहाते और बोलते
हूए सुरीली आवाज़ वाले परिंद या राग रंग बगैरह का सामान
कायम या जारी रहना मुबारक होगा।

खाना नम्बर 2 की दृष्टि की
रखये की वजह से आगर
सूरज मंदा और सनीचर
कायम

मसलन-जैसे, मानो, उदाहरणार्थ
मुतअल्लिका-संबंधितपरिंद-पक्षी, चिड़िया
निहायत-बहुत अधिकखौफ-भय, डर
अमूमन-आमतौर सेखदशा-शंका, संदेह, शक
अश्या-बस्तुएं, चीजें

औरत का सुख हल्का होगा। (सूरज मंदा और सनीचर क्रायम)

क्रियाफ़ा- पावों की अनामिका छोटी हो मद्दमा से।

उपाओ- आबादी से बाहर जहाँ कोई बहम न करे रास्ता में बवकृत पक्की शाम बुध की अश्या मसलन फूल या नीले रंग के कांच के मोती दबाना मददगार होगा।

खाना नम्बर-7 राजा की क़ैद में जावे { बुध नम्बर 5 चंद्र पहले धरों में }

खाना नम्बर-8 सनीचर की मियाद (36 साला उम्र) पर सनीचर ज़हरीला सांप होगा। ऐसे बकूत में ख़ासकर मकान की दीवारों में सनीचर की मूर्ति (सनीचर के ग्रह का बुत) टेवे वाले के क़ज़न के बराबर बंद हो जब सनीचर बमूजिब वर्षफल मंदा हो जावे और कारोबार भी सनीचर के किए जावे तो ज़हर ख़ालिस के बाक़िआत होंगे। मसलन 37 साला उम्र जब सनीचर सूरज नम्बर 5 में आवे और मकान ख़रीदे जावे और सनीचर की अश्या

सरसों खली का व्योपार किया जावे तो औलाद ग़र्क़ और व्योपार तबाह होगा।

उपाओ-मूर्ति को हवा पहुंचाने के लिए दीवार में सुराख़ कर देने से औलाद का सांस बंद न होगा या औलाद बरबाद होने से बच रहेगी।

खाना नम्बर 9 -खाना नम्बर 3 और नम्बर 9 दोनों ही के ग्रह और दोनों } बुध नम्बर 3 का ताल्लुक या ही घर बरबाद होंगे और मंदा असर देंगे। } मंगल बद होवे

खाना नम्बर-10-

दुनिया तोहमत से नाहक मरता दुगनी ताक़त दो चलता हो

बुध जभी घर 8 वें बैठा

क़ैदी राजा का होता हो

दूसरों की तोहमत या बदनामी से } ख़ाह सूरज सनीचर नम्बर 10 ख़ाह इन दोनों के मस्नूई जजू } बुध नम्बर 10 नाहक आ मरे या मारा जावे } यानी शुक्कर बुध मस्नूई सूरज बृहस्पत शुक्कर मस्नूई सनीचर } में हो

ग़र्क़-तबाह, बर्बाद मस्नूई-बनावटी-झूठा मियाद-अवधि, समय, काल नाहक-अकारण, अन्याय, नाइंसाफ़ी

सूरज सनीचर

खाना नम्बर-11 -वही असर जो ऊपर खाना नम्बर 9 में दिया हुआ है मगर मंदा हिस्सा।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल।

सूरज राहु

ग्रहण रवि की किस्मत होती
उम्र राहु औलाद हो शक्की

वरना उम्र छोटी मरता हो
राज कमाई जलता हो

दुश्मन ग्रहों (शुक्रर पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज (ख़ाह किसी भी घर में हो)

इस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस खाना की मुतअल्लिका अश्या पर बुरा असर देगा। ऐसी

हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरमियान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बज़रिया बुध की पालना नेक कर लेना मुबारक होगा।

अगर सूरज के दोस्त (चंद्र-मंगल-बृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोस्तों की मुतअल्लिका अश्या पर मंदा असर होगा-दुश्मन बचा रहेगा।

सूरज के लिए राहु का साथ उसके आगे एक चलती रहने वाली दीवार की तरह

सूरज ग्रहण का ज़माना होगा यानी सूरज की रोशनी तो होगी मगर उस धूप में गरमी न होगी। दिन होते हुए वह धूप गत के चांद की चांदी की तरह मालूम होगी।

राजदरवार में हर बात उलझी हुई नज़र आती मालूम होगी मगर ग्रहण के दूर होते ही जिस

^१ किस्मत की चमक और बृहस्पत का असर राजा की बजाए चोर का होगा। बद्दियानती पेशख़ैमा होगी। और अपने ख़यालात की परांगंदी से सूरज ग्रहण होगा।

सूरज राहु-शरारती-हिलता हुआ हाथी दोनों मुश्तरका के वक्त बृहस्पत की हवा बफ़ानी मायूसकुन होगी।

^२ 45 साला उम्र तक ^३ मुफ़सिल फ़ेहरिस्त आगे हिस्सा पर दर्ज है।

बद्दियानती-बेईमानी, धोखेबाजी

मायूसकुन-निराश करने वाला, निराशाजनक

पेशख़ैमा-किसी होने वाले काम की तैयारी

परांगंदी-अस्तव्यस्ता, असंबद्धता

सनीचर-शनि ग्रह

औलाद-संतान

तरह सूरज की रोशनी में गरमी बहाल हो जाती है हूँ व हूँ यही हाल क्रिस्मत के मेदान में होगा यानी राहु का बुरा असर खत्म होते ही कुछ फिर उसी तरह ही उम्दा और उत्तम हालत पर हो जाएगा जैसा कि ग्रहण शुरू होने से पहले था।

ऐसे टेवे में मंगल खुद राहु को दबाता होगा।

सूरज ग्रहण (सूरज राहु मुश्तरका) के मदे ज़माना में अगर शुक्कर बुध इकट्ठे हों या वह दृष्टि के रवैये से जिस में बुध की नाली की दृष्टि भी शामिल है बाहम मिल रहे हों तो सूरज ग्रहण का बुरा असर न होगा। राजदरबार से किसी न किसी तरह मदद ज़रूर ही मिलती और धन दौलत की आमदन होती ही रहेगी। सूरज 39 साल में और 39 साल तक चमक देगा यानी 39 साला उम्र से 78 साला तक सूरज का असर उत्तम ही होगा। ग्रहण का आम अर्सा 2 साल और कुल अर्सा 22 साल हो सकता है।

(मंदरजाजैल फ्रेहरिस्ट सूरज राहु शुरू होने वाले सप्तह के हाशिया की ८ से मुत्तलिलका है)

खाना	सूरज राहु	खाना	सूरज राहु
नम्बर		नम्बर	
1	ठोड़ी-नाना-नानी	6	पूरा काला कुत्ता
2	हाथी के पांवों की मिट्टी-ससुराल सरसों-कच्चा धुआं-घर का भेदी चोरा।	7	सट्टा का व्योपार
3	हाथी दांत गैर मुवारक ज़बान का हेंदुआ जौं (अनाज)	8	झूला (मर्ज) मालीखूलिया
4	ख़ाब या ख़ाब का ज़माना धनिया (मसाला) सोया हुआ दिमाग़।	9	दहलीज़-नीले रंग घुण्डी (हलक से ऊपर) की बीमारियां।
5	छत-औलाद का सुख व उम्र।	10	ग़र्की गंदी नाली
		11	नीलम
		12	कोयले-हाथी-खोपरी
बाहम-आपस में मंदरजाजैल-निम्नलिखित फ्रेहरिस्ट-सूची मालीखूलिया-मस्तिष्क विकृति, दौरा, एक रोग विशेष ग़र्की-दूबना, बाढ़ हलक-कंठ, गला घुण्डी-गला, कंठ शुक्कर-शुक्र ग्रह			

सूरज राहू

नेक हालत

खाना नम्बर-5 -राहु की उम्र तक सदारत का मालिक होगा मगर मामूली मुश्ती या बल्कि न होगा।

मंदी हालत

ग्रहण का मंदा ज़माना अमूमन उस वक्त अपने पूरे ज़ोर पर होगा जबकि सूरज राहू दोनों मुश्तरका कुण्डली के खाना नम्बर 9 या 12 में हों।

(1) यहु भूचाल तो सूरज आग होगा या जिस घर में बैठे हों न सिर्फ वहाँ मंदा असर होगा बल्कि साथ लगता हुआ घर भी जलता ही होगा। मसलन दोनों नम्बर 6 में हों तो राहु दृष्टि की रैख्य से न सिर्फ खाना नम्बर 12 पर असर करेगा बल्कि अब खाना नम्बर 7 भी जो कि नम्बर 6 के साथ लगता है मंदा हो रहा होगा।

(2) औलाद मंदी 21 साल (राहु की पूरी उम्र वरना राहु की निस्फ़ उम्र तक) अगर मंगल किसी तरह से भी राहु को दबाता न होवे या खुद ही मंगल मंदा हो या राहु सूरज ऐसे घरों में हों जहाँ से कि राहु (हाथी) खुद ही मंगल (महावत) पर कीचड़ फॅक सकता हो तो ऐसे टेवे वाले की उम्दा सेहत और लम्बी उम्र दोनों ही बातें शक्की ही होंगी। किस्मत के मैदान में सूरज ग्रहण की हालत का नज़ारा होगा।

राजदरबार से ख़राबी (सिवाय खाना नम्बर 5) खुद अपने दिमाग की पैदाकरदा ख़ुराबियाँ बाइसे नुकसान या फ़जूलख़र्ची होंगी। जिसम की जिल्द पर स्याह सफ़ेद धब्बे मगर फुलबहरी न होगी।

उपाओ- (1) चोरी या गुमनाम नुकसान हो जाने से बचाओ के लिए जौ (अनाज) को बोझ तले अंधेरी जगह रखना मद्दगर होगा। बवक्त बुखार वैरह जौ और गुड़ का दान मदद करेगा या जौ को दूध में धो कर या गुड़ पेशाब में धोकर दरिया में बहा दें।

(2) सूरज की चमक को बहाल करने के लिए शुक्कर बुध मुश्तरका या शुक्कर और बुध अकेले-अकेले में से किसी एक की चीज़ों के दान से कल्याण माना है।

(3) बवक्त सूरज ग्रहण राहु की चीज़ों को (सूरज के दुश्मन ग्रहों की ख़ासकर) दरिया (चलते पानी)

सदारत-समापतित्व, अध्यक्षता
जिल्द-त्वचा, शरीर की ऊपरी खाल

निस्फ़-अर्द्ध, आधा

मुश्तरका-मिले जुले

बाइसे-कारण, हेतु, सबब

उपाओ-उपाय

अमूमन-आमतौर से

शुक्कर-शुक्र ग्रह

में बहाना मुबारक होगा। राहु और सूरज के बाहमी झागड़े के वक्त यानी जब राहु और सूरज दोनों ही का असर बुरा तंग कर रहा हो तो ताबे का पैसा गतभर आग में जलाकर सुबह सादिक (यानी कम अज्ञ कम 12 घंटे आग में रखने के बाद) सुबह चलते पानी दरिया-नदी नाले या जंगलों में बहाना मुबारक होगा। जला हुआ पैसा ले जाते वक्त ख़्याल रहे कि अपना ही कोई बाल बच्चा सामने न आवे वरना उस पर मंदा असर गिना है।

ख़ाना नम्बर-1 जन्म से ही अंधा होना माना है { सनीचर या मंगल या दोनों ही नम्बर 5-9 में }

ख़ाना नम्बर-3 34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही ग्रहों का फल मंदा ही होगा।

ख़ाना नम्बर-5 औलाद बेशक 21 साला उम्र तक बेमानी मगर राजदरबार में कोई ख़राबी न होगी।

ससुराल और मामूँ घर दोनों ही राहु की उम्र ($10\frac{1}{2}$ 21-42 साला) } दोनों नम्बर 5

उम्र) तक मंदे-निर्धन-मामूली आई चलाई होती रहे। चंद्र } चंद्र नम्बर 4

बरबाद ही लेंगे।

ख़ाना नम्बर-9-10-11-12

घर 9-12 ग्रहण रवि का

दोनों बैठे घर 10 या 11

उम्र मंदी खुद करने वाला

शनि बैठा हो मंदे टेवा

दोनों तभी घर 10 वें बैठे

मदद मंगल न गुरु खुद पाते

वहम उम्र नहीं होता हो

उम्र शक्की का होता हो

8 वें साथी ग्रह होता जो

नष्टी हुआ या मंदा हो

शनि दूजे ग्रह मंदा हो

उम्र 22 का होता हो

उम्र सिर्फ़ 22 साल बशर्ते कि नर ग्रह साथी } दोनों नम्बर 10 में { कियाफ़ा (1) सनीचर मंदा स्त्री

साथ या मद्दगर न हो वरना लम्बी उम्र होगी। } दोनों नम्बर 11 में { ग्रह बैठे हों ख़ाना नम्बर 2 में

(ख़ाना नम्बर 9-12 में दोनों मुश्तरका से सूरज ग्रहण का ज़माना } (2) सनीचर खुद नष्ट मंदा या

होगा)

उम्र को रद्दी कर रहा हो।

सुबह सादिक-जो सचमुच सवेरा हो, प्रातः, प्रभात बेशक-निःसंदेह, निःशक, यकीनन

कम अज्ञ कम-कम से कम, अधिक न हो तो इतना अवश्य

बाहमी-आपस का, पारस्परिक

टेवा-जन्मपत्री

मुश्तरका-मिले जुले

सूरज केतु^३

गरमी सूरज जब साथ हो मिलती
 औरत पिसर बरबाद गृहस्ती
 राज कमाई मालिक टेवे
 कुत्ता रोवे मुंह सूरज करके
 पोता उम्र ता केतु तरसे
 नुक़सान स़फ़र में अक्सर होते
 राज ख़राबी या ज़र मंदे
 पेशाब गऊ का धरती छिड़के

केतु होता खुद रद्दी हो
 बेटा पिता पर भारी हो
 बरबाद बेटे से होती हो
 निशानी भली न कोई हो
 आयु मगर खुद लम्बी हो
 सूरज चमकता गरमी जो
 शुक्कर केतु न उम्दा जो
 केतु शुक्कर बुध उम्दा हो

दुश्मन ग्रहों (शुक्कर पापी) के साथ बैठा हुआ सूरज (ख़ाह किसी भी घर में हो उस साथ बैठे हुए दुश्मन ग्रह की उस ख़ाना की मुतअल्लिक़ा अश्या पर बुरा असर देगा। ऐसी हालत में 22 से 45 साला उम्र के दरमियान दुश्मन ग्रह अपनी अपनी मियाद पर बुरा असर देंगे। दुश्मन ग्रह को बज़रिया बुध पालना (नेक) कर लेना मुबारक होगा। अगर सूरज के दोस्त (चंद्र-मंगल-बृहस्पत) भी साथ ही हों तो दोस्तों की मुतअल्लिक़ा अश्या पर मंदा असर होगा-दुश्मन बचा रहेगा।

ख़ाना नम्बर	सूरज केतु ^१	ख़ाना नम्बर	सूरज केतु ^१
1	नानका घर	7	दूसरा लड़का-सूअर-गधा
2	इमली-तिल	8	कान-छलावा
3	रीढ़ की हड्डी-फोड़े फुंसी	9	दो रंगा कुत्ता
4	सुनना	10	चूहा
5	पेशाबगाह	11	दो रंगा कीमती पत्थर
6	पूजा अस्थान	12	छिपकली-मुतबना

^१ औलाद मामूं केतु की अश्या या करोबार ^२ फ़ज़ूल बेमानी पावों चक्कर मंदी निशानी होगी।

^२ सूरज का असर मद्दम कानों का कच्चापन बरबादी देगा।

पिसर-पुत्र, आत्मज, तनय, बेटा, लड़का

मुतबना-गोद लिया हुआ लड़का (दत्तक पुत्र), मुतअल्लिक़ा-संबंधित

नेक हालत

किस्मत के मैदान में गो सूरज का ऐसा उत्तम असर न देगा मगर फिर भी सिर्फ बादल का साया होगा। सूरज ग्रहण न होगा पर मद्दम तो ज़रूर होगा।

मंदी हालत

सूरज का फल मद्दम होगा। सफ़र में नुकसान दूसरों का सलाह मशक्किरा बाइसे ख़राबी खुद अपने पांवों से पैदा करदा बुराइयां बाइसे ज़बाल या बरबादी टेवे वाले के लड़के की औरत बेशक मोटी तज़्जी मगर बदज़बान और खुद टेवे वाले का लड़का टेवे वाले की राजदरबार की कमाई में मंदा धक्का लगाने वाला और बरबाद करने वाला साबित होगा। कुत्ता ऊपर को मुंह करके रोता हुआ मंदे वक़्त की पहली निशानी देगा। औलाद का सुख मंदा और टेवे वाले को अपने पोते पड़पोते बसद मुश्किल बल्कि शायद ही देखने नसीब होंगे मगर टेवे वाले की अपनी उम्र पर कोई मंदा असर न होगा।

उपाओ- सूरज ग्रहण के वक़्त सूरज के दुश्मन ग्रहों की चीज़ें केतु की चीज़ें चलते पानी (दरिया-नदी-नाला) में बहाना मुबारक होगा।

खाना नम्बर-2 -मंदा तूफान-खुद केतु बरबाद मामू-मन्दे-औलाद बरबाद-पेशाब

की नाली से टेवे वाला हरदम दुखिया।

ज़बाल-गिराव, पतन, अवनति, उत्तरि का उलटा, हास, कमी बाइसे-कारण, हेतु, सबव

नसीब-भाग्य, किस्मत

बदज़बान-अपशब्द, बोलने वाला, गाली देने वाला

सूरज-सूर्य ग्रह

चंद्र शुक्कर

(गले में चांदी मददगार)

हाल घरों का-हर दो मंदा
माता औरत जब साथ इकट्ठा

ससुर मामूं का होता हो
एक आंखों से दुखिया हो

दोनों ग्रह 37 साला उम्र तक मुश्तरका गिने जाएंगे। मुश्तरका मिलावट में शुक्कर पूरा तो चंद्र निष्फ़ क्षेत्र में मिट्टी मिली हुई की तरह असर होगा या ऐसा पानी जिसमें मिट्टी घुली हुई होवे कीचड़ की तरह किस्मत होगी।

दोनों ग्रहों के अपने घरों का हाल मंदा ही होगा यानी }
शुक्कर औरत नूह (बहू) और उसका घर (औरत के वाल्डैन टेवे वाले के }
ससुराल) चंद्र सास और उसका घर (माता खानदान मामूं) }
दोनों ही घरों का
हाल मंदा होगा।

बारीक उड़ने वाली ज़र्ज़र हुई हुई मिट्टी को शुक्कर और जम कर तमाम एक ही तह बनी हुई मिट्टी को चंद्र की धरती माता कहते हैं।

ज़ेरकाशत ज़मीन को शुक्कर और ज़ेर मकान (तह मकान) को चंद्र कहते हैं। अगर शुक्कर दही तो चंद्र दूध होगा। रंग में दोनों सफेद हैं मगर उस सफेदी में फ़र्क यह है कि शुक्कर के सफेद रंग में दही के रंग की सफेदी होगी। सूती सफेद कपड़े शुक्कर से मुतअलिलक़ा होंगे मगर दूध के रंग की सफेदी और सफेद रेशमी कपड़े चंद्र से मुतअलिलक़ा होंगे।

नोट:- खेती हुई हुई ज़मीन को शुक्कर और खाली खेत व तह मकान की ज़मीन को चंद्र मानते हैं।

नेक हालत

दोनों ग्रहों का अंदरूनी (गैबी बातनी) फल उत्तम और प्रबल होगा। खुसरा गाय। (न बैल न गाय) न अमीर न ग़रीब न ज़्यादा नामद र्द मामूली जिंदगी बसर करने वाला होगा। चंद्र को अगर दुनियावी धन दौलत-माया ज़र मानें तो शुक्कर जगत लक्ष्मी होती हुई मिट्टी की

^१ शुक्कर का घर 2-7 और चंद्र का घर 4

निष्फ़-आधा, अर्द्ध खुसरा गाय-न बैल न गाय गैबी-दैवी, खुदाई, अप्रत्यक्ष, परोक्ष बसर-गुजारा, जीवन निर्वाह बातनी-अंदरूनी, आंतरिक, भीतरी, मानसिक दिली ज़ेर काशत-खेत की भूमि, खेती करना नूह-बहू

मोहनी तस्वीर होगी फ़र्क़ यह होगा कि चंद्र चांदी ठोस धात आगर दिल की शांति के लिए दुनियावी शब्द में रूपया पैसा होवे तो शुकर की जानदार अश्या स्त्री गाय बैल गृहस्ती हालत की जगत लक्ष्मी रात का आराम देंगे (खाना नम्बर 12 रात का आराम जहाँ कि शुकर ऊंच माना है) मुख्क्षसरन चंद्र माया दौलत बेजान हालत में दौलत है तो शुकर जानदार हालत में लक्ष्मी का असल सुख माना है।

खाना नम्बर-2-

काम दवाइयां दौलत देते
यकीनी शिफ़ा हों बच्चे पाते
गुरु निकम्मा होगा उसका
असर मंदा दो शादी होगा

हकीम बेशक न होता हो
पहचान मर्ज़ न करता हो
इश्क़ बुढ़ापे बढ़ता हो
कुवां नया जब लगता हो

दवाइयों के काम से फ़ायदा हो
खुद हकीम होने की शर्त न होगी। इश्क़ में
दर्जा कमाल (कामयाब) होगा।



दिल रेखा का
बृहस्पत के
बुर्ज नम्बर 2 में
दिल रेखा का
हिस्सा मोहब्बत रेखा
के नाम से मौसूम होगा

खाना नम्बर-4-

10 वें शनि जब टेवे बैठा
पिता अमोलक गिनते उसका
रवि बैठा घर 5 वें उसका
शुकर असर न होगा मंदा

उत्तम माता शुभ होती हो
10 वें रवि जब साथी हो
मात-पिता सुख लम्बा हो
दूध दही घर भरता हो

चंद्र शुक्कर

कामदेव-दुनियावी मोहब्बत और इश्के फ़ाहिशा
से दूर फ़क़ीर साहिबे कमाल होगा।



शरीफुन्नस मां बाप दोनों की तरफ
से ख़ालिस और भला लोग होगा ख़ासकर जब
दृष्टि ख़ाली हो।

मां का नेक असर शामिल होगा	सनीचर नम्बर 10
बाप का नेक असर शामिल होगा	सूरज नम्बर 3
लड़कियों की तरह शर्मीला मगर बुद्ध न होगा।	सूरज नम्बर 5



ख़ाना नम्बर-7-

काम दौलत से पूरा लेते
वरना गाय हों खुसरा कहते

माया दौलत सब बढ़ता हो
घोड़ा ऐबी 5 होता हो

आविद सखी परहेजगार होगा अगर धन का पूरा और नेक फ़ायदा लेवे तो उम्दा असर वरना
वही धन पांचों ही ईद्रियों के ऐब करवा कर बरबाद कर देवे। बाक़ी 7 बचने वाले
मकान की क़िस्मत (फ़ीलख़ाना-मवेशी ख़ाना-उम्दा हालत) का मालिक होगा।

बाप का नेक असर शामिल होगा	सूरज नम्बर 1
---------------------------	--------------

ख़ाना नम्बर-8 सेहत और धन दौलत के लिए बूढ़ी माताओं और शुक्कर गऊ सेवा या
दान मुबारक होंगे।

नोट:- बाक़ी घर अपना अपना फल होगा।

फ़ाहिशा-व्यामिचारिणी, कुलटा, प्रष्ट
शरीफुन्नस-स्वभावतः सज्जन

आविद-भक्त, तपस्वी, पूजा करने वाला पुरुष
सखी-दानी, दानशील, दाता

सूरज-सूर्य ग्रह
फ़ीलख़ाना-हास्तशाला, हाथी खान

चंद्र शुक्कर

मंदी हालत

शादी के दिन से दोनों ही ग्रहों का दुनियावी फल ख़राब। माता न होगी अगर होगी अंधी होगी या औरत और माता दोनों में से एक वक्त में एक ही देखती-भालती चलती-फिरती या सही सलामत होगी। नूह सास का झगड़ा होगा।

जब चंद्र किसी वजह से शुक्कर को बरबाद कर रहा हो तो बुध की मदद देवें। दही से पानी निकालना हो तो वही (शुक्कर) पर कपड़ा (चंद्र) डालकर राख (बुध) डाल दें। अब बुध (राख) पानी पी लेगा और शुक्कर (दही) को ख़राब न करेगा लेकिन अगर चंद्र खुद ही शुक्कर से बरबाद हो रहा हो तो चंद्र को मंगल की मदद देवें।

ख़ाना नम्बर-1 - औरत की सेहत मंदी बल्कि दीवानगी-पागलपन कम यादूशत बगैरह होगी।

ख़ाना नम्बर-2 - दूध में खांड की जगह मिट्टी मिली हुई किस्मत का हाल होगा। बृहस्पत का असर किसी नेक फल का न होगा। इश्क़ दुनियावी का आम ग़लबा (औरत की बदफ़ली-इश्क़ बाज़ी बगैरह) बाइसे तबाही होंगे।

ख़ाना नम्बर-4 - अगर उलटा हुआ तो दुनिया से मदहोश तमाम ही नशों (भंगी-चरसी-शराबी-पोस्ती अफ़्यूनी) में ग़र्क़ रहने वाला होगा।

ख़ाना नम्बर-7 - माता की आंखों पर झगड़ा

बल्कि नज़र कम या गुम होवे। शादी के दिन

से धन का बढ़ना बंद होगा।



सलामत-जीवित, जिन्दा, सुरक्षित, तंदुरुस्त

ग़लबा-सूंड की लड़ाई, दो दलों में आपसी मारकाट

दीवानगी-पागलपन, बुद्धि विक्षेप

बदफ़ली-बुरा काम, व्यभिचार

यादूशत-स्मरण शक्ति

अफ़्यूनी-अफ़ीम खाने

चंद्र शुक्कर

खाना नम्बर-8-

हिंडा बुद्ध बद चलनी बढ़ती
 सेवा गऊ और माता बूढ़ी
 मकान दौलत सुख दुनिया पूरे
 सेहत औरत ज़र जब कभी मंदे

उजाड़ उल्लू कर देता हो
 सेहत दौलत सब पाता हो
 असर शराफ़त रेखा हो
 रक्षा बंधन शुभ होता हो

नामर्द वरना बुज़दिल होवे। अपने ही मंदे कारनामों की बजह से चंद्र का धन
 और शुक्कर का गृहस्ती सुख बरबाद होगा। बदचलनी की मर्ज़ का ताल्लुक भी हो सकता है या होगा जिसकी
 बजह से खुद साख़ा बेवकूफ़ियां बाइसे तबाही होंगी।

नोट:- बाक़ी घर अपना अपना फल होंगा।

चंद्र मंगल

(श्रेष्ठ धन)

मीठी गुज़र हो दूध शहद की
 आयु उत्तम और शांति पूरी
 असर उत्तम ग्रह मंडल साथी
 ऊंच नज़र बुध अक़ल व्योपारी
 ऋण पितृ जब टेवे बैठा
 बिपता कबीले खुद सिर लेता

लाल-चांदी-धन माया हो
 दान देने से बढ़ता हो
 शर्त माया न होती हो
 शुक्कर भला कुल पापी हो
 आकाश पाताल आ कांपता हो
 जान जोखों कर जाता हो

जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हों जहां कि चंद्र उम्दा और नेक हो तो 52 साला उम्र तक
 मुश्तरका होंगे।

जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हों जहां कि मंगल उम्दा और नेक हो 38 साला उम्र तक

शराफ़त-कुलीनता, वंश की शुद्धता, सम्मनता
 विपता-कष्ट
 मुश्तरका-मिले जुले

बजह-कारण, हेतु
 बदचलनी-गलत रास्ता पर चलने वाला
 साख़ा-अपने आप बना हुआ
 व्योपारी-व्यापारी

मुश्तरका होंगे।

जब दोनों ग्रह ऐसे घरों में हों जहां कि मंगल बद हो तो 33 साला उप्र तक मुश्तरका होंगे। मुश्तरका मिलावट में दोनों का बराबर का और नेक हिस्सा शामिल होगा। जब चंद्र उम्दा हो तो मंगल का निस्क हिस्सा होगा लेकिन जब मंगल उम्दा हो तो चंद्र का दोगुना होगा जब मंगल बद हो तो $\frac{1}{3}$ हिस्सा बुरा मिला हुआ करेगा।

दोनों 3-4-8 में होने पर मंगल बद कभी न होगा।

क्रियाफ़ा:- जब धन श्रेष्ठ

रेखा चंद्र के बुर्ज से शुरू

होकर सिर रेखा से जा मिले और

उसका झुकाओ हो जावे बतरफ़

सबसे श्रेष्ठ या उत्तम लक्ष्मी
माया दौलत होवे या दोस्तों
की पूरी मदद होगी

बृहस्पत

दोनों को देखे बृहस्पत या वह

देखे बृहस्पत को।

साहिबे हुकूमत राजयोग
सूरज का उत्तम फल

सूरज

दोनों को देखे सूरज या वह

देखे सूरज को।

आौलाद के विघ्न अपना धन
विन बरते चला जावे या धन
का सुख न पावे

शुकर

दोनों को देखे शुकर या वह

देखे शुकर को।

ब्योपारी-आलिम-अकूलमंद
र्जा कमाल अकूल का धनी मगर
धन की शर्त नहीं मुतअल्लिका दुनिया
से मदद होवे

बुध

दोनों को देखे बुध या वह

देखे बुध को।

मुतअल्लिका-संबंधित मुश्तरका-मिले जुले क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार विघ्न-विज्ञ आलिम-विद्वान

चंद्र मंगल

सनीचर का पूरा नीच फल जानवरों (ज़हरीले या दरिद्रे) से दुख-ख़तरा बल्कि मौत होवे। ज़िद्दी अहमक़ दुनियावी हर तरह से मंदा भाग। ग़लौंक ज़हर खाकर मरे या हथियार से मौत होवे।

क़रीबी रिश्तावार लड़के भतीजे सरकारी मुलाज़मत में जाने की निशानी है मगर वह पैसा धेला कमाकर या बचाकर न देंगे।

जब सनीचर ख़ाना नम्बर 10-11 का न हो यानी सिवाय 10-11 के किसी भी घर।

बतरफ़ सनीचर

दोनों को देखे केतु या वह देखें केतु को।

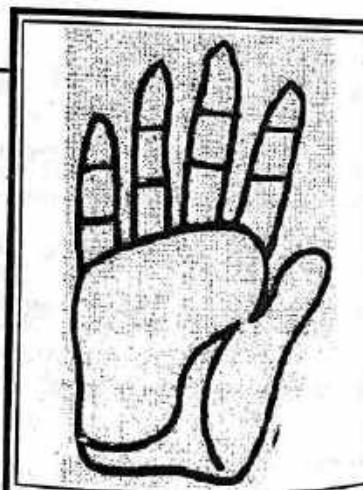
नेक हालत

दोनों का और नेक फल होगा मधुपान दूध (चंद्र) में शहद (मंगल) धन श्रेष्ठ रेखा होगी। दूध में खांड मिली हुई को तरह उम्दा जिंदगी होगी दुनियावी गृहस्त जंग व जदल में नेक फल होगा।



क्रियाफ़ा:- चंद्र के बुर्ज से निकलकर रेखा शुकर के बुर्ज के रास्ते उग्र रेखा के बराबर बराबर चलती हुई मंगल नेक तक चली जावे।

क्रियाफ़ा:- वही ऊपर की रेखा शुकर के बुर्ज के रास्ते की बजाए चंद्र से निकल कर उग्र रेखा के बराबर बराबर मंगल के बुर्ज में स्थित हो जावे तो धन श्रेष्ठ रेखा होगी जिस में सनीचर की चालाकी या बदियानती का असर शामिल नहीं हुआ होगा।



मुलाज़मत-नौकरी, सेवा क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार अहमक़-बहुत ही मूर्ख, निपट अनाड़ी, बेअक्ल दुनियावी-संसार संबंधी, सांसारिक जंग व जदल-मारकाट, रक्तपात, लड़ाई झगड़ा बदियानती-बेईमानी, धोखेबाज

ख़ाना नम्बर-
इकबाल और आर-
रेखा के धन की-
ख़ाना नम्बर-
और सनीचर का-
ख़ाना नम्बर-
ख़ाना नम्बर-
ख़ाना नम्बर-

शर्त म-
बुध म-
दृष्टि-
घर चं-

ख़ाना नम्बर-

भी ज्यादा और

दिल रेखा के

सरकार के घर

होगी

ख़ाना नम्बर-

मरातिब-प्रतिष्ठ

ख़ाना नम्बर-3 - अक्लमंद-साहबे तदबीर इज्ज़त तरक़ूकी और मरतिब का मालिक। साहबे इक्बाल और आराम पावे। ऐसा शख़स बड़ा ही दौलत मंद और अमीर कबीर होगा मगर ऊर्ध रेखा के धन की तरह दुष्ट भागवान कहलाएगा जिसे किसी की परवाह न होगी।

ख़ाना नम्बर-4 - धन दौलत के निकास का मालिक ख़ुब उम्मा दौलत जब तक बुध और सनीचर का साथ ख़ाना नम्बर 4-10 में न हो जावे।

ख़ाना नम्बर-7 - धन दौलत और परिवार का धनाद्य यानी बहुत बड़ा अमीर और क़बीला वाला होगा।

ख़ाना नम्बर-9 - खुद दुष्ट भागवान मगर औलाद उत्तम धनाद्य (धनवान)।

ख़ाना नम्बर-10-

शर्त माया न मंगल गिनते
बुध मंगल बद नेक आ होते
दृष्टि शर्त न घर 2 गिनते
घर चौथे जब शत्रु बैठे

शनि फ़ैसला खुद करता हो
राज ख़जाने भरता हो
पांच ज़हर न देता हो
नाश दोनों ग्रह होता हो

ख़ाना नम्बर-11 - धन का फ़ैसला सनीचर की ज़ाती हालत पर होगा अगर सनीचर उत्तम उम्मा तो धन भी ज्यादा और हर तरह से उन्नति देगा।

दिल रेखा के आख़ीर पर चौकोर हो तो

सरकार के घर से रुपये की पूरी प्राप्ति होगी



ख़ाना नम्बर-12 - दूध में शहद की ज़िंदगी या रात को हर तरह का आराम और दिल की शांति होगी।

मरतिब-प्रतिष्ठा

इक्बाल-प्रताप, तेज

क़बीला-वंश, गोत्र, खानदान

ख़जाने-निधि, कोष, धन्डार

चंद्र मंगल

मंदी हालत

खाना नम्बर-7 -लालची-चैसे का पुतर

मौत सदमा या हादसा से होवे।

लाल रंग का सांप

ख़़ज़ाने के ऊपर घर में बैठा

होने की तरह बुजुर्गों की माया का

कोई फ़ायदा न होगा।

} सनीचर
नम्बर 1



खाना नम्बर-9 -मौत सदमें से होगी।

खाना नम्बर-10'

बुरी मौत और हादसा से होगी।

धन की ज्यादती की कोई शर्त नहीं।

खाना नम्बर-11-

वहमी-लालची

सदमा-आघात, चोट, दुःख

वहमी-प्रमित, संवेदशील

दिल रेखा

और ग्रहस्त रेखा

सनीचर के बुजं

या मद्दमा के

नीचे मिले



ख़़ज़ाने-कोष, भण्डार शर्त-समझौता, प्रतिष्ठा, वाद

अगर मंगल बद हो तो नाकामयाब आशिक्
औरतों के ताल्लुक में बेमानी होगा।

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा।



बे चंद्र बुध

अपने घरों खुद हर दो मंदे
नेक असर दें बाहर घरों से
नष्ट चंद्र खुद हो शनि मंदा
शनु पापी से हर दो गंदा

(मां बेटी-दरिया के पानी में रेत
मेंना तोता-हंस परिंदा-कुवां
मय सीढ़ियां)

साथ दृष्टि खाली जो
पाई जगह खाली मंदी हो
औलाद केतु न उम्दा हो
माता बेटी न फलता हो

दोनों ग्रह 29 या 58 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे।

चंद्र नेक होने की हालत में बुध का $\frac{1}{2}$ हिस्सा मंदा हो सकता है। बुध का नेक फल (ब्योपार वैरह) और चंद्र का फ़ायदा (समुंदरी सफ़र वैरह) 34 साला उम्र के बाद उत्तम होगा।

नेक हालत

(1) दोनों ऐसे घरों में हों जहां कि बुध किसी तरह भी नेक हो रहा हो तो चंद्र धर्मात्मा

—बुध का अपना घर 3-6-7 (दूध में मेंगने और खाना नम्बर 4 चंद्र का घर अदल के दरिया में ही खुदकुशी तक की नौबत) लेंगे।
बे बुध अब चंद्र की बेटी होगी।

नाकामयाब-असफल, मनोरथ, नाकाम आशिक्-प्रेमी, अनुरागी, व्यसनी परिंदा-पक्षी, चिड़िया ताल्लुक-संबंध खाली-चाहे मुश्तरका-मिले जुले अदल-तर्कयुक्त, युक्ति संगत बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

चंद्र बुध

और नेक फल देगा।

(2) दोनों ऐसे घरों में हों जहाँ कि दोनों में से किसी एक का फल (बैठे हुए घर में से सिर्फ़ एक को अलाहदा अलाहदा गिन कर) ख़राब हो रहा हो तो अब दोनों का ही फल उम्मा होगा।

(3) जब दोनों अपने अपने घरों (यानी ख़ाना नम्बर 4 चंद्र का घर और ख़ाना नम्बर 7 बुध का घर) से बाहर हों और दृष्टि की रवैये पर हर तरफ़ से ख़ाली हों तो इक़बालमंद और

धन दौलत उम्मा होगा मगर दिल का फिर भी डरपोक ही होगा।

(4) जब दोनों मुश्तरका को बृहस्पत या सूरज या सनीचर देखें तो नेक असर होंगे।

ख़ाना नम्बर 2- पिता की उम्र अब कभी शक्की न होगी और न ही धन दौलत और उसका तोशा

(पिता का बचाया हुआ माल दौलत) बरबाद होगा बल्कि बुध अब मदद देगा।

ख़ाना नम्बर 4- अमोलक हीरा। धन दौलत का गहरा दरिया जो हर तरह की शांति देवे।

गैबी हाल अच्छा नेक होगा।

ख़ाना नम्बर 6-

नज़र शक्की खुद ख़ूनी होता माया दौलत ख़्वाह लखपति हो
मंगल चौथे घर 8 वें बैठा माता मासूमी मरती हो

माता पिता का सुख सागर लम्बा असा और नेक होगा। बज़ूज़ी के कामों से मिसल राजा होगा।

अकूल क़ायम। हमदर्द व मातृ हिस्सा का असर नेक होगा मगर एक तरफ़ा तबीयत का मालिक होगा।

ख़ाना नम्बर 10- समंदर और सफ़र दोनों मोती देंगे। बृहस्पत नम्बर 3 का उत्तम फल साथ होगा। शेर दहाना मकान की हैसियत होगी। जंगी या तिजारती काम व मर्दों की बरकत होगी।

ख़ाना नम्बर 11-

मोती समंदर पैदा करती रोज़ बारिश न होती हो
वक्त शादी या अपनी लड़की बारिश मोती की होती हो

समंदर की सीप में मोती बनाने वाली बारिश हर रोज़ नहीं होती लेकिन जब होगी।

अलाहदा अलाहदा-पृथक पृथक, अलग अलग

बज़ूज़ी-कपड़े का रेज़गार, कपड़े बेचने का काम

इक़बालमंद-प्रतापी, तेजस्वी

तिजारती-व्यापार से संबंधित

तोशा-सफ़र का सामान

जंगी-लड़ाई से संबंध रखने वाला

मोती बना कर ही जाएगी। लड़की की शादी के दिन से मुबारक दर मुबारक फल पैदा होंगे।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

(1) दोनों ऐसे घरों में हों जहाँ कि
बुध का फल किसी तरह से निकम्मा हो रहा हो
तो चंद्र का दुनियावी फल भी निकम्मा और ख़राब
ही होगा। ग़लबा इश्क से तबाह होगा बल्कि
सनीचर भी भला न होगा। ऐसी हालत में चंद्र
का रुहानी फल उत्तम बल्कि प्रबल ही होगा।



(2) अगर पापी ग्रहों का ताल्लुक हो जावे तो दोनों ही ग्रहों का दुनियावी और ग़ैबी फल मंदा होगा।

(3) जब दोनों को मंगल बद देखे। केतु का फल निकम्मा और केतु के मुतअलिलका रिश्तादार मामूं
तरफ़ ख़राबियां ही होंगी मगर खुद अपनी उम्र लम्बी होगी। ग़शीग़ोता दिल की बीमारियां होंगी।

उपाओ- बुध के मंदे असर के बवत राहु या मंगल बद की मदद मुबारक होगी।

ख़ाना नम्बर 3- सनीचर और राहु बरबाद और शुक्कर का फल मंदा होगा खासकर जब
ख़ाना नम्बर 6 में बुध का दोस्त यानी सूरज या शुक्कर या राहु न हो।

ख़ाना नम्बर 4- दुनियावी हाल मंदा ही
होगा। दोनों मुश्तरका मंदे सनीचर का फल
देंगे। चांदी की जगह क़लाई होगी। चंद्र
का ज़हर बुध की रेत को और भी जलाता ही
होगा। परई मुसीबतें को अपने ऊपर लेकर
ख़ामख़ाह बरबाद होगा। या फ़र्ज़ी वहम में



अपने सिर की कमज़ोरी दिखलाएगा और खुदकुशी तक नौबत हो सकती है जिसकी वजह ग़रीबी या

ग़लबा-प्रभुत्व, सत्ता ग़शी-बेहोशी, मूर्छा, गश ग़ोता-डुबकी, मज्जन खुदकुशी-खुद को मार डालना, आत्महत्या
ज़्याहज़्याह-बिना किसी बात के मुश्तरका-मिले जुले उपाओ-उपाय मामूं-मामा (माता का भाई)

चांद बुध

मुसाफिरी न होगी बल्कि दिल न होने का सबब या गलवा इरकू सबब होगा।

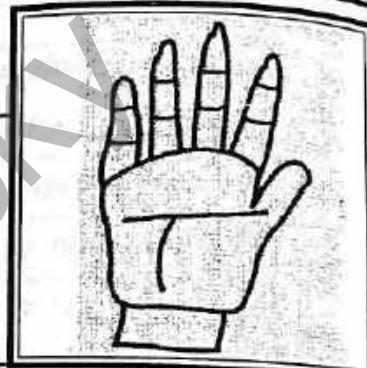
खाना नम्बर-6-

ऐसा आदमी खूनी होगा। ऐसा आदमी
लाखोपति होता हुआ भी मुसीबत ही
मुसीबत देखता चला जाएगा।



मगर

अबल को कोई पेश न जाएगा।
6 बाकी बचने वाले मकान की तरह
किस्मत (तकिया मुसाफिर) होगी।



खाना नम्बर 7- दूध में रेत

या बकरी दूध तो देंगी मगर मैंगने
डाल कर यानी हर दो ग्रह का फल ख़राब
और बदम़ज़ा या बेज़ाय़क़ा ही होगा।
लाखोपति फिर भी दुखिया ही होगा।
माता न होगी अगर होगी तो शायद अंधी
ही होगी। दिमाग़ी सदमात भी हो सकते
हैं। दस्ती पेशा बरवाद ही होगा।

पेशा-व्यवसाय, धंधा, रोजगार

मुसीबत-दुःख, बलेश, कष्ट, तकलीफ



बाकी-शेष, बचा हुआ

मुसाफिर-यात्री, पथिक, राहगीर

दस्ती पेशा-हाथ का रोजगार, कम

जायका-स्वाद

ख़ाना नम्बर 8- वही मंदा फल जो ऊपर ख़ाना नम्बर 4 में दिया है।

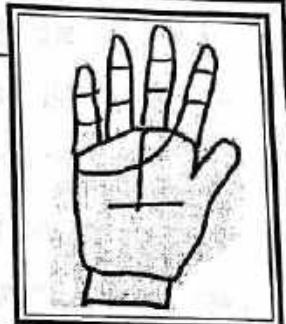
ख़ाना नम्बर 10- औरतों और बच्चों

के ताल्लुक में कोई ऐसा मुबारक फल न होगा। अगर ख़ाना नम्बर 8 मंदा हो तो निहायत बुरी मौत का ख़तरा होगा। मनहूस ज़िंदगी का मालिक होगा।

ख़ाना नम्बर 12- सनीचर का फल अब

ज़हरीला होगा ख़ाह वह (सनीचर) अब टेवे में कैसा ही उम्दा बैठा होवे

कियाफ़ा:- जिसके सहारे दिमाग़ ने सोचा वह पढ़ले ही रोता हुआ और आगे भगता हुआ जाता नज़र आया।



बे चंद्र सनीचर

पहाड़ शनि मेदान चंद्र का
एक भला तो दूसरा मंदा
ससुराल औरत के उस की माया
बदनाम हुआ मुंह दुनिया काला
शत्रु चंद्र जब तख्त पे बैठे
उम्र शनि का साथी मिलते

कोहसार समंदर बनता हो
मौत बहाने घड़ता हो
काम अमूमन आती हो
ज़हर शुक्कर में भरती हो
चोरी-हानि-धन जाता हो
पैदा दौलत खुद करता हो

दूसरी तरफ़

बे- काली स्याही-पानी की बावली (मानिंद कुवां) उल्या हथियार जो अपने माथे ही लगता रहे। कछुआ (पानी का जानवर) हथियार-बिंगड़ा हुआ दूध-लोहे की ऐसी मशीन जिस पर सवारी कर के इंसान घोड़े की तरह चला सके मसलन मोटर लारी या लोहे की स़फ़र की चीज़-ख़ूनी कुवां दूध में ज़हर माली हालत के लिए ख़ाना नम्बर 10 ही का दिया हुआ फल लेंगे। ख़ाह यह दोनों ग्रह टेवे में किसी घर भी इकट्ठे बैठे हों सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा।

निहायत-अंत, छोर, सीमा, बहुत अधिक मनहूस-अशुभ, अकल्याणकारी, अभागा कोहसार-पर्वतमाला ख़ाह-चाहे रख-लग, सिंहासन कियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार समंदर-समुद्र ताल्लुक-संबंध अमूमन-आमतौर से

चंद्र सनीचर

रवि हुआ जब टेवे मंदा
जान शनि जो चीज़ दो रंगी
चमड़े का बटवा बक्स लोहे के
जान चीज़ों पर बिजली कड़के
सांप शनि दूध चंद्र पीता
दृष्टि मगर ग्रह जब कोई बैठा

ज़हर शनि की बढ़ती हो
हमले औलाद पे करती हो
माया कभी जब होती हो
ज़हर दौलत सब बनती हो
ज़हर माता खुद देती हो
जान शिफा ज़हर बनती हो

दोनों मुश्तरका में अंधा घोड़ा या दरिया में बहता हुआ मकान (मदे मायनों में) होगा। एक भला तो दूसरा मंदा होगा। इस तरह दोनों का फल ख़राब होगा। दोनों 44 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और मस्तूर्व नीच केरु का असर होगा। जहां सनीचर का असर उम्दा होगा उस में $\frac{1}{3}$ हिस्सा चंद्र का मंदा फल होगा। जहां चंद्र उम्दा होगा वहां सनीचर का बुरा असर साथ होगा। दोनों ग्रहों में प्रबल कौन है का फ़ैसला टेवे वाले की आख की हालत (यानी वह बमूजिव कियाफ़ा किस असर की है) से होगा।

नेक हालत

किसी दूसरे के साथ से जो हम उम्र हो या बहिसाब उम्र दूसरी उम्र का साथी हो। (रितादारी में ऊपर या नीचे के दर्जे का मगर उम्र में बराबर) धन पैदा होगा और सनीचर मदद देगा।

ख़ाना नम्बर 1- वही नेक और उम्दा असर जो सूरज सनीचर मुश्तरका ख़ाना नम्बर 10 में दिया है।
ख़ाना नम्बर 2-3

नम्बर 2- घोड़ा काला या कुवां लगाते

कारे रफ़ाए सब उम्दा हो

नम्बर 3- ख़ाली बक्स धन दौलत होती

दोनों पाया घर तीजा हो

नम्बर 2 उम्दा असर होवे-स्याह घोड़ा-कुआं लगाना मुबारक होगा। रफ़ा ए आम के काम भी कामयाब होंगे।

ज़हर-विष कामयाब-सफल, पूर्णकाम, प्राप्त मनोरथ रफ़ा ए आम-लोक कल्याण तीजा-तीसरा मस्तूर्व-बनवटी

खाना नम्बर-3- जायदाद ज्यादा बल्कि बेशुमार ।

खाना नम्बर 4-

उतरे मोतिया आंखों उसकी
शत्रु बैठक 10 चंद्र होती



बुध चौथे जब बैठा हो
मौत या हर्जा पाता हो

चंद्र अब कुण्डली वाले के लिए

मानसरोवर होगा। अगर सूरज की मदद
मिलती हो तो पितृ रेखा (वाट्टैन का साया)
का मुबारक फल होगा। सनीचर मददगार
सांप और खुद साया करने वाला होगा।
खुद उसके लिए यानी अगर किसी वक्त उसका
जिस्म नाकारा हो जावे तो सांप डस कर मार देने की बजाए उसे मज़बूत
और आसूदा कर देगा मगर दूसरों के लिए वह खूनी सांप होगा।



खाना नम्बर 6-

शनि चंद्र की मिट्टी बोले
तीनों कुत्ते घर उसके मंदे



चीज़ें चंद्र सब मंदा हो
मकान कमाई उम्दा हो

खुद अपनी आमदन और खुद अपने बनाए हुए मकान आबाद और मुबारक होंगे।

खाना नम्बर 9-

माया दौलत गो हर दम बढ़ता
आवे हयात जो उसको मिलता



असर चंद्र खुद मंदा हो
जिस्म पर छाले करता हो

धन दौलत उत्तम और निहायत मददगार

१ सुसुराल घर जवाई-बहिन के घर भाई-नानके घर दोहता



आसूदा-धनवान, समृद्ध, अमोर

जवाई-बेटी का पति

आवे हयात-अमृतजल, सुधा

दोहता-बेटी का बेटा

निहायत-बहुत ही

बेशुमार-असंख्य, अनगिनत, अगणनीय, बहुत अधिक

चंद्र सनीचर

ख़ाना नम्बर 12- माया पर पेशाब की धार मारने वाला बेग़र्ज़ इन्सान होगा।

मंदी हालत

इन्सानी दिल (चंद्र) औरत की शरारती आंख की लहर या इशारा और गेसू (जुल्फ़) (सनीचर के कामों) से ही मौत हूँड़ता फिरता है। इश्क़ बाइसे तबाही होगा। उसका धन स्त्री और स्त्री ख़ानदान (सुसुगल) या दूसरे यार दोस्त और गैर हक़ीकी भाई बंदों (फ़र्ज़ी दोस्त) के बहुत काम आवे।

जब कभी चंद्र के दुश्मन ग्रह तख़ा (ख़ाना नम्बर 1) पर आवें चोरी या धन हानि होगी।

सनीचर के काम रिश्तादार या अश्या मुतअल्लिक़ा सनीचर दुख का सबब होंगे। स्याह मुंह बदनाम करने वाली माया होगी यानी उसका ख़ालिस चांदी का रूपया हर तरह से खोटा और स्याह बदनामी का कारण होगा। उसकी ठंडे मीठे पानी के कुएं में काली स्याह ज़हर मिली हुई होगी। सनीचर के मकान आराम देने की बजाए दुख का बहाना होगी। सनीचर की डवासी और वैराग दिल को शांति देने की बजाए उल्टा उसे जलाते ही होंगे।

अगर चंद्र उम्दा धन तो सनीचर ऐसा मंद ख़ज़ांची होगा जो ज़खरत के वक्त मालिक को रूपया निकालने न देगा या ऐसे टेवे वाले की अपनी कमाई अपने काम न आएगी।

स्याह मुंह बदनाम करने वाली माया का मालिक होगा।

सनीचर या चंद्र की दोरंगी अश्या (घोड़ा-मैंस स्याह मगर उसका माथा सफेद चारों पांव और माथा सफेद बाक़ी स्याह चारों पांव और माथा सफेद बाक़ी भूरी लाल रंग) बृहस्पत और केतु की जानदार और बेजान चीज़ों का फल मंद करेंगी। (हादसा हो या नज़र पर हमला होवे।

एक आंख सीधी दूसरी टेढ़ी या आंख का कानापन या दिल पर ज़हरीली बीमारियां या सांप की तरह हर किसी पर ज़हरीला हमला कर देने वाला खुदग़र्ज़ हो सकता है।

उपाओः:- मंदे वक्त दो रंगे जानवरों का माथा स्याह कर दें। नज़र मंदी होने के वक्त 43 दिन लगातार ख़ालिस पानी न पीवें पानी में कोई न कोई और चीज़ मिलावें मसलन खांड

अश्या-वस्तुएं, चीजे

मुतअल्लिक़ा-संवैधित

स्याह-काला

सनीचर-शनि ग्रह

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

दूध-लीपू-चाय जो भी दिल चाहे या मौसम के मुताबिक बेहतर हो मिला लिया करें और नशे वाली (सनीचर की अश्या) का इस्तेमाल भी मदद ही होगा।

उपाओ- सांप को दूध पिलाना चंद्र को प्रबल करेगा और उस का फल नेक होगा। चंद्र

ग्रहण के बक्त सनीचर की अश्या (नारियल बदाम बौरह) चलते पानी में चहाना मददगार होगा। दोनों ग्रहों बाहमी मंदी हालत राहु से बचाओ के लिए सूरज का उपाओ मददगार होगा।

ऐसे टेवे वाले के लिए आगे से हथियार का आ मिलना मंदी निशानी होगी। उसके लिए ऐसे वक्त नेक काम करना गैर मुबारक होगा।

घर में लोहे का सेफ़ (बड़ा बक्स) होने के बक्त उसमें चांदी की थाली में पानी भर कर रखे रहना मुबारक होगा। जबकि दोनों ग्रह खाना नम्बर 5 में न हों। बरना (जब खाना नम्बर 5 में हों तो) मंगल सनीचर मुश्तरका की अश्या उस सेफ़ में रखनी मुबारक होगी।

खाना नम्बर 1- वही मंदा और बुरा असर जो सूरज सनीचर मुश्तरका खाना नम्बर 10 में दिया है।

खाना नम्बर 2- मौत हथियार से होवे। हादसा भी हो सकता है।

खाना नम्बर 3- चोरी का घर है। संदुकची होगी मगर धन से खाली-नक़दमाल नदारद या नहुत कम धन के लिए सनीचर क्रांतिल उपाओ होगा। केतु का उपाओ मददगार होगा। अगर केतु भी मंदा होवे तो लाल फ़िटकरी ज़मीन में दबाना मददगार होगा।

खाना नम्बर 4- चंद्र अब खूनी कुआं

होगा। दूसरों के लिए। मौत पानी से

रात को होगी खासकर जब नम्बर 1-7

10 में सूरज न हो लेकिन अगर सूरज

1-7-10 में बैठा हो तो मौत दरिया नदी

गला के पानी से दिन को होगी। उसका धन

पानी से दबा हुआ धन होगा जो उसके लावल्द होने या मौत पा जाने के बाद दूसरों

के काम आएगा। औरत के फ़जूल ख़र्च (बेवा बतौर फ़र्ज़ दुनियावी या माशूका बतौर कबूतरी

बज़ बाइसे तबाही होंगे। सांप को दूध पिलाना मुबारक होगा।

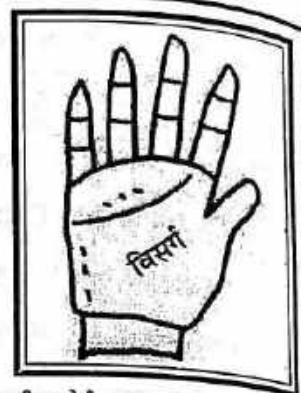


बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर संदुकची-पैसे रखने का बक्सा नदारद-गायब, खाली लावल्द-निःसंतान मुश्तरका-मिले जुले माशूका-प्रेमिका उपाओ-उपाय

चंद्र सनीचर

अगर चाल चलन गंदा हो तो अपनी बेवकूफी या मोतिया
बगैरह से नज़र बरबाद करा वे खासकर
जब बुध नम्बर 4 में हो। चोट से नज़र
ख़रब न होगी। अमूमन मौत परदेस में या
अपने घर घाट इलाक़ा बगैरह से बाहर
होगी। जब ख़ाना नम्बर 10 में चंद्र के दुश्मन

ग्रहों-बाकी 4 बचने वाले मकान (निर्धन-मनहूस-मानिंद गधा कामकाज मज़दूरी की कोई हद न हो मगर खुराक के लिए कोई मौका तक नसीब न हो) की किस्मत का मालिक होगा। चंद्र नम्बर 4 और सनीचर नम्बर 4 की मंदी हालतों में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा। पिता की मौत गोली बगैरह से अचानक और चंद्र सनीचर की मियादों में हो सकती है।



ख़ाना नम्बर 5

धनी दौलत औलाद हो मंदा
आतिशखेज़ी धुआं ज़माना

दुखिया मुसीबत भरता हो
ग़र्क़ समन्दर करता हो

वही असर जो सूरज सनीचर मुश्तरका नम्बर 1 में दिया है। धन दौलत के लिए औलाद पर ख़राबी होगी। मुसीबत में दुख क़ायम। अतिशखेज़ी सनीचर के पहाड़ का धुआंधार ज़माना खड़ा कर देगा जो चंद्र के समन्दर के पानी में ग़र्क़ होकर ग़ोता देने का बाइस होगा।

माता की या खुद अपनी नज़र मंदी होगी। जब सनीचर के सांप मारे या मरवाता हो सनीचर का बड़ा बक्स (Safe) बगैर धनहानि और मकानों के बिक जाने (मंदी हालत) का बहाना होगा ऐसे (Safe) में चंद्र की चीज़े मुवारक न होंगी। बल्कि मंगल सनीचर मुश्तरका की चीज़े छुहारे बगैर रखने मुवारक होंगी।

ख़ाना नम्बर 6- दुनिया के तीन कुत्ते बाइसे ख़राबी होंगे। चंद्र सनीचर दोनों ही ग्रहों की अश्या (जानदार और बेजान) रिश्तादार और कारोबार मुतअल्लिका हर दो ग्रह मंदा फल देंगे और बरबाद होंगे या बरबाद करेंगे।

अमूमन-आमतौर से

मानिंद-की तरह से, तुल्य

मियादों-समय, अवधि, काल

बाइसे-कारण

ख़ाना नम्बर
और अधिकान
स्त्री ज़गड़ों
कारोबार-का
ज़िद्दी तबाह

दूध में क
बवकत रात)

बीमारिया दर

बहाना होंगी
सनीचर की

ही ज़िंदा बा
मत् भूमि म

बदनामी का

ख़ाना

9 साला)

जानवर सा

होंगे। बुद्धि

होने की नि

कियाप्त

बुज़ की ग
और उस

मुतअल्लिका

खाना नम्बर 7- आंखों की बीमारियां

और अंधापन तक नौबत हो सकती है।

स्त्री झगड़ों (शुक्कर की मुतअल्लिका अश्या

कारोबार- करोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका शुक्कर) से
ज़िंदगी तबाह होगी।

दूध में काली मिर्च का इस्तेमाल (ख़ासकर
बवकृत रात) फेफड़े में पानी या दिल की कोई दूसरी
बीमारियां देगा जो धन हानि और कमज़ोरी नज़र का
बहाना होंगी। 42 साला उम्र में माता पिता से सिर्फ़
सनीचर की उम्र में (9-18-36 साला उम्र) एक
ही ज़िंदा बाक़ी होगा। मौत अपने गृहस्त और
मातृ भूमि में ही होगी। धन दौलत स्याह मुंह बंद की तरह
बदनामी का बहाना होगी और सनीचर मौत का सबब होगा।

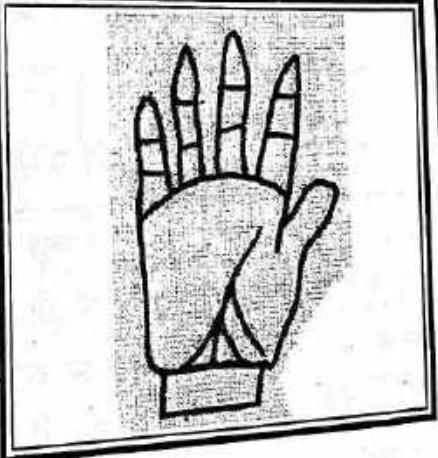
चंद्र सनीचर



अंगूठे

की तरफ़ का
ख़त लम्बा व बड़ा
हो

खाना नम्बर 8- सनीचर की उम्र (36-18-
9 साला) में सनीचर की अश्या हथियार
जानवर सांप वगैरह से मंदे वाक़िआत
होंगे। बुढ़ापे में नज़र कम या गुप्त
होने की निशानी है मगर अंधा न होगा।



कियाफ़ा:- उम्र रेखा जब शुक्कर के

बुज़ की गोलाई पर किस्मत रेखा से शुरू होने के हिस्सा से मगर दो शाख़ी बनावे

और उस दो शाख़ी का अंगूठे की तरफ़ का ख़त बड़ा और लम्बा हो तो चंद्र सनीचर नम्बर 7 में लैंगे।

मुतअल्लिका-संबंधित

अश्या-चीज़े, वस्तुएं

स्याह-काला

वाक़िआत-घटना

कियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या, विस्तार

खाना नम्बर 9- हर सुख और आराम में दूध में ज़हर की तरह चंद्र का मंदा असर मिला हुआ होगा। अगर आवे ह्यात भी मिले तो जिस पर छाले (जिल्द पर ज़ख्म) करेगा।

खाना नम्बर 10-

ख़त्म कुएं ख़्वाह पानी माया
उम्र ख़त्म तक बाकी क़र्ज़ा

टट्टू तारे का होता हो
दुखिया जगत से जाता हो

पानी की जगह अगर माया के ही कुएं हों तो वह भी ख़र्च करके खुशक कर देगा या खुशक हो जाएं। मंद नसीब के घर-घाट और बुजुर्गी शान में ज़हर बढ़ती ही होगी। इश्क बाइसे तबाही होगा।

खाना नम्बर 12- औरत का सुख हल्का होगा।

बे.
चंद्र राहु

अर्थी

निस्फ उम्र तक हर दो मंदा
ससुराल घराना लाख हो ऊँचा
इकट्ठे दोनों से धर्मी टेवा
असर राहु जब होता मंदा
उम्र केतु 45 मंदे
नेक रोशन तब दोनों होते

बुध भला न मंदिर हो
पाप उम्र तक खण्डर हो
उम्र लम्बी खुद पाता हो
केतु भला न रहता हो
क़ैदी चंद्र न रहता हो
हाथी माया में नहाता हो

१ मनहूस घोड़ा २ दोनों अपना अपना फल देंगे मगर चंद्र का किसी क़दर मद्दम यानी अगर माली निर्धन हो तो ज़लीलो ख़्वाह दरबदर और फ़रार भी होगा मगर क़ैद न होगा ख़ासकर जब दोनों नम्बर 2 में हों अब्बल गाय दो रंग लाल बछड़ा मौत का बहाना होंगे।

(बे) पूँचाल 45 साला उम्र में रुकेगा या 45 की जु़ू में यानी 45 दिन महीने साल व चंद्र राहु दोनों ही का फल बरबाद। चंद्र राहु के लिए बंधा हुआ ख़तरनाक हाथी जो दरिया के रास्ते को भी रोक ले और खुद भी बरबाद हो जावे।

आवे ह्यात-अमृतजल, सुधा

ख़त्म-ख़त्म, समाप्त

ख़ाह-चाहे

निस्फ-आधा, अर्द्ध बाइस-कारण

घर पहले
वक्त बच

दोनों मुश्तरका किसी
पानी ग्रहों का मंदा
गहु का भूचाल
नहीं जा सकता।

दोनों मुश्तरका
ही का बुरा असर

नहीं लेकिन अमा
नम्बर में बेटे हों
का तकाजा न हो

(2) बाद के
होगा तो माता

माह साल तक

टेवे में जब से

खाना ना

चंद्र

पैतृ

स्त्री

मुश्तरका-मिसि

घर पहले ता 6 वें बैठे
बक्त बच्चे के पैदा होते

माता सालों उन मरती हो
प्लेग गोली जल बसती हो

दोनों मुश्तरका किसी भी घर खासकर जब दोनों नम्बर 2 में बैठे हों तो ऐसा टेबा धरमी होगा जिस में पापी प्रहों का मंदा असर न होगा बल्कि बाकी तमाम ग्रह भी धरमी होंगे।

राहु का भूंचाल चंद्र से रुक जाता है और चंद्र बैठा होने वाले घर से आगे नहीं जा सकता।

दोनों मुश्तरका कुण्डली के जिस खाना में बैठे हों उस घर की चीज़ों पर राहु व चंद्र दोनों ही का बुरा असर होगा। मुतअल्लिका उम्र उन शख्सों पर जो शख्स कि उस खाना नम्बर के लिए मुक्कर नहीं लेकिन अगर दोनों मुश्तरका (1) कुण्डली के पहले घरों खाना नम्बर 1 ता 6 में बैठे हों तो जिस घर नम्बर में बैठे हों उतने साला उम्र तक माता पर उसकी (माता की) उम्र तक भारी होगा मगर खुद अपनी उम्र का तकाजा न होगा। चंद्र की जानदार चीज़ों पर गोली बगैरह लगकर मौत होना बगैरह बुरा असर होगा।

(2) बाद के घरों यानी खाना नम्बर 7 ता 12 में बैठे हों तो माता पर कोई बुरा असर न होगा अगर कभी होगा तो माता और बच्चा (कुण्डली बाला) दोनों पर इकट्ठा ही होगा और वह भी चंद्र की मियाद 24 दिन माह साल तक होगा बरना फिर ऐसा बुरा असर न होगा।

नेक हालत

टेवे में जब सनीचर उम्दा हो तो राहु का सब असर उम्दा होगा।

खाना नम्बर 7-

चंद्र राहु घर 7 वें बैठे

मौत मारे घर ससुर का उजड़े

ऊंच शुक्कर रवि 11 हो

लाख पुत्तर ख़ाह पोता हो

स्त्री व राजदरबार मंदा न होगा।

मुश्तरका-मिले जुले

मुतअल्लिका-संबंधित

शख्स-इंसान, आदमी

मुक्कर-निश्चित, निर्धारित

मियाद-समय, अवधि, काल

पुत्र-पुत्र

ख़ाह-चाहे

पोता-पुत्र का पुत्र

चंद्र राहु

खाना नम्बर-9-

निस्फ़ चंद्र ख़ाह 9 वें गिनते
खुशक कुएं घर जद्दी उनके

ग्रहण मध्यम ख़ाह होता हो
पानी दोबारा आता हो

जद्दी घरबार में रौनक होगी। खुशक हो चुके कुओं में पानी खुद व खुद दोबारा आ जाना माना है।

खाना नम्बर 11- सोने को आग में जलाकर दूध
में दुजाकर उस दूध को इस्तेमाल करने से औलाद
की पैदाइश में बरकत होगी।

बुध नम्बर 3 बृहस्पत नम्बर 2
दोनों नम्बर 11

मंदी हालत

पानी से नुकसान का खौफ़ निस्फ़ उम्र या राहु के ग्रह की कुल उम्र 42 साल जिसकी जिल्द ख़राब या जिस पर स्याह सफेद दाग और मस्से (गोशत के छोटे छोटे टुकड़े उभरे हुए) बँगैरह होंगे। सुसुराल भी बरबाद होंगे दरिया का पानी भी दो टुकड़ों में होकर चलेगा। यानी चंद्र का असर मध्यम ही होगा। दिल के फ़र्ज़ी वहम से दीवानगी अपना ही दिल ख़राबी का बहाना होवे।

उपाओ- औलाद के ताल्लुक में वही उपाओ जो चंद्र में ज़िक्र है मददगार होगा। राहु का भी वही उपाओ जो राहु नम्बर 11 में दर्ज है। इसके अलावा चंद्र ग्रहण के बक्त राहु की चीज़ें या चंद्र के दुश्मन ग्रहों की चीज़ें चलते पानी (दरिया नदी नाला) में बहाना मुबारक होगा।

राहु का भूचाल चंद्र से रुक जाता है और राहु का मंदा असर केतु ही हटा सकता है। मंगल या बृहस्पत या चंद्र का उपाओ करें। अगर वह भी मंदा होवे तो बुध क्रायम करें।

खाना नम्बर 3- 34 साला उम्र तक बुध और केतु का फल मंदा ही होगा।

खाना नम्बर 7- सुसुराल घर बीराना ही होगा।

खाना नम्बर 9- चंद्र का जाती फल मध्यम बल्कि ग्रहण में आए हुए चंद्र की तरह हल्का ही होगा।

खाना नम्बर 12- न सिफ़ चंद्र की जानदार और बेजान चीज़ों का मंदा हाल होगा बल्कि टेवे में अब शुकर का फल भी कोई भला न होगा।

निस्फ़-आधा, अर्द्ध

खौफ़-डर, भय

जिल्द-त्वचा

उपाओ-उपाय, इलाज, उपचार

ताल्लुक-संबंध

चंद्र केतु बे

(चंद्र ग्रहण)

कायम ग्रह नर टेवे बैठे
 वर्ना गृहस्ती दुखिया ऐसे
 चंद्र दादी और केतु पोते
 लेख बिधाता हो दो इकट्ठे
 असर कभी जब दोनों मंदा
 चंद्र राहु फल बाकी अपना
 मंगल साथी ख़्वाह साथ दृष्टि
 ग्रहण हटे जब माता बैठी

उम्दा असर दो देता हो
 टांग जली दिल फटकता हो
 मेल दोनों न होता हो
 एक दोनों से दुखिया हो
 माल जानों पर पड़ता हो
 हर दो हालत हर घर का जो
 बैठे घरों या मंगल हो
 वक्त 28 मंगल हो

दृष्टि बैरह की रवैये से जब चंद्र खुद नीच हो रहा हो या बुध की मार से मर रहा हो
 या दोनों खाना नम्बर 6 में मुश्तरका हों तो चंद्र के लिए केतु का साथ उसके आगे चलती हुई दीवार
 की तरह चांद ग्रहण का ज़माना होगा यानी माता चंद्र एक धर्मात्मा होती हुई भी बदनाम औरत नज़र आएगी।
 जायदादी ताल्लुक हर तरफ उलझाता नज़र आएगा मगर चांद ग्रहण होगा। सिफ़र इन बातों पर
 जो कि चंद्र राहु मुश्तरका में लिखी हैं।

दोनों का मंदा असर अमूमन जानों और माल पर होगा। बाकी सब बातों में वही मंदा असर होगा जो
 चंद्र राहु में लिखा है। सिफ़र फ़ूर्क़ यह है कि जहाँ लफ़्ज़ केतु है वहाँ राहु लिखो। यानी चंद्र केतु का भी हर
 घर में वही असर होगा जो असर होगा जो असर कि उस घर के लिए चंद्र राहु में लिखा है।

१ शादी के वक्त खुशी के राग। जंगल में मंगल

बे- किस्मत की मदद और बृहस्पति की हवा अब मायूसकुन माता भाग रद्दी बल्कि बर्फ़नी असर देगा।
 सफ़र खुशकी या समंदरी मंदा। चंद्र केतु नम्बर 2 कुत्ते का पसीना हर दो मंदे 45 साला उम्र तक सूरज का
 फल मंदा होगा। चंद्र केतु के मिलाप में केतु मंदा बल्कि दोनों ख़राब। चंद्र केतु मुश्तरका वाले को किसी की
 पेशाब पर पेशाब करना गैरमुबारक बल्कि बाइसे ज़हमत ही होगा

चंद्र केतु

चंद्र ग्रहण के वक्ता से अगर बुध उत्तम हो तो चंद्र ग्रहण का मंदा ज़माना न होगा 34 साल में 24 साल तक अपना नेक असर देगा। यानी 34 साला उम्र से 58 साला उम्र तक मुवारक असर होगा। ग्रहण का मंदा ज़माना अमूमन एक साल और कुल 24 साल रह सकता है।

नेक हालत

अगर टेवे में नर ग्रह (बृहस्पति सूरज मंगल) उम्दा हों तो दोनों का फल उत्तम होगा। 28 साला उम्र पर सब तरफ जंगल में मंगल (खुशी के राग) होगा जब मंगल ही दृष्टि या मदद हो।

मंदी हालत

दूध में कुत्रे का पेशाब अंधा चोड़ा लंगड़ी माता की तरह मंदा हाल या माता की सेहत या औलाद नरीना की उम्र दोनों ही तक़ाज़ा या झगड़ा होगा। या दादी पोते का मैल न होगा। टेवे वाले की नई औलाद (नर बच्चा) और उसकी (टेवे वाले की) माता का बच्चे के जन्म से $\frac{40}{43}$ दिन पहले और $\frac{40}{43}$ दिन में इकट्ठे रहना मुवारक न होगा बल्कि मंदा ही असर होगा। जानों तक भारी गिना है।

रात के वक्त दूध का इस्तेमाल गैर मुवारक होगा। पेशाब के ऊपर पेशाब करना बाइसे तकलीफ होगा।

कियाफ़ा:- टेवे वाले को तालीम निकम्मी बरबाद। जिसमें दर्द चोट या पेशाब की बीमारियां

उपाओ- केतु की दो रंगी मगर लाल रंग अश्या का साथ मददगार होगा बुध की अश्या का दान कल्याण माना है। तालीम अधूरी निकम्मी या बरबाद होने से बचाने के लिए धरम अस्थान में केतु की अश्या (केले और तादाद में भी 3 केले) हर रोज़ (48 दिन तक) देते जाना मददगार होगा।

ख़ाना नम्बर 1-8- दोनों ही ग्रह हर तरह मदे माश शुदा और नाश करने वाले होंगे

ख़ाना नम्बर 2- निमोनियागठिया, करीबुल्मर्गी। चंद्र ग्रहण -नए बच्चे (नरीना औलाद) और बछड़े अमूमन-आमतौर से निकम्मी-बेकार वाइसे-कारण कियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या, विस्तार तालीम-शिक्षा, विद्या धरम अस्थान-धर्म स्थान नरीना-नर बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

(गाय के नरीना औलाद) के पावां में चांदी का छल्ला मददगार होगा।

ख़ाना नम्बर 4- अब पापी ग्रहों का मंदा असर न होगा। बल्कि तमाम ग्रह ही (कुल टेवा) धर्मी होगा।

ख़ाना नम्बर 6- चंद्र ग्रहण का मंदा ज़माना होगा। चंद्र की क़ायम अश्या ख़ाह जानदार या बेजानदार का नेक असर किसी दीवार के साथ की तरह छुप गया हुआ मालूम होगा। मां बेटा दोनों के लिए मंदा असर भौत तक भारी हो सकता है।

ख़ाना नम्बर 9- गो अलाहदा अलाहदा उस घर में दोनों ही उत्तम हैं मगर अब दोनों ही का मंदा और नीच फल होगा।

ख़ाना नम्बर 12- कमाई में लाखों की थैलियां आएं रुपये की बहुत आवाज़ हुई मगर गिनने पर सिफर ही पाया गया।

नोट- बाक़ी घर अपना अपना फल होगा।

शुक्कर मंगल

{ मिट्टी का तनूर
मीठा अनार गेल (लाल)
मिट्टी } स्त्री धन

मिलते दोनों से चंद्र बनता

बुध केतु न दुश्मन जो

शुक्कर मिट्टी से मंगल दुनिया

जगत बना कुल ब्रह्मण्ड हो

ससुराल औरत की किस्मत चलता

जहेज़ औरत से बढ़ता हो

मंगलीक मंगल बद साथ जो मिलता

आग भट्ठी सब जलता हो

धन बढ़े परिवार बढ़ता

तीरथ दुनिया उम्दा हो

उत्तम दौलत साथ गुरु का

पापी हर दम मंदा हो

दोनों देखें जब शनि को

धन मुआविन रेखा हो

उलट हालत जब हो टेवा

असर तीनों मंदा हो

१ अब ख़ाना नम्बर 8 के मंदे ग्रह भी नेक फल देंगे। २ गुरु = गुरु

शुक्कर मंगल

अमूमन धन दौलत और मर्द और दोनों ही चीज़ें इकट्ठी कम ही हुआ करती हैं मगर अब दोनों ही इकट्ठे होंगे यानी अब ऐसा धन दौलत होगा जिस के साथ परिवार भी हो। दोनों ग्रह 36 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे अगर मंगल का एक हिस्सा होवे तो शुक्कर का $1/3$ हिस्सा शामिल होगा।

मंगल बद के बक्त अगर शुक्कर का असर 3 हिस्सा नेक होवे तो मंगल बद का असर 4 हिस्से मंदा शामिल होगा।

दरअसल अब दोनों मुश्तरका की जगह एक चंद्र ही होगा जिस से या जिस में बुध और केतु का बुगा और दुश्मनाना असर शामिल न होगा ज़ाहिरा बेशक दो और दोनों ही ग्रह होंगे।

जब शुक्कर और बुध जुदा जुदा हों और बुध जनम कृष्णली में शुक्कर से पहले घरों में हो और उसके साथ मंगल भी बैठा हो यानी मंगल बुध मुश्तरका कृष्णली के पहले घरों में हों और शुक्कर बाद के घरों में हो तो बुध अपनी नाली की दृष्टि के उसूल पर मंगल को शुक्कर से मदद देगा जिस से टेवे वाला कभी लावल्द न होगा ख़ाह उसके औलाद योग लाख मदे ही क्यों न हों और बेशक मंगल बुध नम्बर 3 (बुध नम्बर 3 में पक्की ज़हर हुआ करता है) और शुक्कर नम्बर 9 (ख़ाना नम्बर 9 का शुक्कर अमूमन मंगल बद ही होता है) ही हो।

नेक हालत

कलाई रेखा

धन भी होवे परिवार भी होगा तीरथ यात्रा
और दुनियावी सुख दोनों का और उत्तम फल होगा।
निहायत उत्तम लक्ष्मी होगी।
ऐसा धन जो हर तरह से नेक फल देवे।
धन भी हो और परिवार भी होवे नेक और उत्तम
मायनों में

दोनों मुश्तरका को अगर देखे
(1) बृहस्पत
(2) बृहस्पत चंद्र

अमूमन-आमतौर से
लावल्द-निःसंतान

मुश्तरका-मिले जुले
शुक्कर-शुक्र ग्रह

ज़ाहिरा-दिखाई देने वाला, स्पष्ट, बाहरी
निहायत-बहुत ही

मंगल-मंगल ग्रह
औलाद-संतान

खाना नम्बर 2-

ससुराल कुत्ता वह उम्दा होगा

सब कुछ उनका आग में जलता

नेक मंगल जब होता हो

पापी मंगल बद मिलता हो

औरत खानदान से जायदाद और दौलत

आवे। ससुराल खानदान में रहने वाला होवे।

दोनों हालत में (ख़ाह अपने घर ख़ाह ससुराल

के घर रहने वाला) ससुराल अमीर होंगे।

और लावल्द कभी न होंगे और उसे ससुराल

खानदान से मीठी खांड की तरह उम्दा असर

और दौलत का फ़ायदा हो।

खाना नम्बर 3- ऐसा धन भाई बहनों को तारो।

खाना नम्बर 7-

अनाज दौलत न हो कभी घटता

बुध चीज़े न मंदा हो

सुख सागर हो भारी क़बीला

औलाद पोता सब फलता हो

औलाद दर औलाद या साहिबे औलाद पोते पड़पोते सब के सब ज़िंदा। हर दम

बढ़े परिवार। उसका धन अपने ही खून से पैदाशुदा (मारफ़त अपनी औरत भाई बंदे के

मगर बहन भुआ नहीं) को तारने वाला हो। दौलत का भण्डार और दौलत का बाक़ी सब सुख होवे।

खाना नम्बर 8-

ऐसे जम्मे चंद्रभान

चूल्हे आग न मंजे बान

आप मुबारक उत्तम मान

निंदा जगत कुल करता जान

हमला रोकने की हिम्मत का मालिक हर तरह से आसूदा हाल।

ख़ाह-चाहे

लावल्द-निःसंतान

मारफ़त-द्वारा, जरिए से, परिचय

भुआ-भुआ (पिता की बहन

आसूदा-धन धान्य से परिपूर्ण

औलाद-संतान

मंगल-मंगल ग्रह

शुक्रकर-शुक्र ग्रह



शुक्रकर मंगल

खाना नम्बर-10-

मिट्टी डली पर-निर्धन इगड़े
रंग सफा जब औरत चमकेभाई औरत ज़र पाता हो
ठाठ रानी दो राजा हो

औरत के भाई बंद (साले बहनोई) खूब अमीर मानिंद राजा होंगे। खाना नम्बर 2 के ग्रहों का अब खास ताल्लुक होगा।

अगर समुराल खानदान के आदपी स्याह रंग हों मगर खुद उसकी औरत सफा रंग तो ऐसे टेवे वाला खूब दौलतमंद राजा की ठाठ और शानो शौकृत का मालिक होगा और समुराल खानदान के अमीर होने की शर्त न होगी।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

रात दिन मुसीबत पर मुसीबत मंदा ही } दोनों मुश्तरका को अगर पापी ग्रह (सनीचर राहु केरु) असर होवे। } देखें।

गो शुक्रकर को किसी ग्रह ने नीच नहीं किया मगर मंगल बद ने शुक्रकर (स्त्री) को भी नहीं छोड़ा बल्कि हर तरह से उसकी मौत तक का भी बुरा असर दिया है। ऐसी हालत में आग का डर बीमारी-ज़हमत का दुख बल्कि मंदी मौत तक मानी है।

उपाओ- मंगल बद में देखो।

ज़र-दौलत, संपत्ति
स्याह-कालासफा-साफ
मुश्तरका-मिले जुलेमानिंद-की तरह से, तुल्य
ज़हमत-मुसीबतताल्लुक-संबंध
उपाओ-उपाय

शुक्रकर माल
खाना नम्बर
खाना नम्बर
औरत
दौलत
माल के
ही उन की से
हर तरफ से
(साली) बर
खाना नम्बर
बह जड़ से
खाना नम्बर
सेवा
रंग
और
मद्द (म
खाना
ऐसा आ
के लिए
नोट



खाना नम्बर 3- खुद टेवे वाला जिनाकार और अव्याश होगा।

खाना नम्बर 4-

औरत भाइयों को जड़ से मारे
दौलत माया हों सब ही उड़ते

लेख भला न होता हो

परिवार क़बीला दुखिया हो

माता के भाई बंद (नर आदमी मामूँ वर्गीरह) खुद तबाह और टेवे वाले को तबाह करें बल्कि ज़ाहिरा ही उन की पानी में मैतें हों या वह दुनियाबी हालत में ढूँढ़ते ही (तबाह होते) जावें। मंगल बद का ढर तरफ से उन पर मंदा असर होवे। मंगल बद और शुक्रकर दोगुना बदफेला। दोनों के झगड़े में बुध (साली) बरबाद हो।

खाना नम्बर 8- हर एक का निंदक और बदखोई करने वाला और जिस दरख़त के साथ जा बैठा वह जड़ से ही उखड़ गया मगर वह खुद सही सलामत ही बचता गया।

खाना नम्बर 9-

सेहत औरत की मंदी होती
रंग मंगल का चूड़ी चांदी

भाई बड़ा खुद होता जो
बाजू औरत पर उम्दा हो

औरत की सेहत मंदी जिस के लिए उसके (औरत के) बड़े भाई की मदद (भाई के हाथों बज़रिया खाने पीने की चीज़े देना या दवा दारू भिजवा देना) मुबारक होगी।

खाना नम्बर 10- निर्धन-झगड़ालू उसकी औरत भी सनीचर रंग और सनीचर सुभाओ होगी।

ऐसा आदमी मामूली सी बात बल्कि मिट्टी की कंकर के बदले लम्बा चौड़ा झगड़ा खड़ा कर देगा। औरत के लिए भाईयों तक को मरवा देगा।

नोट- बाक़ी घर अपना अपना फल होगा।



जिनाकार-व्याभिचारी
दरख़त-पेड़

अव्याश-चरित्रहीन, व्याभिचारी
बज़रिया-माध्यम से

बदफेल-व्याभिचारी
दवा दारू-दवाईयाँ

बदखोई-निंदा, बदनामी
मामूँ-मामा (माता का भाई)

शुक्कर बुध

निस्फ सरकारी मुलाजनमत मस्नूई
सूरज-तराजू-रेतीली मिट्टी आटा पीसने की
चक्की जिसके दो पत्थर हों।

राज ताल्लुक शर्त न करता
खाली दृष्टि हो शनि उम्दा
आठ छठे दो-9-3-12
उत्तम बराबर-असर दोनों का
बुध शुक्कर जब हों दो इकट्ठे
अन दौलत की कमी न कोई

रिज़क दौलत घर बढ़ता हो
तराजू माया ज़र चलता हो
मस्नूई सूरज दो होता हो
दृष्टि रवि न करता जो
शनि भी उम्दा होता हो
घी मिट्टी से निकलता हो

दोनों ग्रह बराबर की ताक़त और बराबर की मियाद के होंगे और सूरज की तरह असर देंगे।

22 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे और सेहत और रिज़क से मुतअल्लिका होंगे। राज दरवार और
हुक्मत की शर्त न होगी। शुक्कर बुध के मुकाबले पर अगर मंगल हो या मंगल बुध
मंगल शुक्कर तो मंगल को ज़हर
टेके वाले की मदद पर असर करेगी।

नेक हालत

जब तक बुध शुक्कर से सूरज का ताल्लुक न
होवे नतीजा उम्दा रहेगा। औरत का सुख

37 साल धन दौलत कभी हार न देगा।

मस्नूई सूरज आधा सरकारी काम रियासती ताल्लुकदारी नौकरियां मगर दोनों
इकट्ठे तो ज़ानी पूरा अव्याश बुध अब शुक्कर को बहन का काम देगा।

निस्फ-आधा, अर्द्ध
मुतअल्लिका-संबंधित

मुलाजनमत-नौकरी, सेवा
ताल्लुक-संबंध

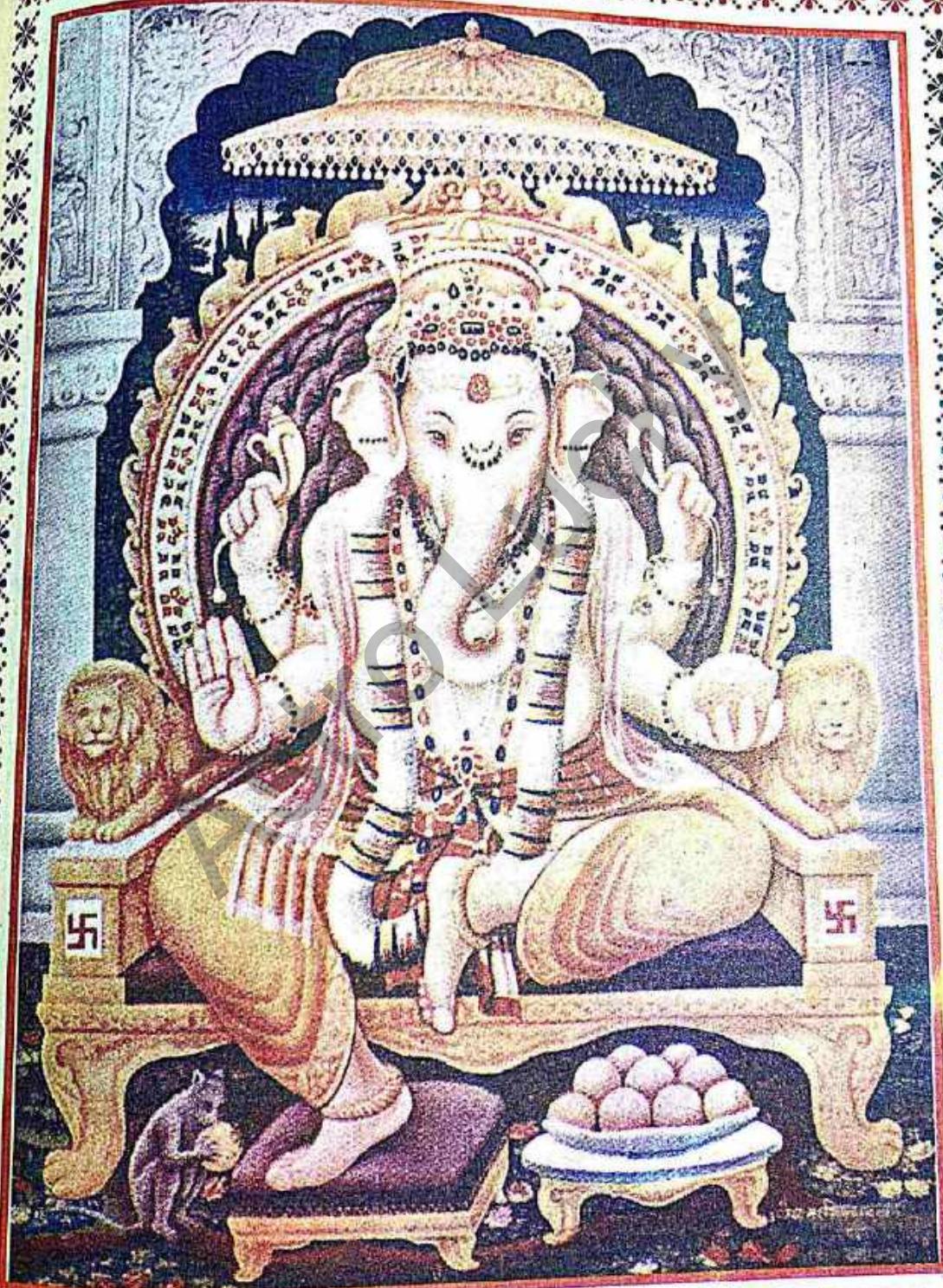
मस्नूई-बनावटी, झूठा
अव्याश-चरित्रहीन, प्रष्ट

मुश्तरका-मिले कु
सूरज-सूर्य



دراوشا (آکیبت اندهش)

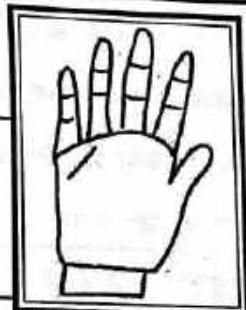
کے تو



شہر گلشنی
شی گاندھ جی

सूरज का ताल्लुक सूरज से रेखा बुध
को औरत अमीर खानदान से होगी।

नेक हालत



खाना नम्बर 1- किस्मत में नेक मस्नूई सूरज (आधा गजदरबार का असर होगा)

खाना नम्बर 2- अगर चाल चलन उम्दा हो तो हर दो ग्रह का अपना अपना और उत्तम फल होगा। व्योपारी और आढ़ती उम्दा होवे।

खाना नम्बर 3- सिर की श्रेष्ठ रेखा का उत्तम फल होगा जो चंद्र के बुरे असर से बचाएगा। यानी जब चंद्र मंदा हो सौतेली माता के अलावा चंद्र की बाकी सब चीज़ों का फल उत्तम होगा। ख़ाह चंद्र ग्रहण ही हो।

खाना नम्बर 4- खुद बुध (व्योपार) राजयोग बुध और शुक्रकर दोनों ग्रहों के अलावा किसी भी और ग्रहों के मुत्अलिलका व्योपार राजयोग का असर देंगे। लड़की वाला मामूँ मुबारक और मददगार होगा।

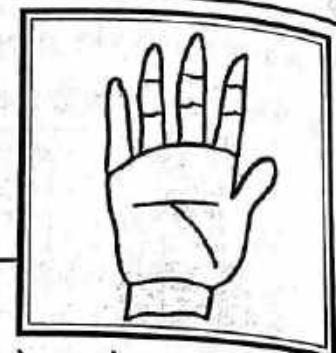
खाना नम्बर 5- औलाद पर कोई बुरा असर न होगा।

खाना नम्बर 6- खुद अपने लिए राजयोग होगा। रेत से सीमेण्ट लोहे की तरह मज़बूत हो जाता है मगर अब बुध की रेत से शुक्रकर की मिट्टी ही सीमेण्ट का उम्दा काम देवे यानी अगर लड़के (औलाद नरीना) न भी होवें फिर भी लड़कियां ही मस्नूई सूरज का उत्तम फल देंगी। बुध का उम्दा फल होगा। औरतों की मदद होगी और गृहस्त का आराम होगा।

किताबों का काम छापा खाना तिजारती } सूरज नम्बर 2
पैमाने पर दिमागी तहरीरी काम राज }
दरबार और अहल क़लम से बहुत नफा हो। }

जायदाद बढ़ती जावे हर दो
हालत (खाना सूरज नम्बर 2 खाना
सनीचर नम्बर 2) के बक्तु ईमानदारी
का धन साथ देगा।

सनीचर नम्बर 2



खाना नम्बर 7- उत्तम फल फूल दोनों की शानदार गुजरान की तरह

घर बार और गृहस्ती सुख होवे। उम्दा व्योपारी और उत्तम आदती होगा तराजू के काम से हरदम नक्का होगा।

खाना नम्बर 9- 3-1-6-7-9-11 में अगर चंद्र केतु या गुरु बैठा हो तो बुध कभी मंदा फल न देगा। जिस पर शुक्रकर का फल भी भला ही रहेगा।

खाना नम्बर 10- उम्दा सेहत का मालिक और साहबे अक्ल होगा जब तक खाना नम्बर 2 भला हो या नम्बर 2 निकम्मा न हो खाली बेशक होवे।

खाना नम्बर 12- खुद अपनी उप्र लम्बी बल्कि पूरी सदी के लगभग (बराबर बराबर) होगी। उम्दा सेहत होगी।

मंदी हालत

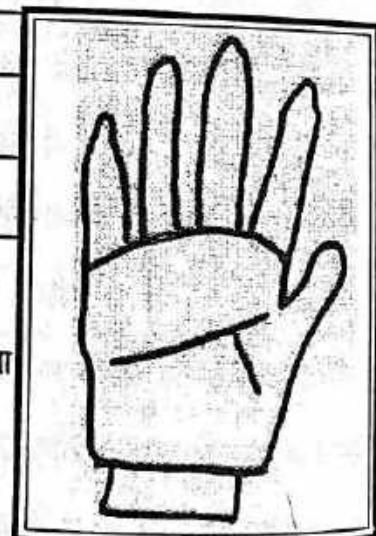
जानी और अव्याश होगा।

खाना नम्बर 1- अल्प आयु मवेशियों के सुख से महरूम होगा।

खाना नम्बर 2- जानी।

खाना नम्बर 3- जब चंद्र मंदा हो सौतेली माता का कोई फ़ायदा या मदद न होगी।

कियाफ़ा:- मंगल नेक से शाख़ सिर रेखा के नीचे-नीचे आख़ीर सिर रेखा तक ही रह जावे या सिर रेखा में मिल जावे।



अव्याश-चरित्रहीन, भ्रष्ट

मवेशियों-पशु, जानवर

महरूम-वैछित, असफल, निराश

कियाफ़ा-सामुद्रिक विद्या

और खानदान के आदमी कारोबार में साथी होंगे जिनका
कोई फ़ायदा न होगा वह सिर्फ खा पीकर चलते जाएंगे।
बुध नम्बर 3 अमूमन साथ बैठे हुए ग्रह यानी नम्बर 3 और नम्बर 9
11-4-5 सब ही घरों को बरबाद किया करता है। इसलिए ऐसे
प्रानी की पहली शादी नष्ट होने पर अगर उसी खानदान में दूसरी
बहन या भाई की शादी दोबारा होवे तो भी बुध पहले की तरह
शादी नष्ट करेगा। गृजेंकि ऐसी शादियों से जब 3 लड़कियां
कायम हों तो बुध खामोश हो जाएगा। बकरी का दान मुबारक होगा।

मंगल का साथ
बज़रिया दृष्टि
वगैरह।

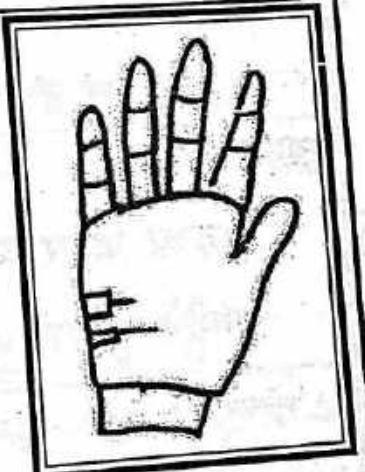
बुध की उम्र ($34-17-8 \frac{1}{2}$ साला उम्र) या शुक्कर के अहद ($25-12 \frac{1}{2}-6 \frac{1}{4}$ साला उम्र) में आगर होवे
तो पहली शादी हो तो जिस्म और राजदरबार पर मंदा असर होगा।
दूसरी शादी हो तो वाल्दैन या ससुराल पर मंदा असर होगा।
तीसरी शादी हो तो मर्द औरत हर दो की सेहत लगातार मंदी होगी।

खाना नम्बर 4-

ससुराल मामूं घर अक्सर मंदा
उल्टी चक्की बुध शुक्कर चलता

भला चंद्र न होता हो
मंदा असर दो देता हो

बुध (बर्तन ढोल राग रंग का सामान
बाजे वगैरह) और शुक्कर (खेती बाड़ी गाय बैल)
के मुतअल्लिका कारोबार निकम्में होंगे। मामूं खानदान
और ससुराल का मंदा हाल होगा। खुद भी चाल चलन का
शक्की ही होगा। लेकिन अगर चंद्र कायम हो या कायम
कर दिया जावे तो कोई बुरा असर न होगा।



माता के भाई बंद और माता की बहन वगैरह कारोबार में ख़राबी का सबब होंगे।

अमूमन-आमतौर से

बज़रिया-माध्यम से

मुतअल्लिका-संबंधित

मामूं-मामा (मां का भाई)

शुक्कर बुध

खाना नम्बर 5- इश्क ज़बानी हमराहियों को बरबाद करावे। शुक्कर के पतंग का मंदा हाल होगा।

घर में ज़मीन दोज़ आग कायम रखने के लिए गोल गहरा गढ़ा मंदे असर की पूरी निशानी होगा।

खाना नम्बर 6- अगर सूरज का ताल्लुक हो जावे

तो औरत से मुख्लाफ़त होवे। औलाद

के विधन दीगर तक़ाज़े होंगे।

खाना नम्बर 7- अगर राहु या केतु से चंद्र मंदा हो रहा हो तो शुक्कर बुध

की चक्की का असर भी मंदा ही होगा। शादी और औलाद के विधन और मंदे फल

होंगे कांसी का बर्तन (कटोरा) मददगार होगा।



खाना नम्बर 8-

रब बनाई ऐसी जोड़ी

राख भरी दो मिलकर बोरी



एक अंधा तो दूसरा कोड़ी
जितनी उड़े हो उतनी थोड़ी

दोनों ही ग्रहों या नर्द औरत (खुद टेवे वाला और उसकी औरत) की एक ऐसी जोड़ी

होगी जैसा कि एक तो दुनियावी अंधा हो और दुसरा कोड़ी (बीमार) शादी और औलाद में ख़राबियां

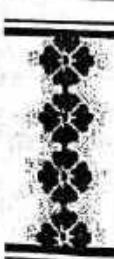
शुक्कर अब अक्ल के खिलाफ़ कार्रवाइयां करने वाला और बुध निकम्मा होने से मामूं बहन बरबाद। पूरा

मारग अस्थान निकम्मी और लानत की हालत ही होगी।

खाना नम्बर 9-

लड़की जन्म या उम्र 17

उम्मीद बुजुर्गा पानी फेरा



दोनों मंगल बद बनता हो

मंदा असर 2-9 का हो

८ शुक्कर अंधा तो बुध थूकने वाला कोड़ी होगा। बुध का व्योपार जानदार अश्या बहन भुआ लड़की क़ौरै
निहायत मंदी हालत (34 साला उम्र तक) और शुक्कर की बेजान अश्या खेती बाड़ी गाय बैल बेमानी होंगे।

मुख्लाफ़त-विरोध, शवुता, दुश्मनी

मारग अस्थान-मारग स्थान

विधन, विध

व्योपार-व्यापार

दीगर-भिन्न, दूसरे मामूं-मामा (माता का भाई)

भुआ-बुआ (पिता की बहन) निहायत-बहुत ही

अगर बुध निकम्मा साबित होवे तो 17 साला उम्र या पहली लड़की की पैदाइश पर अपने कुजुगों की सब उम्मीदों पर पानी फेर देगा और मंगल वद की जलती हुई आग का तूफान शुरू होगा।

खाना नम्बर 10- अगर खाना नम्बर 8 निकम्मा हो रहा हो तो बुध शुक्रवार दोनों ही के फल में ज़हरीला असर होगा।

खाना नम्बर 11- अज्ञीजों से जुदाई। मुलाज़मत में पहले हाकिम से ताल्लुक में यह ग्रह डल्लू का पद्धा और बे मुरव्वत साबित हुआ करेगा। मंदी हालत में बुध (लड़की बकरी वर्गरह) और शुक्र (स्त्री गाय की खुराक) की अश्या का ताल्लुक मददगार होगा।

सोने के पोले मनकों की माला अमूमन मौजूद होगी जिसे दूध या दरिया के पानी से धोने पर बुध और बृहस्पत की ज़हर दूर होगी। } शुक्रवार बुध नम्बर 11
या चंद्र का उपाओ मददगार होगा। वास्ते राजदरबार और गृहस्ती हालत } बृहस्पत सूरज नम्बर 10

मंगल और सनीचर की उम्र की मियादों पर अपने मकानों में आग के वाकिआत जिन में गाय भी जलती होंगी और भाई भी चिल्लाते होंगे } शुक्रवार बुध नम्बर 11
मंगल सनीचर नम्बर 8 } मंगल सनीचर नम्बर 8

खाना नम्बर 12

हड़काया कुत्ता या पागल बकरी

खांड गृहस्ती रेत हो भरती

शत्रु शुक्रवार बुध दूजे बैठा

दूजे मगर जब मित्तर आया

पेट गाय आ फाड़ती हो

शीशा मिट्टी धोका देती हो

दांत ज़हर शनि भरता हो

आकाश बानी बुध बर्षा हो

दोनों ग्रह अब सेहत के मालिक होंगे। अगर बुध उलट हो निकला (यानी अगर सनीचर या बृहस्पत नम्बर 2 12-3 में न हो तो) दोनों ही ग्रहों का फल निकम्मा होगा।

मामूली सी बकरी (बुध) या गाय औरत (शुक्र) हड़काए कुत्ते की तरह पेट फाड़ देने का असर देवें। लड़की की पैदाइश के दिन से गृहस्त रद्दी बरबाद या मंदा ही होगा बल्कि खांड रेत मिली हुई की तरह किस्मत का हाल होगा या शीशा (बुध) पिसकर धोका देगा कि खांड पड़ी हुई है मगर जब उठा कर मुंह में डाला तो मुंह दुखिया होगा।

अज्ञीजों-समीप के रिश्तेदारों दूजे-दूसरे	मुलाज़मत-नौकरी, सेवा धोका-धोखा	ताल्लुक-संबंध वाकिआत-घटना	अमूमन-आपत्तौर से मियादों-समय, अवधि, काल	गाए-गाय
--	-----------------------------------	------------------------------	--	---------

शुक्कर सनीचर

(फ़र्जी अच्याश काली मिर्च व धी स्याह काला
मनूर (पत्थर) मिट्टी का खुशक पहाड़)

बुध मुबारक टेवे होगा
केतु मंगल हों मिलते उम्दा
दृष्टि रवि पर हों जब करते
मकान बनाए रिश्तादारों के
सलाख लोहे की छत पे गड़ते
मनूर काले बुनियाद में भरते
शुक्कर मालिक है आंख शनि का
चोट शनि हो जब कहीं खाता
टेवे शनि हो जब 9 बैठा
पाया शुक्कर ही घर जब दूजा
नज़र शुक्कर में जब शनि आता
दृष्टि शुक्कर पे जब शनि करता

पाप बुरा नहीं करता हो
नेक बुढ़ापा बनता हो
मौत भरे दुख होती हो
माया ख़त्म हो जाती हो
बिजली असर नहीं करती हो
माया दौलत घर बढ़ती हो
तरफ चारों ही देखता जो
अंधा शुक्कर खुद होता हो
असर शुक्कर 2 देता हो
असर शनि 9 होता हो
माया दीगर खा जाता हो
मदद ग्रह सब करता हो

शुक्कर औरत तो सनीचर उसकी आंख की बीनाई बना रहेगा।

मस्नूई केतु (ऐश का मालिक) कंच हालत देगा।

दोनों ग्रह 52 साला उम्र तक मुश्तरका होगे। दोनों के मुश्तरका असर में अगर शुक्कर 4 हिस्से हो तो सनीचर 3 हिस्से होगा नेकी करने के लिए लेकिन अगर मंदा असर हो तो सनीचर सिर्फ $\frac{1}{3}$ हिस्सा होगा यानी सनीचर अपने साथी का बुरा असर नहीं कर सकता बल्कि 52 तक मदद ही मदद देगा। शुक्कर सनीचर मुश्तरका में सनीचर से मुराद उसका (टेवे वाले का) बाप होगा।

¹ जिस घर शनि हो शुक्कर में वही असर और दृष्टि भी उस घर की तरफ होगी। अगर दृष्टि की चाल पिछली तरफ खुद शुक्कर की अपनी होगी।

ख़त्म-ख़त्म, समाप्त

दीगर-मिन, दूसरे

बीनाई-आंखों की दृष्टि

मस्नूई-बनावटी मुश्तरका-मिले जुले

ऐसे टेवे में मंगल केतु भी अमूमन इकट्ठे ही होंगे जो ज़रूरी नहीं है कि इकट्ठे ही वाकै हों। घर में ठाकुर (पूजा-पाठ का इष्ट) मौजूद।

दोनों मुश्तरका के वक्त बुध नहीं बोलेगा न ही मंदा होगा और न ही बुरा असर देगा बल्कि बुध का नेक असर खुद ब खुद शामिल हो जाएगा। राहु केतु भी अब मदद पर होंगे।

नेक हालत

दोनों का और बहुत उत्तम फल होगा। ऐसे टेवे वाले का बाप उस के (टेवे वाले के) लिए हमेशा ही नेक और उत्तम सावित होगा। जिस तरह मिट्टी खुद फटकर सांप को मुसीबत के वक्त बचा देती है उसी तरह ही सनीचर खुफिया शुकर को मदद देता जाएगा दूसरा कोई साथी होगा जिस के साथ मिलने से किस्मत जागेगी।

दोनों
देखें
बृहस्पति को।



खाना नम्बर-1-

साथ राहु या केतु बैठा
दुख ज़हमत का पुतला होगा

सातवें रवि आ बैठा हो
आग जला दुख भोगता हो

माली मच्छ रेखा का वही उम्दा असर जो सनीचर नम्बर 1 में लिखा है।

खाना नम्बर-3-

कमाई उम्र तक दूसरे खाते
काम सनीचर लम्बे बढ़ते

भला शुकर न होता हो
नफा न बेशक इतना हो

मर्द औरत दोनों ही खूब आराम पसंद और दोनों ही को दूसरे मर्द या औरत आराम करने या करने के लिए बिला तकलीफ मुहैया हो जाया करेंगे।

मुश्तरका-मिले जुले
नफा-लाभ, फायदा

खुद ब खुद-अपने आप
बिला-बिना

खुफिया-छिपकर
तकलीफ-परेशानी

ज़हमत-मुसीबत
मुहैया-उपलब्ध, प्रबन्ध

खाना नम्बर-4-

शनि-शुक्रकर मिल-हो जब बैठा
मौत सख्त पुरदर्दी पाता

रवि भी साथी बनता हो
कल सूरज दिन होता हो

दोनों का अपना अपना (नेक और बुरा) फल होगा।
कपड़े की थैली माया के लिए गुमनाम चोर साबित होगी लेकिन दो कपड़ों की और दो जुदा-जुदा
रंगों की इस तुक्स से बरी होगी।

आमदन के चश्मा के लिए खाना नम्बर 10 के ग्रह का टैक्स अदा करते जाना मददगार होगा। फ़र्ज़न
सूरज नम्बर 10 में हो तो हर रेज़ तांबे का पैसा किसी चलते पानी में डालने से आमदन का चश्मा बढ़ता
होगा।

खाना नम्बर-9-

पांच छठे गुरु 10 वें बैठा
जायदाद जागीरों बढ़ता

असर भला कुल होता हो
आराम औरत सब फलता हो

एक कंजरी (बदफेल बदनस्ल) की लड़की होते हुए भी उम्दा गृहस्ती औरत हो जाने की तरह
शुक्रकर अब हर तरह से उत्तम फल देगा। स्त्री व लक्ष्मी का सुख होगा।

जायदाद की जायदादों वाला उत्तम स्त्री सुख का
मालिक होगा।

} दोनों नम्बर 9-12
बृहस्पत 5-6-10

खाना नम्बर-10-

हादसा हमलों हर दम बचता
शनि मकान खुद बनता उसका
रवि बेशक हो साथी बैठा
जायदाद में हर दम बढ़ता

कबीला रेखा मच्छ होता हो
जवाई दौलत ज़र खाता हो
असर बुरा न देता हो
नकद शर्त न करता हो

रवि-सूर्य

सूरज-सूर्य ग्रह

तुक्स-दोष, कमी

बदफेल-व्याभिचारी

फ़र्ज़न-जैसे कि

शुक्रकर सनीचर

शुक्रकर नम्बर 10 में सनीचर की ही हालत व ताक़त का होता है। शुक्रकर औरत तो सनीचर शराब का मालिक। जवानी में ऐशो इश्क की खूब मददगार लहर होगी। बुद्धपे में दोनों ग्रह और भी आराम और मददगार ज़माना देंगे।

दुनियावी हादसा सदमा और नाशहानी बलाए

बैगरह से हर दम बचाओ होता रहे। सनीचर के काले कीड़ों भून (गिरोह) की तरह गृहस्ती साथी और उसके अपने बेशुमार लड़के लड़कियां और आगे उन के (बच्चों के) रिश्तादार उसकी कमाई से आराम पाते होंगे। धन दौलत सब के लिए बहुत होगा और बढ़ता रहेगा। मकानात बहुत बनेंगे या बना देगा।

उम्र लम्बी होगी। जायदाद बनेगी और मौत भी

कोई दुखिया हालत में न होगी। नक्कद रूपया

बेशक इतना ज़्यादा न होवे

सूरज नम्बर 4

ख़ाना नम्बर-12

असर वही 9 घर जो होता

बाक़ी असर 2-12 उम्दा



मिलता 12 में होता हो
वही गिना हर दो का जो

अपने ख़ानदान के मेम्बरान की तादाद ज़्यादा होगी। खेती बाढ़ी शुक्रकर (ज़राअत) के कारोबार रिश्तादार या अश्या मुतअल्लिका शुक्रकर (गाए-बैल) से पूरा नफ़ा और फ़ायदा और उत्तम ग्रहस्ती फल होगा। जानी होगा मगर कामयाब ग्रहस्ती और बाइज़्ज़त ज़िंदगी का मालिक

बुध नम्बर 6



मकानात-मकान, आशियाना, घर

मेम्बरान-सदस्य

तादाद-संख्या, गिनती

नफ़ा-लाभ, फ़ायदा

शुक्रर सनीचर

जायदाद की जायदादों वाला-स्वी सुख
पूरा होगा। जो दूसरों को खा पी जाएगा

बृहस्पत नम्बर 5-6-10

दोनों नम्बर 9-12

नोट- वाकी घरें अपना अपना फल होगा

मंदी हालत

उसकी कमाई नज़दीकी
रिश्तादार या मकान खा जाएंगे } दोनों को बुध
ज़बान का चस्का बरबाद करे } देखो।
सनीचर का बुरा असर बहुत }
ज़ोर से होगा। मौत } सूरज
पुरदर्द होगी। } दोनों को
देखो।

उपाओ- मकान के ऊपर विजली बगैरह के बुरे असर से बचाने के
लिए लोहे की सलाख मददगार होगी।

खाना नम्बर 1- काग रेखा का मंदा असर जैसा कि

सनीचर नम्बर 1 में ज़िक्र है।

खुद ज़ानी अव्याश होगा

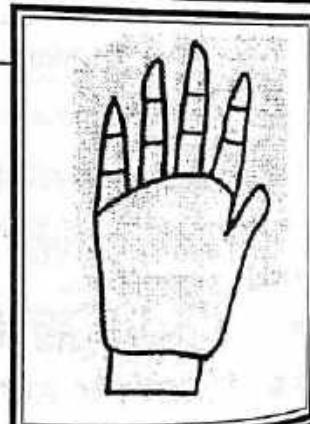
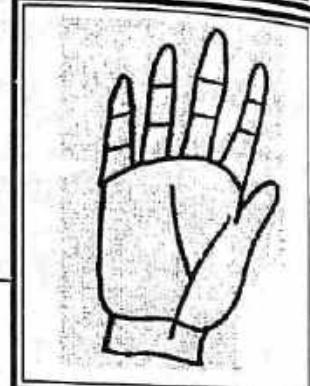
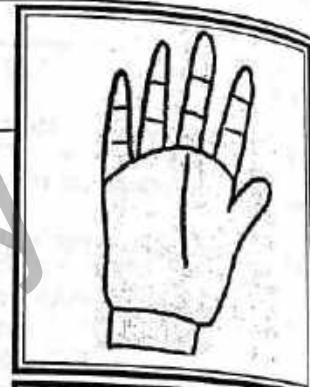
(अगले सफ़ः पर देखें)

अव्याश-चरित्रहीन, भ्रष्ट

सनीचर-शनि ग्रह

उपाओ-उपाय

शुक्रर-रुक्ष ग्रह



दूलिदूरी-आलसी-निर्धन
दुखिया।

दोनों नम्बर 1

मंगल नम्बर 4

सूरज नम्बर 2

चंद्र नम्बर 12

जिसमें जलती आग को तरह दुख (बीमारी) कायम रहे। सेहत खराब तपेदिक तक दोनों नम्बर 1 नैवेत किस्मत के ताल्लुक में भी दुखों का पुलाला हर तरह से मंदा हाल और मिट्टी खराब और सूरज यह नम्बर 8 या सूरज केतु

खाना नम्बर 3- अपनी ज़िंदगी और कर्माई दूसरों के लिए हुई जिसका फ़्लायदा और आराम दूसरे ही उठावे।

चचा (सनीचर) आवारा औरतों का आम मिलापी होगा या उसकी औरत आवारा ही होगी।

खाना नम्बर 4- चचा गैर औरतों का मिलापी होगा निहायत सख्त और पुरदर्दी मौत होगी। सूरज नम्बर 10



खाना नम्बर 7- निहायत क़रीबी रिश्तादारा उसके कारोबार में शामिल हो कर उसका धन दौलत खा पी जाएगी।

नामद वरना बुज़दिल होगा और हर तरह से विग़ड़ा विग़ड़ा हुआ (खराब किया हुआ) मर्द किसी भी काम चंद्र नम्बर 1 का सांवित न होगा। सूरज नम्बर 4 दोनों नम्बर 7



ताल्लुक-संबंध चचा-चाचा (पिता का भाई) गैर-पराई निहायत-बहुत ही बुज़दिल-कम साहस वाला

शुक्कर राहु

(मिट्टी भरी काली अंधेरी)

केतु गिना फल शुक्कर मंदा
फूल लगा बुध बेशक डंडी
सोहबत औरत में चोर गृहस्ती
चंद्र रवि जब मदद हो मिलती

औरत के लक्ष्मी हो
फोकी इन्ज़न्त माया होती हो
औलाद उम्र तक शक्की हो
जलती मिट्टी धी देती हो

शुक्कर राहु मुश्तरका होने पर सिर्फ शुक्कर के दो जुँजों (बुध और केतु) में सिर्फ बुध एक ही दुकड़ा बाकी होगा यानी फूल तो होंगे मगर शुक्कर का फल (केतु) न होगा। दोनों का मंदा असर इंसान की गुदा (टट्टी का सुराख) के इर्द गिर्द ज़ाहिर होगा। जिस घर में मुश्तरका बैठे हों उस घर से मुतअल्लिका शुक्कर का फल मंदा होगा।

नेक हालत

बुध की फोकी इन्ज़न्त और शोहरत ज़्रुर बरकरार रहेगी।

ख़ाना नम्बर 12-

असर मंदा जो घर पहले का
शाम दबाती फूल जो नीला

रिज़क औरत का होता हो
लेख चमकता होता हो

१ चंद्र का उपाओ-धोए चावल या ख़ालिस चांदी घर में क्रायम और गुमनाम गढ़ो में सूरज की अश्या (पैसा) या मंगल की मदद कारआमद होगी। २ दोनों मुश्तरका ख़ाह किसी भी घर में हों। शुक्कर की अश्या (स्त्री गृहस्ती हालत लक्ष्मी बगैरह) हमेशा जली ही होंगी ख़ाह दोनों नम्बर 2 में ही हों जो कि धरम अस्थान है।

जब केतु दोनों से पहले घरों में हो तो हमसाया मकान में लड़की की शादी न हो सकेगी।

धरमअस्थान-धर्मस्थान

कारआमद-प्रभावशाली, असरदार

उपाओ-उपाय

फोकी-खाली, बेकार, खालीपन

शोहरत-मान सम्मान

मुतअल्लिका-संबंधित

मुश्तरका-मिले जुले

शुक्कर-शुक्र ग्रह

अश्या-वस्तुएं, चीजें

शुक्कर का फल और
नोट- बाकी घर 3

जब जुनूबी दरवाजे
मंदा होगा। औरत पर
न सिर्फ औरत की
लक्ष्मी भी मंदा ही
राहु शुक्कर मुश्त
औरत अपने नाख़ूनों
करने का शौक़ीन
यह कि चमकीले
नींजा राहु की रा
हर तरफ कड़वे
नींद अमूमन हराए

उपाओ- चंद्र

या नरियल का

ख़ाना नम्बर

हिस्सा बुखार व

ख़ाना नम्बर

ख़ाना नम्बर

धुआं

उम्र :

मंदा आशिक़

जुनूबी-दक्षिण

शुक्रकर का फल औरत जात की किस्मत तो ज़रूर ऊंच उम्दा होगी।

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा।

मंदी हालत

जब जुनूबी दरवाज़े (बड़ा दरवाज़ा) वाले मकान का साथ हो शुक्रकर का फल हर तरह से मंदा होगा। औरत पर औरत बरबाद बल्कि ख़त्म लेंगे।

न सिर्फ़ औरत की सेहत मंदी बल्कि औरत की उम्र तक मंदी-बरबाद या ख़तरे ही में लेंगे। लक्ष्मी भी मंदा ही फल देगी।

राहु शुक्रकर मुश्तरका के बक्त राहु की पहली मंदी निशानी नाखून से शुरू होगी यानी ऐसा मर्द औरत अपने नाखूनों को कटवाने की बाज़े बड़ा कर लम्बे लम्बे और उन पर रंग बैगरह करने का शौकीन होगा या राहु शनि की एजेंसी में रहने की कौशिश करेगा। मतलब यह कि चमकीले शानदार सुरमें आखों को मशक्क से बातों का फ़ैसला कर लेना आम होगा जिसका नतीजा राहु की राजधानी या ऐसे प्रानी की 43 साला उम्र तक उसके लिए ज़माने में हर तरफ़ कड़वे धुएं के बादल खड़े कर देगा जिनकी वजह से रात की नींद अमूमन हराम ही होगी।

उपाओ- चंद्र और शुक्रकर दोनों का मुश्तरका उपाओ यानी दूध (चंद्र) में मक्खन (शुक्रकर) या नारियल का दान मुबारक होगा। औरत के जिस्म के दाएं हिस्से पर चांदी का छल्ला मुबारक होगा।

ख़ाना नम्बर 1- औरत की दिमाग़ी ख़राबियां या खुद टेवे वाले की अपनी सेहत (दिमाग़ी हिस्सा बुखार बैगरह) मंदी होगी।

ख़ाना नम्बर 3- 34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही का फल मंदा होगा।

ख़ाना नम्बर 7-

धुआं मिट्टी घर औरत भरती
उम्र औरत न होगी लम्बी

असर बुरा ही होता हो
केतु चंद्र न उम्दा हो

गंदा आशिक खुदार्ज होगा।

जुनूबी-दक्षिण दिशा

मुश्तरका-मिले जुले

सुख-लाल

अमूमन-आमतौर से

जिस-शरीर

भ्रंधेरी
है
हो
हो
हो

हो
हो

कर की

क

खालीपन
तुंड, चीज़े

शुक्कर-राहु

अब शुक्कर और बुध दोनों ही वरवाद होंगे केतु भी माता और माता घर (मामूँ खानदान) को वरवाद कर रहा होगा और चंद्र नष्ट हो रहा होगा जिसकी वजह से 24 साला उम्र भी वरवादी में खत्म होगी।

खाना नम्बर 12- औरत की सेहत और इन्सान की खुद अपनी लक्ष्मी दौलत ज़रूर ही राहु के धूएं से स्याह (खराब) होती रहेगी।
किस्मत की हार के बक्त औरत के हाथों या खुद नीला फूल बवकृत शाम मिट्टी में दबाते जाने से मरद होती रहेगी।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

शुक्कर केतु

माता बेटा दो हळीकी जोड़ा

औलाद-औरत-सुख-होता पूरा

मंदा कोई दो जिस दम होता

औलाद राहु हृद पाप जो होता

रक्षा बाहम जो करता हो

इङ्गत गृहस्ती पाता हो

जिस्म औरत केतु मंदा हो

उपाओ गुरु का उम्दा हो

दोनों में से किसी एक के लिहाज से अगर नेक फल हो तो दोनों ही का नेक फल होगा।

इसी तरह ही अगर किसी एक का किसी घर में मंदा फल हो जावे तो दोनों ही का ऐसी हालत में मंदा फल होगा।

अमूमन 40 साला उम्र तक दुश्मन आप होंगे।

² कामदेव की नाली (मिट्टी का अजू) जो शुक्कर (औरत की जान है) जब राहु टेवे में दोनों से पहले हो तो हमसाया मकान में लड़के को शादी न होने पाएंगी।

बवकृत-समय, अवधि, काल

बाहम-एक साथ, मिलकर

लिहाज-वजह, कारण

औलाद-संतान

खाना नम्बर-9- हा
का मुशरका इस घर में नि

खाना नम्बर 12-
औरत बहादु

सिफत दौलत

औरत सूअर की तरह
की तरह बहादुर-उम्दा से

नोट- बाकी घर अप

खाना नम्बर 1-
बिधन औल
बौधे बैठा

औलाद के बिधन-ला
और तां होगा

बुध मरद

अकेले उ

रवि गुरु

गाय होत

निहायत-बहुत ही

नेक हालत

खाना नम्बर-9- हालांकि शुक्रकर इस घर में निहायत मंदा ग्रह है मगर अब दोनों ग्रहों का मुश्तरका इस घर में निहायत उत्तम फल होगा।

खाना नम्बर 12-

औरत बहादुर सिफ्त सूअर की  औलाद 12 नर करती हो
सिफ्त दौलत में हरदम बढ़ती  उम्र लम्बी सुख रात्रि हो

औरत सूअर की तरह बहादुरी में उत्तम होगी। नर औलाद 12 तक और वह सब लड़के सूअर की तरह बहादुर-उम्दा सहत व दौलतमंद और सुखिया होंगे।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

खाना नम्बर 1-

बिधन औलाद लावल्दी गिनते  इश्क मंदा ही होता हो
चौथे बैठा जब मंगल टेवे  लावल्द मंगल बद बनता हो

औलाद के बिधन-लावल्दी तक माना है औलाद और दूसरे साथियों की मौतों से मंगल नम्बर 4 से दुखिया और तंग होगा।

बुध मदद नहीं शुकर करता
अकेले असर दो बेशक उम्दा
रवि गुरु जब टेवे मंदा
गाय होता धी बेशक उम्दा

निहायत-बहुत ही

मुश्तरका-मिले जुले

केतु धोका ही देता हो
इकट्ठे ज़हर दो होता हो
बांझ औरत फल होता हो
केतु कुत्ता हज़म नहीं करता हो

सिफ्त-तारीफ, गुण, विशेषता

धोका-धोखा

शुक्रकर केतु

मंगल बुध

दोनों ग्रहों का मंदा फल और बांझ और कुते को धी हज़म नहीं होता की तरह क्रिस्पत की मंदी हालत यानी अगर गुरीबों को कभी मालिक रिज़िक दे भी देवे तो उन को खाना ही न आएगा या वह खा ही न सकेंगे।

नोट-बाकी घर अपना अपना फल होगा

मंगल बै बुध

नेक मंगल बुध यकसां होता

बदी मंदा बुध दुगना हो

नेक हालत चुप हो बुध रहता

बद में बदी भर जाता हो

खांड ज़हर बुध मंगल मिलता

मंदे घरों दो उम्दा हो

नेक मंगल फल नेक गो देता

बुध ज़हर कर देता हो

दोनों ग्रह 45 साला उम्र तक मुश्तरका गिने जाएंगे।

अगर मंगल नेक हो तो दोनों ग्रहों का बराबर और उम्दा फल लेकिन

अगर मंगल बद हो तो बुध का 2 गुना मंदा असर शामिल होगा।

मंगल (बद) और बद मुश्तरका मस्तूर सनीचर (राहु, सुभाओ-मंदा असर) मीठे में रेत होगी।

आतिशी शीशा लड़की के लाल चमकीले कपड़े अनार का फूल जैसा बृहस्पत टेवे में होगा वैसा ही दोनों का फल होगा।

जब मंगल बद हो तो बुध अपनी निस्फ उम्र (17 साल) तक अपना असर जुदा ज़ाहिर न कर सकेगा।

अगर मंगल नेक हो तो मुश्तरका बैठा हुआ बुध चुप होगा और अगर दुश्मनी ही करनी हो तो खुफिया ही करेगा।

बे- मौत बहाना-बुध अब शेर के दांत होंगे। सुत्थर (लाल कपड़ा जो लड़की को उस की शादी के वक्त पहनाते हैं) लाल खूनी रंग मगर जो चमकीला न हो कंठी बाला राय तोता

बांझ-संतान पैदा करने में असमर्थ

मस्तूर-बनावटी

निस्फ-आधा, अर्द्ध

यकसां-समान, बराबर, चोरस

खुफिया-छिपकर

मुश्तरका-मिले जुले

मंगल-मंगल ग्रह

जब दोनों मुश्तरका जन्म कुण्डली में शुक्कर से पहले घरों में बैठे हों तो शुक्कर का हाल बुरे घरों का भी नेक हो जाएगा। क्योंकि बुध अपनी नाली की दृष्टि के असूल पर मंगल को उठा कर शुक्कर के साथ मिला देगा जिस से शुक्कर मंगल का मुश्तरका फल मानिंद चंद्र हो जाएगा जिस में बुध और केतु का मंदा असर और बुध व केतु की चंद्र से दुश्मनी की ज़हर भी उड़ गई होगी।

नेक हालत

लड़के 24 साल और उम्दा फल व एक होंगे। शुक्कर का फल स्त्री की दिमागी ताकृत उत्तम होगी जिसमें सर सब्ज पहाड़ (सनीचर) का उत्तम फल शामिल होगा और उसकी जबान का लफ़्ज़ पत्थर की लकीर (अटल) होगा या वह बृहस्पत (ब्रह्मा जी) को सुनकर बोलती हुई मालूम होगी। ऐसा शख्स लावल्द कभी न होगा औलाद के योग ख़ाब लाख मंदे हों। जब दोनों ग्रह मुश्तरका जन्म कुण्डली में शुक्कर से पहले घरों में बैठे हों।

ख़ाना नम्बर 1- मज़बूत जिसमें वह औरत के ख़ानदान को तार देगा और माल व दौलत उन के ही अर्पण करता होगा।

ख़ाना नम्बर 2-

घर 8 वां जब होता ख़ाली

आप धनी ससुराल अमीरी

नेक असर दो देता हो

लावल्द कभी न होता हो

खुद दौलतमंद हो ससुराल अमीर

हों और दौलत देवें।



मुश्तरका-मिले जुले

मानिंद-समान, तुल्य

लफ़्ज़-शब्द

शख्स-इसान, आदमी

लावल्द-निःसंतान

मंगल बुध

खाना नम्बर 3- अगर बड़ा भाई साथ हो और मदद पर तो खुश गुजरान। माता पिता का सुख सागर लम्बा और उम्बा और कृदर्ती मदद मिले।

वह लाबल्द कभी न होगा। बुध अपनी नाली के असूल पर शुक्कर और मंगल दोनों को मिला देगा। अब बुध नम्बर 3 और शुक्कर 9 का कोई मंदा असर न होगा।

मंगल बुध नम्बर 3
और शुक्कर नम्बर 9

खाना नम्बर 4

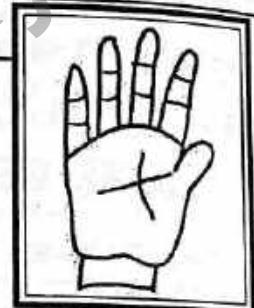
जान जाती पर बुरा न होता
बुध अकेला बेशक उम्दा



कहर गैरों पर ढाता हो
राख ज़माना मिलता दो

अपनी ज़ात (खुद अपने वजूद) पर कभी बुरा असर न होगा।

खाना नम्बर 6- दोनों ग्रहों का अपना अपना
मगर उत्तम और उम्दा फल वही जो दोनों का अलाहदा
अलाहदा हर एक के लिए नम्बर 3-6 में लिखा
है।



खाना नम्बर 8-

जुदा जुदा हों बेशक मंदा
मिला असर यां हरदम उम्दा
मामूं क़बीला ऐसा उजड़ा
हुआ ज़िंदा जो बदतर मुर्दा



केतु भला न होता हो
शनि दूजे न बैठा जो
ज़िंदा कोई न रहता हो
फ़कीर जंगल जा बचता हो

मंगल बुध के बाहरी साथ में जहां दो (मंगल या बुध) से किसी एक का भी फल ख़राब



गुजरान-निर्वाह, गुजारा

दूजे-दूसरे मामूं-मामा (मां का भाई)

गैरों-पराये

अलाहदा-अलग
वाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर

बुध-बुध ग्रह

शुक्कर-शुक्र ग्रह

हो तो इकट्ठे होने की वजह से दोनों ही का फल उम्दा और उत्तम होगा।
 खुद अपने लिए अब मंगल बद न
 होगा बल्कि दोनों का मिला मिलाया असर निहायत
 उत्तम और उम्दा होगा।

मंदी हालत

मंगल बद के बक्त आग से नुकसान
 का डर और इज्जत सिर्फ़ फोकी इज्जत ही
 होगी। बालिद का ताल्लुक मंदा। बुध का ख़राब फल
 होगा जो मौत बीमारी और हर लानत से
 दुखिया करे। नाहक बदनामी फ़िक्र और तकलीफ़
 से अमूमन दुखिया होवे

उपाओ- वही उपाओ जो मंगल बद में लिखा है।

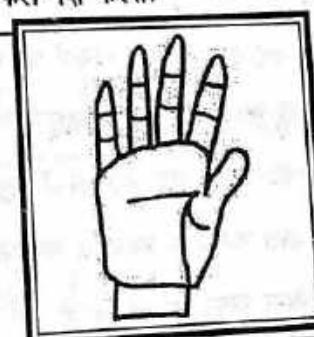
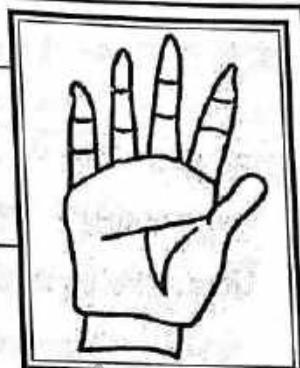
ख़ाना नम्बर 1- भाई पर मंदे असर (औलाद की क़िल्लत या जिंदगी की दुनियावी बेलुत्फ़ी) के
 बक्त शहद की सुराही मंगल की अश्या (खांड या शहद या सौंफ़) से भरकर बाहर बीराने में दबाना मददगार
 होगा। सुराही के इर्द गिर्द ढाक (पलाह) के पत्ते भी रख देना और भी उत्तम फल पैदा करेगा।

ख़ाना नम्बर 3- धन दौलत के बहुत

ग़ूम (चोरी बगैर) देखेगा। माया हर काम में मंदा
 असर दिखलावे। दिल हमेशा बुरे कामों की तरफ़
 चलता होगा। ख़यालात पर बुरा असर होगा।

फोकी-खाली, खोखली, बेकार ताल्लुक-संबंध अमूमन-आमतौर से उपाओ-उपाय

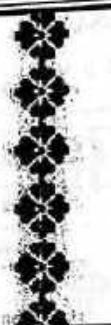
ख़यालात-विचार, ध्यान



खाना नम्बर 4- गो खुद वह बुरा न होगा और न ही किसी का बुरा करने की कोशिश करेगा।
मगर फिर भी दूसरों के लिए मंदा ही असर देगा।

खाना नम्बर 7-

गृहस्त मंदे में ज़हर वकूए
गुरु शनि से कोई मिलते
मंगल 7 वें सब कुछ उम्दा
सब का सब ही मंदा होगा।



ज़बान मंदी जब होता हो
ज़हर मंगल बद भरता हो
धन दौलत परिवार ही सब
बुध मिले मंगल से जब

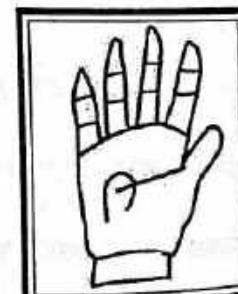
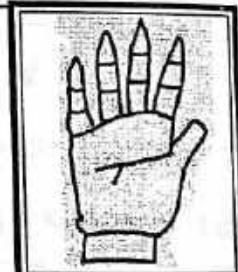
शहद में रेत या खून के दौरा के लिए जिस्म की नाड़ें ख़राब। हर दो ग्रह का असर बरबाद मंगल का शेर बुध के ज़हरीले दांत होने की बजह से शुक्रकर की गाय (जो इस घर का मालिक है) पर भी हमला कर देगा।

गृहस्त बरबाद ज़हर के वाकिआत हों। किसी नेक असर की उम्मीद नहीं मुतअल्लक़ा दुनिया से फ़जूल ज़गड़े फ़साद मंदी ज़बान (बुध) की मेहरबानी और खुद अपनी बद ख़्यालियों के नतीजे होंगे।

खाना नम्बर 8- मामूँ ख़ानदान को बरबाद

ही करता होगा। बल्कि उन की आँदों नस्ल का क़ायम रहना तक शक्की होगा।

जिस दिन से ऐसा शख़्स होश संभाले
मामूँ उसी दिन से दरबदर घर से दुखिया हो कर निकल भागे। साधु बौरह होकर अदम पता होगा। गोया मामूँ अपने सिर पर राख छाल कर बच सकता है वह भी अपने घर घाट से बाहर रहकर अगर अपने घर ही रहे तो मुदों से भी तंग कारोबार में सख़्त



नाड़े-नसें

वाकिआत-घटनाएं

मुतअल्लक़ा-संबोधित

मामूँ-मामा (माता का भाई)

धूक्के मुलाज़मत में मौकूफ़ी बैरह जो कहो सच होगा।

खाना नम्बर 11

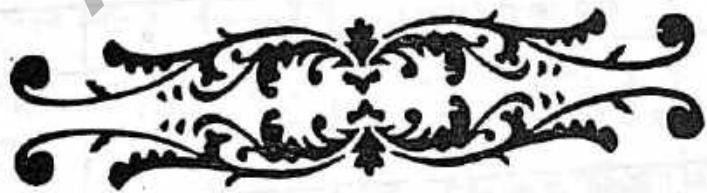
शराब खोरी खुद आंखें टेढ़ी
मकान तवेले दौलत जलती
गुरु चंद्र की चीज़ें उम्दा
सुबह सवेरे दांत जो धोता



शनि गुरु फल मंदा हो
हार हानि सब देता हो
पानी उत्तम जल गंगा हो
ज़हर मंगल बद उड़ता हो

शराब का इस्तेमाल आंख का टेढ़ापन पैदा कर देगा या सनीचर (मकान) और बृहस्पत (गुरु-पिता-सोना) सब मंदे हाल पैदा करेंगे जिसका उपाओ सुबह सवेरे गंगा जल का इस्तेमाल मदद देगा या चंद्र या बृहस्पत का उपाओ या चंद्र या बृहस्पत की चीज़ों का साथ मुवारक होगा।

नोट- बाक़ी घर अपना अपना फल होगा।



मुलाज़मत-नौकरी, सेवा

शराब खोरी-शराब पीने का आदी

मंगल-मंगल ग्रह

बुध-बुध ग्रह

बे मंगल सनीचर

छुपते सूरज की लाली पाता
मंदी हालत में राहु मंदा
साथ गुरु से तीनों मंदे
बाप दादा का सब कुछ छोड़े
गुरु घरों फल हर दो उम्दा
धन दौलत घर इतना बढ़ता
लेने देन एतबारी मंदा
लाल हीरा न पहनते उम्दा

शान बुढ़ापे बढ़ती हो
काग रेखा फल देती हो
चोर-साधु मरवाता हो
मुआविन उम्र धन रेखा हो
सुखिया गृहस्ती होता हो
डाका वहां आ पड़ता हो
नुकसान लम्बे वह पाता हो
कर्ज़ा बीमारी देता जो

बे- डाक्टर-डाकू-फौजी-नारियल-बदाम-खुआरा।

मंगल सनीचर मुश्तरका के वक्ता राहु अमूमन ऊंच असर का होगा ख़ाह कहीं और कैसा बैठा हो।

१ -ख़ाना नम्बर 2-5-9-12

नम्बर	कृष्ण ग्रह असर	निशानी वक्हूआ	कृष्ण ग्रह असर	निशाना वक्हू	निशानी वक्हूआ
1	मंगल	राज दरबार का ताल्लुक	शुक्र	7	स्त्री भोग
2	शुक्र	ससुराल ताल्लुक या अपनी शादी	मंगल बद	8	मौत-फंदे
3	बुध	शादी लड़की (ऋतुदान)	बृहस्पत	9	यग-पितृ
4	चंद्र	ज़मीन खेती घोड़ी बच्चा देवे	सनीचर	10	मकान में दिन को सांप आवे
5	सूरज	पैदाइश औलाद	बृहस्पत	11	बाप दादा का माल छोड़े
6	केतु	कुतिया बच्चे देवे-छिपकली जिस्म पर चढ़े	बृहस्पत	12	ख़ानदानी या होवे

ख़ाह-चाहे

ताल्लुक-संबंध

जिस्म-शरीर

सूरज-सूर्य ग्रह

मंगल सनीचर

दोनों ग्रह 40 साला उम्र तक मुश्तरका होंगे मुश्तरका मिलावट
 में मंगल 3 तो सनीचर 4 जु़न होगा। मुश्तरका मिलावट में जब मंगल
 बद हो तो मंगल का $\frac{1}{3}$ हिस्सा शामिल होगा। मुश्तरका मिलावट में जब
 मंगल नेक हो तो सनीचर की बुराई और मंदा असर सिफर $\frac{1}{3}$ हिस्सा शामिल होगी।
 दोनों ग्रहों की अच्छी या बुरी बुनियाद राहु पर होगी यानी अगर राहु उम्दा तो दोनों का
 कल उम्दा अगर राहु मंदा तो दोनों के असर की जड़ में कड़वा धुआं होगा। मंगल नेक
 और सनीचर मुश्तरका द्याल शिवजी और विष्णु जी होंगे। ऊंच राहु का असर होगा।
 जो झांगड़े फ़साद में फ़तह का मालिक होगा। मंगल बद और सनीचर
 मुश्तरका काग रेखा जो राहु की बुरी नीयत का असर देगी।
 मंगल खुद तो बुध की तरह सिफर होगा मगर सनीचर को अपनी
 तमाम ताक़त देकर उस की सनीचर की ताक़त को दुगुना कर देगा।

नेक हालत

दो डाकू एक ही उसूल के बाहम मिले हुओं की तरह बुढ़ापे में छूपते हुए सूरज
 की तरह क़िस्मत की उम्दा शान होगी (हाथ पर कमान का निशान) दिलावर-
 बहादुर उम्दा सेहत जिसमानी ताक़त उत्तम का मालिक होगा। दूसरे मद्दों पर
 खौफनाक मौत की तरह छाया रहने वाला होगा। दूसरे भाइयों (अपने बड़े
 मंगल के मुतअल्लिक़ा रिश्तादार) की क़िस्मत का हिस्सा भी उसे हो
 मिल जाएगा या वह बेचारे मंगल के दूसरे दौरा में सिफर ही हो
 जावें तो मुमकिन सांप (सनीचर) और शेर (मंगल) की
 मुश्तरका तबीयत का मालिक आजिज़ को मुआफ़ और ज़ालिम को क़त्ल करके ही छोड़ेगा।
 धन दौलत की ज़्यादती की बजह से उसका घर डाका डालने के क़ाबिल होगा या
 वहां डाके के वाक़िआत होंगे।

मुश्तरका-मिले जुले

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

फ़तह-विजय, जीत

मुतअल्लिक़ा-संबंधित

सिफर-शून्य

मुमकिन-सम्भव

तमाम-सारी, पूरी, सम्पूर्ण

वाक़िआत-घटनायें

खाना नम्बर 1-

औरत कबूतरबाजी मंदी

माया दौलत ससुराल की बढ़ती

खून मंदा खुद होता हो

सफर ताल्लुक उम्दा हो

जिस दिन ऐसा शख्स राजदरबार का काम शुरू करे दोनों ग्रहों का नेक फल जारी होगा (बज़रिया मंगल) ससुराल खानदान हर हालत में मालामाल ही होता होगा और खुद टेवे वाले की उम्र कभी हार न देगी। सफर के कारोबार से ताल्लुक रखना हर तरह का बचाओ देता रहेगा।

खाना नम्बर 2- जिस दिन शादी हो या ससुराल ताल्लुक पैदा हो जावे बृहस्पत भी उत्तम फल देगा खुद अपनी बहुत दौलत बढ़ेगी। ससुराल के धन की लाहर मुबारक होगी (बज़रिया शुबकर) वह अमीर होंगे और उनसे जायदाद और धन मिले। वह (ससुराल) लावल्द कभी न होंगे।

खाना नम्बर 3- जायदाद ज्यादा होवे कमान का मालिक खुद बहादुर दिलावर होगा। बज़रिया बुध लड़की की शादी या लड़की के ऋतुदान (अव्याम माहवारी शुरू) होने के दिन से दोनों ही ग्रहों का उत्तम फल होगा।

खाना नम्बर 4- दोनों ग्रहों का बज़रिया चंद्र यानि जिस दिन चंद्र की अश्या खेती की ज़मीन आवे या घोड़ी मादा बच्चा देवे नेक फल जारी होगा वरना दोनों का वही फल जो चंद्र मंगल नम्बर 10 में लिखा है।

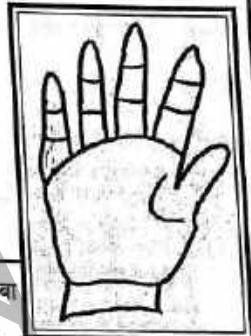
खाना नम्बर 5-6-8-9-

पांच ज़हर शनि मध्दम होती
मंगल बदी घर क्वांत्रिस्तानीयाद नेकी न 6 की हो
काग रेखा बुध 9 की हो

जब ऐसे शख्स के हां औलाद नरीना पैदा हो तो किस्मत बज़रिया सूरज जागेगी।

खाना नम्बर 6- बज़रिया केतु (कुतिया घर में या घर के सामने मेदान में बच्चे देवे या छिपकली पांव की तरफ से जिस पर चढ़ जावे) किस्मत जागेगी।

खाना नम्बर 7- बज्रिया शुक्कर से स्त्री ताल्लुक या भोग वगैरह) किस्मत जाएगी। दौलतमंद औलाद दुनिया और स्त्री का सुख होगा। रिस्तादारों और अपने कबीला को तारने वाला होगा।



खाना नम्बर 9- बज्रिया वृहस्पत (जब बुजुगों से मुतअल्लिका कोई लम्बा चौड़ा या अडम्बर मानिंद मेला वगैरह हो) किस्मत जाएगी। शाही जंगी धन और शाही परवरिश का साथ होगा। जो 60 साल उम्दा रहे और आगे बढ़ता जावे जब तक बुध का ताल्लुक न हो

खाना नम्बर 10-

पोते परोते हर दम बढ़ते



4 चंद्र ख़वाह शनु बैठे

पाप टेवे जब उम्दा हो

दूध बागीचे भरता हो

बज्रिया सनीचर (दिन के बकूत रात को नहीं घर में सांप निकल आवे मगर मारा न जावे क्योंकि ऐसा सांप सिर्फ किस्मत के जाग उठने की ख़बर देने को आया करता है। डंग नहीं मारा करता)

किस्मत जाएगी। ऐसा शख्स मालदार (दौलतमंद) अयालदार (बाल बच्चे वाला) बल्कि पोते पढ़ोते वाला होगा। अगर राहु केतु उच्छे घरों में हों और निकम्मे वरवाद न हो रहे हों लेकिन अगर राहु केतु मंदे या वरवाद हों तों मंगल और बुध का नेक असर राहु की तमाम उम्र (42 साला) के बाद पैदा होगा। नेक हालत में हुक्मरान जायदाद वाला मानिंद राजा होगा।

जब तक कोई और ग्रह ख़ाना नम्बर 3-4 में न हो और न ही ख़ाना नम्बर 1-8 में मंगल का

दुरमन ग्रह (बुध केतु) हो अगर 3-4 या 1-8 में मंगल सनीचर का दुरमन ग्रह हो तो

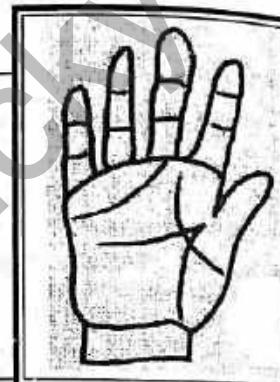
ऐसा दुरमन ग्रह खुद ही मारा जावेगा और वरवाद होगा और मंगल सनीचर की ताक़त कम न होगी।

मंगल सनीचर

बल्कि और खुँखारी होगा। उसकी ओर नेक किस्मत बाली होगी जो शादी होते ही किस्मत को जगा देगी या और कोई ताल्लुकदार होगा जिस के साथ मिलते ही किस्मत जाग पड़ेगी। किस्सा कोताह सनीचर का कभी दुरा असर न होगा बल्कि सनीचर नेक असर ही देगा यानी सनीचर की पैदा करदा बीमारियां मौतें या दीगर उदासी और तबाही कभी खानदान में न होगी क्वाला बाले खुद ही बाहम झगड़ा करें तो मुमकिन मगर कुदरत की तरफ से कोई खास मुसीबत न होगी। दूसरे आदमियों पर वह मौत की तरह छाया रहेगा। और चीते की तरह पीछे पीछे चलता होगा लेकिन अगर कभी मुकाबला हो पड़े और सताया जाए तो बेशक हमला कर देगा। चारगोशा मकान निहायत उत्तम फल देगा।

पानी की बजाए दूध से पले हुए दरड़ा
 की तरह उत्तम किस्मत का मालिक होगा। बारोब
 बा गुस्सा अहल सरकार से खास नफा पावे।
 सरकारी मुलाज़मत ज़रूर पावे और मंगल का नेक
 धन बहता चले।

दोनों नम्बर 10
चांद्र नम्बर 4



खाना नम्बर 12-

असर दोनों दें अपनों अपना
राहु बुरा न टेबे होगा

नेक भला और उम्दा जो
न ही केतु बुध मंदा हो

दोनों ही ग्रहों का उम्दा और उत्तम असर होगा और अब दृध और गह के तभी प्रले ही अमर के होंगे।

दीगर-मिन, दूसरे

मुमुक्षु-माला

1000

卷之三

MATERIALS AND METHODS

खाना नम्बर

(36 ता 39) तक

ठड़ादे या उजाह ते

कौं इश्वरानी ॥

शहमत-कष्ट क्षेत्र

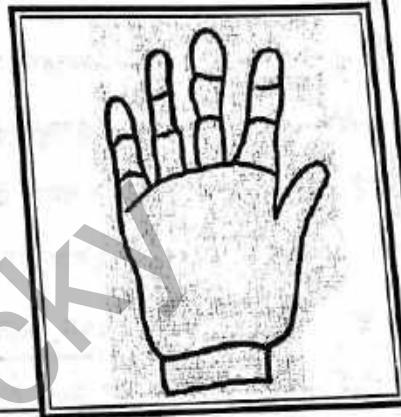
पुस्तकालयका-संकाय

卷之三

मंदी हालत

धन दौलत और परिवार दोनों उजड़ें जहमत बीमारी आम होते। बीमारी जब कभी होगी सख्त होगी और ऐसा मालूम होगा कि अब मरा अब मरा लेकिन उम्र लम्बी होगी जो कम अज्ञ कम 90 साल से कम न होगी।

यह भी हो सकता है कि डाका ज़ाहिरा के अलावा (सनीचर की पोशीदा ताक़त का नतीजा) सिर्फ ऐतबारी हांग पर साहुकारा या मुतअल्लिक़ा दुनिया में लेन देन करने से ऐसा शख़स रूपया पैसे के मोटे मोटे नुकसान देखे।



उपाओ- लेनदेन के ताल्लुक में जिस किसी को भी रक्म देवे उस से तहरीर पर्चा ज़रूर करवा लेवे। रक्म की वापसी वसूली पर बेशक जो चाहे छोड़ देवे। मंदी सेहत के ताल्लुक में मंगल बद और मंदे सनीचर के हालों में दिया हुआ उपाओ कारआमद होगा।

घोड़ी जब बच्चा देवे तो उस का पहली ही दफ़ा का दूध जो उसके (घोड़ी के) बच्चे ने अभी पीना शुरू न किया हो निकाल कर शीशों के बरतन में क़ायम रखें तो धन दौलत की बरकत भी होगी और डाका के बाक़िआत या गैबी धोका बाज़ी से बचाओ भी होता रहेगा मगर फिर भी बचकर ही चलना अवृत्त मंदी होगी।

ख़ाना नम्बर 1- जब टेवे में बुध मंदा हो काग़ रेखा का मंदा फल होगा जो सनीचर की मियाद

(36 ता 39) तक रिश्तादारों और खुद टेवे वाले का अपना सब कुछ (धन दौलत मर्द औरत)

उड़ादे या उजाड़ देवे। सनीचर का बुरा असर ही होता रहे। ख़ून की मुतअल्लिक़ा बीमारियां तंग करें। औरत की इश्क़बाज़ी ख़राबी का बहाना होगी या स्याह आंख वाली सनीचर की गोल गहरी या सांप की आंखों

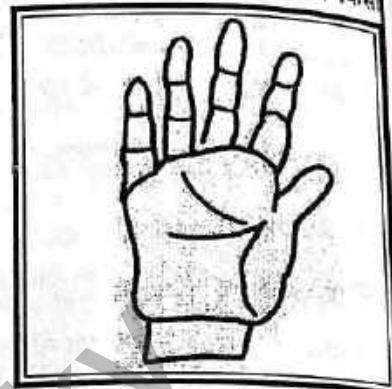
ज़हमत-कष्ट, ब्लेश, तकलीफ
मुतअल्लिक़ा-संबोधित

ज़ाहिरा-स्पष्ट, दिखाई देने वाला
उपाओ-उपाय

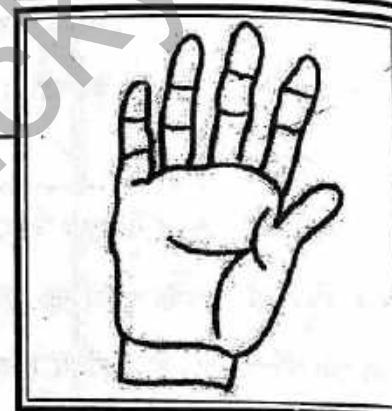
साहुकारा-ब्याज पर पैसा देना
कारआमद-प्रभावशाली, असरदार
धोका-धोखा

मंगल सनीचर

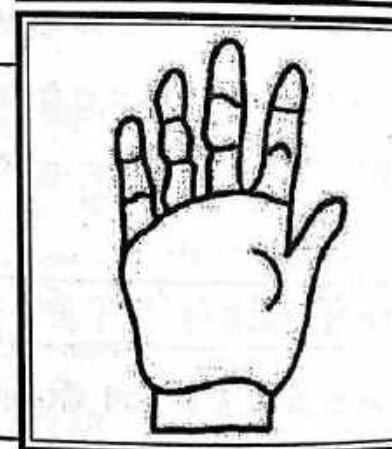
से मिलती हुई आँखों की मालिक औरत की मारफत सब माया दौलत बरबाद होती रहे या वह किसी न किसी तरह ख़ाह खुफिया ख़ाह ज़ाहिर बरबाद करती रहे।
 भूरी आँखों वाली औरत मददगार होगी। औरत ज़ाह अपनी ख़ाह पराई माशुका या बेवा अपनी खूबसूरती या निर्धनी और अबलापन की वजह से ऐसे टेवे वाले की साथिन (ताल्लुकदार) हो ही जाया करती है भगर नतीजा मंदा ही हुआ करता है। इस लिए चंद का उपाओ माता का हुक्म या दुनियावी (ख़ाह माता ख़ाह दुनिया के दूसरे लोगों का) सलाह मशविरा मददगार होगा।



ख़ाना नम्बर 2- रात या पक्की शाम के वकृत धरम अस्थान में माता या ससुर के साथ जाना अच्चानक हादसा या बेहद नुकसान का बहाना खड़ा कर देगा भगर दिन के वकृत कोई वहम न होगा।



ख़ाना नम्बर 3- अपने ही भाई बंद मुखालफत करें। औरत के भाई बंदों से ज़हर के वाक़िआत हों। गृहस्त बरबाद धन गुम चचा (सनीचर) या छोटा भाई (मंगल के साथ सनीचर) बाल बच्चों आल औलाद से दुखिया या लावल्द भी हो सकता है।



ख़ाना नम्बर 4- मंदी हालत में दोनों ही ग्रहों का जुदा जुदा फल होगा मौत तक बुरी हालत और हादसा से गिनते हैं।

माशुका-प्रेमिका

ख़ाह-चाहे

बेवा-विधवा (जिसका पति मर चुका हो)

मुखालफत-शक्रुता, दुरमी

खाना नम्बर-5-दूसरी नर औलाद या केतु का उम्बा

फल 42 साला उम्र के बाद नसीब होगा।

खाना नम्बर-6-नेकी फ़रामोश खुदगर्ज इंसान होगा।

पेट में तकलीफ़ जिस के लिए धरम अस्थान में

मंगल की अश्या (चीनी या मीठा भोजन या खाने पीने की मीठी चीज़ें) देने से मदद होगी।

खाना नम्बर-7-बुद्धपे में नज़र बीनाई

हलकी सी मंदी होने की निशानी है मगर अंधा

नहीं होगा। चिरायता के इस्तेमाल से दिमाग़ी

खरबियों में मदद मिलेगी।

खाना नम्बर-8-दोनों ग्रह भारग अस्थान मुद्दाघाट -मंदा चूल्हा या मंदी आग जलाने की

जगह के मालिक होंगे। 3 कोना या बाक़ी सिफ़र बचने वाले मकान की किस्मत का मंदा हाल होगा।

मौतें मातम तमाम बदियाँ और तकलीफ़े दरपेश होंगी।

शमशान के अंदर के कुएं का पानी अपने घर में लाकर क्रायम रखना मददगार होगा।

खाना नम्बर-9-जब बुध का साथ या ताल्लुक हो जावे सबसे मंदी काग़ रेखा (मंदा ज़माना) होगा।

खाना नम्बर-11-

चोरी ठगी हो गुरु का पेशा

माकूल कमाई-क़र्ज़ा होगा

असर मंदे सब देता जो

वरना पिता खुद जलता हो

खाना नम्बर 11 दरअसल बृहस्पत का है जिस में सनीचर भी हिस्सादार है और खुद मंगल का शेर भी

गुरु बृहस्पत की ज़ंजीर में जकड़ा हुआ होता है। माकूल आपदन होते हुए फिर भी क़र्ज़ाई होगा।

बाप की चीज़ों के एकजू में तमाम खुद पैदा करदा चीज़ें क्रायम होने पर बज़रिया बृहस्पत किस्मत जागेगी।

चोरों को फ़ंसाने वाले धर्मात्मा साधु की तरह बृहस्पत अब दोनों ही ग्रहों (मंगल सनीचर) का फल बरबाद करता जाएगा।

धरम अस्थान-धरम स्थान

माकूल-उचित, योग्य

बीनाई-आंखों की दृष्टि

क़र्ज़ाई-ऋण ग्रस्त

मुद्दाघाट-शमशान घाट

बज़रिया-माध्यम से

सिफ़र-शून्य

ताल्लुक-संबंध

मंगल राहु

हाथी-पापी-न शरारत करता
बैठे घरों कोई जिस दम मंदा
ऊंच-उत्तम कोई-जब दो बैठा
शान राजा और दौलत उम्दा



लेख जाती को उभारता हो
ख्वैशो अक्तारिब मारता हो
राजा सवारी होता हो
साथ हुकूमत पाता हो

मंगल रोटी पानी तो राहु चूल्हा या मंगल महावत तो राहु हाथी होगा। दरअसल मंगल के साथ राहु हो तो राहु का फल जुदा हुआ ही नहीं करता या राहु नदारद (नहीं हो या सिफर) होगा या हाथी मय महावत पूरी और मुकम्मल हाथी की सवारी होगी। अब राहु शरारत नहीं कर सकता।

नेक हालत

दोनों अपने घरों में हों जहां कि राहु ऊंच हो (खाना नम्बर 3 या 6) या राहु का असर दूसरे आम साधारण उस्लों दृष्टि वगैरह के ढंग पर दूसरे ग्रहों की मदद वगैरह हो जाने की वजह से उत्तम हो रहा हो तो राजा की हाथी की सवारी या वह शख्स खुद मानिंद राजा होगा।

मंदी हालत

दोनों अपने घरों में बैठे हों जहां कि दोनों में से किसी एक का फल आम साधारण हालत के हिसाब से मंदा बुरा या बरबाद हो तो जिसम पर लसन का निशान राजा का बगैर महावत बिगड़ा हुआ या गंदा हाथी होगा जो अपनी ही फौज को मारता होगा।

१ जिस जगह (चूल्हा वगैरह) खाना पकाए वहीं खाए राहु शरारत न करेगा।
बै-चुपचाप नेक हाथी जो केतु का असर देवे। शाही सवारी का हाथी उम्दा। राजा की गिनती का आदमी

अक्तारिब-समीप वाले, रिश्तेदार

नदारद-गायब, खाली, रिक्त

मानिंद-समान, तुल्य

शख्स-आदमी, इंसान

उपरांतों अगर रोटी जाती हो उस जगह
खाना नम्बर बक्तु मिट्टी का बर्ता
पानी में बहाने से मनोट-बाकी घर

मंगल नेतृत्व
वरना मं

१ औरत के टेल
उम्र से शुरू होगा
जब टेवें
दो गुना नेक है
कुत्ता मुसाफ़िर होगी। इलाज करना
जदूदी मरघट (

खुद ब खुद नि
अक्साम दूध
कपिला गाय
जिसके लड्डि
बुध-बकरी
सूरनी गधी
मुरतरका-मिर

उपाऊ अगर रोटी पकाने और रोटी खाने की जगह एक ही हो यानी जिस जगह रोटी बनाई जाती हो उस जगह में ही रोटी खाई जाया करे तो राहु का मंदा असर गुम ही रहा करेगा।

खाना नम्बर 10- पेशाव-औलाद या केतु की मंदी हालत होगी जिसके बहुत मिट्टी का बर्तन राहु की अश्या (जौ-अनाज या सरसों) से भर कर चलते ही में बढ़ाने से मदद होगी।

नोट- बाकी घर अपनों अपना फल होगा।

मंगल केतु

(शेर की नस्ल का कुत्ता)

मंगल नेकी में दोगुना उम्दा

शनि शुक्रर जब मिलता हो

वरना मंगल बद किस्मत बनता

शेर कुत्ता दो लड़ता हो

१ औरत के टेबे में मंगल केतु मुश्तरका के वक्र औरत का माहवारी खून अमूमन (बालिग्पन) 14 साला उम्र से शुरू होगा और 48 साला उम्र तक जारी रहेगा। जो पैदाइश औलाद में नेक फल देगा।

जब टेवे में सनीचर और शुक्कर बाहम मिलते हों तो मंगल केतु मुश्तरका से मुराद होगी कि मंगल के द्वारा (जब संग्लीक मंडा मंगल बद या मंगल हो) बहैसियत पितृ ऋण में केतु

दो गुना नेक है वरना मंगल केतु (जब मंगलीक मंदा मंगल बद या मगल हा) बहासयत पितृ रूप न कुछ कुत्ता मुसाफिर-लड़का-मंगल बद (कृत्रिस्तान होगा और) गोली या ज़हर से मारा हुआ अगवा शुदा वजह होगी। इलाज केतु का चंद्र से होगा। सात अक्षसाम के फल सात अक्षसाम के जानवर के दूध से धोकर होगी।

जदूदी मरघट (शमशान) या क़ब्रिस्तान या बीराने में दबाएं वरना 28 साला उम्र से 48 तक लग्या (हाथ में सह व खड़ हिलते रहना कांपना झोला बीमारी) तपेदिक् कोढ़ के वाकिआत से नर या मर्दों की मौतें होंगी।

अक्षसाम दूध चंद्र घोड़ी वृहस्पत धर्म अस्थान का पानी या शेरनी का दूध सूरज मंदिर या पहाड़ी गाय या सूर्य (जिस रंग और पिस्तान का रंग दोनों ही पूरे स्याह हों) या ऐसी औरत

कपिला गाय (वह गाय जिसका जिस्म का रंग आर रेस्टा)। ...
जिसके लड़कियां ही लड़कीयां (कम अज़ कम सात लड़कियां) पैदा हुई हों। मंगल बद-ऊंटनी सनीचर-भैंस
बध-बकरी भेड़ शक्कर-आम गाए या आम औरत राहु-बिल्ली हस्तनी (हथनी) या धंगन ज़ुच्चा केतु कुचिया

सूर्यी गधी २ - खासकर जब चंद्र सीचर मुश्तरका से नीच केतु हो।

मुश्तरका-मिले जुले

तपेदिक-क्षयरोग

बजरिया-माध्यम से

स्याह-काला

मंगल केतु

जब एक तो असली केतु और दूसरा मस्तूर्ई केतु कंच हालत यानी शुक्रकर सनीचर मुश्तरका दो केतु मुश्तरका एक तो असल केतु और दूसरा मस्तूर्ई केतु नीच हालत यानी चंद्र सनीचर मुश्तरका हों तो मंगल दो गुना नेक होगा लेकिन अगर मंगल बद भी हो तो भी उस मंगल बद की दो गुना मंदा होने की ताक़त को भी बरबाद करके उसे नेक कर देंगे। टेवे में जब मंगल केतु इकट्ठे हों शुक्रकर सनीचर भी ग़ालिब न मुश्तरका होंगे। ऐसी हालत में मंगल ज़रूर ही दो गुना नेक होगा।

नेक हालत

लड़के 24 साल पैदा होते रहें।

ख़ाना नम्बर 2- हुक्मरान आसूदा हाल दोनों ग्रहों का जुदा जुदा और उत्तम फल होगा।

ख़ाना नम्बर 9-

साल 28 हालत बदले

नेक तरफ ख़ाह मंदा हो

पांच तीजे हों मुन्सिफ़ जिसके उपाओ उत्तम ग्रह ¹⁰ दस का हो

केतु का फल अब उत्तम होगा बशर्ते कि मकान की बुनियाद वाला उपाओ हो चुका हो यानी जद्दी मकान की बुनियाद के नीचे बारिश का पानी या शहद ख़ालिस चांदी के बरतन में डालकर दबाना मददगार होगा। केतु का उपाओ भी उत्तम होगा।

ख़ाना नम्बर 10- ख़ाना नम्बर 9 का ही उपाओ ख़ाना नम्बर 10 में दोनों मुश्तरका होने पर होगा।

मंदी हालत

मंगल-शेर-केतु-कुत्ता-शेर-कुत्ते की लड़ाई या मंगल केतु के बाहम झगड़े में यानी जब केतु खुद मंगल के असर को ज़ाहिरा बुरा या पोशीदा ख़राब कर रहा हो या जब मंगल बद का असर हो रहा हो। दो कुत्तों

चंद्र की अश्या (गंगा जल वगैरह) का उपाओ भी मददगार होगा।

मुश्तरका-मिले जुले
ख़ाह-चाहे

मस्तूर्ई-बनावटी ग़ालिब-विजेता, शक्तिशाली, प्रभावयुक्त आसूदा-धन धान्य से परिपूर्ण तीजे-तीसरे मुन्सिफ़-न्यायकर्ता उपाओ-उपाय

मंगल केतु

की पालना या दो कुत्ते (स्याह व सफेद नर व मादा इकट्ठे) रखना मुवारक फल पैदा करेगा।

खाना नम्बर 4-6-

मकान पे अपने शेर हो कुत्ता
मिलता मिलाया असर दोनों का



शेर गारों में छिपता हो
मंदा बुरा ही होता हो

दोनों ही का बुरा असर होवे या दोनों ही ग्रह हर तरह से मंदे और नाश होंगे
और नाश करेंगे।

खाना नम्बर 8- वही मंदा असर जो मंगल बद खाना नम्बर 4 केतु नम्बर 8 और मंगल केतु
मुश्तका नम्बर 4 में दिया है।

खाना नम्बर 10-

28 दोनों 45 मंदे
गुरु बैठा हो जैसा टेवे



केतु भला न रहता हो
फैसला 11 होता हो

28 साला उम्र के बाद हालात बुरे होंगे। मंगल बद होगा जो 45 साला उम्र तक बरबाद
करेगा। औलाद (केतु) तबाह या नदारद होगी।

केतु घर 10 वें का शक्की
मंगल भी ख़्वाह 10 वें बैठा
अब उपाओ केतु होगा
महल मकानां नीचे देवे



कुत्ता लड़का मंदे
फिर भी दोनों मंदे
या चंद्र का पानी
दूध शहद व प्रानी

खाना नम्बर 11- दोनों ही वही फल होगा जो मंगल अकेले का खाना नम्बर 10 में दिया है बश्तैं
कि मंगल बद न रहा हो

नोट - बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मुश्तका-मिले जुले

ख़्वाह-चाहे

उपाओ-उपाय

मकानां-मकान, घर

बुध सनीचर बे

(जायदाद मन्कूला आम का दरख़ा)

उड़ता सांप या बाज़ परिंदा
ज़हर खूनी गो दीगरां होता
बुध हकीमी शीशा बोले
शुक्कर रवि का तपेदिक्त तोड़े

नज़र चील की होती हो
अमीरी हिस्सा खुद ज़ाती हो
साथी शनि जब उत्तम हो
अनाज ब्योपारी उम्दा हो

दोनों $\frac{79}{40}$ साला उम्र तक मुश्तरका होंगे। मुश्तरका मिलावट में बुध 4 हिस्से तो सनीचर 5 हिस्से होगा।

नेक हालत

ओलाद पर कभी बुरा असर न होगा बल्कि 24 साल लड़कों की पैदाइश होगी। 42 साल दुश्मनों से बचाओ वाल्दैन का सुख सागर लम्बा और नेक होगा। खुद भी वह नेक किस्मत का मालिक और हमर्द होगा। दूसरों के लिए एक सांप (सनीचर) और दूसरे उड़ने वाला (बुध परिंदा) होगा जिस की चील की नज़र (सनीचर) होगी। हाथ पर गाओं का निशान मुबारक असर देगा।

ख़ाना नम्बर 2-12- उसका लोहा और पत्थर (सनीचर की अश्या कारोबार या रिश्तादार मुत्अलिल़का सनीचर) कीमती हीरे का काम देवे। अगर ज़हर को हाथ लगा देवे वह भी अमृत कुंड मारने की बजाए तारने लगे। ऐसा आदमी उम्दा सेहत हमर्द और नेक किस्मत होगा। वाल्दैन नेक और उनका (वाल्दैन का) मैल जोल नेक होगा और टेवे के लिए उन का सुख सागर लम्बा अरसा और नेक होगा।

बे - शराबी कबाबी ज़बान से ही सांप की ताक़त या औरत को उड़ा लेवे और सनीचर का जादू भर देवे।
बे - उड़ता सांप नेक मायनी ससुराल के लिए फिर भी मंदा ही। सनीचर के साथ बुध मानिंद क़लई होगा।

दरख़ा-पेड़ वाल्दैन-माता पिता शराबी कबाबी-शराब पीने, मांस, मछली खाने का आदी मानिंद-समान, तुल्य

बुध सनीचर

खाना नम्बर 4- बुध का फल कभी बुरा न होगा खाह चंद्र किसी तरह भी दोनों के साथ हो जावे।

खाना नम्बर 7- धनाद्य और सुखिया होगा।

खाना नम्बर 11- अगर राहु के दाएं बाएं होने के उसूल पर सनीचर का सुखाओ नेक होवे और खाना नम्बर 3 की दृष्टि से भी सनीचर पर कोई मंदा असर न हो तो ऐसा शख्स गांव का रहस्य और सुख पाने वाला होगा। 45 साला दौलत नसीब होवे।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

खाना नम्बर 2-12- बुध सनीचर नम्बर 2

बुध के मंदे असर के बक्ता पिता की

मौत सनीचर की अश्या मशीन मोटरलारी ज़हर

या शराब बौरह से होगी या सनीचर की अश्या

कारोबार मुतअल्लक़ा सनीचर भी बाप के लिए

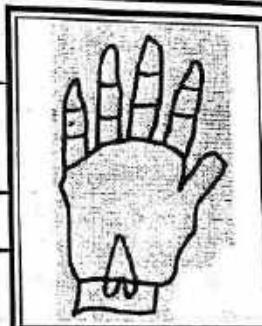
ख़राबी या मौत तक मंदे असर के

साक्षित होंगे।



खाना नम्बर 4- खूनी होगा। अब चंद्र का फल बुरा होगा।

दूसरों के लिए ऐसा शख्स खूनी सांप की तरह बुरा असर देगा।

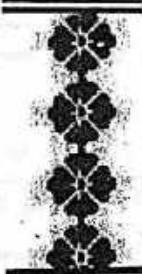


खाना नम्बर 7- शराबी कबाबी नेकी फ़रामोश होगा।

खाना नम्बर 9-

बुध उम्र तक काग़ की रेखा

असर मंदा औलाद न होगा



बाद शनि फल देता हो

शनि भला ही रहता हो

तुप की (34 साला) उम्र तक काग़ रेखा (मंदा ज़माना) हो और उस के

बाद सनीचर का खाना नम्बर 9 (सनीचर नम्बर 9) का दिया हुआ उम्दा और नेक फल होगा।

सनीचर-शनि ग्रह

अश्या-चीजे, वस्तुएं

मुतअल्लक़ा-संबंधित

शख्स-इंसान, आदमी

बुध सनीचर

खाना नम्बर 11-

पाप सुभाओ जो शनि उम्दा
जमीन जमीनां गावों होता

या घर तीसरा खाली हो
बरना शनि फल जाती हो

अगर खाना नम्बर 3 सनीचर को मंदा कर रहा हो तो सनीचर का जाती फैसला क्रिस्मत का फैसला होगा।

नोट- बाकी घर अपना अपना फल होगा।

बुध राहु

(तिलयर परिंदा) जो बड़ (चंद्र बृहस्पति) के दरख़्त पर आम होता है और उसके (बड़ के दरख़्त या चंद्र बृहस्पति) फल बरबाद करता है।

हाथी जिस्म जब राहु होता
दोनों जभी कोई बैठा मंदा
घर पहले ता ६ वें उम्दा
दोनों दूजे ९-११-१२
२-३ या ५-६ वें बैठे
घर ७ वें १०-११ आते

सूंड हिस्मा बुध बनता हो
असर मुबारक दो का हो
बाकी घरों दो मंदा हो
असर गुरु न उम्दा हो
उम्दा असर बुध देता हो
ज़हर राहु का बढ़ता हो

दोनों मुश्तरका कुण्डली के

खाना नम्बर २-३-५-६ में हों तो अपने लिए मददगार ज़बान की तरह मुबारक और उत्तम दूसरों

१ -राहु के साथ बुध हाथी का सूंड होगा-बुध परिंदों में उड़ने वाला सांप- सफेद हाथी बुध राहु-जब दोनों इकट्ठे या दोनों में से हर एक अलाहदा अलाहदा मंदे घरों में हो मसलन (बुध ३-८-९-१२) राहु (५-१-७-८-११) जेलखाना-पागलखाना-अस्पताल-वीराना-क्रिस्तान होगा चंद्र की अश्या शमशान या क्रिस्तान में देनी मुबारक या शमशान के कुएं का पानी घर में लाकर रखना मददगार सिवाए खाना नम्बर ४ जिसमें बुध सिफर या खुदकुशी तक नौबत मगर दौलत के लिए राजयोग होगा

दरख़्त-पेड़

क्रिस्तान-शमशान घाट

सिफर-शून्य

जिस्म-शरीर

खुदकुशी-आन्तर्हत्या

के लिए भी फ़ायदा मंदा असर के होंगे।

ख़ाना नम्बर 7-10-11 में हो तो अपने लिए मददगार बाज़ की तरह मुवारक और उत्तम मगर दूसरों के लिए अहमकृ बेवकूफ दोस्त की तरह बहुत मंद।

ख़ाना नम्बर 1-4-8-9 में हों तो अपने लिए मंद मगर दूसरों पर कोई बुरा असर न होगा।

ख़ाना नम्बर 12 में हों तो खुद अपने और दूसरों के लिए बहुत मंद असर के होंगे।

बृहस्पत के ताल्लुक से न सिफ़ी बुध राह बल्कि बुध राह बृहस्पत तीनों ही का फल मंदा होगा।

दोनों ग्रहों से प्रबल कौन है का फ़ैसला टेवे वाले उन की गुफ़तार (बोलने की आवाज़ और ढंग) पर होगा। दरअसल दोनों मुश्तरका के :-

(1) कुण्डली के पहले घरों 1 ता 6 में टेवे वाले के लिए अमूमन उत्तम फल के होंगे।

(2) कुण्डली के बाद के घरों (7 ता 12) में दोनों ग्रहों का ही मंदा फल होगा और केतु

पीछे से बुरा असर दे रहा होगा।

सिवाय ख़ाना नम्बर 11 के वक्त जिस पर केतु का ख़ाना नम्बर 5 से कोई असर न मिल सकेगा।

मगर ख़ाना नम्बर 12 में मुश्तरका होने के वक्त बुध की ज़हर इतनी बड़ी होगी कि बुध की बकरी

से गहु का हाथी जान बचाने के लिए चीख़ीं मार कर भागता होगा। यानी राहु की अश्या कारोबार

या रिश्तादार मुतअलिलका राहु (ससुराल नाना नानी वगैरह) सब उजड़े बरबाद वरना दुख भरी

आहों के मंदे राग पागलों की तरह या जेल ख़ानों में बद कैदियों की मानिंद ऊंची

आवाज़ से पुकारते होंगे।

नेक हालत

गहु हाथी के जिस्म और बुध उस की सूंड की तरह मददगार होने की तरह दोनों ग्रहों का खुद टेवे वाले के लिए उत्तम फल होगा।

ताल्लुक-संबंध

अमूमन-आमतौर से

मुतअलिलका-संबंधित

मानिंद-समान, तुल्य

परिवर्द्धन-पक्षी

बुध राह

मंदी हालत

दोनों मुश्तरका दृष्टि से बाहम मिले हुए होने के बक्त जब दोनों खाना नम्बर 7 ता
12 सिवाय खाना नम्बर 11 में हों तो मौत गूँजती होगी। जानवरों खासकर छोटे-छोटे
या मामूली परिंदों (टटीरी का खासकर जो रात को यांगे लपर को करके सोती है) के शिकार
करने से दोनों ग्रहों का फल मंदा हो जाने की पहली निशानी होगी जहां दोनों ग्रहों
में से किसी एक ग्रह का फल मंदा हो। अब मुश्तरका हालत में ऐसे घरों बैठे होने
के बक्त दोनों ही का फल टेके वाले के लिए उम्दा और नेक होगा मगर बुध और
गहु के मुतअल्लिका रिश्तादार (बहन-भुआ-फुफी-मासी-लड़की बुध से मुतअल्लिका-सासुराल
नाना-नानी गहु से मुतअल्लिका) मंदे हाल और बरबाद होंगे। ज़बान का तेंदुवा या आंखों
का टेढ़ापन या एक आंख छोटी दूसरी बड़ी मगर बरबाद बगैरह भी हो सकता है खासकर जब
दोनों बृहस्पत के घरों (9-11-12) में हों या बृहस्पत का टकराओ आ जावे।

खाना नम्बर 1- औलाद के विघ्न होंगे।

खाना नम्बर 3- 34 साला उम्र तक बुध और केतु दोनों ही का फल अमूमन मंदा ही होगा।
बहन गो अमीर होगी मगर जल्द बेवा होने की निशानी लेंगे जो ज़रूरी नहीं बेवा हो ही जावे।

खाना नम्बर 1-8-9-11-12-

आठ-पहले-9 चौथे होते

लेख मंदा जब 12 बैठे

औलाद लानत घर पहले होती

घर-3-11-बहन अमीरी

मौत धुआं आ निकलता हो

पकड़ हाथी पांव रौंदता हो

आकाश शरारत भरती हो

जल्दी बेवा दुख भोगती हो

खाना नम्बर 11- बहन अमीर मगर शादी के बाद 7 दिन-माह-साल के अन्दर अन्दर जल्द बेवा
तलाक शुदा या खाविंद से नाचाकी बगैरह की बदमङ्गी होगी।

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

चची-चाची

मुतअल्लिका-संबंधित

मुश्तरका-मिले जुले

विघ्न-विघ्न

अमूमन-आमतौर से

भुआ-बुआ (पिता की बहन)

बेवा-विधवा

खाविंद-पति

विसका उपाओ मर्गा
लद करा यानी लद
बल पर ब्लेटकर मश
पहले पहले हमेशा
को आग क्यायम
खाना नम्बर
जो भी बुरी और
उपाओ- सस
एक गोली हर रो
मह ज़रूरी नहीं
या जब भी मर्ज़

मौत

हड्डि

—अकेले

औलाद माता

बल्क बुध

—जब

ही और कि

—मंद

होने लेंगे।

को बुध त

मारिली-प

बुध राह

जिसका उपाओ मगरिबी दीवार से चूल्हा बंद करना या बवक्त शादी मगरिबी दीवार से आग का बंद करना यानी लड़की के बाल्दैनी खानदान में अगर जद्दी मकान के मगरिबी हिस्से में (मकान की छत पर बैठकर मशरिक को मुंह करते हुए) रसोई खाना हो तो वह लड़की की शादी से पहले पहले हमेशा के लिए वह बंद कर दें। ऐसा ही अगर मकान के मगरिबी हिस्सा में किसी और किसी की आग क़ायम रहने का अस्थान हो वह भी हमेशा के लिए बहां से बदल कर किसी और जगह कर दें।

खाना नम्बर 12 - खुद और समुराल हर दो घर बरबाद और आखीर पर लावल्दी की निशानी होगी जो भी बुरी और मनहूस बात मुंह से निकाले सच होगी।

उपाओ- समुराल का दुख निवारण करने के लिए कच्ची मिट्टी की 100 सौ गोलियां बना लेवं और एक गोली हर रोज़ दिन के बक्त लगातार 100 दिन तक अपने धरम अस्थान में पहुंचाते जावें। यह ज़रूरी नहीं कि हर रोज़ 100 दिन लगातार एक ही धरम अस्थान में जाया जावे। हर रोज़ या जब भी मर्जी हो धरम अस्थान बदल देवें मगर नागा न होने पावे।

बुध केतु

(बिरी एक जानवर है जिससे हाथी भी डर कर भागता है)

मौत नहीं तो गर्दिश होगी
हड़काए कुते दुम होगी मंदी

भला कोई न होता हो
एक दूजे से बढ़ता हो

१ - अकेला केतु नम्बर 4 धर्मात्मा मगर बुध के साथ हो तो न सिफ़ बुध बरबाद केतु चंद्र की अश्या औलाद माता की उम्र बरबाद अगर औलाद याता जिंदा हो तो माता या औलाद के हाथों से धन दैलत बरबाद बल्कि बुध बरबाद ही होगा मगर धन के लिए राजयोग ही होगा। समंदरी या खुशकी का सफर मर्द न तीजे देंगे

२ - जब मंगल नम्बर 12 हो तो बुध व केतु का नम्बर 1-8 पर कभी बुरा असर न होगा ख़ाह वह कैसे ही और किसी तरह (जुदा जुदा या मुश्तरका) बैठे होंगे

३ - मंगल का उपाओ मददगार होगा ख़ासकर जब बुध की उम्र 17 साला उम्र में बहन के लड़के बरबाद होने लेंगे। नम्बर 3-4-8 में से किसी एक में शुक्रकर बाकी में बुध केतु बेवा मर्द अपना ही क़बीला बरबाद करें बुध केतु की मंदी हालत के बक्त चंद्र का उपाओ मददगार होगा बुध अब कुते की दुम होगा।

मगरिबी-पश्चिमी दिशा

बाल्दैनी-माता पिता

धरम अस्थान-धर्म स्थान

नागा-क्रम न टूटे

बुध केतु

दोनों मुश्तरका या बज़रिया दृष्टि बाहम मिले हुए होने के बक्त बुध अपना वही फल देगा जो कि "बुध घर का" होने के बक्त हुआ करता है यहाँ केतु का वह फल होगा जो कि "केतु नीच" होने के बक्त गिना गया है।

हड़काए कुत्ते की दुम की तरह बुध (दुम) अब केतु (कुत्ता) को बरबाद करेगा अगर बुध किसी हालत में नेक फल दे भी देवे तो भी केतु का फल तो हर हालत में मंदा ही हो जाएगा। अगर मौत नहीं तो अच्यामें गर्दिश तो ज़रूर होंगे।
मंगल का उपाओ मददगार होगा।

नेक हालत

ख़ाना नम्बर 6-

साथ दृष्टि ख़ाली होते
असर दृष्टि मंदा लेते
केतु की चीज़ों पे केतु मंदा
बुध मगर जब मंदा होगा

बाहम दोनों नहीं लड़ता हो
झगड़ा दोनों का होता हो
पर मंदा न दूसरों पर
खुद मंदा बुरा दूसरों पर

गो बाहम दुश्मन बनें लेकिन अब दोनों ही का कोई झगड़ा न होगा और नेक फल देंगे।

जब तक ख़ाना नम्बर 2 की दृष्टि के ज़रिया दोनों में से कोई भी मंदा बरबाद न होवे।

मंदी हालत

ख़ाना नम्बर 2-

साथ दृष्टि ख़ाली होते
घर 12 न शत्रु बैठे

असर दोनों का उम्दा हो
लेख शाही खुद राजा हो

एक अच्छा तो दूसरा मंदा होगा। दरअसल कुत्ते (केतु) की जान सिर (बुध) में होगी।

मुश्तरका-मिले जुले

बज़रिया-माध्यम से

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

बुध-बुध ग्रह

बुध केतु

बहन और मामूं बरबाद लंगड़े या केतु की बीमारियों में दुखिया होंगे।
नने की टांग या पांव हमेशा के लिए निकम्मा होवे।

चंद राहु नम्बर 8

ख़ाना नम्बर 3-11- दोनों ही मंदे बरबाद फल के होंगे

ख़ाना नम्बर 5- टेवे वाले की 17 साला उम्र में उस की बहन के अगर लड़का पैदा होवे तो
ऐसे नए लड़के की लम्बी उम्र के ताल्लुक के लिए दान कल्याण मुबारक होगा।

ख़ाना नम्बर 6- अगर नम्बर 2 की दृष्टि के ज़रिए दोनों में से अगर केतु मंदा होवे
तो सिर्फ़ केतु की चीज़ों पर मंदा असर होगा लेकिन अगर बुध मां होवे तो सिर्फ़ बुध की चीज़ों
का फल मंदा होगा बल्कि ऐसा शख्स दूसरों पर भी मंदा ही सावित होगा।

ख़ाना नम्बर 12- बुध की 17-34 साला उम्र में केतु के मुतअल्लिका जिस्मानी हिस्से (टांग-
पेशाब गाह कमर पावों रीढ़ की हड्डी वौरह) बरबाद या मंद होंगे। बुध और केतु दोनों
ही ग्रह बरबाद होंगे।

बुध नम्बर 12 में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा।

सनीचर राह

(मौत और बिजली क़ायम सांप की मणि)

पापी शनि जब उम्र फ़रिश्ता
नाग उम्र तक ³⁹⁻³⁶ अपनी मंदा
तरफ़ पहली जो दृष्टि ख़ाली
निशान लसन हो हालत उल्टी
सेहत दौलत का मालिक राजा
घर 5 ता जब 8 वें बैठा
योगी गिना घर बैठे बाक़ी
लेख हालत हो रंग बिरंगी

राहु हाथी उस बनता हो
इच्छा धारी फिर होता हो
पदम पोशीदा राजा हो
साथ फ़क़ीरी देता जो
पदम चारों पहले होता हो
राजा शाहों का बनता हो
गृहस्ती मगर जब बनता हो
साधु राजा दो मिलता हो

सनीचर राह

लसेन गिना जो ग्रहण निशानी
 अल्प आयु या शान बुजुर्गी
 नाभि ऊपर हो आदमी मारे
 लेख फ़कीरी अक्सर पावे

असर मंदा ही देता हो
 नष्ट जमाने करता हो
 दौलत नीचे से जलता हो
 सेहत मंदी ही रखता हो

खाना वार असर

भारी कबीला पहले गिनते
 इच्छाधारी २-१२ लेते
 मौत फंदा घर ८ वें होते
 शनि राहु घर १२ बैठे
 ग्रीष्म घराना औरत गिनते

शाही दौलत ज़र पाता हो
 नाग ज़माना तारता हो
 मारता
 सूरज औलाद का मंदा हो
 मर्द सुखी न होता हो

सनीचर सांप तो राहु उस के सिर में रहने वाली मणि (सांप की ज़हर चूसने वाला मनका) होगी।

सनीचर लोहा तो राहु चमक पत्थर मौत कायम तो राहु उसकी सवारी का हाथी होगा।

दोनों मुश्तरका इच्छाधारी सांप होगा यानी (ऐसा सांप जो ख़ज़ाने का मालिक गिना गया है मगर वह ज़हरीला न होगा और हर एक की मदद करे और खुद वह सांप अपनी मर्जी पर जब चाहे मरे मगर किसी के मारने से न मरेगा।

हाथ पर सांप का निशान या जिस्म पर पदम का निशान होगा।

१ -स्याह काला निशान जो अंगूठे के निशान से भी बड़ा हो

२ -खाना नम्बर १ ता ४

३ -खाना नम्बर २ बाएं हाथ पर

४ -खाना नम्बर १२ दाएं हाथ पर

५ -खाना नम्बर ५ ता ८

सांप का निशान

सनीचर-शनि ग्रह

मुश्तरका-मिले जुले

स्याह-काला

औलाद-संतान

जिस्म-शरीर

मामूली सा स्याह निशान मगर खाल या तिल से कुछ ज्यादा बड़ा हो तो राहु मामूली हैंसियत का होगा अगर दरमियाना स्याह निशान यानी जो अंगूठे के नीचे दब सके वह पदम होगा और अगर उस से भी बड़ा हो तो लसन या ग्रहों को ग्रहण का निशान होगा (मंदा ज़माना)

नेक हालत

जिस पर पदम हो दाएं तरफ़ मगर रहे हर दम पोशीदा तो मुवारक असर देगा यानी जब राहु सनीचर मुश्तरका को कोई भी ग्रह (ख़ाह उनका दोस्त ख़ाह उन का दुश्मन) न देखता हो। और न ही उनके साथ हो और वह दोनों ख़ाना नम्बर 1 ता 6 में हों तो दाएं तरफ़ गिने जाएंगे। पदम कुण्डली में ख़ाना नम्बर 1 ता 4 तक हो तो मानिंद राजा बड़ा ही साहिवे कमाल होगा। 5 ता 8 तक हो तो महाराजा 9 ता 12 तक हो तो योगी। दाएं तरफ़ (कुण्डली के ख़ाना नम्बर 7 ता 12 में सनीचर राहु मुश्तरका) पदम कोई मुवारक फल न देगा।

ख़ाना नम्बर-2 -दाएं हाथ पर शेष नाग का निशान सनीचर अब इच्छाधारी व तारने वाले सांप की तरह मदद करने वाला होगा।

अब दोनों ग्रहों का (सनीचर का ख़ास कर) ससुराल पर कोई बुरा असर न होगा। माता की उम्र अच्छी सेहत (जब तक वह ज़िंदा बैठी हो) और दिल की } सनीचर राहु नम्बर 3 शांति के लिए दरिया में चावल बहाना मददगार होगा। } चंद्र नम्बर 11

ख़ाना नम्बर 9- निहायत मुवारक भारी क़बीला और धन दौलत शाहाना होगा।

ख़ाना नम्बर 12- दाएं हाथ पर शेषनाग (उत्तम और मददगार सांप) का निशान हो- दिमाग़ी

ख़ाना नम्बर 12 राज़दारी-फ़रेब पोशीदा अपना भेद छुपाए। हर काम चालाकी से करता रहने वाला होगा।

नोट- बाक़ी घर अपना अपना फल होगा।

मंदी हालत

जिसम पर लसन का निशान हो तो उसके तमाम ग्रहों को ग्रहण होगा। अबल तो उप्र कम होगी लेकिन अगर उप्र लम्बी हो तो बुजुर्गों की सब दैलत और शान को सूरज के ग्रहण की तरह बरबाद कर देगा। बहरहाल यह सब 39 साला उप्र तक मंदा असर होगा। अगर लसन नाभि (पेट के दरमियान पंजाबी धुनी) की तरफ से ऊपर सिर की तरफ को हो तो आदमियों को बरबाद करे और अगर नाभि से नीचे पांव की तरफ को हो तो धन दैलत बरबाद करे। हर दो हालत में टेवे चाले के लिए मंदी सेहत और गुरीबी का साथ होगा।

उपाओ- मंदे राहु और मंदे शनि के हालों में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा।

(1) रात (सनीचर का वक्त) (2) या पक्की शाम (राहु का वक्त) (3) या सनीचर का दिन (सनीचर का ताल्लुक) (4) वीरबार की पक्की शाम (राहु का ताल्लुक) के वक्त बादाम (सनीचर) नारियल (राहु) का आग में जलाना भूनना या तलना राहु सनीचर दोनों के मंदे फल देगा खासकर कढ़ाही में रखकर आग में जलाना भूनना तो निहायत मंदा असर देगा।

खाना नम्बर-7 ऐसे प्रानी का गृहस्त हर तरह से बरबाद होगा ख़ाह

सनीचर नम्बर-7 की मेहरबानी से खुद वह कितना ही होशियार क्यों न हो। अगर खुद शुक्रकर भी मंदा या मंदे घरें (खाना नम्बर 8-9 या 4) में हो तो 27 साल (शादी के दिन से शुरू कर के) औरत का फल (औलाद नरीना) या औरत का सुख मंदा ही होगा।

दोनों

नम्बर 7

खाना नम्बर-9 बुजुर्गों घर में अगर कंजरियों (फ़ाहिशा औरतों) का तवेला क़ायम हो जावे तो बृहस्पत (सांस सोना पिता) बरबाद-दमा वगैरह होगा।

शराबखोरी से परहेज़ मुबारक होगा।

नोट -बाकी घर अपना अपना फल होगा

—स्याह निशान जो अंगूठे के नीचे आ जावे पदम होगा और जो स्याह निशान अंगूठे के नीचे आने से बड़ा हो वह लसन का निशान होगा।

निहायत-बहुत ही

नरीना-नर

कंजरियो-चरित्रहीन स्त्रियां

वीरबार-बृहस्पतिवार

ताल्लुक-संबंध

उत्तम मु
निस्फ उम्म
ग्रह तीजे
मंदा हुअ

ऐसा शब्द न
की पैदाइश में
दोनों इकट्ठे
ग्रह मिला तीन
दोनों मुश्तर
जो कि माथे
ऐसे टेवे व
होवे दो रों
में मगर घोड़

खाना-
ऊर्ध्व
अस-
—

निस्फ-2

सनीचर केतु

उत्तम मुबारक दोनों इकट्ठे
निस्फ उप्र जब उसकी गुजरे
ग्रह तीजे जब हो कोई साथी
मंदा हुआ हर दो से कोई



लेख शनि पर चलता हो
फैसला किस्मत करता हो
असर तीनों न उम्दा हो
केतु-जिस्म-दो मंदा हो

ऐसा शख्स नर औलाद पैदा करने के ताल्लुक में बहुत ज्यादा होगा या ऐसा शख्स नर औलाद की पैदाइश में बहुत ज्यादा तादाद का भालिक होगा।

दोनों इकट्ठे मुबारक मगर किस्मत का फैसला निस्फ उप्र गुजरने पर होगा। जब भी कोई तीसरा ग्रह मिला तीनों ही का फल मंदा होगा।

दोनों मुश्तरका इस्तकलाल होगा और इनका सबूत किसी ऐसे जानवर मवेशी के आ मिलने का होगा जो कि माथे से सफेद मगर उसके बाकी सब जिस्म में कोई और ही रंग होगा।

ऐसे टेवे वाले के लिए दरअसल मवेशी वही मुबारक है जो सिर्फ एक रंग का होवे। दो रंग में शरारत का झगड़ा छुपा हुआ करता है खासकर माथे सफेद वाले में मगर घोड़ा इस वहम से बरी होगा।

नेक हालत

खाना नम्बर 6-

ऊर्ध रेखा जब पीठ पे पाता

उप्र 70 तक चलती हो

असर दोनों का-हर दम उम्दा

गुजरान भली सब होती हो

१ सनीचर के साथ केतु नेकी का फरिश्ता होगा २ टेवे वाले की

निस्फ-आधा

तादाद-संख्या

गुजरान-गुजर बसर, निर्वाह

इस्तकलाल-दृढ़ता, मजबूती

किस्मत-भाग्य

सनीचर केतु

पीठ में ऊर्ध्व रेखा (पीठ पर गर्दन से शुरू करके नीचे टट्टी की जगह तक एक लम्बी सी लकीर हो जो पीठ को दो हिस्सों में तक़सीम करती हुई मालूम हो) उम्र 70 साल से कम न होगी।

खाना नम्बर 8-

मौत नक़्कारा हैं बन्द गिनते
जुदा जुदा ख़ाह लाखों मंदे

नज़र रहम खुद करता जो
मिलते असर दो उम्दा हो

जुदा जुदा गो मन्दे मगर अब दोनों उत्तम और मौतों से बचाओ होगा।

खाना नम्बर 9-

असर मुबारक उत्तम होता
धन दौलत शाहाना उसका
पूरी सदी तक उत्तम गिनते
बाप बुजुर्गां हों सब फलते

भारी क़बीला पाता हो
माया सागर सुख लम्बा हो
पोते पड़ैते देखता हो
मामूं बुरा नहीं करता हो

निहायत मुबारक भारी क़बीला-धन दौलत शाहाना खुब शान की उम्र और सुख सागर का
अरसा लम्बा होगा-पुश्त दर पुश्त पूरी सदी तक नेक होगा

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा।

मंदी हालत

खाना नम्बर 8- दिमागी खाना नम्बर 14 तकब्बुर-खुद पसन्दी का मालिक होगा और अपने से अच्छा किसी को भी न समझता होगा (मंगल बद से मुश्तरका)

नोट- बाकी घर अपना-अपना फल होगा

जुदा-अलग

तकब्बुर-अभिमान, अंहकार

ख़ाह-चाहे

निहायत-बहुत ही

तक़सीम-विभाजन, बांटना

नक़्कारा-नगाड़ा, दुंडुभी

शाहाना-राजसी ठाठ बाठ

राहु केतु

(केतु पहले राहु बाद न्यासरी माया)

केतु कुत्ता हो-पापी घड़ी का
चंद्र सूरज से भेद हो खुलता
राहु रवि-9-12-मिलते
ग्रहण चंद्र का उस दिन गिनते
पहले घरों जो टेवे बैठा
लेख असर सब बाद को देगा
राहु केतु जो पाप गिने हैं
गुरु अकेला दो को चलावे
सात हो नौ या माला चौरासी
ऊपर नीचे जगत के अन्दर
पाप अगर सब दुनिया छोड़े
राशि बारह में सात ग्रह से

सुपुर्दम बतो मायये ख़ैशरा
तू दानी हिसाबे कमो बेशरा

4¹ पहले 7-10 वें बैठा

उपाओ उत्तम उस ग्रह का होगा
शुक्कर बैठा हो-बुध से पहले
बुध पहले से शुक्कर मिलते

1 -पाप नम्बर 4 में हो तो बुध शनि दोनों उम्दा होंगे

कायम-मौजूद, स्थापित

ज़ेर-निर्बल, आधीन

चाबी राहु जा बनता हो
ज़ेर शनि-दो होता हो
ग्रहण सूरज का होता हो
केतु छटे-9-मिलता जो
चाल दो तरफी करता हो
ऊंच नीच ख़ावाह कैसा हो
ग्रह सब ही को घुमाते हैं
घूमते पर वह बुध में हैं
पाप फ़र्क 2 ही का है
झगड़ा इन दो ही का है
सात ग्रह बच जाता है
नरक चौरासी कटता है

असर मन्दा कभी दो का हो
ऊंच क़ायम जो बैठा हो
असर राहु का मन्दा हो
केतु भला खुद होता हो

ख़ावाह-चाहे

उपाओ-उपाय

रवि
 मंगल सनीचर हों दो इकट्ठे
 चंद्र शुकर सनीचर मिल कर बैठे
 बुध-सूरज मिल उत्तम बैठे
 सेहत रेखा बुध शुकर मिलते
 राहु मालिक है सांप के सिर का
 सुभाओ केतु-गुरु ज़ाहिर करता

जंच
 नीच असर राहु देता हो
 नीच केतु हुआ करता हो
 ऊंच केतु भला और उम्दा हो
 ग्रहण असर न मंदा हो
 केतु तरफ दुम होता हो
 असर राहु खुद बुध का हो

पुराने ज्योतिष के मुताबिक राहु और केतु दो एक ही घर में कभी इकट्ठे नहीं हो सकते मगर दृष्टि के हिसाब से दोनों इकट्ठे होंगे यानी जो बाद के घरों का ग्रह हो वहाँ दोनों इकट्ठे गिने जाएंगे। मसलन दोनों कुण्डली के खाना नम्बर 1-7 में बैठे हों तो दोनों को खाना नम्बर 7 में इकट्ठे मिलते हुए माना जायेगा।

हस्त रेखा की बुनियाद पर बनाई हुई जन्म कुण्डली और पुराने ज्योतिष से लाल किताबी ढंग पर बनाई हुई वर्ष कुण्डली में यह शर्त न होगी इस तरह पर यह दोनों ग्रह एक ही घर में इकट्ठे भी हो सकते हैं और यह भी ज़रूरी न होगा कि हमेशा एक दूसरे से 7 वें ही होवें बाहम जुदा-जुदा (अपने से 7 वें होने के बक्त) दृष्टि की रवैये से जिस घर में उनका असर जाता हो उस घर में दोनों इकट्ठे बैठे हुए समझे जाएंगे इसी उसूल पर इन दोनों मुश्तरका बारह खानों का असर लिखा गया है। बुरी शोहरत मन्दे काम बुरे बक्त (राहु के काम) का आगाज़ (आने की निशानी) बुध से मालूम होगा और नेकी का अंजाम अच्छे बक्त की पहली खबर (केतु की खसलत) बृहस्पत से खुलेगा शार-ए-आम राहु केतु दोनों के बाहम मिलने की जगह है-राहु खुफिया पाप और केतु ज़ाहिर ही पाप होगा।

जब केतु पहले घरों और राहु बाद के घरों में हो तो केतु सिफर और राहु अमूमन मन्दा होगा जो ज़रूरी नहीं कि मन्दा ही हो।

ज़ाहिर-दिखाई देने वाला, स्पष्ट, बाहरी खसलत-आदत, विशेषता

मसलन-जैसे कि आगाज़-शुरूआत, प्रारंभ

मुश्तरका-मिले जुले सिफर-शून्य

शोहरत-मान सम्मान, इज्जत अपूर्ण-आमतौर से

राहु केतु

अगर राहु नम्बर 12 में आसमानी हृद बृहस्पत के साथ मुक्तर हो तो केतु नम्बर 6 पाताल में बुध का साथी हुआ दोनों सनीचर के एजेंट नम्बर 8 हैडवाटर तो बाहमी मुश्तरका दुनिया का दरबाज़ा नम्बर 2 होगा ग्रह चाली हालत में यह दोनों ग्रह दीवारें बनकर सिर्फ रास्ता रोक सकते हैं। मगर ऐसी दीवारें चलने वाली दीवारें मानी गयी हैं इसलिए दीवारों के बहाना से बने हुए ग्रहण की हालत उसी बक्त ही दुरुस्त हो जाएगी जब कि दीवारें आगे से हट जावें यानी ग्रहण के हटते ही ग्रहण में आया हुआ ग्रह अपनी पूरी ताक़त पर पहले की तरह बहाल गिना जाएगा।

**सुपुर्दम बतो मायये ख़ैशरा
तू दानी हिसाबे कमो बेशरा**

राहु और केतु में से जो भी कुण्डली के पहले घरों (1 ता 6) में हो वह अपना फल उस में मिला देगा जो कि कुण्डली के बाद के घरों (7 ता 12) में बैठा हो या दृष्टि के हिसाब से जो भी बाद में बैठा हो उस का फल नेक होगा और पहले घरों में बैठने वाले के नेक असर की शर्त न होगी मगर वह बैठा होने वाले घर के हिसाब से अगर नेक होवे तो बेशक नेक असर दे देवे ख़ाना नम्बर 5-11 में होने के बक्त चूंकि वहाँ दृष्टि का बाह्य कोई ताल्लुक नहीं है दोनों ही का फल अपने अपने ताल्लुक में बैठा होने वाले घर में मन्दा होगा इसका बाद या पहले वाले पर कोई असर न होगा।

राहु सिर का साया केतु सिर के बगैर बाकी धड़ (जिस्म) का साया होगा लेकिन इन्सानी जिसमें नाभि से ऊपर सिर की तरफ का हिस्सा राहु की राजधानी और नाभि से नीचे पांव की तरफ के हिस्सा पर केतु का राज होगा। राहु का हैडवाटर ठोड़ी और केतु की हुकूमत का मुकाम पांव है दोनों की मुश्तरका बैठक हाथ का अंगूठा होगा या माथे पर तिलक लगाने की जगह जो कुण्डली का ख़ाना नम्बर 2 है। टट्टी या गुदा की जगह भी दोनों के मिलने की मुश्तरका जगह कुण्डली का ख़ाना नम्बर 8 माना गया है दोनों के बाह्य मिलने की जगह साधारण तौर पर शार ए आम है यानी जिस जगह दो तरफ से आकर रास्ता बन्द हो जाता हो या वहाँ दोनों ग्रहों का ज़रूर मन्दा असर या दोनों मन्दे

मुक्तर-निश्चित, निधारित हुकूमत-शासन, सज्जा बाहमी-परस्पर का, मिले जुलकर दुरुस्त-ठीक मुकाम-स्थान

या पाप की वारदातें या नाहक तोहमत और बदनामी के वाकिआत या गृहस्ती जिन्दगी में बेगुनाह धक्के लग रहे होंगे।

राहु केतु दोनों मुश्तरका का मस्नूई बजूद शुक्कर कहलाता है और सनीचर की एजेन्सी के चक्के इनका नाम पाप होता है शुक्कर (गृहस्ती कारोबार हवाई ताक्तों बेजान चीजों के कारोबार) के साथ मिलकर या औरत की रंग विरंगियां और धरम मन्दिर में बैठकर पाप को उत्तम समझा देने की कार्रवाईयों के लिए सिफ़्र दोनों का बैठक खाना कुण्डली का खाना नम्बर 2 होगा और सनीचर के हुजूर में उसकी एजेन्सी में लगकर जानदारों इन्सान हैवान के मुतअलिलका कचहरी लगाने की जगह दोनों के लिए खाना नम्बर 8 है यानी खाना नम्बर 8 जो मौत का दरवाज़ा है वह सनीचर राहु केतु तीनों ही के इकट्ठे काम करने की जगह है मगर राहु केतु दोनों खाना नम्बर 2 में अपना आमालनामा तथ्यार करते और सनीचर का फैसला सुनाते हैं जो कि दुनिया का दरवाज़ा है और सबका धरम अस्थान है।

दोनों हमेशा से बुध के दायरे में घूमते हैं यानी जैसा बुध होगा और जहां वह होगा वह दोनों ग्रह (राहु केतु) वैसे ही होंगे जैसा कि बुध हो और वहां ही घूम रहे होंगे जहां कि बुध बैठा हो।

राहु केतु मुश्तरका या अकेले अकेले चंद्र के घर (खाना नम्बर 4) या चंद्र के साथ (अकेले अकेले) कहाँ भी बैठे हों तो ऐसा टेवा धरमी होगा। जिसमें पापी ग्रहों का बुरा असर न होगा बल्कि तमाम ही ग्रह धरमी होंगे अगर यह देखना हो कि राहु कैसा है तो चंद्र का उपाओ करें यानी खालिस चांदी का टुकड़ा अपने पास रखें और केतु की नीयत का पता लगाने के लिए सूरज का उपाओ करें यानी सूरज की अश्या (तांबा सुर्ख़ी) अपने पास रखें या बन्दर को गुड़ खाने के लिए डाला करें या गुड़ तांबा और गंदुम में से कोई एक चीज़ चलते पानी में बहाया करें- इस तरह दोनों ही ग्रहों (राहु और केतु) का दिली पाप खुद ब खुद ही पकड़ा जायेगा यानी उस ग्रह के (राहु या केतु) के ताल्लुक के वाकिआत (अच्छे या बुरे) होने लगेंगे।

वाकिआत-घटनायें

खुद ब खुद-अपने आप

मुश्तरका-मिले जुले

आमालनामा-कर्मबही,

मस्नूई-बनावटी

गुप्त रपट

तथ्यार-तत्पर

बेगुनाह-निर्दोष,

ताल्लुक-संबंध

हुजूर-साक्षात्, आमना सामना

राहु और केतु में से अगर कोई भी खाना नम्बर 8 में हो तो सनीचर भी उस बक्त खाना नम्बर 8 में ही समझा जायेगा ख़ाह कुण्डली में दरअसल सनीचर किसी और ही घर में बैठा हो यानी जैसा भी सनीचर हो वैसा ही फ़ैसला समझा जायेगा।

राहु और केतु दोनों ही के खानों में जुदी-जुदी जगह दी हुई नेक हालत का मुलाहिज़ा करें

मंदी हालत

ऐसा आदमी जिसके टेवे में राहु और केतु दोनों ही मुश्तरका हों वह दुनिया में कोई बदी और बदनामी बाकी न छोड़ेगा या उसे सब तरह की बदनामी खुद नाहक ही मिलती जाएगी या वह खुद कोशिश करके भी नेकी और आगम की बजाए बदनामी बदी और दुःख इकट्ठे करेगा इसी तरह ही मौजूदा ज्योतिष के मुताबिक बनी हुई जन्म कुण्डली में दृष्टि की रूप्ये से जिस घर में दोनों का असर इकट्ठा हो रहा हो उस घर के मुतअल्लका दुनियावी रिश्तादारों पर राहु और केतु की मुतअल्लका अश्या कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लका राहु और केतु अमूमन बुरा ही असर करते या बरबाद होते और बरबाद करते होंगे खाना नम्बर 6 और 12 की हालत में दोनों इस शर्त से बरी होंगे जहां कि दोनों ही का असर घर का (आम साधारण) ऊंच (उत्तम हालत और पूरी ताक़त का) या नीच (मन्दा और निकम्मा बरबाद हो चुका हुआ या बरबाद करने वाला) हो सकता है दोनों ग्रहों का मन्दा ज़माना आम तौर पर राहु का एक साल केतु का 2 साल या कुल 3 साल होगा।

अगर राहु और केतु दोनों ही ख़राब असर करना शुरू कर दें। जिसमें सूरज या चंद्र का ताल्लुक न हो यानी टेवे में न ही सूरज ग्रहण हो और न ही चंद्र ग्रहण हो तो राहु 42 साल तक और केतु 48 साल तक और दोनों मुश्तरका 45 साल तक) मन्दा असर कर सकते हैं यानी उम्र के लिहाज से 48 साला उम्र के बाद (आख़री हद बन्दी पर) शान्ति होगी या मियाद के तौर पर 48 साल की मन्दी हालत देखने के बाद फिर नेक हालत आयेगी। 48 साल की मियाद दरअसल उस दिन से शुरू होगी जिस दिन दोनों ग्रह वर्षफल के हिसाब से

ख़ाह-चाहे मुलाहिज़ा-गैर करता, देखना, सम्मुख सामने नाहक-बेवजह, बिना बात, अपने आप मुतअल्लका-संबंधित मियाद-समय, अवधि मौजूदा-उपस्थित, वर्तमान अश्या-चस्तुएं, चीजे

तख्त पर आए हों। मसलन जन्म कुण्डली में अगर राहु केतु दोनों ही से कोई हो तो वह खाना नम्बर 1 में उम्र के किस साल आएगा।

किस साल उत्तम असर के	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
खाना नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12

यानी जन्म कुण्डली में जिस खाना नम्बर में राहु केतु में से कोई एक बैठा हो उम्र के उसी साल से शुरू करके 42 (राहु) 45 (दोनों) या 48 (केतु) की मियाद लेंगे सिवाए खाना नम्बर 6 जिसके लिये 9 साला उम्र और खाना नम्बर 9 के लिए 6 साला उम्र से शुरू करके मियाद लेंगे।

राहु के मंदे असर की निशानी हाथ के नाखूनों पर और केतु का बुरा असर पांव के नाखूनों पर 9 महीने पहले ही से ज़ाहिर होने लगेगा।

हाथ के दाएं हिस्से के नाखून ख़राब हो जावें तो राहु की मियाद का आम अरसा 6 साल होगा हाथ के बाएं हिस्से के नाखून ख़राब हो जावें तो राहु की महादशा की मियाद का 18 साला मंदा ज़माना न होगा

या राहु की कुल उम्र 42 साल का अरसा होगा
इसी तरह ही

पांव के दाएं हिस्से के नाखून ख़राब हो जावें तो केतु की मियाद का आम अरसा 3 साल होगा।

पांव के बाएं हिस्से के नाखून ख़राब हो जावें तो केतु की महादशा की मियाद का 7 साल बुरा वक्त होगा

या केतु की कुल उम्र 48 साल का अरसा होगा

उपाओ- राहु की मंदी हालत और उसके बुरे असर से बचाओ के लिये चंद्र का उपाओ और केतु की मंदी हालत या बुरे असर के वक्त सूरज का उपाओ मददगार होगा।

खाना नम्बर 1-7-4-10 में राहु केतु के बैठा होने के वक्त उनके बुरे असर से बचाओ के लिये उन ग्रहों का उपाओ मददगार होगा जो कि इन ख़ानों (1-7-4-10) में ऊंच मुकर्रर किये गये हैं यानी जब राहु केतु का बुरा असर हो रहा हो।

राहु केतु

ख़ाना नम्बर 1 पर तो उस वक्त सूरज का उपाओ मददगार होगा
 ख़ाना नम्बर 4 पर तो उस वक्त बृहस्पत का उपाओ मददगार होगा
 ख़ाना नम्बर 7 पर तो उस वक्त सनीचर का उपाओ मददगार होगा
 ख़ाना नम्बर 10 पर तो उस वक्त मंगल का उपाओ मददगार होगा।)

ख़ाना वार असर

- | | |
|-------------------------------|-------------------------|
| 1- सूरज बैठे घर ग्रहण राहु का | भला चंद्र फल देता हो |
| केतु तख़्त हो जिस दम पाता | ऊंच असर रवि होता हो |
| 2- दोनों बैठे आठ दूजे | धूमती ग्रह चाल हो |
| हो जो बैठा आठ टेवे | ज़हरी उसका हाल हो |
| 4- बाप ताल्लुक केतु उम्दा | माता चंद्र पर मन्दा हो |
| पाप उम्र 45 करता | असर दोनों का उम्दा हो |
| 8- हुक्म दोनों ले शनि का चलते | लेख पंधूड़ा धूमता हो |
| असर शनि का मिलता गिनते | बैठा टेवे वह जैसा हो |
| 10-दोस्त दोनों बन शनि के चलते | चोट आखीरी करता जो |
| चंद्र रवि दो मद्दम आधे | मंगल गुरु से डरता हो |
| 11-दोनों बराबर एक ग्यारह | मदद शनि 3 करता जो |
| राहु उड़ा दे गुरु टेवे से | केतु चंद्र ले मरता हो |
| 12-नीच राहु तो ऊंच हो केतु | चंद्र निस्फ़ और हलका हो |
| ग्रहण रवि हो करता राहु | नेक सूरज केतु करता हो |

मददगार-सहायक, मदद करने वाला
 हुक्म-आदेश, फ़रमान

तख़्त-सिंहासन
 पंधूड़ा-झूला

निस्फ़-आधा

ज़हरी-विषाक्त, जिसमें जहर हो

फलादेश

ग्रह मुश्तर का

(दो से ज्यादा)

उचम फल
और करिया

शुक्रकर व
और शादी
के ताल्लुक

बृहस्पत
तीनों ही =
इकट्ठे ए
बैठे हों तो
कर सकें
का सवार
करता हो
दब (बृ
तीन तीन
इक बालम
माघ-माघ

बृहस्पत-सूरज-चंद्र

उत्तम फल-इक्कालमंद होगा-ताजिर-अहलकलम जिससे दूसरों को भी फ़ायदे पहुंचे और बज़रिया ठोस हाजिर माल बाक़ी साधियों को भी तारता जावे।

बृहस्पत-सूरज-शुक्र

शुक्र की मुतअल्लिका अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिका शुक्र का फल नेक होगा और शादी के दिन से किस्मत जागेगी-औरत भी रंग-सुभाओ व किस्मत के ताल्लुक में हर तरह उत्तम साफ़ नेक और उम्दा होगी।

बृहस्पत-सूरज-मंगल

बृहस्पत (शेर बबर) सूरज (नर शेर) और मंगल (चीते से मिलता जुलता शेर बहादुर) तीनों ही नर ग्रहों के शेरों का दोला एक ही जगह पर इकट्ठे आमतौर पर दो शेर तो इकट्ठे एक जगह रह नहीं सकते मगर अब एक ऐसा टेवा होगा जिसमें तीनों ही यह ग्रह इकट्ठे बैठे हों तो वह शख्स ऐसा होगा जिसके साथे के नीचे तीन शेर इकट्ठे बैठकर गुजारा कर सके अगर कोई एक शेर की सवारी करने की ताक़त का मालिक हो तो वह तीन शेरों का सवार हो या एक ही बक्तु में तीन शेरों को इकट्ठा कर के या इकट्ठा जोत कर सवारी करता हो बड़ी उत्तम और नेक किस्मत का मालिक होगा। खुद उसे (सूरज) उसके बाप दादा (बृहस्पत) या बड़े भाई ताया मामूँ (मंगल) में हिम्मत होगी कि वह तीन तीन शेरों या शेर बहादुर मर्दां को एक ही हाथ से मार सकें या नीचा दिखा सकें

इक्कालमंद-प्रतापी, तेजस्वी
मामूँ-मामा (माता का भाई)

बज़रिया-माध्यम से
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

ताजिर-व्यापारी, सौदागर
अहलकलम-कलम के योग्य

मुतअल्लिका-संबंधित
हाजिर-उपस्थित, मौजूद

और दुनियावी ताल्लुक में उनको कम अज्ज कम खून की सज्जा (फांसी) देने का अधिकार होगा
 उसका तांबा भी सोना बन जावे तीनों ही ग्रहों का हर तरफ और हर तरह का उत्तम
 और उच्च फल होगा और तीनों ही ग्रहों (बृहस्पति-सूरज-मंगल) के लिए
 हर एक अकेले अकेले का बैठे हुए घर के मुताबिक दिया हुआ मुबारक फल होगा
 योग अध्यास का मालिक होगा } सूरज बृहस्पति मंगल नम्बर 8

बृहस्पति-सूरज-बुध

अमूमन राजयोग सूरज और बुध का अकेले अकेले बैठा होने
 की हालत पर अपने अपने लिए दिया हुआ उत्तम फल साथ होगा मगर
 तीनों ही इकट्ठे (बृहस्पति-सूरज-बुध) खाना नम्बर 5 में
 होने के बक्त बृहस्पति और सूरज दोनों ही क़ैदी हो
 जाने की तरह उनका फल सोया हुआ या बाप बेटा (खुद टेवे
 वाला बेटा और उसका बुजुर्गावर पिता) दोनों ही की क्रिस्पत वे ऐतबारी
 (मंदी ही) होगी मगर फिर भी वहां धरम की कोई कमी न होगी
 और उनका घर गड घाट मकान का आगला हिस्सा
 तंग और पिछला हिस्सा चौड़ा ही होगा। जहां कि बाल बच्चों की बरकत और उनके लिए
 दाना पानी की तंगी न होगी अगर कुछ न होगा तो सिर्फ माया की लम्बी
 ऊँची लहरों की ठाठों का नज़्मारा न होगा वह शाही क़ैदी
 होगा या क़ैद में होता हुआ भी बादशाह होगा

तीनों (बृहस्पति
 सूरज बुध)
 नम्बर 5

सनीचर नम्बर 2 में देखो

तीनों (बृहस्पति

सूरज-बुध) नम्बर 8

और सनीचर नम्बर 2

अधिकार-अधिकार, हक

मुताबिक-अनुसार

बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

ऐतबारी-विश्वासपात्र

कम अज्ज कम-कम से कम

दुनियावी-संसार संबंधी

अमूमन-आमतौर से

<p>(जिस लड़की पर नज़र रखे वह टेवे वाले की औरत नहीं बनेगी मगर जो लड़की उस पर नज़र रखे वह ज़रूर गृहस्त में साथी होगी)</p>	<p>तीनों नम्बर 2 शुक्रकर नम्बर 3</p>
	<p>ख़ाना नम्बर 2 में बैठे हुए ग्रहों का अपना अपना फल हुआ करता है और सनीचर नम्बर 1 के बक्त जबकि ख़ाना नम्बर 7 वा 10 ख़ाली न हो काग रेखा हुआ करती है इसलिए अब ऐसे प्राणी के ताल्लुक में जब कभी भी सनीचर (बक्त का राजा प्रह) अश्या मसलन मकान की बुनियाद खोदी जावे बुध नम्बर 2 फौरन बृहस्पति (पिता) पर उसकी जान तक हमला कर देगा</p>

बुध नम्बर 2 का दिया हुआ उपाओ मददगार होगा

बृहस्पति-सूरज-सनीचर

इज़्ज़त रेखा हर जगह इज़्ज़त और मान ख़ासकर जब तीनों ही ग्रह ख़ाना नम्बर 6 में हों जब टेवे वाले के रिहायशी मकान (ज़द्दी या बुज़र्गाना-पिता दादा का) में दाखिल होते हुए दाएं हाथ की दीवार के ख़ातमा पर अन्धेरी कोठरी हो और इसमें शैलफ (परछती) जिस पर सामान जमा रखा जाता है पर खेती बाड़ी के मुतथल्लिका साज़ों सामान मौजूद हों तो तीनों ही ग्रहों का कोई बुरा असर न होगा ख़ासकर जब वह तीनों ख़ाना नम्बर 5 में हों ऐसी हालत में ख़ाना नम्बर 5 (औलाद) पर भी बुरा असर न होगा।

५ -गृहस्त में साथी हो जाने से मुराद सिर्फ़ यही नहीं कि वह लड़की उसकी औरत बनकर ही गृहस्त में साथिन होगी मगर किसी भी हालत में कहिए वह परिवार की उन्नति में शामिल ज़रूर होगी।

फौरन-तुरन्त, त्वरित

अश्या-वस्तुएं, चीजें

इज़्ज़त-सम्मान, आदर

मसलन-जैसे कि

ताल्लुक-संबंध

मुराद-आशय, मतलब, इच्छा

रिहायशी-जिसमें रहते हो

ख़ातमा-अन्त, परिणाम

बृहस्पत-सूरज-राहु

अनाज के अम्बार और शहनशाह के दरवार से आग का धुआं बढ़ता ही नज़र आयेगा
मुतअल्लकीन समझते हुए भी कि वह रंजा है चोर ही का बर्ताओ पेश करेंगे तीनों ही ग्रहों
का जला हुआ फल होगा।

मगर तीनों ही खाना नम्बर 5 में इकट्ठे बैठे होने के बक्त कभी मन्दा फल न होगा

बृहस्पत-सूरज-केतु

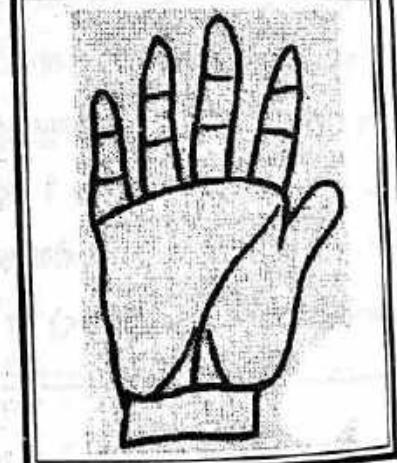
सूरज का फल अब निहायत मन्दा होगा सिवाय खाना नम्बर 5 जहाँ कि तीनों ही ग्रहों
का उम्दा फल होगा

बृहस्पत-चंद्र-शुक्र

किस्मत का अजीब ढांग होगा कभी शाह
कभी मलंग (फ़कीर) कभी खुश हाल कभी तंग
होगा नेक हालत के बक्त किस्मत के
मैवान में मिट्टी से भी दूध उछल निकलने
की तरह तीनों ग्रहों का (सिवाय खाना नम्बर 7)
उत्तम और नेक फल होगा माता रानी (निहायत
धर्मात्मा और सुख नसीब वाली शरीफ खानदान और उम्दा सुभाओं की मालिक) होगी मगर शादी के
दिन से धन दौलत आगे बढ़ना बन्द हो जाएगा-और सोने चांदी में मिट्टी मिली हुई नज़र

अम्बार-देर, बहुत अधिक मात्रा
शहनशाह-राजा

निहायत-बहुत ही
मुतअल्लकीन-घर वाले, बाल बच्चे



किस्मत-भाग्य

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
शरीफ-सज्जन, सुरील

आने लगेगी। या माया कम ही होती चली जायेगी।

तीनों नम्बर 7 शमा के परवाने (रात को चिराग के इर्द गिर्द कीड़े पतंगे) की तरह इश्क की लहर में जल मरने वाला होगा ऐसी ग्रह चाल (बृहस्पत-चंद्र-शुक्रकर नम्बर 7) के बहुत अगर सूरज मन्द हो तो नाकामयाव आशिक होगा जो बदनाम और तबाह ही होगा।

बहुत बड़ा बृहस्पत
जो औलाद से
महरूम रहेगा।

} तीनों नम्बर 2 और
मंगल नष्ट



बृहस्पत-चंद्र-मंगल

पौपल नीम और बड़े तीनों का मुश्तक का दरख़ा होगा जो हर तरह से तीनों ग्रहों का उत्तम फल देवे।

बृहस्पत-चंद्र-बुध

तिजारत (दलाली) में बहुत ही फ़ायदा होवे तीनों ही ग्रहों का (सिवाय खाना नम्बर 2-3-4) उत्तम फल होगा और बुध अब मददगार ही होगा मगर लाखों पति फिर भी मुसीबत पर मुसीबत देखता चला जावे अक्ल मदद न देवे।

बुध पिता पर भारी होगा मगर धन दौलत } तीनों खाना नम्बर 2
के लिए उम्दा होगा। }
ग्रह रीत

महरूम-वचित, असफल, निराश	मुश्तरका-मिले जुले	दरख़ा-पेंड	बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह
शमा-दीपक, मोमबत्ती	परवाने-पतंगे, आदेश पत्र	नाकामयाव-असफल, अनुत्तीर्ण	आशिक-प्रेमी

बृहस्पत-चंद्र-बुध

तीनों ही ग्रहों का मन्दा और निकम्मा फल होगा }
 बुध माता पर मन्दा होगा मगर अपने लिए धन }
 दैलत के ताल्लुक में उम्दा होगा }
 खाना नम्बर 2-3-4 के अलावा बाकी सब घरों में बृहस्पत का विले इलाज होगा

तीनों खाना नम्बर 3
तीनों खाना नम्बर 4

बृहस्पत-चंद्र-सनीचर

तीनों ग्रहों का (सिवाय खाना नम्बर 2-9) उम्दा और बाहम दोस्ताना फल होगा-बृहस्पत और सनीचर का तो खासकर उम्दा फल होगा ऐसा आदमी दूसरों के लिए लोहे को पारस का काम देगा यानी दूसरों को तारता ही जाएगा और एक कारआमद दोस्त होगा।
 माता पिता का सुख सागर उम्दा और लम्बा अर्सा होगा

अब खाना नम्बर 8 ख़ाह कितना ही मन्दा हो और उसका कितना ही बुरा असर दृष्टि की रवैये से खाना नम्बर 2 में जा रहा हो मगर तीनों नम्बर 2 के वकृत चंद्र कभी मन्दा न होगा } तीनों खाना नम्बर 2

चंद्र का मन्दा असर शामिल होगा दिनिया में भंवर (पानी का चक्कर) } तीनों नम्बर 9
 का ख़तरनाक नज़ारा किस्मत के मैदान में अक्सर दरपेश होगा }
 माता-दादी-ताई-चाची-मासी-खुदकुशी से मरे या } तीनों नम्बर 11
 मारी जावे }

बृहस्पत-चंद्र-राहु

बृहस्पत गो राहु के ताल्लुक से अब चुप होगा मगर गुम न होगा बृहस्पत और चंद्र में से किसी का भी फल ख़राब न होगा सिवाय खाना नम्बर 12 में जहां कि बृहस्पत और चंद्र

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह वाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर कारआमद-उपयोगी, उपयुक्त ख़ाह-चाहे दरपेश-किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति बाकी-शेष बचा हुआ निकम्मा-जो किसी काम का न हो

दोनों ही ग्रहों का असर ।
 (शुक्रवर और चंद्र दोनों
 ग्रहों ग्रहों के दूसरे असर
 असर न होगा सिर्फ बात

सांस को हवा बढ़ा
 लिए पानी (चंद्र) की
 हाँगी तीनों ही ग्रहों की

बहुत बड़ा शुक्रर
 इस्के खूब दुःख दे।

शादी और गृहस्त
 आन्धी की मिट्टी
 सही मगर खुराक (का असर (शुक्रवर
 दो वेशक वह गैर
 मूलभूतलाकू-संबंधि
 मायूसकू-निराश का

दोनों ही ग्रहों का असर हलका (मंदा) रहेगा बाकी सब घरों में भर्दो और स्त्रियों (शुक्र और चंद्र दोनों की मुत्तलिलका औरतें) का सुख तो ज़रूर हलका होगा यार चंद्र और बृहस्पत दोनों ग्रहों के दूसरे असरों पर कोई ख़राब असर न होगा जानों पर भी कोई बुरा असर न होगा सिर्फ़ बाहमी सुख हलका (मंदा) गिनते हैं।

बृहस्पत-चंद्र-केतु

सांस की हवा बफ़र्नी होने की वजह से मायूसकुन साक्षित होगी प्यास बुझाने के लिए पानी (चंद्र) की बजाए पेशाब (केतु) की बदबू से सफर (केतु) की मज़िल खोटी होगी तीनों ही ग्रहों का फल मन्दा होगा।

बृहस्पत-शुक्रकर-मंगल

बहुत बड़ा शुक्रकर होगा जो औलाद से महरूम रखेगा ऐशो इशरत और इश्क़ खूब दुःख दे।

बृहस्पत-शुक्रकर-बुध

शादी और गृहस्त (शुक्रकर) में ख़राबियां होंगी

आधी की मिट्टी भरी हवा से धन दौलत ज्यादा नहीं तो न
सही मगर खुराक (रोटी पानी) ज़रूर ही पैदा रखेगा मस्नूई सूरज
का असर (शुक्रकर बुध) हमेशा मदद पर होगा बृहस्पत ज़र्द गैस का काम
देगा बेशक वह गैस कितनी ही ज़हरीली क्यों न हो

तीनों ख़ाना नम्बर 7

मुत्तलिलका-संबंधित बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर महरूम-वचित, असफल, निराश मस्नूई-बनावटी
मायूसकुन-निराश करने वाला ऐश-व्यभिचार, खाने पीने का सुख मज़िल-उत्तरने की जगह, पड़ाव

बृहस्पत-शुक्रकर-सनीचर

उत्तम फल खासकर तीनों खाना नम्बर 9 में बाकी घरों में दो नेक और मददगार सांप होंगे मगर उसकी ओरत (शुक्रकर) मिसकीन (आजिज़ चुपचाप) बिल्ली की तरह अपने तबस्सुम (होठों में हंसना) की आंख के शरारों से सैकड़ों बखेड़े (जंजाल) से बुनियाद तक़ाज़े (झगड़े) और जंगों जदल (मार पीट लड़ाई फ़साद दंगा) पैदा करती होगी

बृहस्पत-मंगल-बुध

तीन नर औलाद को दमा की तकलीफ और टांगों का दुःख होगा जिसके लिए टेवे वाले के अपने जिस्म पर सोना मददगार होगा

बृहस्पत मंगल बुध खाना नम्बर 8 और उसी वक्त राहु नम्बर 11 और उसी वक्त केतु नम्बर 5

तीनों मुश्तरका की हालत में ख़ाह किसी भी घर में हो अमूमन तीनों का फल निकम्मा होगा खास कर उस वक्त जब किसी न किसी तरह से गहु की दृष्टि या तालतुक हो जावे

उपाओ- बुध का बज्रिया शनि नेक कर लेना मददगार होगा मसलन बकरियों को चने सालम (कच्चे काले ख़ाह सफेद) मुफ़्त दिन के वक्त खुराक में देना या लड़कियों को (जो ऋतुदान न हुई हों) बादाम बगैरह देकर उनकी आशीबार्द लेना मुबारक होगा

बृहस्पत-मंगल-सनीचर

तीनों सिवाय खाना नम्बर 2 मर्दों की कमी होगी बृहस्पत मन्दा होगा जिसकी वजह

—तीनों ही ग्रहों की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिका

मिसकीन-दीन, असहाय, गरीब

मुश्तरका-मिले जुले आजिज़-ऊबा हुआ, परेशान तबस्सुम-हल्की हंसी तक़ाज़े-आवश्यकता

तकलीफ-दुख, कष्ट, पीड़ा

अमूमन-आमतौर से

खुराक-खाना-पीना

बृहस्पत-मंगल-सनीचर

से बाप दादा की या तमाम जद्दी चीज़ों को बेचकर अपनी खुद साख़ा (अपनी कर्माई से या अपनी हिम्मत से खुद पैदा की हुई) क़ायम हो जाने तक माकूल आमदन होते हुए भी क़ज़र्वाई (ज़ेरबाद) होगा जो उसके सामने रहे बरबाद हो गया बृहस्पत अब सराप देने वाला साधु होगा जो एक तरफ़ डाकुओं को तो डाका डालने पर लगा देवे और उधर दूसरी तरफ़ वह चोरों का सरगना गृहस्तियों को कहे कि ये लो वह डाकू माल उठा कर भागने वाले हैं इनको पकड़ लो ग़ज़ेकि बृहस्पत की अश्या करोबार या रिश्तदारे मुत्तालिलक़ा बृहस्पत से अब कोई क़ायदा न होगा बीमारियां और मन्दे ख़्यालात और बुरी ख़्याहियों बरबादी का बहाना होगा

गो बृहस्पत अब चोरों का सरगना होगा

मगर कुण्डली वाले के लिए धन दैलत का

नतीजा उम्दा ही होगा।

तीनों (बृहस्पत-मंगल-सनीचर) नम्बर 2

बृहस्पत-मंगल-केतु

खुद अपनी क़िस्मत और केतु 45 साला उम्र तक मन्दे होंगे मगर 45 साला उम्र तक लंगड़ा भाई गो निर्धन मगर मददगार होगा-बादअज़ाँ वह भाई भी बेमानी होगा सनीचर के पत्थर को बृहस्पत के ज़र्द रंग फूलों से बतौर उपाओ मुअत्तर करें तो हर तरह से मदद मिलेगी

बृहस्पत-बुध-सनीचर

तीनों (बृहस्पत-बुध-सनीचर) सिवाय ख़ाना नम्बर 12

अगर बुध मन्दा हो तो मन्दी काग़ रेखा (हर तरफ़ तंगी और निर्धनी और दुखों का)

खुद साख़ा- अपने आप बना हुआ

माकूल-उचित, योग्य

ख़्यालात-विचार, ध्यान

ख़्याहिया-चाह, लालसा, इच्छा

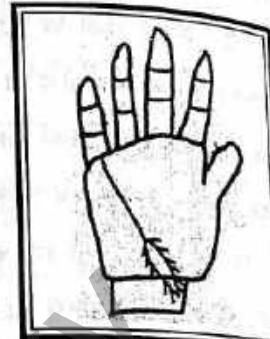
बादअज़ाँ-तपरचात, इसके बाद

मुअत्तर-सुर्गीधत, सुवासित, खुशबू में बसा हुआ

बृहस्पत-बुध-सनीचर

अम्बार बोझ लगा हुआ) होगी और जुबान का चस्का बाइसे ख़ुराकी होकर बरबादी कर देगा ख़ासकर नम्बर 7 में होने के बक्त लेकिन अगर बुध उम्दा हो तो उत्तम मच्छ रेखा (हर तरफ धन दौलत की बरकत और बड़े परिवार) हो

बृहस्पत बुध सनीचर नम्बर 12 निहायत भला
और उत्तम फल होगा अब बुध अमृत कुण्ड (आबे हयात) होगा जो रात के बक्त भी गुमनाम चौकीदार बनकर टेबे वाले की सब माल व दौलत और परिवार की हिफाज़त करेगा



बृहस्पत-बुध-राहु

माया का राखा अपने लिए कंजूस खुद ख़ाह लाखोंपति ही क्यों न हो ख़ासकर जब तीनों ग्रह नम्बर 12 में हों मगर खुद निर्धन न होगा।

बृहस्पत-बुध-केतु

मर्द की माया राजा और दरख़त का साया साथ ही चलता होगा यानी अपनी क़िस्मत हर जगह माथे पर साथ देती होगी। ख़ासकर जब तीनों ख़ाना नम्बर 2 में यानी उसे अपनी क़िस्मत हर जगह मदद देगी और दौलत परिवार का सुख लेने वाला होगा

बृहस्पत-सनीचर-राहु

तीनों सिवाय ख़ाना नम्बर 2 अमूमन मर्दों का सुख हलका होगा ख़ासकर जब ख़ाना नम्बर 12 में हों

निहायत-बहुत ही

आबे हयात-अमृतजल, सुधा

ख़ाह-चाहे

हिफाज़त-रक्षा, बचाव

दरख़त-पैद़

अब बृहस्पत चोर-रा
तीनों हो ग्रहों से हर
जिस घर में यह तीन
मुख्यत्वका का बुग
करा बाइसे तबाही हो
बृहस्पत सनीचर
गड़ समुराल सनीचर
लगत हुआ दक्कन क
हुवें।

बुरी और मर्दी ह
अश्या कारोबार या

अब राहु ज़माना
यानी हर शरारत क
होगा यानी बेशक
का चक्कर तो ना

जमीरी और
वाकिजात-घटना
दबकन

बृहस्पत-सनीचर-राहु

अब बृहस्पत चोर-राहु धोखेबाज़ और सनीचर ज़हरीला मन्दा सांप साबित होगा। और तीनों ही ग्रहों से हर एक ग्रह अपने असर में मन्दे जहरीले बाक़िआत देगा।

विस घर में यह तीनों ग्रह मुश्तरका बैठे हों उस घर की मुतअल्लिका अश्या कारोबार व रिश्तेदार मुतअल्लिका का बुरा ही हाल होगा। ऐसे शख्स को अपने खानदान से अलाहदा हो कर ज़िन्दगी बसर करना बाइसे तबाही होगा।

बृहस्पत सनीचर राहु नम्बर 2 ग्रह मुतअल्लिका के रिश्तेदार (मसलन बृहस्पत वाप या बाबा-दादा राहु समुपल सनीचर चाचा) खुदकूशी कर लेगा। खासकर जब उनके जद्दी मकान के साथ तगड़ा हुआ दक्कन की तरफ में क़ब्रिस्तान क़ब्र या बीराना होवे।

बृहस्पत-सनीचर-केतु

दुरी और मन्दी हवा के हमलों से औलाद के विघ्न (मौत वगैरह) और केतु की मुतअल्लिका अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिका केतु का मन्दा हाल होगा।

बृहस्पत-राहु-केतु

अब यहु ज़माना की घड़ी की चाबी केतु उस चाबी का कुत्ता और बृहस्पत दोनों को चलाता होगा यानी हर शरारत का मुक़ाबला करना पड़ेगा और हर तरफ मुकद्दर (किस्मत) का उलटा चक्कर ही चलता होगा यानी बेशक कितना ही समझ कर चलने वाला वच के रहने का आदी हो मगर किस्मत की हेरा फेरी का चक्कर तो नाहक ख़राबी और बदनामी के दुखों के सामने लाकर खड़ा कर देगा।

सूरज-चंद्र-शुक्रकर

अमीरी और ग़रीबी जो और जब कभी भी हो दोनों ही को ज़्यादती होगी यानी कभी तो अमीरी के बाक़िआत-घटना	मुश्तरका-मिले जुले	अश्या-वस्तुएं, चीज़े	अलाहदा-अलग
दक्कन-दक्षिण दिशा	क़ब्रिस्तान-शमशान घाट	नाहक-बेवजह, बिना बात की	

सूरज-चंद्र-शुक्रकर

समन्दर की ठाठों के ख़़ाजाने होंगे और कभी ग़रीबी में रेत के ज़रे की चमक तक भी न होगी ख़ास कर ख़ाना नम्बर 9 नम्बर में होने के बक़्त मगर वह खुद शराफ़त और इन्सानियत (रेखा) का मालिक ज़रूर होगा।

सूरज-चंद्र-बुध

बुध की $\frac{34}{17}$ साला उप्र में न सिर्फ़ पिता और उसका धन बरबाद बल्कि चंद्र की जानदार अश्या और रिश्तेदार मुतअल्लिका चंद्र (माता-नानी-दादी) की सांप से मौत हो ख़ास कर जब बृहस्पत सनीचर राहु तीनों मुश्तरका या तीनों से कोई एक या दो ख़ाना नम्बर 3 में हों।

सूरज चंद्र बुध ख़ाना नम्बर 1-7-10-2 में होने के बक़्त सूरज बुध का नेक असर होगा।

रात का बक़्त हो चांद की रोशनी हो बहन से लड़ाई हो	शुक्रकर नम्बर 3 राहु नम्बर 2
औरत को बच्चा पैदा होने को ही समुराल के घोड़े पर	केतु नम्बर 8
चढ़कर जावे तो घोड़े से गिरकर मौत होगी	सनीचर नम्बर 6

सूरज-चंद्र-राहु

अब चंद्र बरबाद और दुनियावी धन दौलत और माता सुख की बजाए दुख का कारण और ख़राबी का सबब होगा रात दिन दोनों बक़्त दुखिया लम्बी उप्र की भी कोई ख़ास तसल्ली न होगी मगर यह मतलब नहीं है कि उप्र ज़रूर छोटी ही होगी।

तीनों ख़ाना नम्बर 5 में होने के बक़्त सूरज का फल उत्तम होगा मगर ख़ाना नम्बर 5 की मुतअल्लिका अश्या औलाद वग़ैरह बरबाद होगी मगर बीज नष्ट न होगा।

बुध का उपाओ या दुर्गा पूजन मद्दगार होगा

मुतअल्लिका-संबंधित

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह सनीचर-शनि ग्रह मुश्तरका-मिले जुले
शराफ़त-कुलीनता, वंश की शुद्धता, सुशीलता, सम्जनता दुनियावी-संसार संबंधी तसल्ली-सांत्वना, डाइस, रिलाय

सूरज-चंद्र-केतु

अब केतु का फल मन्दा होगा (न दिन चैन न रात आराम) लाखोंपति होता हुआ भी दुखिया ही होगा अबल काम न देगी उम्र तक शक्की लेंगे मगर यह मतलब नहीं कि उम्र ज़रूर छोटी ही होगी दुर्गा पूजन और बुध का उपाओ मददगार होगा

सूरज का असर टेवे वाले के लिये उत्तम होगा मगर चंद्र और केतु दोनों बरबाद औलाद तबाह मगर नस्ल बन्द न होगी

} तीनों (सूरज-चंद्र केतु) नम्बर 5

बुध का उपाओ औलाद के ताल्लुक में भी मदद देगा।

सूरज-शुक्रकर-बुध

9926160820

अब बुध का खाली चक्कर सूरज की मदद सेकर शुक्रकर को बरबाद करेगा गुहस्ती हालत का फ़ैसला केतु की हालत पर होगा

आगर केतु उम्दा हो और बुध को मदद देवे (मसलन केतु नम्बर 12 और बुध नम्बर 3) तो कोई मन्दी हालत न होगी लेकिन अगर केतु नीच मन्दा या बरबाद हो तो

अबल तो औलाद नरीना होगी ही नहीं और अगर हो भी तो बहुत पिछली अवस्था (बुद्धापे में) होगी और अगर जल्दी हो भी तो भी 40 साला उम्र के क़रीब क़रीब में पैदा होगी।

औरत के टेवे में तीनों ग्रह (सूरज-शुक्रकर-बुध) इकट्ठे ख़ाह किसी भी घर में होने

के बक्त लड़का पैदा होने और मर्द के टेवे में लड़की पैदा होने पर औरत किसी न किसी तरह से बरबाद और बेघर (फरार या अग्रवाशुदा बगैरह) माली और जिस्मानी सदमों से

हर तरह से दुखिया होगी जिसकी पहली बजह बद जुबानी या बदकारियां औरत का अपना भाई ही (ख़ाह वह हक्कीकी हो ख़ाह मामी-मासी या ताई चची का लड़का होने की बजह से भाई लगता हो)

उपाओ-उपाय नरीना-नर अब्दल-प्रथम, पहला, सबसे पहले

ख़ाह-चाहे सदमों-दुःख, चोटें, दुख के झटके नस्ल-वंश, गोत्र, कुल

बदकारियां-बदजुबान हक्कीकी-सच्चा, वास्तविक, यथार्थ

सूरज-शुक्रकर-बुध

ज़बरदस्ती या मुहब्बत के धोका फरेब से औलाद पैदा कर दे या पैदा करने कराने का बहाना होवे चाल-चलन की बदनामी की तोहमत (सच्ची या फर्जी) तो ज़रूर होगी तलाक़ ख़ाह हो या न हो मर्द ख़ाह औरत का टेवा) या ज़ुबान की बीमारियां भी हो सकती हैं ४८ तुलसी

मंदी हालत के बक्त (ज़ुबान की बीमारी) सनीचर की अश्या (नशे की चीज़े) से मदद होगी।

तीनों (सूरज-शुक्रकर-बुध) ख़ाना नम्बर 8 में होने के बक्त अगर शादी बुध की उम्र (34 या 17 साल) में हो तो शादी से 3 साल के अन्दर अन्दर औरत की मौत बवकृत दिन दोपहर बरसरे बाज़ार हादसा से होगी।

(सनीचर नम्बर 12 और तीनों ख़ाना नम्बर 3 के बक्त मकान की तह ज़मीन मकान के आख़री हिस्सा में अन्येरी कोठरी में बादाम दबा देना औलाद की पैदाइश में बरकत देगा।) तीनों ख़ाना नम्बर 9 में मन्दे असर के बक्त फ़क़ीर को 7 रोटी एकदम देनी मुबारक और मददगार होगी।

उलटे ढांग की औलाद ग्रह चाल की तब्दीली देगी जिसका हर तरह और हर तरफ़ नेक असर होगा। तीनों नम्बर 10 के बक्त साली का रिश्ता (शादी) अपने ही घर (टेवे वाले के ख़ानदान) में हो जाना ग़ैर मुबारक होगा।

आम तौर पर हाथ में ख़ालिस चांदी का छल्ला निहायत मददगार होगा।

अब मन्दी हालत की निशानी उसके घर में निवार (चारपाई या पलंग के लिए) के गोल किये हुए बंडल या लिपटी हुई निवार मुद्रतों (20 साला पुरानी या नानी दादी के बक्तों की) से बन्द पड़ी होगी जिसकी मौजूदगी में तीनों ग्रहों का मन्दा फल होने का आम सबूत होगा बेहतर होगा कि ऐसी निवार के पलंग या चारपाईयां बनवा ली जावें और गोल करके बंडल न रखे रहें।

शादी के दिन से चंद्र के मुतअल्लिक़ा रिश्तेदार (माता सास वैरह)

बुध नम्बर 3 की मंदी आवाज़ के राग सुनने लगेंगे या हर तरफ़ मन्दे ढोल धमक्के की आवाज़ें शुरू होंगी।

चंद्र ख़ाना नम्बर 9

तोहमत-दोष, कलंक

तब्दीली-बदलाव

मुतअल्लिक़ा-संबंधित

बरसरे बाज़ार-बाज़ार में, सारी जनता के सामने

उपायो :-

(1) बबक्त शादी गायर बमय ताबे का दान किया गया वह मूरा सालम रहेगा और अगर

(2) ऐसी ग्रह

मर्द व औरत विद्युत के कूज़ बैठे हुए घर ब मुकर्रर है बाह

औरत (शुक्रकर असर होगा)

शुक्रकर और

जब उसकी मूरा सालम

उपाओः-

- (1) बवकृत शादी लड़की का संकल्प (दान) करने के ठीक बाद ही तांबे की (बड़े से बड़ा तांबे का घड़ा) गार बम्य तांबे का ढकना सालम मूंग से भरकर जिस तरह लड़कों का दान किया गया उसी तरह ही इस तांबे के बरतन का संकल्प कर दिया जाए और बाद में वह मूंग सालम से भरा हुआ बरतन दिन के बवकृत किसी दरिया नदी नाले में बहा दिया जावे
- (2) ऐसी ग्रह चाल के बवकृत ख़ाह किसी भी घर में हो ऊपर दिया हुआ उपाओ किया हुआ सबसे उत्तम फल होगा

सूरज-शुक्कर-शनि

मर्द व औरत की टूटी हुई जोड़ी जो दोनों ही ग़लत फ़हमी में बरबाद होंगे
मिट्टी के कूजा में लाल पत्थर के टुकड़े टेवे में ग्रह मुतअल्लिका (सूरज-शुक्कर-सनीचर) के बैठे हुए घर की मुतअल्लिका सिन्ध या तरफ़ में जो कि बमूजिब मकान कुण्डली उस घर के लिए मुकर्रे है बाहर वीराना में दबाना मुवारक और मददगार होगा।

सूरज-शुक्कर-राहु

औरत (शुक्कर की अश्या रिश्तेदार या कारोबार मुतअल्लिका शुक्कर) दुखिया-बीमार-मन्द असर होगा ख़ासकर ख़ाना नम्बर 1 में होने के बवकृत।

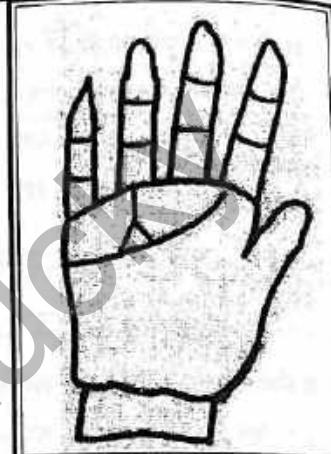
सूरज-शुक्कर-केतु

शुक्कर और केतु दोनों ही मन्द असर के होंगे ख़ासकर जब ख़ाना नम्बर 1 में हो जब उसकी औरत कुण्डली वाले के जदू मकान में रहे बीमार दुखिया दीबाना ही होंगी।

मूंग सालम-साबूत मूंग की दाल	ख़ाह-चाहे	मुतअल्लिका-संबंधित	मुकर्र-निश्चित, निधारित
मौका-अवसर, ठीक समय	ग़लत फ़हमी-बोध भ्रम, कुछ का कुछ समझना	शुक्कर-शुक्र ग्रह	

सूरज-मंगल-बुध

दिल की रङ्गाओं की एक वक्त में
दो काम करने की हिम्मत मगर उत्तम ताकूर
गैरत मन्द और शरारत का मालूम
जवाब देने की हिम्मत का मालिक होगा



सूरज-मंगल-सनीचर

धन दौलत डाला मगर जब सनीचर का ताल्लुक हो या तीनों ग्रह खाना नम्बर 11 में हों तो
झूठा जिद्दी हठधरमी और मन्द किम्मत होगा

सूरज-बुध-सनीचर

अब सूरज और सनीचर दोनों ही अपना-अपना काम करते होंगे और उनकी बाहमी कोई
दुरमनी या लड़ाई झांडा न होगा तीनों ही ग्रहों का मन्द घरों में होने पर भी
अपना-अपना और उन्होंने ही फल होगा-मगर अब बृहस्पत का फल मन्द ही होगा खासकर जब
तीनों (सूरज-बुध-सनीचर) खाना नम्बर 2-5-9-12 में हो। (बाकी दूसरे सफ्हः पर)

मालूम-उचित, योग्य	ताल्लुक-संबंध	बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर	सनीचर-शनि ग्रह
गैरत-लज्जा, लाजशर्म	हठधरमी-अपनी अनुचित बात पर अड़े रहना	रङ्गाओं-हस्तक्षेप करना, बाधा डालना	सूरज-सूर्य ग्रह

सूरज उन्होंने के वक्त बुध के
कारोबार यानी तिजारत
का फ़ायदा और

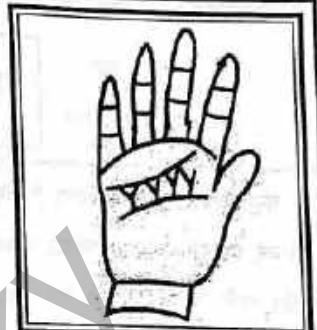
सनीचर की
वक्त जायदाद बड़े
होवे।

बृहस्पत नम्बर 2 नेक हाल

शादियां ज्यादा औलाद
पर कोई बुरा असर न हो
लहकी का सूरज (खालिक
जिसके लिए चंद्र का उ

सूरज-सूर्य ग्रह
तिजारत-ज्यादा

सूरज उम्दा होने वाले घरों में
होने के बक्ता बुध के मुतालिलका
कारोबार यानी विजारत दिमागी कारोबार
का फ़ायदा और



सनीचर की उम्दा हालत वाले घरों के
बक्त जायदाद बढ़े मिले या पैदा
होवे।



बृहस्पति नम्बर 2 नेक हालत में देखें

}

तीनों ग्रह (सूरज-बुध-सनीचर) नम्बर 8

और बृहस्पति नम्बर 2

सूरज-बुध-राहु

शादियां ज़्यादा औलाद मन्दी होगी गो टेबे के खुद अपने सूरज (राजदरवार)
पर कोई बुरा असर न होगा मगर बुध की अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतालिलका बुध बहन
लहकी का सूरज (खाविंद और खाविंद का राजदरवार) ज़रूर मंदा और ख़राब होगा।
जिसके लिए चंद्र का उपाओ मददगार होगा।

सूरज-सूर्य ग्रह

बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

अश्या-वस्तुएं, चीजें

मुतालिलका-संबंधित

विजारत-व्यापार, सौदागरी

खाविंद-पति

मददगार-सहायक, आश्रयदाता

नम्बर 11 में हों तो

कोई

ख़ासकर जब
दूसरे सफ़ेँ: पर)
सनीचर-शनि ग्रह
नरना, बाधा डालना

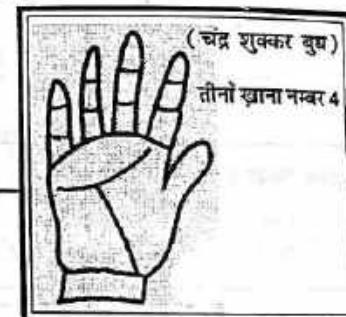
सूरज-बुध-केतु

केतु की अश्या या कारोबार रिश्तेदार मुत्अलिल्का केतु भतीजे भाजे मन्दा ही असर देंगे। या वह उसकी दौलत खा पीकर बरबाद करेंगे उसकी नेकी फ़रामोश और गुनाह लाजिम रखेंगे यानी टेवे बाला उनसे आर कोई नेकी करे तो वह उसको भूल जाएंगे लेकिन अगर वह उनसे कोई गुनाह या बुराई कर बैठे तो वह हमेशा ही याद रखते रहेंगे (बुरे मायनों में)

चंद्र-शुक्कर-बुध

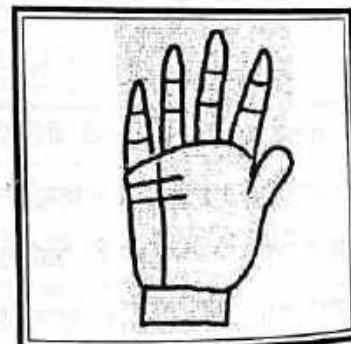
सूरज और शुक्कर का फल मन्दा होगा मगर सूरज की सेहत या रिज़िक रेखा क्रायम और उत्तम फल देगी और उम्र 75 से ज्यादा न होगी।

खुद अपनी बल्कि खानदानी	} तीनों खाना नम्बर 4
उम्र ही लम्बी होगी	} (चंद्र-शुक्कर-बुध)



उम्र अमूमन सिफ़र
2 साल मानते हैं } खाना नम्बर 5

शादी और औलाद में गड़बड़ (ख़राबियाँ) आप हो। (बाकी दूसरी तरफ)	} खाना नम्बर 7
--	----------------



अश्या-चीजें, वस्तुएं मुत्अलिल्का-संबंधित अमूमन-आमतौर से औलाद-संतान मायानों-आशय
फ़रामोश-भूला हुआ, विस्मृत गुनाह-पाप, अपराध लाजिम-आवश्यकता रिज़िक-जीविका

यानी शादी बहुत लम्बी (तकरीबन 34 साला) उम्र के बाद होगी और शादी का फल औलाद बौरह भी (आगर शादी जल्दी और छोटी उम्र में हो भी जावे) निकम्मा और बहुत देर बाद कायम होगा चंद्र और मंगल दोनों ही नुकसान के बानी होंगे खेती की ज़मीन खुरब फल देगी माता खुद दुखिया हो या दुखिया करेगी और औरत 34 साला उम्र (औरत) और मर्द 48 साला उम्र (मर्द की) तक औलाद खुद व खुद अपना दीगर गृहस्थी सुख न देगेगा सरकारी मुलाज़मत और व्योपार भी मन्दे ही साबित होंगे चंद्र के लिये अराध्य पूजन और मंगल के लिये गायत्री पाठ राहु का उपाओ कन्या दान और केतु का साधन केला या गाय का दान मददगार होगा या वह जब लड़की की शादी करेगा या अपने बुध के कारोबार के लिये दुर्गा पाठ करेगा तो मुवरक फल होगा तोते की सेवा करे और स्याह रंग मछलियों को 40 हफ्ते हर हफ्ते में एक दफ़ा (शुक्कर की गत और सनीचर की सुबह का दरमियानी बक्त) अपनी खुराक का हिस्सा दिया करे। तो हर तरह से मदद होंगी

चंद्र-शुक्कर-सनीचर

ऐसे वाले के अपने लिये ज़ाती असर मनहूस ही होगा मददे मर्दे मददे खुदा धन दौलत उम्दा उसका धन औलाद के हाथ लगे। मौत अमूमन परदेस में हो बरना धन दौलत मिट्टी के पहाड़ की तरह ज़ाहिरदारी में उम्म मगर अन्दर से ख़ाली ढोल जो समुराल ख़ानदान के बजाने के काम आवे यानी समुराल को नाहक बदनामी का बहाना हो जावे।

ज़ाहिरदारी-बनावट, दिखावा, धूर्ता
दरमियानी-बीच का

स्याह-काला

दीगर-मित्र, दूसरे
मनहूस-बुरा, अशुभ

मुलाज़मत-नौकरी, सेवा
बानी-किसी काम की शुरुआत करने वाला

चंद्र-मंगल-बुध

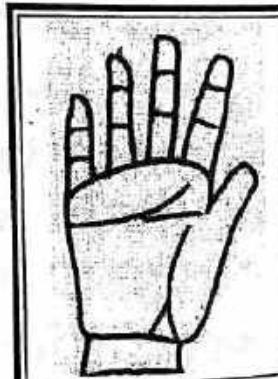
तीनों (चंद्र-मंगल-बुध) खाना नम्बर 1-4-5 में सेहत और दौलत दोनों उम्दा मगर सनीचर का ताल्लुक या 10-11 में सेहत और दौलत दोनों की मन्दी हालत होगी।
मृगशाला (हिरण की खाल) मददगार उपायों होगा।

चंद्र-मंगल-सनीचर

तीनों रंगों में रंग बिरंगा अगर सांप भी हो तो भी चितकबरा बीमारी का धर सिवाय खाना नम्बर 11 तीनों का फल अमूमन मन्दा और दिखावे को धन दौलत होगा जो आँखीर पर भी ताये चचे और भाइयों के काम आवे बुद्धापे में नज़र का धोका होवे और फुलबहरी (वर्स कोढ़ जिल्द स्याह व सफेद) का साथ होगा ऐसा आदमी गुस्से वाला बारोब या अहले सरकार के ताल्लुक से फ़ायदा उठाने वाला होगा।

खाना नम्बर 11 में राजदरबार का फल उत्तम और मुवारक होगा।

खाना नम्बर 3-4-8 हर तरह से हानी धन व दौलत बरबाद और मौत खड़ी रहने की तरह मन्दा बक्त हो।



ताल्लुक-संबंध

चितकबरा-पिन मिन रंग के धब्बों वाला

चचे-चाचा (पिता के पाई)

बारोब-रोब दाव वाला व्यक्ति

जिल्द-त्वचा

शख्स-इंसान, आदमी
अहले सरकार-योग्य, सरकार

चंद्र-मंगल-राहु

जब उलटे ढांग की पैदाइश (माता के पेट से उसका सिर पहले निकलने की बजाय पांव पहले निकल पड़े) हो तो पिता पर उसकी उप्र तक भारी या पिता की मौत के बाद पैदाइश हो

उपाओः:- पानी डालने की बजाय दूध ही डालकर मीठा हलवा बना कर खुद खाना और दूसरें को खिलाना सबसे उत्तम और मददगार उपाओ होगा।

चंद्र-मंगल-केतु

अब चंद्र और बृहस्पति दोनों ही का मन्दा फल होगा साथ ही केतु (औलाद-नरीना) भी चिल्लाता ही होगा या ऐसा शख्स 48 साला उप्र तक औलाद से दुखिया या महरूम ही होगा खासकर जब खाना नम्बर 7 या शुक्रकर भी मंदा हो रहा हो।

चंद्र-बुध-सनीचर

सिवाय खाना नम्बर 4 तीनों इकट्ठे खूनी होगा मगर दौलत मर्द और बा हौसला मर्द होगा

मामूं घर घाट बरबाद ही होगा मगर उसकी	}	तीनों (चंद्र-बुध-सनीचर)
(मामूं की) बेवजह ग्रीवी मौत न होगी		खाना नम्बर 4

ग्रशीग्रोता की बीमारियों के वकृत आम के दरख़ा को दूध डालना शिफा देगा।

बुध सनीचर मुश्तरका आम का दरख़ा

चंद्र बुध मुश्तरका (ग्रशीग्रोता दिल की बीमारियों)

नरीना-नर मामूं-मामा (माता का भाई)	शख्स-आमदी, इंसान मुश्तरका-मिले जुले	महरूम-बैचित, असफल, निराश शिफा-रोग मुक्ति	ग्रोता-दुबकी, मज्जन ग्रशी-बेहोशी, मूँछ, गश
--------------------------------------	--	---	---

चंद्र-बुध-राहु

पिता पानी में डूब मरे मगर चंद्र पर बुरा असर न होगा।

चंद्र-सनीचर-राहु

33 ता 36 बल्कि 39 साला उम्र में सनीचर मंदे बाक़िआत देगा।

लक्ष्मी और स्त्रियों (ज़ाती और व माता) का सुख हल्का होगा खासकर नम्बर 12 जहाँ कि चंद्र चुप होगा ऐसा प्रानी ज़िनाकारी की लहर में डूबता हुआ हाथी रात की चांदनी में माता की आँखों के सामने बच्चे बनाने को बेहयाई में अन्या ही होगा लेकिन कुदरत का अजीब तमाशा होगा कि उसका बनाया हुआ बच्चा शायद ही कभी घर में खेलता होगा।

शुक्र-मंगल-बुध

शादी औलाद बल्कि खुद अपनी उम्र के ताल्लुक में भी तीनों ही ग्रहों के सब असर मंदे खासकर जब खाना नम्बर 3 में तीनों इकट्ठे बैठे हों।

शुक्र-मंगल-सनीचर

गृहस्त औलाद और उम्र तीनों दुनियावी सुख
सब उद्धा मुआविन उम्र रेखा का उत्तम फल होगा
ऐसी ग्रह चाल से सिर्फ उम्र लम्बी होने में ही मदद



बाक़िआत-घटना
कुदरत-भगवान, ईश्वर

प्रानी-आदमी
ताल्लुक-संबंध

बेहयाई-बेशर्मी, लज्जहीन
मुआविन-सहायक, मददगर

ज़िनाकारी-व्यापिचार
सनीचर-शनि ग्रह

नर भिलती बाल्कि इन्सान की
नर किसी को फासी पर ला
एक गला न मृट जावे अगर
कले बाला भी सुद ब खुद
नी बिन बुलाये आ जायेगा
उम्माने के सुकाबला पर दोस्त
इ राज्य उम्र की तमाम ब
जैते यम के खिलाफ र
ज जाता है बाप की मदद
न सिर्फ अपनी औलाद

गृहस्त-औलाद और उ
ग्रह गाय कौवा और कुरु
क्षन में (SKY LIG

म दौलत की चोरी व त
काली गाय और क

अगर काली गाय

रफ से रोटी न मिलने
बालों के दुख दरिद्र का

बेहे-देवी ताकत
तप्यम-साय, सारी

नहीं मिलती बल्कि इन्सान की तमाम उम्र या सारी जिंदगी की मदद ज़ाहिर करती है अगर किसी को फांसी पर लटकाया जावे तो गैंडी मदद उसके पांव तले तख्ता दे देगा जाकि गला न घुट जावे अगर कोई शख्स मारने की तयारी करके आ पहुंचे तो मालिक के प्रताप से मदद करने वाला भी खुद व खुद आ पहुंचेगा जिस तरह दुश्मन को बुलाया न था उस तरह ही मदद करने वाला भी बिन बुलाये आ जायेगा ऐसा शख्स दूसरों से पूरी मदद और आराम पाता रहेगा दुश्मनों के मुक़ाबला पर दोस्त भी खुद व खुद पैदा होंगे और मुसीबत को दूर कर जायेंगे वह शख्स उम्र की तमाम बीमारियों या टूट-फूट से बचा रहता है पूरी उम्र भोगता है और भौत के यम के खिलाफ़ भी उसे यहां तक मदद पहुंच जानी मानी है कि वह क़ब्र से भी वापिस आ जाता है बाप की मदद और सुख सागर लम्बा होगा न सिर्फ़ अपनी औलाद से पूरा सुख बल्कि तमाम मददगारों से आराम पाता है।

शुक्कर-बुध-सनीचर

गृहस्त-औलाद और उम्र तीनों ही (दुनियावी सुखों का मालिक होगा) दुनियावी ग़क्क ग्रस गाय कौवा और कुत्ता तीनों को अपनी खुराक से टुकड़ा देते रहना मुवारक होगा मकान में (SKY LIGHT) (ऊपर आसमान की तरफ़ से रोशनी के लिए मोघा रोशनदान) धन दैलत की चोरी व तबाही का सबूत होगा। काली गाय और काले कुत्ते को रोटी देते जाना मददगार होगा अगर काली गाय और काला कुत्ता अपने ही घर के पालतू हों तो उनको बाहर से किसी और शख्स की तरफ़ से रोटी न मिलने देवे वरना फ़ायदे की बजाय नुकसान होगा यानी तमाम बाहर वालों के दुख दरिद्र काली गाय और काले कुत्ते की मारफ़त खुद अपने ही घर जमा होते रहेंगे।



शुक्रकर-बुध-राहु

गो शादी कई दफा और औरत भी कई एक मगर फिर भी औलाद और गृहस्ती सुख मन्दा ही होगा खासकर जब तीनों खाना नम्बर 7 में हों।

शुक्रकर-बुध-केतु

तीनों ही ग्रहों का फल मन्दा होगा खासकर खाना नम्बर 7 में होने के बक्तु शादी और औलाद में सख्त खराबियां होंगी।

शुक्रकर-सनीचर-केतु

एक ही मैदान में दो मुश्तरका मगर एक ही बक्तु में कामदेव का खेल करने वाले खिलाड़ियों की तबीयत का मालिक या ऐसे खिलाड़ियों को शामिल करके चाल चलन की रंग बिरोगियों से दुनिया का मुंह धोता या अपनी आकिंबत (आंतिम समय) या दुनियावी गृहस्त को फुलबहरी के धब्बे लगाकर खुश होता होगा।

शुक्रकर-राहु-केतु

न सिर्फ अपने गृहस्ती सुख (स्त्री और आल औलाद) मन्दा बल्कि हम साया भी दुखिया और बरबाद होंगे खासकर जब तीनों ग्रह कुण्डली के पहले घरों में हों हमसाया घरों में लड़कियों की शादियां न हो सकेंगी।

दफा-वार

आकिंबत-यमलोक, मृत्युलोक, अन्त

सख्त-बहुत अधिक

मुश्तरका-मिले जुले

शुक्र-राहु-केतु

लेकिन जब तीनों ग्रह कुण्डली के बाद के घरों में वाक़ी हो तो हम साथ घरों में लड़कों की शादियां न होंगी।)

मंगल-बुध-सनीचर

ग्रह चाली दो मन्दे सांप या सनीचर दो गुना मन्दा असर देगा सेहत व दौलत आंखों की ख़राबियां नाड़ों या खून के नुक्स और क़िस्मत सब मंदे।

खाना नम्बर 6 के बक्त सांप की खुराक (दूध या बृहस्पत की अश्या) धरम अस्थान में देने से तीनों ग्रहों की मुतअल्लक़ा ख़राबियां दूर होंगी।

नम्बर 12 व 2 के बक्त पताशे धरम अस्थान में देना भी मददगार होगा।

मामूं बरबाद हो जो मामूं बचे वह घर से बाहर और वहां भी साधु होकर ज़िन्दा रह सकेगा — मृगशाला मददगार उपाओ होगा।

मंगल-सनीचर-केतु

मंगल बद का मन्दा असर ज़ोर पर होगा।

मकान (सनीचर) अमूमन कच्चा और पक्का हिस्सा मिला मिलाया होगा जिसमें नीम का दरख़ा (मंगल) और कुत्ता (केतु) मौजूद होगा।

मंगल सनीचर ख़्वाह मंगल या सनीचर के साथ कोई भी तीसरा ग्रह हो।

तीनों ही ग्रह मंदे और उनका फल बरबाद और ज़हरीला होगा।

धरम अस्थान-धर्मस्थान

दरख़ा-पेड़

मुतअल्लक़ा-संबंधित

वाक़ी-घटित होने वाला, जो हो चुका हो

मामूं-मामा (मां का भाई)

अमूमन-आमतौर से

बुध-राहु-केतु

शुक्र-बुध-राहु तीनों ही मुश्त्रका में दिया हुआ फल होगा।

बुध-सनीचर-राहु

हर वक्त मौत गूंजती होगी खासकर जब यह तीनों ग्रह नम्बर 1 में आवें अगर ऐसे शख्स की ज़िवान और तालू हल्क का कव्वा भी स्याह हों तो अपने खुन के सब रिश्तेदारों को बरबाद करने के बाद लावल्द होकर खुद मन्दी मौत से तबाह होगा लेकिन अगर सनीचर भी खाना नम्बर 8 में हो तो बुध व राहु और केतु तीनों ही का अपना अपना और जुदा जुदा असर जैसा भी होवे बहाल होगा क्योंकि सनीचर ऐसी हालत में अपने एजेंटों की कार्रवाई पर अमल करता होगा।

सनीचर-राहु-केतु

(तीनों का मुश्त्रका टोला पापी ग्रह कहलाता है जिसका असर हस्बेजैल होगा पापी ग्रह)

तीन काल त्रैलोकी टोला
राहु केतु
पाप की मिस्लें पाप बनाता

हल्क का कव्वा हो घर 8 वें

राहु दाएं और केतु बाएं

तीन पापी से कोई अकेला

तासीर असर सब उत्तम होगा

पापी ग्रह 3 होता हो
दरबार शनि ले जाता हो

शनि जहां खुद रहता हो

शनि मियाने होता हो

पापी दीगर से मिलता जो

लेख मंदा नहीं करता हो

१ -पापी 3-5-9-11 मार इनको बृहस्पत-बुध-शुक्र या चंद्र न देखे बहरा होगा।

मुश्त्रका-मिले जुले

शख्स-आदमी, इंसान

स्याह-काला

लावल्द-निःसंतान

हस्बेजैल-जो नीचे दिया गया हो, निन्मलिखित जिसका ब्योरा नीचे लिखा हो

सनीचर-शनि ग्रह

पाप मंदा खुद पापी मंदे
 गऊ ग्रास फल उत्तम देवे
 पापी मंदे गुरु हो खुद मंदा
 मकान शनि नेक हालत बनता
 दोस्त बराबर पापी इकट्ठा
 असर मंदा खुद दोस्त अपना

बेड़ी भरी जा डुबोता हो
 नष्ट ज़हर पापी करता जो
 फैसला शनि एक करता हो
 राहु-केतु उलट बने गिरवाता हो
 पाप आदत नहीं छोड़ता हो
 बैठे इकट्ठा देता हो

राहु और केतु सिफ्ट 2 ग्रह मुश्तरका को "पाप" और सनीचर राहु केतु तीनों ही मुश्तरका के लिए लफ्ज़ पापी ग्रह इस्तमाल होता है राहु केतु को सनीचर का ही सुभाओं रखते हैं मगर सनीचर की ताक़त नहीं रखते यानी इल्लत (शरारत) होते हैं मार मालूल (शरारत का नीता) नहीं हो सकते तीनों की मुश्तरका बैठक की जगह कुण्डली में खाना नम्बर 8 है और इन्सानी जिसमें हल्क़ का कब्बा (तालू) उनकी आराम गाह है- जिसमें कुण्डली वाले के दाएं तरफ़ राहु दरमियान में सनीचर और बाएं तरफ़ केतु होंगा

पापी ग्रहों का आम सुभाओं:-

- (1) जब कभी उनका (पापी ग्रहों का) कोई दुश्मन ग्रह उनके मुकाबला पर अकेला हो तो वह उस दुश्मन ग्रह की ही ताक़त को ज़ायल (ज़ाया ख़राब बरबाद) करते हैं लेकिन
- (2) जब दो या ज़्यादा दुश्मन ग्रह उनके मुकाबला पर हो जावें तो पापी ग्रहों में दुश्मन ग्रहों की ताक़त ख़त्म करने के लिए मुकाबला की ताक़त भी दो गुनी या ज़्यादा होती जाएगी और पापी ग्रहों में पाप करवाने या करने की हिम्मत और भी बढ़ती जायेगी।
- (3) जब किसी पापी ग्रह के मुकाबला पर बैठा हुआ दुश्मन किसी ऐसे ग्रह को साथी लेकर बैठा हो जो कि पापी ग्रह का दोस्त हो तो ऐसी हालत में पापी ग्रह बुरा करने की हिम्मत को दोगुना करके अपने दोस्त ग्रह को तो ऐसी बुरी तरह से मारेंगे कि उसका निशान बाक़ी न रहे और कुण्डली वाले का खूब ज़ोर से नाश करेंगे और निहायत ही बुरा फल देंगे।

गऊ-गाय

मुश्तरका-मिले जुले

निहायत-बहुत ही

सनीचर-शनि ग्रह

ज़ायल-बरबाद, नष्ट

इल्लत-कारण, हेतु

मालूल-वह चीज़ जिसका कोई कारण हो, कारण सहित

लफ्ज़-शब्द, वचन

सनीचर-राहु-केतु

- (4) किसी दो पापी ग्रहों के साथ अगर तीसरा ग्रह बृहस्पत चंद्र या चुध हो तो तीनों ही का फल मन्द होगा- मसलन केतु सनीचर बृहस्पत बुरी हवा के हमलों से औताद की अचानक योते होंगी।
- (5) कोई दो पापी इकट्ठे ही एक घर में बैठे हों तो दोनों का अपनी अपनी मुतअल्लिका अश्या कारोबार या रिश्तेदार मुतअल्लिका का दूसरों पर ख़ाह असर नेक या बुरा मार कुण्डली वाले के अपने लिए हर दो का फल नेक होगा।
- (6) जब पापी ग्रहों का फल मन्द हो तो बृहस्पत भी मन्दी हैसियत का गुरु होगा।



ग्रह मुश्तरका

(तीन से ज्यादा)

बृहस्पत-सूरज-चंद्र-मंगल

ऐसे गुरु की उत्तम हैसियत का मालिक जिसकी तमाम दुनिया इज्जत करे बृहस्पत नम्बर 2 का पूरा उत्तम फल साथ होगा।

ख़ाह-चाहे

हैसियत-क्षमतानुसार

मुतअल्लिका-संबंधित

मुश्तरका-मिले जुले

बृहस्पत

तीनों नर ग्रह या 3 शेरों
त्याएँ और बुलन्द इक्के
पर हमला न करें या 3
भागवान, ख़ानदान और

बृहस्पत

सुबह सबरे सूरज की
नमस्कार या पूजा वर्ग
में उसका नसीबा बुल

बृहस्पत

मंदी सोहबत खोटे व
अच्छी सोहबत भली

बृह

यहु का तमाम
जिसमें कि चारों हैं
दरमियान-बीच में
बृहस्पत-बृहस्पति य

बृहस्पत-सूरज-शुक्रकर-मंगल

तीनों नर ग्रह या 3 शेरों के दरमियान में शुक्रकर गाय की तरह ऐसा ज्ञानी
शाही और बुलन्द इकबाल जिसके साथे में तीन शेर इकट्ठे होते हुए भी एक गाय
पर हमला न करें या 3 शेरों के दरमियान आ जाने वाली ग़ज भी सुखिया रहे
भागवान, ख़ानदान और शाही योगी ख़ून होगा-जो शाही ज़ंगी तलवार पर भी फ़तह मा सके

बृहस्पत-सूरज-शुक्रकर-बुध

सुबह सबरे सूरज की तरफ मुँह करके } चारों ख़ाना नम्बर 3 और
नमस्कार या पूजा व़ैरह करना राजदरबार } ख़ाना नम्बर 11 ख़ाली
में उसका नसीबा बुलन्द कर देगा } में उसका नसीबा बुलन्द कर देगा

बृहस्पत-चंद्र-बुध-सनीचर

मंदी सोहबत खोटे काम का मालिक होगा } चारों ख़ाना नम्बर 2
अच्छी सोहबत भली दौलत उम्दा नाम पायेगा } चारों ख़ाना नम्बर 6

बृहस्पत-चंद्र-बुध-राहु

राहु का तमाम अरसा (42 साला उम्र) तक फल मन्दा (ख़राब) होगा-उस घर की चीज़ों का
जिसमें कि चारों बैठे हों या चारों ही ग्रह मंदे और बेमानी होंगे-और

दरमियान-बीच में	बेमानी-निरर्धक, बेकार	इकबाल-प्रताप, तेज, शोभा
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह	फ़तह-जीत, सफलता	शाही-राजकीय, राज से संबंधित
		सूरज-सूर्य ग्रह

बृहस्पत-चंद्र-बुध-राहु

बाद अजां चारों ही ग्रह बाहम दुश्मन होते हुए भी बतौर दोस्त एक दूसरे की मदद करेंगे और सबका मिला मिलाया फल नेक होगा।

बृहस्पत-बुध-सनीचर-राहु

जिस काम में रुपया-पैसा लेकर बोपार करे- उसी में सब तरफ से सोने की राख ही राख (मंदा हाल) कर देगा मगर सूरज समुगल असर (राहु) और चचा (सनीचर) के रुपया-पैसा की मदद से काम करने में हर तरफ उत्तम फल होगा

चारों खाना नम्बर 12

सूरज-चंद्र-शुक्रकर-बुध

माता-पिता दोनों ही उत्तम हैसियत और खुद भला लोग भले काम का मालिक होगा।

सूरज-चंद्र-मंगल-सनीचर

सूरज या चंद्र या मंगल या सनीचर में से कोई भी और किसी एक घर खाना नम्बर 8-2-6-12 में हो यानी चारों ग्रहों से कोई भी चारों घर में से कहीं भी हो मगर यही 4 ग्रह और इन्हीं 4 घरों में हों तो अमूमन होगा।

सूरज-चंद्र-बुध-केतु

वालिद पानी में डूब कर मर या दुनियावी हालत में निहायत दुखिया होकर उप्र ख़त्म करे।

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर बादअजां-तत्पश्चात, इसके बाद अमूमन-आमतौर से निहायत-बहुत ही

सूरज

जोड़ पाइ
गे दे औरत जि
तानव व जहम
से तरस कर म

सूरज

उड़ता
मदा फल हो
एक अकेला
लूट के माल

च

चारों ही का

च

राज तालुका

(चंद्र-शुक्र

वे औलाद-

सूरज-शुक्रकर-बुध-सनीचर

जोड़ भाई जोड़-मगर खाएंगे और ही लोग-खासकर जब चारों खाना नम्बर-4 में हों गो दो औरत ज़िंदा मगर दोनों ही वे औलाद और मन्दे चलन बुरे कामों में खुश लानत व ज़हमत की ठेकेदार होंगी-खुद मर्द भी बेमानी ज़िन्दगी और आँख़ी बक्त यानी से तरस कर मरता होगा।

सूरज-मंगल-बुध-सनीचर

उड़ता हुआ फटा पंतग वहशत परेशानी का घर उस घर की चौज़ों पर चारों ग्रहों का मंद फल हो जिसमें कि वह बैठे हों- अगर चारों ही ग्रह नष्ट हों तो ऐसा आदमी एक अकेला ही लाखों के मुकाबला की हिम्मत का मालिक होगा अगर चारों ग्रह क़ायम हों तो लूट के माल से माला माल हो जावे।

चंद्र-शुक्रकर-मंगल-बुध

चारों ही का मन्दा असर होगा जो लड़की की शादी के दिन से उत्तम और उम्दा होगा।

चंद्र-शुक्रकर-मंगल-सनीचर

एज ताल्लुक उम्दा और खुश गुज़रान होगा-खासकर जब यह चारों ग्रह (चंद्र-शुक्रकर-मंगल-सनीचर) खाना नम्बर 2 में होंगे।



वे औलाद-निःसंतान

वहशत-भय, आतंक, डर

ज़हमत-मुसीबत

खुश गुज़रान-सुखमय जीवन

चंद्र-शुक्र-बुध-सनीचर

अमूर्मन उसके माता कृचीला (खानदान हक्कीकी खून) में भौत और जन्म (एक पैदा हुआ तो कोई और मर गया) के बाक़िआत में इकट्ठे ही हुआ करें।

शुक्र-मंगल-बुध-राहु केतु

शादी में आम दुनिया की मुखालफत और धन हानि होगी-खासकर जब चारों मुश्तरका खाना नम्बर 7 में हों।

मंगल-बुध-सनीचर-राहु

बैठा होने वाले घर पर कोई बुरा असर न होगा।
अगर साथी घर में सूरज हो तो उसके अपने माइयों में से कोई तो मच्छ रेखा का मालिक और कोई लावल्द ही होगा चोरी और धन हानि अक्सर हुआ करेगी-बुध मन्दा तो लड़कियां दुखिया और मरीज़ रहेंगी जनूबी दरवाज़े का साथ मन्दे असर की बुनियादी बजह होगी-और दहलीज़ के नीचे चांदी की चपटी तार जो दहलीज़ की लम्बाई के बराबर हो मदद होगी यह ज़रूरी नहीं कि वह तार चौड़ाई में भी दहलीज़ की चौड़ाई के बराबर चौड़ी हो-शर्त सिफ़र यह होगी कि वह दहलीज़ के बराबर लम्बी हो।



अमूर्मन-आमतौर से
मुश्तरका-मिले जुले

बाक़िआत-घटनाये
लावल्द-निःसंतान

मुखालफत-विरोध, शत्रुता, दुश्मनी
दबकन-दक्षिण दिशा

हक्कीकी-सच्चा
जनूबी-दक्षिण दिशा

पंच

सबसे उचम पंचायत वह
एक जलर शामिल हो।
1- नर ग्रह स्त्री ग्रह मय
किसीत का धनी हुक्मरान-साहि
लम्बा-उम्र लम्बी होगी-खुद खु

2- बुहस्पत-सूरज-शुक्र
(1) खाना नम्बर 1 ता 6 में
(2) खाना नम्बर 7 ता 12 में
दरिया पार कर जाने वाले

3- पंचायत (कोई भी
जग्म-ऐसा शख्स 5 ही (कुल
दोगों से उत्तम व उम्दा होगा
आग पंचायत के ग्रहों
हुद भी पाप न करने वाला
5 ग्रहों में पापी ज़रूर हो या
दो वरना उसकी आंखों के
पापे ग्रहों की अश्या लोगों

मस्लन राहु-केतु की
केतु की मुतअल्लिक
सनीचर बादाम-शाराब
हुर साढ़ा-अपने आप बना
अस्या-बस्तुएं, चीजें

पंचायत - 5 ग्रह

सबसे उत्तम पंचायत वह है जिसमें बुध शामिल न हो मगर राहु या केतु में से एक ज़रूर शामिल हो।

- 1- नर ग्रह स्वी ग्रह मय पापी ग्रह (सिवाय बुध) मुश्तरका की पंचायत हो तो किसी भी धनी हुक्मरान-साहिबे औलाद दर औलाद-दैत्य व गृहस्ती सुख सागर उम्दा व तम्बा-उम्ब लम्बी होगी-खुद ख़ाह अक्ल का अन्धा व मिट्टी का माधो ही क्यों न हो
- 2- बृहस्पत-सूरज-शुक्रकर-बुध-सनीचर मुश्तरका पंचायत हो तो
 - (1) ख़ाना नम्बर 1 ता 6 में उत्तम फल नेक असर होगा
 - (2) ख़ाना नम्बर 7 ता 12 में ऊपर का जु़ज नम्बर (1) का असर मगर खुद साझा अमीर होगा और डरते डरते दरिया पार कर जाने वाले तैराक की तरह हुनिया में आसूदा हाल होगा।
- 3- पंचायत (कोई भी 5 ग्रह) का असर हर हालत में उत्तम और नेक ही होगा।

आगर-ऐसा शख्स 5 ही (कुल ज़माने के) ऐव का भी मालिक हो जावे तो भी दीगरों से उत्तम व उम्दा होगा।

अगर पंचायत के ग्रहों में कोई भी पापी (राहु केतु सनीचर) शामिल न हो और वह प्रानी खुद भी पाप न करने वाला हो तो ऐसी पंचायत का कोई फ़ायदा न होगा मतलब यह कि या तो 5 ग्रहों में पापी ज़रूर हो या वह प्रानी खुद शरारती और पापी हो तो पंचायत के ग्रह उत्तम फल देंगे वरना उसकी आंखों के सामने उसका घरबार कई दफ़ा लुटता होगा-धरमी रहते हुए पापी ग्रहों की अश्या लोगों को मुफ़्त तक़सीम करना मुबारक फल पैदा करेगा-

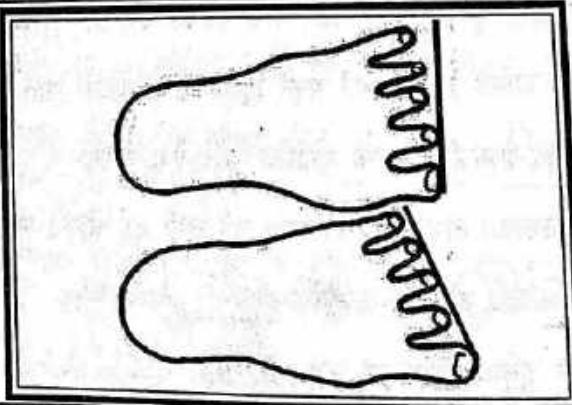
मसलन राहु-केतु की मुतअल्लिका अश्या जौ (अनाज की बनी हुई चीजें) नारियल की ख़ैरात केतु की मुतअल्लिका अश्या केले खटाई की अश्या- सनीचर बादाम-शराब-सिगरेट हुक्का नोशी या नशे की चीजें।

खुद साझा-अपने आप बना हुआ	मुश्तरका-मिले जुले	ख़ाह-चाहे	शख्स-आदमी, इंसान
अश्या-वस्तुएं, चीजें	तक़सीम-बांटना	मसलन-जैसे कि	खैरात-दून

तमाम ग्रह

राहु या केतु में से कोई एक पहले या बाद में घरों में बैठा होने के सबब से बाहर रह जाता है मगर बरूए दृष्टि अपना असर दूसरों में मिला देने के उसूल की वजह से वह भी तमाम ग्रहों में मिला हुआ ही समझा जाएगा - इस तरह जब राहु पहले घरों में और बाकी सब ग्रह बाद के घरों में बैठे हों तो राजयोग होगा-और खासकर जब इकट्ठे हो रहे हों।

खाना नम्बर में	तो असर होगा
2-	हुक्मरान होगा।
3-	मिस्ल राजा साहिबे इक्बाल होगा।
8-	हुक्मरान साथियों को बढ़ाकर खुद बढ़ता होगा। पांव की पांचों उंगलियां
9-	हुक्मरान साथियों को बढ़ाकर खुद बढ़ता होगा। पांव की पांचों उंगलियां (1) बाहम बराबर या दराज़ हों तो आसूदा हाल हुक्मरान लेकिन (2) जब एक दूसरी दर्जा व दर्जा बड़ी होती जावे तो साहिबे औलाद दर औलाद होगा।



हुक्मरान-शासन चलाने वाला
तमाम-समस्त

इक्बाल-प्रताप, तेज
उसूल-नियम, सिद्धांत

साहिबे इक्बाल-भाग्यशाली
बाहम-परस्पर दराज़-लंबा, दीर्घ

आसूदा-धनवान
बरूए-दृष्टि से

मङ्गमून के मुतालआ के लिए चंद मददगार मिसालें

याददाश्त

इस मङ्गमून की दुनियाद पर हर मर्द का टेवा हर औरत के टेवे को ढांप लिया

करता है मगर कई दफ़ा बाहम बेलिहाज़ी भी हुआ करती है—यानी लड़की की जब तक शादी न हो (ऋतुवान बेशक हो चुके) लड़की का टेवा खुद उसके अपने लिए और वाल्दैन भाई बन्दों और दीगर गृहस्ती साथियों के ताल्लुक में दख़ल अन्दाज़ या मददगार हो सकता है—मगर शादी के दिन से उसके खाविंद के टेवे के मुताबिक़ मर्द और औरत हर दो का हाल इकट्ठा शुरू होगा और लड़की की हैसियत का टेवा शादी के बाद कोई क़ाबिले गैर न होगा।

लेकिन हो सकता है कि शादी के फ़रीक़ैन मर्द व औरत किसी ऐसे खून से (एक हिन्दु तो दूसरा मुसलमान एक सिक्ख तो दूसरा ईसाई एक यूरोपियन तो दूसरा हिन्दुस्तानी एक अफ़्रीका का बासी तो दूसरा कश्मीर का बाशिन्दा) ताल्लुकदार हों जिनमें खून की नाली खानदानी नस्लों की बजाए पैवंदी पौधों की तरह चल रही हो तो ऐसी हालत में मुमकिन होगा कि औरत का टेवा मर्द के टेवे से मुवाफ़क़त (अनुकूलता) न करे। ऐसी हालत में मर्द और औरत हर दो के टेवे जुदा-जुदा ही देखे भाले जाएंगे जिस तरह कि दो जुदा ही मर्द और औरत दुनिया में चल रहे हों।

मुतालआ-समीक्षण, निरीक्षण पैवंदी-जो क़लमी हो (फल) मुवाफ़क़त-समानता, बराबरी फ़रीक़ैन-दोनों पक्ष बाशिन्दा-रहने वाला, निवासी मङ्गमून-विषय मुताबिक़-अनुसार बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

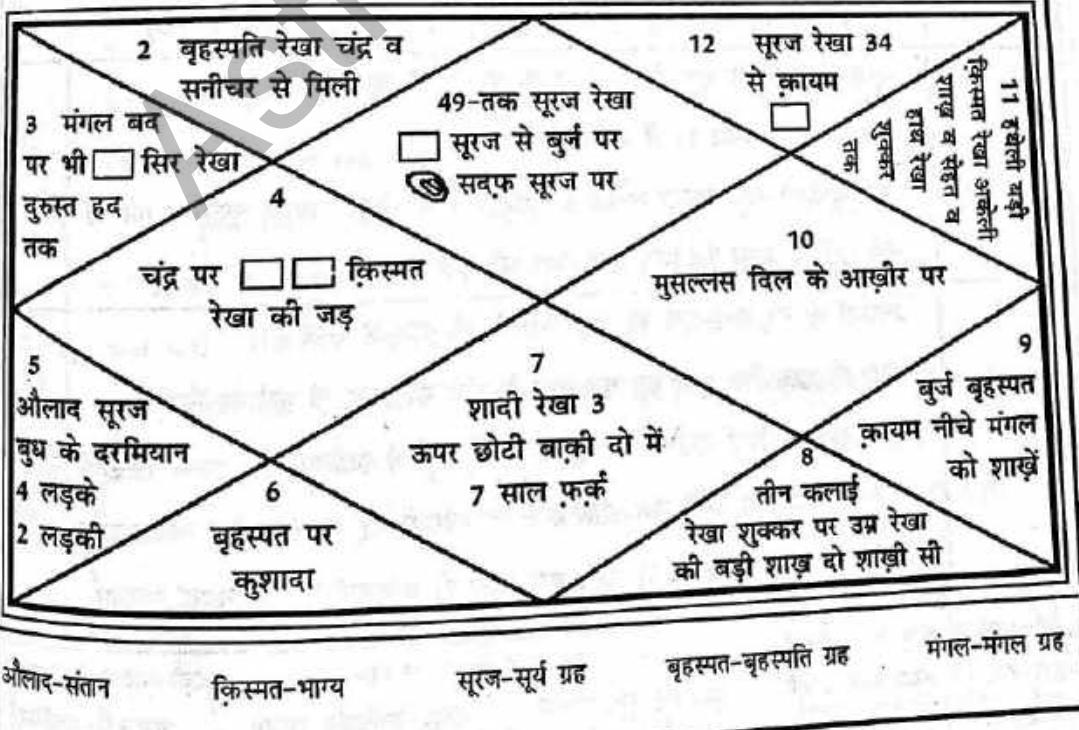
तारीख पैदाइश 4 चौह सम्वत् 1959 मुताबिक् 18 जनवरी सन् 1902 ई. बौद्धवार
हाथ देखने का दिन 23 माघ सम्वत् 1995 यानी 37 साल शुरू हुआ।

बमूजिब हाथ रेखा

ग्रह कुण्डली



मंगल - खाना नम्बर 1
चंद्र - खाना नम्बर 2
केतु - खाना नम्बर 3
राहु - खाना नम्बर 7
वृहस्पति - सनीचर-खाना नम्बर 10
सूरज-बुध - शुक्रकर-खाना नम्बर 12



ग्रह कुण्डली किस तरह बनाई गई

ग्रह कुण्डली का खाना		ग्रह का नाम लिखने की वजह
1	सूरज के बुर्ज पर चौकोर है <input type="text"/> जो मंगल का निशान है और सूरज के बुर्ज को खाना नम्बर 1 दिया गया है।	
2	चंद्र के बुर्ज से रेखा सीधी बृहस्पत के बुर्ज पर चली गई है-जिसे खाना नम्बर एक दिया गया है	
3	 केतु का निशान मंगल नेक के बुर्ज पर वाकै है जिसे खाना नम्बर 3 मिला हुआ है।	
7	 राहु का निशान शुक्रकर के बुर्ज पर वाकै है जिसे खाना नम्बर 7 दिया गया है।	
10	तर्जनी और मद्दमा उंगली के नीचे-सनीचर और बृहस्पत के बुजों को मिलाने वाली दो शाखी क्रायम हैं- यानी बृहस्पत खाना नम्बर 10 जो सनीचर के बुर्ज को दिया गया है। पर वाकै है- और सनीचर रेखा से सनीचर खुद अपने घर नम्बर 10 पर हुआ।	
12	सूरज के बुर्ज और बुध के बुर्ज से रेखाएं हर दो की जुदा-जुदा खर्च के खाना नम्बर 12 में चली गई हैं। रेखा कुण्डली साल बसाल हालात के लिए हाथ पर मौजूद रेखा से मुकम्मल की गई है। अब ग्रहों के असर देखने के लिए मदद की बातें	
17-7	इन घरों के ग्रह एक दूसरे को 100 फ़ीसदी की नज़र से देखते हैं। मंगल के साथ बैठा हुआ राहु चुप रहता है-और मंगल बद के बुर्ज पर जिसे खाना नम्बर 8 दिया गया है भी चौकोर <input type="text"/> वाकै है इसलिए खाना नम्बर 1-7 के असर के लिए मंगल का असर नेक होगा मंगल के ज़ोर से राहु गो चुप रहेगा मगर मंगल से दूर बैठा होने की वजह से ज़रूर बुरा असर ही अन्दरूनी तौर-पर करता जाएगा।	
तर्जनी-अंगूठे के साथ वाली उंगली मद्दमा-हाथ की सबसे बड़ी उंगली		जुदा जुदा-अलग अलग मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण
		वाकै-घटित होने वाला मौजूद-उपस्थिति हाजिर अन्दरूनी-आतंरिक

और मंगल के असर का तमाम अरसा यानी 28 साल तक स्त्री नज़र व स्त्री सुख पर
ज़रूर बुरा असर करेगा - मंगल के असर के अरसा के बाद 14 साल तक (राहु व मंगल)
दोनों इकट्ठे असर करने लगे राहु के असर की मियाद 42 साल होती है और
मंगल की कुल मियाद 28 साल है इसलिए एक ही वक्त में शुरू होने पर
राहु 14 साल बाद तक अकेला ही होगा - मगर शुक्कर व बुध के मुश्तरका घर खाना नम्बर 7
और सूरज का घर खाना नम्बर 1 पर अकेले राहु का असर होगा - मगर वह दोनों ही इकट्ठे
उठकर खाना नम्बर 12 में बैठे हुए हैं यानी राहु जुदा एक तरफ शुक्कर के घर मेहमान
बैठा है और शुक्कर अपने दोस्त बुध को साथ लेकर सूरज के हमराह राहु के
घर चला गया है इसलिए न राहु शुक्कर का कुछ बिगाढ़ सकता है और न ही शुक्कर राहु का
नुकसान कर सकता है सिर्फ़ एक दूसरे के घरों की इमारत ख़राब कर सकते हैं

खाना नम्बर 2-12 आपस में 25 फीसदी की निगाह से देखते हैं चंद्र खाना नम्बर 2
में ऊंच होता है सूरज और बुध बाहम दोस्त है मगर सूरज व शुक्कर बाहम
दुश्मन हैं और दूर बैठा हुआ चंद्र शुक्कर और बुध दोनों से दुश्मनी करने वाला है।
इस तरह पर सूरज व चंद्र तो शुक्कर का फल ख़राब कर लेंगे और बुध का फल
चंद्र से ख़राब होगा मगर चंद्र और सूरज का फल उत्तम होगा सूरज के साथ
बैठे हुए बुध अपने असर का निस्फ़ अरसा तक यानी 17 साल त्रुप रहता है
और बाद में 17 साल अकेला फल नेक देता है।

खाना नम्बर 10-सनीचर व बृहस्पत इकट्ठे हैं इस हालत में दोनों का अपना-अपना मगर
सनीचर का फल ख़राब होगा। बृहस्पत भी दुश्मन या पापी ग्रह के साथ अपना निस्फ़
असर यानी 8 साल ज़रूर नेक फल देता है - इन ग्रहों का ताल्लुक पिता से है।
खाना नम्बर 3-केतु मंगल के घर पड़ा है-जो मंगल का दुश्मन है लेकिन मंगल अपने घर से
उठकर सूरज के घर खाना नम्बर 1 में चला गया है
मंगल के साथ सूरज हो तो मंगल का फल हमेशा मंगल नेक का होगा और सूरज भी मंगल के
साथ ऊंच होता है।

खुलासा के तौर पर हर एक ग्रह का असर मन्दरजानैल होगा

बृहस्पत :- इस ग्रह की मियाद कुल 16 साल होती है- जिसमें से पहला आठ साल का असरा हमेशा नेक असर का होता है इसलिये पहले आठ साल के बाद बृहस्पत का फल सनीचर ख़राब कर देगा क्योंकि बृहस्पत तो किसी से दुश्मनी नहीं करता-मगर-पापी ग्रह बुरा असर कर दिया करते हैं लेकिन वह भी उस वक्त जब बृहस्पत के घर या ख़ाना नम्बर 2 पर आ जावें - लेकिन जब बृहस्पत पापी ग्रह के घर पर जावे तो बृहस्पत अपना नेक ही फल रखेगा। पापी ग्रह या वह ग्रह जिसके घर में कि बृहस्पत जाकर बैठा है अपना फल जैसा चाहे देवे अब चूंकि सनीचर अपने घर यानी ख़ाना नम्बर 10 में बैठा है और बृहस्पत उसके घर आया है इसलिए बृहस्पत तो अपना सारा ही असरा नेक फल देगा और सनीचर बुरा फल देगा जो बृहस्पत के असरा के बाद शुरू हो सकता है यानी बृहस्पत के 16 साल के बाद 36 साल सनीचर की कुल मियाद में से बाकी 20 साल सनीचर अकेला असर कर सकता है। हर ग्रह अपने वक्त के निस्फ़ और चौथाई में असर ज़ाहिर कर दिया करता है कि इस तरह पर सनीचर अपने 36 साल के निस्फ़ यानी 18 साल में अपना बुरा असर ज़ाहिर करेगा जब कि बृहस्पत पहले ही ख़त्म हो जुका है - सनीचर का बृहस्पत के साथ बुरा असर तब ही हो सकता है जब कि बृहस्पत उसके साथ चल रहा हो और बृहस्पत था 16 साल तक इसलिए सनीचर का बुरा असर बृहस्पत के पहले 8 साल के बाद 16 साल तक ही हो सकता है

सूरज :- इस ग्रह का अपना तमाम असरा तो अपनी ज़ात के लिए उत्तम ही होगा लेकिन यह ग्रह अपने साथी शुक्कर के फल का तमाम असरा ख़राब या नीच ही करेगा और चंद्र भी 25 फ़ीसदी अपनी बुरी नज़र शुक्कर पर करता रहेगा-मगर सूरज को चंद्र 25 फ़ीसदी मदद और देगा।

चंद्र :- इस ग्रह से कोई ग्रह दुश्मनी नहीं करता-यह खुद ही दूसरे ग्रहों से दुश्मनी करे तो बेशक करे इसलिए इस ग्रह का अपना फल तो बृहस्पत के घर बैठे हुए ऊंच होगा मगर यह खुद शुक्कर और बुध दोनों से ही दुश्मनी करता जायेगा।

शुक्कर :- सूरज का अरसा 22 साल होता है - चंद का 24 साल - यह दोनों ही शुक्कर के दुश्मन हैं - शुक्कर की मियाद 25 साल है - सूरज और शुक्कर इकट्ठे बैठे होने की बजह से दोनों का असर इकट्ठा शुरू हुआ। सूरज की दुश्मनी 22 साल में ख़त्म हुई चंद की 25 फ़ीसदी दुर्योग भी 24 साल में जाकर हटी अब शुक्कर का अरसा सिर्फ़ एक साल बाकी रहा उधर शुक्कर के घर को राहु भी यानी ख़ाना नम्बर 7 को ख़राब कर रहा है और शुक्कर खुद उसके घर ख़ाना नम्बर 12 में बैठा हुआ है उसका दोस्त बुध बेशक उसके साथ है मगर वह अपने दोस्त सूरज के निस्फ़ अरसा तक यानी 17 साल चुप है - न बुध शुक्कर से विगड़ता है न सूरज से 18 साल के बाद शुक्कर की मदद शुरू कर सकता है मगर बुध की मियाद 34 साल में शुरू होती है इसलिये शुक्कर का अपना पहला अरसा तो सारा का सारा 25 साल ही ख़राब हो गया बुध की मदद या बुध की ऊंच हालत से शुक्कर सिर्फ़ लड़कियां ही पैदा करता है इसलिये शुक्कर पहले ही दौरे में मदद न दे सकेगा।

गो शुक्कर - और चंद की दुश्मनी हुई मगर दूसरे चक्कर में शुक्कर जो मीन राशि ख़ाना नम्बर 12 में ऊंच होता है अपने वक्त से ऊंच फल देगा

मंगल नेक :- 28 साला तक राहु की अन्दरूनी पापी चाल के सबब से औलाद पाई बन्द और नज़र पर ज़रूर बुरा असर होगा - मगर दूसरी बातों में मंगल का असर नेक ही होगा।

मंगल बद :- इस पापी ग्रह का मुँह पहले ही मंगल बद के वुर्ज ख़ाना नम्बर 8 पर चौकोर- ने बन्द कर दिया है- इसलिए यह ग्रह उस कुण्डली में किसी जगह भी बुरा असर न देगा - यह ग्रह सामुद्रिक में सिर्फ़ सूरज की ख़राब हालत देखने के लिये रखा गया है - यानी जब सूरज नीच होवे या जब सूरज मंगल के साथ न होवे तो मंगल को मंगल बद कह देते हैं - एक वक्त में सिर्फ़ एक ही नाम होगा जाह मंगल नेक ख़बाह मंगल बद अगर हाथ में Δ मुसल्लस जुदा ही पाई जावे तो बेशक वे ग्रह एक जुदा ग्रह गिना जायेगा

बुध :- इस ग्रह का अरसा 34 साल होता है- यह सिर्फ़ अपने साथी शुक्कर जिसकी मियाद

अन्दरूनी-आंतरिक, भीतरी बेशक-निःसंदेह, अवश्य अरसा-समय, अवधि मियाद-समय मुसल्लस-त्रिकोन

मददगार मिसालें

25 साल है और सूरज जिसकी मियाद 22 साल है - दोनों की मदद करेगा मगर चंद्र की 25 फ़ीसदी नज़र चंद्र की मियाद 24 साल तक इस ग्रह के अपने असर के लिए बुरी ही होगी यह चंद्र से दुश्मनी न करेगा।

सनीचर :- बृहस्पत के असर को इस कुण्डली के हिसाब से ख़राब करेगा मगर खुद उसके अपने असर में दखल देने के लिए कोई दूसरा ग्रह ख़ाना नम्बर 4 में मौजूद नहीं है।

राहु :- यह मस्त हाथी मंगल (X जांगी ग्रह) की तलवार (आंक्स) के रौब से ज़ाहिरा चुप रहेगा मगर दूर खड़ा होने की वजह से मंगल से दुश्मनी करेगा - (मंगल व राहु इकट्ठे ही बैठे हों) तो सिर पर तलवार या आंक्स से हाथी चुप रहेगा मगर जब तलवार या आंक्स हाथी से दूर और उसकी 100 फ़ीसदी नज़र के सामने होवे - मस्त हाथी तलवार को ख़राब करने की कोशिश करेगा।

ब्रे :- शुक्कर के घर पड़ा होने की वजह से शुक्कर की इमारत को ख़राब करेगा - मगर शुक्कर का कुछ विगाड़ नहीं सकता जो राहु के घर ख़ाना नम्बर 12 में है।

केतु :- इस पापी ग्रह से बचने के लिए मंगल अपने घर से पहले ही उठकर ख़ाना नम्बर 1 में चला गया है - इसलिए केतु सिर्फ़ मंगल के मकान को ही ख़राब कर सकता है भाई बन्दों को ख़राब नहीं कर सकता यह ग्रह ख़ाना नम्बर 11 को 50 फ़ीसदी नज़र से देखता है - जो ख़ाली है इसलिए यह कभी कभी बृहस्पत के ख़ाना नम्बर 11 (किस्मत व लाभ उप्र) पर ध्वना मारता चला जाएगा।

ख़ाली ख़ाने

ख़ाना नम्बर 4 - चंद्र का घर है इस घर को ख़ाना नम्बर 10 के ग्रह 100 फ़ीसदी नज़र से देखते हैं - ख़ाना नम्बर 10 का बृहस्पत नेक नज़र रखेगा मगर सनीचर खुद चंद्र के घर की दीवारों पर अपनी स्थाही फेर फिरा कर चला जाएगा।

ख़ाना नम्बर 11 - में केतु ही अपनी टांग फ़ंसा सकता है।

फ़ीसदी-प्रतिशत	मियाद-समय, काल	मौजूद-उपस्थित, हाजिर	आंक्स-अंकुश
सनीचर-शनि ग्रह	शुक्कर-शुक्र ग्रह	बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह	चंद्रमा-चंद्र

केतु का घर चंद्र के लिए चांद ग्रहण होता है अब चंद्र केतु पर 25 फ़ोसदी नज़र करने के सबब से (48 साल केतु का अरसा का एक चौथाई हिस्सा) 12 साल के बाद चांद ग्रहण में होगा।

चंद्र का ताल्लुक ज़मीन व माता से है।

खाना नम्बर 5-9:- दोनों खाली हैं इनका असर औलाद करम धरम दूसरे ग्रहों से लें।

खाना नम्बर 8 :- (मौत का घर) इस घर को खाना नम्बर 12 के ग्रह 25 फ़ोसदी नज़र से देखते हैं। यह ग्रह सनीचर व मंगल बद का है - इस कुण्डली में मंगल बद तो है ही नहीं बाकी रहा सचीनर और खाना नम्बर 12 के ग्रह जिनमें से सनीचर शुक्रकर व बुध का दोस्त है बाकी रहा सूरज, जिसका दुश्मन सनीचर है अब दोनों के बाहमी मुकाबला में सूरज ज़ारिया होगा। इसलिए मौत का साल चंद्र की राशि और मृत्यु का दिन सूरज का दिन या इतवार का होगा। जबकि केतु का वक्त ख़त्म हो चुका है।

ज़िन्दगी के हालात

ग्रह कुण्डली और जन्म रेखा कुण्डली को मिलाकर पढ़ने से मालूम होता है कि ऐसे हालात बाला शास्त्र जांगी खुन और शाही जांगी धन से शाहाना परवरिश और खुद उसी ज़रिया मुआश (ऐसा धेता के लिए कारोबार से) शाहाना हालत बाला होगा - जिसे मुत्तलिलक़ा दुनिया में हुक्मनृत करने का मौका और धन जमा करने का वक्त बहुत मिलेगा - दुनिया के मैदान में चमकीले चांद जैसा तरह हर जगह जंगल में मंगल करेगा। इसमें शक नहीं कि तनों तन्हा अकेला ही खुद अपनी किस्मत को आप ही रोशन करने वाला होगा-दुश्मन पीछे पीछे दुश्मनी कर सकते हैं मगर चंद्रमा ऊंच के सामने आकर फ़ैरन ही चुप होंगे पोशीदा दुश्मनी करने वाले लोग उसकी तलवार के सामने आकर मस्त हाथी की तरह आंकड़े के डर से ज़मीन से गिरी हुई दुश्मनी उठाकर देने का काम करेंगे - दुश्मन भी अपनी दुश्मनी ज़रूर करते जाएंगे।

पोशीदा-दुश्मन हुआ

मौका-समय, घटनास्थल

शाहाना-राजसी ठाठ बाठ

बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर

मुआश-वह चीज़ जिस से गुजर बसर की जाए

आंकड़े-अंकुश

मगर ऐसा शख्स कुदरती मदद के सबब हमेशा ही बचता चला जायेगा और गैंडी ताक़त उसका पूरा बचाओ करती रहेगी रंग का सफेद होगा जिसका मंगल का सुख्ख रंग चमकता होगा यानी कि रंग कुदरती ऐसा होगा कि जिस तरह एक लाल रंग काग़ज पर सफेद चांदी का टुकड़ा लेय या रखा हुआ होवे।

तबीयत आदिलाना (निरपक्ष) और दिल की पूरी शान्ति वाला होगा-अहले क़लम-तलबार का धनी जंगी तदबीरों में माहिर और अब्लमंद होगा- ज़बान और जिस्म की कभी बीमारी न होगी गर 13-14 साल की उम्र के क़रीब नज़र या आंखों की बीमारी और 28 साल की उम्र के क़रीब नज़र कमज़ोरी का सबूत देगी - मगर ख़राब न होगी यानी ऐनक वगैरह का इस्तेमाल राहु की पोशीदा दुश्मनी की निशानी होगी। पापी ग्रह सनीचर के असर से शराब का इस्तेमाल बृहस्पत के असर में ख़राबी डालने का सबब होगा और मंगल के लाल जैसे रंग में स्याही की झलक देग

कुते का शौक़ (जो कुत्ता कि केतु का रंग बिरंगा मगर सुख्ख रंग निशान उसके जिस्म पर न होंगे) भाईयों से तकलीफ़ ख़बाह उनकी बीमारी ख़बाह माली हालत की कमज़ोरी ख़बाह कोई और अचानक तकलीफ़ कुछ भी कहो-भाई बन्दों रिश्तेदारों ताये चचे औरत ज़ात ख़ानदान यार दोस्तों की मदद औलाद वगैरह ख़ाना नम्बर 3 के सब असरों में जिसका असर ख़ाना नम्बर 11 पर भी 50 फ़ीसदी हो ख़राबी का सबब हुआ करेगा इस ग्रह का अपनी ज़ात पर कभी बुरा असर न होगा सिफ़र मुतअल्लिक़ा दुनिया में दूसरों की तरफ़ का दुख उसके लाभ किस्मत और उम्र पर धब्बा देगा - यह ग्रह 48 साल तक असर करता चला जाएगा इस पापी ग्रह का पाप उसके मुतअल्लिक़ा साथियों पर मार करेगा मगर राहु से (स्याह रंग या हाथी के रंग से मिलती हुई या नीली चीज़ें) अन्दरूनी तौर पर उसी मंगल के दूसरे असर नज़र और आदिलाना तबीयत में ज़हर का निशान होंगे-सनीचर जो बृहस्पत के बिल्कुल साथ बैठा है अपनी स्याह रंग चीज़ों से पानी में स्याह रंग मछली का ज़माना करता रहेगा यानी बिल्कुल साथ मिली हुई स्याह रंग चीज़ काला रंग का आदमी जब बिल्कुल साथ ही होगा या अपने घर पर ही आएगा नुकसान का सबब होगा और सोने का मुंह काला करने का सबब होगा तदबीरों-उपाय, इलाज, चतुराई माहिर-कुशल, निपुण गैंडी ताक़त-दैवी शक्ति मुतअल्लिक़ा-संबंधित तक़लीफ़-परेशानी सबब-कारण, मूल कारण आदिलाना-निरपक्ष पोशीदा-छुपा हुआ औलाद-संतान

मुख्यसर तौर पर सफेद रंग (वही शुक्कर का रंग) केतु से बचने के लिए जो भाई बन्दों के दुख हटाएगा दूध या पानी के सफेद रंग की चीज़ें खुद अपनी कमाई में बरकत के लिए चंद्र और बृहस्पत के घर का असर दौलत व इज्जत खाना नम्बर 2 और किस्मत उम्र और दूसरे शब्दों के लिये खाना नम्बर 11) मुबारक होगा - दाएं हाथ पर अंगूठी में नीलम राहु (42 दूध उम्र तक में अपनी और पोशीदा दुश्मनी से बचायेगा शराब और आंख की होशियारी (दुध भागवानी) से दूर रहने पर बृहस्पत का उत्तम फल होगा - मंगल नेक का उत्तम फल गंदुमी रंग की चीज़ें जो सूरज का रंग है पैदा करेंगी सूरज की उपासना या दोस्ती से राज दबार में उत्तम फल देंगी और सूरज जो शुक्कर को नीच करता है तमाम ग्रहस्त और तज़ित धन दौलत आराम बुरी तरफ का ख़र्चा ग़ज़ीकि खाना नम्बर 12 का उत्तम फल होगा - घर में दूध की मौजूदगी में चंद्र भी शुक्कर को मुआफ़ करता रहेगा चंद्र ऊंच की निशानी मकान के लिये तह ज़मीन ख़रीदने के दिन से होगी जिस से मालमू होगा कि अब चंद्र शुक्कर से दुश्मनी न करेगा दुध से चंद्र ने दुश्मनी छोड़ने का ज़माना 34 साल उम्र से पूरी तसल्ली का होगा दुध वैसे तो 24 साल से अपना आप चंद्र से बचा लेगा मगर 34 में वह अपना (दुध) पूरा नेक असर देगा - सनीचर 36 साल के बाद यानी 37 से नेक असर देगा - वैसे तो वह 16 साल के बाद बृहस्पत को मुआफ़ कर चुका है इस कुण्डली में शुक्कर (दूसरी दफा) चंद्र सूरज मंगल उत्तम हैं (दौलत का सुख व ख़र्च) दुध तिजारत व्योपार का नाश करता है क्योंकि खाना नम्बर 12 में है।

इस ग्रह का उपाओ दुर्गा पाठ-तोते को चूरी-सफेद कबूतर को मूँगी दुध के दिन मुबारक करेगी और जाया हो जाने वाली दौलत शुक्कर के काम आयेगी - 34 साल के बाद दुध सूरज का उत्तम फल शुरू होगा - 36 के बाद सनीचर भी मदद देगा

42 साल के बाद राहु मदद करेगा 48 के बाद केतु शुभ होगा।

शुक्कर जब ऊंच होगा-अपनी मियाद 25 साल की बजाए 34 साल निहायत उत्तम फल देगा लड़का पैदा होने के दिन से सूरज दुनिया में रोशन होगा - (दर असल सूरज का बक्ता

मुख्यसर-सक्षिप्त	गंदुमी-गेहूं का, गेहुएं रंग का	तमाम-सारा	मुआफ़-माफ	निहायत-बहुत ही
बरकत-बढ़ोत्तरी	तसल्ली-संतोष, सब्र	दफा-बार	तिजारत-व्योपार	

मद्दगार मिसाले

बच्चे का माता के पेट में आने के दिन से ही शुरू गिन सकते हैं) और 22 साल तक रोशन रहेगा। तह ज़मीन की ख़रीदारी की तारीख़ से चंद्र ऊंच 24 साल तक रहेगा। घर में स्याह रंग मकान बनने के दिन से 36 साल तक सनीचर का उत्तम फल क़ायम रहेगा। घर में स्याह रंग कुत्ते की मौत या कोई और काली नीली चीज़ के गुम होने के दिन से 42-43 से राहु उत्तम होगा। और इसी तरह से दो रंगी चीज़ रंग, बिरंगा कुत्ता जो लाल रंग न हो वैरह के चले जाने के बहुत से केतु 48-49 साल से उतने साल ही उत्तम होगा।

कमाई में हराम का पैसा धेला न होगा। सादालोह, साधुपन साधु सेवा-मुनिस्फ़ाना तबीयत से किये हुए काम, स़फ़ेदपोशी कुन्जुगों की सेवा इत्वार या सोमवार के शुरू किये हुए काम खुद अपनी ज़ात के लिए निहायत मुवारक होंगे और सूरज के ज़रिये (गंदुम रंग) से हर तरह की शान्ति नसीब होगी।

मोटी मोटी बातें

बचपन निहायत उम्दा था। जवानी (34) में आगम देगी बुढ़ापा निहायत तसल्लीबख़ा होगा

13-14 साल के क़रीब माता का सुख नाश होगा

15-16 साल के क़रीब पिता का सुख नाश होगा

माता-पिता उसकी स्त्री का सुख न देख सकेंगे।

18 साल के क़रीब मुलाज़मत शुरू करे

21 साल के क़रीब शादी हो-28 साल तक स्त्री का सुख और औलाद के

कोई मायनी न होंगे सब कार्यवाही फ़िज़ूल होंगी

24-26 के क़रीब पैदा शुदा लड़कों बुध का बहुत ज़ाहिर करेगी

34-35 की उम्र में पैदा शुदा लड़का बुध सूरज का उत्तम फल देगा (तरक़ि)

30-31 के क़रीब की औरत शुक्कर ऊंच का फल देगी (दूसरी शादी)

37-39 के क़रीब का मकान सनीचर ऊंच का फल देगा (तरक़ि) होगी।

सादालोह-भोला भाला, बुद्ध

मुनिस्फ़ाना-दो टुक

स़फ़ेदपोशी-स़फ़ेद कपड़े पहनने वाला

तसल्ली-संतोष

स्याह-काला

इत्वार-रविवार

निहायत-बहुत ही

गंदुम-गेहुएं रंग का

मुलाज़मत-नौकरी

33 में बिल्कुल बनने के लिये तव्यार मगर बन्द हुआ और उसी दिन से 49 साल तक सूरज राजदरबार से ताल्लुक होगा-

51 साल की उम्र के क़रीब लड़का मुलाज़िम होगा। उसके बाद सन्यास या परोपकार का ताल्लुक होगा कुल उम्र 93 साल होगी।

मुतफरिक बातें

माली हालत— जिस साल की आमदन माहवार देखनी होवे उस साल तक की उम्र में से मुलाज़िमत शुरू करने का अरसा 18 साल तक तफरीक करें बाकी को $7\frac{1}{2}$ से ज़रब दें जबाब औसत आमदन माहवार होगा 37 साल की उम्र में से 18 तक तफरीक हो तो 19 साल को $7\frac{1}{2}$ से ज़रब दी तो $142\frac{1}{2}$ या $145 - 140$ के क़रीब माहवार आमदन होगी। यही असूल मंगल का सारा अरसा 28 साल तक होगा यानी 210 रुपये माहवार तक का होगा।

34 साल पहले ही उम्र तक सिर्फ़ माया का राखा होगा। यानी जो कमाया दूसरों पर लगाया या किसी दूसरी तरफ़ लग लगा गया 34 से 42 तक आमदन माकूल होगी मगर मकान व्याह शादी वैरह गृहस्त के नेक कामों में लगे 43 से 51 तक उतना ही फिर जमा हो जायेगा जितना पहले ख़र्च किया था। क़र्ज़ा कभी न होगा।

बवकृत ज़रूरत तीन रुपये की ज़रूरत अचानक पर दो रुपये हाजिर होंगे। इस शर्त का आमदन से कोई ताल्लुक नहीं है। औलाद— कुल चार लड़के और 2 लड़कियां आख़री दम कायम होंगे। औलाद नेक होगी और सुख देने वाली होगी-पहली औरत को लड़की और दूसरी औरत का पहला लड़का किस्मत के ख़ास मददगार होंगे।

सफर-चंद्र सूरज के ताल्लुक से सफर तो ज़रूर है मगर दूसरे मुल्क का न होगा सफर का नतीजा हमेशा नेक होगा।

ताल्लुक-संबंध

ज़रब-गुणा

मुलाज़िम-नौकर

माकूल-उचित, योग्य

मुलाज़िमत-नौकरी, सेवा

मुल्क-देश

तफरीक-फर्क, जुदाईयां

औलाद-संतान

मदवगार मिसालें

भाई बन्द-भाई 42 साल से उम्मा हालत में होगा मगर उस हाथ वाले को अपने भाई से कोई ऐसा फ़ायदा न होगा। मगर भाई को ज़रुर फ़ायदा होता रहेगा। मदद के लिए तो सब ज़ाहिर होंगे मगर दरअसल मदद सिर्फ़ अपनी ही जान की होगी। न ताया न चाचा न मामू न ससुराल सिर्फ़ खुद ही अपना आप मियां फ़ुजले इलाही या मालिक का भरोसा होगा।

खुर्च बचत - खुर्च गिन नहीं सकता। रुपये से $\frac{11}{न्यारह}$ आने खुर्च पांच आने बचत होगी खुर्च बड़ा है मगर उसे घटा नहीं सकता। अगर खुर्च घटावें तो आमदन घट जावे। लड़कियों कि किस्मत के लिए अगर खुर्च बढ़े तो आमदन खुद व खुद बढ़ेगी। अपने लिए अपने पेट का सऱफ़ा बेशक करे मार दूसरों के लिए सेवा भाव के तौर पर खुर्ची ज्यादा हो जावे और खुद करें दूसरों को दिया हुआ पैसा ज़रुर वापिस आवें।

साहूकार-उम्मा मगर खूरात खाना यानी बिना सूद रक्म कभी वापिस न हो।

खुशी ग्रमी-19 ख़तों (दायां हाथ) से धर्मात्मा, राजदरबार में इज़्ज़त दोनों हाथों पर कुल 43 निशान होने के सबब 32 ग्रमी के हिन्दसा के मुकाबिला में 43 खुशी होगी स्त्री का साथ-28 के बाद की औरत अपनी उम्र से कम अ़ज़ कम 59-60 साल साथ निभाए।

करम धरम-मंगल अपने घर है इसलिए धरम के बरखिलाफ़ यह हो ही नहीं सकता। इस हाथ की इज़्ज़त और क़द्द तो है ही-कीमती लाल की तरह से सूरज की तरह चमकने पर वरना मंगल बद होगा-इसलिए यह हाथ करम-धरम का ही देवता होगा जो साधारण कहे ख़ाली न जावे। ज़रुर सच होगा।

यह शख्स काम देवता से दूर और ज़हनी लियाकत का मालिक होगा अपने नप्स पर क़ाबू रखने वाला होगा। नेक काम के लिए उसकी ताक़त-3, 3 और बुराई के लिए 2, 2 होगी यानी बदी की निस्वत नेकी की तरफ़ ज्यादा होगा। उसका दोस्त वही हो सकता है या उससे फ़ायदा वही उठा सकता है जो अन्दर बाहर से स़फ़ा दिल होवे। चालाक की चालाकी फ़ौरन ताड़ लेगा। या चालाक उस से ज़रुर नुकसान पाएगा और स़फ़ा दिल उससे ज़रुर फ़ायदा पायेगा।

ज़ाहिरा-स्पष्ट, दिखाई देने वाला

ज़हनी-मानसिक

साहूकार-ब्याज पर रुपया देना

लियाकत-योग्यता

नप्स-कामवासना

बरखिलाफ़-प्रतिकूल, उल्टा, विरुद्ध

निस्वत-तुलना में, अनुपात में स़फ़ा-साफ

जायदाद
खुद कमा
दिन) दो
बचत तम

एक च
और 8
होने से
किस्म
अंगूठ
नरमी
मामू
मान
आव
सब
आ
दूर
य

इज़ाफ़ा-ब
मद्दमा-र

जायदाद जदूदी-हथेली गहरी को बजह से आमदन खँच के लिए कँज़ा न उठाएगा।

खुद कमाकर खँच करेगा- 9.2 दुश्मन (खँच-बुरे दिन) और 1.4 (बचत अच्छे दिन) दोस्त होंगे। या दोनों का फ़र्क 2.1 जायदाद जदूदी में इज़ाफ़ा करेगा। यह बचत तमाम खँच निकाल कर होंगी।

खुलासा ज़िन्दगी

एक चबकर से हाकिम या राजा होने की दलील है और एक संख से हमेशा आराम पावे।

और 8 सदफ़ से बड़ी इज़्जत की ज़िन्दगी होवे। और तर्जनी और मद्दमा बराबर होने से मशहूर ज़िन्दगी का मालिक होवे।

किस्मत के दरिया में यह हाथ अगर दुनिया में सूरज नहीं तो पूरा चंद्रमां तो ज़रूर होगा।

अंगूठा बाहर को झुकने के सबब नरम तबीयत होगा और जब नुकसान उठाएगा खुद नरमी तबीयत से होगा।

मामूली उकसाहट से रुपया-पैसा छोड़ देगा। और मामूली मिन्नत व समाजत से मान जाने वाला होगा।

आख़री दिन अपने गृहस्त में सनीचर की रात ख़तम मगर इतवार का सूरज चढ़ा न होगा सबसे राम-राम और जय हरि कर जायेगा।

आख़री बक़ूत जुबान बंद न होगी और ख़यालात शुद्ध होंगे। सूरज का उत्तम दिन दूसरा दरबार-बख़ोगा। छुपता हुआ सूरज दुनिया के लिए जंगल में मंगल की लाली छोड़ जाएगा यानी गृहस्ती कुटुम्ब सब खुशहाल होंगे।

इज़ाफ़ा-बढ़ोत्तरी

सदफ़-सीप, सीपी

तर्जनी-अंगूठे के साथ वाली उंगली

ख़यालात-विचार

मद्दमा-सबसे बड़ी उंगली

कुटुम्ब-परिवार

समाजत-विनती, गिड़गिड़ाहट

बख़ोगा-अपराध क्षमा करेगा

मिसाल

ग्रहों की मियादें

बृहस्पति	16 साल
सूरज	22 साल
चंद्र	24 साल
शुक्र	25 साल
मंगल	28 साल
	31 साल (दूसरों की मदद के लिए)
बुध	34 साल

सनीचर— 18 साल माली हालत वाल्दैन।

सनीचर— 19 साल शादी।

सनीचर— 27 साल वाल्दैनी और अपनी बाहमी माली हालत।

सनीचर— 33 साल तमाम रोज़गार या दीगर जायदादी सवाल।

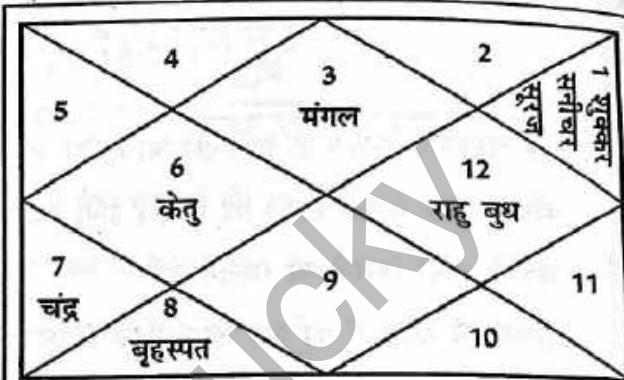
सनीचर— 36 साल सनीचर की अपनी ज़ाती असर की बातों के फ़ैसले।

सनीचर— 39 साल अपने एजेंटों राहु केतु की मदद या बरखिलाफ़ी।

राहु— 42-45 से केतु और राहु की मुश्तरका हालत।

केतु— 48-49 बृहस्पति खड़ा हो जावेगा।

जन्म दिन 1 $\frac{5}{12}$



मंगल नम्बर 1 :- मंगल का ताल्लुक होता है अपने खून से या अपने भाई के खून से और मियाद अमूमन होती है 28 साल और ख़ाना नम्बर 1 की टांगें होंगी ख़ाना नम्बर 11 में और आंखें नम्बर 8 में ख़ाना नम्बर 8 ख़ाली है इसलिए आंखे तो उसकी हैं नहीं इसलिए इस आदमी की रहनुमाई किसी हाथ में नहीं या खुद ही अपनी आंखों से देखकर चलने वाला है और खुद ही अपने लिए सब कुछ करना पड़ेगा। अब रहा सवाल टांगों का या दूसरों की मदद से चलने का ढंग तो इसके लिए अगर किसी इन्सान की 2 टांगें मान ली जाएं तो इस टेबे की होंगी।

वाल्दैनी-माता पिता

बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर दीगर-पित्र, दूसरे बरखिलाफ़-प्रतिकूल, उल्या

मियाद-समय, अवधि

अमूमन-आमतौर से रहनुमाई-रास्ता बतलाना, आगे आगे चलना मुश्तरका-मिले जुले

3 टांगे-अब 3 टांगे में सूरज सनीचर के इकट्ठे होने से उनके बाहमी झगड़े से शुकर मारा जाएगा। उसकी औरत सूरज सनीचर की उत्तरी में या शुकर की अपनी मियाद में वरवाद होंगी। (टांगे भी लड़खड़ा रही हैं) अब उसकी उम्र है 36 साल गोया उसकी पहली स्त्री को गुज़रे हुए 1 या 12 साल हो गये मंगल मद्द करता है अपने खून के रिश्तेदारों को 28 साला उम्र में और दूसरों की मद्द है 31 साला उम्र में।

सूरज सनीचर के इकट्ठे होने में दोनों ही सिफर हो रहे हैं। इसलिए 28 से 31 तक दूसरों की तरफ से कोई मद्द न हुई लेकिन जो शुकर नष्ट हुआ था 25 में वह मंगल के 31 साला उम्र में बहाल होना चाहिए या दूसरी शादी को हुए 5 साल हो गये। मंगल मैदाने जांग का मालिक है लेकिन इस टेवे के मंगल की न तो आखे हैं और न टांगे इसलिए जांगी बातों का सवाल उठता नहीं।

केतु नम्बर 4-राहु बुध नम्बर 10- नम्बर 4 का केतु कुएं में न चंद्र अच्छा न केतु अच्छा औलाद देरी से होगी और राहु की मियाद मार बुध के बाद अब्बल तो नर औलाद के मुतअल्लिका कुछ ज़्यादा नहीं कह सकते लेकिन इस बक्त औलाद हो तो छोटा बच्चा 2 या 3 साल का गिना जा सकता है। शाम का सफर और माता की तरफ रवानगी अमूमन मन्दी ही हवा से भरपूर होगी (बृहस्पत होती है खुली हवा और केतु है बंधी हवा) खाना नम्बर 10 के राहु बुध अमूमन सनीचर की हैसियत पर चलेंगे। सनीचर नम्बर 11 का धर्मात्मा है मगर सूरज के टकराओ से मारा जा रहा है या 34 साला उम्र से 36 साल तक राहु बुध का ज़माना सनीचर की स्थानीय सूरज की आग हर एक चीज़ को जलाकर राख करता जाएगा। सिफ़र धुंआ (राहु) उठ रहा है सनीचर की लकड़ी जल रही है। सूरज की आग भड़क रही है या 34 से 36 साल उम्र तक ज़माना मंदे ही धुए का जबाब देगा। किसी की अमानत किसी ही ज़मानत ससुराल से हमदर्दी की तवक्का पानी में बुलबुले होंगे। सनीचर को कारोबार से कुछ मिलेगा नहीं खास अच्छा ज़माना नहीं।

सिफ़र-शून्य, जीरो

मियाद-समय, अवधि

अब्बल-पहला, प्रथम

तवक्का-आशा, भरोसा, उम्मीद

चंद्र नम्बर 5-नम्बर 9 ख़ाली- चंद्र चलता घर 4 ही है - क्योंकि बुध चंद्र ज़हरी

दुश्मन हैं इसलिए 4 घर चलने वाले घोड़े की हिम्मत बुध (दिमाग़) राहु (ससुर) की ख़्याली ताक़त चंद्र (दिल) के बरखिलाफ़ होगी-या ऐसे आदमी की सरदर्दी, दिमाग़ में तकलीफ़ 42 साला उम्र तक चलती रहेगी। सरदर्दी से मुराद सिफ़र बेकारी उदासी मायूसी नहीं होगी। बल्कि सिर में बीमारी गिनते हैं। जिससे सिर के अन्दर का हिस्सा फटा हुआ या दर्द करता या दुखिया ही माना गया।

बृहस्पत नम्बर 6-ख़ाना नम्बर 12 ख़ाली- ख़ाली हवा पाताल में चल रही है - वह

किसी काम की नहीं या सोना-गुरु पिता तीनों से फ़ायदा नहीं होगा अगर कुछ हो तो दुख का कारण हो सकते हैं यानी सोने की चीज़ें गुम होंगी-सांस की तकलीफ़ होगी मगर बैरां दमा की बीमारी के गोया ऐसा आदमी डर के मारे आगे भागता जावे और सांस आराम से न लेवे। बैठकर आराम से सांस न मिलेगा।

ख़ाना नम्बर 11 सूरज शुक्कर सनीचर-ख़ाना नम्बर 3 ख़ाली-स्त्री सूरज के

वक़्त में या दिन दहाड़े आग में जलती हुई मिट्टी होगी। मगर रात के वक़्त की मिट्टी की स्थाह सूरत होती हुई भी लक्ष्मी अवतार और दुनिया के आगाज़ की मालिक होगी यानी बच्चे बनाती जायेगी। जो औरत अपने ऐश में लग जावेगी जिस वक़्त उसको मीठा गुड़ (सूरज) मिलेगा दुखिया ही होगी अगर यह नमक खायेगी तो ठीक रहेगी इससे उसको रुहानी व जिस्मानी आराम होगा।

ख़ाना नम्बर 11 आमदन का घर है। जिसमें सूरज-सनीचर-शुक्कर इकट्ठे हैं। सूरज सनीचर चलाने के लिए बुध दरकार होगा।

अब 36 साल की उम्र हो गई है कारोबार चमड़े के साज़ो सामान (सनीचर) में गुज़र रही है। सूरज सनीचर का झगड़ा स्त्री पर चुकी है। आमदन जमा तफ़रीक़ सब बराबर कर ली। 37 से 39 साला उम्र सनीचर की धरम अवस्था अपनी ज़ाती फल देने का ज़माना है। इसलिए सनीचर के कारोबार (लोहा-लकड़ी-चमड़ा) हर क़िस्म की वार्निश रंग इंट पथर सीमेंट

जिस्मानी-शारीरिक

मायूसी-निराशा

ख़ाली-विचार, ध्यान

आगाज़-शुरूआत, प्रारम्भ

बरखिलाफ़-प्रतिकूल, विरुद्ध

तफ़रीक़-प्रथक करना, अलग करना

ज़हरी-विषाक्त

वर्षेरह का व्योपार कारआमद होगा।

36 साल तक तो सनीचर का ग्रह सूरज से चोट खाता गया है मगर शर्त यह है कि बुध काशम रहे या लड़कियों का आशीर्वाद लेता रहे - 39 साला उम्र में जो कुछ बचा होगा। उसके भुतजल्तिका फिर सिफर जवाब होगा-दूसरे आदमी के साथ कारोबार 39 साला उम्र से कर लिया जावे कोई उक्सान नहीं होगा। लेकिन लड़कियों को कुछ देकर उनकी आशीर्वाद लेते रहना ठीक होगा। स्त्री के ज़ेवरात 39 साला उम्र तक गुम हो जायंगे। बाकी उसकी सरदर्दी तो आगे चलती ही रहेगी जिसकी मियाद 42 साला उम्र तक निर्नी जा सकती है। स्त्री की तकलीफ और इसके दिल की परेशानी दूर करने के लिए बेहतर होगा कि मीठा खाना छोड़ देवे। खासकर गुड़-मौजूदा मुलाज़मत ठीक नहीं और जगह कोई बन्दिश नहीं जहां मर्जी हो ऐश करे-नतीजा उम्दा होगा।

माता नहीं है ----- (चंद्र से)
आलाद नहीं है ----- (केतु से)

चंद्र केतु बाहम कट गये इसलिए सिर्फ सूरज राजदरबार ही रह गया।
गो केतु धरम अस्थान में है लेकिन
दबा हुआ ही टेवे वाले को कुत्ते से नफरत है।

आर कुत्ता मारे तो टेवे वाले की
द्यां बगैरह दूट जावेगी। इस
साल कुत्ता लाल रंग का (सूरज केतु) रखा

है। पूजा पाठ नहीं है क्योंकि राहु नम्बर 8 में है इसलिए खुद टेवे वाला नम्बर 2

परम अस्थान में नहीं जा सकता या नहीं जाता है (इसलिए राहु खाना नम्बर 9 में)

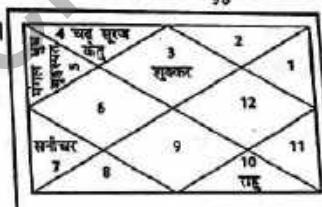
प्राचीन भारतीय विज्ञान

मलाजामत-नौकरी सेवा

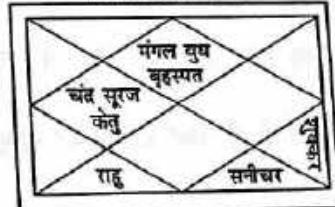
सिफर-
बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

सिफर-शून्य

मियाद-समय, अवधि
धरम अस्थान-धर्म स्थान



सन् 1951 का अर्द्धफल



मून 1952 का अर्धफल



जावेगा। और ख़ाना नम्बर 9 का फल धरम हीन करेगा। 48 साल में मुल्की कैदी हुआ सनीचर नम्बर 5 का है। मगर साप बाँह दांत के शराब नहीं पीता। हालांकि घर में हर वक्त शराब की बोतलें बेशुमार रहती हैं इसलिए शनि तो औलाद के लिए मंदा नहीं मगर केतु (औलाद) चंद्र (माता) खुद ब खुद ही मंदे हैं नर औलाद 52 साला उप्र में होगी। हालांकि औरत के 15 साल से कोई बच्चा नहीं हुआ क्योंकि मंगल बृहस्पत के साथ बुध है।

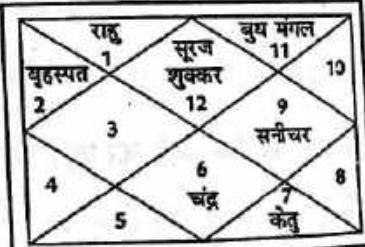
52 साला में मंगल बुध बृहस्पत ख़ाना नम्बर 4 में है बुध राज योग है। आगर लड़की का रिश्ता किसी फौजी अफसर के साथी हो जावे तो टेवे वाले की तरक्की भी फौजी महकमा में ही होगी। सूरज चंद्र केतु ख़ाना नम्बर 9 में है। वह भी ऊंच है बन्दरगाह तक जा सकता है और जहाज़ की सीढ़ी तक भी जा सकता है। लेकिन वहां से वापिस आना पड़ेगा।

कोई औरत (शुक्कर नम्बर 3) समन्दर पार जाने के लिये कह रही है औलाद के जिन्दा रखने के वास्ते मन्दिर में कुछ बादाम ले जावे और मन्दिर में रख कर उसमें से आधे बादाम घर वापिस लेकर आवे और घर में रखे ऐसा करने से सनीचर नम्बर 5 को जो बच्चे खाने वाला साप है क़सम हो जावेगी ताकि वह बच्चे न खावे। टेवे वाले की

लड़कियों के टेवे सामने दिये

हुए हैं जिन से पता चलेगा कि उनका भाई कब पैदा होने वाला है

जन्म दिन 16 $\frac{3}{30}$ जन्म कुण्डली पहली लड़की



जन्म दिन 16 $\frac{6}{32}$ जन्म कुण्डली बूसी लड़की



बेशुमार-असंख्य

तरक्की-उत्तरि, बुद्धि

फौजी महकमा-सेना का विभाग

खुद ब खुद-अपने आप

पिता को उम्र 19 साला उम्र में ख़तम
कह सनीचर नम्बर 9 मकान 2 उजड़े हुए।
केतु नम्बर 5-8 नर औलाद जिन्दा
सूरज नम्बर 3 आखरी उम्र तक
सर्विंस ठीक

बक छेदने से चंबल को आराम होगा।

बाप कहता था कि मोटरों का मालिक मैं हूं मगर
मज़मून कह रहा था कि मोटरों का मालिक लड़का है
मोटर पिता को लड़के के जन्म के बाद मिली
लेतु माल सनीचर मोटर की क़ीमत के
बदल लड़के की बीमारी पर ख़र्च होगा
मोटर $\frac{1}{2}$ हज़ार में ख़रीदी और बीमारी
पर ख़र्च 50000 हज़ार रुपये उस दिन
तक हो चुका था

जन्म दिन 12 दिसम्बर 1885



जन्म दिन 16 $\frac{12}{32}$ मोटर वाला लड़का



— ऐसा लड़का जिसके माता के पेट में आने के बक्त से पिता के पास मोटरों की
क़ीमत के बराबर धन दरिया की लहरें मार कर आ गया। बाप उस रात (हमल) की पहली चत एक
मामूली पैसिल तक्सीम करने वाला मामूली हस्ती का सरकारी मुलाज़िम था। हमल के दिन के बाद बाप
ने मुलाज़िमत छोड़कर ठेकेदारी शुरू की और तीन चार मोटरें ख़रीद ली।
जिन में सबसे छोटी 6500/- की थी।
केतर का तिलक लगावे तो मुबारक होगा।



व्या चक्की जनम से नहीं है जब
तक चक्की क्रायम रहे किला क्रायम रहे।
जब लड़का पेट में आया तो कोई
तावीज लिया?

लड़का पैदा होने के बाद तावीज़

लिया गया। बृहस्पत - खुद बुध (तावीज़ की हालत) में बोल जायेगा। (बुध नम्बर 2)

पतंग की डोर (बहुत देरीना मुद्दत की निवार के देरीना बंडल की बजाये) 600 मील लम्बी (600 गज़ नहीं) तो घर में मौजूद है औरत खाविंद को पतंग की तरह डोर का सहारा दे रही है। डोर को डोर की शक्ति में न रखा जावे। जिस वकृति वह अपने खानदान के इलाके में जावेगा तो वाप को तरक्की मिलेगी।

चंद नम्बर 6 }
बुध नम्बर 8 } माता के लिए ख़राब

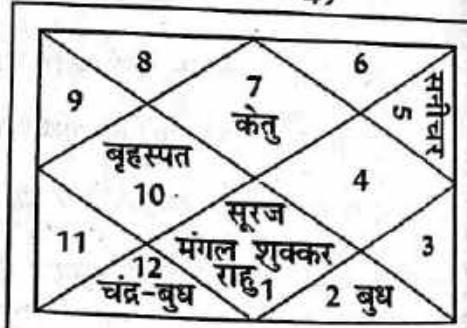
चंद्र नम्बर 6- बच्चे के लिये ख़रगोश (नर) का बच्चा जो केतु की चीज़ है) घर में रखा जावे ख़रगोश मरते जावेंगे 48 साला उम्र तक मददगार होणा।

बुध नम्बर 8 का उपाओ किया जावे

सनीचर नम्बर 11 अम लाली है।

बच्चे की मां को बच्चा की आठ साल उपर तक बीमारी रहेगी ख़रगोश को रखने से ख़रगोश मरते जावेंगे और मां को बीमारी से आराम रहेगा।

जन्म दिन 26 $\frac{4}{49}$



खाविंद-पति

कायम-स्थिर

मुद्रित-अवधि मिशन

मौजूद-उपस्थित, उपलब्ध

तरक्की-उन्नति, बुद्धि

मां बाप का कुछ पता नहीं
ऐसा आदमी अपने वाल्डैन के
पास नहीं रह सकता किसी का मुतबना हो सकता
है

हाथ रेखा की जनम कुण्डली

बड़ा भाई है।

दूसरी शादी के वक्त
बड़ा भाई ज्यादा बीमार हो } मंगल नम्बर 4

मामूं खानदान बरबाद
बहन को दमा है } केतु नम्बर 9

चांदी चकला
संगमरमर का चकला है } माता के पास था

बुध गोल चक्कर
सनीचर-संगमरमर } चकला

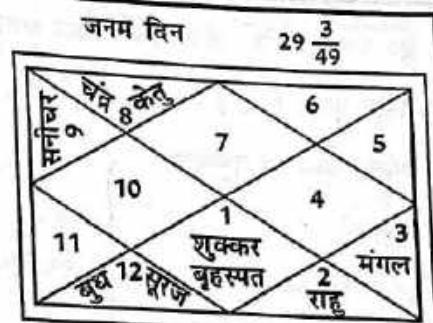
11 और 21 साला उम्र में पिता की मौत?

11 साला उम्र में मौत।

जिस्म पर सोना कायम करना चाहिए।

संगमरमर का चकला जहां भी है वहां से लेना चाहिए। अगर घर में किसी के मौजूद हो तो अगर गुम हो गया है। या कहीं रह गया है तो नया चकला लेना चाहिए। जब तक संगमरमर के चकला पर रोटी पकवा कर खाई जाये तो दमा की तकलीफ दूर होगी।

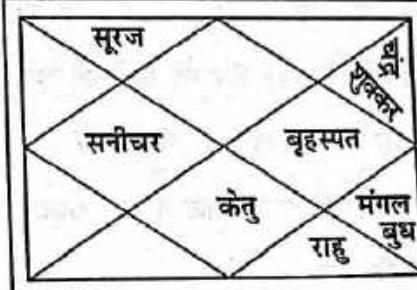
मंगल नम्बर-4 के पास दो नाली बन्दूक होती है और बड़े भाई के ऊपर अचानक चल जाती है।
होटल का काम मुबारक जब तक माता पास न रहे (चंद्र शुक्कर मुश्तरका नम्बर 2)



1 $\frac{1}{50}$ उम्र तक्रीबन 41 जारी



42



मुश्तरका-मिले जुले वाल्डैन-माता पिता मुतबना-गोद लिया हुआ पुत्र चकला-रोटी बनाने का गोल पटरा
तकलीफ-कट्ट, पीड़ि मुबारक-शुभान्वित मामूं-मामा (माता का भाई)

बुध नम्बर 4 (रेत) नीचे नीचे चलकर अपने घर नम्बर 3 में चला जाता है।
बीमारी ख़ाना नम्बर 8 से शुरू होती है और नम्बर 2 की मारकृत नम्बर 4 में जाती है।

सनीचर-पथर या संगमरमर

चंद्र-चांदी

शुक्र-रोटी पकाने के लिये

बुध-गोल चक्कर

सूरज नम्बर 12-सनीचर नम्बर 2

अगर औरत शराब पीवे तो सूरज

सनीचर टकराएंगे

साधु-चोर-सांप-समुराल

जा रहा हो लोहे का ट्रंक हो

और सोना ट्रंक में हो। और साधु ट्रंक उठावे तो मुश्किल से ही ट्रंक पहुंचेगा।

उपाओः:- 43 दिन मंदे में बादाम ज़रूरी।

मंगल नम्बर 4-मामे की औलाद है।

समुराल के घर पूजा पाठ न करें। समुराल घर चालाकी से रहे

तो ठीक रहे।

नहीं तो हर रोज़ नया जूता मिलेगा। 34 साला उम्र तक बचत सिफ़र

बृहस्पत नम्बर 7 } बाप भी मुतबना

मूँग रखने से बाप के साथ

लड़ाई नहीं होगी पहला घर मंगल से

जागे औलाद जितनी (दो पुश्तों)

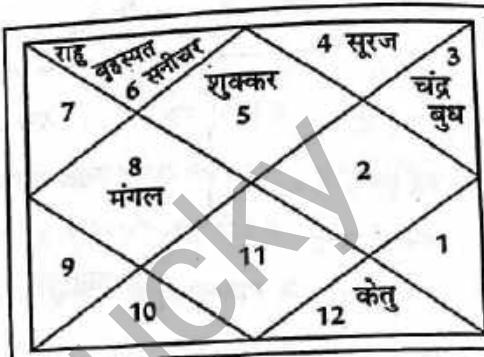
में नहीं मिली टेवे वाले को मिलेगी।

मारकृत-माध्यम से

मुश्किल-कठिन, जटिल

संगमरमर का चक्कर

जन्म दिन $23\frac{7}{22}$



मामे-मामा (माता का भाई)

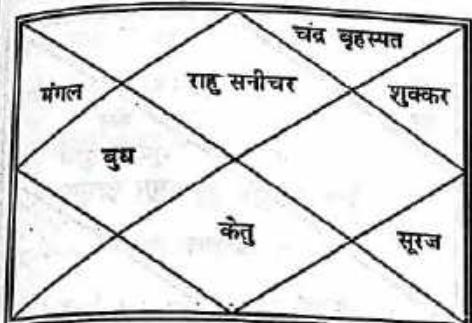
पुश्तों-वंशों, नस्लों

सिफ़र-शूल्य

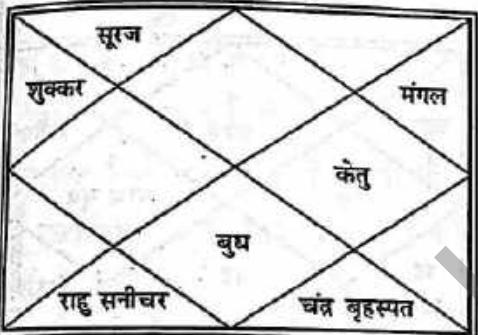
औलाद-संतान



38



31



39



जन्म कुण्डली



देरीना (दो तीन साल की छपाकी रोकने के लिए बीमारी के दौरान में सितम्बर सन 1915 तीन दिन बाहर के कुत्ते को गोश्त देने से मर्ज़ दूर होगी)

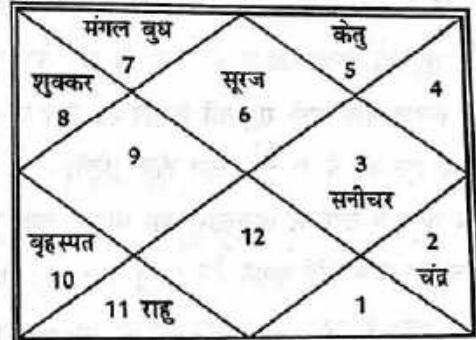
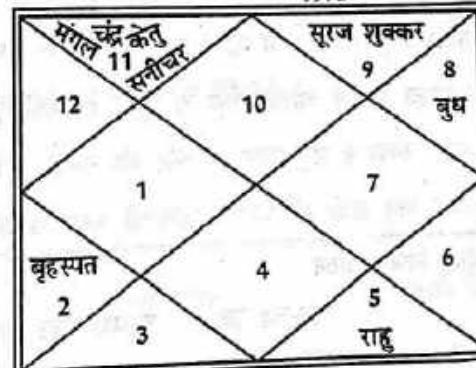
35



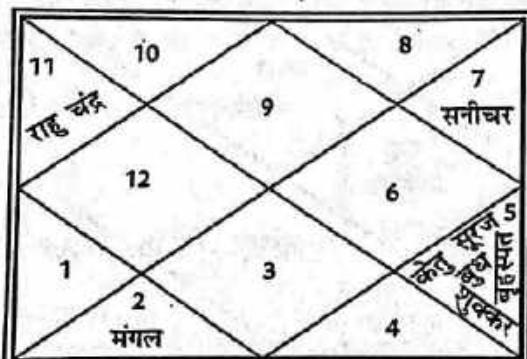
लड़का 2 साला उप्र का उस बक्त है तपेदिक्क अपनी बद चलनी से हासिल किया मकान 39 में बनाया ससुर जिन्दा है इसलिये मकान की मगरिबी तरफ (नम्बर 8) राहु ने दोबारा कुरेद ढाली और खुद ससुर ने मगरिबी दीवार गोड़ कर बनवाई

ससुर ने दोबारा खुद ज़मीन दी थी मकान गर्वनमेंट ने ले लिया

2 लड़के पेट चाक कर के निकाले। (सूरज शुक्रकर)

जन्म दिन 30 $\frac{12}{1975}$ 

भादो संवत् 1953



54 वां साल



※ राहु- (कोयला या खोटा आना) दरिया
में डालने से आंखों को फ़ायदा होगा

पहले टेवे वाले का लड़का थोड़े
दिन अन्धा रहा फिर टेवे वाला अन्धा हो गया
दिमाग् (राहु) में अचानक ख़्याल आकर अन्धा
हुआ-डेलों का मालिक चंद्र और सनीचर का मालिक
सनीचर राहु देखे सनीचर को तो राहु सनीचर के मातहत

नहीं होगा। सनीचर देखे राहु को तो राहु मातहत हो जावेगा। जहां पानी आ जावे
तो राहु का भूंचाल ठण्डा हो जाता है। और रुक जाता है इसलिए चंद्र को यहां
से हटाया जावे यानी राहु की मियाद 42 दिन के वास्ते पानी न पीवे। और हुक्का
पीना शुरू कर दे $18 \frac{12}{49}$ नज़र ठीक होगी।

18 साल से टांग पर फुलबहरी-यह बीमारी सारी उम्र रहेगी
नानका घर में कोई बाक़ी है? (केतु नम्बर 9) नहीं।

केतु नम्बर 8 सूरज बुध वृहस्पति नम्बर 10 और नम्बर 4 ख़ाली राजयोग लेकिन क्या सिर पर
पगड़ी जन्म से ही नहीं बांधी पगड़ी जन्म से ही नहीं रखी
शुक्र केतु नम्बर 1 में लावल्दी लेकिन अगर नम्बर 5 अच्छा हो जावे तो नहीं
33 साला उम्र में औलाद पैदा हो चुकी है। स्त्री दुखिया रहेगी

शुक्र नम्बर 9 राहु नम्बर 3 और चंद्र नम्बर 5 से टांग हो रहा है।

शुक्र केतु कहीं भी इकट्ठे लावल्दी अगर ख़ाना नम्बर 5 मंदा हो जावे लेकिन इस टेवे

ख़्याल-विचार, ध्यान

चंद्र-चंद्र ग्रह

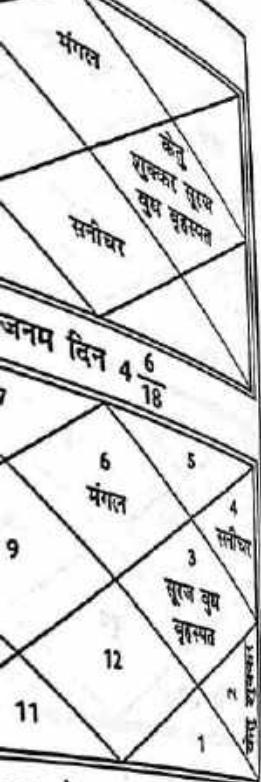
फ़ायदा-नफ़ा, लाभ

मातहत-अधीन, सहायक

मियाद-तय समय

लावल्दी-निःसंतान

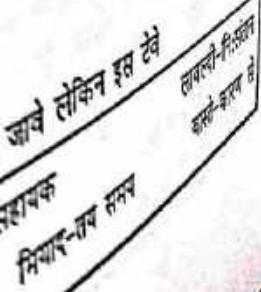
वास्ते-कारण से



आ जावे
को यहां
और हुक्का

लेकिन क्या सिर पा

जावे तो नहीं



मैं नम्बर 5 में चंद्र है और खाना औलाद रोशन है।

अगर शादी न करे तो आंखों से अन्धा हो जावेगा

चाचे दो भाई आप अकेले

भाई मंगल नम्बर 6

जिस दिन से शादी हुई ससुराल गर्क

हुए — सनीचर नम्बर 2

दूसरी शादी सूरज शुक्रकर दो लड़के

क्या औरत को खून की बीमारी तो

नहीं हुई खून लगातार तो नहीं आता

3 सोने की चूड़ियां बेची तो नहीं

पांच साल पहले चूड़ियां बनवाई तो नहीं गई

48 49 उड़ों में चूड़ियों ने बोलना था। मकान में फिसल कर

गिरी और चूड़ियों

को डाक्टर ने कैंची से कादा।

चूड़ियों में ज्यादा तांबा
सूरज सूरज बृहस्पति सूरज शुक्रकर

सूरज डाल दिया गया है सोना तांबा स्त्री की।

तीन चूड़ियां जब लड़का पैदा हुआ तो औरत बीमार हो गयी

दो नर ग्रहों में शुक्रकर (लौंडी) कँद हो गया। मंगल बुध साथ है। ज़ेवर का

बक्सा लोहे या तांबा पीतल का नहीं है बक्स ऐसा है जो लकड़ी का पत्थर का है।

यह चूड़ियां इसी में रखी जाती हैं। जब लड़का पैदा हुआ था तो बक्स उस बक्स

खोरी गया। ऐसी चूड़ियों का असर बुरा माना है। कभी

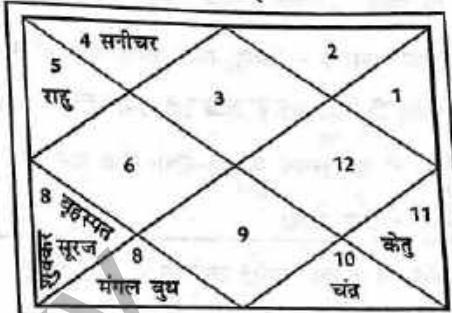
औरत की टांग पकड़ती हैं

और कभी कान ओर कभी आंख। इन चूड़ियों को औरत के हाथ से उतरवा दिया जावे

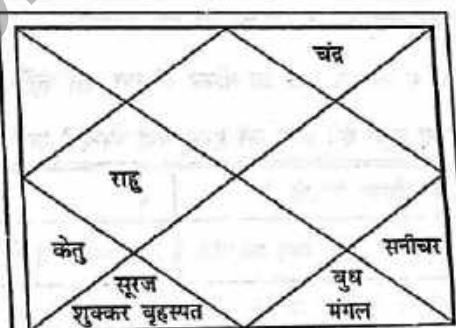
और उसके हाथ पर तागा डाल दिया जावे

क्या आंखों का आपरेशन करवाना है। हां

कार्तिक संवत् 1943



64



एक-बर्बाद, नष्ट, तबाह

लौंडी-कनीज़, नौकरानी

बक्स-समय

औलाद-संतान

बुध नम्बर 8- अगर 6 बच्चे कायम हों तो आपरेशन आंखों का ठीक नहीं होगा।

शुक्रकर नम्बर 6- तादाद बच्चों की 6 तक करेगा अगर खाना नम्बर 2 से बृहस्पति मिलेगा बर्षफल में मिल रहा है बच्चे इस बक्त धार्म हैं। इसलिए आपरेशन करवाना ठीक होगा और त के हाथ कनक या गुड़-तांबा-सोना-दाल चना लगवा कर मन्दिर में रखने के बाद आपरेशन ठीक रहेगा।

फ़क़ीर की कुतिया शहतूत खाने के वास्ते बाहर गई लेकिन हवा न चलने से शहतूत दरख़त से नहीं गिरे और थक कर घर वापिस आ गई। लेकिन घर में मालिक रोटी खा पीकर सो गये और कुतिया को भूखी रहना पड़ा। ऐसे प्रानी की हुबहू यही ज़िन्दगी होगी।

नर औलाद कितनी है	4
बड़ा लड़का 7 साल का है?	11 साल का है।
गव्हर्नमेंट सर्विस की है?	हाँ
माता जिन्दा है?	हाँ
बड़ा भाई है?	मर चुका है

मकान बनने पर शुक्रकर का झांडा-सनीचर बृहस्पति

शुक्रकर के साथ सनीचर मदद दे भी रहा है

ईश्वर प्राप्ति धरम अवस्था ठीक है

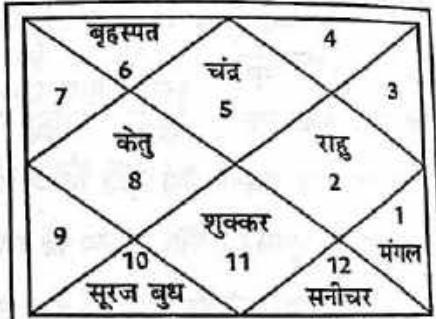
बगला भगत-जब ईश्वर का ध्यान करके आसन पर बैठेगा तो

पीछे से खाना नम्बर 8 से सांप आएगा और गद्दी उठाकर भागना पड़ेगा

जन्म दिन $2 \frac{12}{36}$



जन्म दिन माघ संवत् 1966 27 $\frac{1}{10}$



बृहस्पति नम्बर 2

सनीचर नम्बर 8

कनक-गेहूं
फ़क़ीर-साधु, सन्यासी

दरख़त-पेड़

कुतिया-कुतिया

हुबहू-बिल्कुल एक जैसी, जैसा

वास्ते-कारण से

प्रानी-जीव इसान

बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

जब तक लड़का मुलाजिम नहीं होता नौकरी ठीक चलेगी
तरक्की में गड़बड़ बयों?

नीते (राह) ना बाली अंगूठी कब ली सन् 1949 से
क्या कोई बच्चा मकान से नीचे तो
नहीं गिरा? हाँ लड़की दरख़त से नीचे गिर गई
राहु नम्बर 5-बिजली।

सूरज बुध नम्बर 8-बिजली लड़की पर
पड़ी

तरक्की के लिए - गऊ ग्रास हर रोज़ ज़रूरी।

बुध नम्बर 8-चीनी बर्तन में ज़मीन देज़ करने से लानत दूर होगी
आबादी के बाहर दिन के बक्तु

42 साला उम्र से तरक्की के बास्ते सस्ता साफ़ होगा

माली हालत कब ठीक होगी? जब तक माता से नेक ताल्लुक रहे माली हालत उम्दा रहे मकान 24-33-36
साला में तो नहीं बनाया गया? नहीं

तो जदूदी मकान के मशरिक की तरफ कुआं तो नहीं? चंद्र क़ायम नहीं

अगर कुआं नहीं तो सूखा कुआं भी नहीं? नहीं

माली हालत ठीक करने के बास्ते मकान के मशरिक की तरफ कुआं है उसमें चावल
डालने से ठीक होगी।

जब 33 साला उम्र थी तो उसी कुआं ने दोबारा बनना था

अगर घर में कुआं है तो क्या उसके ऊपर छत तो नहीं? छत है।

क्या बाप बाबा नानी नाना को दमा तो नहीं हुआ। पिता 7 माह से बीमार है?

कुआं में केसर डालने से माली हालत नेक होगी। और पिता की बीमारी को आराम होगा।

अगर बाप जदूदी मकान में इस साल रहे तो भी सेहत हो जावे (पिता की)

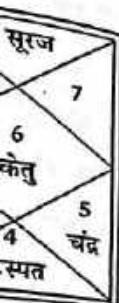
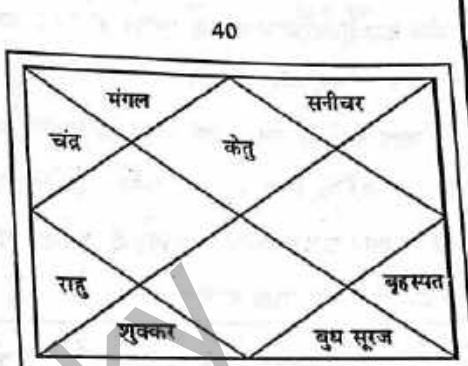
मुलाजिम-नौकर
ताल्लुक-संबंध

दरख़त-पेड़

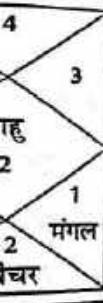
ज़मीन दोज़-ज़मीन के अन्दर

गऊ-गाय

मशरिक-पूर्व दिशा
जदूदी मकान-पुराना मकान



5 27 1
10



ब्रह्मर 2

ब्रह्मर 8

जीव इंसान
बृहस्पति ग्रह

क्या स्त्री और संतान का सुख है? बुध नम्बर 6

अगर लड़की जद्दी मकान के शुमाल को तरफ आही जावे तो दुखिया रहेगी

क्या मकान नया बनेगा? सनीचर नम्बर 8

42 साला उम्र तक मकान नहीं बनेगा मकान नहीं क्लिंस्टान होगा

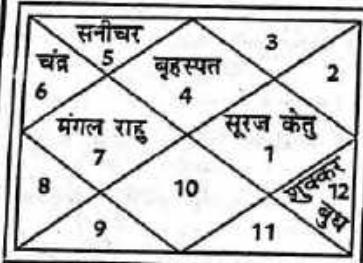
चंद्र (दरिया) के सामने सनीचर (पत्थर) है। और दरिया रुक गया है और निकलने का रास्ता नहीं है
लेकिन उसके सामने बृहस्पत (केसर) है इसलिए दरिया को रास्ता बदलना पड़ेगा जो कुआं
में केसर डालने से रास्ता बदलेगा।

किसी एक राजा की रानी जो उसने छोड़ दी थी

मूल 29 $\frac{4}{20}$ रानी को जन्म कुण्डली

मूल 6 $\frac{7}{40}$ रानी के बड़े लड़के की जन्म कुण्डली

मूल 6 $\frac{6}{41}$ रानी के दूसरे लड़के की जन्म कुण्डली



2 $\frac{9}{44}$ से पहले राजा ने ऊपर के टेवे वाली रानी को घर से निकाल दिया बच्चे

उसके साथ चलते कर दिये। और खुद अपने खानदानी खून की एक

लड़की से शादी कर ली जो हिन्दू धरम के मुताबिक उसकी बहन बेटी (बुध) के दर्जा की हो सकती है
ऐसी शादी होने के तीन साल बाद पहली रानी अपने प्रानी राजा के घर बार में बहाल हुई।

उपाओ करने से पहले रानी को घर से दर-बदर हो चुकने को 2 साल हो चुके थे। खांड का बर्तन

(मंगल बुध) धरम अस्थान खाना नम्बर (2) में 9 दिन (जहां कि शुक्र बुध जन्म कुण्डली में हैं)

वक लगातार दिया गया। और रानी का नाक छेदन (बुध नम्बर 9 का उपाओ) जो पहले न किया गया था उपाओ
के दिनों में करवा दिया गया था।

शुमाल-उत्तर दिशा

क्लिंस्टान-इमशानधाट

प्रानी-जीव, इंसान

मुताबिक-अनुसार

उपाओ-उपाय

17 से 19 साला उम्र में नये

मकान बनाये गये उम्र की 3 साला

फ़र्क पर बहन मौजूद 17 साला उम्र से

(बुध का मन्दा ज़माना) शुक्कर नम्बर 11 स्त्री

ताल्सुक भगर बृहस्पत नम्बर 11 हवाई ख़्याल

और आख़री नतोजा केतु नम्बर 4 बीर्यपात, मुश्तकनी शुरू हुई जो 21

साला उम्र में ज़ोर

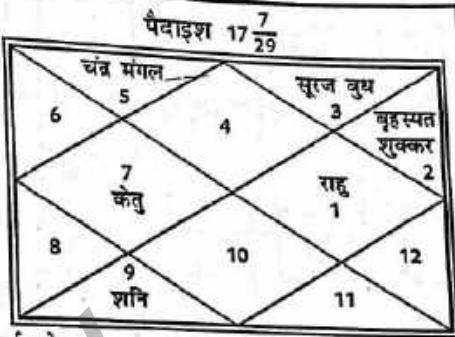
पर पहुंची और राहु 21 साला उम्र की लहरें। दिमाग़ी बुध को दायरे में चल उठीं

यानी खुदकुशी और पागलपन की निशानीयां होने लगीं। लेकिन दर असल कमी बीर्य का नुकस

पोशीदा रहा। और शादी की तजवीजें बेमानी तसव्वुर हुईं

उपाओः- बुध नम्बर 12- फौलादी लोहे का छल्ला जिस पर क़ायम करना और शनि

(लोहा-मछली का तेल) या चंद्र (चांदी-बुध) के ज़रिये दवाईयां मददगार होगीं।



स्ता नहीं है

इ दी थी

लड़के की जन्म कुण्डली



हो सकती है

बर्तन

ली में हैं)

या गया था उपाओ

उपाओ-उपाय



वसव्वुर-कल्पना

खुदकुशी-आत्महत्या

मुश्तकनी-हस्तमैथुन, पहलवानी

नुक़स-कमी, त्रुटि

राज योग टेवे

जब नीचे दिये घरों में ग्रह बैठे हों तो आमन राज योग होगा।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बुध शुक्रकर	सूरज	-	-	-	-	-	-	-	चंद्र बृहस्पति	मंगल	-
बुध शुक्रकर	-	-	-	चंद्र बृहस्पति	मंगल	-	-	-	-	-	सूरज
बुध	-	-	-	चंद्र बृहस्पति	मंगल सनीचर	-	-	-	-	-	-
सूरज	-	-	-	बृहस्पति	-	-	-	-	-	-	-
बृहस्पति	-	-	-	सनीचर	-	-	-	-	-	-	-
सनीचर	-	-	-	मंगल	-	-	-	-	-	-	-
मंगल	-	-	-	सूरज	-	-	-	-	-	-	-
सूरज	-	-	-	बृहस्पति	-	-	-	-	-	-	-
चंद्र	बुध	-	-	सनीचर	-	-	-	-	-	-	-
मंगल सनीचर	-	-	-	शुक्रकर	मंगल	-	-	-	-	-	-
चंद्र मंगल सनीचर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	चंद्र सूरज
सूरज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	सूरज
चंद्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सनीचर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
चंद्र	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	बृहस्पति
मंगल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	सनीचर
मंगल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	सनीचर
सूरज	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	चंद्र
A बाबी 6 ग्रह किसी तरह भी नाखर A के घरों में A											
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बृहस्पति	-	-	-	-	-	-	-	-	सूरज	बुध शुक्रकर चंद्र	-
सनीचर	-	-	-	मंगल	-	बुध	चंद्र	सूरज	शुक्रकर	-	-
बुध	-	-	-	मंगल सनीचर	-	चंद्र	बृहस्पति	-	शुक्रकर	-	-
सनीचर	-	-	-	सूरज	शुक्रकर	-	-	-	मंगल	सनीचर	-
बुध	A	A	-	-	-	A	-	-	बृहस्पति	-	-
सनीचर	-	-	-	चंद्र	-	-	-	-	चंद्र	बृहस्पति	-
मंगल	सनीचर	-	-	बृहस्पति	-	-	-	-	A	बृहस्पति	-
बृहस्पति	बृहस्पति	-	-	शुक्रकर सूरज	-	बृहस्पति	-	-	A	बृहस्पति	-
शुक्रकर बृहस्पति	बृहस्पति	-	-	शुक्रकर	सूरज	बृहस्पति	-	-	चंद्र सूरज	बुध शुक्रकर मंगल	-
सनीचर	-	-	-	सनीचर	-	सनीचर	-	-	चंद्र	सनीचर	-
	-	-	-	सनीचर	-	सनीचर	-	-	सनीचर	-	-

फरमान नम्बर-16

ग्रह और पक्के घरों

की मुतालिलका

(1) अश्या

(2) रिश्तेदार

और

(3) कारोबार (पेशा वर्गेरह)

(पैवस्ता)

ख़ाना वार अश्या

इस हिस्सा में कुण्डली के बारह ही ख़ानों की मुख्तालिफ़ ताक़तें और मुतअल्लिक़ा चीज़ें दर्ज की गई हैं और साथ ही नौ ग्रहों की मुतअल्लिक़ा अश्या, रिश्तादार और कारोबार मुतअल्लिक़ा हर ग्रह मुफ़सिल तौर पर लिखे गये हैं। जिसका मतलब यह है कि जब कोई ग्रह अच्छा हो तो उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या रिश्तादार और कारोबार ग्रह मुतअल्लिक़ा फ़ायदा मंद होंगे और मंदी हालत में मंदे ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या रिश्तादार और कारोबार मुतअल्लिक़ा से परहेज़ बेहतर होगा इस से आगे चलकर हर एक ख़ाना की मुतअल्लिक़ा चीज़ें और ताक़तें इन्सानी कारोबार में दख़ल अन्दर होंगी मसलन सूरज ख़ाना नम्बर 4 में राज योग की हैसियत से बैठा हो तो ख़ाना नम्बर 4 (बहैसियत जन्म कुण्डली बारह घरों में से चौथे घर की चीज़ें और साथ ही सूरज की ख़ाना नम्बर 4 जो फलादेश में सूरज नम्बर 4 में लिखी हैं) की चीज़ें रिश्तादार और कारोबार मुतअल्लिक़ा भी हर तरह से उत्तम होंगी।

जब कोई ख़ाना ख़ाली ही हो तो उसको जगाने के लिए जिस ग्रह के मुतअल्लिक़ा चीज़ों की ज़रूरत हो वह भी इस फ़ेहरिस्त से मदद मिल सकती है या यह ख़्याल रखा जा सकता है कि जब किसी ग्रह का फल किसी ख़ास घर में बुरा लिखा हो तो उस ग्रह की मुतअल्लिक़ा अश्या से परहेज़ मंदे वक्त में मदद देगा। मसलन शुक्कर नम्बर 9 का फल अमूमन धन हानि हुआ करता है इसलिए जब किसी का शुक्कर बमूजिब वर्षफल ख़ाना नम्बर 9 में आवे तो उस प्रानी को स़फ़ेद (दही रंग) गाय ख़रीद कर लाने से दूरी बेहतर होगी। ऐसे शख़्स को (जिसका जन्म कुण्डली के हिसाब से शुक्कर नम्बर 9 में हो) तमाम उम्र ही स़फ़ेद गाय कोई नेक फल न देगी और ख़ास कर जब जन्म कुण्डली का नम्बर 9 शुक्कर दोबारा नम्बर 9 में ही आ जावे तो उस साल में तो स़फ़ेद गाय जो नई ख़रीद कर लाई जावे (अगर कोई स़फ़ेद गाय पहले की मौजूद हो तो

मुख्तालिफ़-विभिन्न प्रकार के

फ़ेहरिस्त-सूची

मुतअल्लिक़ा-संबंधित

बहैसियत-क्षमतानुसार

मुफ़सिल-विस्तारपूर्वक

अमूमन-आमतौर से

अश्या-चीज़े, वस्तुएं

कोई बहम की बात न होगी ज़रूर ही सिर पर कफन बांधे हुए मुसीबत दर मुसीबत
में नुकसान पर नुकसान हो जाने का अन्देशा होगा।

देवारा फिर यह ख़्याल रहे कि इस जगह बारह ही पवके घरों और 9 ही ग्रहों की जो जो
चीज़ें लिखी गई हैं उनका यह मतलब नहीं कि वह ज़रूर ही फ़ायदा मंद और मुवारक हैं या
नुकसान दर नुकसान ही करेंगी। मतलब सिर्फ़ यह है कि टेबे के मुताबिक़ दिए हुए
ग्रह का बैठे हुए घर के हिसाब से जो भी अच्छा या बुरा फलादेश लिखा है वह सिर्फ़
उसी वक्त ही फ़ायदे मंद होगा जब कि उस ग्रह उस बैठा होने वाले घर के मुताबिक़
लिखी हुई चीज़ कायम हो जावे और कायम भी उस वक्त होवे जिस वक्त कि वह
ग्रह वर्षफल के मुताबिक़ उस दिए हुए घर में आ बैठे। मिसाल के तौर पर
शुक्रकर नम्बर 9 का ऊपर ज़िक्र कर दिया है।

दिमाग़ के 42 ख़ाने

(1) इन्सान का सिर (दिमाग़ी ताक़तें राहु की मगर सिर का ढांचा गोल हिस्सा या खोपड़ी बुध का)

कुण्डली का ख़ाना नम्बर 12 होगा।

(2) कान के सुराख़ से 90° दर्जा पर सिर और अबू भवों भरोटे) की तरफ़ खींचा

हुआ ख़त दिमाग़ का हिस्सा को पेशानी से अलाहदा करता है।

(3) दिमाग़ के ख़ाने बच्चे की 7 साला उम्र में पूरे तौरं पर मुकम्मल हो जाते हैं गोया

7 बुजौं या ग्रहों का असर कुण्डली के 12 ख़ानों में हो चुकता है और 35 साल में तमाम

ग्रह अपना-अपना दौरा (ख़ाना नम्बर 1 में आ कर हुकूमत करने का चक्कर या अहदे हुकूमत का ज़माना)

पूरा कर लेते हैं-12 साला उम्र तक बच्चे की रेखा का एतबार नहीं और-12 साला उम्र के बाद

किस्मत के बदलने की उम्मीद और 35 साल के बाद दूसरा चक्कर माना गया है

यह दिमाग़ी ख़ाने सिर के ढांचे के अन्दर दाएं बाएं तरफ़ हूं ब हूं एक ही

माने गए हैं इसलिए दाएं बाएं हाथ की बुनियाद पर नेकी-बदी-तख्त-बख़्त

मुताबिक़-अनुसार

तख्तदीर-भाग्य, किस्मत

अलाहदा-अलग

गदाई-भीख मांगने का काम

मुकम्मल-सम्पूर्ण

हुं ब हूं-बिल्कुल एक जैसा, जैसी

तदबीर-उपाय, इलाज, चतुराई

किस्मत-भाग्य

— अब यह अपने गुरु-गड़—कोत हर तरफ दो पहलू मुकर्रर करते हैं।

शाही-गदाई-तदब्बार-तकदार-नर-मादा-मद-आरत-राहु-कानू

(4) 42 खाने राह को ही 42 साला मिथार का रेजवाना हो जाता है। यहां तक कि 26 से 42 तक यह खाने राह का विवर दिया जाता है। तो 26 खानों के नहीं जैसे हैं जिनका इलम सामुद्रिक में ज्यादा ताल्लुक नहीं

(5) खा
गिना है।

- (1) इश्क-प्रेम
 (2) शारी ख़ुल्हिशा-शादी की इच्छा
 (3) बाल्टीनी मोहब्बत-माता पिता को चाहत
 (4) तालावर दोस्ती-मित्रता की शक्ति
 (5) मोहब्बत बहन-देरा प्रेम
 (6) दिलचस्पी-रुचि, मोरंजन
 (7) तमना-कोपना, लालनस
 (8) मज़बूती-दृढ़ता, उपकापन

(28) शापिक्ता-याद, रखेने की क्षमता
 (29) चाकूत चालासुख-संकंप रखने की क्षमता
 (30) ताकूत मुताबिलापन-मापन, गतिशील
 (31) मर्म-रंग, दाढ़-रंग रंग में गतिशील
 (32) कालिया संरक्षण-वाली स्वच्छता
 (33) इलाया स्विच्चनी-गीता रात्रि

- (34) याद मुकाम-मूर्ति, लक्ष्मी
 (35) ताकृत छद्मी-छद्मी की शब्दित
 (36) फारिस-स्नातक
 (37) यात्रियां हैं, यात्रियां हैं
 (38) ज्ञानात्मी-माना, ज्ञाना

(21) हमदर्दी-सहानुभूति
 (22) अकल जाती-व्यक्तिगत, सूझ बूझ
 (23) परसंदीरणी-रुचि
 (24) होसला-उत्साह, हिम्मत
 (25) ताकृत नक्ल-प्रतिलिपि की शब्दित
 (26) ज्याफ़त-हँसी, ठोक्स
 (27) गौरे खौज-सोच विचार

- (6) आम इस्तेमाल में दिमाग का बायां हिस्सा आता है और कभी ही अचानक कुदरती तौर पर एक ही हिस्सा के असर में दूसरे हिस्से का कोई ख़ाना असर डालता है जो रेखा में मेख (सूरज को मेख राशि जहां कि सूरज ऊंच माना है बढ़ कर देना या दुनिया की तमाम ताकतों के बराबरिलाफ़ काम कर दिखाना) लगा देवें।

इन तमाम ख़ानों का असर इन्सान के दाएं और बाएं हाथ से मुतअल्लिका है कूदरत को।

गदाई-भीख मांगने का काम
मकर्स-निधारित निश्चय

सियाह-समय अनुभिति

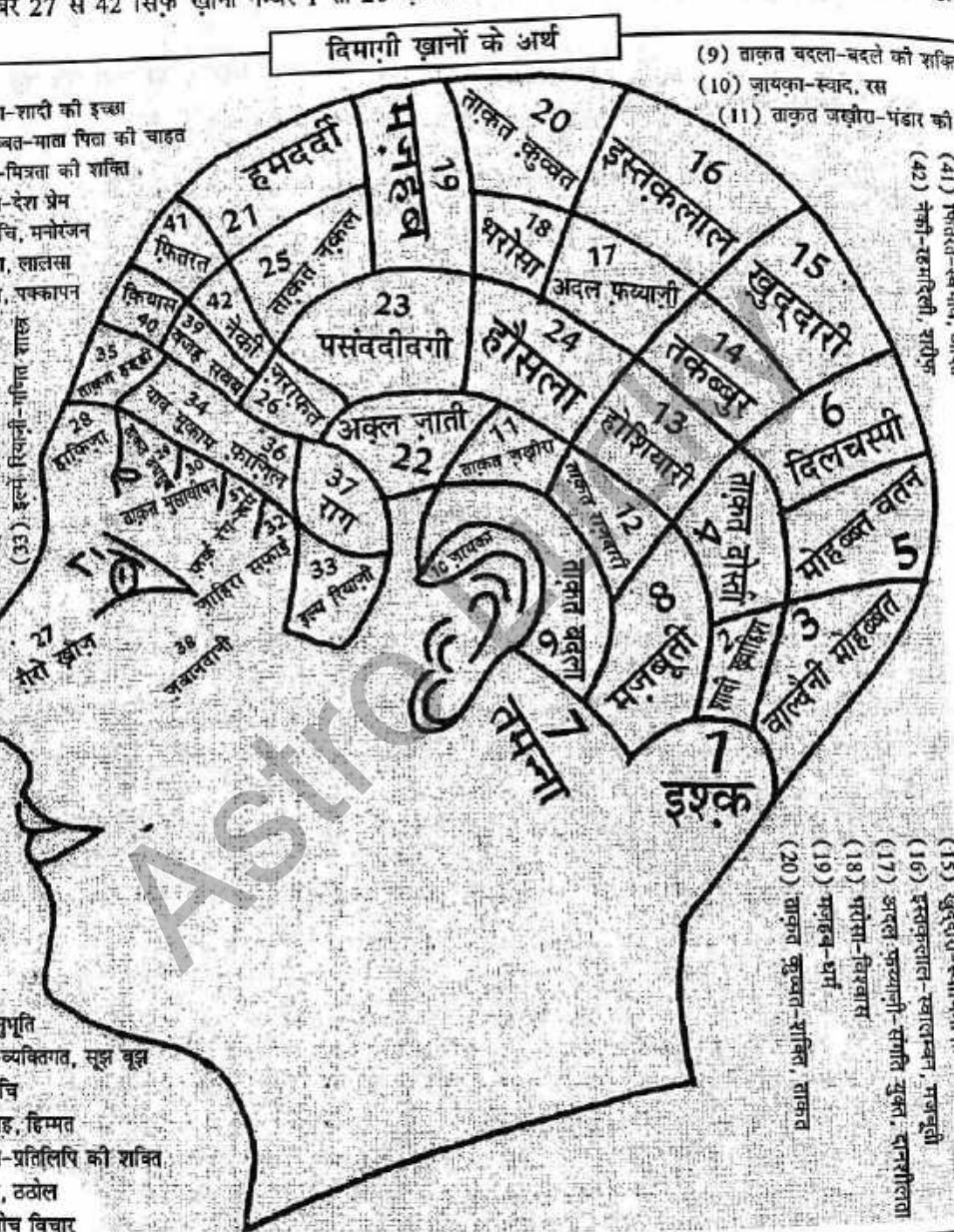
वरखिलाफ-विरोध उल्टा

उत्तरी भारत इतिहास

८-३४८, इलाज

तकदीर-भाष्य, किस्मत

ताललुक-संवंध



सितारें क
से ज़ाहिर
दि
में अपना
से माने ग
जगह पर

वही हा
की होग

इन्सानी
जो राहि

अव
ग्री

सितारों का असर दिमाग के खानों पर होगा। दिमाग का अक्स हाथ की रेखा के दरियाओं के पानी से ज़ाहिर होगा।

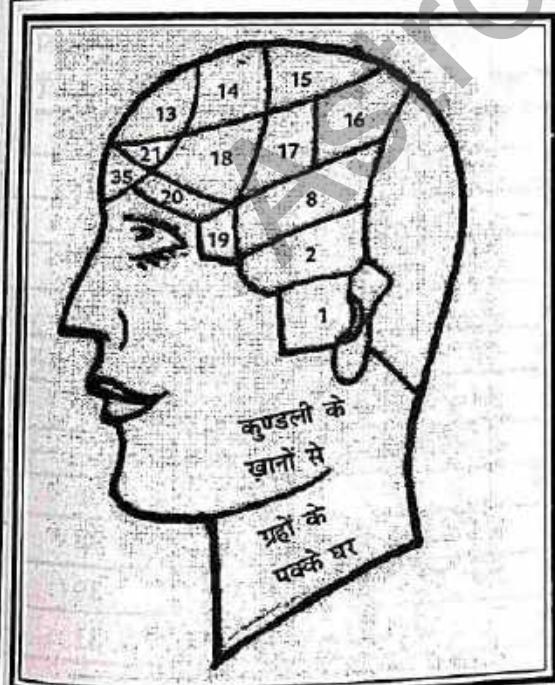
दिमाग का बायां हिस्सा दाएं हाथ पर और दिमाग का दायां हिस्सा बाएं हाथ पर रेखा के दरियाओं में अपना अक्स डालता है जिस तरह से दिमाग में यह दुकड़े मुकर्रर जगह और मुकर्रर हिन्दसों से माने गये हैं इसी तरह उनका असर देखने के लिए सामुद्रिक में बुर्ज और ग्रह हमेशा के लिए खास खास जगह पर मुकर्रर कर लिये गए।

कुण्डली व दिमाग का ताल्लुक़

ग्रह अकेले अकेले या मुश्तरका होकर जो हाल इन्सान की दिमागी हालत का कर सकते हैं हूँ व हूँ वही हालत इन्सानी किस्मत की वह ग्रह कुण्डली में करेंगे या जो हालत ग्रहों के हिसाब से उसकी किस्मत की होगी वही हालत उसके दिमाग की होगी।

ग्रहों के पक्के घर दिमाग के 12 बारह खाने

इन्सानी दिमाग के यही 12 खाने कुण्डली में ग्रहों के पक्के तौर पर मुकर्रा घर हैं जो राशियों से याद किये गये हैं। दिमाग के दाएं और बाएं हिस्सा में उसी गिनती के हैं

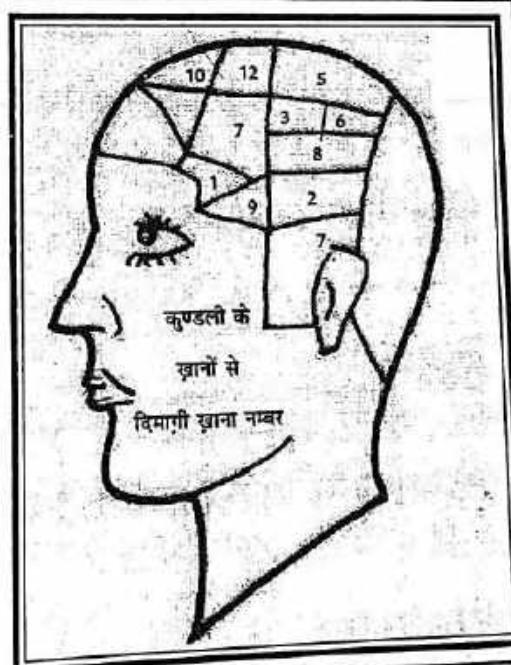


अक्स-चित्र, परछाई

हिन्दसों-अंक

मुकर्रा-निर्धारित, निश्चित

सामुद्रिक-वह विद्या जिसमें मनुष्य की हथेली की रेखाएं देख कर शुभ अशुभ फल बतलाए जाते हैं



मुश्तरका-मिले जुले

ताल्लुक़-संबंध

लगन को खाना नम्बर 1 दे चुकने के बाद जब जन्म कुण्डली लाल किताब के मुताबिक़ फलादेश देखने के लिए तथ्यार हो जावे तो नीचे दिये हुए कुण्डली के खानों के सामने दिए हुए दिमागी खाना नम्बरों में ग्रह भर दें और फिर उन दिमागी खानों में दिए हुए ग्रहों के ताल्लुक से जो भी उस प्रानी की दिमागी ताक़तें हों वह देख लें मसलन किसी के टेवे में मन्दरजाजैल ग्रह चाल हो, तो उसमें कौन-कौन सी दिमागी ताक़तें मौजूद होंगी।

नाम ग्रह	कुण्डली के किस खाना नम्बर में बैठा हो	कौन से दिमागी खाना नम्बर की ताक़त का मालिक होगा।
बृहस्पति	4	21- चंद्र से मुश्तरका हमदर्दी या रहममिजाजी
सनीचर	8	14- मंगल बद से मुश्तरका तकब्बुर या खुद पसन्दी का मालिक होगा।

कैफियत	दिमाग के किस खाना नम्बर से मुतअल्लिका होगा	कुण्डली का खाना नम्बर
जन्म कुण्डली के सब खाना नम्बरों को मिटा कर लगन को एक गिन कर लाल किताब के मुताबिक जब 12 खाने पूरे हो चुके हों तो देखें कि जिस जिस खाना नम्बर में हर ग्रह बैठा है कुण्डली के उन उन खानों में दिमाग का कौन कौन खाना नम्बर मुतअल्लिका है फिर देख लें कि उस दिमागी खाना नम्बर की रवैये से टेवे वाले में कौन कौन सी ताक़तें कायम होंगी।	20 2 17 21 15 16 1 शुक्र 18 बुध 8 19 13 35 14	1 2 3 4 5 6 7 7 8 9 10 11 12

मन्दरजाजैल-निम्नलिखित

तथ्यार-तत्पर, संपूर्ण

मुतअल्लिका-संबंधित

तकब्बुर-अभिमान, अहंकार

मुताबिक-अनुसार

शुक्र-शुक्र ग्रह
रहममिजाजी-दया स्वभाव

इन्सानी दिमाग़ की लहरों या 42 दिमाग़ी ख़ानों की त़फ़सील

दिमाग़ी ख़ाना नम्बर	कुण्डली का ख़ाना नम्बर	ग्रह	ताक़त	कैफ़ियत
1	1	शुक्र से मुतअल्लिक़ा	इश्क़ बाज़ी	वह मुहब्बत जो औरत के मुतअल्लिक़ा हो इश्क़ से पहली मुहब्बत का नाम उत्फ़त है जिसके बाद इश्क़ की लहर शुरू होती है और ऐसी ताक़त मर्द और औरत में 16 से 36 साला की उम्र तक तरक़ी और ज़ार पर होती है।
1	1	सनीचर से मुश्तरका	इश्क़ जुबानी	शुक्रकर का पतंग जुबान से ही इश्क़ की पुलबाज़ी चारों तरफ़ की खुदग़र्ज़ी जब सनीचर की काग़ रेखा (मंद सनीचर) वरना हमदर्दी जब सनीचर उम्दा।
2	2	बृहस्पत से पेशानी का दरवाज़ा	शादी की ख़ाहिश	यके बाद दीगरे शादी के ख़्यालात इश्क़ के बाद का गलबा, इश्क़ जो 37 ता $\frac{70}{72}$ साला उम्र तक लहरें मारता होगा। जिसके बक़्त बूढ़ी औरत भी 100 चूँहे खाकर बिल्ली हज को गई की तरह पासाई की तलाश में होगी।
3	3	शुक्र से मुश्तरका	प्यार या बाल्दैनी मोहब्बत	मोहब्बत जो कि औलाद की मुतअल्लिक़ा हो दिमाग़ी ख़ाना नम्बर 1-2 का नतीजा ही है मगर इस का ख़ाना अलाहदा है।

मुतअल्लिक़ा-संबंधित
ख़्यालात-विचार, ध्यान

मुश्तरका-मिले जुले
उत्फ़त-प्यार, मोहब्बत

ख़ाहिश-चाह, लालसा, इच्छा

पुलबाज़ी-लम्बी लम्बी बातें

पासाई-संयम, परहेज़, इत्रिय निग्रह

गलबा-प्रभुत्व, सत्ता

3	3	मंगल से मुश्तरका	उल्फ़त	इश्क़ से पहली मोहब्बत का नाम उल्फ़त है जो उम्र के 1 ता 15 साला उम्र तक चलती होगी
4	4	चंद्र से मुश्तरका	दोस्ती या मुलाक़ात की ताक़त	खुल्क़ यानी उल्फ़त इश्क़ और ग़लबा इश्क़ तीनों ही ताक़तों का मजमुआ किसी के ऐब पर पर्दा और खूबी पर नज़र डालने की ताक़त।
"	"	मंगल बद से मुश्तरका	तबाही की आदत	मोहब्बत के तीनों हिस्सों को तबाह करने वाला ग्रहस्त ख़राब हर तरह की तबाही की ख़सलत।
5	5	बृहस्पत से मुश्तरका	वतन की मुहब्बत	उल्फ़त जिसका ताल्लुक़ घर या वतन से हो कुत्ता दोस्ती में मालिक को नहीं छोड़ता। बिल्ली हुब्बुलवतनी में मकान को नहीं छोड़ती मालिक ने कुत्ता पाला और मकान बदला तो कुत्ता मालिक के साथ गया। उसे मालिक से मोहब्बत है मगर पिछले मकान से मोहब्बत नहीं। इसी तरह ही मालिक ने बिल्ली पाली और मकान बदला तो बिल्ली पिछले मकान की तरफ़ भागी क्योंकि बिल्ली को मकान से मोहब्बत है।
6	6	केतु से मुश्तरका	दिलचस्पी या पक्की मोहब्बत	किसी ख़ास चीज़ से मोहब्बत हर काम के लिए तथ्यार और लगा रहने वाला, काम पूरा किये बगैर न छोड़ना
"	"	शुक्ल से मुश्तरका	" "	औलाद-नरीना की पैदाइश नाम मात्र या कमज़ोर ताक़त।
7	7	शुक्ल से मुश्तरका बुध से मुश्तरका	तमना	ज़िन्दगी बढ़ने की ख़ाहिश उरुज उम्र नहीं चपटे सिर में ज़्यादा तंग सिर में कम होती है।
तथ्यार-तत्पर, संपूर्ण मजमुआ-मिला जुला		उल्फ़त-प्यार, मोहब्बत हुब्बुलवतनी-देश भक्ति, स्वदेश प्रेम		ग़लबा-प्रभुत्व, सत्ता ख़सलत-स्वभाव ख़ाहिश-चाह, लालसा, इच्छा उरुज-उन्नति, तरकी

8	8	मंगल नेक से मुश्तरका	मजबूती	कामयादी हो या न हो मगर अपना काम नहीं छोड़ना, ख़ाह लाख मुसीबत हो।
	"	सूरज से "	"	हर हमला को रोकने की ताकत
9	9	सनीचर का जाती	बदला लेने की ताकत	खुद बदला लेना बरना औलाद को बदला लेने की नसीहत कर मरे।
10	3	बुध से मुश्तरका	जायका	पक्का हाज़मा मजबूत जिस्म।
11	11	सनीचर का जाती	इम्साक ज़खीरा जमा करने की ताकत नामीर इमारत बनाने की ख़ाहिश	पहला हिस्सा-नेस्त यानी जमा करते जाना ख़ाह काम आये या गल सड़ कर बरबाद हो जाये दूसरा हिस्सा-लियाकूत का जबानी में शहद की मक्खी की तरह जमा करना ताकि बुढ़ापे में आराम देवे तीसरा हिस्सा-नालायकी का यानी दूसरे का माल चोरी उड़ा कर उसी बक़ूत खा जाना।
12	12	रहु से मुश्तरका	रज़दरी की ताकत	ख़ालात का उस बक़ूत तक पोशीदा रखना जब तक कि अपनी कुव्वत फ़ैसला उनको बखूबी मंजूर न करे फ़रेब पोशीदा हर काम चालाकी से हर हालत में अपना भैद छिपाना
13	10	सनीचर का जाती	होशियारी की ताकत	अंजाम यानी सिर्फ़ उम्मीद पर बैठा रहने की बजाये लम्बी सोच पर आने वाले बक़ूत से पहले ही काम कर लेना।
14	8	मंगल बद से मुश्तरका	तकब्बुर या खुद पसन्दी	किसी को भी अपने से अच्छा न समझना।

ख़ाह-चाहे
इमसाक-अवरोध, रुकावट

लियाकूत-योग्यता

ख़ालात-विचार, ध्यान
ज़खीरा-भंडारण

तकब्बुर-अभियान, अहंकार कुव्वत-शक्ति
नेस्त-नहीं है, बरबाद पोशीदा-छुपा हुआ

15	5	बृहस्पत से मुश्तरका	खुदारी	खुद अपनी इज्जत मगर हसद से बरी और अपनी अपनी इज्जत के लिये दूसरे की बेईज्जती करना
16	6	केतु से मुश्तरका	इस्तक्लाल	मुसोबत और गर्दिशे अव्याम के वक्त मुस्तक्लिल मिजाजी काम में लगे रहना ख़ाह भला हो ख़ाह बुरा
17	3	मंगल से मुश्तरका	अदल या मुन्सिफ़ मिजाजी	फ़व्याजी दूसरों की बेहतरी चाहना एक को दूसरे पर ज़्यादती करते नहीं देख सकता
18	6	बुध से मुश्तरका केतु से मुश्तरका	भरोसा या उम्मीद " " "	किसी आइन्दा वक्त के लिए उम्मीद करना ख़ाना नम्बर 13 होशियारी टीक तो उम्दा असर वरना फोकी उम्मीद बाइसे तबाही श्री गणेश जी गरुड़ की सवारी
		केतु से मुश्तरका	भरोसा या उम्मीद	भरोसा कुछ हौसले की उम्मीद या आस होगी सिफ़ फोकी उम्मीद नहीं श्री गणेश जी चूहे की सवारी
19	9	बृहस्पत का जाती	मज़हब या रुहानी ताक़त	दुनिया के आख़ीर पर मुआमला फ़हमी चाल चलन के पक्का रखने का फ़ैसला करना कमज़ोर ख़ाना से नास्तिक होगा रुहानियत के बाकी रहने के असूल का एतिकाद
20	5	सूरज से मुश्तरका	इज्जत या बुजुर्गी	दूसरे की इज्जत और परस्तिश (पूजना) और अपने फ़र्ज़ से पूरी अदायगी अन्दर बाहर से नेक बाद में माणिक और पत्थर में मोती की ताक़त
21	4	चंद्र	हमदर्दी या रहम मिजाजी	तंग पेशानी में कम-चौड़ी चपटी में ज़्यादा चौड़ी और बुलन्द में बहुत ज़्यादा।

इस्तक्लाल-दृढ़ता, मजबूती बाइसे-कारण मुन्सिफ़-न्यायकर्ता मिजाजी-आदत, खासियत हसद-ईर्ष्या, जलन एतिकाद-आस्था, विश्वास अव्याम-दिन, ज़माना मुआमला-विषय, संबंध मुस्तक्लिल-चिरस्थाई अदल-न्याय

22	5	बृहस्पति से मुश्तरका	अवृल जाती	चौड़ी पेशानी का सामना हिस्सा उभरा हुआ होता है।
23	6	केतु से मुश्तरका	पसन्दीदगी	हृष्ण बनाव सिंगार, औरत और हर चौज़ ज़ाहिरा खूबसूरत होवे। खूबी या सिफ़त की परवाह नहीं।
24	7	बुध से मुश्तरका	हौसला	सब चातों में तुलन्द हौसलगी मुझ से कोई भी और दूसरा अपनी शान न बढ़ाने पाए।
25	8	पापी ग्रहों से मुश्तरका	नक़ल करने की ताक़त	हर चौज़ के नक़ल करने की ताक़त बहरूपियापन की ताक़त झगड़ा फ़साद। जब पापी मरे या पापी ग्रहों की मर्दी ताक़त की तरफ़ ज़्यादा रुग्बत हो।
26	9	बृहस्पति से मुश्तरका	ज़राफ़त मसख़र्गी	आकिलाना मख़ौल या शुग़लबाज़ी की ताक़त दिललगी खुश तबियत
		बुध से मुश्तरका	हृद से ज़्यादा मसख़र्गी	बेवकूफ़ी भोलापन बहुत ही बुद्ध
27	3	मंगल से मुश्तरका	गौरे खौज़ की ताक़त	बात की तह तक पहुंचने की हिम्मत हर चौज़ के असल सबब पर गौरे खौज़
28	4	चंद्र का ज़ाती	पुरानी यादवाशत	हाफ़िज़ा बहुत दैरीना, गुज़रे हुए वाकिआत की हर-दम ताज़ा याद की ताक़त इन्सान और तमाम देखी हुई चौज़ों की याद
29	5	सूरज से मुश्तरका	क़द-व क़ामत और औसत तनासुब की ताक़त	चिड़ियों से बाज़ मरवाने की हिम्मत हर तरह के इन्सान के बजूद और कारोबार से वाक़फ़ियत की ताक़त
<p>मसख़र्गी-हंसी ठट्ठा ज़राफ़त-हंसी ठटोल आकिलाना-बुद्धिमत्ता हौसलगी-उत्साही पेशानी-माथा सिफ़त-गुण, विशेषता मख़ौल-मज़ाकबाज़ी सिंगार-शृंगार गौरे खौज़-सोच विचार हाफ़िज़ा-याद रखने की क्षमता</p>				

30	6	केतु से मुश्तरका	बोझ मुसावीपन की ताक़त	जैसा मुंह वैसी चपेड़ यानी अच्छे से अच्छा छुरे से बुरा हर किसी की नक़ल हरकत को जांच लेने की हिम्मत
31	7	शुक्रकर से मुश्तरका	रंग रूप में फ़र्क़ की ताक़त	द्रुध से दही और दोनों की शक्ल और रंग में फ़र्क़ कर लेने की ताक़त
32	8	सनीचर से मुश्तरका	सफ़ाई शाइस्तगी भुलापन	हर चीज़ की तरतीब और दुर्लभता इन्तज़ाम ज़ाहिरा मान सरोवर तो अन्दर से कपट की कान
33	9	बुध से मुश्तरका	इलमें रियाज़ी के उसूलों की ताक़त	दिल व दिमाग़ में अपनी मर्ज़ी के मुताबिक दायरा बन्दी की ताक़त
34	10	मंगल बद से मुश्तरका	जगह मुक़ाम की याद	जुगराफ़िये के मुतअल्लिका और मुक़ामात के फ़र्क़ की ताक़त पूरा धोखेबाज़ तैरते को छूबा लेने की ख़सलत का मालिक जब सनीचर मंदा हो या मंगल अपने उसूलों पर मंगल बद सावित हो
35	11	बृहस्पति से मुश्तरका	गुज़रे हुए वाक़िआत की याद	ख़ाह कितने ही वाक़िआत गुज़रते जायें सबके सब ही को पेशानी पर लिखे हुए की तरह याद रखते जाने की आदत-मौजूदा मुआमलात और पालिटिकल और नेचुरल हिस्ट्री पर गौर की ताक़त।
36	12	राहु से मुश्तरका	ख़याल वक़त की याद	फ़ासला वक़त गुज़रे मर्द पछताए आता है याद मुझको गुज़रा हुआ ज़माना कभी हम भी बाइक़बाल थे-पिंदरम सुल्तान बूद
मुसावीपन-बराबर बराबर, समानता शाइस्तगी-सध्यता		तरतीब-सिलसिला, क्रम जुगराफ़िये-भूगोल शास्त्र		बाइक़बाल-तेजस्वी मान सरोवर-शानि
मुसावीपन-बराबर बराबर, समानता शाइस्तगी-सध्यता		तरतीब-सिलसिला, क्रम जुगराफ़िये-भूगोल शास्त्र		मुआमलात-अनेक काम ख़ाह-चाह

37	1	सनीचर से मुश्तरका	रंग	वकृत की लम्बाई चौड़ाई नापने की ताक़त
38	2	बृहस्पत से मुश्तरका	ज़बान दानी	कुदरती ताक़त और इसमें माहिरपन बयान हर तरह की मुल्की अन्दरूनी व बैरूनी ज़बानों को जान लेने की ताक़त
39	3	मंगल से मुश्तरका	वजह सबब की ताक़त	मुशाबहत हर पहलू की कमी वेशी की वजह और सबब दरयापूत करने की ताक़त
40	4	चंद्र से मुश्तरका	मुक़ाबला एक चीज़ का दूसरी चीज़ से	कियास हर चीज़ की असलियत और बुनियाद पर इसका दूसरी से मुक़ाबला करने की ताक़त
41	5	सूरज से मुश्तरका	फ़ितरत	इन्सानी हक़ीक़त पर गैर करने की ताक़त ख़ाह कुछ भी हो या न हो इन्सानी शराफ़त और इन्सानी ख़सलत को हाथ से न देने की हिम्मत।
42	6	बुध का ज़ाती	नेकी	ख़ाम्दी दूसरों को खुश करने की ताक़त ख़रबूजा दूसरे ख़रबूजे को देख कर अपना रंग बदल लेता है के उसूल की तरह फैरन जैसे से तैसे ही हो जाने या दूसरे से मिल जाने की ताक़त।

नोट:- ख़ाना नम्बर 27 ता 42 सब के सब ऊपर दिए ख़ाना नम्बरों के नतीजे हैं।



दरयापूत-जांच, परख, पूछताछ
बैरूनी-विदेशी, बाहरी

फ़ितरत-आदत
माहिरपन-दक्षता, निपुणता

ख़सलत-आदत, विशेषता
मुशाबहत-समानता, बराबरी

मुश्तरका-मिले जुले
हक़ीक़त-सत्यता, सच्चाई

हर एक प्राणी के अपनी अपनी जन्म कुण्डली के 12 ही खानों में ग्रहों के लिहाज़ से कौन कौन से दिमागी खाने मुतअल्लका होंगे जो उसकी दिमागी ताकतों को ज़ाहिर करेंगे

दिमागी खाने जिन से कि वह बैठा हुआ ग्रह मुतअल्लका होगा

	वृहस्पति	सूरज	चंद्र	शुक्रकर्ता	मंगल	बुध	सनीचर	राहु	केतु	कुण्डली के किस खाने में ग्रह बैठा हो
1	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर
2	2 शुक्रकर से मुरतरका	2 वृहस्पति से मुरतरका	2 वृहस्पति से मुरतरका	37 सनीचर से मुरतरका	1 राहुकर से मुरतरका	1 राहुकर से मुरतरका	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	दिमागी खाना नम्बर	कुण्डली का नम्बर खाली होने की हालत में किस दिमागी खाना नम्बर का ताल्लुक होंगा।
3	17 मांत से -मुरतरका	3 मांत से मुरतरका	3 शुक्रकर से मुरतरका	10 सनीचर से मुरतरका	10 बुध से मांत से	10 बुध से मुरतरका	10 बुध से मुरतरका	10 बुध से मुरतरका	2	17

7	24	बुध से 31 शुक्रकर से 7 बुध से मुश्तका मुश्तका	मुश्तका 7 सनीचर से मुश्तका बुध से 31 चंद्र से मुश्तका मुश्तका	24 सूरज से मुश्तका 7 शुक्रकर से शुक्रकर से मुश्तका मुश्तका 7 चंद्र से मुश्तका	शुक्रकर से 7 मुश्तका मुश्तका 7 चंद्र से मुश्तका	23 सूरज से मुश्तका चंद्र से मुश्तका
8	25	पाणी गहों 32 सनीचर से से मुश्तका 8 मंगल नेक से मुश्तका	सनीचर से मुश्तका सनीचर से मुश्तका 8 सूरज से मुश्तका 8 सूरज से मुश्तका	14 सनीसर से मुश्तका सूरज से मुश्तका 14 मंगल बद से मुश्तका सूरज से मुश्तका 32 चंद्र से मुश्तका	सनीसर से मुश्तका सूरज से मुश्तका 25 सूरज से मुश्तका 32 चंद्र से मुश्तका	25 सूरज से मुश्तका मुश्तका 25 सूरज से मुश्तका 32 चंद्र से मुश्तका
9 19	26	बुहस्पति का 25 बुहस्पति से 35 बुध से जाती अपना 26 सूरज से मुश्तका	मुश्तका 35 बुध से मुश्तका	9 सनीसर से 33 चंद्र से मुश्तका	9 मंगल से मुश्तका	19
10 35		चंद्र से मुश्तका	34 मंगल बद से मुश्तका	34 चंद्र से मुश्तका	13 सनीचर का जाती अपना	13

ख्रानावार अश्या

मकान का अन्दर	ताकत हवाई	ख्राना नम्बर
चारदीवारी तह ज़मीन के गोशे	नाम किस हैसियत का होगा।	1
किसी मकान घर बैठक या कि दुकान	इन्हात व दैलत शरीफाना	2
सामान आराइशा	फ़राइज़ फ़र्ज़ की अदायगी बहादुरी इन्सान ताल्लुक	3
ख़ाली तह ज़मीन या पानी की जगह	हक़ पिंडरी	4
हवा सोशनी का ताल्लुक	हक़ पिसरी (बेटे का)	5
तहखाने का हिस्सा	सफ़ात ख़ुसरा की सूथवा बरताओ साहूकारा, भाख्याभाव उपाओ	6
पलस्तर सफ़ेदी मकान का बिना (छत के ऊपर खड़ी दीवार) मुंडेर	दुनियावी ज़ाहिरदारी	7
छत व आग की जगह	मंदी गिरां	8
हर हिस्से की अन्दरुनी पैमाइशा	मसरूफ़ी नेक हालत	9
लोहा लक्कड़ इंट पथर मलबा वगैरह	ज़ाहिरा सुलूक	10
ज़ाहिरदारी मकान	लालच	11
आबाद वीराना	आशीर्वाद सराप ख़्याली भासरना या अचानक पैदा होना	12

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
किस्मत के टुकड़े	हुआ असर ज़िन्दगी का पहला हिस्सा या ज़माना को हवा की वाक़ाफ़ियत या बृहस्पत का अहूद है जो 25 साला उपर तक गिना है। दूसरी तरफ़ अनामिका की राशियों से सूरज का ज़माना ग्रहस्त का ताल्लुक् 25-50 खुद कमाई चौराह होगा तीसरी कनिष्ठा की तीन राशियों का असर साथुपन या गुहस्तियों को उपदेश का अरसा 50-75 होगा चौथी उंगली नद्दमा की तीने राशियों का असर 75-100 तक बन परस्ती होगा।	हुआ असर ज़िन्दगी का पहला हिस्सा या ज़माना को हवा की वाक़ाफ़ियत या बृहस्पत का अहूद है जो 25 साला उपर तक गिना है। दूसरी तरफ़ अनामिका की राशियों से सूरज का ज़माना ग्रहस्त का ताल्लुक् 25-50 खुद कमाई चौराह होगा तीसरी कनिष्ठा की तीन राशियों का असर साथुपन या गुहस्तियों को उपदेश का अरसा 50-75 होगा चौथी उंगली नद्दमा की तीने राशियों का असर 75-100 तक बन परस्ती होगा।	(माझी हाल मुस्तक्बिल या ज़मीन आसमान पाताल) के कारोबार से मुराद होगी। उंगलियों की नाखून बाली पहली परियों या गांठों पर चक्कर संख सदफ़ ज़ाहिरा ज़िन्दगी का ज़माना दिन के काम काज जताते हैं।	ज़मीन आसमान पाताल) के कारोबार से मुराद होगी। उंगलियों की नाखून बाली पहली परियों या गांठों पर चक्कर संख सदफ़ ज़ाहिरा ज़िन्दगी का ज़माना दिन के काम काज जताते हैं।							
किस्मत का अपना इख़ियार	जाती किस्मत मुतअल्लिक़ा दुनिया	किस्मत का चढ़ाव न तंगी	किस्मत खुद पहले हाजिर होवे	किस्मत की चमक	किस्मत की पस्ती	किस्मत का फैलाव	किस्मत के धोखे या धक्के	किस्मत की बुनियाद हवाई	किस्मत का बोझ या पत्थर बुनियादी	किस्मत की बुलन्दी	किस्मत का सुख दुख

धन दौलत की किस्म	सामान मुतअल्लिका	तरफ़ैन सिम्बोल	
जाती खुद पैदा करदा	सवारी रथ मोटर गाड़ी	मशरिक़	1
बचत अंज़ जाती कमाई स्त्री धन सन्यास का धन	मुतअल्लिका गैस मिट्टी	शुमाल मग़रिब	2
दूसरे ताल्लुकदारों का धन	जंगो व जदल	जनूब	3
धन दौलत के निकास का चश्मा	बजाज़ी पानी दूध	शुमाल मशरिक़	4
तालीमी धन औलाद का धन	इत्म अक्ल तालीम मुतअल्लिका राज दरबार	मशरिकी दीवार	5
रितेदारों का धन	मुतअल्लिका परिन्द ब्योपार हवाई गोबर	शुमाल	6
फ़ालतू माया पराई दौलत अपने लिए	खेती के ब्योपार हाजिर माल	जनूब मग़रिब	7
नुकसान वे आसरी माया	मुतअल्लिका बीमारियां जर्हाही	जनूबी दीवार	8
बचत अंज़ बुजुर्गी	मुतअल्लिका धरम कारज हकीमी	सेहन मरकज़	9
पिता का धन जायदाद	खुराक मरीन	मग़रिब	10
आमदन	मुतअल्लिका आमदन रफ़ाए आम	मग़रिबी दीवार	11
माया व स्त्री का सुख (मर्द व औरत का बाहमी सुख)	मुतअल्लिका ऐशो इशरात	जनूब मशरिक़	12

दुनियावी ताल्लुकदार	वक्त व रास्ते	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
राज ताल्लुक पेशा कमाई का मैदान वास्ते धन दौलत	जमाना हाल मौजूदा वक्त वक्त जवानी मौजूदा जनम												
बेवा या माशुका ससुर का घर या ससुराल मर्द के टेबे में ससुर से मुराद राहु	जनम मरण का दरवाजा												
बहन भाई (गैर हक्कीकी) बन्दे साले बहनोई ताये चचे	इन्सान व माया का दुनिया से बाहर जाने का रास्ता												
माता व नाना खानदान	माता के येट का ज़माना												
केतु औलाद का दोस्त ग्रह है मगर मामूं का दुश्मन है। आग की मदद	मुख्तकबिल आने वाला ज़माना (जनम) औलाद के दिन से बुढ़ापे का ज़माना												
तमाम रिश्तेदारों का बर्ताव	पाताल ख़ाब हस्ती												
औरत लड़की पोती बहन हक्कीकी	मैदान दुनिया वास्ते जायदाद												
दुश्मन ज़हमत बीमारी	मौत नुमानी दुनिया का बाहर												
बुजुर्ग	ज़माना माज़ी पिछला जनम माता का ज़माना (रुहानी) ज़माना गैबी दुनिया बचपन का ज़माना												
पिता का सुख दुख बगैरह	ख़्याली दुनिया दसवां द्वार वक्त शादी												
वक्त जनम वाल्देनी माली हालत	दुनिया का अन्दर जनम वक्त माया व इन्सान का इस दुनिया के अन्दर आने का रास्ता मैदान किस्मत आमदन												
हम साथा का ताल्लुक सुख दुख	आखरी वक्त कूच का रास्ता आकिंवक्त ख़ाब गाह सोने व आराम का वक्त												

१	जानवर और मवेशी खड़े सींगों वाले जानवर या खड़े सींग (बहैसियत एक जानवर) छिल्ली व जेर में पैदा होने वाले जानवर	1
२	पालतू गाय बैल	2
३	शेर दरिन्दे जंगली जानवर	3
४	पानी के जानवर दूध वाले जानवर घोड़ा	4
५	आग के जानवर	5
६	परिन्दे कुत्ता बकरी	6
७	चरिन्द अण्डों वाले जानवर खाना नम्बर १ के बर खिलाफ नीचे को गिरे हुए सींगों वाले मवेशी या नीचे को गिरे हुए सींग (बहैसियत एक जानवर)	7
८	ज़हरीले बिच्छू कंट दरख्तों को तबाह करने वाले	8
९	मेंढक हंस हुमा नील गाय पानी व खुरकी पर चलने वाले जानवर	9
१०	मगर मछ्छ सांप मवेशी की दुम (बहैसियत एक जानवर) या दुम वाले मवेशी	10
११	दो मुँह का सांप	11
१२	बिल्ली चिमगाड़ मछली	12

१ बाज़ी खाने एक जानवर की हैसियत में उसी तरह ही शिव लेवं जैसा कि एक आदमी के जिस्म में बारह खाने वा जिस्म में ९ ग्राह मुकर्से किये गये।

उ बाली खाने एक जानवर की हैमियत में उसी तरह ही जिन लोंगे जैसा कि एक आदमी के जिस्म में बारह खाने या जिस्म में १२ घण्टे पुकार किये गये।

दरख़त (पौधे)	मुतफर्रिक अश्या	स्थान या मैदान	
जड़ी बूटी (द्वाई की)	अंग जिस्म	तख़त जाये बैठक	1
शाख़ दबाकर पैदा शुद्ध दरख़त व पौधे	मकानात	ब्रह्म गुरु गाय अस्थान	2
तना फलदार पौधे	बक्त आखीरी	मैदाने जंग लेन देन	3
रस भरे फलों के	चश्मे स्त्रिक	लक्ष्मी अस्थान	4
पैवन्दी पौधे	ओलाद	ज्ञान अस्थान	5
साग सब्ज़ी फूल	मेम्बराने क़बीला (लड़कियों या लड़कों के) स्त्रितेदार	गृहस्ती साधु अस्थान बर्ताव	6
फलीदार गूदादार गूदे	धन की थैली (फ़ालतू धन)	जनम अस्थान	7
न फलदार न फूलदार आकाश बेल	उम्र	मारग अस्थान बुचड़ खाना रंज व ग़म	8
जड़ वो नवातात जो जड़ों की तरह ज़मीन के ही अन्दर अन्दर रहें	हालत कुज़र्गा	धरम अस्थान	9
कांटो वाले दरख़त	लेख की हदबन्दी (मैदाने किस्मत)	ठगी द्वार स्त्रिक	10
सायादार बगैर कांटे के दरख़त	तबीयत बतरफ़ धरम	मैदाने स्त्रिक	11
खुदरु छिलकादार दरख़त	रात का आराम	साधु समाधि	12
अस्थान-स्थान	मेम्बरान-सदस्य	दरख़त-पेड़	बतरफ़-की ओर
			किस्मत-भाग्य

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
मकान की किस्म	पुराना खुद साझा	सुस्परल का	भाई बन्दों का ताथे चाचे का	माता खानपान मासी पुफी का	ओलाद घर या भांजे का	नान का स्त्री लड़कियों के स्त्री लड़कियों के स्त्री लड़कियों के स्त्री लड़कियों के	क़वितान बीराना की स्त्री लड़कियों के स्त्री लड़कियों के	जहरी बुजुर्गी बुजुर्गी	पिता का या अपना बाया	झरीद करता	हमसाया का	
जिस पर 12 खाने का अन्दर	हसता या चेहरा की अंगह मथे पर	गर्दन तिलक की जागह	पलक चश्मबाज़ खून	सीना छाती पेट माता (औरत का टेवा) का नाभि पेट का अन्दर	पेट शिकम खाती (रुहानी मर्द का टेवा) का बाहर	गर्दन पांव जिल्द मुसाम फिस्तान	युरत (कमर) चुट्टे चेहरा औरत नाईं बाहर	पहलू नधेन बीरज मनी	बुटने जानू पिंजर	बुट्टे पेशानी	काफ़ पाये हड्डी सर	

खाम	खुदा के वर भी न जाएगे विन बुलाए हुए नास्तिक पन	मन महिला दरबेश कलंदर तादाद मकान	हमचूं मां दीरे नेस्ता अवस बड़ी या भैस	बाबर वा ऐश कोश कि आलम दोबारा नेस्ता ज़र व दौलत ज़िन्दगी का मतलब	सच्चा सुखन दुनिया का हाल तराजू धर्म असा बीमारी	धन की फ़लाई धैरी व बहाना तादाद व फ़ैसला ताकत शारी	धन की बीमारी का सबब वालों का हाल तादाद व फ़ैसला ताकत शारी	सच्चा आतिकत जाहू नंदर वक्त शारी इम रियाजी मुत्अलिका दुनिया	पहला हाकिम हर तफ़ ताल्लुक तादात और शाने औलाद	पहला हाकिम हर तफ़ ताल्लुक तादात और शाने औलाद	योग अध्यास हर तफ़ ताल्लुक तादात और शाने औलाद
बच्चे की बद्दि	साथ लाया वक्त गृहरत जबानी रिश्तेदारों से जो लेगा गैरी ज़माना हाल	वक्त जबानी ताल्लुक बिरादरान धन मुट्ठी का अन्दर	वक्त लाया दूसरों से जो लेगा गैरी ताल्लुक (रहनी)	वक्त जबानी ताल्लुक माल व धन मुट्ठी का अन्दर	वक्त औलाद दूसरों से जो लेगा गैरी ताल्लुक के लिए	बुड़ाप डलती जबानी जो लेगा गैरी ताल्लुक या ताल्लुक का लिए (मदद)	साथ लाया माल व जायदाद बुड़ारी दुख बीमारी	दुनिया का बालैनी माली बाहर गैरी दुख बीमारी	साथ लाया माल व जायदाद बुड़ाक जनम जो दूसरों से पावे	साथ लाया माली बाहर गैरी दुख बीमारी	बालैनी माली हालत बक्त बचपन पिछले जनम का ताल्लुक हिस्सा जो दूसरों से पावे
बुहस्पति	देवी देवता ब्रह्मा जी	पेशा ब्रह्मण पूजा पाठ और सुनार (सोने से मुत्अलिका का	रुहानी पर्वत पेशा	ख्यासियत हवा-रुह व सांस पिता गुरु सुख	ताकत हाकिम व महकूप सांस लेने व दिलाने की ताकत का मालिक	मुत्अलिका धाते जिसम पुखराज	चेहरे पर ग्रहों की मुकर्र जगह	जिसम पर ग्रहों की मुकर्र जगह	तरबुज में प्रहों की प्रियाल	जानवर मुत्अलिका का	दरखा मुत्अलिका का

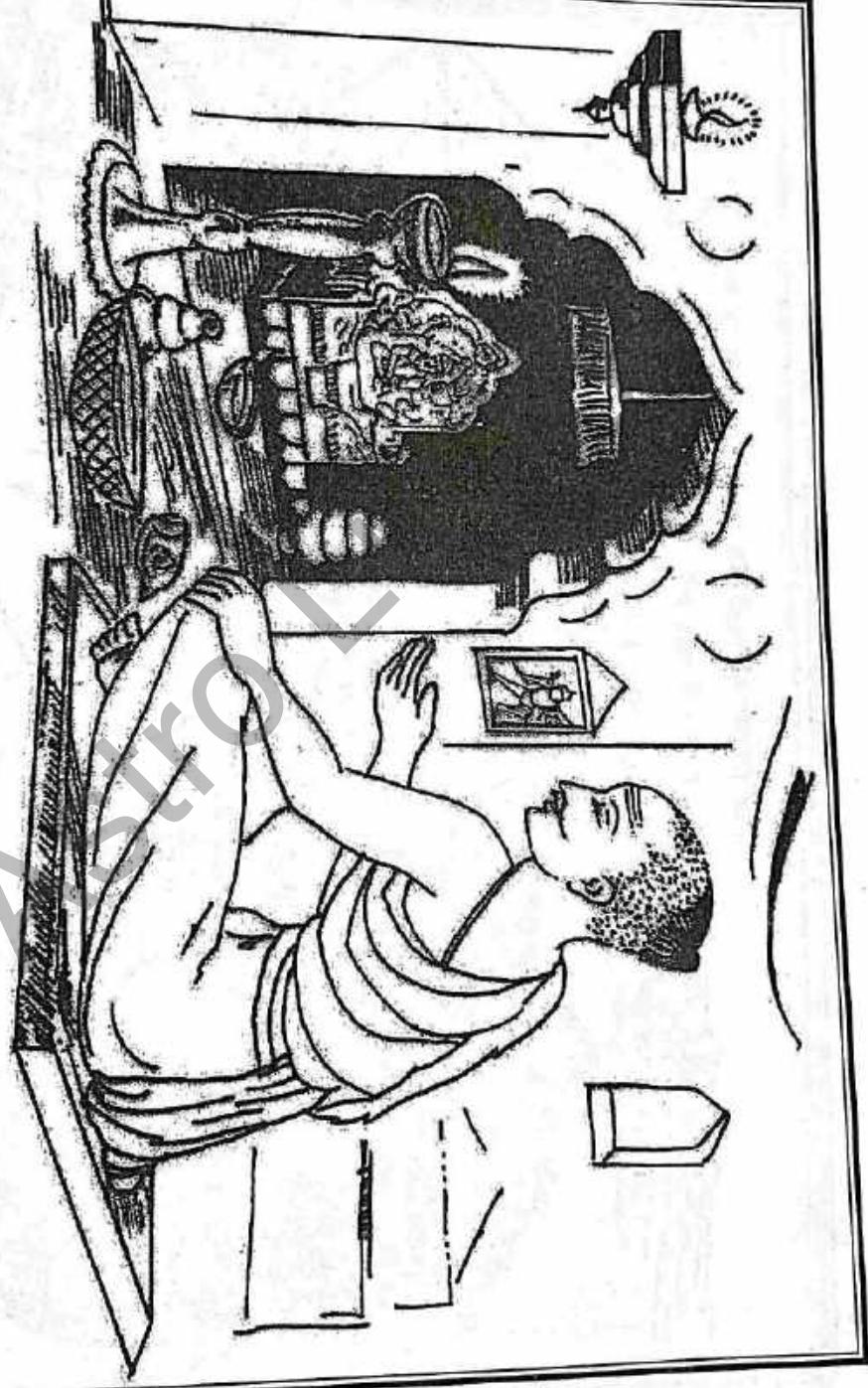
ग्रहों की मुत्अलिका अस्था

ग्रह	देवी देवता	पेशा	सिफ्त	ख्यासियत	ताकत	मुत्अलिका धाते	जिसम पर ग्रहों की मुकर्र जगह	मुत्अलिका पोशाक	तरबुज में ग्रहों की प्रियाल	जानवर मुत्अलिका का	दरखा मुत्अलिका का
बुहस्पति	ब्रह्मा जी	ब्रह्मण पूजा पाठ और सुनार (सोने से मुत्अलिका का	रुहानी पर्वत पेशा	हवा-रुह व सांस पिता गुरु सुख	हाकिम व महकूप सांस लेने व दिलाने की ताकत का मालिक	सोना पुखराज	गर्दन	पाइंटी दस्तार	डंडी	शेर बबर या शेरनी	पीपल का दरखा

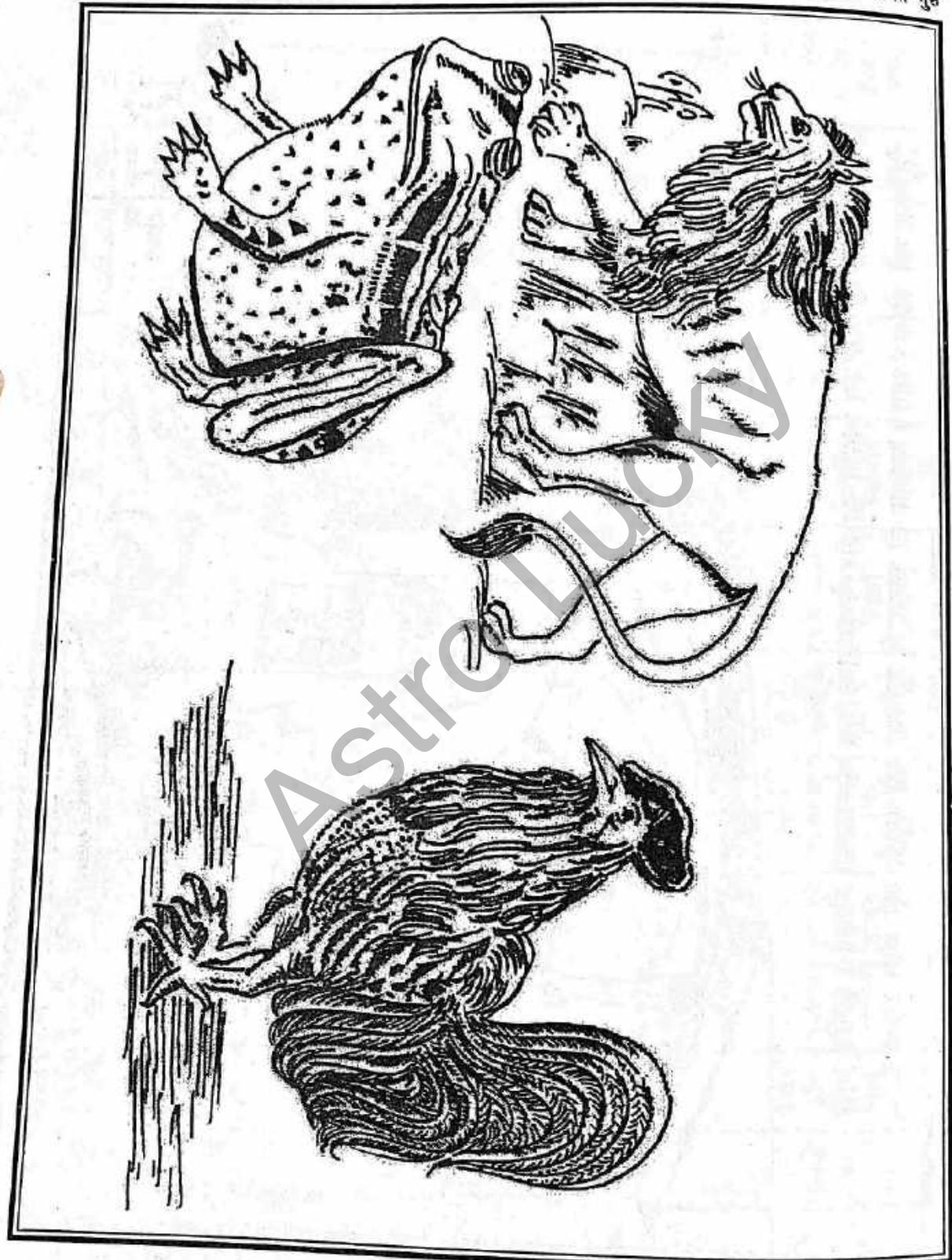
देवी	देवता	सिफ्त	ख्यासियत	ताकत	मुत्अलिका धाते	जिसम पर ग्रहों की मुकर्र जगह	मुत्अलिका पोशाक	तरबुज में ग्रहों की प्रियाल	जानवर मुत्अलिका का	दरखा मुत्अलिका का
देवी	देवता	सिफ्त	ख्यासियत	ताकत	मुत्अलिका धाते	जिसम पर ग्रहों की मुकर्र जगह	मुत्अलिका पोशाक	तरबुज में ग्रहों की प्रियाल	जानवर मुत्अलिका का	दरखा मुत्अलिका का

ग्राह	देवी देवता	पेशा	सिफार	शास्त्रियत	ताकृत	मुहूर्तालिका धार्ते	जिस पर ग्रहों की मुहूर्त चाह	चेहरे पर ग्रहों की मुहूर्त की मिसाल	जानवर मुत्तुशिल्पका मिसाल	दरड़ि मुत्तुशिल्पका	
सूरज	विष्णु प्रगाढ़न	क्षत्री राजपूत	चहाड़ुर जिस्म पालन कर्ता	आग गुस्सा जिस्म तपाम अंग इस्म	गर्मी का भंडरी	भाणिक तांबा सलाजीत	तमाम का तामाम विस्म	दया हिस्सा	सेहरा कलाई	बंदर बंदरिया पहाड़ी गाय पूरी कापिला गाय	तेज फल का दरड़ा
चंद्र	शिव जी महाराज	कुण्डार झोवर पञ्च जून धरमी	हीम दस्तारु हमदर्द	पानी शाति दिल माता चापदाद जहदो	सुख याति दयातुला का मालिक माता की मोहब्बत पितरों बुजुर्गों की सेवा की ताकृत	चादी मोती (दृश्य रा.)	दिल	चावा हिस्सा	धोती परता	पानी धोड़ा चोड़ा	पोस्त का हरा पैथा जब तक उस में रुध हो
शुक्रकर	लक्ष्मी जी	कृमदार वेष काशत कार ज़मीन दार	आर्यिक प्रियाज	मिट्टी काम देव	दिली मोहब्बत जोर लगन मिट्टी की कुक्कत नक्षत्रनी औरत की लाल ऐशा परंद की ताकृत झक्क व मुहब्बत	मिट्टी (दही रा.)	सखाराम	राखुसार के खाल व खाल	कमीज बैज	बैल गाय	कपास का पैथा
मंगल नेक	हनुमान जी	जांगू मुदिकार	हैमला भाई खाना पीना लडाई	जांगो जदता खून करना करना	लाल-झीमटी पश्चा-खुनी लाल रंग जो चमकाना न हो	जिगर	करण का होठ	बास्कट	गूदा	आम शेर या शेरनी	नीम का दरड़ा
पूर्णिमा बद	चित्र पूर्ति	कंसाई काल्पन	मुत्तु कोनावी	खाने पीने की लाकृत	चमकाला लाल पत्तर	नीचे का होठ	नांगा सिर	गूदा	कट्ट नंदी हिण	डेक का दरड़ा	

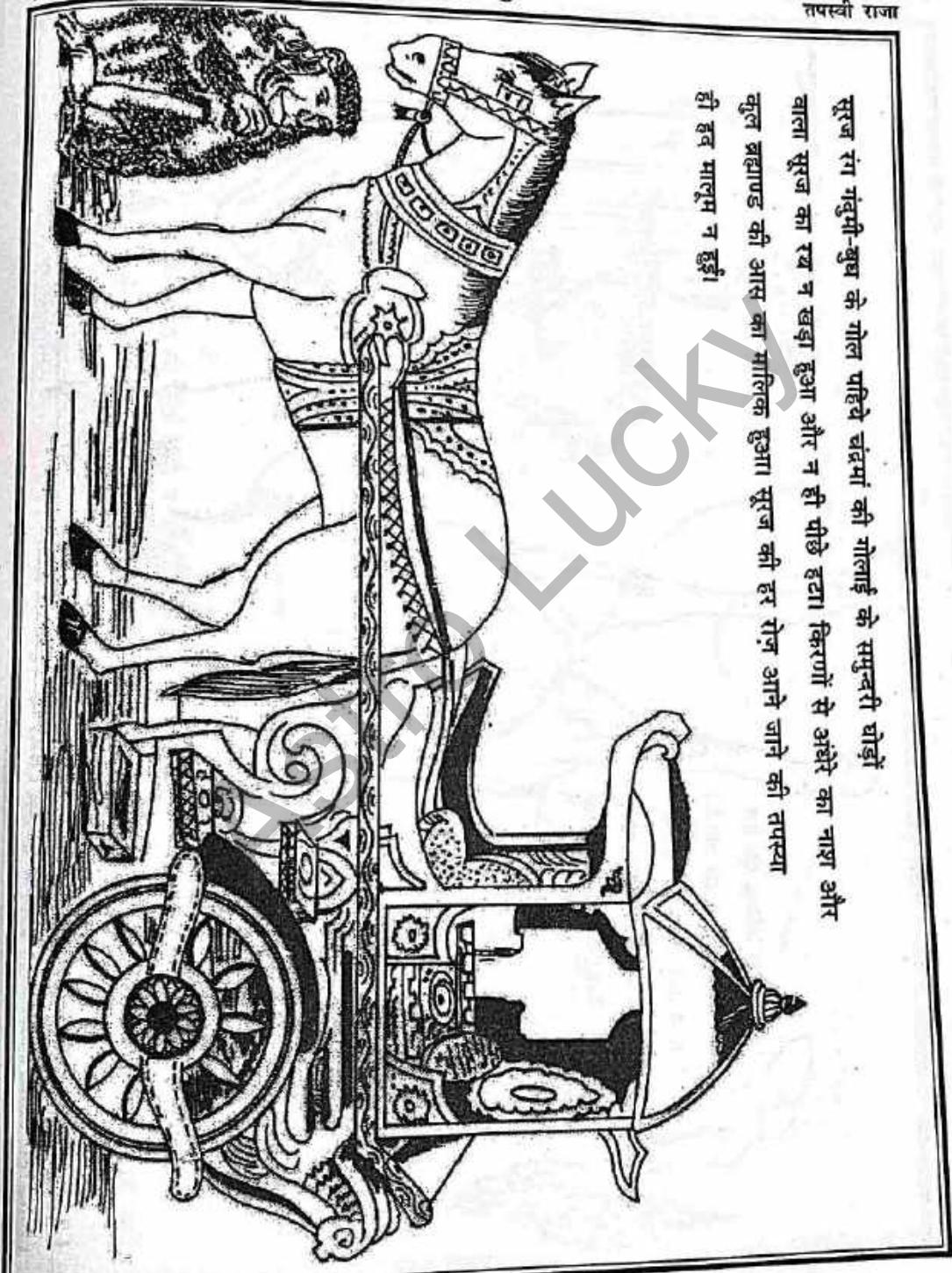
ग्रह	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
देवी देवता	पेशा	स्थित	खासियत	ताकृत	युतआतिका	जिस पर गहों धाते	चेहरे पर ग्रहों की मुकरी जाह	मुतालिका पोशाक	तरबूज में ग्रहों को मिलता	जानवर मुअलिल का	ताकृत	
दुध दुर्गा जी	ठाठियर दलाल ब्योपाती	जी	बोलना दिमां हुआ	अकृत व हुआर दस्ती पेशा दस्त कारी बोलने नसीहत	हीरा पना	दिमां का डलाव जबान दाते नाई	नाक का सिरा (आला हिस्सा)	टोपी नाड़ा (इंजार बंद)	जायका	बकरी बकरी भेड़ चमगा दह	केला (पैदा) चौड़े पत्तों के दरख़ा सिवाय वह के दरख़ा	
सनीचर	भैंगे जी	लोहार तरखान मोची	सुर्खे अवखड़ कारिगर	देखना भालना चालाकी मौत बीमारी	जाई, मंत्र देखना देखने की ताकृत का मालिक	लोहा फैलाद	बीनाई	बाल भवे उड़पड़ी	जुराब जूता	छाल	भैंस या दैसा	कीकर या आक (मदार) का दरख़ा खजू का दरख़ा
राहु	सरस्वती जी	भंगी शूद्र	चाल मक्कार नीच जालिम	सोचना खयालात बिजली खौफ दुर्मनी मूँचाल	हेतुनाई कलपना कलपने की ताकृत का मालिक	नीलम	दिमां सिवका गोमेद	उड़ाई	पाजामा पतलून	कच्चा पक्कापन	हाथी हस्ती काटेदार जगती बूहा कड़हरना	नारियल का दरख़ा कुता वास (काटने वाला) मखड़ा
केतु	श्री गणेश जी	मन्जहब जी	बरबाद बारकश	सुनना पावों की नक्का व हरकत	चलना फिरना या गैरों से मिलने मिलने की ताकृत	दो रांग पथर व दरिया	सिर के बांग बांकी तमाम जिस	कान पांव रोड़ की हड्डी पेशाबाहि छुटने दह जोड़	दुपद्या कंबल ओढ़ना	रंग धारिया	कुता गधा कुर्तिया गधी सूरनी सूअर छिपकली	इमली का दरख़ा तिलों के पौधे केला (फल)



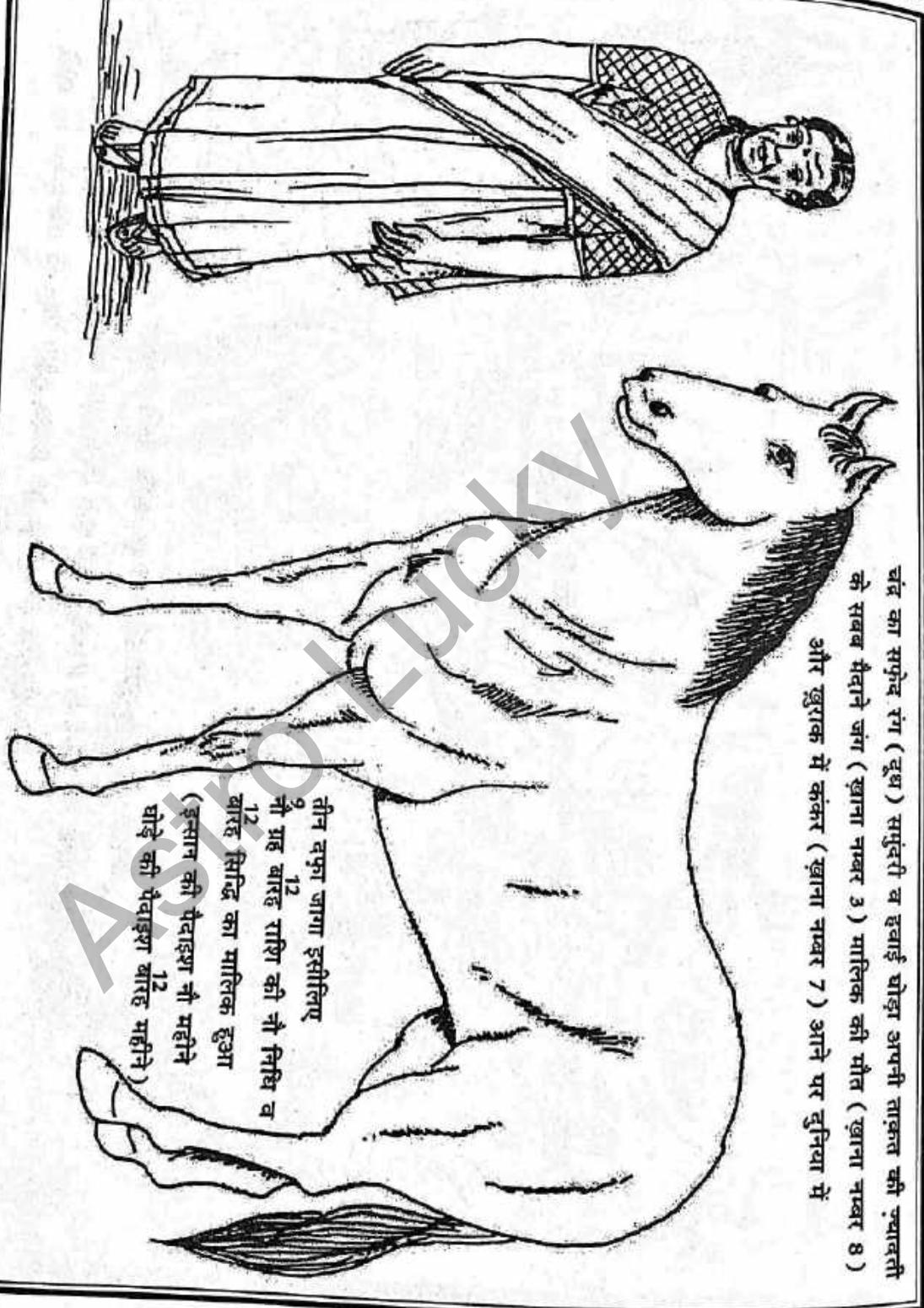
अगर बृहस्पत के नर्त रंग जापने के शेर ने इसानी गुरु के चरणों में सोने (नीर) से दुनिया को सोना (धात) बख्ता तो केसर ने दुनिया को खुशी की पौत्र सिखाई



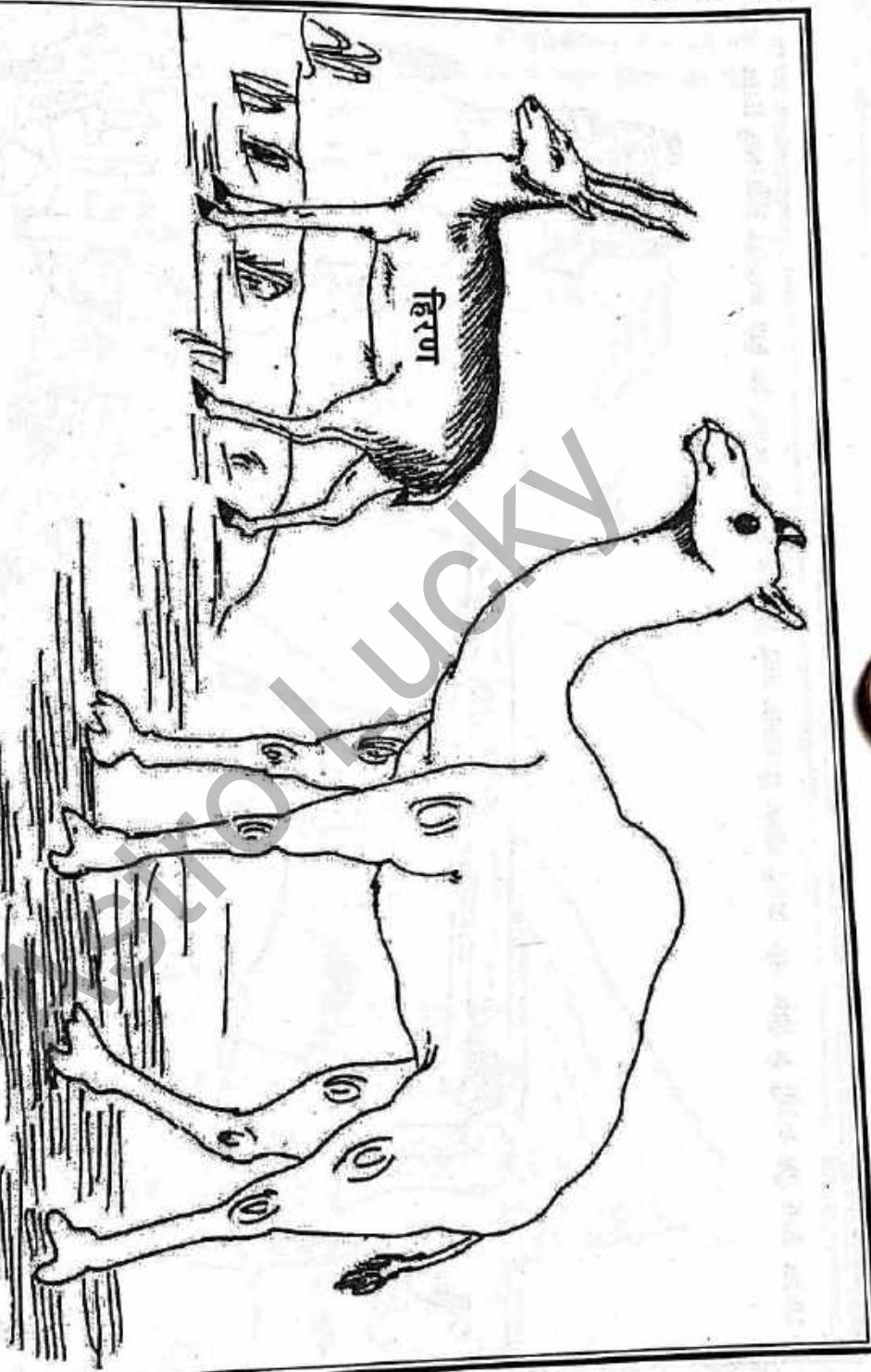
AstroLecture



सूरज रंग गंगुमी-शुध के गोल पहिये चर्तमां की गोलाई के समुन्दरी घोड़ों
वाला सूरज का रथ न खड़ा हुआ और न ही धीरे हुआ किरणों से अंधेरे का नाश और
कुल ब्रह्माण्ड की आस का मालिक हुआ। सूरज की हर रोज़ आने जाने की तपस्या
ही हृत मालूम न हँ।

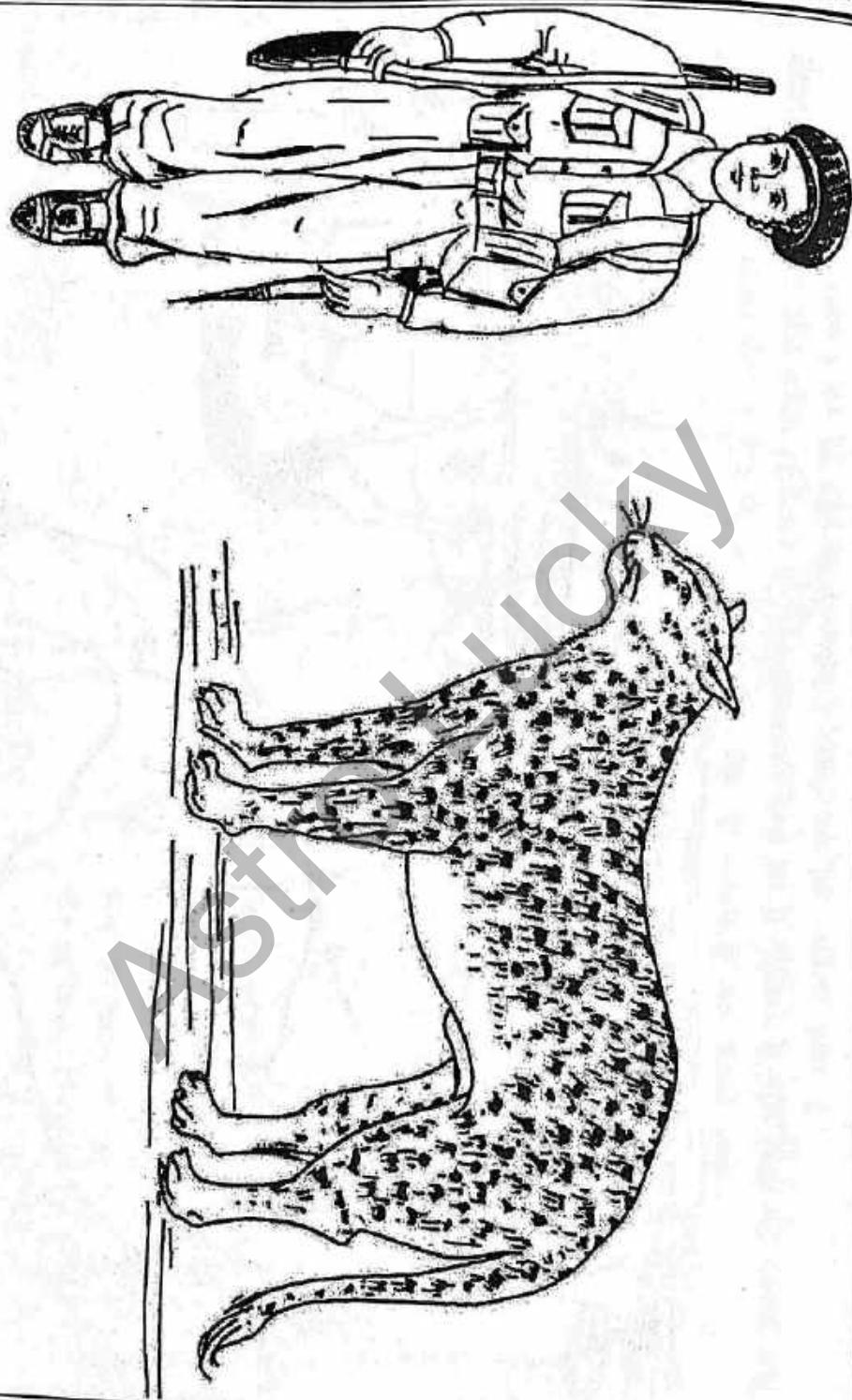


चंद्र का सफेद रंग (दूध) समुद्री च हवाई धूमा अपनी ताकत की ज्यादती
के सबब भैतने जाग (खाना नाखर 3) मालिक की भैत (खाना नाखर 8)
और खुराक में कंकर (खाना नाखर 7) आने पर दुनिया में



मंगल बब हुआ तो कोई बढ़ी न छोड़ी और हर एक को तलवार के घाट उतारा, मगर मुझाफ हरिंजन न किया। शुतर बेमुहर-कीनसान रेगिस्तान का नहरन-जिसे रेत से मोहब्बत है और पानी की परवाह नहीं "कंट रे कंट तेरी कौन सी कलं सीधी" देखिये कंट किस करवट बैठता है।

मंगल नेक-सुख रां-नेक होने पर जिस में खून-खूल की तरह जाल में मंगल किया और बदी से हिरण की तरह भागा।



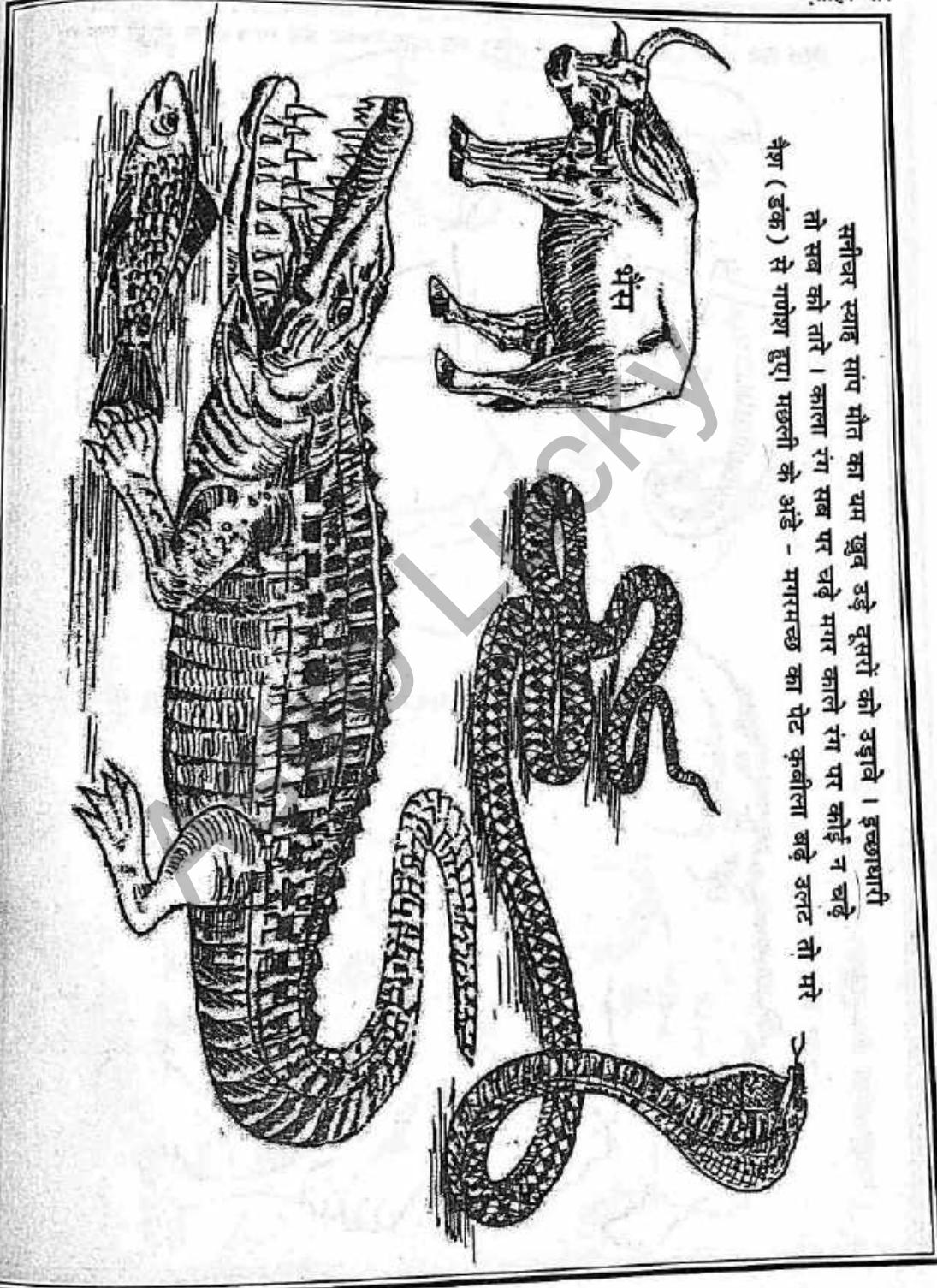
शुकर सफेद रंग (दही) दुनिया की औरत ने किसी को नीच न किया नीच किया

मिट्टी ज़माने को लक्ष्मी ग़क माता मर्द की इसलिए हर एक ने पसन्द किया और खुब



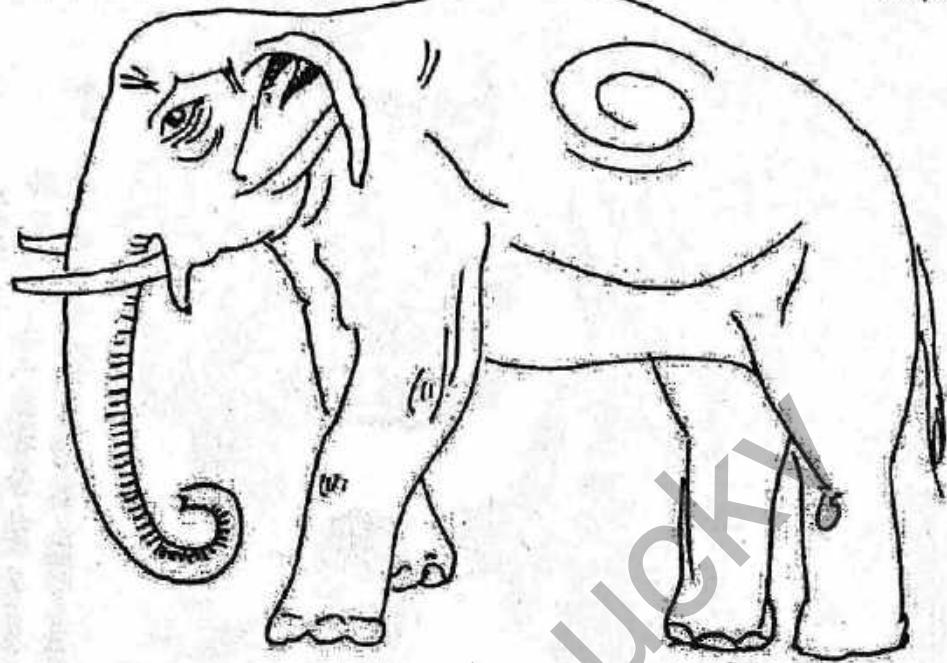


जुध सङ्ग रंग तोता-मैना-भेड़-बकरी सर जुबान का मालिक व हर जगह गोल
व सङ्ग हीरा चाटने से नहर जुबान के गासे इन्सान मरे हीरा सब को
काटे मार इतना नरम कि खुब कृतई (धात) से कट जाते।



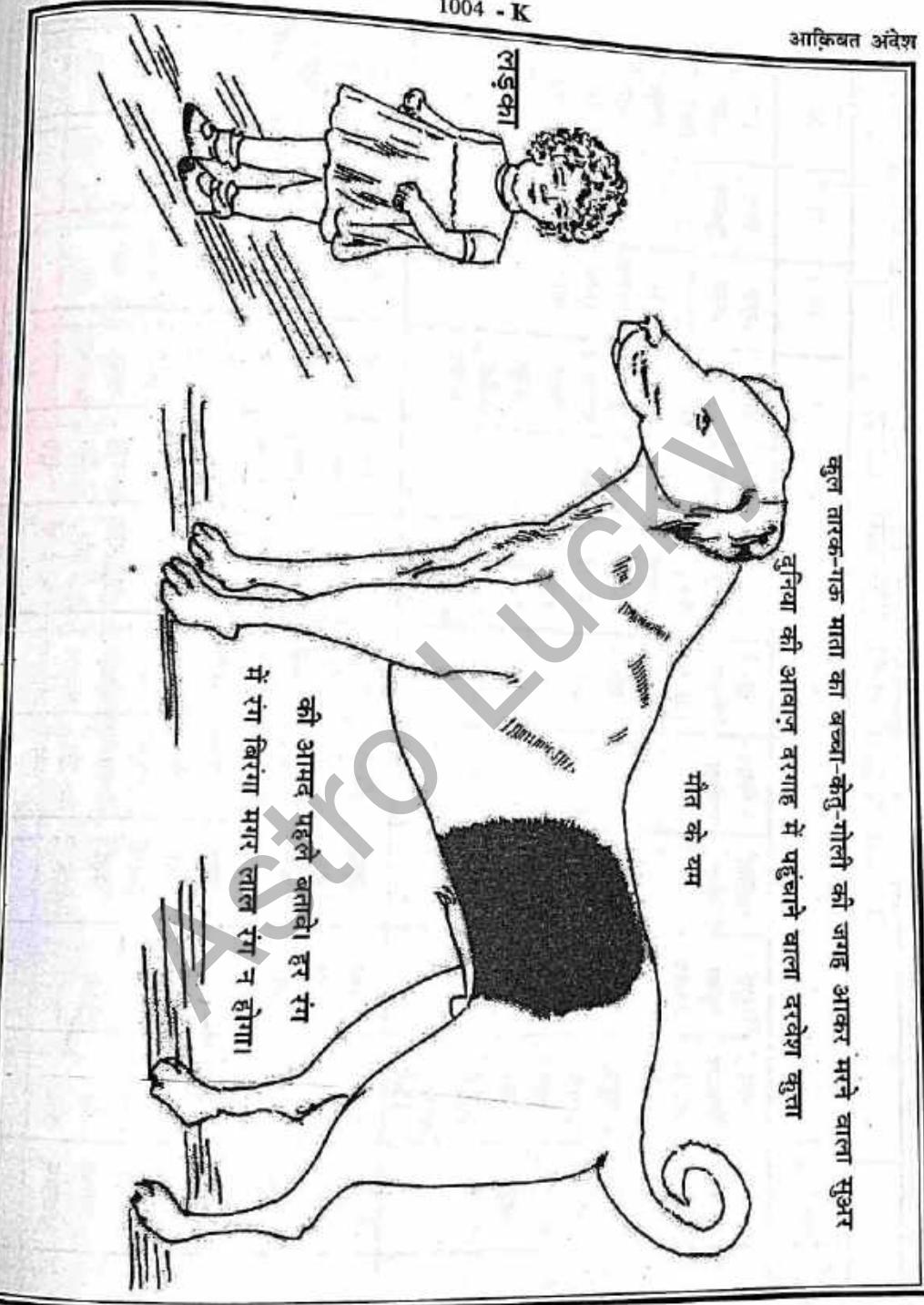
मनीचर स्थान सांप मौत का यम खुब उड़े दूसरों को उड़ावे । इच्छाधारी
तो सब को तोरे । काला रंग सब पर चढ़े मार काले रंग पर कोई न चढ़े
भैरा (डंक) से गणेश हुए। मछली के अड़े - मारमच्छ का पेट क़बीला बढ़े उलट तो मरे

राहु आसमान की चोटी और समन्दर की तह दोनों नीले रंग मिला देने वाला पर्स हाथी-
जिंदा नीच कीपत एक लाख-मुर्दा कंच कीपत सबा लाख-जिसका कोई रंग न हो या जो हर एक रंग



में बदल सको। नक्शे में नीला रंग होगा।





ग्रहों की मुतअलिका खानावार अश्या

नाम ग्रह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
शेर नर कीमियार सुनार पेशारी पीले रंग चलता	गाय अस्थान मेहमान नवजी पूजा धन माता चने की दाल हल्दी	दुर्गा पूजन तालीम इनियावी	बारिश सोना	नाक केसर	मुर्मा गलड़ (परिच्छा) कसरी सेव	फिरावे दमा मैंदक	अफवाह नवकरा खलकूर आवारा साथु	जदै मकान मरिद का या दान	सूखा पीपल नुकसान ज़र	गिल्ट मुलम्मा तालीम खूम	पीपल का हरा दरख़्त आम हवा आम दुनिया सांस	पीपल का हरा दरख़्त आम हवा आम दुनिया सांस
कृष्ण दूष	गर्व मेहमान नवजी पूजा धन माता चने की दाल हल्दी	साथु धन माता चने की दाल हल्दी	खाली हवा मंदी	खलता व दान	गुलदार उड़ता व दान	गंधक गैस चौरह	उड़ता व दान	गुलदार उड़ता व दान	गुलदार उड़ता व दान	गुलदार उड़ता व दान	नेवला मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरी चिंटी दिमांगी खराबिया
दिन का वक्त दाया हिस्सा या आंख नमक सफेद	गन्डुम बाजरा	दर्थी आंख का डेला पुआ का लड़का भाई	इकलौता (जो अकेला ही हो)	गन्डुमी रंग पांचों की खराबिया	रथ गाढ़ी सच्ची सफेद गाय (मंदा असर गाय स्वाह मदर गार भोंडी (बांगर सांगों के मुवरक)	मूरा रोछ पक्की ग्रहण के बाद का सूरज	सूर्य तांबा	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	
कृष्ण दूष	गर्व मेहमान नवजी पूजा धन माता चने की दाल हल्दी	दर्थी आंख का डेला पुआ का लड़का भाई	इकलौता (जो अकेला ही हो)	गन्डुमी रंग पांचों की खराबिया	रथ गाढ़ी सच्ची सफेद गाय (मंदा असर गाय स्वाह मदर गार भोंडी (बांगर सांगों के मुवरक)	मूरा रोछ पक्की ग्रहण के बाद का सूरज	सूर्य तांबा	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	मूरा मूरी भैस सलाजीत (धाता)	

नाम ग्रह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
दिमां वायों हिस्सा आंख का डेला	माता दूध चावल रुहानी हिस्सा सफेद चोड़ा	आम चोड़ा शिवर्जी पोलेनाथ चिरायता का पानी शान्ति	तालाब कुहाँ चश्मा गह ज़मीन का पानी	चकोर (पान्डा) आक का दूध	खुगोश (मादा) सफर	खेती को ज़मीन (अपनी या जहाँ मार आचादी को न हो वर्फ़)	संपर्द बालाई ज़मीन समंदर	जापदाद ज़मीन तह ज़मीन मार खाए या कड़वा अपूर्ण	रात का बक्त तह ज़मीन आम पानी मार खाए या कड़वा बालत	चारी माती अनाधिक मुर्दा दिली	चारी माती अनाधिक आम पानी मार खाए या कड़वा बालत	चुम्बन सफेद तिल मीह का पानी ओले मुक्क काष्ठुर
३५	दिल दिमां वायों हिस्सा आंख का डेला	माता दूध चावल रुहानी हिस्सा सफेद चोड़ा	आम चोड़ा शिवर्जी पोलेनाथ चिरायता का पानी शान्ति	तालाब कुहाँ चश्मा गह ज़मीन का पानी	चकोर (पान्डा) आक का दूध	खेती को ज़मीन (अपनी या जहाँ मार आचादी को न हो वर्फ़)	संपर्द बालाई ज़मीन समंदर	जापदाद ज़मीन तह ज़मीन आम पानी मार खाए या कड़वा अपूर्ण	रात का बक्त तह ज़मीन आम पानी मार खाए या कड़वा बालत	चारी माती अनाधिक आम पानी मार खाए या कड़वा बालत	चुम्बन सफेद तिल मीह का पानी ओले मुक्क काष्ठुर	
३६	रुखसरा पराई औरत की युद्धकता	आलू गाय अस्थान ची (ज़र्द) अवरक पुरक सफेद काफूर भोंडी गाए (बग्रे सींगों के)	शादी सती या सतावंती ओरत पुरक सफेद काफूर भोंडी	दहो चौपाया चरिद	कुम्हर का आचा या भद्रा कांसी का बरतन	चिड़िया (सफेद ज़बार) सफेद गाय मदी मुह़बत कुल्हात (न मर्द न औत) <td>चरी (दहो का) सफेद ज़बार गाय गैर महोंदी सफेद गाय मदी</td> <td>ज़मीन कुंद गाजर कुत्र महोंदी सफेद गाय मदी</td> <td>सफेद (दहो का) रंग सफेद गाय गैर मुह़बत सफेद गाय मदी</td> <td>रुई योती सफेद (दहो का रंग)</td> <td>कामधेनु गाय लक्ष्मी (चौपाया व गृहस्ती औरत) का सुख सार</td>	चरी (दहो का) सफेद ज़बार गाय गैर महोंदी सफेद गाय मदी	ज़मीन कुंद गाजर कुत्र महोंदी सफेद गाय मदी	सफेद (दहो का) रंग सफेद गाय गैर मुह़बत सफेद गाय मदी	रुई योती सफेद (दहो का रंग)	कामधेनु गाय लक्ष्मी (चौपाया व गृहस्ती औरत) का सुख सार	
३७	दांत 32 सौफ़ ३१ अनाज की कोठी	चीता हिरण होंठ छाती	पेट देक का दरड़ा (बाकी दूसरी तरफ़)	तलवार नीम का दरड़ा	भाई छहुंदर	नाभि छहुंदर	बालूओं के बग्रे बाकी तमाम जिस्म	शहद मीठा मोजन खांड	सिंदूर (लाल रंग)	चुलंद आबाज़ हाथो का महावत गिलू (कड़वी बेल)		

नाम ग्रह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
जून सिर का डांचा	सूर्य मिथ्या मुट्ठी नामि (चुनी के दरमियान की बीमारियाँ मुश्कल मुबारक	दाल मसूर पहला लड़का अनवाइन	हरी घास भोंडी गाय मैना दूसरी चीज़ों का फल	तेय अंडा फूल बहन	भूत प्रेत बमगादङ्ग सबूत रो	दात खुरक वास शाहब शुश्लाना	खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	उल्टा खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	अंडे खिलौने गंदा (जहरीला अंडा)			
जून सिर का डांचा	खड़ा अंडा लड़कों जैसी लड़की मूंग सालम कूलम की निब साली बाजा (सामान राग)	तोता कलमी खड़ा अंडा बान (दीमक की क्रिस्टन पूर्ण शक्ति (ताकृत) छहर थोहर रुहें बजूद	फलकी लड़की मुतवना खड़ा आशीबर दूध चाला आम दोहरी चोज़ों का फट्टा या डाचा	हरी घास भोंडी गाय मैना दूसरी चीज़ों का फल	पूत प्रेत बमगादङ्ग सबूत रो	दात खुरक वास शाहब शुश्लाना	खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	उल्टा खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	अंडे खिलौने गंदा (जहरीला अंडा)			
जून सिर का डांचा	खड़ा अंडा लड़कों जैसी लड़की मूंग सालम कूलम की निब साली बाजा (सामान राग)	तोता कलमी खड़ा अंडा बान (दीमक की क्रिस्टन पूर्ण शक्ति (ताकृत) छहर थोहर रुहें बजूद	फलकी लड़की मुतवना खड़ा आशीबर दूध चाला आम दोहरी चोज़ों का फल	हरी घास भोंडी गाय मैना दूसरी चीज़ों का फल	पूत प्रेत बमगादङ्ग सबूत रो	दात खुरक वास शाहब शुश्लाना	खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	उल्टा खड़ा कंठी वाला तोता मूत की खुरक सीढ़ियाँ मकान हींग	अंडे खिलौने गंदा (जहरीला अंडा)			

नाम ग्रह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
हलक का कव्वा गंधा कीड़ा गंदी आग नमक स्पाह कीकर का दरख़्त	माशा साताम काली मिर्च स्पाह स्पाह सफेद चंदन की लकड़ी	छजूर का दरख़्त काली मिर्च चंदे ख्याह स्पाह ख्याह सफेद चंदन की लकड़ी	काले कीड़े मकान तेल कीमती म लाइका लकड़ी शाह बरगुण आबन्सू सागवान कैल की लकड़ी	सुमा स्पाह बुद्ध सांसर सफेद दयार चील सागवान कैल की लकड़ी	कौवा चील पीसदा बिनौले बेरी का दरख़्त पत्थर का कोयला कैल की लकड़ी	विच्छू गाय-मुर्मा सफेद- बीनाई-हर फिस्त का मसला कैल की	पुरानी लकड़ी पुड़ुली छत के बांग्रे खट्टी दीवारें का दरख़्त	पारमपञ्च सांप तेल शशुन (टाहली) फलाई आक का दरख़्त	लोहा फौलाद टीन कपड़े शेने की लाड़ी (मदर)	मस्तू तांबा मछली दरख़्तेश वासन सिर प टटी		
ठोड़ी चाना नारी	लाथी के पाव की मिट्टी सरसों कच्चा भुजां	तेंदुआ (अगाज) स्पाह रिशतार हाथी दांत	छाव या छाव का ज़माना सीधा दिमाग धनिया (मसला)	छत काला कुता पूप काला	नारियल (बीनाई) माली- खुलिया दीवार की आंगीठी का धुतां	दहरीन नीला सा पुंछी (हलाक) से कंपर की भट्टी बीमारिया	गंदी नीलम ग़ुर्का माली- खुलिया दीवार की आंगीठी का धुतां	नीलम नीला धोया सोसा (हिल्का) नरम धात भट्टी एकूपीनियम जहत	हाथी समंदर का तेज्वा कृच्छा कोयला पदम			
टांग ननका घर नाभि (भुनी) से नीचे की बीमारिया	इमली तिल भुनी	रीढ़ की हड्डी फूँड़े फूसी	पेशावगाह कान	चिड़ा(चिड़िया का च)	दूसरा लड़का सूखर गाय खुगोश नर पूजा अस्थान मिट्टी का बदूतरा चारपाई यार लड़सन	चूना कुचा या कुतिया ताकत छलावा धोकाल	दो रांग कुचा या कुतिया मार लात रान हो	चूना कुचा या कुतिया मार लात रान हो	चुबना पला (चापाई) केला (फल)	चिपकली मुतबना पला (स्नाह सफेद) कीमती पाथर		

नाम ग्रह मुश्त्रका	मुश्त्रका ग्रहों की मूलभिल्लका अस्था
-बृहस्पत केतु	ज्योर्द लीमू
-बृहस्पत चंद्र	बृह का दरझा
-सूरज चंद्र	बृह के दरझा का खालिस दूध- आलीची (फल) घोड़ा यांग।
-सूरज शुक्र	लाल भग्न लाल निर्दी (जलकर लाल शुदा) गाचनी लाल कांसी का करेय (पानी पीने का बातम)
-सूरज बुध	सर सञ्ज पहाड़-लाल फिटकड़ी-शीशा संकेद।
-चंद्र बुध	मां धी-दरिया के पानी में रेत दूधिया तोता-हंस परिन्दा कुआं मय शीढियाँ।
-चंद्र सनीचर	कली स्थानी पानी को बाबली (मानिन्द कुआं) डलता हथियर जो अपने गाढ़े पर ही लगता रहे। कछुआ (पानी का जानवर) बिंगड़ हुआ दूध मोटर लारी या लोहे की सफर की चीज़ें-खुनी बुआ-दूध में ज़हर।
-शुक्रकर माल	मिट्टी का तरु-मीठा अनाम-गेल (लाल मिट्टी)
-शुक्रकर बुध	मन्है सूरज-तराजू-तेली-गेल मिट्टी आया पीसने की चबकी जिसके दो पत्थर हों।
-शुक्रकर सनीचर	कली किंव और थी (शुक्र) स्थाह कला भग्न मिट्टी का सुख पहाड़।
-मंगल (बद) बुध	आतशी शीशा-लड़की के लाल चनकीते कपड़े-अनार का फूल।
-मंगल (नेक) बुध	सुधर (लाल कपड़ा जो लड़की को शादी के बहुत पहानते हैं) लाल खूनी रंग मार जो चमककोला न हो-कर्ती वाला यथ तेता।
-मंगल सनीचर	नारियल-छुलार।
-बुध सनीचर	आम का दरझा
-बुध राहु	तितलय (बड़ के दरझा) चंद्र बृहस्पत) पर आम होता है जो उस दरख़त (चंद्र बृहस्पत) के फल को बरबाद करता है।
-बुध केतु	बररी एक जानवर है जिस से हाथी भी डर कर भागता है।
-सनीचर राहु	सांप की मणि या सांप की ज़हर चूस लेने वाला मनका।

ग्रह मुश्तकका के रिश्तादार - ख्वानावार

नाम ग्रह	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
गद्दीनशीन साधु-बाप बाबा-दाता	जातपुरु पुजारी औरत के बूहस्त मूरज	ख्वानदान का पुरिया	राजा महाराजा चह	स्कूल मास्टर	बुजुंग महान	निधन मार	आम दुनियावी उप्र के लिहाज से	ख्वानदान में उप्र के सब से बड़ा	उथारा बुद व बुद और बिल	ख्वानदान में उप्र सिंह	बुद व बुद और बिल	
मूरतका में बूहस्त पिता और मूरज लड़के से मुदाद होगी	औरत का समुदाय मुदाद होगी	औरत का समुदाय मुदाद होगी	बूहा उप्र का देशक	ज़माना मर्दों में ज़माना	हम ज़माना मर्दों में ज़माना	रिश्तादारी को रातं नहीं	ज़माना मर्दों में ज़माना	खुद व बुद और बिल	खुद व बुद और बिल	खुद व बुद और बिल	खुद व बुद और बिल	
अपना आप हम और हमारा हुक्म	धर्मिक पेशा कानूनी दंगा पर	पिन्तू की बचाए पुरितस	अवल का बानी बुजुंग धन	जब उठे तो ज़ब	यह घर बचाव आवाद और आदमी	साया बहाण्ड पेदा हो गया	हर बिगड़ी को बनाने वाला	हमचूं मां दीगरे नेस्त वाला	बच्चे निकलने से पहले	मर तो जाएं मार निशानी छाड़े	बच्चे निकलने से पहले	
बाकी आत्म सफ़्र पर												

बोची (मर्द के टेवे में)	ओरत	को शर्त नहीं)	उनके बच्चे नहीं	पर	खांवंद	रिशतपारी	की	पसंदीदा	वरना	कारण
		बाकी अगले	बाप	होशियर	औरत	न माने	बजह से	हर बक्त	नामदं	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
मरी जान तसी जान ऐसी जोड़ी जिसकी बुनियाद सिर्फ दौलत पर हो। माया क्रायम तो जोड़ी क्रायम वरना कोई और जाह देख लेंगे	न कहेंगे या बाप न मानेंगे	बनाने में आपमन नाकामयब चानी जो बच्चे बनने गहस्त में साथ पूछ करो। रहने की कुछाहिशमद मार दब्जे का बन ही जाना या पलना पसंद करो।	के टेवे में) जो आखीर चानी जो बच्चे बनने गहस्त में साथ पूछ करो। रहने की कुछाहिशमद मार दब्जे का बन ही जाना या पलना पसंद करो।	से मारी हुई अवला जीरत	दरमियान नहीं	बाप का फर्जी धरम भाई					

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बड़ी लड़कों	साली (बौंदू शादी शुदा)	बड़ी बहन	अपनी मासी की लड़कों	मिली मिलाई गेर शादी शुदा औता।	गृहस्ती ताल्लुक के लिहाज से आम लड़कों जो सब को तारे तारने पर आवे तो हद से से ज्यादा खागबान वरना कुल मारता। हर तरफ दुख के चक्कर की मालिक	विना बताए सिर काने चालों की लड़कों मार हकीकी खून की खून नहीं रात नहीं (हने वाली) लड़कों	आपने बाबे की लड़कों मार हकीकी खून की खून नहीं रात नहीं (हने वाली) लड़कों	आपने बाबे की लड़कों मार हकीकी खून की खून नहीं रात नहीं (हने वाली) लड़कों	आपने बाबे की लड़कों मार हकीकी खून की खून नहीं रात नहीं (हने वाली) लड़कों	आपने बाबे की लड़कों मार हकीकी खून की खून नहीं रात नहीं (हने वाली) लड़कों	हर दो चक्कर और हर दो मर्द और अंत के साथ देहया लड़कों
एक तरफा तबीयत का वाकिम	समुर तारेगा बरना सब कुछ नीलाम करवा कर ही छोड़ेगा	समुर का बाई	मास्तर (मासी का खांचिंद)	खानदानी मज़दूर मार पुरुत दर पुरुत ताल्लुक दर	बेवफा गुलाम लड़कों लड़कियों का ताल्लुक दर	नाशुकर रिश्तदार लड़कियों गार भडारी का ताल्लुक दर	अंधे लाखों दरे वाला मद्द ताल्लुक का रिश्तदार खानदान समुर खानदान दर	उजड़ों को बसाने वाला अपना तुरुणा जो न किसी के बुरे में और खानदान अपना	चाचा मार इन्हें और मान का गालुका का रिश्ता दर	पूर्ण भर्त्ता और रैतमद चैकीदार मालिक	कुदरत का भेजा हुआ पूरा रक्क और तारा ही जाने वाला गेहरबान दरस्त
मोहरबान तो तारेगा बरना सब कुछ नीलाम करवा कर ही छोड़ेगा	पांच तरफा तबीयत का वाकिम	समुर का बाई	मास्तर (मासी का खांचिंद)	खानदानी मज़दूर मार पुरुत दर पुरुत ताल्लुक दर	बेवफा गुलाम लड़कों लड़कियों का ताल्लुक दर	नाशुकर रिश्तदार लड़कियों गार भडारी का ताल्लुक दर	अंधे लाखों दरे वाला मद्द ताल्लुक का रिश्तदार खानदान समुर खानदान दर	उजड़ों को बसाने वाला अपना तुरुणा जो न किसी के बुरे में और खानदान अपना	चाचा मार इन्हें और मान का गालुका का रिश्ता दर	पूर्ण भर्त्ता और रैतमद चैकीदार मालिक	कुदरत का भेजा हुआ पूरा रक्क और तारा ही जाने वाला गेहरबान दरस्त

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
वनिया त्रिवियत का हाकिम	सप्तर (मर्द के टेवे में जौरत का सप्तर बहस्त से सुरक्ष होगी	दौलत की दोस्ती को आधिर तक निभाने वाला मुहाफ़िज़	धर्माता माता का छोटा भाई को बेचने का ब्योपारी	बच्चों के बेचने का ब्योपारी	त्रिवियों का सम्पुरण के घर का माली खूलिया (बेहद बोलते जाना) का नार हुआ पागल	त्रिवियों का सम्पुरण खानावान के घर की पर पेशाब के टट्टी वजाय बिस्म पर ही तेज़ करने वाला कमाई	त्रिवियों का सम्पुरण के घर की पर पेशाब के टट्टी वजाय बिस्म पर ही तेज़ करने वाला कमाई	त्रिवियों का सम्पुरण खानावान के घर की पर पेशाब के टट्टी वजाय बिस्म पर ही तेज़ करने वाला कमाई			
इकलौता वेटा	साला	भतीजा	मासी	पेटा	दांहता	भैती	चचा	चचा का लड़का	यतीम खाना का	दांधा मात छर ताढ़े	हर दुख को सुख में बदल देने वाला लड़का
इकलौता वेटा	साला	भतीजा	मासी	पेटा	दांहता	भैती	चचा	चचा का लड़का	यतीम खाना का	दांधा मात छर ताढ़े	हर दुख को सुख में बदल देने वाला लड़का
15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26

ग्रहों के मुत्तुलिका (खानावार) कारोबार

नाम ग्रह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
कर्मियागर मार फ़र्ज़ी दम दिलासे पीले रंगों की चीज़ों के मुत्तु अलिलका कारोबार	मिट्टी के दम ^{१२} पीले रंगों की चीज़ों के मुत्तु अलिलका कारोबार	तालीमी कारोबार सोना सोना मार सोने के मार कारोबार मिट्टी कर देंगे	तालीमी और आव पशी के मुत्तु अलिलका कारोबार सोने के मार कारोबार मिट्टी कर देंगे	सूधने की चीज़ों खुशबू दर के मुत्तु अलिलका कारोबार कारोबार कारोबार	किताबों की दुकान और कारोबार अलिलका कारोबार कारोबार कारोबार कारोबार	पहाड़ी इलाका की बीगरियों के काम मुत्तु अलिलका कारोबार कारोबार कारोबार कारोबार	धरम अस्थान के कारोबार कारोबार काम जुक्सान का बाइस होगे मगर दूध दही के कारोबार मुखरक फल देंगे	लोहे के कारोबार कारोबार काम पूजा का समान भेस के काम	रोल्ड गोल्ड गिल्ट मुलभ्या के कारोबार	पीतल या पीतल का कारोबार	पीतल या पीतल का कारोबार	पीतल या पीतल का कारोबार
राज दरबार के मुत्तु अलिलका काम	गन्दुम बाजार खाने के अनाज के	भरीजों के साथ से कारो बार	पानी और रेशम के कारोबार भुआ के बेटे के साथ से कारोबार	बदरों और बक्कों के मुत्तु अलिलका कारोबार	दोहते के साथ से कारोबार मुखरक कारोबार	गाय का ब्बोपार निकम्मा मगर चांदी दूध के कारोबार मुखरक	रथ गाढ़ी के निकम्मा मगर चांदी दूध के कारोबार	माकान और भैस के अलिलका कारोबार	तांबे के कारोबार मुत्तु अलिलका कारोबार	आत्य चबकी पीसने के कारो बार	तांबे के कारोबार मुत्तु अलिलका कारोबार	तांबे के कारोबार मुत्तु अलिलका कारोबार

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२
सौफ के कारोबार मुबारक मगर दातों के मुत्त अलिलका कारोबार भैर मुबारक	दरिद्रों के हाथी दातं के कारोबार कारोबार कारोबार	कढ़वे दरख़ा और तलावर के मुत्त अलिलका कारोबार गैर मुबारक मगर मुग शाला का ब्योपार उत्तम	हिक्मत (हकीमी) मुत्त अलिलका सामान और बीमारियों के मुत्त अलिलका कारोबार	पेट के फलीदार पौदे अजवाइन के कारोबार	दाल मसू फलीदार जिन चीज़ों में मशीन का तात्त्वक न हो	मकान के कारोबार जिन चीज़ों में मशीन का तात्त्वक न हो	तमाम फलीदार खुशक (खुशक फल) (मेवे) सुईं रां और खून की मुत्त अलिलका के अस्या के कारोबार	शहर मीठे शोजन के कारोबार	शहर मीठे शोजन के कारोबार	सिद्धू लाल (भात) के काम	गिलू और कड़वी दवाइयों के कारोबार
२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	
जूधान सिर के दांचे के मुत्त अलिलका कारोबार कारोबार	मूंग और दमा का ऐश इशरत के अंदे राग के सामान कलम की निव के कारोबार	तोता क़लमी कच्चे घईं को मद्द देने से ब्योपार मुबारक	बांस के कारोबार पेती की मद्द से हरदम बरकत	फूल के कारोबार या स्वेशनी की दुकान तेल हर किस्म (लड़कियाँ)	हर तरह का ब्योपार नाकिस मार खांड फट्टे और या खाने के कारोबार	जंगली के मुत्त अलिलका कारोबार फूली और हर पीने के कारोबार बेहतर	दांत के कारोबार या शरव की दुकानों ढोल किस्म के मुत्त अलिलका कारोबार	सीप हीरे फिटकरी के काम अदलानों से मुत्त अलिलका सामान राग	खिलौनों के कारोबार मार सद्या वौरह गैर मुबारक	खिलौनों के कारोबार मार सद्या वौरह गैर मुबारक	
४	५	६	७	८	९	१०	११	१२			
अलिलका सामान मुबारक कीकर के दरख़ा के कारोबार चौराह मुबारक	माश (उड्ड सालम) के दरख़ा के मुत्त अलिलका कारोबार	बीनाई का डाक्टर खुशुर के दरख़ा के मुत्त अलिलका कारोबार	संगमर सफेद मकान के मुत्त अलिलका सामान मरकान नहाँ	सुरामा स्याह के कारोबार कारोबार इंजिनियरी	ज़हरीली चीज़ों सरिया सफेद सुरामा अफीम चरस के अलिलका कारोबार	पुरानी लकड़ी (ठहली) शीशम या फलाही के सामान	दरियाई जानवरों के कारोबार	रेलवे या मकानात या लोहे के कारोबार	तड़ा पेश या बादम के कारोबार		
५	६	७	८	९	१०	११	१२				

हर ग्रह का मुतअल्लिका मकान

बृहस्पत का मकान:- बृहस्पत हवा के रास्तों से मुतअल्लिका होगा। सेहन मकान का मकान के किसी एक सिरे पर होगा ख़ाह मकान के शुरू में ही हो ख़ाह बिलकुल आख़ीर पर। ख़ाह दाए बाए तरफ मकान के एक तरफ मगर दरमियान में न होगा। मकान का दरवाज़ा शुमाल जुनूबन न होगा। हो सकता है कि पीपल का दरब़ान या कोई धरम स्थान मंदिर मस्जिद गुरुद्वारा वगैरह मकान में या मकान के बिलकुल साथ ही होवे।

सूरज का मकान:- सूरज रोशनी के रास्ते बतलाएगा। मकान का दरवाज़ा निकलते सूरज मशरिक की तरफ होगा और सेहत मकान के दरमियान में होगा। आग का ताल्लुक सेहन में होगा और हो सकता है कि पानी का भी ताल्लुक निकलते बक्त (मकान से बाहर निकलते हुए दाए हाथ पर सेहन में ही हो इधर उधर किसी और जगह न होगा।

चंद्र का मकान:- चंद्र ज़मीन और धन दौलत का मालिक है। और सूरज से मिलता है। मकान के अव्वल तो अंदर ही बरना मकान की बाहर की चार दीवारी के साथ लगा या लगता हुआ और आखिर आगर दूर भी कहो तो कुण्डली वाले की अपनी 24 कदम से उस मकान से और मकान के बड़े दरवाजे के ऐन सामने कुआं हैंडपंप या तालाब वगैरह या चलता हुआ पानी ज़रूर होगा। ज़मीन के अन्दर से कुदरती पानी को चंद्र लेंगे मस्नूई नलका चंद्र न होगा आबशार चश्मा वगैरह चंद्र गिने जाते हैं।

शुक्कर का मकान:- मकानों के ताल्लुक में यह ग्रह सूरज के बरखिलाफ़ होगा। इयोद्धी का शहीर शुमालन जुनूबन होगा मकान में कच्चा हिस्सा ज़रूर होगा दरवाज़ा मकान भी शुमालन जुनूबन होगा। इस का सबूत सफेदी (क़लई) चूना का हिस्सा व पलस्तर से होगा।

मंगल नेक का मकान:- यह ग्रह बृहस्पत सूरज और चंद्र के साथ चलता है

मगर उनके दाएं या बाएं मानिंद चौकीदार (पहरा बाला) होगा। मकान का दरवाज़ा शुमालन जुनूबन

सेहन-आंगन	ऐन-ठीक, बिलकुल	बरखिलाफ़-विरुद्ध, उल्टा, प्रतिकूल	मानिंद-तुल्य
आबशार-झरना	मशरिक-पूर्व दिशा	दरमियान-बीच में	शुमाल-उत्तर दिशा
			जुनूबन-दक्षिण दिशा

होगा। कच्चे या पकके होने की कोई खास शर्त नहीं। मर्द औरत जानवरों की आमदोरफूत की वरकत होगी।

मंगल बद का मकानः- मंगल बद मकान का दरवाज़ा सिर्फ जुनूब में होगा। मकान

के साथ या ऊपर मकान के दरख़्त का साथ आग हलवाई की दुकान और घट्ठी का साथ होगा। मकान में
या मकान

के साथ क्रिस्तान या शमशान भूमि होगी। लावल्दों का साथ होगा और हो सकता है कि खुद वह इन्सान भी
काना काना लावल्द होगा अगर किस्मत भली होगी तो उसे उस में रहने का इच्छिक ही नहीं होगा।

बुध का मकानः- मकान चारों तरफ से दायरा में हर तरफ से खाली या खुला हुआ होगा।

या अकेला ही मकान होवे। मकान के साथ चौड़े पत्तों के दरख़्त का साथ
होगा। (पीपल का दरख़्त बृहस्पत चंद्र शहवृत या लसूड़ा बुध होता है)

बहरहाल बृहस्पत या चंद्र के दरख़्तों का साथ न होगा और अगर होगा तो वह घर

बुध की दुश्मनी का पूरा सबूत देगा।

सनीचर का मकानः- मकानों में यह ग्रह चारदीवारी से मुतअलिक़ा होगा और सूरज

से उलट चलता है। मकान का शारए आम का बड़ा दरवाज़ा (अंदर के दरवाज़े किसी भी

ग्रह में नहीं माने गए) मग्नियर में होगा। मकान की सबसे आख़री कोठरी

जो बाहर से मकान में अंदर दाखिल होते वक्त दाएं हाथ की तरफ की होगी।

पूरी अंधेरी कोठरी होगी। जिस दिन तक उसमें रोशनी का बन्दोबस्त न होगा।

सनीचर का उत्तम फल होगा। जिस दिन जरा भी रोशनी या सूरज के आने का बन्दोबस्त हुआ सूरज

सनीचर का झगड़ा या वह घर बरबाद हालत का हो जाएगा। मकान में पत्थर गड़ा हुआ होगा। मकान के

सबसे पहले दरवाज़े की दहलीज़ पुरानी लकड़ी की (शीशम या कीकर बेरी फलाही वैरह की होगी

हर हालत में नये ज़माने की लकड़ी दयार-चीड़ वैरह न होगी)। छत पर भी पुरानी लकड़ी

का साथ आम होगा। हो सकता है कि उस मकान में सुतून मीनार या थम्म का साथ होवे।

राहु का मकानः- (बालिगों से मुतअलिक़ा बिमारी-झगड़े-राहु-छत-बलाए बद) बाहर

से अंदर जाते वक्त उस मकान में दाएं हाथ पर कोई गुमनाम गढ़ा बना होगा। बड़े

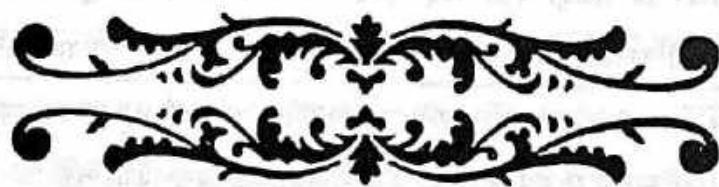
दरवाज़े की दहलीज़ के ऐन नीचे से मकान का पानी बाहर निकलता होगा। मकान के सामने का

लावल्दों-निःसन्तान शारए आम-आम रस्ता मग्नियर-पश्चिम दिशा बन्दोबस्त-प्रबन्ध

ऐन-ठीक, बिल्कुल इच्छिक-संयोग, दैवयोग दरख़्त-पेड़ आमदोरफूत-आना जाना, आवागमन

हमसाया लावल्द होगा या गैर आबाद ही होगा। हो सकता है कि मकान की दीवारें तो तबदील न होवें मगर छत कई बार बदली जायें। मकान के साथ लगती हुई भड़भूंजे की भट्टी - कोई कच्चा धुआं-ग़र्क़ी (गदे पानी को जमा करने का गढ़ा) बगैरह का साथ होगा।

केतु का मकान:- बच्चों के मुतअल्लिका केतु खिड़कियां व दरवाज़े बतलायेगा (हवाए बद अचानक धोके) कोने का मकान होगा। तीन तरफ मकान एक तरफ खुला या तीन तरफ खुला और एक तरफ कोई साथी मकान या खुद उस मकान की तीन तरफें खुली हुई होंगी। केतु के मकान में नर औलाद ख़ाह लड़के ख़ाह पोते 3 से ज्यादा न होंगे। अगर एक लड़का तो 3 पोते, अगर 3 लड़के तो एक पोता या एक ही लड़का और एक ही पोता कायम होगा। इस मकान के दो तरफ काटता हुआ रास्ता मकान होगा। साथ का हमसाया मकान कोई न कोई ज़रूर गिरा हुआ बरबाद या कुतों के आने जाने का ख़ाली मैदान बरबाद सा होगा।



तबदील-बदलना

लावल्द-निःसंतान

ख़ाह-चाहे

मुतअल्लिका-संबंधित

पोते-बेटा का बेटा

हर ग्रह का मुतअल्लिका इन्सान

बृहस्पत का इन्सान:- बृहस्पत के ग्रह के प्रबल होने वाले शख्स का माथा चूहे के माथे की तरह तंग सा न होगा। न ही वह दमा की बीमारी वाला या नाक कटा हुआ होगा। उसका बोलना- चलना- बगैरह गुरु की तरह शाहाना गंधीर और नेक होगा। हाथ की पहली तर्जी उंगली लंबी होगी मगर कटी हुई या रद्दी हो चुकी हुई न होगी। तबीयत में सुधरे (लापरवाह जिसमें किसी से भी मुहब्बत की बू. न हो) की तरह रूखापन न होगा और न ही जानवरों को ज़िबह करने वाला क़साई होगा।

मन्दरजाजैल का साथ होगा :-

रुहानी हाथः- उंगलियों के जोड़ मालूम

ही न हों और नाखून वाली पोरी नोकीली
सी हो तो मज़हब पर मर जाने वाला हो
जो किस्मत करेगी “देखा जाएगा” के
कौल का आदी होगा। ऐसे शख्स से किसी
को भी फ़ायदा न होगा। आदत का लापरवाह- माली हालत दरमियाना होगा।



सूरज का इन्सानः- सूरज के प्रबल ग्रह वाला - अंगहीन (जिसका कोई अजू या हिस्सा कटे हुए वाला) न होगा। इस का रंग गन्दुपी - आंखें शेर नर की तरह रोशन मगर डरावनी न होंगी। कुद इसका लंबा जिसम पतला (इकहरे जिस वाला मगर ढीला सा मरियल नहीं) हर तरह की मुसीबत बरदाशत करने वाला और मज़बूत होगा। लंबा चेहरा कुशादा पेशानी वाला होगा (रफ़तार गुफ़तार में दायां हिस्सा जिसका पहले चलाने वाला होगा। शक्लो शबाहत में ज़ाहिरा तो भोला भाला सा होगा मगर अंदर से दबी हुई आग की तरह गरम होगा। चाल चलन (कामदेव) का पूर्ण नेक होगा।

शराब से दूर रहने वाला और शरारत का माकूल जबाब देने वाला होगा। हर बात

ज़िबह-वध

बरदाशत-सहन करना

मज़हब-धर्म

कुशादा-खुला, फैला हुआ

गन्दुपी-गेहूँआ

पेशानी-माथा, ललाट गुफ़तार-चाणी, शब्द

मन्दरजाजैल-निम्नलिखित

माकूल-उचित, योग्य

में पहला हिस्सा लेने वाला होगा। मन्दरजाजैल

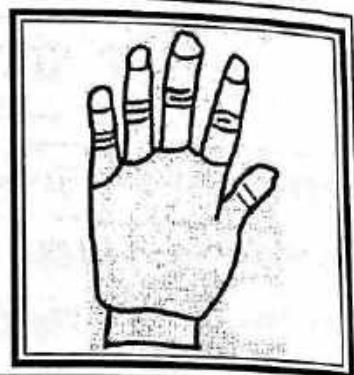
बातों का साथ होगा:-

सपाट हाथ-उंगलियों के दरमियानी

जोड़ मोटे और सिरे उनके गोल हों तो

ऐसा शख्स मेहनती इरादा का पक्का होवें।

जिस बात पर अड़े पीछे न हटे।



चंद्र का इन्सानः- चंद्र प्रबल वाला सफेद रंग (दूध की झलक वाला दही के रंग की सफेदी नहीं) शान्ति सुभाओ-चौड़ाई वाला चेहरा-चकोर या घोड़े की आंखों की तरह आंखों वाला-दूसरे की बात में हाँ में हाँ मिलाकर फिर उस दूसरे को नर्म सा जबाब देकर और उसके दिल को मनाकर अपनी तरफ कर लेने वाला। लिवास में सफेदी पसंद-जिस का निचला हिस्सा (नाभि या नाफ़ से नीचे पावों की तरफ़ का हिस्सा)।

पले हुए हाथी की तरह भारी-भद्रा सा

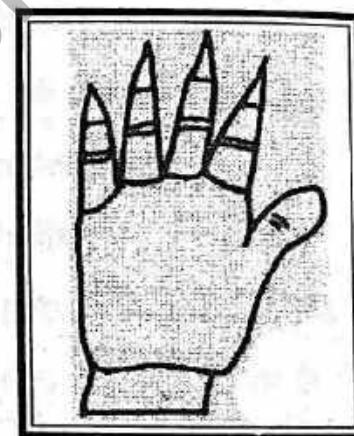
और बेडौल न होगा। मन्दरजाजैल बातों का

साथ होगा:-

मुतफ़क़र्हा हाथ-अंगूठा छोटा-उंगलियां

तराशी हुई सी हो तो मवेशी पालने का

शौकीन होवे और मवेशियों से फ़ायदा उठावे



शुक्कर का इन्सानः- शुक्कर के प्रबल वाला रंग में सफेद (दही के सफेद रंग की झलक दूध के सफेद रंग की नहीं) चेहरा गोल मोल सा खूबसूरत-आंखें बैल की आंखों की तरह की मगर मस्ताना और आशिकाना ढंग की-रुख़सार से बुलंद व पुरगोश्त व गोल-तबियत में ऐश पसंद (कोई रोए कोई हंसे मगर वह खुद अपने आप में खुश) और

हरदम अपने आप को औरतों की तरह संवारता रहे। मन्दरजाजैल

बातों का साथ होगा:- “मुसल्लसी हाथ”-उंगलियां नोकदार और जोड़

उनके मोटे हों तो हुस्नपरस्ती पर मर मिट जाने वाला हो।

मुतफ़क़र्हा-पृथक, जुदा

नाफ़-नाभि, दुंडी

पुरगोश्त-भरा हुआ मांस

हुस्नपरस्ती-सुंदर चीज़ों पर मुर्धता

मुसल्लसी-तिकोना दरमियानी-बीच में

शख्स-मनुष्य, आदमी

लिवास-कपड़ा

रुख़सार-गाल



मंगल नेक का इन्सानः:- मंगल नेक के प्रबल ग्रह वाला एक तरफा तबियत-दहाना (मुंह का) कुशादा-दोनों हाँठ यकसां व सुख्ख रंग-आंखें सुख्ख और शेर की तरह डरावनी और खूंखार सी। वृहस्पत व सूरज को निशानियां भी साथ मिलती सी मालूम होंगी। गेंद (मीनार) की तरह ऊपर से उभरा हुआ और भारी मगर नीचे पांव की तरफ से हल्का होगा। मन्द्रजानैल का साथ होगा।

मुरब्बा हाथ उंगलियों के सिरे चौड़े हों। हुक्मत का ख्वाहिशमंद इरादे का पक्का होगा।



मंगल बद का इन्सानः:- मंगल बद के प्रबल ग्रह वाला जल्लाद क़साई और हाथ पर आग और छुरी साथ लिए फिरता (मैदाने जंग का मतलाशी दूँढ़ कर पाने वाला-खुद कोशिश करके लड़ पड़ने वाला) आंखें खूंखारी में शेर की तरह और सुख्ख मगर हिरण की तरह की भी यानी दोनों हालतों में से पता न चले कि किससे मिलती हैं। क़द काठ का उम्मा-लंबी उम्र वाला-खुद न जले मगर

हर जाकि रोज़ शरीफ़ा न फ़सले रबी शुद न खरीफ़ा की तासीर वाला-आवाज़ में दहाड़ने की गूँज व भारीपन और अपने आप में ही मौत का यम होकर चलने वाला होगा। अंगूठा लंबा उंगलियों के सिरे चौरस या मुरब्बा हों तो झगड़ालू होगा।



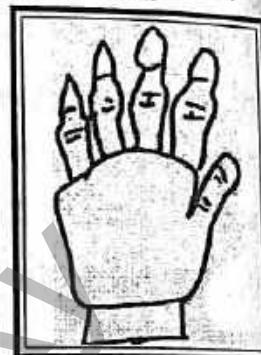
जिस जगह उसका क़दम शरीफ़ जावे वहाँ साल की दोनों फ़सलें ही बरबाद होगी

बुध का इन्सानः:- बुध के ग्रह के प्रबल वाला कबूतर की आंख से मिलती हुई आंखों वाला मगर डरपोक-चाल में मिस्कीन-बिल्ली की तरह का-ज़बान मासूम लड़कियों की तरह की मगर जादू की ताक़त की। दांत शानदार-बहरूपियापन (नक़ल करने या स्वांग उतारने की ताक़त)

कुशाद-खुला, फैला हुआ जल्लाद-निर्दयी, अत्याचारी	यकसां-समान, बराबर, समतल मिस्कीन बिल्ली-असहाय बिल्ली	ख्वाहिशमंद-चाह क़द काठ-डील, आकार मुतलाशी-तलाश करने वाला, दूँढ़ने वाला
--	---	---

दर्जा कमाल ज़बान को होंठों पर फेरने की आम आदत-गुफ्तगू में तेज़ रवानी-बातों बातों में फ़र्ज़ी व कियासी महल बना देवे मगर बकवासी व गप्पी न होगा। हर एक को अपना क्रायल और साथी बना लेगा मगर खुद रहनुमा बनने वाला न होगा। ज़बान का चस्का ज़्यादा मगर खुराक कम-खूबसूरती पसंद मगर ज़्यादा चीज़ों की परवाह नहीं। मदरजाजैल बातों का साथ होगा।

मन्तकी हाथ :- अंगूठा लंबा-उंगलियों के जोड़ बाहर को या मोटे-हथेली का कनिष्ठा के नीचे का हिस्सा बाहर को निकला हुआ। मुआमलाल की जड़ तक पहुंचने वाला।



सनीचर का इन्सानः- सनीचर के प्रबल ग्रह वाला सांप सुभाओ-आंखें सांप की आंखों से मिलती हुई गहरी व गोल-रंगत में सफेद या सुख़ूं न होगा बल्कि स्याही पर या स्याह रंग ही होगा। भवें लेटी लकीर की तरह सीधी या भवों के बाल कम। आवाज़ में सांप की तरह टकटक करने वाला। आंखें बहुत देर देर बाद झपकने वाला होगा। बात में पता न लगने देगा कि इसका अपना असली मतलब क्या है? दोनों पहलू चारों तरफ धूम जाने वाला होगा अगर मदद पर हुआ तो दूसरे की मदद करने के लिये अपना सब कुछ कुर्बान कर देगा। पक्का हठधर्म होगा। अगर बरखिलाफ़ी पर हुआ तो मुकाबिल वाले का सब कुछ बरबाद व ज़हरीला कर देगा। और सिर्फ़ दुनियावी तमाशा दिखला देगा ख़ाह दुश्मन का और अपना दोनों का ही कुछ न बने। सुनने की बजाए आंखों से ही काम लेगा। दूसरों पर सांप आ निकलने की तरह का डर पैदा कर देगा। कान छोटे-अलाहदा बैठने का आदी होगा।

राहु का इन्सानः- राहु के प्रबल ग्रह वाला बुलन्द ठोड़ी रंग पूरा स्याह (अगर राहु ऊंच हो तो रंग स्याह न होगा मगर बाक़ी सब राहु में इस जगह लिखी हुई बातें ज़रूर होंगी) अमूमन काला-आंख से काना या औलाद की तरफ से लावल्द होगा। टेढ़ा चलने वाला-हाथी का जिस्म रंग व हाथी की ही आंखों से मिलती हुई आंखें होंगी।

गुफ्तगू-बाते करना, वार्तालाप करना
मुआमलाल-बात की गहराई

तार्किक-तर्कशास्त्र का जानने वाला
अलाहदा-अलग

क्रायल-अपना बनाना
बरखिलाफ़ी-विरोध

तरफ का नाश कर
सीखुएक उम्माद
पकड़ नहीं। मिस्व
करता शुरू कर दे
मुख्यत न होगा।
केतु का इन्स
हिस्सा बुलन्द बलि
गाज़ की तरह
(कृत्ति मुअर या

व-अरामी-विन

तवीयत में कच्चे धुएं की तरह की चे आरामी सी होगी। जिस तरफ मिल गया वही तरफ दूसरी तरफ का नाश करने वाली हो गई। दिमागी ताकत हमेशा शरारत और चरबादी का ढंग खड़ा कर देगी। खुराक ज्यादा मगर चस्का कम चीज़ों की ज्यादती का शौकीन मगर उनकी खूबसूरती की परवाह नहीं। मिस्कीन बिल्ली की तरह अगर उसे उड़ने के पर मिल जावें चिड़ियों का बीज नाश करना शुरू कर देगा। बिल्ली की तरह उसे मकान से मुहब्बत होगी मालिक की जान से मुहब्बत न होगी।

केतु का इन्सानः— केतु के प्रबल ग्रह वाले के कान बड़े बड़े भवों का दरमियाना हिस्सा बुलन्द बल्कि ऊपर से बाहर को उभरा हुआ सा-जिस्म खूब मज़बूत खासकर टांगों का हिस्सा भारी गाजर की तरह उसका जिस्म नीचे से मोटा और ऊपर सिर की तरफ से हलका। तवीयत नेक दरवेश (कुश सुअर या साधु) की होगी



बे-आरामी-बिना आराम
जिस्म-शरीर

खुराक-खाना, भोजन, रोजी
मिस्कीन बिल्ली-असहाय बिल्ली

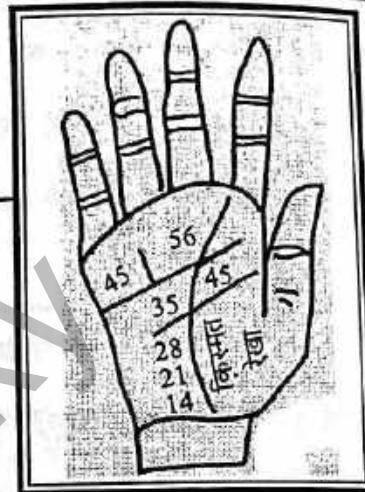
दरमियाना-बीच का
दरवेश-साधु, सन्यासी

हर ग्रह की मुतुअलिलका रेखा

बृहस्पत की रेखा:- बृहस्पत का असल निशान इत्रिया.....जो सब से उत्तम है और अकेले बृहस्पत के असर का है।

कद बृहस्पत:-

- 1- लंबा हो (मर्द)-नर्मदिल-धर्मात्मा
 - 2- लंबा हो (औरत)-सादालोह-भोली
- तबियत-अपनी उंगली के पैमाने से (तीन तीन उंगली की एक गिरह-4 गिरह की बालिशत-दो बालिशत का हाथ-दो हाथ का गज़ यानी 36 इंच या 48 उंगल या एक उंगली $\frac{3}{4}$ इंच मगर अपने हाथ के पैमाने से हो (कुल इंच को $1\frac{1}{3}$ से ज़रब दो तो तादाद निकली होगी 68 उंगल बद नसीब - 52 उंगल नेक नसीब होगा। तफ़सील मन्दरजाज़ैल होगी।



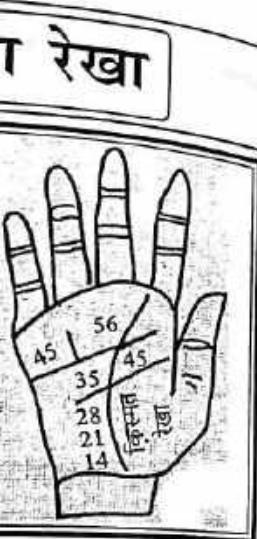
अपना कद उंगल	उम्र के उंगल
30	90
35	91
40	92
45	93
50	94
55	95
60	96
65	97
70	98
75	99
80	100
85	101
90	102
95	103
100	104
105	105
110	106
115	107
120	108

फ़र्मी उंगल उम्र
5 साल होनी गई है



तफ़सील-विस्तार, विवरण

मन्दरजाज़ैल-निम्नलिखित नर्म दिल-आई हृदय, रहमदिल
बालिशत-हाथ के अंगूठे और कनिष्ठा के बीच की दूरी सादालोह-भोला भाला, निश्छल किस्मत-भाय
गिनी गई है नसीब-किस्मत



3/4 इंच भगर अपने हाथ के
नसीब - 52 उंगल

45	56	45
35		
28		
21		
14		

अंदर की तरफ अंदर की तरफ

निश्चल
निश्चल
किस्मत-भाव
नसीब-किस्मत

सूरज की रेखा

1028

सूरज का सितारा चमकता हुआ सूरज या
कंच सूरज होता है और सूरज रेखा
बाल तले हुए सूरज (सूरज घर का) हुआ
करता है। सूरज के चक्कर से मुण्ड सूरज
बुध मुश्तरका होंगे या सूरज खाना नम्बर 5 का
होंगा और बुध का जुदा असर सारी उम्र ही न
होंगा। ऐसे शाखा का बुदापा निहायत उम्दा होगा
भगर मौत अचानक होगी। सूरज के चक्कर और
सितारा के असर में फ़र्क यह है कि चक्कर के असर का
दरजा उस सितारा से कम होगा। सितारा हमेशा
अपने लिये मुबारक होगा।

सूरज रेखा जिस क़दर शाखादार होगी

सूरज की किरणों की ताक़त और असर की
मज़बूती ज्यादा होगी।

नोट:-

इस के बाद सफ्ट: 1030 के शुरू में

सूरज रेखा का हिस्सा देखें।

मुण्ड-आशय, मतलब, इच्छा
सज्जा-पृष्ठ

मुश्तरका-मिले जुले
बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

शाखा-मनुष्य
फ़र्क-अन्तर

निहायत-बहुत ही
क़दर-अनुमान, अंदाज़ा





चंद्रमां की मुख्तलिफ़ रेखाएं

सनीचर-शनि ग्रह

समंदर पार-समुद्र पार

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

सफर-यात्रा

अंदरूनी-अंदर की

अद्यता अर्द्ध का मुख्यालिफ-विभिन्न प्रकार के

अगर सूरज रेखा अपने सूरज के बुर्ज से चलकर सूरज के बुर्ज पर ही ख़तम हो तो सूरज का असर खाना नम्बर 5 (सूरज का अपना भर) का होगा और अगर दिल रेखा पर ख़तम होवे तो खाना नम्बर 6 (चंद्र के ताल्लुक) का होगा। अगर मुस्तील में ख़तम होवे तो खाना नम्बर 6 केतु के ताल्लुक का होगा। सिर रेखा पर ख़तम होते तो सूरज खाना नम्बर 7 बुध का ताल्लुक होगा। और अगर और इगं बचत के खाना नम्बर 11 में ख़तम होते तो बृहस्पत का ताल्लुक होगा। अगर और आगे चलकर चंद्र पर ख़तम हो तो खाना नम्बर 4 फिर वही चंद्र का ताल्लुक होगा। हर हालत में अगर सनीचर की कर्ध रेखा का ताल्लुक होगा।



चंद्र की मुख्तालिफ रेखाएं

चंद्र हमेशा राशिफल का होता है और खासकर 3 घरों यानी खाना नम्बर 8 मौत से बचाता, नम्बर 7 खुरक धन दौलत देवे। नम्बर 3 मैदाने जग में हर तरह की मदद देवे या घोड़ा सिर्फ तीन दफ़ा जागता है।



पितृ रेखा पर शुक्रकर के मुकाम पर सूरज का सितारा होवे तो होते हुए उस शास्त्र की की मौत बरिया या जड़ी से होगी। और अगर चंद्र के बुर्ज पर सनीचर फ़ाहिर होवे तो गत के बचत यानी से मौत होगी।

खुद दुरुस्ती तहरीर (चंद्र)

बड़ा व मोटा हरफ़- फ़राख़ दिल- साफ़ सादा पढ़ा जाने वाला- मनवृत व सख़्त दिल वाला- लंबी लंबी लकीरें व चढ़-मढ़ बगैर सोचे जल्दी करने वाला। सीधा साफ़-कुदरती अक्ल वाला। बारीक अपली लियाकत वाला। गोल व बराबर बराबर हरुक उम्मा फ़ैसला करने वाला। छोटा छोटा हरुक- बुझा हुआ शर्मनाक डरपोक। खूबसूरत व फूलदार-सजावटी-लाफ़जन गप्पी।

अंग फ़ड़कना:- (चंद्र) दांया अंग फ़ड़कना मुवारक बायाँ और मुवारक। अगर 40-43 दिन से

कुर्न-गुबंद	मुस्तील-आयत	लियाकत-योग्यता	लाफ़जन-डाँगे मारने वाला
ताल्लुक-संबंध	दफ़ा-बार	हरु-अक्षर, वर्ण	फ़राख़-विशाल, बड़ा

ज्यादा लगातार अर्सा फड़कता रहे तो कोई गिनती की चीज़ न होगी। बाय बादो का सबब होगा

आंख :- (चंद्र का घर खाना नम्बर 4)

- 1- जिस क़दर बड़ी-उभरी हुई या बाहर को निकली हुई और हलका रंग हो उसी क़दर नेक सुभाओं और जल्द समझने वाला होगा और रुहानी ताक़त वाला होगा।
- 2- जिस क़दर छोटी-गोल-अंदर को घुसी हुई या गहरी और हलका रंग होवे उसी क़दर ज्यादा मतलब परस्त शरीर और तुंद मिजाज होगा।
- 3- जिस क़दर और जिस जानवर से मिलती जुलती होवे इन्सान में उसी क़दर ज्यादा और उसी जानवर के सुभाओं और दिल की खुफिया काम करने वाली ताक़तें होंगी।
- 4- छोटी आंख दिल का हौसला छोटा दिल तंग।
- 5- लंबी आंख-दिल की नक़ल व हरकत लंबी
- 6- गोल आंख-सफ़र कई और हर सफ़र में साल कई या ज्यादा (एक जगह पर) लगेंगे।
- 7- गहरी आंख-खुदग़र्ज़-बेवफ़ा।

- 8- गोल-गहरी-स्याह मार चशमा सांप का सुभाओं।
- 9- गोल-गहरी-ब पूरी बहुत शादियान मगर फिर भी औरत का सुख न होवे।
- 10- अगर ज़बान और तालु स्याह का साथ होवे तो खुदा की पनाह एक सांप दूसरे उड़ने वाला हर तरह से भनहूस। खानदान को बदनाम करने वाला लालचल सब्ज़ क़दमा होगा।
- 11- बड़ी और रोशन-अक़ल मंदी की निशानी।
- 12- आतशी (सूर्ख़ रंग) भड़कने की ताक़त।
- 13- धीमी और झलक मारती हुई समझने की ताक़त।
- 14- नरम नज़र-नरमी तबीयत को ज़ाहिर करती है।
- 15- सब्ज़ जल्द समझने वाला।
- 16- अंधा-खुदग़र्ज़ होगा।
- 17- काना-बुए सुभाओं।
- 18- भेंगा-सबसे ऊपर फ़रेबी
- 19- बिल्ला-खोटे काम करने वाला बदफ़ेल

दुश्मन ग्रह दोनों ही का फल मंदा होगा। जब चंद्र बाद के घरों में हो और दुश्मन ग्रह पहले घरों में तो चंद्र का असर बुरा होगा। दुश्मन ग्रह पर कोई असर न होगा। चंद्र के असर के बक़त शुक्कर और बुध उसका निस्फ़ अर्सा और ताक़त भी निस्फ़ ज़ाया

अर्सा-समय क़दर-प्रकार सुभाओं-स्वभाव
मतलब परस्त- अपना लाभ ही देखने वाला

खुदग़र्ज़-बेवफ़ा स्याह-काला
खुफिया-गुप्त बदफ़ेल-व्यधिचारी

कर देते हैं मगर वह अपनी ताक़त पूरी रखते हैं। बाक़ी ग्रह पूरा पूरा असर करते हैं। चंद्र का सूरज के साथ मिलने पर सूरज का फल हो जाता है और दोनों का ही फल उत्तम होगा। सूरज के बवत चंद्र अपनी जुदा रोशनी ज़ाहिर नहीं करता और साथी सूरज से ही रोशनी लेगा। चंद्र के विलमुकाबिल पापी ग्रह हो जावें तो चंद्र का अपना फल तो कुण्डली वाले के लिये उत्तम ही रहेगा मगर वह दूसरों की मुसीबत पर मुसीबत देखता हुआ बैचैन ही रहता रहेगा। अकेले चंद्र के विलमुकाबिल बुध बृहस्पत या सूरज बुध समंदर पर सफ़र का बुरा नतीजा होवे। अगर चंद्र से बुध की तरफ़ मंगल बद तक ही रेखा रह जावे तो हैसला वाला लंबे लंबे समंदर पर सफ़र बतलाएगी जिनके नतीजे भी नेक होंगे। या रेखा अगर बुध की तरफ़ का रुख़ रखती मालूम हो तो तिजारत के सफ़र से लाभ होगा जो काफ़ी होगा और अगर सूरज के बुर्ज का रुख़ करती मालूम हो तो राजदरबार सरकारी ताल्लुक के कामों में सफ़र से बहुत ज़्यादा मुनाफ़ा होगा। अगर यह चंद्र के बुर्ज की रेखा किस्मत रेखा में न मिले और बराहे रास्त सूरज या सनीचर के बुर्ज में जा निकले तो निहायत ही बड़ी ज़िन्दगी होगी ख़ाह वह लाखोंपति ही क्यों न होवे। मुसीबत पर मुसीबत देखता रहेगा।

विलमुकाबिल-आमने सामने बराहे रास्त-सीधे तौर पर

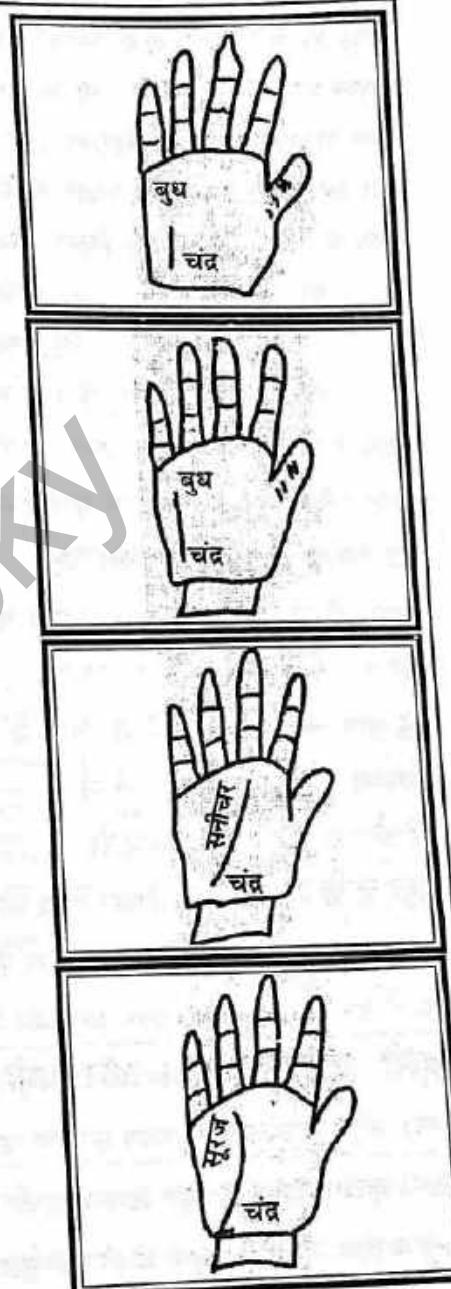
समंदर-समुंद्र

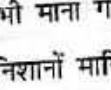
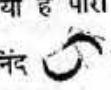
निहायत-बहुत ही

तिजारत-व्यापार

मुनाफ़ा-लाभ

ख़ाह-चाहे



अंगूठे की पोरियों पर "जौ के निशान" को चंद्र का निशान भी माना गया है पोरी की जड़ और पोरी। पर निशान की पहचान यह निशान चंद्र के आधे आकार के दो निशानों मानिंद  से मिलकर  बनता है। जिस तरफ का हिस्सा बड़ा होवे वह तरफ चंद्र के खत्म होने की होगी यानी इस से बड़े निशान की हद के बाद चंद्र न होगा या इस बड़े निशान की हदबन्दी से पहली पोरी की पहली पोरी जिसमें कि या जिस के सिरे पर कि वह बड़ा निशान होवे) होगा। खत A-A फ़र्ज़न

बड़ा खत है A1 और लकीर ACA छोटी लकीर अब हिस्सा नम्बर एक में

A2 A (नाखून वाला हिस्सा पर) लकीर AA

बड़ी है A3 A या दूसरी लकीर ACA नाखून वाले हिस्सा में ही रह गई है। इस

हालत में जौ का निशान नाखून वाली पोरी में गिना जाएगा और नाखून वाली पोरी की जड़ पर न होगा। पोरी की जड़ पर निशान से मुराद है कि इस पोरी के लिये जो कुण्डली में सुकरार किया है चंद्र उस घर को देखता है। मसलन नाखून

वाली पोरी को केतु का घर खाना नम्बर 6 माना है

अब चंद्र इसे देखता है से मुराद होगी कि

चंद्र खाना नम्बर 2 में है। पोरी पर निशान से

मुराद यह है चंद्र है ही इस घर में जो

घर की उस पोरी के लिये मुकरार है।

अंगूठे पर जौ का निशान यह निशान अंगूठे की तीनों पोरियों की जड़ पर माना जाता है साफ़ व सालम हो तो उस हिस्सा उप्र में सुख आराम दैलतमंदी का ज़माना न होगा और अगर दूटा हुआ होवे तो उप्र के उस हिस्सा का हाल ख़राब होगा जिस हिस्सा की जड़ में यह दूटा हुआ निशान होवे।



खुशी खाना नम्बर 4 और ग़मी खाना नम्बर 10:-

(चंद्र) अंगूठा छोड़कर बाकी तमाम उंगलियों पर यानी 4 (उंगली) ज़रब 2

(हाथ) ज़रब 4 (निशान) कुल 32 निशान जौ

(अनाज गंदुम जौ  वाकै हों तो दुख सुख

बराबर होंगे। इस 32 के हिंदसे को पक्की)



मानिंद-तुल्य, की तरह से

हदबन्दी-सीमा निर्धारण

मुराद-आशय, मतलब

मुकरार-निर्धारित, निश्चित

मसलन-जैसे कि

ज़रब-गुणा

गंदुम-गेहूँआ

बात माना है और 32 दिन का ही (ज्यादा से ज्यादा दिन) एक महीना में देसी हिसाब में माने गए हैं और मुंह में भी ज्यादा से ज्यादा 32 दांत नेक असर बाले माने हैं।

अगर 33 ख़त हों तो 32 ग्रमी के हिंदसा के मुकाबले में 33 दिन खुशी के होंगे।

लेकिन आगर यह निशान 32 से कम यानी 31 हों तो 32 ग्रमी के हिंदसा के मुकाबला में 31 खुशी के दिन होंगे। इसी तरह ही जितने हिंदसे से या ख़त उंगलियों पर क़ायम हो उतने

ही दिन 32 के मुकाबले में खुशी होगी। चंद्र (जौ) का सिफ़र एक ही (दाएं) हाथ पर निशान

12 राशियाँ और 9 ग्रह कुल 21 के हिंदसे का हिसाब जायज़ रखा है। यानि 21 से ज्यादा निशान

बाला दुनिया के तमाम हिसाब किताब 9 ग्रह और 12 राशियों से बाहर होगा या दुनिया से किनाराक्ष होगा। सिफ़र दाहिना हाथ लेकर इस पर मगर निशान हों:-

असर देगा	मिथ्या देवता	असर देगा	मिथ्या देवता
12 तो सारी उम्म दौलतमंद और खुशगुजरान होगा	1	18 तो भला आदमी भले काम नेक तबीयत होगा	9
13 तो हमेशा रंज व मुसोबत होवे	7	19 तो धर्मात्मा राजदरबार में इज़्जत होवे	5
14 तो हमेशा औसत दर्जा की जिन्दगी होवे	4	20 तो साहब तदबीर अवलम्बन होवे	6
15 तो हमेशा चोर-लुटेरा-डाकू होवे	10	21 तो कमबख्त और बदनसीब होवे	12
16 तो हमेशा बदबख्त जवाहरिया होवे	8	तो दुनिया से जुदा ही रहने वाला दुनिया छोड़ देने वाला होवे। ख़ाना नम्बर 11 में चंद्र सिफ़र होगा।	2
17 तो हमेशा इज़्जत और वे एतबाह होवे	3		

खुशी :- बंद मुद्दी में साथ लाये हुए ख़ाना के ग्रह यानी ख़ाना नम्बर 1-7-4-10 के ग्रह

यानी जो ग्रह इन चारों ख़ानों में हों वह हमेशा अपने असर की मुतअलिलका चीज़ों में खुशी

दिखलाते रहेंगे।

ग्रमी :- ऊपर कहे हुए चार ख़ानों को छोड़कर कुण्डली के बाकी ख़ानों को छोड़कर कुण्डली के बाकी ख़ानों के ग्रह यानी ख़ाना नम्बर 2-3-5-6-8-9-11-12 के ग्रह अपनी मुतअलिलका चीज़ों के ताल्लुक में

ग्रमी का सबब करने वाले

जायज़-ठीक प्रकार	किनाराक्ष-अलग होना	बदबख्त-अभाग, भाग्यहीन	तदबीर-उपाय, चतुराई
खुशगुजरान-अच्छे प्रकार के जीवन व्यतीत करने वाला	सिफ़र-शून्य	मुतअलिलका-संबंधित	

हो सकते हैं। जब सूरज दिन का मालिक तो सनीचर रात का। अगर दिन का मालिक सूरज हो तो रात का मालिक चंद्र भी है गोया राहत व आराम में चंद्र व सनीचर का झांडा हुआ या सूरज अगर ज़ाहिरा

तो चंद्र गैबी ताकत का मालिक है। गोया सूरज ज़ाहिरा मदद करता है तो सनीचर नीचे से अंदर अंदर मदद देता है मगर बुरा करने के के बक्त दोनों का असूल उलट है। गृहोंक चंद्र व सनीचर दोनों में से हर एक

ही पोशीदा चलते हैं और मदद देते हैं चंद्र खाना नम्बर 4 का मालिक है। खुशी का और सनीचर खाना नम्बर 10 का मालिक है ग्रमी का जाती खुशी का खाना नम्बर 4 और ग्रमी का खाना नम्बर 10 मुतअल्लिका होगा। मुद्दी का अंदर और बाहर तमाम मुतअल्लिका दुनिया से इन्सान का ताल्लुक होगा।

खाना नम्बर 10 सनीचर का है जो चारों तरफ ही चलता है। इस खाना से जाती मगर पिता के ताल्लुक की खुशी जब यह खाना मुद्दी के अंदर का हुआ और जब ग्रमी में लिया तो दूसरे दुनियादारों से मुतअल्लिका होगा। इस लिये उंगलियों को सोरियों पर की लकीरें चंद्र के निशान 32 खुशी के होंगे जिन के मुकाबला पर सनीचर भी उसी ताकत का होगा यानी कुल जितने निशान हों (सिर्फ़ एक ही हाथ पर) उन से बारह का हिंदसा (चंद्र की 12 राशियों की खुशी) तफरीक करें तो बाकी के हिंदसा वाले राशि के घर का असर होगा-सिफर बाकी बचने की हालत में सनीचर अपने पक्के घर खाना नम्बर 10 का ही होगा। (जैसा कि सामने नक्शा से ज़ाहिर है।

गोया-मानो, जैसे

ज़ाहिरा-दिखाई देने वाला

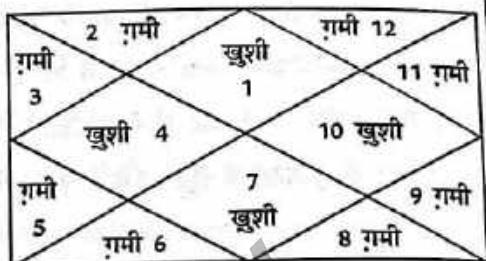
तफरीक-पृथक करना, अलग करना

गृह-तात्पर्य

पोशीदा-गुप्त

तमाम-सारे, सारी

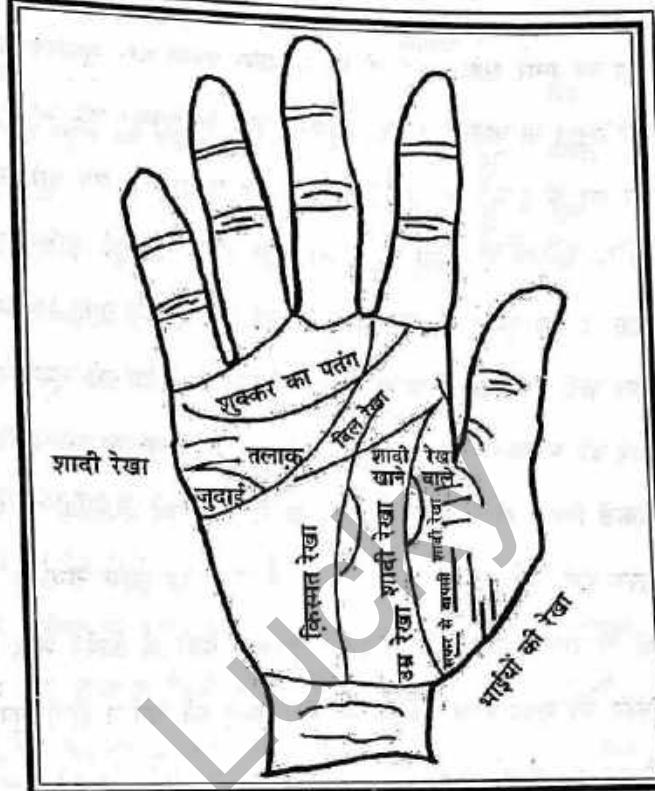
मुतअल्लिका-संबंधित हिंदसा-अंक



निशान होने वालाद में	खाना नम्बर जिस का कि सनीचर फल देगा
12	10
13	1
14	2
15	3
16	4
17	5
18	6
19	7
20	8
21	9
आगे	कोई
साथु	फ़कीर
हो	तो
22	10
23	11
24	12

शुक्कर की रेखाएः-

शुक्रकर हर एक और हर एक के सुख का मालिक ग्रह है। जो राह केतु के मुश्तरका असर का नतीजा है और जिस में बुध का असर हमेशा मिला हुआ गिना जाता है और खुद इस ग्रह का नतीजा केतु है। न इस ग्रह ने किसी को नीच किया और न ही केतु ने किसी को जान से मारा। इस ग्रह की आम मिथाद (तीन साला दौरा) के बक्त में पहले साल में मंगल का फल शामिल और मंगल प्रबल होगा। दरमियानी हिस्सा



या साल में इस ग्रह का खुद अपना फल (राहु केतु का मुश्तरका असर) और आख़री साल में ख़ाली बुध का असर होगा। बुध लड़की (कुञ्जते बाह) शुक्कर जिस्म की मिट्टी (बुत) और मंगल खून मैदाने जंग बच्चा पैदा करने की ताक़त-गिने गए हैं यानी लड़की के जिस्म में जिस दिन से कुञ्जतेबाह (माहवारी अथ्याम का खून) बच्चा पैदा करने की ताक़त पैदा होवे उस दिन से यह ग्रह राहु केतु के मुश्तरका असर का मैदाने जंग शुक्कर के नाम से गिना जावेगा और शुक्कर के नतीजे केतु (लड़के बच्चे) की छलावे की तरह के रंग ढंग पैदा कर देंगे। बुध कुण्डली के किसी भी घर में जब शुक्कर से अलाहदा हो-अपना फल वहां से जहां कि बुध बैठा हो उठाकर शुक्कर में मिला देगा । बुध के हाल में मुफ़स्सिल लिखा है) सनीचर जब कभी भी शुक्कर के दुर्मन में भला रहे तो ऐसे मिलाप में सनीचर का असर बुरा औरत पर होगा।

शुकर कब चंद्र होगा। कलाई रेखा या मंगल शुकर मुश्तरका और उंगली के जोड़ों पर शुकर की रेखा शुकर को दृष्टि में या साथ हो तो ऐसे भिलाप न होना चाहिए।

मध्यस्तर का - मिले जले

मियाद-समय अवधि

काष्ठते बाह-स्त्री प्रसंग की शक्ति

मुफस्सिल-विस्तारपूर्वक

दरमियानी-बीच का अलाहदा-अलग
अव्याम-माहवारी के दिन जिस्म-शरीर

अय्याम-माहवारी के दिन जिस्म-शरार

चंद्र का असर देगी। $\frac{\text{मंगल}}{\text{चंद्र}}$ के घर या राशि-पक्का घर- मुश्तरका हालत या साथी ग्रह होने की हालत या बज्रिया (दृष्टि मुश्तरका होने पर शुक्कर चंद्र का काम देगा। जिस चंद्र में कि चंद्र के दुश्मनों का नामोनिशान न होगा या शुक्कर अब ऐसे चंद्र का काम देगा जो कि शुक्कर के ज़रूरी जुर्जुई ग्रहों (बुध और केतु) के बरखिलाफ़ चलेगा मगर माता भाग में नेक असर का काम देगा या अब शुक्कर एक ऐसा बीज होगा जिसकी छाल पानी से न गलेगी या वह पूरनमाशी का चंद्र होगा जो सूरज की रोशनी या मदद की भी परवाह न करेगा। दुनियावी ख़ुबाल में तालाब की (बंद पानी वाले) चकड़ी चिकनी मिट्टी होगी जो शुक्कर चंद्र के मुतअल्लिका मवेशियों के पेट की सब बीमारियों को आराम देगी और बारिश में छत पर भी न खरेगी या खाना नम्बर 8 के मंदे ग्रहों का असर भी नेक करेगी (खुद कुण्डली वाले के लिये) मगर बुध केतु या खुद शुक्कर की मुतअल्लिका चीज़ों की मदद करने की शर्त न होगी शुक्कर बीज या तुख़्म कहलाता है। और शुक्कर के बुर्ज का दुनिया से कोई ताल्लुक नहीं और इसे ज्यादा ताल्लुक इश्क़ व मुहब्बत से है। दुनियावी इश्क़ के अलावा इश्क़ हक्कीकी भी इसका असर होता है। इस को दही से मिसाल दी है। जिससे धी भी बन जाता है। इस से कुनबा-क़बीला की पैदाइश और परवरिश भी मुराद है। इस के असर का वक्त ऐसो इशरत और गृहस्त का ज़माना है।

शुक्कर रेखा :- शुक्कर की रेखा वाले को

गुस्सा सूरज को तबाह करता और तराजू
(बुध) की तरह निरपक्ष तबीयत आबाद करती है। चंद्र और बृहस्पत ने बुरा असर किया। शुक्कर जब तक सनीचर के मंदे कामों से दूर रहे नेक है।

बज्रिया-माध्यम से
मुतअल्लिका-संबोधित

बरखिलाफ़-विरुद्ध, प्रतिकूल
ताल्लुक-संबंध

नुमाईश-प्रदर्शन, दिखावा मवेशियों-पशु, जानवर
इश्क़ हक्कीकी-वास्तविक प्यार, सच्चा प्यार



शुक्कर-आंख-एक काम दो :- अगर दो कृतारों या लाइनों में कर देवें और पढ़ाने के लिये गुरु वृहस्पति

सामने बैठ जावे तो शुक्कर और सनीचर हमेशा सूरज को धक्का मारने वाले होंगे। मगर वह वृहस्पति के पास बैठा

है। इसलिये उसका कुछ विगाड़ नहीं सकते। सनीचर के एक तरफ़ चंद्र और मंगल दूसरी तरफ़ सूरज और पीठ पीछे शुक्कर है। जो एक आंख से काना है। हरदम सनीचर को छेड़ता है।

कभी कहता है मुझे नज़र नहीं आता मुझे देखकर बता दो-कभी कहता है कि मैं दूर बैठा हूँ

मुझे पूछकर बता दो। गोया औरत सनीचर को हरदम साथ रखता है और आंख से शरारत करती है। सनीचर को आंख कभी देखती है कि गुरु न देख लेवे। कभी देखती है

कि कहीं दूसरे साथी न देख लें। वह दिखलावे का इतना ज़ाहिरदार है कि शुक्कर की बदसूरती ज़ाहिर भी नहीं करनी चाहता मगर शुक्कर सनीचर के हरदम साथ होने के सबब फिर सनीचर को धक्का मारता है और सनीचर बीच बचाओ करता और आंख से किसी को पता नहीं लगने देता। ग़ज़े़कि सनीचर की आंख कभी आगे कभी पीछे कभी ज़ाहिरा तौर पर फ़ौरन भली मानस कभी फिर वही जादू कि आंख औरत से प्यार करती है। कभी गर्म कभी सर्द-कभी खुब खुली कभी चुराई नज़र से देखने वाली होती है। कभी दांए कभी बांए हर तरह से और हर रंग में रंग बदलने वाली हो जाती है।

है। यही आंख उसने तांग आकर शुक्कर को ही दे दी है कि खुद औरत उस से ही देखती

रहे। यही हाल उन औरतों का है जिन पर सनीचर का ज़ोर बोलता है। शुक्कर की भोली मिट्टी दुनिया

में शरारत न करती अगर सनीचर से यह आंख न लेती और न ही शुक्कर और सूरज की दुश्मनी

होती और सूरज का लड़का सनीचर कभी सूरज के खिलाफ़ न होता अगर कानी

औरत तुला राशि के ख़ाना नम्बर 7 में न जाती।

गृहस्त रेखा :- मज़बूत जिस्म मंगल से

मुत्अल्लिका गृहस्त रेखा अंगूठे की जड़ में गई

तो पोते पढ़ाते देखे। सीधी डंडे

गोया-मानो, जैसे

शरारत-उपद्रव, फ़साद

ज़ाहिरदार-दिखाई देने वाला

फ़ौरन-तुरन्त, त्वरित

सबब-कारण

खिलाफ़-विरुद्ध

जिस्म-शरीर

सनीचर-शनि ग्रह

वृहस्पति गुरु	
सूरज	चंद्र
सनीचर	मंगल
शुक्कर	बुध



की तरह गई तो कर्जाई हुआ। अंगूठे की तरफ पीठ करके गई मंगल बद चंद की तरफ (मुँह किया तो गृहस्त बरबाद हुआ। यह रेखा औरतजात के मां-बाप भाई-बद और औरत के बाल-बच्चे व दोगर मुतअस्तिका दुनिया का ताल्लुक बताती है। क़बीला का पूरा हाल देखने के लिये मच्छ रेखा (जिस का ज़िक्र सनीचर बृहस्पत मुश्तरका में है) का ताल्लुक ज़रूरी है) आधे दायरे की शक्ति मंगल नेक (जिस का बुर्ज पर ही की लम्बाई उस रेखा की दुरुस्त पैमाइश है।

मंगल बद की रेखा:- दो शाख़ी या

तिकोन की शक्ति में ज़ीरा की मानिंद यह ग्रह
मंगल नेक का बदनाम या बुराई का मालिक दूसरा

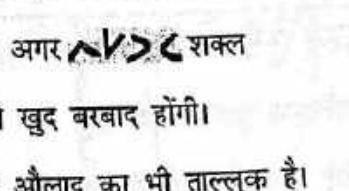
भाई है। इस ग्रह से इन्सान शरीर-

फ़सादी-डरपोक घर फूक तमाशा देखने

वाला होगा और ज़हमत-मुँहदूर सब लानतों का
भंडारी होगा इस बुर्ज की हृदवन्दी हस्त रेखा में मंगल बद का खाना नम्बर 8 और खाना नम्बर 4
भंडारी होगा अगर एक ही मालूम हो तो बुध की सिर रेखा को फ़र्जी तौर पर ऐन उसी रुख़ पर रखकर
चंद्र का अगर एक ही मालूम हो तो बुध की सिर रेखा को फ़र्जी तौर पर ऐन उसी रुख़ पर रखकर
जिस रुख़ पर कि हाथ पर सिर रेखा हो या उसके ऐन साथ पैमाना मिलाकर ऐसा ख़त ख़ीचें कि
नया ख़त ऐसा ही हो जैसा कि कुदरती तौर पर सिर रेखा और आगे बढ़ जाने पर होता तो उंगली
की तरफ़ का हिस्सा ख़ोना नम्बर 8 मंगल बद का मुकाम होगा। बाक़ी हिस्सा चंद्र नम्बर 4 का घर होगा
यानी दिल रेखा शुमाल में सूरज की तरक्की रेखा या सेहत रेखा मशारिक में और तह पर चंद्र का बुर्ज होगा।
इस बुर्ज से ताये चचे का ख़ानदान अपने क़बीला के दूसरे भाई बन्दों का ताल्लुक होगा।

जब शुक्कर के ख़त इस बुर्ज पर हों तो ताये चचे और दूसरे मर्द मुराद होंगे।

और हर तरह से मददगार होंगे। अगर यह शुक्कर रेखा सिरे पर दो शाख़ी हो 

औरतों से मुराद होगी। अब औरतजात नुकसान का सबब हो सकती है। अगर 

होवे तो बद मंगल का पूरा असर बरबादी का होगा औरतजात ताई चची खुद बरबाद होगी।

और बरबादी का सबब ऐसे हाथ वाले के लिये भी होगी। इस बुर्ज पर औलाद का भी ताल्लुक है।

दोगर-धिन, दूसरे
ज़हमत-मुसीबत

कुव्वत-ताकत
हृदवन्दी-सीमा निर्धारण

ताल्लुक-संबंध
ऐन-ठीक, उसी जगह

मानिंद-समान, तुल्य
मुकाम-लक्ष्य, पड़ाव

फ़र्क़ यह होगा कि हथेली के किनारा पर हथेली से बाहर की तरफ़ के ख़त यानी वह ख़त जो हाथ को फैला कर (हथेली कपर आसमान की तरफ़) ज़मीन पर रखने के बक़ूत हथेली से बिल्कुल बाहर ही मालूम हों वह औलाद का ताल्लुक बतलाएंगे और जो अंदर हथेली में मालूम हों वह ताये चचे होंगे।

मंगल बदः:- यह ग्रह हर एक बदी का मालिक है। तुख़म बद-शुतुर बेमुहार-हर काम टेढ़ा (तुख़म की नाली) या पेशाबगाह तक भी न सीधी। चंद्र के समंदर को जला देने वाला (मंगल बद) है ही तब जबकि मंगल हो चंद्र के खाना नम्बर 4 में लेकिन मंगल के घर खाना नम्बर 3 पर चंद्र न हो या मंगल को चंद्र या सूरज की मदद न मिलती होवे। बुराई के लिये हसद व कीना से पेट भरे हुए ऊंट की पानी से या चंद्र से मुहब्बत नहीं।

मुंह का दहाना:- (मंगल का घर खाना नम्बर 3) खुला व कुशादा-साहबे हौसला-तंग-डरपोक चौड़ा-दरमियानी ज़िदगी-अपूर्मन परेशानी। बड़ा लंबा-शहवत परस्त। बाजू-(मंगल नेक) जिस क़दर लंबे उसी क़दर बख़्तावर या नसीब वाला गोया-मानो, जैसे आगर घुटनों से भी ज़्यादा नीचे को और लंबे हों तो "राजयोग" गिना है। लबः- (मंगल हर दो हिस्से) (1) मोटे और लंबे-कम अक़ल (2) बहुत लंबे-चोर बदमाश (3) बारीक और सुर्ख़ि रंग-मोतदिल मिज़ाज (4) बलिहाज़ रंग सुर्ख़ि दाना-अकलमंद-भलामानस-खुशगुज़रान होवे (5) बलिहाज़ रंग सफेद-स्याह-नीला रंग बदबख़्त-मुफ़्लिस (6) एक बड़ा दूसरा छोटा-बदबख़्त (7) नीचे का बड़ा-जल्द नाराज़ होने वाला

मंगल के बुर्ज का असरः-

इस बुर्ज के दो हिस्से हैं एक

नेक दूसरा बद असर साफ़ साफ़ है □ नेक

△ बद बुरा मंगल होगा। मंगल का आप अरसा

6 साल है जिसके शुरू में

जो मंगल का असर दरमियानी टुकड़े



ताल्लुक-संबंध चचे-चाचा शुतुर बेमुहार-नकेल रहित ऊंट हसद-ईर्ष्या, जलन कीना-रोज़िश कुशादा-फैला हुआ शहवत-काम वासना खुशगुज़रान-सुखमय जीवन बदबख़्त-भाग्यहीन

मंगल बद - पेट पर अगर बल पड़ते हैं और तादाद में हों

बल की तादाद	कुण्डली का खाना नम्बर	बल की तादाद	कुण्डली का खाना नम्बर
1	जंगो जदल व लड़ाई से मारा जावे	2	4 साहबे इल्म और साहबे औलाद होवे
2	अस्याश होवे	3	हुम्मरान होवे
3	लैक्चरर - नसीहत करने वाला हो	4	बौरे बल दौलतमंद होवे

छाती (मंगल बद)

1- फूराह और बुलंद	दौलतमंद	4- छाती पर ज़्यादा बाल हों	अव्याश तबीयत
2- ना हम वार	मैत अचानक होवे	छाती पर ज़्यादा बाल हों	कम अक्ल-उम्र भी
3- छाती पर बाल न हों	चालबाज़-धोकाबाज़	छाती पर ज़्यादा बाल हों	गुलामी में गुज़रे

बुध की रेखा में :-

खाली जगह खलाओ या आकाश

गर्दन	
लंबी (मर्द)	बेवकूफ
लंबी (औरत)	नेक नेहार
मोटी गर्दन	दौलतमंद
टेड़ी गर्दन	मुफ़लिस
ऊंची गर्दन	फ़रेबी-चोर बदमाश
पतली गर्दन	अब्लमंद
छोटी गर्दन	हाजिर जबाब
चौड़ी गर्दन	बेवकूफ-लालची



1-गला फुलाकर बात करे:- अपने मतलब

जंगो जदल-लड़ाई भगड़ा, मारकाट
मुफ्लिस-धनहीन, कंगाल

अव्याश-चरित्रहीन

धोकाबाज़-धोखेबाज
नफ्प-अहिल्ल

में दूसरे के खून की परवाह न करे (2) बात करते बक्त कोई न कोई अंग हाथ या पांव वर्गैरह छिलावे:- चेहूदा-बदफेल-शोहरत पसंद होगा (3) बात करते बक्त दांतों का मांस न्ज़र आवे:- कम उम्र होगा (4) जल्द जल्द बोलने वाला:- बुरा सुपाओ-मतलब परस्त

दांतः:- (बुध) (1) अगर बाहर को निकले हुए हों तो अक्लमंद मगर किस्मत के साथ की कोई तसल्ली नहीं होगी (कुण्डली का खाना नम्बर 6) (2) तादाद में 30 से कम और 32 से ज्यादा ख़ाह मर्द हो ख़ाह औरत-मनहूस मंदधार (कुण्डली का खाना नम्बर 12) (3) तादाद में 32 हों जो अनभूल या अचानक सहवन बोले पूरा होवे। कहा हुआ सुखन या दुर्बचन ख़ाली न जावे ऐसे आदमियों को सताना नेक फल न देगा। खुद भी ऐसे आदमियों को गुस्से से परहेज़ चाहिये। ऐसे आदमियों से बुरी आवाज़ अमूमन ज्यादा निकल जाया करती है (कुण्डली का खाना नम्बर 2) (4) तादाद में 31 हों सआदतमंद होगा-नेक असर देगा (कुण्डली का खाना नम्बर 4)

रगहाए या नाड़े मर्द औरतः:- (बुध) सब्ज़ रंगः- नेक सुधाओ खुश नसीब

सिरः:- (बुध) सिर गोल और आंख गोल-खुशनसीब-

औरत अमीर खानदान से होगी।

सिर छोटा पेट मोटा हो तो बेवकूफ़ होगा।

नाक का अगला हिस्सा:- (सिरा) (बुध) :-

मोटा व गांठ दार बड़ा और गांठ दार नाक चौड़ी नथुने चौड़े	खुद पसंद-खुद गुर्ज़ सुलह पसंद कुंद ज़हन	नथुने चौड़े नथुने तंग	बहमी-शहवतपरस्त अक्ल मंद-शर्मसार फ़्र्याज़ मगर मुतकब्बिर नाक बदन से ज्यादा सुर्ख़ी लालची-बदफेल-नेकी का दुरमन
--	---	--------------------------	--

तोते की 35

लफ़्ज़	ग्रह	हुँड़ छुँ कुँकुँ	कैफियत	लफ़्ज़	ग्रह	हुँड़ छुँ कुँकुँ	कैफियत
लट	सनोचर	10	लटपटा उम्र-लुटना लुटाना मझारी	कहो	केतु	6	कहना-सुनना
पट	बृहस्पत	2	पत-इज़्जत-दौलत	गंगा	बृहस्पत	5	गंग दरिया समंदर आ-आवे औलाद
सुजान	मंगल	3	आदिल तो मंगल नेक	रा	राहु	12	को-मुझे मैं-मेरा-तकब्बुर

बदफेल-व्याभिचारी शोहरत-इज़्जत सहवन-अनजाने में मुतकब्बिर-अहंकारी
तकब्बुर-घमंडी कैफियत-स्पष्टीकरण, टिप्पणी अमूमन-आमतौर से

लफ़्ज़	ग्रह	कुण्डली का ख़ाना	कैफ़ियत	लफ़्ज़	ग्रह	कुण्डली का ख़ाना	कैफ़ियत
35	बृहस्पत	11	पेशानी-सब की किस्मत	श्री	सूरज	1	सब से उत्तम-सब का बुजुग
चतुर	बुध	7	चतुराई-अब्दल	भाग	शुक्र	7	लक्ष्मी-औरत-ज़मीन
मां	चंद्र	4	माता-दिल-शाति	दान	मंगल बद	8	बाला-मालिक-या नेत्र-सबका आख़ीर मालिक मौत

(बुध के ग्रह का भेद) तोते की 35 के कुण्डली के ख़ानों का गौर से मुलाहज़ा

करें तो कुण्डली के ख़ाना नम्बर 9 कहाँ नहीं मिलेगा। बुध का यह ख़ाना नम्बर 9 वह खुद ख़ाना
नम्बर 9 एक अजीब हालत का है जिसका ज़िक्र जुदी जगह दर्ज है। यही ख़ाना नम्बर 9 एक
चीज़ है जो इन्सान व हैवान में फ़ूर्क़ कर देता है और तमाम ग्रहों की बुनियाद है।

या दोनों जहाँ की हवा बृहस्पत असल है। इस 35 के 11 ख़ाने दरअसल बुध के
बारह ख़ानों की हालत बताते हैं यानी ख़ाना नम्बर 10 के बुध को सनीचर नम्बर 2 के बुध
को बृहस्पत वग़ैरह जिस तरह कि इस तोते की 35 को कुण्डली में लिखे हैं लेंगे।

यानी असर के लिये बुध के अपने असर की बजाय दिए हुए ग्रहों की हालत का
असर लेंगे। यानी बुध जिस घर में बैठा हो वहाँ बैठा हुआ वह ग्रह का कि वह ख़ाना नम्बर पक्का
घर मुकर्रर है।

सनीचर की रेखा :-

सनीचर (पापी ग्रह) पाप के वक्त
सिर्फ़ राहु केतु का पैदा करदा बहाना ही
दूँढ़ता है और फ़ौरन जड़ से बुरा कर देता है अगर सूरज ^{जमा}
त़फ़रीक़ का मालिक है तो सनीचर ^{त़फ़रीक़} _{अंधेरे} का धनी है यानी
सूरज के ख़िलाफ़ चलेगा। यह ग्रह अगर नेक
हो जावे तो सूरज बृहस्पत



कैफ़ियत-स्पष्टीकरण, टिप्पणी पेशानी-माथा, ललाट
मुकर्रर-निर्धारित, निश्चित फ़व्याज-दाता

मुलाहज़ा-अध्ययन, ध्यान करना, निरीक्षण
ख़िलाफ़-विरुद्ध सनीचर-शनि ग्रह

बौंरह सबसे बढ़कर होगा। सब के घरों के माल उठवाकर अपने ही घर में लाकर जमा कर लेगा और तार देगा। ऐसी हालत में दूसरों के लिये बड़ा और हद से बड़ा मगर अपने लिये भागवानी का सबब होगा। यह अपने आम असर के 6 साला वक्त में आखीर पर करता है जिस के शुरू में राहु-दरमियानी हिस्सा बुध और आखीरी जुल में सनीचर/का असर होगा।

सनीचर की आंखें :- यह ग्रह बीनाई का मालिक है। अगर बीनाई को एक इन्सान मान लें तो हर खाना नम्बर में सनीचर की मन्द्रजाजैल हालत होगी।



काग रेखा उड़ावे
जब मछली की
दुम परों की
तरफ से खुली
हो तो काग रेखा
होगी और असर में
मंगल की तरह हर
तरह मनहूस होगी।

खाना	1	एक आंखें
2	दो आंखें	आंखें
3	तीन आंखें	चार आंखें
4	चार आंखें	पाँच आंखें
5	पाँच आंखें	छह आंखें
6	छह आंखें	नहीं रहते वाली
7	नहीं रहते वाली	चलती है वाली की आंखें
8	चलती है वाली की आंखें	करिश्मा व चमक से ले
9	करिश्मा व चमक से ले	में आंखों की निर्दिये डाल दी जी की आंखें
10	में आंखों की निर्दिये डाल दी जी की आंखें	ताकत वाली आंखें
11	ताकत वाली आंखें	सर सज्ज व आंखें
12	सर सज्ज व आंखें	बाली आंखें

सनीचर :- परश राम (यानी परसू कुल्हाड़े वाला परसा कुल्हाड़ा) दोनों की जमा या दोनों का साथ राहु या केतु पाप तो सनीचर पापी होगा। "सनीचर का चौरास्ता" धोके का ग्रह दो गुना चलता है। ख़ाह भला चले ख़ाह मंदी तरफ मगर सनीचर चारों तरफ ही चलेगा। जब वह खाना नम्बर 10 का जनम कुण्डली में हो और वर्षफल के हिसाब से भी खाना नम्बर 10 में ही आ निकले। मुफसिल खाना नम्बर 10 में देखें। सनीचर का अपने एंजेंटों के साथ होने पर अपना जाती असर यानी सनीचर का अपना सुमाओ उस कुण्डली वाले के लिये और खुद सनीचर के खाना नम्बर 10 की चीज़ों पर क्या असर होगा।

आखीर-अंतिम
बीनाई-आंखों की दृष्टि

ख़ाह-चाहे

मन्द्रजाजैल-निम्नलिखित

मुफसिल-विस्तारपूर्वक

शुतुर बेमुहार-नकेल

दरमियानी-बीच का

हसद-ईर्ष्या, जलन

पहले घरों में हो	दरमियान में हो	आख़ीरी घरों में हो	सनीचर का असर होगा	कैफियत
राहु	सनीचर	केतु	ख़राब	पहले दरमियानी और बाद के घरों से कुण्डली के एक दो तीन से 12 हृद बारह तक की गिनती के हिसाब से पहला दरमियाना आख़ीरी घर होगा यानी 3-5-7 नम्बर के घरों में 3 पहला घर 5 दरमियाना और 7 आख़ीरी ख़ाना होगा।
केतु	सनीचर	राहु	नेक	
राहु	केतु	सनीचर	ख़राब	
केतु	राहु	सनीचर	नेक	
सनीचर	राहु	केतु	ख़राब	
सनीचर	केतु	राहु	नेक	
राहु केतु	केतु	सनीचर	सनीचर का अपना ख़राब	
सनीचर	केतु	राहु केतु	नेक	
राहु	केतु	सनीचर केतु	ख़राब	
सनीचर केतु	केतु	राहु	नेक	
सनीचर राहु	केतु	केतु	ख़राब	
केतु	केतु	सनीचर राहु	नेक	

अबू— (राहु केतु के ताल्लुक से सनीचर का सुभाओ) जिस क़दर आंख से दूर और सीधे (—) हों उसी क़दर संगदिल और बुरे काम करने वाला होगा। कमान की तरह का झुकाओ-दिल का झुकाओ या रहम दिल होना ज़ाहिर करता है।

छींक का विचार :- (सनीचर राहु मुश्तरका) (1) सामने से या दाएं तरफ से एक या तीन छींक कभी नेक नतीजा न होवे। (2) पीछे से या बाएं तरफ से दो अदद छींक होवें हमेशा नेक नतीजा होगा (3) पीछे से आवाज़ मनहूस गिनी गई है। **जिस्म पर बाल-** (सनीचर) हर एक बाल की जड़ के सुराख को मुसाम कहते हैं। (1) हर एक मुसाम अगर बाल पैदा हुए तादाद में हों एक हुक्मरान दौलत मंद-अक्लमंद-कुण्डली का ख़ाना नम्बर 7 अगर 2 हों हुनरमंद



सुभाओ-स्वभाव

मुश्तरका-मिले जुले

ज़ाहिर-दिखाई देने वाला, स्पष्ट

तादाद-संख्या, गिनती

ताल्लुक-संबंध

सनीचर-शनि ग्रह

अकृतमंद खाना नम्बर 6-अगर 3 हों-खुद परस्त खाना नम्बर 2-अगर 4 हों मुफ़्लिस वे हुनर खाना नम्बर 3 (2) सिर पर टटी हो (बैर बाल जगह) दौलतमंद होगा खाना नम्बर 12 (3) डाढ़ी मूँछ के बाल कम हों या बिलकुल न हों तो कम हैसला- उम्मीदों में मायसी-खुद पैदा करदा जायदाद न होवे-खाना नम्बर 11 (4) सारे जिस्म पर ज्यादा बाल हों तो बदनसीब होगा-खाना नम्बर 5 (5) पुश्त पाये जा पेशानी पर बाल हों तो मंदभाग होगा-खाना नम्बर 9 (6) छाती पर ज्यादा बाल हों तो उम्र ही गुलामी में गुज़रे-खाना नम्बर 8 (7) छाती पर बाल बिलकुल न हों-ना क़ाबिले एतबार-उसके दिल का कोई भरोसा न होगा-खाना नम्बर 4 । (8) तमाम जिस्म पर हद से ज्यादा बाल-तंग हाल होगा खाना नम्बर 1 ।

हाथों की रुनुमाई (ज़ाहिरदारी) :-

- 1- सख्त हाथ बाला दुकूमत करने में यादआवर होगा।
- 2- नरम हाथ बाला आराम तलब होगा।
- 3- नरम और फैले हुए सुस्त तबीयत मंदभाग होगा।
- 4- सख्त और मज़बूत सब्र और फर बाला होगा।
- 5- छोटा हाथ-जिन्दगी गुलामी में गुज़रने की अलामत है ।
- 6- लंबे हाथ बाला धान-बीन की लियाक़त से ज़िन्दगी उम्मा बना लेने वाला होगा।
- 7- लंबा-बदनुमा-सख्त-जल्लाद बेरहम मंदभाग होगा।
- 8- हाथ और पांव दोनों ही छोटे-छोटे-मतलब परस्त खुद अपने लिये मंद भाग-दूसरों के लिये मनहूस हो।
- 9- साफ़ और उम्मा हाथ-अकृत व भलमानसी ज़ाहिर करता है।



मुफ़्लिस-धनहीन, कंगाल, गरीब
मंदभाग-भाग्यहीन

बे हुनर-किसी कार्य को न जानता हो पेशानी-माथा, ललाट
अलामत-लक्षण, पहचान लियाक़त-योग्यता

राहु - सीना या पुश्त की हड्डियां तादाद में अगर हों

तादाद हड्डी	असर होगा	कुण्डली का खाना नम्बर	तादाद हड्डी	असर होगा	कुण्डली का खाना नम्बर
8	राजा या हुक्मरान होगा	2		हाजिर नाजिर मानने वाला।	5
9	रईस या जायदाद वाला	3	12	हमेशा बीमार रहे।	6
10	फ़िक्रों ग्रन्थ में ग़र्क़ होवे	4	13	मालदार होवे	7
11	ब्रह्मशनास या परमात्मा की छुपी हुई ताक़त को पहचानने वाला और मालिक को		14	बड़ी करतूत-खोटे काम करने वाला	8

ख़ाब का नतीजा:- (राहु) (1) नींद के पहले वक्त का ख़ाब छः महीने में असर देवे। (नींच)

(2) नींद के दूसरे वक्त का ख़ाब तीन महीने में असर देवे (घर का)।

(3) नींद के तीसरे या आख़री वक्त का ख़ाब फ़ैरन असर ज़ाहिर करे (ऊंच)।

(4) ख़ाब में किसी को मार देना सांप या दुश्मन को हलाक करना-बुलंदी पर चढ़ना-पहाड़ पर जाना-तरक़ी होने की दलील है।

(5) पानी के किनारे या पानी पर ख़ाब में देखी हुई बात - जल्द सच्ची होवे।

(6) मौत देखना-उम्रदराज़-खुशी हो।

(7) व्याह शादी देखना-ग्रन्थ या मातम सुनने या देखने में आवे।

केतु :- कान (केतु) मर्द के कान लंबे.....	उम्र लंबी मगर अकूल कम	औरत के कान लंबे	कौमी हाज़मा और अकूलमंद
		मर्द के कान छोटे	अकूलमंद
		औरत के कान छोटे	बेवकूफ़
पीठः- (केतु) 1- उभरी हुई	रईस - हुक्मरान	2- चौड़ी	मुफ़लिस
		3- छोटी	ज़माना का गुलाम मातम-मौत, शोक
तादाद-संख्या ख़ाब-सपना, स्वप्न	रईस-अमीर उम्रदराज़-दीर्घायु		ग़र्क़-बर्बाद मातम-मौत, शोक

गर्दन पर बल या शिकन पड़ते हों तादाद में (केतु)

शिकन की तादाद	कुण्डली का खाना नम्बर	शिकन की तादाद	कुण्डली का खाना नम्बर
1 उप्रदराज़ होवे	8	3 दैलतमंद होगा मगर बदफेल होगा	10
2 दौलतमंद होगा मगर दस्ती काम से	9	4 दलिदूर व परेशानी का घर होवे	11
		बगैर बल दैलतमंद होवे	12

पांव पर निशान :- (केतु का खाना नम्बर 6):- दांए पांव के पब पर कनिष्ठा के नीचे बुध या शुक्रकर के बुर्ज या अंगूठे की जड़ पर अगर संख सदफ हो तो वह ही असर होगा जो हाथ पर होता है। चक्कर-आसूदा हाल-साहबे इक्कबाल होगा।

त्रिशूल-आंक्स :- आला अफसर और मुनिस्फ मिजाज

चम्पे फील :- (हाथी की आंख) साहिबे तख्त हो।

अगर बांए पांव में हो तो राहजन-चोर डाकू होवे मगर फिर भी तांग दस्त पांवों की हथेली या पब पर चक्कर के

पांव की उंगलियों के नाखून :-

सुख्ख तांबा के रंग के :- राजा या हुक्मरान होवे (सूरज)

नील गूँ :- आली मरतबा होवे (राहु)

ज़र्दः- दीवान साहब होवे (बृहस्पत)

स्याह :- चोर डाकू फिर भी मंदा हाल (सनीचर)

रफ्तार :- (केतु) (1) आहिस्ता - मद्दम - ख़राब हाफ़िज़ा - सुस्त अल वजूद - हर काम में देरी करने वाला (2) तेज़ - मगर छोटा क़दम - बुलंद ख़याल - ठंडा सुभाओ - हर काम में साबत क़दम होने वाला (3) आदतन झुक कर चले - अक़ल वाला नेक - मेहनती - बगैर दलील बात न मानने वाला होवे (5) तेज़ रफ्तार - कम अक़ल - हाजिद - खुदराय - खुदपसंद (6) क़दम बड़ा मगर चलने में लंग मारे - लालची - बुरा करने में ज़्यादा होवे।

आसूदा हाल-धन धान्य से पूर्ण साहबे इक्कबाल-प्रतापी आंक्स-अंकुश आला-बड़ा
मुनिस्फ-न्यायकर्ता मिजाज-स्वभाव आदतन-आदत के अनुसार हासिद-ईष्यात्

रफ्तार में लंग व नुक्स हो - बदला लेने वाला - हासिद - झूटा - चुगलखोर होवे ।

(7) एक जगह चैन से न बैठने वाला - बेहूदा - हासिद - कंजूस होवे ।

(8) सीना व पेट निकालकर चले - मिलन सार - ज़िंदादिल - मगरुर कहने सुनने पर मान जाने वाला।

(9) सिर और कमर हिला कर चले - तिरछी चाल वाला - नापाक आदात वाला हो। बुजुर्गों की बुराई और बदखोई करने वाला लानती ज़माना होवे ।

(11) मन्दरजावाला से बरी - नेक तबियत नेक क्रिस्मत

(12) जिस जानवर की चाल से मिलती हो उसमें वही आदत-उसका वही हाल - वही तबियत और बैसी ही क्रिस्मत का मालिक होगा ।

हाथः- के अंगूठे का नाखून वाला हिस्सा अगर मोटा होवे तो केतु होवे।

दुश्मन ग्रहों की राशि में :- मुफ़्लिसी देगा - गुरीब करेगा। हाथ के अंगूठे का नाखून वाला हिस्सा अगर छोटा होवे तो केतु होवे। दुश्मन के साथ या उनके पक्के घरों में :- वहशी - हैवानी ताक़त - कम दौलत ।

हथेली पर खास निशान :-

मर्द के सिर्फ़ दाएं हाथ की हथेली पर नेक असर देंगे और दाएं हिस्सा पर शुभ असर होगा ।

(1) कुंभ या घड़ा पानी से भरा दूध - कन्या - फूल - व्याह शादी वगैरह के लिये जाते बक्त आगे से अगर दाएं तरफ़ से आते हुए मिलें तो शुभ असर होगा । लेकिन

(2) लकड़ी औज़ार या हथियार - आगे से उलट छींक वगैरह होवे तो बद असर की निशानी होगी।

(3) कुत्ता या बिल्ली बुलन्द आवाज़ से रोए और जानवर मंडलाने लगे तो मौत की निशानी होगी

(4) नेक जानवर - काला कुत्ता - गाय हिरण वगैरह वगैरह मिलें तो नेक फल की निशानी होगी।

नापाक-अशुचि, अपवित्र
नुक्स-दोष

बदखोई-स्वभाव का रूखापन
हासिद-ईर्ष्यालु

वगैरह-इत्यादि
मुफ़्लिसी-गरीबी

आदात-आदतें
कव्वा-कौवा

फरमान नम्बर-17

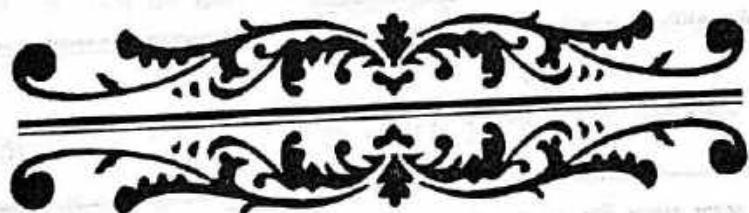
योग बंधन

4 9 14

पुराने ज्योतिष के मुताबिक चौथ - नौमी और चौदस

की तिथि (चंद्रमां की तारीखें) नया शुरू किया हुआ काम शायद ही कभी नेक नतीजा देगा। बल्कि बहुत देर के बाद दुख - तकलीफ और फिजूल खँचों से अगर कभी पूरा हो ही जावे तो उसका होना न होने से शायद ही कम होगा।

इसलिए इन तिथियों में शुभ काम का शुरू करने से परहेज़ ही बेहतर होगा।



तकलीफ-परेशानी

फिजूल-बेकार, फालतू

नतीजा-परिणाम

किस्मत

लेख दुनिया पहले लिखा
कौन दुनिया लेता देता

जन्म था सब इसलिए
झगड़ा फिर यह किसलिए

अलोप अंतर की लहरें

नर ग्रह बोलते जुफ्त के घर में
बुध है बोलता तीन छटे में

स्त्री बोलते ताक़ में हैं
पापी नहीं बोलते 2 में हैं

आगाज़

बुध गुरु आकाश जो गिनते
5 ग्रह राशि 12 चलते

बच्चा होता ग्रह चाली वह
पूरा चक्कर लेख प्राणी हो

1 - जुफ्त जो खाना नम्बर कि 2 पर पूरा तक़सीम हो जाए मसलन 2-4-6-8-10-12

2 - ताक़ जो खाना नम्बर कि 2 पर पूरा तक़सीम न हो सके मसलन 1-3--5-7-9-11

जुफ्त-सम संख्या, वह संख्या जो दो से भाग हो सके
तक़सीम-विभाजन, विभाग करना

ताक़-वह संख्या जो दो से विभाजित न हो सके
मसलन-जैसे कि गुरु-बृहस्पति ग्रह

बुनियाद

न गिला तदबीर अपनी
 सबसे उत्तम लेख गैबी
 न ज़रूरी नप्से ताक़त
 लेख चमके जब फ़क़ीरी
 मैदान क़िस्मत 10 वें होगा
 आगाज़ 9 वें जन्म पिछला
 लेख बिधाता 11 लिखता
 मुट्ठी भरी ग्रह साथ जो लाता
 बाक़ी अमानत दुनिया लेगा
 सात औरत 9 बुजुर्गी 12¹⁰

न ही खुद तहरीर हो
 माथे की तक़दीर हो
 न ही अंग² दरकार हो
 राजा आ दरबार हो
 चमक घर 2-4 हो
 पांच चलता हाल हो
 राजा तख़्त भी होता हो
 जहां मंदिर² वह पाता हो
 पाप क़र्म बुध चक्कर जो
 पांच नसल आइंदा हो

- १ -खाना नम्बर 5 का ग्रह
- २ -सूरज की हालत
- ३ -केतु नम्बर 11 या गुरु नम्बर 1
- ४ -ग्रह नम्बर 1 क्रायम
- ५ -साथ लाया ख़ज़ाना बमूजिब नम्बर 4
- ६ -नम्बर 9 पिछले जन्म का तोहफा नम्बर 2 साथ ले जाने का तोशा आगर वहां पापी या मंदे ग्रह तो 45 साल उप्र बेमानी
- ७ -गुज़रता ज़माना।
- ८ -राहु केतु पाप की बुध के दायरा में हालत
- ९ -ज़ाती
- १० -खाना नम्बर 1-7-4-10 के ग्रह

तदबीर-उपाय, इलाज

नप्स-रूह
बमूजिब-अनुसार

तहरीर-लिखावट

बेमायनी-बेकार

तक़दीर-भाग्य, किस्मत

गैबी-देवी ताकत

लगन अगर खुद खाली होवे
किस्मत उसकी 7 वें बैठी
मुट्ठी के घर चारों खाली
यह घर भी गर खाली होवे
घर 12 ही घूम के देखे
किस्मत का वह मालिक होगा

किस्मत साथ न आई हो
या घर चौथे ⁴ दसवें ¹⁰ हो
9-3-11-5 वें हो
2-6-12-8 वें हो
ऊंच कायम या घर का जो
बैठे तख्त पर जिस दिन वह

अमूमन

घर चल कर जो आवे ² दूजे
खाली पड़ा घर 10 जब टेवे

ग्रह किस्मत बन जाता हो
सोया हुआ कहलाता हो

खुलास्तन

इन्सान बंधा खुद लेख से अपने
कलम चले खुद करम पे अपने

लेख विधाता कलम से हो
झगड़ा अक्ल न किस्मत हो

¹ -ग्रह नम्बर 1 या गुरु की हालत ² -नम्बर 11 (सनीचर खास कर) या नम्बर 1 आम दीगर ग्रह

³ -7-9-12 या बुध सनीचर ⁴ -राहु केतु की ज्ञाती हालत

⁵ -बुध

⁶ -गुरु

चौथे-चार

गर-अगर

तख्त-सिंहासन

कायम-मौजूद

अमूमन-आमतौर से

किस्मत-भाग्य

दूजे-दूसरे

दीगर-भिन्न, दूसरे

इब की किस्मत लक्ष्मी
12-साल तक बच्चे की
मुकासरा एक ऐसी चीज़
जो न हो उसमें आंख
धने भगत ब्रह्मस्त
एक ऐसे मुकाम पर पि
हड्डियां गिना गया है
म रेखा तो बंद हुई
चलती रही। यह बड़ी
म नध रेखा कहलात
को उससे होकर गुज़र
जा मालिक सनीचर
इस बड़ी नहर में ही
जो वह किसी दरिद्र
दे जो आर किस्मत
कह सनीचर से तो त
जु के लिये साथ
ग्रह के देने के लिये
ब अकेली ही चत
पैले चुराने के लिया
पेशानी व चेहरा क
फलान-यकीन
पेशानी-मा

क्रिस्मत का असर

सब की क्रिस्मत लक्ष्मी के नाम से मशहूर है जो बृहस्पत का दूसरा नाम है।

12-साल तक बच्चे की रेखा और 70 साल के बाद खुद अपनी क्रिस्मत का ऐतबार नहीं मुख्त्सरन एक ऐसी चीज़ है जो दुनियावी कारोबार में न हाथ की मदद द्हूंहे और न ही उसमें आंख को काम करना पड़े। हर काम का नतीजा खुद व खुद नेक हो जावे "धने भगत बृहस्पत नम्बर दो की गङ्गांआ राम चरावे"। उम्र रेखा आर क्रिस्मत रेखा एक ऐसे मुकाम पर मिलती हैं। जो सनीचर का हैडवार्टर गिना गया है। उस मुकाम पर

उम्र रेखा तो बंद हुई मगर क्रिस्मत रेखा

चलती रही। यह बड़ी खंडक सनीचर की खंडक

या ऊर्ध रेखा कहलाती है। अब क्रिस्मत रेखा

को उससे होकर गुज़रना है। हैडवार्टर

का मालिक सनीचर इस फ़िक्र में रहता है कि

इस बड़ी नहर में ही सब दरिया आ मिलें

और वह किसी दरिया के पानी को आगे न जाने

दे और आगर क्रिस्मत की हवा इस भंवर में न पड़े तो उस में शक नहीं कि

वह सनीचर से तो बच निकलेगी मगर सुधामे भगत बृहस्पत नम्बर 9 की क्रिस्मत अपने

गुरु के लिये साथ किया तोहफ़ा (अपने लिये खुराक़ तोशा सनीचर बृहस्पत नम्बर 9 और

दूसरे को देने के लिए उम्दा चीज़ तोहफ़ा सनीचर बृहस्पत नम्बर 1 होती है ली जाएगी।

जब अकेली ही चलेगी तो अपना तोशा इकट्ठा करने के लिये अकेली को ही तमाम दरियाओं से

पानी चुराने के लिए सख्त कोशिश करनी पड़ेगी।

पेशानी व चेहरा का क्रिस्मत पर बहुत असर लिया गया है। यानी क्रिस्मत का सही व दुरुस्त

ऐतबार-यकीन

मुख्त्सरन-संक्षिप्त

खुद व खुद-अपने आप

मुकाम-पड़ाव, लक्ष्य

पेशानी-माथा, ललाट

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

गङ्गांआ-गाय



जवाब इस बात से मुत्तलिलका है। मर्द के लिए पेशानी चेहरा जिन जिन हालतों में
अच्छे गिने हैं वही हालतें औरत
के हाल के लिए उलट मायनों की होंगी।

आलिफः— खाना नम्बर 2 व खाना नम्बर 6 का फैसला खाना
नम्बर 8 को साथ लेकर होगा मगर किस्मत
का आगाज़ खाना नम्बर 9 होगा

बे:— कुण्डली के “बाद के घरों”
के ग्रहों के जागने के दिन से
किस्मत का जागना मुराद होगी।

जीमः— बंद मुट्ठी के अंदर के खानों (1-

7-4-10) के ग्रह ख्वाह भले हों ख्वाह बुरे कुण्डली वाले की तबियत
और किस्मत के बुनियादी पत्थर होंगे। ज़बरदस्त किस्मत रेखा वह है जो
कलाई से चलकर बृहस्पत पर जाकर ख़त्म हो और शाख़दार होवे। रास्ते
में किसी पहाड़ या बुर्ज की मिट्टी का असर उसमें न पड़े। इस तमाम की तमाम में
सोना ही सोना (बृहस्पत की धात) नज़र आता हो और एक तरफ़ लोक परलोक के मालिक
राजा इन्द्र या बृहस्पत की हवा मोजिजून हो।

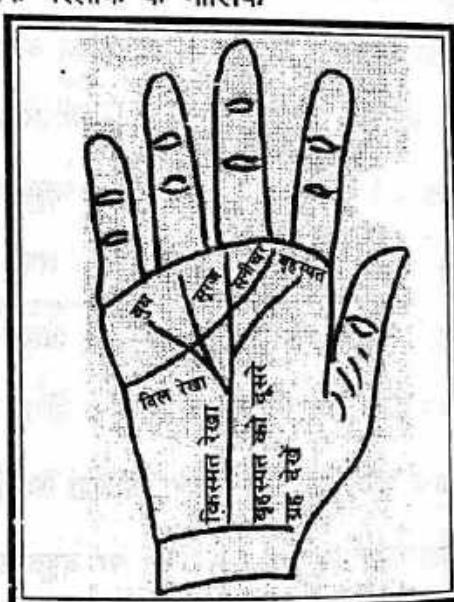
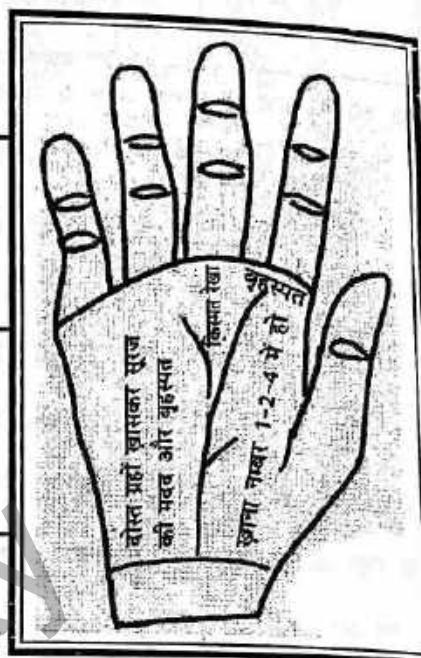
हाथ की हथेली के मैदान की जिस क़दर
ज्यादा गहराई होगी दरिया की रवानी तेज़
होगी। किस्मत की रेखा या बृहस्पत की
लहर क्या है - सिर्फ़ रुहानी व नूरानी हवा
का एक वसीह कुरा है जिस में बसन्ती
रंग रमा हुआ है। किस्मत रेखा जब
कलाई से शुरू हो और दिल रेखा को

मर्द-आदमी, व्यक्ति

मुराद-आशय

पेशानी-माथा, ललाट
रुहानी-आध्यात्मिक

आगाज़-आरम्भ
बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह



अबूर करके ऊपर जा निकले तो जिस बुर्ज की तरफ इके उसी बुर्ज का असर पाया जावे गा। हस्त रेखा व ज्योतिष की बुनियादी चीजों के मुकर्रा मैदानों से हर शख्स की किस्मत का मैदान मुकर्रा करके एक अक्स से असल चीज़ की हालत या नक्ल से असल और असल से नक्ल करके असल मक्सद या बात का पता चल जाता है। मुख्तासर तौर पर

किस्मत :- हर एक किस्मत के ग्रह को किस्मत रेखा कहते हैं जिसके जागे का वक्त किस्मत के असर का वक्त होगा। किस्मत के ग्रह कई एक हों तो वह सब बाहम पूरे मददगार होंगे। सब से अच्छी किस्मत बृहस्पत का किस्मत का ग्रह होता है।

“बृहस्पत नम्बर 2 क्रायम और खाना नम्बर 9

में (बुध-शुक्र-राहु) बृहस्पत

के दुश्मन न हों और न ही नम्बर 9

मंदा हो रहा हो”



किस्मत का ग्रह

सबसे उत्तम दर्जा पर वह ग्रह होगा जो राशि का ऊंच फल देने का मुकर्र

है जो हर तरह से क्रायम। साफ़ और दुरुस्त हो और इस में किसी तरह से

भी “साथी ग्रह” होने बिलमुकाविल के ग्रह या दुश्मन ग्रह का बुरा असर न मिला हुआ

होवे उस के बाद पक्के घर का ग्रह घर का मालिक ग्रह दोस्त ग्रहों का बना हुआ

दोस्त ग्रह किस्मत का मालिक ग्रह होगा।

मुकर्रा-निधारित, निश्चित
बाहम-परस्पर, एक साथ मिलकर

मक्सद-उद्देश्य

दुरुस्त-अच्छा, ठीक

मुख्तासर-संक्षिप्त

अबूर-पार करना
बिलमुकाविल-आमने सामने

किस्मत के ग्रह की तलाश की तरतीब

सब से पहले 12 राशियों के ऊंच फल देने वाले ग्रहों की तलाश करें

फिर 9 ग्रहों से जो उम्दा हो वह लेवें और बाद में बंद मुट्ठी के खानों (1-7

4-10) के ग्रहों से जो उम्दा हो लेवें। ऊंच फल देने वालों में से

जो सबसे तसल्ली बख्शा और ऊंच हो लेवें। घर के मालिक ग्रहों से सब

से ज्यादा ताक़त वाले को लेवें। अगर मुट्ठी के चारों खाने खाली (लफ़्ज़

खाली से मुराद है कि वहाँ भी पूरी तरह का किस्मत का ग्रह न होवे)

हों तो खाना नम्बर 9 के ग्रहों को लेंगे। वह भी खाली तो फिर खाना नम्बर 3 के

ग्रहों को लेवें। अगर वह भी खाली तो फिर खाना नम्बर 11 के ग्रह लेंगे। अगर वह

भी खाली तो खाना नम्बर 6 देखेंगे। वह भी खाली तो खाना नम्बर 12 तलाश करेंगे।

और अगर वह भी खाली हो तो खाना नम्बर 8 में बैठकर देखेंगे कि आया किस्मत का ग्रह

जिस में ऊपर की तमाम शर्तें न हों नष्ट ही तो नहीं हो गया। यह तलाश जन्म

लगन की कुण्डली और चंद्र कुण्डली दोनों से होगी। हस्त रेखा में दायां और

बायां हाथ दोनों और हस्त रेखा के तमाम हिस्से शामिल हों।

इस इलम में किस्मत को जगाने वाले बुर्ज या ग्रह इसी चक्कर में माने गए

हैं और नीचे लिखी तरकीब से अपना अपना असर इन्सानी किस्मत में दिखाते हैं। यानी बृहस्पत

के बाद सूरज के बाद चंद्र के बाद शुक्र के बाद मंगल के बाद बुध के बाद सनीचर के बाद राहु के बाद

केतु असर देता होगा।

(शक्ल अगले सफ्हः पर देखिए)

लफ़्ज़-शब्द

तमात्-समस्त, कुल

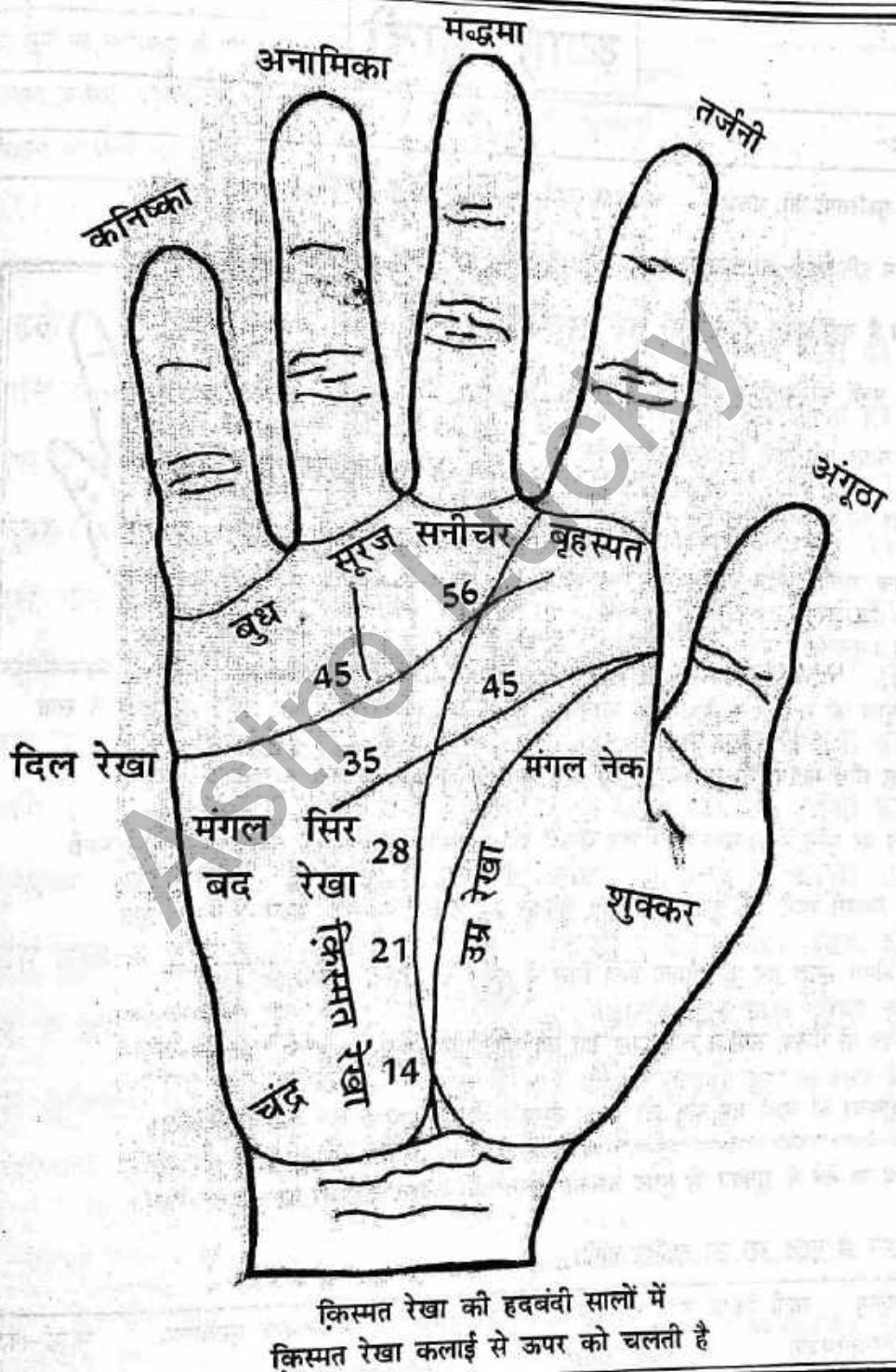
मुराद-आशय

इलम-विद्या, जानकारी

तरतीब-क्रम

सफ्हः-पृष्ठ

तरकीब-योजना



व्याह शादी

शादी:-

दो गृहस्थियों को अलाहदा - अलाहदा रखते हुए एक कड़ी से जोड़ने वाली चीज़ आम दुनियादारों की नज़र में शादी और ग्रह चाल में मंगल की ताक़त का नाम रखा गया है यही मंगल के खून की कड़ी लड़की और औरत में फ़र्क़ की कड़ी है और इसी बजह से शादी में मंगल गाए जाते हैं। अगर मंगल नेक हो (मंगल को सूरज या चंद्र की मदद मिली हुई) तो शादी खाना आबादी करने वाला मंगल होगा लेकिन अगर **विस्तारपूर्ण** मंगल बद (मुफ़स्सिल मंगल बद में ज़िक्र है) हो तो बंदर



कीला (सूरज को सनीचर से बंधा हुआ करना या सूरज इस क़ाबिल न हो कि मंगल को मदद दे सके खुशक और सीधे मायनों की तरह ऊपर को खड़ी की हुई लकड़ी को सनीचर माना है इसी उसूल पर थम्म सुतून मकान की चार दीवारी छत के बगैर खड़ी दीवारें सनीचर की चीज़ें मानी हैं।) होगा जिससे शादी की खुशी की बजाए शुक्कर स्त्री लक्ष्मी का सुख सागर एक गंदा दुख का भंवर होगा। मंगल बद का बीरना होगा जिस में सूरज की रोशनी की चमक तक न होगी। दिन के बजाए सनीचर की स्याह रात का साथ होगा। बुध के ख़ाली आकाश में मस्नूई शुक्कर के बानी रहु केतु की बैठक खाना नम्बर 8 सनीचर का हैडवार्टर होगा। मर्द के हाथ या टेवे में शुक्कर से मुराद उसकी औरत और औरत के हाथ या टेवे में शुक्कर से मुराद उस का ख़ाविंद होगी।

अलाहदा-अलग बानी-किसी काम की शुरूआत करने वाला हैडवार्टर-मुख्यालय फ़र्क़-अंतर
मुफ़स्सिल-विस्तारपूर्वक स्याह-काला मस्नूई-बनावटी ख़ाविंद-पति

शादी रेखा:-

बुध के बुर्ज पर कनिष्ठा के नीचे उस शुक्कर की रेखा से शादी या खुशी गृहस्त या बज्बान फ़ारसी लफ़्ज़ शादी से बंदरकीला बनाना ज़ाहिर होता है (इनियावी खुशी आम हालत के लिये चंद्र का व्याप्ति देखें)

योग शादी

पहले दूसरे 10 या 12
 शनि मदद दे एक या 10 से
 बुध शुक्कर घर 7 वें बैठे
 कुण्डली जन्म घर वापिस आते
 बुध नाली से जब दो मिलते
 रद्दी कोई न दो जो इकट्ठे
 बुध शुक्कर जब नष्ट या मंदे
 शनि राजा या मदद दे उनको
 शुक्कर अकेला या मिल बैठे
 सात दूजे न शत्रु होवे
 घर 7 वां 2 गुरु शुक्कर का
 गुरु शुक्कर भी 2-7 आया

बुध शुक्कर जब बैठा हो
 साल शादी का होता हो
 शत्रु तीन न ¹¹ ग्यारह हो
 बक्त शादी आ होता हो
 शनि मदद भी देता हो
 योग शादी का होता हो
 साथ ग्रह नर स्त्री हो
 योग पूरा आ शादी हो
 कुण्डली जन्म ² में चौथा जो
 लेख शादी का उदय हो
 खाली टेवे जब होता हो
 साल शादी का बनता हो

१ -2-7-12 में शनि अकेला या मुश्तरका।

२ -शुक्कर नम्बर 4 देखें।

लफ़्ज़-शब्द

बज्बान-ज़बान से कहा हुआ

गुरु-बृहस्पति ग्रह

ज़ाहिर-व्यक्त, प्रकट

मुश्तरका-मिले जुले

शुक्कर-शुक्र ग्रह
 दुनियावी-संबंधी, सांसारिक

घर पक्का जिस ग्रह का होवे बुध शुक्कर जहां बैठा हो
 अपनी जगह दे बुध शुक्कर को सात पावे या दूसरा वह
 बुध शुक्कर भी 2-7 आवे मदद शनि न बेशक हो
 नष्ट निकम्मा न वह होवे वक्त शादी का आता हो
 औरत टेवे में गुरु जो चौथे योग जल्द हो जाता हो
 रवि मंगल का साथ गुरु से ससुर औरत न रहता हो

1. वहिसाब दोस्ती दुश्मनी दीगर ग्रह मुताबिक् दृष्टि को मद्देनज़र रखते हुए वर्षफल में ख़ानावार ही हालत के हिसाब से जिस साल शुक्कर बुध को सनीचर की दोस्ती या सनीचर की आम दौरा का वक्त (सनीचर नम्बर 1) होवे शादी हो जाने का वक्त और योग होगा (जब शुक्कर बुध अकेले-अकेले हों तो बुध की ख़ास नाली के उसूल पर देख लें कि आया बुध किसी हालत में शुक्कर को अपना फल दे सकता है आमतौर पर शादी का योग शुक्कर से गिनेंगे लेकिन जब बुध इन उसूलों पर शादी का योग बनावे तो भी शादी का योग होगा (सिवाए बुध नम्बर 12 के) अगर किसी टेवे में (बमूजिब जन्म कुण्डली अनुसार शुक्कर बुध नष्ट या बर्बाद मंदे हों और स्त्री ग्रहों चंद्र के साथ नर ग्रह बृहस्पत या सूरज या मंगल हों) मद्दगर साथी या मुश्तरका हों तो जिस साल ऐसे टोले को सनीचर की मदद या उसके आमदौरे का ताल्लुक (सनीचर नम्बर 1) हो जावे तो शादी होने का वक्त या योग होगा।
2. अमूमन जिस साल (बमूजिब वर्षफल) शुक्कर या सूरज या बुध (अलिफ) तख़्त का मालिक या (बे) कुण्डली के ख़ाना नम्बर 2-10 ता 12 (सिवाय बुध नम्बर 12) होने पर शादी का योग होगा।

दीगर-भिन्न, दूसरे

मद्देनजर-ध्यान में रखते हुए

तख़्त-सिंहासन

बमूजिब-अनुसार

मुताबिक्-अनुसार

मसलन-जैसे

में या (जीम) अपने अपने घर खाना नम्बर 7 में हो जावें लेकिन उस वक्त खाना नम्बर 3-11 में शुक्कर चुध के दुश्मन ग्रह (सूरज-चंद्र-राहु) न हों या (दाल) वह (शुक्कर या चुध) अपने जन्म कुण्डली के बैठा होने वाले घर में ही आ जावें (शुक्कर जन्म कुण्डली के नम्बर 4 के लिए ख़्याल रहे कि शुक्कर जब नम्बर 4 में हो ख़ाह अकेले ख़ाह किसी ग्रह से मुश्तरका या साथी बन रहा हो यानी नम्बर 4 में कोई और ग्रह होवे तो नम्बर 2-7 में शुक्कर का दुश्मन ग्रह (सूरज या चंद्र या राहु) न आया होवे वरना शादी का कोई योग न होगा। दिए हुए शादी के सालों (22-24-29-32-39-47-51-60 साला उम्र) में जिस साल सूरज चंद्र या राहु नम्बर 2-7 में न हों शादी होगी। ऐसी हालत में अगर वृहस्पत नम्बर 7 आ जावे तो औरत नाकाबिले औलाद होगी। दिए हुए सालों में शादी का योग ज़रूर है मगर शादी मुबारक न होगी। शुक्कर नम्बर 4 राशिफल है और शादी मुलतबी हो सकती है।

मंदे योग का विचार

1- जो ग्रह शुक्कर को वरवाद करे या चुद ऐसा मंद हो कि शादी का फल गैर मुबारक साबित करे मसलन :-

चंद्र नम्बर 1 के वक्त 24 वें या 27 वें साल }
राहु नम्बर 7 के वक्त 21 वें साल } तो इस ग्रह के वक्त

शादी मुबारक न होगी मसलन सूरज जब शुक्कर के लिए ज़हरीला हो तो सूरज की उम्र 22 वें साल सूरज का दिन में वक्त पूरी दोपहर से पहले का अर्सा

सूरज का दिन इतवार या वैसे ही शादी के रस्मों रिवाज़ अदा करने के लिए

सूरज के निकलने से सूरज छिपने का दरमियानी अर्सा मुबारक ना होगा इसी तरह ही और ग्रह लेंगे

2- अगर शुक्कर रद्दी न होवे तो शादी के लिए कोई वहम ना लेंगे मगर अकेला

ख़्याल-विचार, ध्यान

नाकाबिल-किसी लायक न हो

गैर मुबारक-अशुभ

मुलतबी-स्थगित

ख़ाह-चाहे

शुक्कर-शुक्र ग्रह

मुश्तरका-मिले चुले

ज़हरीला-विषाक्त

सनीचर नम्बर 6 इस शर्त से बाहर होगा खासकर जब शुक्रकर भी उसी वक्त नम्बर 2 या 12 में हो। यानी उम्र का 18-19- वां साल शादी के लिए गैर मुवारक ही होगा।

शुभ वक्त शादी बमूजिब वर्षफल

ग्रह होवे	खाना नम्बर में				
१- शुक्रकर बुध मुश्तरका या जुदा जुदा	1	2	10	11	12
सनीचर उस वक्त 1-2-7-10-12 या	5 या 9	6 या 10	2 या 6	3 या 7	4 या 8
मगर बुध उस वक्त न होवे	7	8	4	5	6

लेकिन अगर बुध नम्बर 9-10-12 में हो तो शादी और शादी के फल (औलाद

दुनियावी आराम) के ताल्लुक में योग मंदा होगा। खासकर जब उसी वक्त राहु

या केतु में से कोई खाना नम्बर 1-7 में बैठा हो।

2-बुध शुक्रकर मुश्तरका या जुदा जुदा	→	3	4	5	6	8	9
और उसी वक्त खाना नम्बर 2-10-11-12 या अपने पक्के घर में बैठे हों।	→	ताल्लुक	चंद्र मंदी शादी	बृहस्पति	केतु	मंगल बुध	बृहस्पति

3- शुक्रकर बुध अपने जन्म कुण्डली वाले घर आ जावे या नम्बर 1- 7 में आ जावे

मगर शुक्रकर बमूजिब जन्म कुण्डली खाना नम्बर 1 ता 6 का न हो और उस वक्त नम्बर 3-11

में सूरज-चंद्र या राहु न हो

4- जब 2-7 खाली ही हो तो बुध शुक्रकर ही खुद 2-7 में आने पर बुध शुक्रकर

१-जब शुक्रकर बुध नष्ट हों तो शादी का योग देखने के लिए शुक्रकर की जगह चंद्र और बुध
के एकज में नर ग्रह लेंगे। (जो जन्म कुण्डली में उम्दा हो)

गैर मुवारक-अशुभ

बमूजिब-अनुसार

मुश्तरका-मिले जुले

जुदा जुदा-अलग अलग

ताल्लुक-संबंध

शुक्रकर-शुक्र ग्रह

बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

बैठे घर का मालिक (बहौसियत पक्का घर) ग्रह नम्बर 2-7 में और बुध शुक्कर उसकी जगह चला
शुक्कर
जावे मसलन बुध बुध नम्बर 3 हो मंगल नम्बर 9 में तो 17 वें साल शुक्कर बुध
नम्बर 9 व मंगल नम्बर 7 होने पर योग होगा।

5-औरत के टेवे में बृहस्पत नम्बर 4 जल्द शादी हो जावेगी
औरत के टेवे में रवि मंगल का साथ गुरु से औरत का सूरज शुक्कर से

6-राहु नम्बर 1 या 7 या किसी तरह से बरुए दृष्टि या साथ साथी पन शुक्कर से
मिल रहा हो तो 21 साला उम्र की शादी बेमानी होगी। यही हालत सूरज शुक्कर के
मिलने पर उम्र के 22 ता 25 साला उम्र की शादी पर होगी (22 में या 25 साल में
तो खासकर) उपाओ के लिए सूरज शुक्कर मुश्तरका में देखें।

7-जो लड़की अपने जद्दी घर-घाट से उत्तर या शुमाल के शहर गांव में (लड़के
के जद्दी खानदान के रिहाइश की जगह) आही जावे अमूमन दुखिया होगी। जिस
लड़की के पिता के टेवे में बुध नम्बर 6 में हो।

8- जिस बाप के टेवे में चंद्र नम्बर 11 बमूजिब जन्म कुण्डली में हो और वह अपनी लड़की
की शादी का दान (कन्या दान) तड़के (जो ग्रह चाल में केतु का मुकर्रा वक्त है
पहली सुबह) करे तो बाप और बेटी दोनों में से शायद ही कोई सुखिया रहेगा।

यही हालत उस खाविंद के साथ होगी जिसका चंद्र नम्बर 11 बमूजिब जन्म कुण्डली में
और वह अपनी शादी का दान लड़की के वालिदैन से तड़के (पहली सुबह) लेवे।

9- सनीचर नम्बर 7 वाले की शादी अगर 22 साला उम्र तक न हो तो उसकी (टेवे
वाले की) नज़र (बीनाई) बे बुनियाद (अंधापन) होगी।

10- बृहस्पत नम्बर 1 नम्बर 7 खाली-बचपन की शादी मुवारक होगी।

बेमानी-निरर्थक, बेकार

शुमाल-उत्तर दिशा

उपाओ-उपाय

टेवे-जन्मपत्री

मुश्तरका-मिले जुले रवि-सूर्य ग्रह

खाविंद-पति

वालिदैन-माता पिता

तादाद शादी

दो लकीरों से ज्यादा तादाद की हालत में औरतों की तादाद या शादी की तादाद लकीरों की कुल तादाद एक से कम यानी तीन लकीरों से दो दफा शादी और 4 के लिए तीन दफा शादी होने से मुराद होगी। मंगल बद और शुक्कर के बाक़े होने के दरमियान जितने घर ख़ाली हों उतनी हद तक शादी की औरतें हो सकती हैं। बुध और शुक्कर दोनों अलाहदा अलाहदा होने की हालत में बुध की नाली और बुध शुक्कर के पहले या बाद के घरों का ख़्याल भी साथ ही देखा जावे। ऐसी हालत में अकेला शुक्कर हो स्त्री घरों में यानि ख़ाना नम्बर 2-4-7 में तो शादी वाला मर्द एक होगा और औरतें अनेक (कई) हो सकती हैं और वह सब जिंदा ख़्वाह वह शादी का असल मतलब औलाद वगैरह देवें या ना देवें। अकेला बुध हो नर ग्रह के घरों में (ख़ाना नम्बर 1 - 5-9-12) स्त्री एक ही होगी। मर्द अनेक (कई) शादी से ख़्वाह औलाद का मतलब हो या शादी औलाद का कोई मतलब न देवे। अगर ऊपर की दोनों हालतों में शुक्कर या बुध उल्टा ख़ानों में बैठे हों तो नतीजा उल्टा हो सकता है स्त्री या नर ग्रहों के घर से मुराद स्त्री या नर ग्रहों का शुक्कर या बुध के साथ ही मुश्तरका घर में हो जाने से मुराद न ली जाएगी बल्कि मुराद यह है कि ऊपर की शर्त (मर्द एक औरत अनेक या उल्टा उलट वगैरह) सिर्फ़ उस वक्त होगी जबकि स्त्री ग्रह या नर ग्रह अपनी अपनी राशि से बाहर बल्कि वह अपनी अपनी राशि को देखते तक न हों या वह शुक्कर या बुध से किसी तरह भी साथी ग्रह न बन रहे हों।

तादाद-संख्या	दफा-बार	मुराद-आशय, मतलब	दरमियान-बीच का	अलाहदा-अलग
बाक़े-घटित होने वाला	ख़्याल-विचार	ख़्वाह-चाहे	औलाद-संतान, बाल बच्चे	मुश्तरका-मिले जुले

एक औरत होगी

शनि शुक्कर हों मदद पर बैठे
 बुध शुक्कर दो ऊंच या अच्छे
 बुध पहले या 6 वें बैठा
 सुख ग्रहस्ती पूरा होगा
 बुध दबाया हो ख़्वाह मंदा
 बाद 28 फल शादी होता

नर ग्रह शनि साथ न हो
 शनि सूरज को देखता हो
 असर शुक्कर न मंदा हो
 एक शादी ही करता हो
 शुक्कर टेवे ख़्वाह उम्दा हो
 औलाद नरीना मंदा हो

ख़सम कहानी

(खाविंद खाने वाली)

शनि शुक्कर बुध हर दो देखे
 मिलती बैठक ख़्वाह अलाहदा हो
 सूरज केतु आ बुध पे चमके
 ख़सम खानी वह औरत हो

औरत और चाहिए

मंदा शुक्कर या दुश्मन साथी
 बुध बैठा 5-8 वें पापी
 नीच गुरु हो 10 वें मिट्टी
 औरत पर हो औरत मरती

रवि शनि को देखता हो
 सात शुक्कर 2 चौथा हो
 रवि भी पांचवें बैठा हो
 साथ शनि ख़्वाह मिलता हो

१ -जब शुक्कर बुध नष्ट हों तो शादी का योग देखने के लिए शुक्कर की जगह चंद्र और बुध के एकजू में ग्रह (जो जन्म कुण्डली में उम्दा हो)।

ख़सम खानी-पति को बर्बाद करने वाली ख़्वाह-चाहे ख़सम-पति एकजू-बदले में
 खाविंद-पति अलाहदा-अलग नरीना-नर (लड़का)

शुक्रकर के दाएं या बाएं पापी ग्रह हों या शुक्रकर बैठा होने वाले घर से चौथे व 8 वें मंगल या सूरज या सनीचर से कोई एक या इकट्ठे हों तो औरत जल कर मरे या शुक्रकर का फल जब जावे ऐसी हालत में औरत (शुक्रकर की बजाए गाय (शुक्रकर) का तबादला या गऊ दान मददगार होगा।

1-जनम कुण्डली में शुक्रकर कायम या अपने दोस्तों यानी बुध-सनीचर-केतु के साथ साथी या दृष्टि में हो उन से मदद लेवे तो औरत एक ही कायम

2-दुश्मन ग्रहों से शुक्रकर अगर रद्दी तो तादाद औरत ज्यादा। सूरज-बुध राहु मुश्तरका शादियां एक से ज्यादा मगर फिर भी गृहस्त का सुख मंदा। बुध खाना नम्बर 8 में तादाद औरत ज्यादा मगर सब औरतें ज़िंदा होवें। जितनी दफा बर्षफल में सूरज और सनीचर का बाहमी टकराओं आ जावे उतनी तादाद तक शादियां होंगी। खासकर जब सूरज नम्बर 6 और सनीचर नम्बर 12 हो तो औरत पर औरत मरती जावे या माँ बच्चों का ताल्लुक न देखे या सुख देखने से पहले ही मरती जावे।

शादी की दोनों लकीरें:-

शुक्रकर और बुध माने गए हैं। बुध से ऊपर की लकीर मर्द से मुतअल्लिका और शुक्रकर से नीचे की लकीर औरत से मलहका (मिली हुई) मानी गई है। शुक्रकर और बुध में से अगर एक ही ग्रह कायम हो तो हाथ पर सिर्फ एक ही शादी की लकीर होने का मतलब और असर लिया जाएगा।

१ -बुध नम्बर 8 या शुक्रकर नम्बर 4 मगर नम्बर 2 व 7 खाली औरतें (बीवियां) एक से मगर सब ज़िंदा।

तबादला-एक जगह से दूसरी जगह	बाहमी-परस्पर, मिल जुलकर	दफा-बार	मुतअल्लिका-संबंधित
शुक्रकर-शुक्र ग्रह	मलहका-मिली हुई		ताल्लुक-संबंध

ऊपर की लकीर :-

बुध क्रायम होने से ऊपर की लकीर (मर्द से मुतअल्लिका)

नीचे की लकीर :-

शुक्रकर क्रायम से नीचे की लकीर (औरत से वावस्ता) होगी। अगर बुध शुक्रकर दोनों

क्रायम तो दोनों लकीरें उम्दा और अगर दोनों ही (बुध-शुक्रकर) रद्दी तो दोनों

लकीरें मंदी वाली शादी रेखा से मुराद होगी दो साफ़ और सही बड़ी लकीर

ऊपर और छोटी लकीर नीचे की हालत में शादी की औरत एक ज़रूर और जल्द होवे।

औरत गृहस्त में नेक फल देने वाली

और उत्तम हो। अर्सा शादी शुक्रकर के असर का

बकूत यानी 25 साल का $\frac{1}{2} = 12 \frac{1}{2}$ या 25

का $\frac{3}{4} = 18-19$ साल होगी और शादी

खुद व खुद धक्के लगाकर हो जावेगी। किसी दूसरे

के एहसान या मेहरबानी की ज़रूरत न होगी।

बुध शुक्रकर दोनों ही नेक हालत के

और मंगल नेक का साथ (साथी ग्रह) हो।

शादी व औलाद का फल नेक व उम्दा होगी। एक ही लकीर वाली शादी रेखा शुक्रकर क्रायम

मगर बुध ख़राब हालत का अगर सिर्फ़ एक ही लकीर होवे तो शादी देर बाद यानी

18 साल के बाद 25 साल तक होवे और शादी में कई एक मुश्किलात पेश

आवें जो सरमाया की कमी या संजोग के दूसरे कई एक विघ्न (रुकावटें) वैरह

होंगी। ऐसी हालत में शादी का नेक असर और उम्दा नतीजा 28 साल की उम्र के

बाद ही गिना है। छोटी लकीर ऊपर और बड़ी लकीर नीचे वाली शादी रेखा बुध क्रायम

महरबानी-कृपा, करुणा, दया, तरस मुतअल्लिका-संवंधित मुराद-आशय, मतलब विघ्न-विघ्न
जल्द-जल्दी खुद व खुद-अपने आप वावस्ता-संलग्न, बंधा हुआ मुश्किलात-कठिनाईयां



मगर शुक्कर ख़राब हालत का अगर बड़ी लकीर नीचे और छोटी लकीर ऊपर हो जावे
 — तो शादी का फल मनहूस ही गिना है यानी अब्बल तो शादी न ही हो
 और अगर हो तो देर बाद (18-19 साल के
 बाद) हो और औलाद न ही होवे और
 अगर औलाद होनी शुरू ही हो जावे
 तो लड़के या औलाद नरीना न होवे
 और अगर औलाद नरीना हो भी जावे
 तो ज़िंदा न रहे और अगर ज़िंदा ही रहे
 तो लायक न होवे और अगर लायक भी होवे
 तो सुख देने वाली न होवे अगर सुख देने वाली नियत की हो तो सुख देने के
 काबिल न होवे और निर्धन या दूसरे किसी सबव से हानि करने वाली हो। किस्सा मुख्तसर
 ऐसी हालत में औरत ज़ात अपना पूरा और नेक फल न देवे अगर सूरज नम्बर 1 में हो
 और खाना नम्बर 7 खाली हो तो ऐसे शख्स को शादी छोटी उम्र में ही कर लेनी निहायत मुबारक होगी।
 वास्ते राजदरबार (असर सूरज खुद सेहत व उम्र बगैरह) बुध - शुक्कर दोनों के साथ या
 दोनों में से किसी एक के साथ मंगल बद का साथ (साथी ग्रह) होवे। दो शाख़ी रेखा
 खाली शादी रेखा से मुण्ड होगी। दो शाख़ी रेखा



— बगैरह बगैरह दो शाख़ी होने पर मर्द औरत की बाहमी रंजिश-तलाक़-अलाहदी
 जुवाई और न मुवाफ़कत बगैरह ज़ाहिर करती है। दो शाख़ी रेखा वाले मर्द से ज्याही
 हुई औरत अगर किसी दूसरे के घर भी जा गुज़रें हो जावे तो भी मनहूस असर
 जल्द दफ़ा न होगा। ऐसी औरत से यानी वह औरत भी जल्द औलाद नरीना का फल न
 पाएगी और ऐसा मर्द दूसरी शादी से भी जल्द नफ़ा या आराम न पाएगा। नाक़िस
 ग्रहों का असर अपने बक्त में ही दोनों तरफ़ से ज़ाया होगा। बुध शुक्कर हों
 बाद के घरों में और मंगल बद होवे पहले घरों में-दो शाख़ी का हथेली के

नाक़िस-बेकार, खराब

बाहमी-परस्पर, मिल जुलकर

अब्बल-प्रथम, पहला

रंजिश-दुश्मनी, शत्रुता

औलाद-संतान, बाल बच्चे

नफ़ा-लाभ, फायदा नरीना-नर

हो जावे



मुख्यसर

हो

हायत मुवारक होगी।

या

संतान, बाल बच्चे

नरीना-नर

1070

फरमान नम्बर-17

अन्दर की तरफ मुंह होने वाली शादी रेखा दो शाखों का मुंह जिस क़दर हथेली के अन्दर पुसता चला जावे या मुंह बढ़ा होता जावे या दो शाखों के सिरे नीचे की तरफ (दिल रेखा की तरफ बढ़ते जावें चंद्र या दिल रेखा बुध की दुश्मन है) या ऊपर कनिष्ठा की तरफ कनिष्ठा की सब से निचली पोरी (धन राशि बृहस्पत दुश्मन बुध का) में चले जावें तो शादी में या मर्द औरत के गृहस्ती ताल्लुक में नरीना ख़राब बढ़ता जावे। ऐसी हालत में चंद्र और बृहस्पत की पूजना नेक असर की तरफ लाएगी। दो शाखों रेखा की हालत में अच्छा तो मर्द औरत जुदा जुदा ही हो जाएंगे और आगर किसी बजह से इकट्ठे हो रहे जावें तो औरत मर्द के लिए औरत का काम न देगी। उसकी ख़ूबसूरती बाइसे बदचलनी या नेक चलनी की हालत में औलाद बगैरह या बीमारी या बीमारी की बजह से खुर्च फ़ालतू या दीगर और कौई सबब होगा। बहरहाल ऐसी हालत में औरत 12 साल औलाद न देगी या औलाद नरीना का नेक असर न होगा। बुध शुक्र अगर कुण्डली के पहले घरों में हों और मंगल बद बाद के घरों में बाक़े हो दो दो शाखों का मुंह हथेली से बाहर को होने वाली शादी की दो शाखों रेखा होगी। दो शादी का मुंह जिस क़दर हथेली के बाहर को होने वाली शादी की दो शाखों रेखा होगी दो शाखों का मुंह जिस क़दर हथेली के बाहर की तरफ पुश्त की जानिव को होता जावे और दो शाखों का मुंह >< हथेली के बाहर होता जावे बुरा असर कम होता जावे। मंगल बद ऐसी हर दो हालत में आगर शुक्र पर बुरा असर दे रहा हो तो औरत बाइसे ख़राबी और आगर बुध पर बुरा असर दे रहा हो तो मर्द बाइसे ख़राबी होगा और आगर बुध शुक्र दोनों जुदा जुदा ही हों और मंगल बद का कुण्डली में ताल्लुक हो जावे तो कुदरती सबब ख़राबी का सबब होंगे। दाएं हाथ पर के निशानों की हालत में खुद करदा कज़ूहात और बाएं हाथ के निशानों से अनभूल या सहवन कार्बाई के सबब होंगे। शुक्र या चंद्र से रेखा के बक्त औरतें मुख्यालफ़त का सबब और मंगल (हर दो) से शाख मर्दों से मुख्यालफ़त जाहिर करती है। ऊपर बुध से आई हुई शाख के बक्त फ़ालतू खुर्च या दीगर सबब होंगे। स्त्री ग्रह (चंद्र-शुक्र जब नर ग्रहों सूरज बृहस्पत मंगल) के साथ मुरताका

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

वाक़ी-घटित होने वाला

ताल्लुक-संबंध

बहरहाल-हर हाल में

मुख्यालफ़त-दुश्मनी, शत्रुता

सहवन-भूल में, अज्ञानता

अच्छा-प्रथम, पहला

या साथी ग्रह हो जावे तो भी शादी रेखा से मुण्ड होगी वशते कि ऐसी हालत में सनीचर का ताल्लुक भी (जड़-राशि-पक्का घर दृष्टि या साथी ग्रह की हालत का हो जाना) हो जावे ऐसी हालत में ऊपर ज़िंक्र की हुई तमाम शर्तों के लिए स्त्री ग्रहों का शुकर या नर ग्रहों को बुध की शादी रेखा गिन कर फ़ैसला होगा।

स्त्री व नर ग्रहों का यह बाहमी ताल्लुक सिफ़्र शादी रेखा के लिए होगा और यह शर्त भी सिफ़्र उसी बक्त होगी जब शुकर और बुध दोनों ही नष्ट हो गए होंगे।

(निशानी ऐसे शख्स के जन्म से ही उस की ताल्लुकदार स्त्रियां-बहन-भुआ-फुफी बगैरह ही मरती गई हों) औरत रेखा के साथ दौड़ती हुई लकीर जो बाद में उम्र या क़िस्मत रेखा ही गिल जावे शादी का ताल्लुकदार या शादी पर औरत बन जाने वाली हस्ती से मुण्ड होती है। ऐसी शादी के हो जाने के बक्त से ही क़िस्मत जाग उठा करती है। या ऐसी औरत लक्ष्मी या भाग उदय होने का चरण या ज़माना साथ ही लाया करती है।



रंग व सुभाओ

जन्म कुण्डली में अगर केतु सनीचर या शुकर के साथ उम्दा हो तो ऐसा प्रानी दिशा में शहज़ार जायेखास की दरज़ी (हस्तनी औरत) या जन्म कुण्डली में शुकर या राहु-सूरज के साथ या सूरज के घर नम्बर 5 या सनीचर के घर नम्बर 10 में हो तो ऐसा प्रानी वश के ताल्लुक में रफ़ीक सुभाओ (पदमनी औरत) और जायेखास को ताह ही लेंगे। सूरज बुध का ताल्लुक औरत का रंग व सुभाओ ज़ाहिर करेगा।

शहज़ार-शक्तिशाली, बलवान रफ़ीक-मित्र, दोस्त, हमराही दरज़ी-लम्बाई ज़ाहिर-व्यक्त, प्रकट, स्पष्ट हस्तनी औरत-काम शास्त्र के अनुसार चार प्रकार की स्त्रियों में से सबसे निकृष्ट प्रकार की स्त्री

कुण्डली में अगर सूरज पहले घरों में हो और बुध बाद के घरों में तो औरत का रंग व सुभाओं उम्दा होगा और नेक असर का बशर्ते कि सनीचर दखल न देवे । अगर बुध पहले घरों में और सूरज बाद के घरों में तो औरत के रंग और सुभाओं में मंदा असर शामिल होगा। जब सूरज बुध इकट्ठे हो हों और सूरज के नेक घरों में यानी इकट्ठे ही हों और सनीचर या दुश्मन ग्रहों का असर न शामिल होता होवे तो सूरज-बुध के बाहमी ताल्लुक का असर यानी उम्दा हालत होगी लेकिन जब सनीचर का ताल्लुक या दुश्मन ग्रहों का ताल्लुक हो जावे तो औरत के सुभाओं में कलपना और सनीचर की तरह शैतानी और चंचल होने की हालत का साथ होगा।

सूरज बुध नम्बर 7 और सूरज से

शाख-औरत अमीर खानदान से या जो हर तरह से सूरज के बराबर हो बशर्ते कि शुक्रकर उम्दा हो बरना उलट नतीजा लेंगे और औरत ग्रीव घराने से होगी करख़ा सुभाओं मगर गृहस्त उम्दा होगा।

शुक्रकर के बुजे से रेखा

अगर सूरज की तरफ़ चले और रास्ता में क्रिस्मत रेखा में ही रह जावे

तो ऐसी औरत (शुक्रकर की शाख़

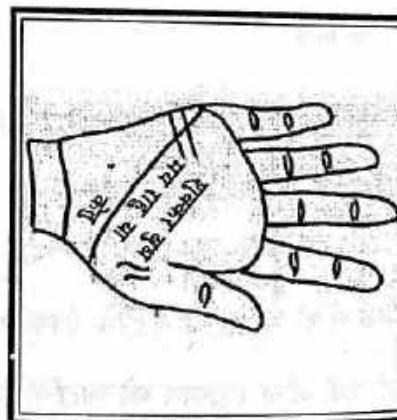
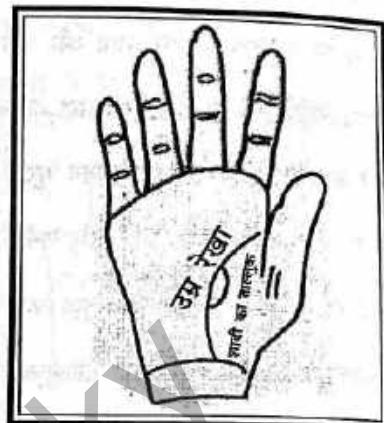
दखल-हस्तक्षेप

बाहमी-परस्पर, मिल जुलकर करख़ा-कठोर, कर्कश

ताल्लुक-संबंध उम्दा-अच्छा, शुभ कलपना-बिलखना, विलाप करना



स्त्री) किस्मत की ताल्लुकदार होगी या शादी होने पर ही किस्मत रोशन और नेक असर बना देगी। ऐसी औरत स्याह रंग न होगी बल्कि शुक्कर या सूरज के रंग की होगी और चमकीला चेहरा होगा।



शादी रेखा से दूसरी शाखों का ताल्लुक चंद्र के बुर्ज से या

शुक्कर के बुर्ज वरास्ता
खाना नम्बर 11 या खाना नम्बर 12 से या :-

स्याह-काला

किस्मत-भाग्य

शुक्कर-शुक्र ग्रह

चमकीला-चमकदार, जगमगाता हुआ

मंगल नेक के बुर्ज से या बुध
पर कनिष्ठा की जड़ या धनु राशि बृहस्पत से आई
हुई शाख़ सबकी सबसे शादी में
रुकावट मुखालफत या दीगर फितूर बाइसे तकलीफ
पैदा होंगे। शुक्कर बुध-मंगल तीनों ही
खाना नम्बर 3 में दृष्टि का खाना नम्बर 11 खाली
शादी और औलाद से गड़बड़ होवे



मर्द औरत के जोड़े की उम्र

दोनों लकीरों — से ऊपर की लकीर को मर्द से और नीचे की लकीर को औरत से मिलाया गया है ऊपर की लकीर से मर्द की उम्र और नीचे की लकीर से औरत की (आयु उम्र) लेते हैं लकीरों की लम्बाई में जिस क़दर फ़र्क हो उतना ही अर्सा उम्र में फ़र्क होगा और कुदरत अलाहदा कर देगी शुक्कर क़ायम या शुक्कर के दोस्त मददगार तो औरत की उम्र लंबी बुध क़ायम या बुध के दोस्त उसके मददगार मर्द की उम्र लंबी होगी। शादी की उम्दा और नेक रेखा वह है जो बराबर — हो। उन दोनों लकीरों की दरमियानी चौड़ाई और फ़ासला भी मर्द-औरत की दूरी (ज्यादा चौड़ाई का दरमियानी फ़ासला ज्यादा) व नज़दीकी ज़ाहिर करता है। अगर दोनों लकीरों की लम्बाई भी बराबर होगी तो दोनों की औसत उम्र भी बराबर ही होगी

यानी दोनों की ख़ातमा के हिसाब से या यूं कहो कि दोनों कब जुदा जुदा होंगे इस बात

मुखालफत-विरोध, शत्रुता, दुश्मनी	लकीर-लाईन	दीगर-भिन्न, दूसरे	बाइसे-कारण
तकलीफ-परेशानी	कुदरत-ईश्वर, भगवान, प्रभु, परमात्मा	अलाहदा-अलग	फ़ासला-अंतर



का कोई हिसाब नहीं कि दोनों कब इकट्ठे हुए थे और दोनों की इस बहुत उप्र कितनी कितनी थी। इन लकीरों की लम्बाई दोनों के जोड़े क्लायम रहने की मियाद का असा होता है। अगर उपर की लकीर लंबी हो तो औरत पहले और नीचे की लकीर लंबी हो तो मर्द पहले इस दुनिया से चल बसेगा। शुक्कर को देखता हो उसका दोस्त ग्रह दुर्मन ग्रह तो औरत की उम्र लम्बी छोटी होगी। बुध को देखता हो उसका दोस्त ग्रह दुर्मन ग्रह तो मर्द की उम्र लम्बी छोटी होगी। शुक्कर बुध मुश्तका को देखता हो दोनों का मुश्तरका दोस्त ग्रह दुर्मन ग्रह तो दोनों की उम्र लम्बी होगी। शुक्कर को देखता हो उसका दोस्त ग्रह (सनीचर) और बुध को देखता हो उसका दुर्मन ग्रह चंद्र तो औरत की उम्र लम्बी और मर्द पहले चल जावे बुध को देखता हो उसका दोस्त ग्रह (सूरज राहु) और शुक्कर को देखता हो उसका दुर्मन ग्रह (सूरज चंद्र राहु) तो मर्द की उम्र लम्बी और औरत पहले चल जावे। शुक्कर को देखता हो उसका दुर्मन ग्रह (चंद्र) और शुक्कर औरत कई दफा मरती या हटती जावे। बुध को देखता हो उसका दुर्मन ग्रह (चंद्र) और शुक्कर को देखता है। उसका दुर्मन ग्रह (सूरज-चंद्र-राहु) तो औरत क्लायम रहे ख़ाह उस के मर्द मरते या हटते जावे। शुक्कर क्लायम से सिर्फ़ एक औरत और आखोर मर्द के दम तक क्लायम रहे। सूरज होवे ख़ाना नम्बर 6 में और सनीचर हो ख़ाना नम्बर 12 में तो औरत पर औरत मरती जावे।

दीगर बाहमी ताल्लुक

शुक्कर बुध का ताल्लुक शादी के दिन से मर्द औरत को किस्मत पर भी ताल्लुक होगा। बृहस्पत का साथ (शुक्कर बुध का बृहस्पत से ताल्लुक) इन्हात-किस्मत की चमक सूरज का साथ (शुक्कर बुध का सूरज से ताल्लुक) आम बरताओ गुजर गुजरान। चंद्र का साथ (शुक्कर) बुध का चंद्र से ताल्लुक। धन-उम्र-शान्ति। मंगल का साथ (शुक्कर बुध का मंगल से ताल्लुक) औलाद का क्लायम रहना। सनीचर का साथ (शुक्कर बुध का सनीचर से ताल्लुक) जायदाद मकान बगैरह। राहु का मियाद-समय, अवधि ताल्लुक-संबंध असा-समय मुश्तरका-मिले जुले दफा-बाहर ख़ाह-चाहे दोगर-भिन्न, दूसरे ताल्लुक-संबंध

मास (शुक्कर-बुध
क्लु ने ताल्लुक)

शाद

बाहमी गुजर
शुक्कर
बुध क्ला
दोनों का

मुख दुखः—

बुध सनीचर सार्थ
आज या नाक छ

शुक्कर के दुर्मन
मुश्तरका या बुध

से साथ हो जावे

कियाफ़ा :—

लतु (बुध सनीचर
(सूरज चंद्र तो दो

होवे। मार फिर

और अगर आंख र
हो तो औरत को

शुक्कर ख़

शुक्कर ख़

बाहमी-परस्पर, मि

साथ (शुक्कर-बुध का राहु से ताल्लुक) दुख-दलिद्वदर-दुश्मन-मीतें-गमी केतु का साथ (शुक्कर-बुध का केतु से ताल्लुक) ऐशा फलना फूलना खुशी बैरह

शादी से मर्द औरत की बाहमी गुजरान

बाहमी गुजरान:-

- | | | |
|-------------------------------|----------------------|---------------|
| शुक्कर क्रायम या दोस्त की मदद | - औरत की उम्र लंबी | } शादी दिन से |
| बुध क्रायम या दोस्त की मदद | - मर्द की उम्र लंबी | |
| दोनों क्रायम या दोस्त की मदद | - दोनों की उम्र लंबी | |

गुजरान जाती
उम्र की शर्तें नहीं।

सुख दुख:-

बुध सनीचर साथी या गुरु अकेला नम्बर 10 - ज़बान तालु काले }
आंख या नाक छोटी। } मर्द, दुखिया

शुक्कर के दुश्मन नम्बर 7 या चंद्र, सनीचर मुश्तरका या बुध चंद्र }
मुश्तरका या बुध क्रायम मगर शुक्कर मंदा या बुध शुक्कर का चंद्र मंगल }
से साथ हो जावे - तलाक - जुदाई } औरत दुखिया

क्रियाफ़ा :- नाक छोटी (नौच बृहस्पत नम्बर 10) हो या ज़बान व

तालु (बुध सनीचर मुश्तरका) स्याह हो और आंख भूरी का साथ हो

(सूरज चंद्र तो दो से ज़्यादा शादियां

होंगे। मगर फिर भी बृहस्पत का सुख नसीब न हो

और अगर आंख स्याह (सनीचर चंद्र) का साथ

हो तो औरत को सुख हलका होवे। शुक्कर पर



१ शुक्कर खाना नम्बर 3 ता 6-9-2 :- मर्द की उम्र लंबी } अमूमन

शुक्कर खाना नम्बर 1-2-7-8-10-11 :- औरत की उम्र लंबी } होगी

बाहमी-परस्पर, मिल जुलकर

मुश्तरका-मिले जुले

क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र, विस्तार

स्याह-काला

ऐश-भोग विलास

गुजरान-गुजर बसर

अंगूठे की जड़ में सूरज का सितारा होवे (सूरज नम्बर 7) तो औरत का सुख हलका पराई
ममता मगर अपने लिए इक्कबालमंद होवे। उम्र रेखा (पिंड रेखा) पर राहु का निशान हो :-

अलिफ़- औरत का सुख हलका खासकर मीन राशि को
ज़रूर हलका होवे। सनीचर राहु नम्बर 12

बे- दाएं पांव की अनामिका उंगली मढ़मा से
छोटी (बहुत ही) हो (लड़के का सूरज
नीच होगा) या तर्जनी मढ़मा से बहुत छोटी
हो तो औरत का खानदान गुरीब हैसियत
का होवे और उनका सुख भी हलका हो
ख़ाह अमीर ही हो। पांव की तर्जनी मढ़मा
से बड़ी हो-औरत खानदान गुरीब
हो (बृहस्पत के देखें सनीचर को) पांव की तर्जनी मढ़मा से (सनीचर देखे बृहस्पत
को) थोड़ी छोटी हो-औरत का सुख पूरा होवे। हाथ की कनिष्का उंगली के नाखून वाले
हिस्से का आख़ीर या सिर अगर अनामिका उंगली के नाखून वाले हिस्से की जड़ (कर्क राशि वाली पोरी को
जड़ से नीचा रहे जबकि हाथ को ख़ूब अकड़ा कर उन दोनों उंगलियों को बाहम मिलाकर देखा जावे)
तो जिस क़दर कनिष्का उस अनामिका की ऊपर ज़िक्र शुद्ध पोरी की जड़ से छोटी होवे या जिस
क़दर नीची रह जावे उसी क़दर औरत सफेद या सफ़ा रंग नेक सीरत (सुभाओ) और उम्दा
व खुश ख़ुलक़ होगी। जिस क़दर कनिष्का का यह हिस्सा उस हिस्से से ऊपर को बढ़े उसी क़दर
औरत का रंग-ख़ूबसूरती-सुभाओ ख़ुबी मंद या मंदा और ख़राब होवे।



अलिफ़-आरम्भ अनामिका-छोटी उंगली के साथ वाली उंगली मढ़मा-बीच वाली सबसे बड़ी उंगली
तर्जनी-अंगूठे के साथ वाली उंगली ख़ाह-चाहे सनीचर-शनि ग्रह बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

अगर उम्र (पितृ रेखा) टेढ़ी होकर (मातृ रेखा) को काट कर चांद के बुर्ज पर हथेली के किनारे Δ तिकोन सी बनावे तो

ऐसा शख्स पराई या गैर औरत का मिलापी और खोटे काम करने वाला होगा या बदकेल

या बद किरदार होवे क्योंकि चंद खुद बुध और सनीचर से दुश्मनी करता है। अगर औरत को पेशानी बुलन्द बृहस्पत नम्बर 4 और

कंचो हो वह जल्द व्याह हो जावे

खाविंद उसका अमीर कबीर और मरतवा वाला होवे और अगर पेशानी लंबी और कुशादा होवे

तो वह औरत अपने खाविंद के लिए तो मुवारक हो मगर समुर (सुसरा या खाविंद का बाप)

जल्द मर जावे (बृहस्पत-मैंगल-सूरज खाना नम्बर 4) खुशगुजरान वह होगी जिस

की पेशानी फ़राख़ होवे (अकेला बृहस्पत नम्बर 4) औरत के पांव की अनानिका उंगली

अगर उसकी कनिष्ठा उंगली से छोटी हो (सूरज-केतु देखें बुध को) और उसका नाखून

वाला हिस्सा (अनानिका का) ज़मीन पर न लगे तो वह औरत "खाविंद खानी" हो यानी उस

का पहला खाविंद मरे तो दूसरा करे और अगर सारी कनिष्ठा ज़मीन पर न लगे तो दूसरा

मरे तीसरा करे खाव चौथा करे सब के सब मर जावे मगर वह औरत खुद

न मरे और न ही आराम पावे।



खाविंद खानी-पति को बबांद करने वाली शख्स-मनुष्य पराई-गैर खाविंद-पति
कुशादा-खुला, फैला हुआ खुशगुजरान-सुखमय जीवन फ़राख़-विशाल, बड़ा सुसरा-पति का पिता

खबरदारी

मकान रिहाइशी से मुतअल्लका

1- अगर रिहाइशी मकान में दाखिल होते पहले ही छठे हुए हिस्से में तह ज़रीन के अंदर कुएं की तरह खुदी हुई भट्टी जो सिफ़र व्याह शादियों के बक्तु खोल ली जावे और बाद अज्ञां मिट्टी डालकर बंद कर दी जाया करे हमेशा के लिए पक्के तौर पर क़ायम कर ली जावे तो जब कभी उस घर में मंगल नम्बर 8 वाला बच्चा पैदा होगा तो उनकी (तमाम असली खुन के साथी) ऐसी तबाही शुरू होगी कि लोग कहेंगे कि वह सबके सब अचानक भट्टी में पड़ गए - तबाह हो गए - मर गए या बरबाद हो गए होंगे। अगर ऐसी भट्टी क़ायम हो ही चुकी हो तो जहां तक उसकी मिट्टी जल गई हो वह तमाम की तमाम जली हुई मिट्टी दरिया नदी नाले में डलवा दें।

2- रिहाइशी मकान में मूर्ति बैगेह रख कर पूरे तौर पर धरम मंदिर अस्थापन कर लेना पूजा की घटियों को बजाए लावल्दी का चंदा बजा देगा खासकर जब बृहस्पत नम्बर 7 वाला प्रानी उस घर में जन्म पावे। ऐसी मूर्तियां (बुत) धरम मंदिरों में ही मुखरक गिनते हैं। कागज पर फोटो बैगेह या किसी देवी देवता की तस्वीर का कोई बहम न होगा।

3- मकान में दाखिला पर दाएं हाथ आख़ोर पर जहां पहुंचकर मकान ख़तम हो कई दफ़ा अंधेरी कोठरी हुआ करती है जिसमें सिवाय दाखिला के दरवाज़ा के रोशनी और हवा

अस्थान-स्थापित

अज्ञां-उससे

लावल्दी-निःसन्तान

कोठरी-छोटा तंग कमरा

धरम-धर्म

जाते का कोई और रखकर रोशन कर फुल गया लेंगे। माया मायें और बाकी मंदी हालत में कर लेने के लिए घजह से ऐसी कोठरी की छत बुद गिराने से गिराएं।

4- रिहाइशी मकान खने के लिए गुही पड़े रहें तो बुध बोलता होगा बातें होंगी और ऐसे गुमनाम गड़े।

5-रिहाइशी मकान ताजे यानि उन सनीचर की भवहां शुकर के

6- दक्कन के पी कोई खास रड़ों-जिसकी पोशीदा-गुज़ल

जाने का कोई और रस्ता नहीं हुआ करता अगर ऐसी कोटरी को खानदान दरवाजे रखकर रोशन कर लिया जावे तो वह खानदान बरबाद होगा उनके ठहर का चयन बुझ गया लेंगे। माया का हाथी और दौलत पर चैयर हुआ सोप उस घर से जला गया मानेंगे और बाद में उस खानदान पर नेटी - बरबादी और नहूसत की बंदी हालत में हाथी की लोट बाकी गिरेंगे जिसे बाहर लेकर भकान साफ़ कर लेने के लिए उनमें माली कमज़ोरी को लगाह से हिम्मत नेक न होंगी। अगर किसी बजह से ऐसी कोटरी की छत बदलने की ज़रूरत पड़ जावे तो बहले डॉक कोटरी की छत के कपर एक और ऊंची छत खायम कर लें फिर पहली पुरानी छत को गिरा दें। ऐसी कोटरी अमूमन अपने आप नहीं गिरा करती। बद कभी भी होगा खुद गिराने से गिरेगी।

4- रिहाइशी मकानों में बाज औंकार त्रीभवी आश्या - लेवर - रुपया चूंचह पोरीदा रखने के लिए गुमनाम गढ़दे या रखाअंदाज या क़ायम कर लेते हैं अगर वह ऐसे गुमनाम गढ़े चूंचह खाली ही पड़े रहें तो भी घर की धन दौलत के तालुक में खाली बुध बोलता होगा यानी अपने घरों के यालिकों की सब तरह फोकों बातें ही बातें होंगी और इनमें कोई पाएदरी या इज़्जत या आवरू का नतीजा पैदा न होगा। ऐसे गुमनाम गढ़दों में बादाम छुहारे या कोई न कोई मीठी चीज़ रखी रहनी मुश्किल होगी।

5-रिहाइशी मकान के फर्श में अगर कच्चा हिस्सा बिल्कुल न हो तो उस घर में शुबकर का निवास नहीं मानते यानि उनका गुहरत - स्त्रियों की इज़्जत और दौलत सब में सनीचर की मनहूस पत्थर ही पड़ते होंगे। अगर किसी बजह से कच्चा हिस्सा न रह चुका हो तो वहां शुबकर को अश्या क़ायम कर लोड़ें।

6- दबेन के दरवाज़ा बाला मकान स्त्रियों के लिए खासकर मनहूस होगा। मर्द भी कोई खास सुख नहीं पाते। रंडों के रहने या क़ायम करने की बगह हुआ

रंडो-जिसकी पत्नी मर चुकी हो

आवरू-प्रतिष्ठा

दबकन-दक्षिण दिशा

पोशीदा-गुप्त

नहूसत-बदनसीदी

औंकात-समयावली, प्रतिष्ठा

मनहूस-अशृभ, अभाग

करती है। बड़ा दरवाज़ा (Main Gate) दक्कन से हटाकर उस तरफ रास्ता रखकर किसी दूसरी तरफ उस गली में किसी दूसरी तरफ को दरवाज़ा कर लिया करते हैं। इताका मद्दास जो हिन्दुस्तान का दक्कनी का हिस्सा है में दक्कन का दरवाज़ा इस बुराई से बरी हो सकता है मगर फिर भी नेक हालत कम ही होगी।

कन्या के लिए वर की खोज से मुतअलिल्का

1- सनीचर नम्बर 11 के टेबे वाला बैशक साहबे इक्बाल - दौलतमंद और परिवार वाला होगा मगर वह दुनियावी आराम की उम्र के बक्त अपनी आल - औलाद औरत बाँरह अपने गृहस्ती साथियों को ऐन समंदर के दरमियान बेड़ी ले जाकर अपने सिर सिरहाने चप्पू रख कर सो जाने वाले मल्लाह की तरह ऐसे बक्त में उन का साथ छोड़कर चला जाएगा कि उन बाकी बचे हुओं की दुख भरी आहों को सुनने वाला शायद ही कोई दुनियावी साथी होगा या हो सकेगा।

2- अल्प आयु के ग्रहों वाला शख्स अपनी 8 की हृद्बंदी पर शक्की उम्र का मालिक होगा और अगर ज़्यादा से ज़्यादा 8 ज़्यरब 8 = 64 साल तक ज़िंदा रह भी जावे तो भी माली हालत और दुनियावी सुख सागर में उसका चंद दिल माया का दरिया सूखा हुआ ही होगा।

3- राहु मंदा या मंदे घरों में या बुध राहु दोनों मुश्तरका और मंदे घरों (3-8-9-12) में या सनीचर नम्बर 2 के टेबे वाला यह सब लड़की के बाप या अपने ससुर (ससुराल) को तबाह कर लेंगे।

दक्कन-दक्षिण दिशा
समंदर-समुद्र

साहबे इक्बाल-प्रतापी, तेजस्वी
दरमियान-बीच का

आल औलाद-संतान
मल्लाह-नाव चलाने वाला

ऐ-ठीक उसी समय
शख्स-मनुष्य

4- शुक्रकर केतु मुश्तरका नम्बर 10 (एक)

या

मंगल बुध चंद्र नष्टी

या

सूरज नम्बर 4 सनीचर नम्बर 7 चंद्र नम्बर 1 या 2 शुक्रकर नम्बर 5

5- सूरज नम्बर 6 मंगल नम्बर 10

खाना नम्बर 12 निकम्मा या बरबाद

6- सूरज नम्बर 6 और मंगल नम्बर 10 - एक आंख से काना व लाम्ज़हब होगा।

7- बृहस्पत शुक्रकर मुश्तरका

या

चंद्र नम्बर 1 और बृहस्पत नम्बर 11

8- सूरज सनीचर मुश्तरका या सूरज

सनीचर या दृष्टि की रै से झगड़ा

या

सूरज - सनीचर बुध मुश्तरका

लाम्ज़हब-धर्म को न मानने वाला
रग्बत-चाहत

} रात्रि विलास, व्याभिचार

नार्मद - नाकाविले
औलाद नरीना
होगा।

वाले का लड़के पे लड़का मरता जावे।

कामदेव की ज्यादती या ऐशा की वेहद रग्बत

उसके सोने को गंदी मिट्टी के भाव विकवा

देगी और चंद्र के मुतअलिलका रिश्तावार

(माता-दादी-नानी और सास) मंगल

के मुतअलिलका (पेट दर्द और दूसरी खराबियां)

(भाई-ताया-बड़ा मामू) में बरबाद होगा

जब तक खाना नम्बर 12 में केतु या कोई और

नर ग्रह न हो या वैसे ही खाना औलाद या

औलाद के योग उम्मा न हों तो बेमैका

तलाक जुदाई के वाकिआत होंगे।

चाल चलन की बदनामी की तोहमत (सच्ची या फ़र्ज़ी)

तो अमूमन साधारण होगा।

ऐश-धोग विलास, व्याभिचार
तोहमत-दोष, कलंक

नार्मद-नपुंसक

वाकिआत-घटनाये

नरीना-नर

आल औलाद-स्त्री-परिवार के साथ के सुख मुतअल्लका

1. अपनी खुराक से गाय कौवा और कुत्ते तीनों ही के लिए कुछ हिस्सा पहले ही जुदा रख लेना (जिसे गँड ग्रास भी कहते हैं) दुनियावी ताल्लुक के सब सुख सागर में भद्र देगा ।
2. रोटी पकने की जगह (रसोई खाना - बावर्ची खाना) यानि जिस कमरे में बने उसी कमरा या उस जगह में रोटी खाना राहु की मंदी शरारतों से बचाता रहेगा और मंगल राहु मुश्तरका का नेक फल पैदा करेगा ।
3. हर महीने घर के मैम्बरान की तादाद से कुछ ज्यादा तादाद (जो आए गए मेहमानों की औसत तादाद हो) के बराबर मीठी रोटियां (ख़ाह कितनी दी छोटी - छोटी ही क्यों न हों मगर तादाद कम न हो) पकाकर बाहर जानवरों के खाने के लिए डाल दिया करें तो घर में बीमारी - झगड़ों से नाहक ख़ुर्चों की बचत रहा करेगी।
4. अलिफ - रात के आराम के बबत अपने चारपाई के नीचे थोड़ा सा पानी किसी बरतन में रख लें सुबह वह पानी किसी ऐसी जगह में डाल दें जहां कि उसकी बेइज़्जती ना समझी जावे न ही उस पानी से अपना हाथ मुह या पाख़ाना (टट्टी पेशाब) धोवें तो राहु की शरारतों से (नाहक झगड़े-फ़साद-बेइज़्जती-बीमारियां या कोई और दूसरी लानत बग़ैरह) हमेशा बचाओ होता रहेगा ।

बे - आपत्तौर पर इन्सान की तबीयत ग्रह चाल के मुताबिक़ ही हो जाया करती है लेकिन अगर कोई शाख़ा ज़िद से उलट ही चलता हो तो वह नफ़ा की बजाए नुक़सान ही पाएगा। मसलन सनीचर नम्बर 7 (ऊंच हालत) का मालिक - तबीयत में चालाक - आंख के इशारे ही से सर से पांवों तक जांच लेवे बल्कि किसी दफ़ा मक्कार - चाल बाज़ होना भी माना है। लेकिन अगर ऐसा

आल औलाद-संतान
बावर्ची-खाना बनाने वाला

खुराक-खाना
नाहक-व्यर्थ

कौवा-कौवा
फ़साद-भगड़ा

मेम्बरान-सदस्य
नफ़ा-लाभ

तादाद-संख्या

मसलन-जैसे कि

शाङ्क्ष पूरा धर्मात्मा-दयालता से भरपूर और सच पूर्त मुजस्सम हो तो वह हर दम दुखिया बेचैन और नुकसान ही नुकसान देखता होगा

औलाद से मुतअलिलका

1. औरत के हामिला मालूम हो जाने के दिन से ही उसके बाजू पर सुख धागा बांधें जो बच्चे के जन्म पर खुद बच्चे के बाजू पर तब्दील कर दिया जावे और इस बक्त बच्चे की माता के बाजू पर और नया सुख धागा बांध दिया जावे। यह रक्षा बंधन कहलाता है और बच्चे की 18 माह की उम्र तक जारी रखना ज़रूरी है। औलाद की उम्र में बरकत देगा। खासकर जब किसी के बच्चे मरते जाते हों।
2. आल औलाद की बरकत के लिए केतु (गणेश जी) की आराधना मददगार होगी। चंद्र-माया तो केतु परिवार और शनि ख़जांची होगा। दोनों बाहम दुश्मन इस लिए धन और परिवार कम ही इकट्ठे होंगे सिवाय ख़ाना नम्बर 4 और अमूमन मंगल शुक्कर मुश्तरका ऐसा चंद्र होगा जिसके बुध केतु की दुश्मनी न होने कारण धन और परिवार दोनों ही इकट्ठे होंगे।
3. गुरु ग्रास (गाय, कौवा और कुत्ते को खुराक का हिस्सा) मुबारक होगा।
4. बच्चे की पैदाइश होने के बक्त से पहले एक बर्तन में दूध और थोड़ी सी किसी दूसरी चीज़ काग़ज़ या जुदे बर्तन में खांड औरत का हाथ लगाकर कायम रख लें। बच्चा बेख़तर और बा आराम पैदा हो जावेगा उसके बाद वह दूध और खांड मय बर्तन अपने धरम स्थान में पहुंचा दें मगर बर्तन वापिस न लावें। वह धरम अस्थान की मिलकियत हो चुका होगा। बर्तन जिस कदर काम आने के काबिल और उम्मा होगा उसी बरकत-बद्दोत्तरी, बढ़ाना बेख़तर-बगैर ख़तरे तब्दील-बदलना मुजस्सम-सशरीर, साक्षात् कौवा-कौवा धरमअस्थान-धर्म का स्थान हामिला-गर्भवती मिलकियत-मालिकाना हक

कदर ही ज्यादा मुबारक होगा ।

4. वृहस्पत या जनम कुण्डली में राहु मंदे वाले के लिए बेहतर होगा कि बच्चे की पैदाइश से पहले जौ (राहु) को पानी की बोतल में बंद करके रख लेवे ताकि बच्चे की पैदाइश (Delivery) वा आराम और सही स्लामती से होवे ।

5. दरिया पार जाते वक्त (जब 100 दिन या ज्यादा अर्सा अपने घर से बाहर रहना पहले ही मौलूम हो) दरिया में तांबे का पैसा डालते जाया करने से औलाद की बलाए बद से बचत होती रहेगी।

6. दिन के वक्त आम साधारण कच्ची तह ज़मीन पर आग जला कर जब वह जगह खूब गरम हो जावे तो आग को वहां से हटाकर उस सुर्ख हो चुकी जगह पर कच्चे आटे की मीठी रोटी पकाकर या ऐसी मीठी रोटी तनूर में पकाकर (मतलब सिर्फ यह है कि मीठी रोटी लोहे की चाँड़ तवे वँगैरह पर न बनाई जावे) कुते दरवेश वँगैरह को खिलाएं ।

7. जब किसी के बच्चे बचते न हों (पैदा होकर मर जाते हों) तो उसे चाहिए कि बच्चों की पैदाइश व खुशी के तौर पर मिठाई या मीठा तक्सीम करने की बजाए आम पब्लिक में नमक या नमकीन अथवा तक्सीम करें ।

(बे) धरम अस्थान का पैदाशुदा बच्चा (यानी बच्चा पैदा होने के वक्त धरम अस्थान के अहता में बच्चा जनने वाली औरत जाकर वहां ही बच्चा पैदा करे) या धरम अस्थान में जना हुआ बच्चा लम्बी उम्र का मालिक होगा

8. कुतिया का नर बच्चा जो अपने वक्त में एक अकेला ही पैदा हुआ हो। मालिक की खानदानी नस्ल कायम होने और बढ़े परिवार की बरकत के लिए निहायत मुबारक और मददगार होगा।

9. केतु ऊंच टेवे वाला बच्चों की पैदाइश और परवरिश की आए दिन ज्यादती से और भी बरकत पाएगा। इसी तरह शुक्रकर ऊंच वाला औरत

वा आराम-आराम से
तक्सीम-बांटना

सुर्ख-लाल

अहता-चारदीवारी

तनूर-तंदूर

निहायत-बहुत ही

दरवेश-मांगने वाला

धर्मअस्थान-धर्म का स्थान

की पूजना-शुक्कर की सेवा उनकी मुहब्बत और मदद से हर दम फ़ायदा पाता होगा

ख़ैरात नामा से मुतअल्लक़ा

1-इस हिस्सा में तमाम ग्रह चाल बमूजिब जनम कुण्डली लेंगे। बमूजिब वर्षफल नहीं गिनेंगे लेकिन अगर वर्षफल में उस हिस्से में दी हुई ग्रह चाल क्रायम हो जावे और उस साल मना किया हुआ काम या ख़ैरात नामा किया जावे तो भी नेक फल न देगा बल्कि नुकसान का कारण हो सकता है वेशक ऐसा नुकसान या बुरा असर सिर्फ़ उस साल के वर्षफल तक रहकर आगे हट जावे

2-ऊंच ग्रह वाले को अपने ऊंच ग्रह की मुतअल्लक़ा चीज़ का दान देना या अपने नीच ग्रह की मुतअल्लक़ा चीज़ का किसी दूसरे से मुफ़्त लेना भले नतीजे को बजाए नुकसान बल्कि मंदी ज़हर का बहाना होगा।

3- आम लोगों के फ़ायदे के लिए

मुफ़्त बतौर दान - तालाब - कुआं

बावली बनवाना या पानी का दान करना यानी

लोगों के पानी पीने के लिए मुफ़्त

नौकर रखकर देना या कुओं की मरमत के

लिए (वह कुएं जो रफ़ा ए आम के

लिए हों) अपनी कमाई का हिस्सा देना

चंद्र नम्बर 6 वाले को लावल्द करके छोड़ेगा

बल्कि उसका ख़ानदान बेमौक़ा मौतों

का शिकार होता होगा और ख़ानदानी नस्ल

दिन बदिन घटती होगी।

4- सराय या ऐसे मकानात जहाँ

आम मुसाफ़िर मुफ़्त आराम करें बनवा देना

सनीचर नम्बर 8 वाले को बेघर कर के

तंग हाल कर देगा।

مُسْتَبْدِلُ مُسْتَبْدِلُ

ख़ैरात-दान

बमूजिब-अनुसार लावल्द-निःसंतान रफ़ा ए आम-लोक कल्याण मकानात-मकान
सराय-यात्रियों के ठहरने का स्थान मुसाफ़िर-यात्री

4. आम मांगने वाले फ़क़ीरों को तांबे
का पैसा देना (दुवनी चवनी या रोटी
कपड़े की शर्त नहीं)

सनीचर नम्बर 1 और उसी वक्त बृहस्पत नम्बर 5
वाले के बच्चों की अचानक मौतों के लिए
तार बरकी की तरह मंदी ख़बरों (मौत
तक) का पेशाख़ैमा होगा।

5-धरम अर्थ जगहें (मंदिर - मस्जिद
गुरुद्वारा) बनवाना जो आम लोगों के
इस्तेमाल के लिए और धरम कारज से मुतअलिक़ा
हों।

बृहस्पत नम्बर 10 और उसी वक्त चंद्र
नम्बर 4 वाले के लिए फ़र्ज़ी छोटी तोहमत
से फ़ांसी तक की मंदी सज़ाओं का बहाना होगा।

6-मुफ़्त क़ज़ीफ़ा (ख़ाह यतीम बच्चे ख़ाह
बेवगान बेवसीला) मुकर्रर करना

शुक्रकर नम्बर 9 वाले के लिए ग़रीबी की जलती
हुई रेत से मिट्टी ख़राब (मंदी हालत)
होने का बहाना होगा।

7-अलिफ़-मज़हबी पेशवा को हररोज़ मुफ़्त रोटी
देना या खिलाना या
बे - कोई स्कूल मदरसा मुफ़्त तालीम के
लिए जारी करना कीमत पर तालीम कोई
बुरी नज़र न होगी।

चंद्र नम्बर 12 वाले के लिए ऐसे अमराज़
या दुखड़े खड़े करेगा कि उसे
पानी तक भी नसीब न होगा जो उसकी
तड़पती हुई जान या दिल के अंदर छुपे हुए
दिल को आख़री वक्त (मौत) पर शांति
दे सके।

8. धरम अस्थान के पुजारी को मुफ़्त
नए कपड़े देना।

बृहस्पत नम्बर 7 वाले के लिए निर्धन
और लावल्दो का घंटा हरदम बगैर बजाए
बजता होगा।

यतीम-अनाथ पेशाख़ैमा-होने वाले काम की तैयारी
मुकर्रर-निर्धारित, निश्चित

तार बरकी-वह ख़बर जो तार के जरिये आये

बेवगान-विधवाएं

बेवसीला-बे सहारा
तोहमत-कलंक, दोष

मुतबन्ना मुकर्रर करना से मुतअल्लिका

1-चचा (सनीचर) अगर अपने भतीजे-भतीजी को बतौर मुतबन्ना मुकर्रर करे या वैसे ही उनकी शादी अपनी कमाई से कर देवे।

मंदे सनीचर खासकर सनीचर नम्बर 6 बाले की हालत में जिस दिन ऐसे भतीजे-भतीजी की शादी होगी वह भतीजा भतीजी निर्धन दुखिया बल्कि लावलदी तक की मायूसी से तड़पते होंगे अगर ताया ऐसी हालत करे तो कोई असर मंदे न होंगे।

2-मंदे असर के बक्तु मुतबन्ने के हाथों सनीचर की चोंड़ों का दान मददगार होगा मगर मुतबन्ने के हाथों सनीचर के मंदे काम (हराम कारियां) बाइसे तबाही होंगे।

आमदन

औसत आमदन माहवार खुद जाती

ऊंच घर के ग्रह कायम ग्रह या किस्मत के ग्रह सब से प्रबल ग्रह के हिसाब से (तादाद में जितने हों उन तमाम का मजमुआ लेंगे रहु केतु और सनीचर शुक्कर मुश्तरका नहीं गिनते क्योंकि सनीचर शुक्कर अव्याशी और रहु केतु खाली शुक्कर मस्नूई शुक्कर या सिर्फ हवाई बृहस्पत या सिर्फ काग़जी हिसाब किताब जिसकी वसूली न होवेगी। शुक्कर मस्नूई शुक्कर या सिर्फ हवाई बृहस्पत या सिर्फ काग़जी हिसाब किताब में गिने जाएंगे। बुध मंगल को मंगल बद लेंगे। और बुध सनीचर जायदाद में गिने जाएंगे।

मुतबन्ना-गोद लिया हुआ (दत्तक) पुत्र
मायूसी-नाकामी, ना उम्मीदी

मुकर्रर-निर्धारित, निश्चित
हराम कारियां-बुरे काम

मुतअल्लिका-संबंधित
बाइसे-कारण

तरीका:-

जिस दिन से कोई आदमी जाती कमाई (खुद अपनी रोटी कमाना) शुरू करें उस दिन से जितने साल के बाद उसकी औसत आमदन माहवार देखनी हो। ऊपर के रूपए के हिन्दसे को कमाए हुए अर्सा के सालों से जरब दें जवाब का हिन्दसा माहवारी औसत आमदन होगी। फर्जन किसी के मंगल सनीचर मुश्तरका हैं और उस ने 19 साल कमाई करते हुए होने के बाद देखना चाहा तो $19 \times 18 = 342$ रूपए माहवार 19 साला पूरे करने पर होगी।

माया के नाम

नम्बर शुमार	ग्रह मुश्तरका	नाम व निकास माया	माहवारी आना	रूपए
1.	बृहस्पत सूरज	शाही धन (सब से आला)		21
2.	बृहस्पत चंद्र	दबाया हुआ धन		20
3.	बृहस्पत शुक्रकर	बूर के लड्डू-दिखावे का फोका धन		17
4.	बृहस्पत मंगल	श्रेष्ठ गृहस्ती धन		18
5.	बृहस्पत सनीचर	सन्यासी फ़क़ीर की माया दौलत		21
6.	सूरज चंद्र	मुलाज़मत (आला)		19
7.	सूरज मंगल	जागीरदारी		17
8.	सूरज बुध	मुलाज़मत (मुतअल्लिका क़लम)		13
9.	चंद्र मंगल	श्रेष्ठ धन		16
10.	चंद्र सनीचर	स्याह मुंह बदनाम करने वाली माया		19
11.	शुक्रकर मंगल	स्त्री धन		13
12.	शुक्रकर बुध	मुलाज़मत गैर सरकारी निस्क रियासत		9
13.	शुक्रकर सनीचर	फ़र्ज़ी अव्याशी		16
14.	मंगल बुध	मौत बहाना		10
15.	मंगल सनीचर	डाक्टर-डाकू का धन		18
16.	बुध सनीचर	जायदाद मनकूला		13
17.	केतु पहले	न्यासरी (लावल्दों) माया		13
	राहु बाद में			

क्रायम या उम्मा ग्रह	रूपए
बृहस्पत	11
सूरज	10
चंद्र	9
शुक्रकर	6
मंगल	7 $\frac{1}{2}$
बुध	3
सनीचर	10 $\frac{1}{2}$
राहु	8
केतु	5
कुल	70

माहवार-महीने के अनुसार
हिन्दसे-अंक

अर्सा-समय
मुश्तरका-मिला हुआ

जरब-गुणा

फर्जन-जैसे कि

निकास-निकलने का रास्ता

बृहस्पत-बृहस्पत ग्रह
शुमार-गिनती

माया दौलत के नाम

१ फ़ालतू धन ^१ वें होगा

११ भरता धन से चौथा

खाली घर चंद्र का अपना

शनि होगा धन का रखा

बंद मुद्ठी साथ लाया

तीसरे घर परसू बनता

पांच पहले ९ वें अपना

तीजे दूजे झगड़े देना

२ चश्मा धन चौथे में हो

तीसरे बहु जाता हो

माया ज़र चंद्र से हो

बैठा जैसा टेवे वह

९ बुजुर्गा पाता हो

११ परसा होता हो

परस रामा बनता हो

बे आरामी करता हो

१ -जब नम्बर ७ में कोई भी उम्दा ग्रह हो

२ -चश्मे के शुरू खत्म व पानी की उम्दगी व पाएदारी चंद्र की हालत पर होगी। जैसा कि वह टेवे में हो सूरज बृहस्पत इस चश्मा की मरम्मत में मदद देंगे ग्रह नम्बर ११ की हालत पर सफाई व आमदन व ग्रह नम्बर ३ पर ख़र्च व गंदगी चश्मा होगी।

३ -मंगल की हालत पर

४ -खाना नम्बर १-७-४-१० बंद मुद्ठी की किस्मत रेलवे मुसाफ़िर का रखा सामान होगा।

खाना नम्बर ९ - ब्रेक रेलवे में रखवाया हुआ बुजुर्गों के पास जनम से पहले

ही अमानत होगी

खाना नम्बर १० बगैर मुसाफ़िर रेलवे पार्सल बुजुर्गों की कमाई से हिस्सा लेते जाना और अलाहुदगी में अपनी किस्मत की हृदबंदी का मैदान होगा।

ज़र-धन, दौलत

पाएदारी-दृढ़ता, मज़बूती

टेवे-जन्मपत्री

अमानत-धरोहर

बेआरामी-बिना आराम

अलाहुदगी-अलग होना

हृदबंदी-सीमा निर्धारण

उम्दगी-उत्तमता, सुन्दरता
अमूमन-आमतौर से

कुदरत से साथ लाई हुई किस्मत का ख़ाना मुद्दी के अंदर बंद किए हुए ख़ानों
या कुण्डली 1-7-4-10 घरों में होगा और जो हकीकी रिश्तादारों से मिलेगा
वह ख़ाना नम्बर 3 (भाई-बहन-ताते-चाचे) ख़ाना नम्बर 5 (आौलाद) ख़ाना नम्बर 9 (बाल्डैन
बुजुर्ग ख़ानदानी) और नम्बर 11 (ज़ाती कमाई) में होगा। उसके अलावा जो बाकी रिश्तादारों
से ले सकेगा वह ख़ाना नम्बर 2 (ससुराल) ख़ाना नम्बर 6 (जानदार साधियों की ज़ाहिरा या
गैंडी मदद लड़के - लड़कियों के रिश्तादार या पैदाइश से पहले बाल्डैन के
अपने रिश्तादार (मसलन मामू-नाना) और नम्बर 3 (बेजान दुनियावी आसमानी मदद)
से मिलेगा।

बचत:-

बृहस्पत सूरज-बज़रिया रईसां

बृहस्पत सनीचर - आम दुनिया

बृहस्पत-सूरज-बुध-राजदरबार

ग्रह नम्बर 2-खुद व खुद हर तरह

नम्बर 11 में नर ग्रह

नम्बर 11 में उच्चम ग्रह

} आमदन बढ़ती रहे

ख़र्च:-

बृहस्पत शुक्रकर

बृहस्पत बुध

नम्बर 12 में मंदे ग्रह

नम्बर 11 - 12 दोनों ख़ाली

} फिजूल ख़र्च-बरबादियां

सूरज सनीचर बैंक गुरु या गुरु घर का ताल्लुक न होवे या दोनों से कोई उम्दा तो उम्दा बचत
वरना मंदा ख़र्च-ख़र्च घटावे। आमदन घटे।

बाल्डैन-माता पिता

मसलन-जैसे कि

मामू-मामा (मां का भाई)

बज़रिया-माध्यम से

फिजूल-व्यर्थ, बेकार

बरबादियां-परेशानियां, तबाह, नष्ट

ताल्लुक-संबंध

औसत जिंदगी:-

1-टेवे में कोई भी ऊंच ग्रह होवे।

2-नम्बर 4 या 5 या 6 ख़ाली या बहां अकेला ग्रह।

3-नम्बर 1-7-8-10-11 सब के सब पांचों में से
हर एक में कोई भी ग्रह

} जन्म की हालत में
इजाफ़ा करके जाएगा।

औसत के तौर पर

1-पहली उंगली:- तर्जनी (कुण्डली का ख़ाना नम्बर 2) का असर जिंदगी का पहला हिस्सा या ज़माना की हवा की वाक़फ़ियत-बृहस्पत का असर से जो 25 साला उम्र तक गिना है।

2-दूसरी उंगली:- अनामिका (कुण्डली ख़ाना नम्बर 5) का ज़माना ग्रहस्त का ताल्लुक 25-50 तक होगा।

3-तीसरी उंगली:- कनिष्ठा (कुण्डली का ख़ाना नम्बर 8) का असर साधुपन या ग्रहस्तियों का उपदेश का अर्सा 75-50 साला उम्र तक होगा।

4-चौथी उंगली:- मद्दमा (कुण्डली का ख़ाना नम्बर 11) का असर 75-100 साला उम्र तक बन परस्ती होगा।

दौलत की हैसियत

कुण्डली का ख़ाना नम्बर 4 या चंद्र का बुर्ज धन रेखा या दुनियावी धन दौलत के निकलने की जगह माना गया है यानी दौलत का निकास उन ग्रहों से होगा जो ख़ाना नम्बर 4 में हों या ख़ाना नम्बर 4 के ग्रहों के दोस्त ताल्लुकदार साथी या मददगार।

हों अगर ख़ाना नम्बर 4 ख़ाली ही हो तो चंद्र को ख़ाना नम्बर 4 में माना जाएगा।

इजाफ़ा-लाभ, बढ़ाना

बृहस्पत-बृहस्पति ग्रह

जन्म-जन्म

साधुपन-साधुवाद

बन परस्ती-जंगल पूजने वाला

वाक़फ़ियत-जानने वाला
दुनियावी-दुनिया का

दौलत के नाम

1-चंद्र मंगल मुश्तक का श्रेष्ठ धन होगा (खासकर खाना नम्बर 3 का) और धन कल्याण से बढ़ने वाला धन होगा। अगर यह दोनों ग्रह खाना नम्बर 10 या 11 में या सनीचर के ताल्लुक में हो जावें तो लालची होगा।

2-चंद्र बृहस्पत - दबा हुआ धन जो फिर चल पड़े और काम आवे।
सोना चांदी - छतर धारी बड़ के दरख़ा का साया का दूसरों को भी बढ़ा भारी सहारा।

3- चंद्र सनीचर बृहस्पत के घरों में और बृहस्पत के साथ से उम्मा वरना स्याह मुंह माया। खुद स्याह मुंह बंदर की तरह छलांग लगाकर चली जाने वाली और मुंह काला सुनाने वाली।

4-मंगल शुक्रकर स्त्री धन जो माया की स्त्री की तरफ (ससुराल) व स्त्री की किस्मत पर चले।

5-सनीचर बृहस्पत फ़क़ीरी व तालीमी ताल्लुक की माया सन्यासी का धन शादी के दिन से बढ़ेगा।

6-मंगल बृहस्पत - श्रेष्ठ गृहस्ती धन अपने मर्द के क़बीले से मुतअल्लिक़ा

7-मंगल सनीचर - डाकू का धन दौलत।

8-मंगल सूरज - जागीरदारी हुकूमत का धन - तालीमी रुहानी ताल्लुक।

9- शुक्रकर बृहस्पत - दूर के लड्डू - ज्ञान के बताशे

10-सूरज बृहस्पत - सब से ऊपर शाही धन। हर एक धन रेखा का मुफ़सिल हाल जदूदी जगह लिखा है। खाना नम्बर 2 के ग्रह दुश्मन ग्रहों के तख़ा की मालकियत का ज़माना धन हानि - चोरी बिलावजह फ़ालतू ख़र्च और नुकसान का सबब होता है और खाना नम्बर 11 धन रेखा की आमदन का होगा। या धन रेखा खाना नम्बर 11 के रास्ते आती

दरख़ा-पेड़

सबब-कारण स्याह-काला

फ़क़ीरी-साधुता तालीमी-शिक्षा

शुक्रकर-शुक्र ग्रह मुफ़सिल-स्पष्टी करणकर्ता

बिलावजह-बिना वजह

तालीमी-शिक्षा

और खाना नम्बर 3 के रस्ते चली जाती है या तीसरी पुश्त पर धन रेखा का रस्ता बदला हुआ होता है। माया तेरे तीन नाम परसू-परसा-परस राम।

खाना नम्बर का ग्रह होगा :-

- 3 नम्बर का ग्रह होगा परसू
- 4 नम्बर का ग्रह होगा परसा
- 1-5-6 नम्बर का ग्रह होगा परस राम

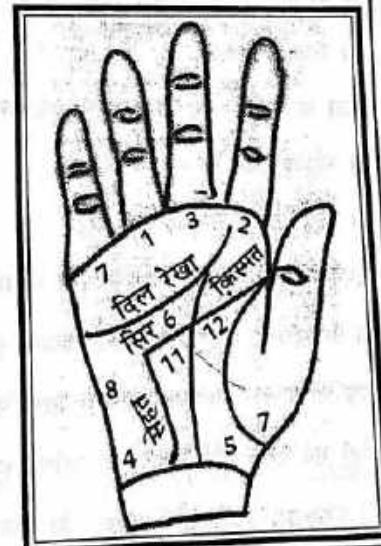
खुलास्तन मुद्टी के अंदर के ग्रहों में कोई ग्रह न हो तो अपने साथ कुछ न लाया। सब ही ग्रह बंद मुद्टी के अंदर ही होवें तो मर्द की माया दरख़ा का साया उस के साथ ही उठ गया।

ख़र्च बचत:-

चंद धन सनीचर ख़ज़ांची होता है। दोनों की हालत जेब की हालत बताएगी। सनीचर और मंगल जायदाद के मालिक हैं। चंद बृहस्पत सोने चांदी की दौलत के मालिक हैं। आमदन का हाल देखा जाएगा खाना नम्बर 11 से ख़र्च का हाल देखा जाएगा। खाना नम्बर 12 से। बचत का हाल देखा जाएगा खाना नम्बर 9 से (बुजुर्गों की तरफ का ताल्लुक) बचत अज़ ज़ाती कमाई देखी जाएगी। खाना नम्बर 5 से सिर रेखा-उम्र उम्र रेखा और सेहत रेखा की तिकोना यह मैदान हाथ की हथेली पर बिल्कुल खाली मैदान है जिस के तीनों किनारे (उम्र - हवाई लहर सेहत रेखा या तरक़ी रेखा हवा में उड़ती हुई भाप और सिर रेखा का बोलने की आवाज़) तमाम के तमाम हवाई चीज़ें छुपी हुई हैं।

आमदन-रूपया पैसा, कमाई हैसियत-प्रतिष्ठा, इज्जत ख़ज़ांची-कोषधायक खुलास्तन-परिणामतः

जो ग्रह इन ग्रहों में होवे वही रिस्तादार उस हैसियत का होगा।



दरख़ा-पेड़ किस्मत-भाग्य
ताल्लुक-संबंध^{अज़-से} सिर दिल रेखा ख़ज़ांची

किस्मत रेखा का दरिया ऊर्ध्व रेखा या मच्छ रेखा का दरिया - धन या श्रेष्ठ रेखा

का दरिया बूँरह अपना अपना रास्ता बना सकते हैं। यानी उन दरियाओं में से जिस दरिया का यानी उस मैदान में होगा वही असर ज़ाहिर होगा। अगर किसी वजह से उस मैदान में कोई भी दरिया न हो तो ख़ाली रेगिस्तान या रेत का खुशक समंदर होगा जिस रेत में किसी भी धात की चमक न होगी। रेत की तबीयत का आदमी और निहायत की धोड़ी गरमी से आग बगूला और सर्दी से ठंडा होने वाला होगा। किस्मत की तरफ से उत्तम न होगा। बुध के अर्सा तक बूँर दौलत का तंगदस्त सा ही होगा। यह मंदी किस्मत का बक्तु 34 साल तक होगा जो उसके $8\frac{1}{2}$ साल या 17 साल (बुध के अर्सा या निस्फ़) या चौथाई (उम्र से शुरू हो सकता है। किस्मत का मंदभाग उस के अपने सिर की ख़राबियों का नतीजा होगा।

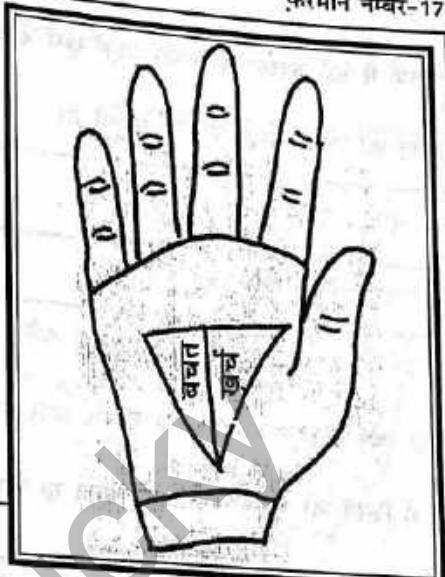
जो कमाई की बजाए दूसरों का मोहताज क़र्ज़ा उठा कर आमदन ख़र्च करेगा मगर बचत नहीं गिनी जा सकती। उस मैदान का मुसल्लस में चलने वाला दरिया या रेखा उस बरेती को दो हिस्सों में तक़सीम करेगा। हाथ के दांए या अंगूठे की तरफ़ को मुसल्लस ख़र्च ज़ाहिर करेगी और नेक हिस्सा दुनियावी मदद से मुतअल्लक़ा।

समंदर-समुद्र	निहायत-बहुत ही	अर्सा-सयम	बूँर दौलत-बिना धन के	निस्फ़-आधा
मोहताज-अधीन	मुसल्लस-त्रिकोण	तक़सीम-बांटना	ज़ाहिर-प्रसुत, दिखाना	



होगी। बाएं तरफ मंगल बद की तरफ को मुसल्लस चंद्र का नेक असर या बचत बताएगी। इन दोनों मुसल्लसों का बाहमी रक्बा खर्च और बचत की औसत बताएगा। यानी अगर कुल बड़ी मुसल्लस के लिए सारी आमदन एक रूपया फ़र्ज़ हो तो रक्बा के हिसाब से खर्च व बचत में निस्बत होगी।

खर्च पर काबू पाना:-



1- बृहस्पति सूरज मुश्तरका नेक घर के या दोनों साथी ग्रह या दोनों जुदा जुदा कायम या दोनों जुदा जुदा अपने अपने दोस्तों के साथ होवें।

2-ऐसे ही सूरज बुध

3-बृहस्पति सनीचर

4-बुध सनीचर:-

बचत खुद व खुद होती ही जावे

या ज़रूर हुए। अगर बड़ी मुसल्लस के

तीनों कोने बंद हों तो खर्च और

बचत बंधे हुए होंगे

या गिने जा सकते हैं। या अपनी मर्जी के

मुताबिक हदबंदी के लिए हिसाब



किताब में लिखे लिखाए जा सकते हैं। मगर रूपया खर्च के रक्बा से बचत के

निस्बत-तुलना में, अनुपात में

मुसल्लस-त्रिकोण

मुताबिक-अनुसार

रक्बा-क्षेत्रफल

खुद व खुद-अपने आप

बाहमी-परस्पर का, मिल जुलकर

रक्वा में नहीं बदला जा सकता सिफ़ ख़र्च बचत का हिसाब रखकर ख़र्च शुदा बाक़ी बचत की रक्म मालूम की जा सकती है।

1- बुध - बृहस्पत

2-शुक्र - बृहस्पत

3-सनीचर सूरज मुश्तरका हों मगर साथी वैरह न हों :- ख़र्च ख़ामख़ाह होता जावे आमदन ख़ाह हो या न हो। अगर बृहस्पत का साथ सूरज या सनीचर में से किसी को भी न मिले यानी सूरज या सनीचर दोनों में से कोई एक भी बृहस्पत की शशि या दोस्ती वैरह के ताल्लुक में न होवे। ख़र्च व आमदन महदूद होंगे। अगर ख़र्च घटावे तो आमदन खुद व खुद घटे। बाक़ी बचत वही है जो मुकर्रर है।

अगर उम्र रेखा और सेहत रेखा के मिलने का कोना खुला ही होवे तो ख़र्च बचत का हिसाब किताब भी नहीं रख सकता या अगर ख़र्च कम कर दिया जावे तो आमदन भी खुद व खुद कम हो जावेगा।

उसूल सिर रेखा और सेहत रेखा के मिलने वाली तरफ के कोने से बचत का होगा।

मुश्तरका-मिले जुले ख़ाह-चाहे ताल्लुक-संबंध महदूद-सीमित, धिरा हुआ खुद व खुद-अपने आप मुकर्रर-निर्धारित, निश्चित सनीचर-शनि ग्रह सूरज-सूर्य ग्रह



अगर कपर खुला हुआ मैदान मानिंद गढ़ा होगा तो किस्मत का दरिया रवानी और उम्मा जानी
और खुद अपनी कमाई का ख़र्च बचत होगा
वरना क़र्ज़ वगैरह से गुज़ारा करेगा।

ऊपर लिखी हुई आमदन व ख़र्च ज़ाती
कमाई से होगी या क़र्ज़ लाकर या किसी और
ढंग से रुपया लेकर इस क़र्ज़ से ख़र्च करके बाक़ी कुछ बचा जाएगा।
बंद-मुट्ठी के अंदर के ख़ानों के ग्रहों

वाला या ख़ाना नम्बर 11 में कोई भी नर ग्रह
वाला अपनी ज़ाती कमाई से सब कुछ आमदन
ख़र्च व बचत करेगा। बाक़ियों के लिए यह शर्त न होगी। आरज़ी उधार
को क़र्ज़ नहीं गिनते। कर्ज़ वह होगा जो बाबे का लिया पाते तक मार
करता चला जावे और बेबाक़ न हो।



क़र्ज़ और जायदाद जद्दी में इज़ाफ़ा

अलिफ़- हथेली की लम्बाई ख़ाना नम्बर 11 जिस
क़दर लंबी होवे (नर ग्रहों से भरपूर) उसी क़दर रुपया पैसा उसके

हाथ में आवे जावे और जिस क़दर मद्दमा की लम्बाई ख़ाना नम्बर 2
हथेली - ज़्यादा होवे (या
रद्दी ग्रहों से भरपूर हो) उसी

क़दर रुपए छोड़ने वाला

क़र्ज़-त्रटण

बेबाक़-त्रटणमुक्त

बाबे-दादा, (पिता का पिता)

बाक़ियों-बचे हुओं

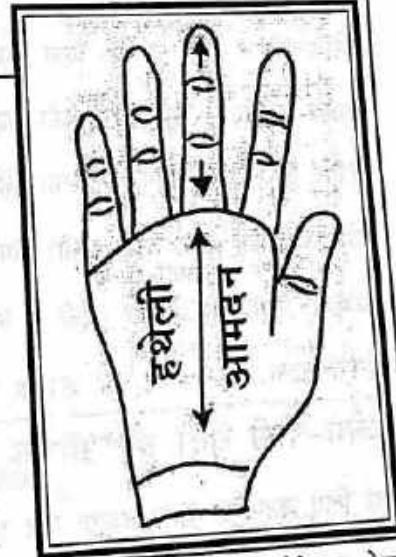
आरज़ी-अस्थाई

इज़ाफ़ा-बढ़ाना

किस्मत-भाग्य

पोते-बेटे का बेटा

औलाद-संतान



या उसी क्षेत्र फिजूल खर्च हो जावे।

बे - औसत जिंदगी :-

खाना नम्बर 11 व खाना नम्बर 12 की तक्रीक का नतीजा होगा। कुण्डली में 9 ग्रहों से जितने ग्रह उम्दा (कायम या दुरुस्त वर्गरह) हों इतने हिस्से नेक और जितने ग्रह मंदे उतना हिस्सा बुरा होगा। दोनों की तक्रीक व आखरी औसत का नतीजा फैसला होगा। मसलन 9 ग्रहों से 5 अच्छे और 4 मंदे हों तो आमदन खर्च के लिहाज से एक

बाकी दे जाएगा। 9 जमा 5 अच्छे ग्रह - 14-9 मनफी 4 बुरे ग्रह - 5-14

जमा 5 तक्सीम 2 बास्ते दो की - $\frac{19}{2}$ की $9\frac{1}{2}$ खुद बचत आखरी 12 राशि की औसत के लिए $\frac{19}{2}$ को 12 पर तक्सीम किया तो $\frac{19}{2} \times \frac{1}{12} \times = \frac{19}{24}$ यानी अगर जन्म वक्त पर जायदाद जद्दी 24 रूपए की थी तो आखरी वक्त पर 19 रूपये की छोड़ कर जाएगा।

या यूं कहो कि जायदाद जद्दी का नतीजा उम्र के हर 35 साला चक्कर में कर देगा।

यानी 24 के लिए 19 पैदा करके 5 की कमी या बेशी कर देगा। अगर किसी भी पितृ ऋण को अदा न करे पितृ ऋण बजात खुद राहु केतु की मंदी हालत या

खाना नम्बर 6 केतु नम्बर 12 राहु खाना नम्बर 2 दोनों की बैठक और 8 पापी ग्रहों की बैठक में कोई मददगार ग्रह न हो तो पितृ ऋण के बोझ का बोझ होगा।

लेकिन अगर कोई भी पितृ ऋण उसके जिम्मा न हो तो ही 5 की बचत उम्र के हर 35 साला चक्कर में कर जाएगा और यह औसत जिन्दगी होगी। माहवारी आमदन न होगी

(पितृ ऋण से मुराद महांदशा का ग्रह भी होता है यानी अगर कोई ग्रह महांदशा का होवे तो कमी होगी वरना बचत होगी। अगर महांदशा के मुकाबिला में कोई भी बंद मुट्ठी के अंदर के खानों में ग्रह या मुट्ठी से बाहर कोई भी ऊंच घर का ग्रह मिल जावे या सिर्फ खाना नम्बर 4 या चंद्र अकेला ही अच्छे हों तो महांदशा की शर्त भी मंसूख होगी।

जीम-नेकी बदी की औसत :- खाना नम्बर 9 के ग्रह "तोहफा" जो दूसरे के लिए जन्म पर साथ लाएगा और खाना नम्बर 2 के ग्रह तोशा जो आखरी दम

तक्रीक-फर्क

मुराद-आशय

मसलन-जैसे कि

मंसूख-रद्द, निरस्त

लिहाज-हिसाब से

तक्सीम-बांटना
तोशा-शक्ति, बल, जोर

दाल-अगर उंगलियां लम्बी लम्बी हों तो हाथ भी लम्बा होगा तो सिर और कद भी लंबा या बड़ा होगा तो खुश गुजरान होगा बशते हथेली की लंबाई मद्दमा की लम्बाई से ज्यादा होगा तो अगर हथेली में गहराई होवे तो खुद कमाई करके खुश गुजरान होगा और अपने चाप की निस्वत मरतबा बढ़ जावेगा और जायदाद में इजाफा करेगा और अगर हथेली की लम्बाई मद्दमा से कम हो और हथेली में गहराई की बजाए कंचाई हो यानी हथेली बाहर को उभरी हुई हो जिस पर पानी जमा न रह सकता हो (हाथ को खुब अकड़ा कर पता लग जाता है) तो बुजुगों की जायदाद खुर्द बुर्द कर जाने के अलावा दूसरे से भी क़र्ज़ उठा और खा पी बरबाद कर जाएगा। यानी पानी से भरे तालाब को खुशक कर जाने के अलावा उस की तह की मिट्टी भी उड़ाकर ले जाएगा। हथेली जिस क़दर गड्ढेदार हो उसी क़दर अपनी कमाई से आमद दैलत होवे और जिस क़दर हथेली दरमियान से ऊंची और कुपर को उभरी हुई होवे उसी क़दर क़र्ज़ या दूसरों का रुपया ख़ाह बददियानती करके ख़ाह किसी और तरह उड़ाकर ले आवेगा यानी अगर गहरी हथेली की लम्बाई पांच इंच हो तो पांच आमदन खुद कमाई की मद्दमा क़रीबन तीन इंच तो ज़रूर कर देवे 3 यानी बाकी दो जमा छोड़ जावे। उभरी हथेली वाला बुजुगों की 5 3 जायदाद खुर्द - बुर्द कर जाएगा यही पांच और तीन की औसत दोस्ती दुश्मनी अच्छे बुरे पहलू की होगी। ग्रहस्थ रेखा अगर सीधी अलिफ़ की मानिंद खड़ी हो तो माकूल आमदन होते हुए भी क़र्ज़ाई होगा।



माली लेन-दिन साहूकारा

मित्र केतु बुध 6 वें बैठे
शुक्कर पापी की हालत टेवे
खाली छटे से हर दो हालत
गुरु रवि की रोशन हालत

मर्द मदद खुद पाता हो
वसूल दौलत ज़र होता हो
मंगल चंद्र पर होती हो
शनि स्याही होती हो

कुण्डली में बन्द मुट्ठी का अन्दर का खाना नम्बर 1-7

4-10 तर्जनी-अनामिका कनिष्ठा मद्दमा
2 5 8 11
हाथ की उंगलियाँ

कुण्डली का महवर या मरकज़ खाना नम्बर 9

आकाश आसमान खाना नम्बर 12

पाताल खाना नम्बर 6

तीनों ज़माने त्रैलोकी खाना नम्बर 3

कुदरत से साथ लायी हुई क्रिस्पत का ख़ज़ाना मुट्ठी के अन्दर बन्द किये हुए

ख़ानों यानी:-

खाना नम्बर 1-अपना जिस्म-ऊंच सूरज की मुतअल्लिका अश्या रिश्तादार कारोबार मुतअल्लिका सूरज।

खाना नम्बर 7-जायदाद ऊंच-सनीचर की मुतअल्लिका अश्या कारोबार मुतअल्लिका सूरज।

खाना नम्बर 4-धन ऊंच-बृहस्पति की मुतअल्लिका अश्या रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिका सूरज।

खाना नम्बर 10-खुराक-ऊंच मंगल की मुतअल्लिका अश्या रिश्तादार या कारोबार मुतअल्लिका सूरज।

१ -सूरज-शुक्कर-राह

ज़र-संपत्ति, धन, दौलत

ख़ज़ाना-निधि, कोष

जिस्म-शरीर

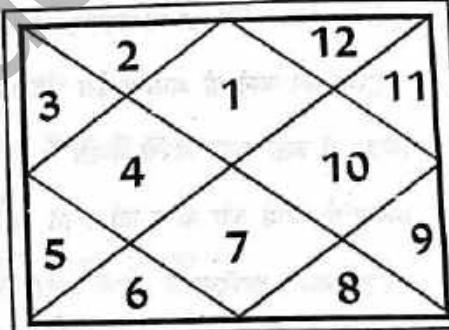
महवर-केन्द्र

सूरज-सूर्य ग्रह

परकज़-केन्द्र परिधि के बीच का केन्द्र

अश्या-चौंबे, वस्तुएं

मुतअल्लिका-संबंधित



में होगा और जो हकीकी रिश्तादारों से मिलेगा वह मुट्ठी के बाहर के खानों में यानी:-

खाना नम्बर 3 (भाई बन्द ताचे चचे)

खाना नम्बर 5 (औलाद)

खाना नम्बर 9 (बाल्दैन बुजुर्ग खानदानी)

खाना नम्बर 11 (जाती कमाई)

से मुतअल्लिका होगा और जो कुछ बाकी रिश्तादारों से जो ले सकेगा वह खाना नम्बर 2 (समुहल धरम अस्थान) खाना नम्बर 6 (जानदार साधियों की ज़ाहिरा व गैंडी लड़के लड़कियों रिश्तेदार या पैदाइश से पहले बाल्दैन के अपने रिश्तेदार मामूं नाना)।

और खाना नम्बर 12 (बेजान, दुनियावी साथी आसमानी मदद) से मिलेगा।

औलाद के जन्म दिन से अपना बुद्धापा और मरने पर उसके बाकी रहे हुओं।

का हाल 2 - 3 - 5 - 6 से मुतअल्लिका होगा।

(खाना नम्बर 6) आम बताओ मुतअल्लिका दुनिया व

खुद साहूकारा कुण्डली के खाना नम्बर 6

से देखा जायेगा। खाना नम्बर 6 के

मालिक ग्रहों का उस बात से कोई

ताल्लुक नहीं। उस घर में उनके दोस्त

ग्रह कुण्डली वाले के मददगार और दुश्मन

ग्रह उसके बरखिलाफ होंगे।

सिर और दिल रेखा की दरमियानी मुस्तील

अलिफ़ :- सिर रेखा या बुध रेखा - दिल रेखा या चंद्र

रेखा बाहम दुश्मन हैं। जिस कदर यह दोनों

एक दूसरे के नजदीक होती जावें सिर - और दिल की ताकतें आपस में दुश्मन होती जायेंगी।

यानी जिस कदर उन दोनों रेखाओं के दरमियान का मैदान तंग होता

चंद्र-चाचा (पिता का छोटा भाई)

बाल्दैन-माता पिता

औलाद-संतान

धरम अस्थान-धर्म स्थान

ताल्लुक-संबंध

बेजान-मरा हुआ, निर्जीव

दरमियानी-बीच का

बरखिलाफ़-प्रतिकूल, विरुद्ध



जावे उसी कदर ही वह ज्यादा
 तांग दिल इन्सान होता जावे यानी बुध
 की तासीर तेज़ और ख़ुराब आमेज़िश वाली
 होती जायेगी। बुध मंगल और बृहस्पत
 दोनों का दुश्मन है इसलिये ऐसा
 आदमी आम दुनियावी लेन देन में तुर्श
 सा बरताओ करने लगेगा - मंगल नेक
 की इन्साफ़ की तबियत के बदले
 में बैह़न्साफ़ और एकतरफ़ा रियायत
 करने वाला होगा और बृहस्पत का
 मज़हबी असर मुतामिसब
 ज़ाहिलाना छालत में ज़ाहिर होगा।
 मंगल बद या भाई बन्दों
 रिश्तादारों बैगैरह से भी नफ़रत
 करने वाला ही होता जावेगा बहरहाल
 बरताओ नेक न होगा। अगर यह मुस्तातील यकसां
 छालत की बजाय

(बे) सूरज के बुर्ज के नीचे ज्यादा
 चौड़ी तो इन्ज़त और बैंज़नी
 में कोई फ़क़र ही न जानेगा
 या उसके दिल पर गैरत और बैगैरती कोई असर
 न करेगी।

(ते) अगर सूरज के बुर्ज के नीचे ज्यादा
 तांग होवे तो तंगदिली की बजह

तासीर-असर, प्रभाव

नफ़रत-दुश्मनी, नापसंद करना

बहरहाल-फ़िर भी

तुर्श-खट्टा

बरताओ-बर्ताओ

आमेज़िश-मिलावट

मुवासिसब-साम्प्रदायिक धर्म पक्षपाती

ज़ाहिलाना-अज्ञानतपूर्वक गैरत-लज्जा



से शरम शरमाने में अपना ही नुकसान
करने वाला होगा

(जीम) - बृहस्पत के नीचे ज्यादा चौड़ी
होवे या सनीचर के नीचे ज्यादा
चौड़ी हो तो दौलत व जायदाद को हर
दम अजीज़ रखने वाला या बेहद कंजूस होगा।

(दाल) - बुध के नीचे मंगल बद के मुकाम पर
ज्यादा चौड़ी होवे तो ज्यादा
फ़राख़दिली या बहुत ही सखी सरवर होने
के सबब तबाह होवे। और नुकसान करा ले।

(रे) - अगर बृहस्पत की तरफ़ से चलकर - मंगल
बुध की तरफ़ को दर्जा बदजा चौड़ी होती
जावे तो दूसरों को दिया हुआ पैसा
कभी वापिस न आवे अब्बल तो वापिस
करने वाला देने का नाम ही न लेवे
और अगर वह इमानदार वापिस देने
की नीयत वाला हो भी, तो वह बेचारा वापिस
करने के क़ाबिल ही न रहे।

(सीन) - अगर मंगल बद को तरफ़ से बृहस्पत
को चौड़ी होती जावे तो दिया हुआ रूपया ज़रूर वापिस आए सा साहूकारा
उम्दा होवे।

सखी-दानी

सरवर-सर्वश्रेष्ठ, प्रधान

सबब-कारण

मंगल-मंगल ग्रह

फ़राख़दिली-दिल खोल कर खाने खिलाने वाला

अजीज़-प्रिय, प्यारा

दर्जा व दर्जा-एक के बाद एक



औलाद (लड़की को औलाद नहीं गिनते)

(चंद्र कुण्डली का औलाद के बारे में कोई ताल्लुक न होगा)

ग्रहों से औलाद का ताल्लुक

बृहस्पतः- मस्नूई हालत - सूरज-शुक्र-मुश्तरका जिसमें रूह के आने जाने का ताल्लुक या पैदाइश औलाद मार औलाद की ज़िन्दगी क़ायम रखने या मौत हो जाने का कोई बन्धन नहीं।

सूरज :-

मस्नूई हालत शुक्र-बुध मुश्तरका-माता के पेट के अंधेरे में रोशनी दे देना या पैदा होने के बाद दुनिया में उनकी या उनसे वाल्दैन की किस्मत को रोशन करना। खासकर बज़्रिया नर औलाद। अन्धेरे घरों में चिराग रोशन करने की ताक़त सेहत का मालिक।

चंद्र :-

मस्नूई हालत बृहस्पत-सूरज-मुश्तरका उपर धन-दौलत और वाल्दैनी नेक ताल्लुक वाल्दैनी खून नुक़ा का ताल्लुक (नर मादा हर दो औलाद का)

शुक्रकर :-

मस्नूई हालात-राहु हेतु-मुश्तरका - जिस्म या बुध की मिट्टी गृहस्ती सुख औलाद की पैदाइश में मदद या ख़राबी दुनियावी सुख।

मंगल:-

1-सूरज-बुध मुश्तरका (नेक)

2-सूरज-सनीचर मुश्तरका (बद) जिस्म में खून क़ायम रहने तक ज़िन्दगी का नाम और दुनिया में

औलाद और उनके आगे औलाद दर औलाद क़ायम रखकर बेलों (पौदे) की तरह बढ़ाना

औलाद-संतान

मस्नूई-बनावटी

वाल्दैन-माता पिता

नुक़ा-वीर्य

मुश्तरका-मिले जुले

दुनियावी-संसार संबंधी

औलाद दर औलाद-संतान पे संतान

क़ायम-मौजूद, स्थापित

और उनका नाम या उनके नाम से सबका नाम बदला या उनिया में नाम बाकी या पैदा कर देना। खुद कुण्डली वाले में कुव्वतेबाह से अलाहदा बच्चा पैदा करने की ताक़त जिसमें ज़ोर रुह बुत को इकट्ठा पकड़ रखने की हिम्मत वेल सब्ज़ी की तरह औलाद ज़िंदा रखने का मालिक।

बुधः-

1-मस्नूई हालत बृहस्पत राहु मुश्तरका औलाद का रिश्तादारों से ताल्लुक लड़कियां लड़कियों की नस्लों का बढ़ाना, खुद कुण्डली वाले में कुव्वतेबाह खाली विषय की ताक़त कुण्डली वाले और औलाद के लिये दूसरे के मिलने-मिलने के लिये मैदान खुला करना या खाली आकाश की तरह उन सब के लिये हर तरफ जगह खाली करके मैदान बढ़ा देना इज़्ज़त शोहरत।

सनीचरः-

1-मस्नूई हालत-शुक्रकर- बृहस्पत मुश्तरका (केतु सुभाओ)

2-मंगल-बुध मुश्तरका (राहु सुभाओ) औलाद की पैदाइश के शुरू होने का वक्त जायदादी ताल्लुक मौत के बहाने ज़हमत दीमारी।

राहुः-

मस्नूई हालत-मंगल सनीचर (ऊंच राहु) सूरज-सनीचर (नीच राहु) बृहस्पत के असर के बरिखिलाफ़ होना या बृहस्पत को ढुप करना रुह का आना जाना बंद करना या मौतें या बहुत देर तक पैदाइश औलाद को रोक देना या दीगर गैवी और छुपी छुपाई खराबियां या पावों तले भूंचाल पैदा करना मगर लड़कियों की मदद करता है।

झगड़े फ़साद।

केतुः-

मस्नूई हालत शुक्रकर सनीचर (ऊंच केतु) चंद्र सनीचर (नीच केतु) औलाद की खुशहाली फूलना मगर औलाद की तादाद में कमी का हिन्दसा रखना मौतें करके औलाद घटाने से मुराद नहीं।

अलाहदा-अलग	कुव्वतेबाह-शक्ति, बल, ताक़त	इज़्ज़त-मान सम्मान	सुभाओ-स्वभाव
मस्नूई-बनावटी	ज़हमत-मुसीबत	बरिखिलाफ़-विरुद्ध, डल्टा	दोगर-पिन, दूसरे

वैसे ही औलाद गिनती ही की होगी-या बहुत देर बाद होगी लेकिन जो होगी या जब होगी-उम्दा और मुकम्मल होगी। बशर्ते कि उसके दुश्मन ग्रह की दृष्टि न हो केतु पर खुद कुण्डली वाले में बुध की कुब्बतेबाह और मंगल के खून से बच्चा पैदा करने की ताक़त और बृहस्पत की औलाद की पैदाइश तीनों को इकट्ठा करके रखने वाली ताक़त तुक़ा या बीरज या तुक़ा की बुनियाद को नर मादा में मिलाने वाली तुफानी हवा या ख़ाली नाली होगी। यही तीन ग्रह केतु की तीन टांगे हैं जिनकी बजह से शुक्कर का बीज कहलाता है। अगर कुण्डली वाले का जो ग्रह रद्दी हालत या उम्दा हालत का होगा वही हालत रद्दी या उम्दा हालत होगी बृहस्पत-मंगल-बुध केतु को लड़का भी माना है। जो अपने ऊंचे घरों में ऊंचे घरों के ऊंचे फल देता है। लेकिन अगर बृहस्पत या मंगल ख़ाना नम्बर 6-12 में हो जावें तो केतु ख़ाह ऊंचे उम्दा या नेक घरों में ही क्यों न बैठा हो मंदा फल देगा।

पैदाइश औलाद

शुक्कर मंगल बुध केतु राजा

पहले पांचवें नर ग्रह चंद्र

जन्म बृक्त औलाद का होता

बुध लड़की नर केतु लड़का देता

केतु बैठा घर 11 टेबे

औलाद मंदी या देरी होवे

शनि भी शामिल होता हो

मंगल दूजे केतु ग्यारह हो¹¹

जिन्दा पैदा² जो होती हो

गिनती भले पर होती हो

गुरु-चंद्र शनि आया घर 5 वें हो

लाश पैदा या मुर्दा हो³

१ - बमूजिब वर्षफल

२ - चंद्र नष्ट तो औलाद ज़रूर नष्ट होगी।

३ - बृक्त पैदाइश से तक़रीबन 40 ता 43 दिन पहले रात को औरत के सिरहाने मूली रखकर सुबह वह धरम स्थान पहुंचा दिया करें।

४ - बुध और केतु में से जो भी उम्दा हालत का हो लड़के या लड़की का फ़ैसला उसी से होगा।

मुकम्मल-पूरा, सम्पूर्ण बीरज-वीर्य

कुब्बतेबाह-शक्ति, बल, ताक़त तक़रीबन-बहुधा, प्रायः अनुमानतः

तुक़ा-वीर्य

ख़ाह-चाहे

बमूजिब-अनुसार

सिरहाने-सोने की जगह पर सिर के ओर का भाग

केतु-शनि-बुध
रवि-शुक्रकर-राहु उम्दा टेबे
वक्त ऐदाइश लड़का
केतु क्रायम तो लड़के क्रायम
छटे चंद्र दे कन्या ज्यादा

बैठे पांच-3-11-हो।
लेख उम्र उस लम्बा हो
लड़की क्रायम राहु करता हो
चौथे केतु नर देता हो

वक्त औलाद :-

- खाना नम्बर 5 मंदे ग्रहों से अगर रहदी ना हो रहा हो, तो औलाद भी ऐदाइश उम्दा वरना औलाद के विधन होंगे।
- केतु खाना नम्बर 2-5-7-1 सनीचर नम्बर 1-11 (जब बाहेसियत पापी गृह न बैठा हो) बगैर देकर शर्त औलाद का योग देंगे।
- बुध जब शुक्रकर का दोस्त मद्दगार हो तो लड़का वरना लड़की देगा।

बमूजिव वर्षफल जब मंगल या शुक्रकर या केतु या बुध में से कोई तख्त यानी नम्बर 1 में आ जावे या सनीचर भी शामिल हो जावें, या चंद्र या नर ग्रह नम्बर 1-5 में आ जावे या अकेला अकेला केतु नम्बर 11 में हो जावे या मंगल का वक्त और साथ बहिसाब।

दरमियानी ग्रह और खाना नम्बर 2 में मंगल शुक्रकर केतु बुध के मद्दगार ग्रहों की हालत हो तो औलाद और नर औलाद होंगी। दरअसल मुतअलिलका ग्रहों व ऊंच फल देने वाले ग्रहों के असर का वक्त औलाद होने का वक्त होगा। नीच ग्रह (औलाद के खिलाफ रेखा) का असर ज़रूर देखना पड़ेगा। यानी देखें की खुद केतु वर्षफल में कैसा है। बुध की हालत लड़की देगी या यूं कहो कि बुध और केतु की अपनी-अपनी हालत।

१ - सूरज चंद्र बृहस्पति सनीचर नम्बर 5 तो लड़का होगा।

२ - केतु उम्दा तो औलाद उम्दा राहु मंदा तो औलाद मंदी।

रवि-सूर्य ग्रह

दीगर-भिन्न, दूसरे

मुतअलिलका-संबंधित
बाहेसियत-इज़्ज़तदार, सम्मानित

खिलाफ-विरुद्ध, उल्टा

तख्त-सिंहासन

विधन-विध

या दोनों में से जो उम्दा होवे नर मादा का फैसला करेगा। उम्दा केतु लड़का

उम्दा बुध लड़की देगा। जब बमूजिब वर्षफल औलाद का वक्त हो।

1- लड़के देंगे :- शुक्रकर के दोस्त ग्रह यानी सनीचर केतु बुध मगर
खुद शुक्रकर नहीं जब वह उम्दा हो या 3-5-11 में हो जावें।

2- लड़कियां देंगे :- बुध या बुध के दोस्त (सूरज-शुक्रकर-राहु)

जब वह उम्दा हों या 3-5-11 में हो जावें। बृहस्पत कायम तो सब
औलाद कायम केतु कायम तो सब लड़के कायम राहु कायम तो सब लड़कियां कायम
बताते कि उन ग्रहों पर उनके दुश्मन ग्रहों की दृष्टि न पड़ रही हो। चंद्र
नम्बर 6 तो सब लड़कियां हों केतु नम्बर 4 तो सब लड़के हों। मगर आपस में वह साथी
ग्रह न बन रहे हों चंद्र केतु इकट्ठे लड़के लड़कियां मुसाबी।

1-बृहस्पत के सीधे

खड़े खत बुध के
बुर्ज पर शादी रेखा
के ऊपर औलाद की कुल तादाद
ज़ाहिर करते हैं। यही खत दाएं हाथ
के अंगूठे की जड़ में मर्द
के ताल्लुक से औलाद और बाएं अंगूठे
की जड़ में औरत की
औलाद मंगल बद के बुर्ज
के किनारे मददगार औलाद और चंद्र के बुर्ज
के किनारे उम्र वाली औलाद ज़ाहिर करते हैं।



ताल्लुक-संबंध

सूरज-सूर्य ग्रह

औलाद-संतान

शुक्रकर-शुक्र ग्रह

2-शादी रेखा के उपर निहायत बारीक
-बारीक सीधे ख़त लड़के और
दो शाखी लकीरें लड़कियां - यही
उसूल नर मादा औलाद
देखने के लिये हर बुर्ज
पर होगा साफ़ व दुरुस्त
और सही ख़त क़ायम औलाद और
मद्दम और कटे हुए ख़त मर जाने
बाली औलाद ज़ाहिर करते हैं।



3- कलाई की रेखा अगर हथेली के अन्दर
धूस आव  और अन्दरूनी
शारात की रेखा भी मानिन्द शक्ति होवे
या औरत की पिंडलियां मोटी हों।
औलाद कम होने या न होने या दीगर रुकावट
औलाद या औलाद के मर जाने का एहतमाल
या अन्देशा और शक होगा। उसके
साथ ही (यानी कलाई की रेखा का हथेली में धूस आना)
अगर शुक्कर का बुर्ज भी बहुत बड़ा होवे तो लावलदी
(औलाद न होने या न रहने) की पूरी निशानी है ऊपर के



और सामने के दांत अगर दूटे हुए हों तो औलाद 34 साला उम्र के बाद होगी।
 निहायत-बहुत ही औलाद-संतान मानिद-की तरह से, तुल्य दीगर-भिन्न, दूसरे
 एहतलाम-सोते में वीर्य स्खलन होना, स्वप्न दोष शुक्रन-शुक्र ग्रह

4- अंगूठे की जड़ में सीधे खड़े
 बृहस्पति का असर या औलाद ज़ाहिर करते
 हैं। दांए अंगूठे में मर्द की तरफ
 से औलाद या बांये अंगूठे की जड़
 में औरत की औलाद ज़ाहिर होगी।
 ज़रूरी नहीं है कि ऐसी औलाद मर्द
 की अपनी औरत से हो या औरत की
 अपने मर्द के ताल्लुक से हो।
 लड़की पैदा होने के भेद ज़ाहिर
 कर देना बाज़ औक़ात बाइसे गुनहगारी भी हो सकता है।
 क्योंकि हो सकता है कि किसी को
 लड़की की ख़ाहिश न हो और पता लग जावे कि अब लड़की पैदा होगी-ऐसी हालत में
 बेवकूफ़ नास्तिक हमल की करने का ढंग पकड़े या हो सकता है जो अब ग़लती से
 देखा जावे जिसकी बजह से बच्चे की माता के पेट में लापरवाही हो जावे।
 इस लिये यह भेद किसी को ज़ाहिर न किया जावे।

औरत के पांव में (दोनों पांव इकट्टे) जिस क़दर चक्कर या पदम साफ़ गहरे
 पब या पांव की हथेली पर हों उसी क़दर लड़के होंगे। जिस क़दर चक्कर या पदम नरम
 व बारीक-लकीर के हों उसी क़दर लड़कियां ही होंगी।

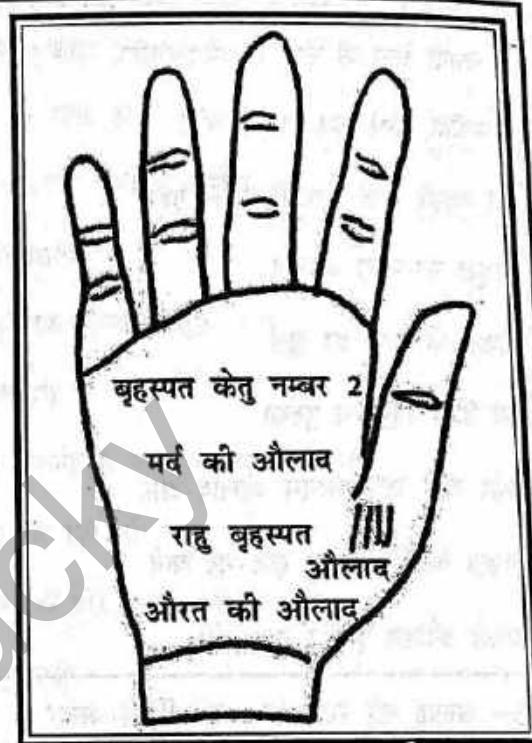
तादाद औलाद:-

शुक्कर या बुध दोनों मुश्तरका से जितने दूर पर बृहस्पत हो-यानी जितने दरमियानी घर हों
 उसके बराबर।

क्रायम रहने वाली:-

तादाद औलाद अमूमन होगी कम से कम जिसमें से नर मादा की त़फ़सील जुदा जुदा देख लेंगे।

ज़ाहिर-प्रस्तुत करना, बतलाना	औलाद-संतान	ताल्लुक-संबंध	बाज़ औक़ात-कई बार	बाइसे-कारण
हमल-गर्भ	त़फ़सील-विस्तार, विवरण	जुदा जुदा-अलग	गुनहगारी-पाप कर्म, दोष करना	



लावल्दी व साहिबे औलाद होने की शर्त साथ होंगी। अगर शुक्र बुध और बृहस्पत या कोई दो मुश्तरका ही हों तो कुण्डली के जिस खाने में मुश्तरका हों वहाँ से चलकर जितने घर आखूरी नम्बर पर उनमें से किसी भी एक का पक्का घर या घर की राशि हो। उस नम्बर तक इन तीनों की हदबन्दी होंगी। मसलन तीनों इकट्ठे हों खाना नम्बर 5 में तो में हों तो ज्यादा से ज्यादा तीन मर जाने पर 3 और कम अज्ञ कम 2 लड़के तो ज़रूर क़ायम होंगे। सूरज या मंगल क़ायम ऊंच या उम्दा होवे सनीचर नम्बर 5-48 साला उप्र तक सिर्फ़ एक लड़का क़ायम अगर अपनी कमाई से कोई नया मकान न बनवाए। लेकिन अगर नर ग्रह क़ायम हों या कोई नर ग्रह क़ायम हो तो औलाद बरबाद न होगी। सनीचर व मस्नूई सनीचर मुश्तरका हालत में होने से औलाद की दो रंगी होंगी यानी जिस टेबे में सनीचर के अलावा मस्नूई सनीचर भी हो मसलन

1-शुक्र बृहस्पत मुश्तरका केतु सुभाओ सनीचर मस्नूई तो औलाद बहुत ज्यादा और क़ायम होंगी।

लेकिन जब

2-मंगल बुध मुश्तरका मस्नूई सनीचर राहु के मन्दे सुभाओ का होवे तो औलाद माता के पेट में ही बरबाद होती जावे। ऐसी हालत में अगर बुहस्पत चंद्र या सूरज नेक या उम्दा हों तो सनीचर की 36 साला उप्र से औलाद क़ायम होंगी। लेकिन अगर ऐसी मदद न मिले तो केतु का जाती फ़ैसला (जन्म कुण्डली के बैठा होने के हिसाब से) होगा। अगर केतु भी मंदा हो तो शुक्र का आखूरी फ़ैसला होगा। चंद्र केतु नम्बर 5 नर औलाद कम अज्ञ कम 5 होंगी।

क़ायम राहु नम्बर 11 लड़कियाँ

5 क़ायम बशर्ते कि सनीचर नीच मंदा या नम्बर 6 में न हो। राहु नम्बर 9, 21 साला उप्र से 42 तक सिर्फ़ एक लड़का क़ायम बाद अज्ञां 3 ज्यादा से ज्यादा कम अज्ञ कम दो लड़के क़ायम। राहु नम्बर 5 निहायत मंदा ग्रह वास्ते औलाद अगर चंद्र या सूरज साथ साथी या मुश्तरका दीवार के खानों नम्बर 4-6 में न हों। सनीचर नम्बर सात लड़के कम अज्ञ कम बशर्ते कि राहु नम्बर 11 में न हो पर नर ग्रह मंदे न हों।

लावल्दी-निःसंतान

मस्नूई-बनावटी मुश्तरका-मिले जुले

साहिबे औलाद-संतानवान

सनीचर नम्बर 3 सूरज नम्बर 5 औलाद से दुखिया होगा एक दो तीन चार-हव बारह की तरतीब से अगर कुण्डली में हो

वाल्डैन व औलाद का बाहमी ताल्सुक

दो तीन चार-हव बारह की तरतीब से अगर कुण्डली में हो

पहले घरों में	चरमियन में	आखीर चा बाद के घरों	तो असर क्या होगा	पहले घरों में	दरमियन में	आखीर चा बाद में घरों में	तो असर क्या होगा
$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{दुध} \end{array} \right.$	"	बुध	पैदाइश औलाद ज़रूर होगी बुध के कक्ष से वालिद दुखिया बरबाद या खुलास ही होगा	बुध	बृहस्पत	मंगल	औलाद (मादा) क्रायम
$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{बुध} \end{array} \right.$	"	बृहस्पत		मंगल	बृहस्पत	बुध	औलाद (मादा) क्रायम
बुध-बृहस्पत	बाहम	हो जावे बिलमुकाबिल	तो लड़कियां ज़रूर क्रायम लड़कों की शर्त नहीं		मंगल	बृहस्पत	मुश्तका औलाद (लड़के लड़कियों) क्रायम और सब सुखी होगे।
$\left\{ \begin{array}{c} \text{मंगल} \\ \text{बुध} \\ \text{अकेले} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{बुध} \\ \text{अकेले} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बुध} \\ \text{बृहस्पत} \\ \text{बृहस्पत} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{औलाद (नर) क्रायम} \\ \text{औलाद (नर) क्रायम} \\ \text{औलाद (नर) क्रायम} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{यगल बुध} \\ \text{बृहस्पत} \\ \text{बुध} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{मंगल} \\ \text{मंगल-बृहस्पत} \\ \text{मंगल} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{मंगल-बृहस्पत} \\ \text{मंगल} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{लड़की क्रायम चालिद दुखिया} \\ \text{लड़की क्रायम चालिद दुखिया} \\ \text{औलाद व बाप दोनों ही दुखिया} \end{array} \right.$
$\left\{ \begin{array}{c} \text{मंगल} \\ \text{बुध} \\ \text{अकेले} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{बुध} \\ \text{अकेले} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बुध} \\ \text{मंगल} \\ \text{बृहस्पत} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{औलाद (मादा) क्रायम} \\ \text{औलाद (मादा) क्रायम} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{मंगल} \\ \text{बुध} \\ \text{बृहस्पत} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{मंगल} \\ \text{मंगल-बृहस्पत} \\ \text{मंगल} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{बृहस्पत} \\ \text{बुध-बृहस्पत} \\ \text{मंगल} \end{array} \right.$	$\left\{ \begin{array}{c} \text{लड़की क्रायम चालिद दुखिया} \\ \text{औलाद व बाप दोनों ही दुखिया} \\ \text{औलाद क्रायम मार बाप की हालत रद्दी।} \end{array} \right.$

जनम कुण्डली में अगर सूरज के साथ उसके दोस्त ग्रह बैठे हों तो वह शख्स अपने बाप से उम्मा हालत का होगा। लेकिन अगर सूरज के साथ उसके दुश्मन ग्रह बैठे हों तो ऐसे शख्स की औलाद उससे मंदी हालत की होगी।

औलाद का वाल्दैन को सुख

१ २
मात-पिता की मौत इकट्ठी
पहले बैठे को बाद में लेती

शत्रु मिला कोई साथी जो
बाद बैठा मौत पहली हो

बृहस्पत और चंद्र अकेले-अकेले बैठे होने के बहुत अगर टेवे में चंद्र पहले हो तो माता की उम्र लम्बी होगी वरना पिता लम्बी उम्र भोगेगा। गृज्ञकि चंद्र और बृहस्पत में से जिसके साथ दुश्मन ग्रह होगा उसका मुतआलिका रिशतादार (चंद्र माता सास बृहस्पत पिता बाबा औरत के टेवे में औरत का सम्मुख) पहले मरेगा। जनम कुण्डली के खाना नम्बर 1-3-5 के ग्रहों की अच्छी या मंदी हालत से ज़ाहिर हो जाएगा मुआविन उम्र रेखा अगर सही और दुरुस्त हो औलाद का सुख यक़ीनी हो औरत के शिकम (पेट) और सीना (छाली) पर बाल हों तो अपने पहले लड़के का सुख (पहली औलाद लड़का) ज़रूर भोगेगी। और अगर इन बालों में भौंरी (चक्कर गोल दायरा सा) हो तो पहली औलाद लड़का ही होगा। मर्द के दांए पांव का अंगूठा अगर छोटा और उसी पांव की तर्जनी बड़ी हो तो वह शख्स अपने पहले लड़के का सुख न भोगेगा। यह मतलब नहीं कि पहला लड़का मर ही जावेगा सिर्फ बाहमी सुख देने का मतलब है। और अगर अंगूठा व तर्जनी या कनिष्का व अनामिका बराबर हों तो भी औलाद का सुख शक्की होगा। जनम कुण्डली के हिसाब से सूरज हो खाना नम्बर 6 में और सनीचर हो खाना नम्बर 12 में होगा।

१ -चंद्र

शख्स-मनुष्य
वाल्दैन-माता पिता

२ -बृहस्पत

औलाद-संतान
दुरुस्त-ठोक, अच्छा

गृज्ञकि-तात्पर्य, मतलब यह है कि

बाहमी-मिल जुलकर, परस्पर का

मुआविन-सहायक, मददगार

सूरज-सूर्य ग्रह

औरत पर औरत मरती जावे। या मां बच्चों का ताल्लुक ही न देखे या सुख से पहले चलती जावे। बुध मारता होवे बृहस्पत को या बुध हो बृहस्पत के घरों में या बृहस्पत के साथ ही तो बच्चे पिता पर भारी (दुख या मौत का सबव) होंगे।

साहिबे औलाद दर औलाद होगा

गुरु-शुक्रकर-बुध-शनि रवि से
पोते पड़ौते पुश्तों बढ़ते
पांच पहले-३-ग्रह जब उम्दा
सेहत दौलत धन आयु सबका
गुरु केतु जब शनि को देखे
धन आयु औलाद इकट्ठे

ऊंच क्रायम कोई उम्दा हो
उम्म लम्बी सब सुखिया हो^१
औलाद सुखी सुख पाता हो
नेक भला और उम्दा हो
असर तीनों का उम्दा हो
सुख औरत को पूरा हो

लावल्द कभी न होगा

दूजे छटे जब शुक्रकर जागे
मच्छ रेखा-परिवार क़बीले
छटे रवि घर 12 होते
तीन राहु घर दोस्त बदले

मदद गुरु रवि पाता हो
औलाद दौलत सब उम्दा हो
साथी मंगल बुध बनता हो
लावल्द कभी न होता हो

^१ -जब तक बृहस्पत उम्दा औलाद सुखिया होगी

कौन ग्रह	किस खाना में हो	और उसका दोस्त ग्रह	किस खाना नम्बर में हो	कैफियत
बृहस्पति	3-8	मंगल	2-5-9-12	
बृहस्पति	1-5	सूरज	2-5-9-12	
बृहस्पति	4	चंद्र	2-5-9-12	
सूरज	3-8	मंगल	1-5	
सूरज	6-7	बुध	1-5	
सूरज	4	चंद्र	1-5	
चंद्र	3-8	मंगल	4	
चंद्र	4	मंगल	3-8	
शुक्र	6-7	बुध	2-7	
शुक्र	8-10	सनीचर	2-7	
शुक्र	6	केतु	2-7	
बुध	12	राहु	6-7	
बुध	8-10	सनीचर	6-7	
सनीचर	12	राहु	8-10	
राहु	6	केतु	12	
बगैर दुश्मन				

बृहस्पति-बृहस्पति ग्रह

शुक्र-शुक्र ग्रह

सूरज-सूर्य ग्रह

बुध-बुध ग्रह

चंद्र-चंद्र ग्रह

मंगल-मंगल ग्रह

२. जावल्द कमी न होना

लावल्द ही होगा

बुध-मंगल
 शुक्कर-केतु जब राजा टेवे
 गुरु शुक्कर घर 7 वें बैठे
 चंद्र-शुक्कर हों मुकाबिल बैठे
 छते कुएं घर क्रायम होते
 शुक्कर राहु घर 5 वां पाते
 चंद्र केतु हों 11 बैठे

शुक्कर¹
 चंद्र मंगल बुध नष्टी हो
 माता चंद्र 8 बैठी हो
 शत्रु साथ या पापी हो
 टेवा शक्की लावल्दी हो
 कन्या क्रायम एक होती हो
 निशानी लावल्दी होती हो

हिजड़ा मर्द

सात शनि हो चंद्र पहले
 4 ग्रह औलाद न फलते

पांच शुक्कर रवि चौथे हो
 हिजड़े मर्द न होते जो

बांझ औरत

शुक्कर दूसरे 6 वें बैठा
 शनि मिले न साथ गुरु का
 बांझ औरत वह खुसरा होगी
 बाकी सिफत कुल उम्दा उसकी

बुध मंगल न साथी हो
 आठ दृष्टि खाली दो
 औलाद नरीना कितनी हो
 उत्तम लक्ष्मी होती हो

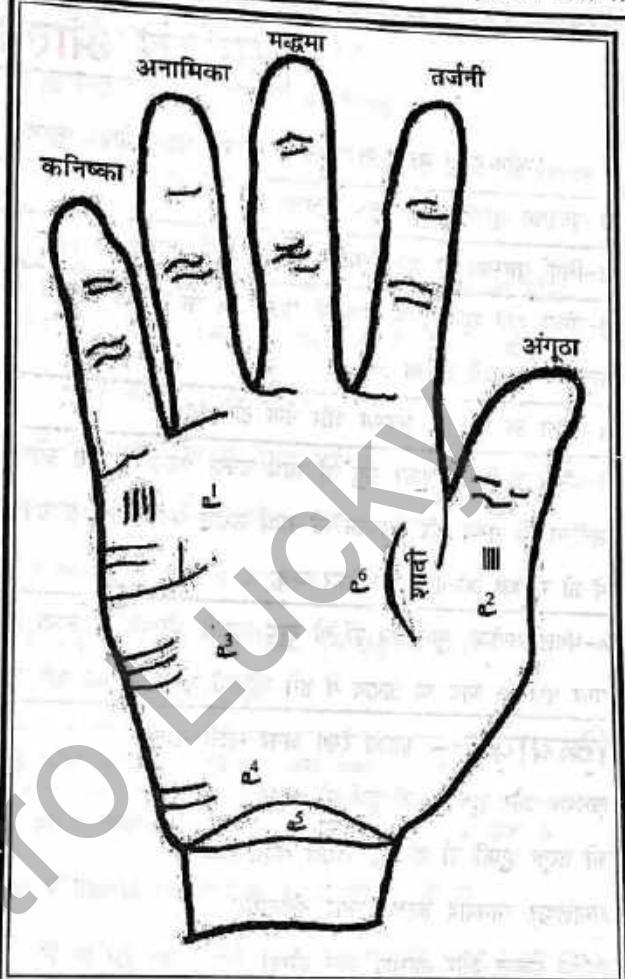
¹ -ऊपर के जबाड़े के सामने के 3 दांत खत्म हो गये हों तो बुध नष्ट हो चुका हुआ लेंगे।

लावल्द-निःसंतान
 मर्द-आदमी, मनुष्य

टेवा-जन्मपत्री
 बांझ-संतान पैदा करने में असमर्थ

शक्की-संदेहयुक्त

हिजड़ा-नपुंसक
 नरीना-नर
 सिफत-खूबी



- १ - कुल औलाद
- १ - दायां अंगूठा मर्द की औलाद
- २ - बांया अंगूठा औरत की औलाद
- ३ - मददगार नेक औलाद
- ४ - वक्त रेहलत पास मौजूद होने वाली औलाद
- ५ - औलाद के विधन
- ६ - औलाद दर औलाद सब जिंदा

- १ - मोर के अण्डे मुर्गी के नीचे की तरह औलाद
- २ - कोयल के अण्डे कौवे के नीचे की तरह औलाद

औलाद-संतान

विधन-विज्ञ

मर्द-मनुष्य

वक्त-समय

साहिबे औलाद

(कौन बाल बच्चों व क़बीला परिवार वाला होगा) कुण्डली वाले के लिए:-

- 1-बृहस्पत सूरज शुक्रकर बुध सनीचर सब क़ायम या :-
- 2-सिर्फ बृहस्पत या सूरज क़ायम या दोनों ही क़ायम या :-
- 3-मंगल होवे शुक्रकर या बुध के पक्के घर या उनकी राशियों में और दृष्टि के सब खाने खाली हों या :-
- 4-मंगल हर तरह से क़ायम और नेक होवे या :-
- 5-मंगल हो बुध शुक्रकर गहु के साथ उनके पक्के घर या उनकी राशियों में और सनीचर हो सूरज चंद्र बृहस्पत के साथ उनके पक्के घर या उनकी राशियों में तो साहिबे औलाद होगा मगर जब
- 6-मंगल सनीचर मुश्तरका हों तो खुद अपनी औलाद तो उम्दा माकूल तादाद और नेक होवे मगर पोते देर बाद या तादाद में हों। पोतियों की (लड़कों की लड़कियों की) शर्त नहीं।

क्रियाफ़ा:- ग्रहस्त रेखा अगर गहरी सालम खम्दार और शुक्रकर के बुर्ज के अंगूठे की तरफ झुकी हो तो वह शाख़स बड़ा ही अयालादार जायदाद हल्की मगर दौलतमंद साहिबे इज्जत और आसूदा हाल होगा। दुनिया स्त्री और औलाद का सुख भोगेगा और अगर ग्रहस्त रेखा ऊपर की तरफ दिल रेखा को काटकर मद्दमा तक चली जावे, तो अपनी औलाद के अलावा औलाद की औलाद या पोते पड़ैते वाला होगा। और बड़ा ही क़बीले वाला होगा। (अपने तुख्म दर तुख्म साहिबे औलाद-संतानवान मुश्तरका-मिले जुले पोते पोतियां-संतान की संतान (लड़के लड़कियां) सालम-साखुत क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र तादाद-संख्या तुख्म-बीज



साहिबे औलाद-संतानवान

मुश्तरका-मिले जुले

माकूल-उचित, योग्य

तादाद-संख्या

पोते पोतियां-संतान की संतान (लड़के लड़कियां)

सालम-साखुत

क्रियाफ़ा-सामुद्रिक शास्त्र

तुख्म-बीज

से पैदा हुआ) और सुखी होगा। जायदादी हालत में क़दरे हल्का ही होगा। पांच की उंगलियां अगर बिल तरतीब एक से दूसरी बड़ी होती जावे तों साहिबे औलाद या ज्यादा औलाद बाला होगा। नर ग्रह मय चंद्र औलाद की उप्र सम्बो या औलाद को आबाद व कायम करते हैं खाना नम्बर 5 में पापी ग्रहों या केतु से औलाद बर्बाद होगी लेकिन खाना नम्बर 9 का ग्रह अपने दिन की औलाद को ज़रूर कायम रखेगा। खाना वह नम्बर 5 वाले का दोस्त हो या दुश्मन फ़र्ज़न खाना नम्बर 5 में सनीचर और खाना नम्बर 9 में मंगल हो तो मंगलबार के दिन वाली नर औलाद ज़रूर कायम रहेगी। राहु नम्बर 9 और केतु नम्बर 5 वीरवार एवंकी शाम वाली औलाद कायम रहेगी शुक्रकर या बुध या दोनों मुश्तरका का खाना नम्बर 5 में होने से औलाद नर पर कोई बुरा असर न होगा। लेकिन अगर दोनों में से कोई एक नम्बर 9 में हो तो औलाद नर पर मंदा असर ज़रूर होगा। अपने दुश्मन ग्रह (सूरज या चंद्र या बृहस्पत मय यहु या केतु) जब नम्बर 5 या नम्बर 9 में हो तो औलाद बरबाद और नष्ट होगी।

1- शुक्रकर बुध मंगल तीनों खाना नम्बर 3 दृष्टि का घर खाली हो खाना नम्बर 11 या

2- शुक्रकर बुध मय राहु या केतु खाना नम्बर 7 शादी और औलाद में गहबड़ हो। खाना नम्बर 5 या नम्बर 9 में या नम्बर 3 में या नम्बर 9 में बृहस्पत या सूरज के दुश्मन ग्रह हों तो या

मंगल खाना नम्बर 4 या पापी ग्रह नम्बर 9 में या राहु बुध नम्बर 1 या केतु शुक्रकर नम्बर 1 या राहु

अकेला खाना नम्बर 9 औलाद के विधन। (मौते) गरीबां होंगी शुक्रकर केतु खाना नम्बर 1 में

मंगल खाना नम्बर 4 में औलाद के विधन पापी ग्रह तीनों या कोई एक नम्बर 5 या नम्बर 9

में मंगल खाना नम्बर 4 में औलाद का विधन

सूरज हो खाना नम्बर 6 और मंगल और खाना नम्बर 10 या 11 में

तो लड़के पर लड़का मरता जावे। चंद्र नष्ट या बरबाद हो तो औलाद ज़रूर नष्ट होगी।

इतवार-गविवार

सुबह सादिक-ऊपाकाल

साहिबे औलाद-संतानवान

विधन-विधन

फ़र्ज़न-जैसे कि

शुक्रकर-शुक्र ग्रह

वीरवार-बृहस्पतिवार

औलाद-संतान

(नर मादा बच्चों की तमीज़ नहीं) मगर लावल्द होने की शर्त न होगी। जिस टेवे में सनीचर या मस्तूर सनीचर (मंगल बुध मुश्तरका राहु सुभाओ) हो औलाद ज़रुर बरबाद होगी। छोटी छोटी उम्र में सूरज नम्बर 12 में हो या मंगल बुध साथी ग्रह ख़ाह खुद दोनों बाहम साथी ग्रह हों या दोनों ही एक दूसरे के दोस्तों के घर या एक दूसरे की राशि में बैठ जावें या दोनों बाहम मुश्तरका ही हो जावें मगर बिल मुकाबिल न हों या सूरज नम्बर 12 में हो तो कभी लावल्द न होगा। बृहस्पत शुकर नम्बर 7 चंद्र मंगल नष्ट बहुत बड़ा बृहस्पत और नरम हाथ का बृहस्पत शुकर का काम देता है मगर बहुत बड़ा शुकर औलाद से महरूम रखता है या लावल्द होगा। शुकर केतु मुश्तरका ख़ाना नम्बर 1 में और बुध नष्ट हो (सामने के दांत ख़त्म) या चंद्र शुकर बाहम बिल मुकाबिल और पांची ग्रह या दुश्मन घरों का साथ हो जावे या चंद्र नम्बर 8 और छते हुए कुएँ का साथ हो लावल्द होगा। औरत की पुश्त पाए (पांव की पीठ) अगर बहुत ही कलां हो तो लावल्द या बांझ होगी शुकर हो ख़ाना नम्बर 2-6 में दृष्टि या साथी बगैरह हो जाने से सब ही घर ख़ाली हों यानी ख़ाना नम्बर 2 या 6 का शुकर हर तरह से अकेला हो औरत बांझ या ना क़ाबिले औलाद होगी चंद्र हो ख़ाना नम्बर 1 सनीचर ख़ाना नम्बर 7 सूरज नम्बर 4 शुकर नम्बर 5 नामर्द होगा।

• ملکہ نہیں ہے •

लावल्द-निःसंतान

टेवे-जन्मपत्री

सुभाओ-स्वधाव

ख़ाह-चाहे

कलां-बड़ा

बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर

मुश्तरका-मिले जुले

महरूम-बाँछित, असफल, निराश

महकमे

ग्रह	महकमा मुतअल्लिक	महावारी	
		रूपये	आने
बृहस्पति	हवाई उपदेश-क्रानून (चंद्र)	11	00
सूरज	सरकारी हिसाब किताब (क्रलम-बुध)	10	00
चंद्र	तालीम ख़जाना-बहरी	9	00
शुक्रकर	ज़राअत हैवानात-ग्रहस्ती कारोबार	6	00
मंगल	जंगी-इंतज़ामिया आम पब्लिक का वास्ता	7	8
बुध	ब्योपार-दलाली-सद्टा-निस्वां (लड़कियां)	3	00
सनीचर	इमारती-मशीनी-डाक्टरी-रेलवे लोहा लकड़	10	8
राहु	बिजली-पुलिस (खुफिया) जैल ख़ाने	8	00
केतु	बचगान-मुसाफिरी-सलाहकारी	5	00

ल-अलिफ- अरसा कमाई (जाती कमाई शुरू करने के दिन से) X कीमत ग्रह या

बे- उप्र गुजरान का साल (जब चंद्र उम्दा) X कीमत ग्रह

नोट:- यह रकमें कोई ऐसी नहीं जो किसी ख़ास क्रानून या हदबन्दी के नीचे रहें। यानी

ज़रूरी नहीं कि हर एक शख्स की आमदन ग्रहों के सामने दी हुई रकमों के मुताबिक़ ही हो।

मगर अमूमन यह औसतन जबाब हुआ करते हैं। बात का पूरा फ़ैसला क्रिस्त के ग्रह और बाक़ी

मददगार ग्रहों की हैसियत और हालत पर हुआ करता है।

महकमा-विभाग

तालीम-शिक्षा

मुतअल्लिका-संबंधित

मुसाफिरी-यात्रा संबंधी

ज़राअत-कृषि

हैवानात-पशुगण, चौपाए, मवेशी

क़लम की स्याही

Green Ink	Blue Ink	Filled With Red Ink	1. With golden Colour cope Barrel Red Colour
	एक ही लाखों के मुकाबला का मंदे घरों का भी उम्मा फल-सूरज बुध सनीचर	खुद मुकाबला के लिये गैरतमंद शरारत का माकूल जवाब देने की हिम्मत का मालिक सूरज-मंगल-बुध	
	सूरज-बुध-सनीचर जब बृहस्पत मंदा न होगा। बुध सनीचर का उम्मा फल होगा। बृहस्पत बुध सनीचर	बुध भला तो मच्छ रेखा बुध मंदा तो काग़ रेखा यानी जब नई क़लम और किसी तरह की मरम्मत न हों और नये हिस्से शामिल न हों। उत्तम फल बरना हर तरह से मंदा बृहस्पत-बुध-सनीचर-मंगल	क़लम भी स्याही
	साधारण फ़कीराना नतीजे	मंगल-बृहस्पत-उत्तम शाहाना नतीजे	Yellow Pen
उत्तम बुध बिधाता की तालीम	उम्मा तो सफेद हाथी निहायत उत्तम फल बरना जेल खाना या पागल खाना नसीब हो बुध-राहु	मंगल बुध शेर के दांत शहद में रेत मुसीबत में मदवगार मगर खांड और जहर मुश्तरका	Green Pen
माकूल-उचित, योग्य		शाहाना-शाही ठाठ बाठ	निहायत-बहुत ही
सनीचर-शनि ग्रह			

Filled With

Green Ink	Blue Ink	Red Ink	Colour
मनहूस	साधारण मगर उत्तम	उत्तम	Red pen
उम्दा	उम्दा	मनहूस	Black pen
बुध	बुध राहु-शक्की	उत्तम-सूरज-बुध	दो रंगी लालम लाल
उत्तम			रंग के साथ
गरीबाना	राहु केतु मनहूस	मनहूस-मंगल-केतु	दो रंगी लाल रंग के साथ न हो।



गरीबाना- गरीब के समान मनहूस-अशुभ, अकर्त्त्याणकारी, अभागा उम्दा-अच्छा, श्रेष्ठ, बढ़िया मंगल-मंगल ग्रह

सफर का हुक्मनामा

दरियाई सफर का मालिक चंद्र-हवाई सफर का मालिक बृहस्पत और खुशकी का निगरां शुक्कर मगर सब ही सफरों का हुक्मनामा जारी करने वाला ग्रह केतु होगा।

इसलिये हर एक किस्म के जुदा जुदा सफर के लिये ग्रह मुतअलिलका का भी ख्याल रहे

चंद्र की सफर रेखा

मामूली सफर:-

क्रियाफ़ा:-

1-चंद्रमां को सफेद रंग घोड़ा तसव्वुर किया है। जो दर असल दरियाई या समन्दरी कहलाता है। और समन्दर पर चांद की चांदनी की तरह दम के दम में फिर आता है। मगर खुशकी या शुक्कर के घर से दुश्मनी करता है और ठोकरें मारता है।



दरियाई सफर-पानी की यात्रा
मुश्तको-मिले जुले

खुशकी-सूखापन
ख्याह-चाहे

जुदा जुदा-अलग अलग
क्रियाफ़ा-विस्तार

चांद-चंद्र
तसव्वुर-कल्पना

2- जब चंद्र के बुर्ज पर शुक्कर रेखा वाकै हो तो खुशकी या शुक्कर के ताल्लुक के सफर अमूमन होंगे या चंद्र के पांव को खुशकी का चक्कर लगा रहेगा चंद्र खुद हमेशा सफर में रहता है और शुक्कर तो दुश्मनी नहीं करता मगर चंद्र ही दुश्मनी करता है। इस

लिये चंद्र का सफर खुद अपने

लिये नुकसान देह न होगा।

मगर सफर ज़रूर दरपेश रहेगा

और अमूमन खुशकी का होगा।

3- ज़रूरी सफर जब चंद्र के

बुर्ज पर सूरज रेखा या सीधा

ख़त बहस्त का। वाकै होवे और उसका रुख़ सूरज की तरफ़ होवे

तो ऐसा सफर समन्दर पार या निहायत ज़रूरी सफर होगा। जिसमें राजदरबार के

निहायत ज़रूरी काम मुतअलिक़ा होंगे।

अगर इस ख़त का रुख़ बुध की तरफ़

होवे तो तिजारती कारोबार में वे शुब्हा

मुनाफ़ा होगा (बुध से मिले हुए

का ज़िक्र जुदा है) ऐसे ख़त से

सफर का नेक असर उसी हालत में गिना

है जब यह ख़त सिर्फ़ चंद्र के

बुर्ज की हद के अन्दर ही अन्दर होवे

और उपर सूरज या बुध न मिले।

वरना शादी व औलाद का असर उलट होगा। चौंकि यह ख़त सिर्फ़ बुध और सूरज का ही

बे शुब्हा-भारी कीमत का, कीमती, दरपेश-उपस्थित, सामने आना समन्दर-समुद्र

निहायत-बहुत ही



अमूमन-आमतौर से तिजारती-व्यापार, सौदागरी मुनाफ़ा-लाभ सूरज-सूर्य ग्रह

रुख़ करता नेक गिना है। इस लिये उस से दूसरे कामों के सफर के नतीजे का ताल्लुक नहीं लेते बाकी तरफ़ के रुख़ से बाकी बुजों के ताल्लुक का असर होगा।

100 दिन की मियाद तक का सफर कोई सफर नहीं गिना जाता

मन्दरजामैल हालत में किया हुआ सफर मैंदे नतीजे देगा

बरोज़	बतरफ़	खासकर बमूजिब वर्षफल जब वह ग्रह
मंगलवार } बुधवार }	शुमाल	→ नम्बर 6 में केतु-मंगल केतु या बुध केतु हो
शुक्रकर-इवार सोमवार-सनीचर	मगरिब	→ नम्बर 10-11 केतु सूरज-केतु या शुक्र केतु हो
वीरवार	मशरिक	→ नम्बर 1-5 केतु-चंद्र केतु या सनीचर केतु हो
	जुनूब	→ नम्बर 3-केतु या बृहस्पत केतु हो

बमूजिब वर्षफल जब चंद्र या केतु अच्छे घरों में हों या केतु पहले घरों में हो और चंद्र होवे केतु के बाद बाले (साथी दीवार) घर में तो सफर कभी अपनी मर्जी के बराबिलाफ़ न होगा और न ही कोई मंदा नतीजा देगा बशर्ते कि चंद्र खुद रद्दी न हो रहा हो। सफर का फ़ैसला अमूमन केतु के बैठा होने वाले घर बमूजिब वर्षफल के मुताबिक़ होगा यानी जब केतु बैठा होवे।

केतु घर में हो	असर होगा			
1-में	अपने आप को सफर के लिये तैयार रखो और बिस्तरा तक बांध लो हुक्मनामा बेशक हो चुके मगर आख़ीर पर सफर न होगा। अगर हो भी जावे तो दोबारा वापिस आना पड़ेगा सौ दिन के अन्दर तक। आरज़ी तौर पर बाहर रहने का सफर हो सकता है खासकर जब खाना नम्बर 7 खाली हो			
2-में	तरबूकी पाकर आसूदा हाल में सफर होगा। होंगी तो दोनों बातें होंगी।			
ताल्लुक-संबंध मशरिक-पूर्व दिशा	मियाद-समय अवधि जुनूब-दक्षिण दिशा	शुमाल-उत्तर दिशा आरज़ी-अस्थाई	मगरिब-पश्चिम दिशा आसूदा हाल-धन धान्य से परिपूर्ण	

जारी	(तरक्की और सफर) - बरना एक न होगी। जब तक नम्बर 8 का मंदा असर शामिल न हो
3-में	भाई बन्दों से दूर परदेस की ज़िंदगी होगी। जब नम्बर 3 सोया हुआ हो
4-में	अबल तो सफर न होगा और अगर होगा तो माता बैठी होने वाले शहर या माता के चरणों तक होगा। फिर भी होगा तो न ही मुकाम की तब्दीली और न ही सफर कभी मंदा होगा। जब तक खाना नम्बर 10 मंदा न हो।
5-में	मुकाम या शहर की तब्दीली भी देखी नहीं गई। मगर अन्दरुनी महकमा या शहर घर कमरा की तब्दीली हो जावे तो बेशक बहरहाल नतीजा मंदा न होगा। जब तक बृहस्पत नेक हो।
6-में	सफर का हुक्मनामा हो हुवा कर तब्दीली शहर का हुक्म एक दफा तो ज़रूर मंसूख होगा जब केतु जागता हो।
7-में	जदूदी घर बार का सफर (तब्दीली ज़रूर तरक्की की शर्त नहीं) ज़रूर होगा। अगर वह (टेवे वाला) खुद व खुद खुशी से न जावे। तो बीमार बौरह होकर उसकी लाश या वह बतौर लाश वहां जावे। किस्सा कोताह तब्दीली शहर या सफर ज़रूर होगा। और नतीजा नेक होगा जब तक खाना नम्बर 1 मंदा न हो और केतु जागता हो।
8-में	कोई खास खुशी का सफर न होगा बल्कि अपनी मर्जी के बरखिलाफ़ और मंदा ही सफर होगा जब तक नम्बर 11 में केतु के दुश्मन (चंद्र या मंगल) न हो। केतु की इस मंदी हवा का असर केतु की मुतअल्लिका अश्या (कान-रीढ़ की हड्डी-टांगों की बीमारियों दर्द जोड़ गठिया बौरह या खुद कुत्ते जानवर या तीन दुनियावी कुत्ते पर भी हो सकता है चंद्र का उपाओ पानी धर्म मंदिर में और कुत्ते को (एक हो रोज दोनों को) लगातार 15 रोज तक मुतवाविल दूध देना या खाना नम्बर 2 को नेक कर देना या नम्बर 2 का किसी और ग्रह से खुद ही नेक होना मददगार होगा।

अबल-प्रथम सफर-यात्रा मुकाम-पड़ाव, लक्ष्य तब्दीली-बदलाव महकमा-विभाग
बहरहाल-फिर भी मंसूख-निरस्त किस्सा कोताह-अर्थात् खुद व खुद-अपने आप खिलाफ़-विरुद्ध

9-में	मुबारक हालत खुशी-खुशी अपने जद्दी इलाकों (घरबार) की तरफ का और अपनी दिली मर्जी पर सफर होगा। और नतीजा हमेशा नेक व उत्तम होगा। जब तक नम्बर 3 का मंदा असर शामिल न हो।
10-में	शक्की हालत सनीचर उम्दा तो दो गुना उम्दा लेकिन अगर सनीचर मंदा तो दो गुना मंदा नुकसान दे और वे मौका सफर होगा। मगर खाना नम्बर 8 मंदा हो तो मंदी हवा के मायूस झाँके ज़रूर साथ होंगे। खाना नम्बर 2 मददगार होगा। चंद्र का उपाओ बज़रिया खाना नम्बर 5 औलाद या खुद सूरज को चंद्र की अश्या दूध पानी का अर्ध (सूरज को तरफ मुंह करके पानी गिरा देना) बौरह मुबारक फल देगा।
11-में	सफर का हुक्मनामा ऊपर के बड़े अफसरों से चलकर नीचे तक पहुंच हो ना सकेगा। सफर का मालिक केतु दुनियावी दरबेश कुत्ता रास्ते में ही लेय होगा। (यानी असल मुकाम से वह पहले ही तब्दील होकर किसी दूसरी जगह सफर के रास्ते में ही बैठा होगा। जहां से आगे सफर का सवाल दर पेश होगा। फ़र्जी हिल जुल होगी अगर सफर हो ही जावे तो ग्यारह गुना उम्दा होगा। जब तक नम्बर 3 से मंदा असर शामिल न होवे।
12-में	अपने बाल-बच्चों के पास रहने और ऐशो आराम करने का ज़माना होगा। तरक्की ज़रूर मगर तब्दीली की शर्त न होगी। अगर सफर हो तो नफ़ा ही होगा। केतु अपना ऊंच फल देगा और नतीजा मुबारक होगा। जब तक नम्बर 6 उम्दा और नम्बर 2 नेक हो और नम्बर 12 को ज़हर न देवें।



मकान

टेवे बैठे ग्रह 1 ता 9 वें
चलते 12 से घर 9 आवें

दांए दाखिला बोलते हैं

असर बांए पर देते हैं

१ - जनम कुण्डली के मुताबिक़ जो ग्रह खाना नम्बर 1 से 9 तक बैठे हों वह अपना अपना असर मकान में दाखिल होते हुए दांए हाथ की तरफ ज़ाहिर किया करते हैं और खाना नम्बर 12 से 10 तक बैठे हुए ग्रह मकान के दांए तरफ अपना असर ज़ाहिर करते हैं फ़र्ज़न शनि बैठा है खाना नम्बर 4 और खाना नम्बर 2 में बैठा हो सूरज तो इस मकान में दाखिल होते वक्त दांए हाथ की छतों के हिस्साव से दूसरी कोठरी में सूरज की मुतअल्लिका अशया पानी अनाज-गुड़ या ज़ाहिर धूप वग़ैरह होगी और दांए हाथ से चौथे नम्बर की कोठरी में शनि की मुतअल्लिका अशया बड़े बड़े सन्दूक-सेफ़-लोहा-लक्कड़ या चचा की मौत (यानी टेवे वाले का कोई चचा हो तो वह अमूमन मौत के वक्त उसी कोठरी में मरेगा) या इस कोठरी की छत दरवाजे पुराने ज़माने की लकड़ी शीशाम-कीकर-फुलही वग़ैरह की तामीर शुदा होगी अगर खाना नम्बर 2 में सूरज (राजदरवार खुद अपना आप) के मुतअल्लिका का दरवार हुए होंगे तो खाना नम्बर 4 में अमूमन खांसी के बीमार रात को पानी मांगते ही वक्त गुज़ारते होंगे



मुताबिक़-सदृश, बराबर

ज़ाहिर-उन्जवल

फ़र्ज़न-दायित्व बोध से
कोठरी-तंग कोठा या छोटा कमरा

मुतअल्लिका-संबंधित
अमूमन-आमतौर से

फुलही-एक प्रकार का बबूल (लकड़ी)

बमूजिब बर्षफल सनीचर जब राहु केतु के ताल्लुक से नेक सुभाओं का सावित हो और बमूजिब दृष्टि या वैसे ही यहु केतु के साथ ही बैठा हो तो मकानात बनेंगे लेकिन जब राहु केतु के साथ ही हो भगर बुरे असर का हो तो बने बनाए मकानात भी सब बर्बाद और बिकवा देगा या यूं कहो कि बर्षफल के हिसाब से जिस साल सनीचर राहु केतु के ताल्लुक वाले उसूल से जाती सुभाओं में नेक असर का सावित हो रहा हो या राहु केतु के साथ ही बैठा हो तो मकानात बनेंगे लेकिन जब राहु केतु के साथ हो भगर सुभाओं के हिसाब से बुरे असर का सावित होवे तो बने बनाए मकान बिकवा देगा या गिरवा देगा और उसका मंदा असर होगा खाना नम्बर 2 मकानात की हालत बताएगा और खाना नम्बर 7 मकानों का सुख दुख बताता होगा

शुरू से आँखीर कुल का कुल पख (नक्षत्र पुराने ज्योतिष से मुतब्लिका है) में बनाया हुआ मकान निहायत उत्तम व मुवारक होगा मकान मुकम्मल हो जाने के बाद उसकी प्रतिष्ठा पर खँैरत करना ज़रूरी व मुवारक होगा। शुभ लगन व नेक महरत से शुरू किये हुए मकान के लिए मन्दरजा जैल बातें निहायत मुवारक होंगी।

1- मकान को बुनियादें रखने से पहले तह ज़मीन के इदं गिर्द (तगाम तरफ़) पानी का हाशिया डालकर उसके दरमियान (तह ज़मीन जिस पर मकान बनाया है) चंद की अश्या से भरा हुआ वर्तन 40-43 दिन तह ज़मीन में दबाकर ख़ानदानी नेक व बुरे नतीजे देख लेना ज़रूरी होगा क्योंकि वर्तन दबाने के दिन से शुरू करके जन्म कुण्डली में सनीचर बैठा होने के घर नम्बर के दिन तक सनीचर अपना बुरा या भला असर जो कि वह मकान बनने पर देगा ज़ाहिर कर देगा मंदे असर (अचानक सख़्त बीमारी मुकदमा झगड़ा या कोई और दूसरी लानत का खड़ा होना) ज़ाहिर होते ही फ़ौरन वह दबाया हुआ वर्तन तह ज़मीन से निकालकर पानी में (चलते नदी

बमूजिब-के अनुसार
पख-नक्षत्र

मकानात-बहुत से घर

मुकम्मल-सम्पूर्ण, समाप्त

मन्दजैल-निम्नलिखित

तगाम-समग्र, सम्पूर्ण

फौरन-तुरन्त, तत्क्षण

नाले में अगर गिराया जा सके तो बहुत बेहतर होगा बरना बहा दें मंदा असर बंद होगा

क्रियाफ़ा :-

सिफर बुध का दावरा शुक्रकर की तमाम ज़मीन को गोल किये हुए हैं और एक का हिन्दसा सनीचर की आंख को सीधे खत से मिलाए हुए ऊर्ध्व रेखा कहलाती है इस ऊर्ध्व रेखा की दांए तरफ की शाख़े मुवारक असर और हाथ के बांए तरफ की शाख़े नफी जवाब देंगी यानी ऊर्ध्व रेखा से दांए को शाख़े हो तो मकान बगैरह बनेंगे दुनिया बढ़ेगी बांए को हो तो सनीचर को मकानों के ताल्लुक का असर सूरज के हिस्से के नीचे हो जावेगा अब चूंकि सनीचर और सूरज बाहम दुश्मन हैं इसलिए सूरज की रोशनी पर स्याही फेरता जावेगा या किस्मत के लिखे को मिटाता जावेगा और मकान बगैरह बनने बंद बल्कि बने हुए भी गिरा देगा या बिकवा देगा दांए हाथ के दांए हिस्से पर सनीचर का बुरा असर भी कम होगा यानी आम सनीचर की रेखाएं भी जो सनीचर की ऊर्ध्व रेखा से नकल कर दांए हाथ के दांए हिस्से में जावें और हाथ के ऊपर के हिस्से का रुख़ करें नेक होंगी मकान बगैरह बनेंगे बांए तरफ हाथ के निचले हिस्से का रुख़ रखने वाली रेखा मकान बनना बंद या बने हुए गिराएंगी या बुरा असर होगा इसीलिए ही मंगल बद (ख़ाना नम्बर 8) ने भी हाथ के बांए हिस्से में जगह ली है जो मौत का घर है।

जनम कुण्डली में बैठे हुए सनीचर का मकान पर असर

मकान की बुनियाद डालने के दिन से 3 या 18 साल की मियाद के बाद हर मकान

बेहतर-अच्छा

नफी-किसी चीज़ के होने से इन्कार

मुवारक-शुभ

बुनियाद-नींव

ऊर्ध्व-ऊपर की ओर

अपना असर ज़रूर देगा

जन्म कुण्डली में सनीचर बैठा हो

किस खाना नम्बर में	
$\frac{1}{2}$ में }	टेवे वाला अगर मकान बनावे तो काग रेखा जब सनीचर मंदा हो तो कौवे की खुराक तक तरसता होवे निर्धन सब तरफ बरबादी होगी लेकिन जब सनीचर नम्बर 7-10 खाली हों तो उम्दा फल होगा
$\frac{2}{3}$ में }	मकान जब और जैसा बने बनाने देवे मुबारक होगा
$\frac{3}{4}$ में }	केतु पालन 2 कुर्जे रखे तो मकान बनेगा बरना ग्रीष्मी का कृत्ता भूंकता रहे (मदे मायनों में)
$\frac{4}{5}$ में }	अपने बनाए हुए नये मकान खाना नम्बर 4 के मुतालिका रिश्तादार (अपनी माता अपने बाप की माता अपनी औरत की माता) मामूं खानदान को ज़हर देंगे या मकान की बुनियादें खोदते ही माता या उसका खानदान (मामूं - औरत की माता या औरत की माता का खानदान का घर) बरबाद होने लग जाएगा
$\frac{5}{6}$ में }	खुद बनाए हुए मकान औलाद की कुर्बानी लेंगे मगर औलाद के बनाए हुए मकान टेवे वाले के लिए मुबारक होंगे अगर खुद ही बनाने दरकार हो तो सनीचर की जानवर अश्या (भैंस-भैंसा वर्गरह) बतौर दान देने या बतौर कुर्बानी जिंदा छोड़ देने के बाद मकान की बुनियाद रखें तो सनीचर का औलाद पर मंदा असर न होगा फिर भी अगर हो सके 48 साला उम्र के बाद ही मकान बनावें तो बहतर होगा
$\frac{6}{7}$ में }	सनीचर की मियाद) 36 बल्कि 39 साला उम्र) के बाद मकान का बनाना मुबारक होगा बरना अपनी लड़कियों के रिश्तादारों को तबाह करेगा
$\frac{7}{8}$ में }	अब्बल तो बने बनाए मकान ही बहुत मिलेंगे जो मुबारक होंगे अगर उल्लटा बिकने ही लगें तो सबसे पुराने मकान की दहलीज़ क्रायम रखना सब कुछ वापिस
तरसता-खाहिश मंद होना	
बरबादी-नष्टी	
मामूं-मामा (माता का भाई)	
दरकार-वाछित	
कुर्बानी-त्याग, भेट	
दहलीज़-चौखट	
मियाद-समय, काल, अवधि	

दिलवा देगा	
8 में	मकान बनना शुरू हो तो मौतें गूंजने लगें सनीचर अब यह केतु को हालत पर अच्छा या बुरा असर देगा
9 में	टेवे वाले की औरत या उसकी माता के पेट में बच्चे के बक्ता टेवे वाले की अपनी कमाई से बनाया हुआ मकान पिता को आसू छाल या ज़िंदा न छोड़ेगा और जब टेवे वाले के पास तीन जुदा जुदा रिहाइशी मकान क़ायम हो जाएंगे तो तो उसका आखरी बक्ता (मौत) पहुंच चुका गिनेंगे
10 में	जब तक मकान न बनावे सनीचर मकान बनाने के लिए सामान जमा करने की कीमत (नक़द रुपया) देता जाएगा लेकिन जब मकान बन जावे सनीचर विस्तरा तक भी उठा कर ले भाग बल्कि छूटने पर भी निशान न मिलेगा और आमदन बरबाद बल्कि ख़तम होगा (मदे मायनों में)
11 में	मकान अमूमन देरी से (55 साला उम्र के बाद) बनेगा दक्कन के दरवाजे वाले मकान के साथ (रिहाइश) से बहुत लम्बा अर्सा लेटना (गल सड़ कर मरना) पड़ेगा
12 में	सांप (सनीचर) और बंदर (सूरज) जो कभी अपना बिल या घर नहीं बनाते अब मकान बनाना सीख लेंगे यानी अब मकान ख़ाम ख़ाह और खुद व खुद बनेंगे जो मुबारक होंगे ख़ाह अब सनीचर के साथ सूरज भी नम्बर 12 में ही होवे टेवे वाले को चाहिए कि बनते मकान को न रोके जैसा बन ही लेने देवे

मकान के गोशे : - मकान बनाने से पहले तमाम और कुल की कुल तह

ज़मीन को एक ही गिन कर उस के कोने से या गोशे देखे जावें चहार गोशे वाला सब से उत्तम होगा जिसका हर एक कोना 90 डिग्री (नब्बे दरजे) के ज़ाविया का हो मन्दरजाज़ैल गोशे हरगिज़ न हों जो मनहूस गिने गये हैं

आसूदा-धनवान

ख़ाम ख़ाह-मज़बूरन

मायनों-मतलब

गोशे-कोने

अमूमन-आमतौर से

ज़ाविया-एकान्त

दक्कन-दक्षिण दिशा

हरगिज़-कदापि, कभी

८ - १८ - १३ - तीन
 बिच्छों चूक भुजा बलहीन
 पांच कोण का मंदिर रचे
 कह बिसकर्मा कैसे बसे

अग्नि आयु हो आठ से मंदी
 १३ लगे घर आ उस फांसी
 बिच्छों चूक से नस्ल हो घटती
 भुजा बिना शमशान हो अर्थी
 पांच कोने औलाद हो मरती
 मौत बीमारी अन्त न देगी
 चार कोने दे कुल की उन्नति
 असर अन्दर हर कमरा अपनी

१८ चंद्र गुरु मरता हो
 तीन भाईबन्द मंदा हो
 काग रेखा फल होता हो
 मुर्दा शादी में जलता हो
 वीरान इलाका होता हो
 सांप छाती पर चलता हो
 सिंहासन बत्तीसी बनता हो
 पैमाइश जुदी पर चलता हो

आठ-अठारह -तेरह-तीन-बिच्छों चूक (मछली की तरह) भुजा बलहीन

है। (मुर्दा की तरह) पांच कोण का मंदिर (बना दे) तो कह बिसकर्मा जी मकान कैसे बसेगा

आठ कोना:- सनीचर खाना नम्बर ८ का असर देगा यानी मातम के वाकिआत व बीमारी आम होगी।

अठारह कोना वृहस्पत (सोना चांदी) का फल खराब होगा।

तीन तेरह कोना:- मंगल बुध का असर देगा-यानी भाईबन्दों की आफतों में तबाह होगा।

मौतें और आग के नुकसान बहुत होंगे-फांसी का वाकिआ भी हो सकता है।

बिच्छों चूक-(दरमियान से बाहर को मछली के पेट की तरह  उठा हुआ)।

पैमाइश-नपाई (किसी चीज को नापना)
 दरमियान-बीच में

बिसकर्मा-विश्वकर्मा

मायनी-मतलब, आशय

मातम-मृत्युशोक

आफतों-विपदाओं, मुसीबतों

वाकिआत-घटना

नुकसान-घाटा

१- अन्न भावनी आवेस-पता

मैत्री न बनाने वालों की जीवन

१- वृत्त तक्षण जीवन में बातें अन्न भावनी आवेस-पता

काग
 लाव
 खुद
 दिख
 भुज
 मौतें
 में ह
 और
 पां
 दिस
 होंगे
 दीव
 या
 की
 पैम
 होव
 ग़ज़े
 लम
 (1)
 (2)
 हो
 औ
 अ
 गो

काग रेखा का असर देगा। खानदानी नस्त घटती जावे आखीर पर खुद भी लावल्द होगा। यानी अगर बाबे तीन भाई हों तो बाप दो भाई और आखीर पर खुद अकेला और आइन्दा लावल्द होगी। मुर्दा की शक्ति का मकान मौतें ही मौतें दिखालाएगा।

भुजा बल हीन :- बाजू के बगैर या बाजू कटे हुए (मुर्दा की शक्ति का) मौतें ही मौतें, मुर्दा पर मुर्दा दिखलावें अगर कोई शादी भी उस मकान में होवे तो शादी वाला भर्द या औरत जिसकी वहां शादी हुई हो रण्डवा और नेवा होवे।

पांच कोना :- 5 गोशा वाला औलाद का दुख और उनकी बस्तादी की कार्रवाइयां दिखलावें। मन्दरजा वाला गोशे मकान की दीवारें बनने से पहले काबिले गौर होंगे।

तह जमीन के गोशे देखने के बाद मगर उस पर मकान बनने से पहले दीवारों का रकबा या बुनियादें छोड़कर हर एक हिस्से या कमरे की अन्दरूनी दी या रकबा जुदा जुदा देखा जावे। जो मकान के मालिक या स्वामी जिसने मकान की बुनियाद रखी है और खुद भी इस में रिहाइश करनी है। के हाथों की पैमाइश में रकबा देखा जावे। यानी पैदाइश के लिये खुद उसका अपना हाथ होवे। खाल ह वह अठारह इंच का हो खाल उन्नीस इंच या सत्तरह इंच का गज़ेकि पैमाना उसके अपने हाथों की लम्बाई के बराबर का होवे। हाथ की लम्बाई कहां से कहां तक होगी। इसके लिये :-

- (1) -कोहनी (बाजू के सिरे की हड्डी) से लेकर अनामिका उंगली के आखीर तक या
- (2) -कोहनी (बाजू के सिरे पर जो जोड़ है) के सिरे के अलावा दूसरी हड्डी होती है। वहां से लेकर मद्दमा के आखीर तक यह नम्बर 2 की हदवंदी उस्त और उत्तम है।

आइन्दा-आगे से रण्डवा-जिसकी पत्ती मर गई हो हदवन्दी-सीमा निर्धारण दुरुस्त-ठीक रकबा-क्षेत्रफल गोशा-कोना मन्दरजा वाला-ऊपर लिखा हुआ काबिल-लायक, योग्य रिहाइश-जहां रुका जाए

क्रायदाः:-

तूल + अर्जुन X 3 से घटाया गया एक :-

असल

तक्सीम किया आठ पर

जो बाकी बचा वह असर होगा

मसलन- तूल 15 हाथ अर्जुन 7 हाथ हो तो $15 + 7 = 22$ को 3 से

जरब दी तो 66 से कम किया गया एक तो = 65 अब हमने 65 को 8 पर तक्सीम किया-तो बाकी जवाब एक रहा। इसी तरह से जवाब एक दो-तीन-चार-पांच छः-सात यानी आठ या सिफर हो सकता है।

जवाब में अगर ताक यानी 1-3-5-7 हो तो नेक असर होगा। और अगर जवाब

में जुफ़त यानी 2-4-6-8 या सिफर हों तो मनहूस असर होगा। जिस के लिए

किन किन बातों से मुतअल्लका ग्रहों में दिया हुआ उपाओ मददगार होगा।

मसलन जब 2 बाकी बचते हों तो बृहस्पत शुक्रकर नम्बर 6 या केतु नम्बर 6 में दिया हुआ उपाओ

4 बाकी बचते हों तो चंद्र सनीचर नम्बर 4 या केतु नम्बर 6 में दिया हुआ उपाओ

6 बाकी बचते हों तो सूरज सनीचर नम्बर 6 या केतु नम्बर 6 में दिया हुआ उपाओ

8 बाकी बचते हों तो मंगल सनीचर नम्बर 8 या केतु नम्बर 6 में दिया हुआ उपाओ

मकान की हैसियतः:- जवाब में अगर

बाकी एक बचता हो:- तो बृहस्पत सूरज होगा खाना नम्बर 1 का जिसके मुताबिक़

वह मकान मकानों में मानिन्द राजा उत्तम और बुलन्द हैसियत होगा हर तरह का उत्तम फल होगा।

बाकी दो हों तो बृहस्पत शुक्रकर मुश्तरका खाना नम्बर 6 में या केतु नम्बर 6 मानिन्द कुत्ता गरीब निर्धन।

तीन बाकी हों तो शेर दहाना अगला हिस्सा चौड़ा पिछला हिस्सा तंग बृहस्पत

मंगल खाना नम्बर 3 मानिन्द शेर होगा। आदमियों के लिये उम्दा और मुबारक दीवान खाना

मसलन-जैसे कि

तक्सीम-बांटना, भाग

ज़रब-गुणा

ताक-वह संख्या जो दो से भाग न हो सके

जुफ़त-जोड़ा

तुल-लम्बा

अर्जुन-चौड़ा

तिजारत-व्यापार

निहायत-बहुत ही

मंगल या बुध के मुतालिका काम या दुकान कारोबार विजारत के लिए निहायत मुवारक होगा मगर औरतों और बच्चों के लिए गैर मुवारक होगा ऐसे मकान में मुद्दों की हमेशा बरकत होगी और दुनियावी जंगों जदल के मुतालिका सब काम शुभ असर देंगे

अगर कोई औरत जिसके अभी बाल बच्चे पैदा न हुए हों या जो बच्चों से अलाहदा ही ऐसे मकान में रहे या रात को सोती रहे तो कोई बुरा असर न होगा बाल बच्चों के लिए ऐसा मकान कोई फ़ायदा मंद नहीं होता ब्यांकि मंगल नम्बर 3 का केतु नम्बर 3 से हमेशा ही शेर और कुत्ते के बाहमी सलूक का असर होगा अकेली औरत शुकर नम्बर 3 गिनते हैं और मंगल और शुकर की बाहमी दोस्ती है इस लिए बाल बच्चों से राहत या बाल बच्चों के बगैर सिर्फ़ एक अकेली जान और उसका खाविंद इकट्ठे रहने में कोई बुरा असर न होगा

अगर किसी वजह से ऐसे मकान में बाल बच्चों के साथ या बच्चों वाली औरत को रहना या रात को सोना ही पड़े तो ऐसे मकान में बृहस्पत के ज़र्द रंग फूल कायम करें तो कोई बुरा असर न होगा बेहतर तो यही होगा कि बाल बच्चों को ऐसे मकान से दूर ही रखा जावे और स्त्री की सिर्फ़ ऐशो इशरत के लिए बेशक रिहाइश की जावे मगर आप साधारण हालत में स्त्री का भी ऐसे मकान में रहना कोई ख़ास फ़ायदा मंद न होगा कभी न कभी स्त्री के खुद अपने लिए हानिकारक हो सकता है।

चार बाक़ी हो तो सनीचर चंद्र मुश्तरका ख़ाना नम्बर 4 में मानिंद गधा होगा यानी निर्धन मनहूस रात दिन मज़दूरी ही की मगर एकज़ में रात को खुराक के लिए वही गदी गिजा मिली किसी ने गधे का ख़याल न किया खुराक बाज़ दफ़ा तो न मिली तो न ही मिली पांच बाक़ी हो तो गऊ घाट सूरज बृहस्पत ख़ाना नम्बर 5 मानिंद गाय होगा जिसमें औरत जात बाल बच्चे बगैरह सब के सब सुख व आराम पाएंगे

निहायत-अत्यन्त
बाज़ दफ़ा-कभी कभी

गैर-बेगाना, भिन्न
सलूक-व्यवहार

जंगो जदल-मारकाट
खाविंद-पति

अलाहदा-अलग
गिजा-खाना

और शुक्कर का पूरा और उत्तम फल होगा। बल्कि मच्छ रेखा का उत्तम असर साथ होगा मकान पीछे से चौड़ा और अगला हिस्सा तंग मानिंद बैल हो तो भी गऊ घाट कहलाता है जिसका वही नेक असर है जो पांच बाकी का था।

छः बाकी हो तो सूरज सनीचर मुश्तरका खाना नम्बर 6 में मानिंद तकिया मुसाफिर होवे यानी केतु अपना बुरा असर देगा। न माता रहे न पिता सुखी होवे। न औलाद आराम करे न ही यार दोस्त साथ दें। हर दम मुसाफिर वह भी मुसीबत का मारा हुआ न गुरु भला न चंद्र अच्छा बल्कि केतु भी मंदा हर तरफ महमिल वे मायनी असर सात बाकी हो तो चंद्र शुक्कर मुश्तरका खाना नम्बर 7 में मानिंद हाथी होगा।

फील खाना-मवेशियों का तवेला उम्दा और मुवारक (राहु मददगार)

आठ बाकी हों तो मंगल सनीचर मुश्तरका नम्बर खाना 8 में मानिंद चौल-गिर्द-मुर्दधाट पौत का घर सनीचर का हैडवार्टर और दुनियावी ताल्लुक सब कुछ खत्म मकान में आने जाने का सबसे बड़ा दरवाज़ा या शार ए आम बाला अगर बतरफ़ मशरिक या पूरब हो-सबसे उत्तम होगा। हर बक्त आदमियों की नेक आमदोरफ़त और तमाम खुश नसीब हो।

मगरिब या पश्चिम की तरफ़ हो तो दर्जा दोम का उत्तम असर होगा। शुमाल या पहाड़ की तरफ़ नेक है। नेकी के लिये यानी लम्बे सफ़र-पूजा पाठ शुभ काम लंबे मामलात नेकी के काम करने के लिये आने जाने का रास्ता होगा जिसका असर नेक होगा।

रुहानी और परलोक के मामलात में (3) जुनूब या दक्कन का दरवाज़ा सब से मनहूस है। सनीचर नम्बर 3 वाले के लिये खासकर मनहूस है। औरत ज़ात के लिये मौत का सबब होगा। आदमी भी कोई सुख नहीं पाते। अग्नि कुण्ड का जेलखाना जिस में बुझकर मरने के सिवाय और कुछ नसीब न होगा। छड़ा तवेला और रंडों के लिये अफ़सोस की जगह या मौतें गिनने का मकान या मुक़ाम होगा।

दक्कन के दरवाज़ा वाले मकान के मालिक या बासी (रहने वाला) को बेहतर होगा

मानिंद-की तरह से, तुल्य बतरफ़-की तरह से	तकिया-कब्रिस्तान शार ए आम-	फील खाना-तवेला मगरिब-पूर्व दिशा	तवेला-जहां पशु बांध जाते हैं आमदोरफ़त-आना जाना
---	----------------------------	---------------------------------	--

कि वह अब्बल तो हर साल बरना कभी कभी तो ज़रूर ही बकरी का दान या बुध की अशया की खैरत व बकूत पक्की शाम करता रहे ताकि उस मकान में हर बकूत कोई न कोई बीमार पड़ा रहने या इधर उधर कोई न कोई छेड़खानी जिसमें धनहानी हो लगी रहने से बचाव होता रहे।

शहीरों का रुख़ मकान में दाखिल होने वाले दरवाजे के रस्ता के साथ साथ दौड़ती हुई (एक ही सिम्म (Parallel) मुसाबी या बराबर बराबर दौड़ती हुई मुबारक होगी। यह शुक्रकर की छत होगी जो उत्तम गिनी है। अगर काटती शक्त या शहीर सोते बकूत छाती को उबूर करें तो वह सनीचर की छत होगी जो मौत बीमारी आम देगी।

- कड़ियां वाले हर कमरे की छत की कड़ियां वालों की कुल तादाद को अगर अलाहदा
1. अलाहदा चार पर तक्सीम करें और हर एक में जवाब बाकी हो-एक तो वह छत मानिंद राजा इंद्र होगी। उत्तम फल।
 2. बाकी दो हों तो छत मानिंद यम (मौत के अमदूत) होगी। बाकी तीन हों तो वह छत मानिंद यज यानी राजयोग होगी।

मकान के अन्दर मन्दिर-जैल चौर्चे मुबारक असर देंगी। सिंहासन या बैठक पूरब (मशारिक) की बीबार के दरमियानी हिस्सा में आग की जगह दक्कन या जनूब मशारिक गोशा

शुमाल पहाड़

में पानी की जगह पूजा

मेहमान

पाठ पहाड़ या शुमाल

पख नच्छतर

मशारिक गोशा में

पानी

चूल्हे का मुंह

चूल्हा

मशारिक पूर्व

मशारिकन गूरबन-पानी रखने

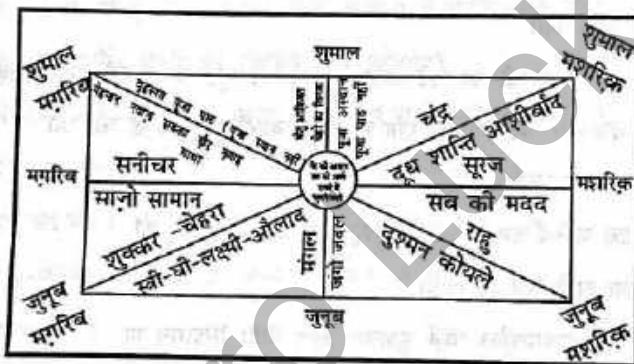
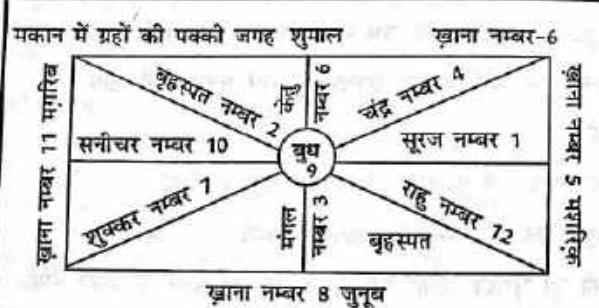
दौलत

जनूब दक्कन

की जगह या पानी मकान से

बाहर निकलते बकूत दाएं हाथ पर आग बाएं हाथ पर मगर जो पीछे रह जाए

छेड़खानी-तंग करना, मजाक करना	मुसाबी-समान, तुल्य, बराबर	सिम्म-दिशा, तरफ	शुमाल-उत्तर दिशा
अलाहदा-अलग	तक्सीम-बांटना	मानिंद-की तरह से	मशारिक-पूर्व दिशा



मकान में ऊपर दी हुई ग्रह चाल से मुराद यह है कि हर गोशा और सिम्त किसी न किसी ग्रह के लिये हमेशा के लिये पक्के तौर पर मुकर्रर है इस इलम में हर ग्रह की मुतअल्लिका चीज़ें भी मुकर्रर हैं। मतलब यह हुआ कि मकान में ग्रह मुतअल्लिका की पक्की जगह पर उसके दुर्मन ग्रह की अश्या कायम करने से उस ग्रह की (जिस के लिए कि वह जगह मकान में पक्के तौर पर मुकर्रर है) चीज़ों से टेवे वाले को फ़ायदा न होगा। मसलन चंद्र के लिये खाना नम्बर 4 (शुभाल मशरिकी गोशा) मकान में मुकर्रर है। आगर नम्बर 4 वाले गोशा में लोहे का बड़ा संदूक (Iron Safe) लाकर रख छोड़ें तो चंद्र का फल मंद ही होता होगा या टेवे वाले को चंद्र की चीज़ों का कोई आराम न मिलेगा। चंद्र की जुनूब-दक्षिण दिशा शुभाल-उत्तर दिशा मुराद-आशय मगरिब-परिचम दिशा गोशा-कोना मशरिका-पूर्व दिशा सिम्त-दिशा मुकर्रर-निश्चित, निर्धारित मुतअल्लिका-संबंधित अश्या-वस्तुएं दरख़ा-पेड़ हुदूद-सीमा

सिर्फ चौड़ों का जो मकान में हो या बैठकर इस्तेमाल की जावे ।

मकान के नज़दीक या मकान की हुदूद के अन्दर की तह ज़मीन में (मगर मकान की किसी दीवार में नहीं) अगर पीपल का दरख़्त हो तो इस दरख़्त की सेवा से बहुत नेक फल होगा। अगर उसकी सेवा या उसकी जड़ों को पानी न डाला जावे तो जहां तक उसका साया जावे गा तबाही और बरबादी करता रहेगा। यही डाल नज़दीक के कुएं का है। अगर इसमें कभी कभी बतौर श्रद्धा भाव थोड़ा सा दूध या मीठा डाल दिया जावे तो नेक फल आगर गंदा किया जावे तो तबाही का हाल होगा। घर में कीकर का दरख़्त लावल्द किये बैरे न छोड़ेगा। उस से बचाओ सूरज निकलने से पहले तारों की छाँव में जब कि अभी अधेरा ही हो। पहले तो लगातार चालीस दिन (हर सनीचर-हफ़ता में सिर्फ़ एक दिन सनीचर बार एक दफ़ा) और उसके बाद गाहे बगाहे पानी डालते रहना चाहिये।

कृत्रिमस्तान या शमशान की तह पर बनाया हुआ मकान अमूमन लावल्दी या मुतबने रखने का बीज होगा जिसके मंदे असर से बचाओ के लिये शुभाल मगरिब (मकान की छत पर बैठे हुए मशारिक की तरफ से मुंह कर के 40 या 43 कदम के अंदर अंदर कुआं बनाना मुवारक होगा।

गली का आखिरी मकान (जहां आकर आगे जाने का रास्ता बन्द हो जावे और मकान जिसमें अगर बाहर से हवा किसी सीधे रास्ता या शार ए आम से विल्कुल सीधी ही आकर दाखिल होती हो तो ऐसा मकान बच्चों के लिये निहायत मनहूस या हवाये बद या बुरी रुह का दाखिला गिना जाएगा। बाल बच्चों और औरत सब के सब बरबाद। यहु केतु के मंदे असर सुबह शाम होंगे। ऐसा मकान जो हमेशा ही बुरा असर देगा। कोई न कोई अचानक मुसीबत खड़ी होती रहेगी। न औरत वहां रह सके न आंखों बाले आदमी यानी अंथा आदमी और वह भी रंडवा अपने

दरख़्त-पेड़	लावल्द-निःसंतान	हफ़ता-सप्ताह	गाहे व गाहे-कभी कभी	निहायत-बहुत ही
हुदूद-सीमा	रंडवा-जिसकी पत्ती मर चुकी हो	शार ए आम-आम रास्ता	मुतबने-गोद लिया हुआ पुत्र	

जोड़ों के दर्द को भालिश करवाने के लिये रहता होगा। सेहत के उसूल पर दूसरी चीजों के अलावा ख़्याल ज़रूरी है। कि रात को सोते बक्त चारपाई का सिरहाना मशरिक या पूरब में रहे तो मुबारक असर होगा। दिन को दिमाग़ ने काम किया। सूरज ने मदद दी तो रात को रुह ने काम संभाला और चंद्रमा ने मदद दी। अपने पांव का दबकन (जुनूब) पूरब (मशरिक) में सोते बक्त होना मनहूस गिना गया है। शुमाल का कोई ख़्याल नहीं। यानी नेकी या रुहानी काम ख़्याह सर से करें ख़्याह पावों के ज़रिये नेकी करना हर तरह से मुबारक है। इसमें पहले हाथ या पांव का सवाल उठता ही नहीं है। ख़्याह सोते हुए सोच विचार रुह से हो ख़्याह जागते जिसम से हो। रात को जो रास्ता (सनीचर का चारों तरफ़ देखने का मैदान या ऐसी जगह जिसमें चारों तरफ़ से बंध कर हवा आवे) चारपाई डालकर सोना अमूमन अंधा कर देगा



ख़्याल-ध्यान

मशरिक-पूर्व दिशा

दबकन-दक्षिण दिशा

शुमाल-उत्तर दिशा

उसूल-नियम

सिरहाना-जिस तरफ़ सिर करके सोएं

अलावा-बिना

मनहूस-अशुभ

योग

सेहत-

घर

8

ती

घर

अति

अगर

और

और

और

1-

ख़ान

बपू

बीमारी

योग माया या योग दृष्टि बवक्त ज़हमत बीमारी

(मुफसिल योग दृष्टि देखें)

सेहत-बीमारी नफा-नुकसान फ्रतह-शिकस्त हर वो पहलू के लिये यही उसूल होंगे

घर अपने से 5 वें दोस्त

7 वें उल्टे होते हैं

8 वें घर पे टक्कर खाते

बुनियाद 9 वें पर बनते हैं

तीसरे घर के जुदा-जुदा तो

बुध से वह आ मिलते हैं

घर 10 वें पर बाहम दुश्मन

धोका देते या चक्कर हैं

अलिफ़— बमूजिब बर्षफल खाना नम्बर 3 की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेशखैमा होगी

अगर खाना नम्बर 3 खाली हो तो खाना नम्बर 8 की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेशखैमा होगी

और अगर खाना नम्बर 8 भी खाली हो तो खाना नम्बर 5 की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेशखैमा होगी

और अगर खाना नम्बर 5 भी खाली हो तो खाना नम्बर 11 की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेशखैमा होगी

और अगर खाना नम्बर 11 भी खाली हो तो खाना नम्बर 3 की मंदी हालत उल्टे नतीजे का पेशखैमा होगी

और जब सब के सब ही खाली हों तो खाना नम्बर 4 भेदी होगा।

1- बीमारी का आग़ाज़ खाना नम्बर 8 से शुरू होगा। खाना नम्बर 2-4 बहाना होंगे।

खाना नम्बर 10-इसमें लहरें बढ़ा देगा। खाना नम्बर 5 रुपये पैसे का ख़र्च और

बमूजिब-अनुसार

ज़हमत-मुसीबत

मुफसिल-विस्तारपूर्ण

पेशखैमा-होने वाले काम की तैयारी

शिकस्त-अविजय, हार

बाहम-परस्पर, मिलकर

धोका-धोखा

आग़ाज़-शुरूआत

खाना नम्बर तीन दुनिया से चले जाने का हुक्म सुना देगा क्योंकि खाना नम्बर 3 के ग्रह खाना नम्बर 8 की मंदे हालत से बचाने वाले होंगे बशर्ते कि खाना नम्बर 11 के दुश्मन ग्रहों से वह मंदा न हो। आखरी अपील सुनने का मालिक चंद्र होगा। अगर चंद्र नम्बर 4 में बैठा हो और राहु-केतु खाना नम्बर 2-8 या 6-12 में बैठे हों तो उम्र के ताल्लुक में कोई मंदा असर न लेंगे।

चूंकि बीमारी का बहाना खाना नम्बर 2 से शुरू होता है। और उसमें लहरें खाना नम्बर 10 पैदा करेगा। इसलिये

जब खाना नम्बर 2 में बाहम दुश्मन ग्रह बैठते हों या उनका असर खाना नम्बर 8 में बैठे हुए दुश्मन ग्रहों के सबब से (जो कि नम्बर दो वालों के दुश्मन हों) मंदा हो रहा हो तो ऐसी ज़हर का खाना नम्बर 2 की अश्या-कारोबार या रिश्तादार मुतअल्लिका खाना नम्बर 2 पर तो कोई बुरा असर न होगा (क्योंकि खाना नम्बर दो के ग्रहों का असर हमेशा अपनों अपना ही होता है। बेशक वह बाहम दुश्मन हों) मगर अगर उसी चक्र (जबकि नम्बर दो में बाहम दुश्मन ग्रहों की ज़हर हो सकती हो। या नम्बर 8 ग्रह अपनी दुश्मनी से नम्बर दो के ग्रहों का असर ज़हरीला कर सकते हों) खाना नम्बर 10 (जो कि बीमारी की लहर को घटा बढ़ा सकता है) खाली हो तो खाना नम्बर 2 में पैदा शुदा ज़हर बीमारी के बहाना और उसमें लहरों (कमी बेशी) की रफ़तार में ज़्रूर दख़ल देगी लेकिन ख़याल रहे कि अगर खाना नम्बर 10 खाली ही हो तो नम्बर 2 के बाहम दुश्मन ग्रहों का बीमारी के ताल्लुक में कोई दख़ल न होगा।

मंदे ग्रह (नम्बर 3 या किसी भी घर के) जिस दिन नम्बर 3 या 9 में आवें बुरा बाक़िआ होगा जिस की बुनियाद पर राहु केतु की शरारत होगी। राहु की बुरी भली तासीर का पता बुध बतला देगा और केतु की नेक व बद नियत का सुराग बृहस्पत जतला देगा जिसकी रोक थाम खाना नम्बर 8 से (यानी खाना नम्बर 8 से मंदा असर पैदा करने वाले ग्रह (उपाओं करने से) और मुकम्मल इलाज

ताल्लुक-संबंध	बाहम-परस्पर, मिलकर	सबब-कारण	मुतअल्लिका-संबंधित	रफ़तार-गति
दख़ल-हस्तक्षेप	तासीर-प्रभाव	बदनियत-बैईमानी, धोखेबाजी	सुराग-पता, निशान	जतला देगा-याद दिलाना

खाना नम्बर 5 करेगा। लेकिन अगर खाना नम्बर 5 खाली ही हो तो उम्दा सेहत होगी और अगर बीमार हो भी जावें तो खुद व खुद ही तंदरसत हो जायेगा। खुलास्तन खाना नम्बर 3 बीमारी के बहाना से अगर बरबादी देता है तो खाना नम्बर 5 मुर्दा जिसमें रुह वापिस डाल देता है। इन दोनों घरों (खाना नम्बर 3 और 5) की बुनियाद खाना नम्बर 9 होगा। अगर खाना नम्बर 3 व 5 दोनों ही खाली हों तो 2-6-8-12 का मुश्तरका फैसला नहीं जाएगा। जिसकी आखिरी अपील चंद्र पर होगी। वृहस्पत मंदा हो तो नम्बर 5 विजली पड़ा करती है। (मुफस्सिल पक्को घर खाना नम्बर 5 देखें)

क्रियाफ़ा:-

सनीचर के बुर्ज का द्यादा कंचा न होना या हाथ में सनीचर रेखा का न होना भी उम्दा सेहत बताता है। मोटा जिसमें और सेहत दो जुदा बातें हैं। मगर यह तमाम उस्तुल सिर्फ़ सेहत से मुत्तलिका हैं।

हाथ की उंगलियों के नाखून उस्तुल के तौर पर बरबाद शुदा या कटा हुआ नाखून 9 महीने में पूरा हो जाता है। इसलिये जब नाखून फटने लगें (किसी चोट वौरह से नहीं वैसे ही) या फटे हुए नाखून ठीक होने लगे तो फटे हुए सेहत की दुरुस्ती ख़राबी व दीगर तब्दीलियों के पेशाखैमा का 9 महीने पहले ही पता ज़ाहिर कर देते हैं।

खाना नम्बर 2 में कौन ग्रह ज़हरीला हो जावे	क्रियाफ़ा क्या हो	तो असर क्या होगा
बुध	हाथ की उंगलियों के नाखून गोल हों या उनका रंग सब्ज़ हो जावे	खुद इल्म व हुनर वाला शर्मसार हो मगर अन्दरूनी तबियत से शरीर और फ़सादी होगा। ऐसे प्रानी की खुद अपनी शरारत और खुद पैदा करदा फ़साद झांडे उसके लिये दिमाग़ी बीमारियों का बहाना होगा।
खुद व खुद-अपने आप रंगसब्ज़-हरा रंग जुदा-सारे	मुश्तरका-मिले जुले दीगर-भिन्न, दूसरे	मुफस्सिल-विस्तारपूर्वक पेशाखैमा-होने वाले काम को तैयारी इल्म-विद्या, जनकारी फ़सादी-झांडाल

राहु	नाखून छौड़े हों या उन का रंग नीला हो जावे (छोट लग कर नीला न हो मगर वैसे ही अन्दरुनी खून की ख़राबी की वजह नीला रंग हो जावे या हो गया हो)	पुटठों की बीमारी होवे (खून की कमी)।
शुक्र	नाखून छोटे हों उन का रंग सफेद हो जावे	खुद तंगदिल-लालची-जल्दबाज़ और रंजीदा (खून की कमी) बीमार।
बृहस्पत	नाखून बहुत छोटे या उन का रंग ज़र्द हो जावे	कम अक्ल-जल्दबाज़ दिल की बीमारी हो
सनीचर	नाखून दरमियाना या उनका रंग स्याह हो जावे।	कारोबार करने कराने के ताल्लुक में तो अच्छे व मुबारक असर वाला मगर उम्र भर कम दैलत जो बीमारियों में जाती रहे।
बृहस्पत	नाखून लंबे या उनका रंग सोने का हो जावे।	फेफड़े और छाती की बीमारी जिस्मानी हालत कमज़ोर होवे।
राहु A	नाखून पतले झुके हुए टेढ़े या उनके रंग सिक्के (धात का हो जावे।	नाजुक हालत (ख़राब मायनों में)।
केतु	लंबे और बहुत तंग या उनका रंग चितकबरा (स्याह-सफेद सुख्ख वारेह रंग विरंग के धब्बे हो जावे)	पुश्त की बीमारी हो।
ज़र्द-गहरा पीला सुख्ख-लाल		दरमियाना-बीच का मायनों-अर्थों
सुख्ख-लाल जिस्मानी-शरीर संबंधी		स्याह-काला पुश्त-पीठ

बीमारी:-

1148

3- खाना नम्बर 3-9 मंदे हों तो नम्बर 5 मंदा होगा। लेकिन अगर खाना नम्बर 9 में सूरज या चंद्र हो तो नम्बर 5 उम्दा होगा। नम्बर 10 के लिये नम्बर 5-6 के ज़हरी दुश्मन होंगे। मंदी हालत की निशानी मंदे ग्रह की मुतालिलका चीज़ों से होगी।

4- बमूजिब जनप कुण्डली जब सूरज या चंद्र के साथ शुक्र बुध या कोई पापी वैठा हो तो जिस वक्त वह नम्बर 1-6-7-8-10 में आवें सेहत के ताल्लुक में मंदा वक्त होगा।

5-

किस घर को	कौन घर ख़राबी देगा	कौन घर मदद देगा
3 के लिये	अचानक चोट देगा।	1
	धोखा देगा।	6
	मंदा टकराओ देगा।	8
5 के लिये	अचानक चोट देगा।	7
	धोखा देगा।	8
	मंदा टकराओ देगा।	10

ग्रह व बीमारी का ताल्लुकः-

हर ग्रह की मशहूर मशहूर बीमारियां नीचे दर्ज हैं जिनका मतलब यह है कि जब कभी बीमारियां मज़कूरा का मुतालिलका ग्रह ख़राब बरबाद या नीच होगा तो वह नीचे लिखी हुई बीमारी हो सकती है।

मुतालिलका-संबंधित

मज़कूरा-कही हुई, कथित

बाहमी-परस्पर

मतलब-अर्थ, मंशा

मुश्तरका-मिल जुलकर

बुनियादी-आधारभूत

चंद्र-चंद्र ग्रह

ज़हरी-विषाक्त

दूसरे लफ़्ज़ों में जब कभी नीचे लिखी हुई बीमारी तंग करे तो फौरन उस के मुतअल्लिका ग्रह का जो उस बीमारी के सामने ही दर्ज है उपाओं करें तो मदद हो जाएगी । मुश्तरका ग्रहों की हालत में उस ग्रह का उपाओं करें जिस के असर से दूसरा साथी मिला हुआ ग्रह भी बरबाद हो रहा है भसलन बृहस्पत राहु मंदे के बबूत राहु का दिया हुआ उपाओं मददगार होगा।

अगर घर से बिमारी दूर ही न होती हो यानी एक के बाद दूसरा बिमार होता जावे

तो :-

1- घर के तमाम मेम्बरान 'और आये मेहमानों (औसतन) की तादाद से चंद्र एक ज्यादा रखकर मीठी रोटियां (खाव कितनी ही छोटी छोटी और कितना ही धोड़ा मीठा उन में हो) पका कर हर महीने में (30 दिन के फ़र्क पर ज्यादा से ज्यादा) एक दफ़ा बाहर जानवरों कुत्तों कौवों वैग़रह को डाल दिया करें या

2- हलवा कदू जो ख़ब पक चुका हो-रंग में ज़र्द और अंदर से खोखला मालूम हो धरम अस्थान में सिर्फ़ एक दफ़ा ^{3 माह} _{6 माह} सहमाही या हर शाशमाही बल्कि अगर ज्यादा दफ़ा हो सके तो हर साल में एक दफ़ा ही धर्म अस्थान में रख दिया करें ।

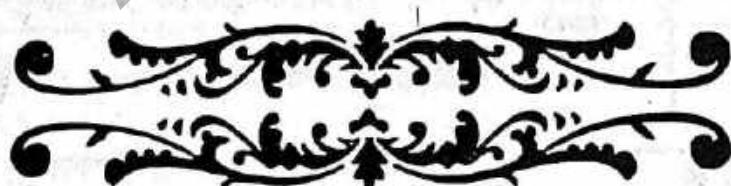
3- अगर किसी तरह भी कोई मरीज़ शिफ़ा न पावे तो रात को उसके सिरहाने दो तांबे के पैसे रख कर सुबह किसी भांगी को 40 या 43 दिन देवें ये पिछले जनम के लेने देने का टैक्स कहलाता है।

4- अगर हो सके तो शमशान या क़ब्रिस्तान में से जब कभी भी गुज़रने का मौका मिले तो पैसा दो पैसा वहां गिरा दिया करें निहायत गैबी मदद मानते हैं।

नाम ग्रह	बीमारी मुतअल्लिका
बृहस्पत	सांस फेफड़े के अमराज़
सूरज	दिल धड़कना सूरज कमज़ोर। जब चंद्र की मदद न मिले। पागलपन-मुँह से झाग निकलना-अंग की ताक़त बेहिस हो जाना-जब बुध नम्बर 12 सूरज नम्बर 6 तो Blood Pressure 100 की बीमारी होगी।
फर्जन-जैसे कि खाव-चाहे अमराज़-मर्ज़ अपराज़-रोगमुक्ति	ज़र्द-गहरा पीला अपराज़-बेकार बेहिस-बेकार सहमाही-3 महीने गैबी-देवी ताकत शशमाही-6 महीने

चंद्र		
शुक्र	दिल की बीमारियां-दिल धड़कन-आंख के डेले की बीमारियां। जिल्द के अमराज-खुजली-चंबल बौरह (नाक छेदन बुध के उपाओं से मदद होगी)।	
मंगल	नासूर- पेट की बीमारियां-हैंज़ा-पित्त येदा।	
मंगल बद	मंगदर (फोड़ा) नासूर।	
बुध	चेचक- दिमागी ढांचा की बीमारियां- खुशबू या बदबू का पता न लगना - नाड़ों जबान या दांत की बीमारियां। जब बुध नम्बर 12 सूरज नम्बर 6 तो (Blood Pressure) की बीमारी होगी।	
सनीचर	बीनाई की बीमारियां-खांसी हर किस्म की (ख़ाह नई ख़ाह पुरानी) बजु़ु़ दमा जो बृहस्पत मुतअलिल्का है। चरम की बीमारियां-दरिया में नारियल बहाना सनीचर के मंदे असर से बचाएगा।	
राहु	बुखार- दिमागी अमराज- प्लेग - हादसा - अचानक चोट।	
केतु	अजू - रेह - दर्द जोड़ - आम फोड़े फुंसी - रसौली - सुज़ाक आतशक - पेशाब की बीमारी - बेहद एहतिलाम - कान के अमराज रीढ़ की हड्डी - हर्निया - अजू का उत्तर जाना या भारी हो जाना।	
बृहस्पत राहु	दमा- सांस की तकलीफ	
बृहस्पत बुध		
राहु केतु	बवासीर	
चंद्र राहु	पागलपन- निमोनिया	
1- बृहस्पत राहु		
सूरज शुक्र		
2- बुध बृहस्पत	दमा- तपेदिक्	
जिल्द-त्वचा नाड़ों-नसें बीनाई-आंखों की दृष्टि रेह-गैस की बीमारी	ख़ाह-चाहे रेह-गैस की बीमारी	आतशक-गरमी का रोग, लू लगना तपेदिक्-क्षय रोग (टी.बी.) अमराज-मर्ज़ चंबल-खाल का रोग अजू-जोड़, हिस्से

मंगल-सनीचर	कोङ - खून के अमराज - जिसम का फट जाना।
शुक्कर-राहु	नामदी।
शुक्कर-केतु	एहतिलाम (सिर्फ केतु वर्गरह की बीमारियां)
बृहस्पत-मंगल बद	यरकान
चंद्र-बुध या मंगल का टकराओ हो	ग्लैड्ज



नामदी-नपुंसक

शुक्कर-शुक्र ग्रह

एहतिलाम-स्वप्न दोष

यरकान-पीलिया

उम्र इन्सानी

इन्सान ग्राफिल दुनिया कितनी
 वकृत हो जो आया अपना
 बंद मुट्ठी का ख़ज़ाना
 तदबीर अपनी खुद ही उल्टी

मारे से मरता नहीं
 रोके से रुकता नहीं
 बाकी जब रहता नहीं
 राज बन आता नहीं

मर्द- औरत मां- बाप भाई-बहन बड़ा-छोटा दांया-बांया बाप-बेटा
 मां-धी रात-दिन जन्म-मरण शुरू-आख़ीर आकाश व हवा नर ग्रह व स्त्री
 ग्रह नेकी-बदी सब का गांठ लगाने वाला बच्चा और उसकी लगाई हुई गांठ ग्रह शक
 अदल व रहम से इंसाफ़ राहु-केतु मुश्तरका शुकर तमाम ग्रहस्थ की शादी गमी जन्म
 कुण्डली व चंद्र कुण्डली के दोनों जहानों के मालिक बृहस्पत की हवा के आने जाने
 के रास्ते बुध के खाली खुलाओं के आकाश की अक्ल सूरज की रोशनी व सनीचर के
 अंधेरे की मुश्तरका जगह मौत नुमाई या उम्र का आख़ीर वकृत सब और पहले देखा जावे
 मगर ऐसे भेद का वकृत से पहले ही खुद व खुद अपनी मर्जी से अपने मुँह से
 बोल कर या इशारतन पोशीदा ढंग से ज़ाहिर करना सिर्फ़ तेरे खून को कोद
 (बीमारी) का सबूत देगा बल्कि तेरे लिये एक बड़ी भारी गुनहगारी होगी। अगर

१ -ख़ाना नम्बर 1-4-7-10

अदल-तर्कयुक्त, युक्ति संगत मुश्तरका-मिले जुले खुद व खुद-अपने आप पोशीदा-गुप्त गुनहगारी-पापकर्म
 इशारतन-इशारे में ग्राफिल-बेहोश, असावधान तदबीर-उपाय शक-शंका नुमाई-रस्ता दिखाना

टेवे बाली या उस के ज़िम्मेदार मुतअल्लिक़ीन किसी नाशुक हालत में खुद ही उम्र का सवाल खड़ा कर दें तो भी उनको काग़ज़ी शहादत और कच्चे पक्के सबूत से तसल्ली देना तेरी ज़िम्मावारी होगी।

हर दो हालतों में बचाओ के लिये जो कुछ भी उपाओ मुमकिन हो ऐलानिया तौर पर (खुल्लम खुल्ला) ज़ाहिर कर देना (मगर ऐसे ढंग पर कि किसी को शक न हो जावे) और तरीक़ा यह हो कि किसी को गुमान तक न होवे कि ऐसा उपाओ क्यों बताया गया। सब से ज़्यादा ज़िम्मावारी होगी क्योंकि यह सब हिसाब किताब दुनियावी व इंसानी दिमाग़ का काम है। और उस मालिक का भेद किसी को नहीं मिला। हो सकता है कि कहीं ग़लती हो और नाहक़ वहम खड़ा हो और मायूसी से बवक़त ज़हमत और भी नुक़सान खड़ा हो जावे। यह भेद की ताक़त असल ताक़त होगी जो ख़ाना नम्बर 6 (पाताल-रहम) नम्बर 8 (मौत-अदल) और नम्बर 12 (आसमान-इंसाफ़) का नतीजा होगी। खुलास्तन यह तीनों ख़ाने सब से पहले पूरे तौर पर देख लिये जावें वरना तमाम कहानी बे मानी होगी।

उम्र की उम्र ख़ाना नम्बर 11 माता की उम्र ख़ाना नम्बर 6 पिता की उम्र ख़ाना नम्बर 10 और जाती औलाद की उम्र ख़ाना नम्बर 8 से ज़ाहिर होगी।

उम्र का मालिक चंद्र माना गया है। लेकिन पितृ ऋण या मातृ ऋण वाले टेवे में उम्र का फ़ैसला सूरज से होगा।

उम्र तात्त्व देखा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
उम्र	९	८	७	६	५	४	३	२	१	१०	१२	१

मसलन जन्म कुण्डली बमूजिब अगर सूरज हो ख़ाना नम्बर 6 तो चंद्र बेशक किसी घर हो नम्बर 4 का असर या चंद्र को नम्बर 4 में लिखकर जो फ़ैसला हो करेंगे। मसलन

उपाओ-उपाय	मुमकिन-संभव	नाहक़-बे वजह	ज़हमत-मुसीबत	मसलन-जैसे कि	बमूजिब-अनुसार
मुतअल्लिक़ीन-घर वाले, बाल बच्चे	शहादत-गवाही	ऐलानिया-खुल्लम खुल्ला			अदल-तर्कयुक्त

तो उम्र होगी	90	96	80	85	100	80	90	75	90	11	12
चंद्र खाना में नम्बर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

चंद्र से शुक्रकर का ताल्लुक तो 85 नर ग्रह का तो 96 और पाप का (राहु-केतु) तो 3 साल कम होगी। सनीचर बृहस्पत मुश्तरका वाले टेवे वाले की उम्र का फैसला खाना नम्बर 11 के ग्रहों से होगा लेकिन अगर खाना नम्बर 11 खाली ही तो आप टेवों के उम्रों पर चंद्र हो उम्र का मालिक गिना जाएगा।

	बाकी उम्र कितनी है		बाकी उम्र कितनी है
तबियत बदल जावे यानी गरम सुभाओं नरम और नरम सुभाओं सख्त तबियत हो जावे।	1 साल	सांस लेते बक्त पेट न हिले या आंख पथरने लगे।	चंद घटे
शुमाल कुतुब का सितारा (ध्रुव) रात को नज़र आवे	40 दिन	सांप का काटा हुआ (मौत चार दिन शक्की ज़हर से मरा हुआ। खून मुंह के रास्ते जारी या बदस्तूर जारी या बह रहा हो) गैस से हो या हुआ (जिस्म वैसे का वैसा ही) नरम हो और न अकड़े।	शक्की हालत
धी तेल और पानी में अपना अक्स नज़र न आवे	7 दिन	हथेली को रोशनी की तरफ करके देखने पर हाथ में खून मालूम न हो या लाली सी नज़र न आवे या जिस्म अकड़ जावे	यकीनी मुर्दा
आइना में अपना अक्स नज़र न आवे	10 दिन	बदस्तूर-नियमपूर्वक अक्स-नित्र, परलाइ	
ताल्लुक-संबंध मुश्तरका-मिले जुले तबियत-मन, दिल, चित्त	सुभाओं-स्वभाव शुमाल कुतुब-उत्तरी ध्रुव	बाकी-शेष, बचा हुआ	

उम्र कितने साल होगी

उम्र होगी	ग्रह चाल होगी	15 साल	चंद्र राहु नम्बर 1 मौत पक्की दोपहर गोली से या अचानक होगी।
साल		20 साल	बृहस्पत राहु नम्बर 2 या बुध बृहस्पत नम्बर 6 लम्बी ज़हमत से मौत होगी।
12 दिन	चंद्र नम्बर 6 सूरज नम्बर 10 चंद्र केतु नम्बर 6	22 साल	सूरज राहु खाना नम्बर 10 या 11 में जब खाना नम्बर 5 में उम्र को रद्दी करने वाले ग्रह हों और साथ ही सूरज राहु मुश्तरका बैठे हों।
12 माह	सूरज सनीचर मुश्तरका बृहस्पत के घरों यानी 2-5-9-12 में जब नर ग्रह (बृहस्पत-मंगल साथ साथी या मदद पर न हो		1- खाना नम्बर 10 में सनीचर मय स्त्री ग्रह बैठे हों खाना नम्बर 2 में या 2- खाना नम्बर 11 में सूरज राहु हों और सनीचर खुद उम्र को रद्दी मंदा या नष्ट बरबाद करने वाले घरों में हो या वह खुद ही मंदा हो रहा हो मगर नर ग्रह साथ या साथी या मदद पर ना हों वरना उम्र लम्बी होगी खासकर जब सनीचर 3-5- में हो चंद्र राहु का नम्बर 6 या मंगल बद मंगल बुध नम्बर 6 या मय शुक्कर और केतु दोनों नष्ट होते वक्त दातों का मांस नज़र आवे या नाक और कान ऊपर को चढ़े मिले हुए हों या उंगलियों के जोड़ बहुत ही छोटे-छोटे हों या पेट बहुत ही तंग होवे। नर औलाद ज़रूर बाक़ी छोड़कर मरेगा। लावल्द होने की शर्त न होगी।
2 साल	A सूरज चंद्र मुश्तरका नम्बर 11 चंद्र केतु नम्बर 1 और उस वक्त खाना नम्बर 4 खाली हो		
10 साल	चंद्र नम्बर 5 सूरज नम्बर 11 जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हों। अब उस वक्त सनीचर नम्बर 5 में हो तो उम्र लम्बी होगी क्योंकि सनीचर और सूरज अब साथी ग्रह होंगे।		
12 साल	चंद्र नम्बर 5 सूरज नम्बर 11 जब नर ग्रह साथ साथी या मदद पर न हों। अब उस वक्त सनीचर नम्बर 5 में हो तो उम्र लम्बी होगी क्योंकि सनीचर और सूरज अब साथी ग्रह होंगे।	25 साल	
2 साल	A गुरु 6-8-10-11 शुक्कर- मंगल-बुध नम्बर 7 बुध-शुक्कर-चंद्र नम्बर 5		

30 साल	बृहस्पत बुध नम्बर 2 या बृहस्पत राहु नम्बर 3 पिता भी 16 ता 19 या 21 तक ख़त्म कर सेवे माल दौलत सिफ़र	56 साल	चंद्र-राहु-बुध मुश्तरका नम्बर 2 या 5
35 साल	चंद्र-राहु-बुध किसी भी घर इकट्ठे सिवाय ख़ाना नम्बर 2-5 बृहस्पत राहु 9 या 12	60 साल	चंद्र बुध नम्बर 2।
40 साल	कियाफ़ा:- माथे पर व कसरत बाल अल्प आयु- किस्पत मंदी बास्ते बाल्दैन।	70 साल	पीठ पर उर्ध रेखा।
45 साल	राहु गुरु नम्बर 6 या बुध केतु नम्बर 12	75 साल	नेक चंद्र या चंद्र राहु नम्बर 9 मौत अचानक।
50 साल	चंद्र राहु नम्बर 5 या ग्रह व घर नम्बर 2-7 मंदे। कियाफ़ा:- पेशानी पर > ख़त।	80 साल	चंद्र बृहस्पत नम्बर 4 या चंद्र नम्बर 3-6 धन दौलत का सुख सागर बाकी छोड़ कर मरेंगा।
		85 साल	चंद्र क्रायम या चंद्र मंगल नम्बर 7 दूध शहद की ज़िन्दगी।
		90 साल	क्रायम चंद्र 1-8-10-11
		96 साल	क्रायम चंद्र नम्बर 3-4 या नर ग्रह साथ साथ या मदद पर हो।
			बृहस्पत केतु नम्बर 9 या सनीचर केतु नम्बर 6 या चंद्र सनीचर नम्बर 7।
			चेहरा पर आंख के नीचे दो तीन ख़ुत।

अगर चंद्र राहु मुश्तरका होकर किसी भी राशि में हों यानी जब उम्र - शादी - बीमारी

बौरह ख़ास ख़ास बातों के लिये मुकर्र की हुई दृष्टि वाली फ़ेहरिस्त के लिहाज़ से

चंद्र और राहु किसी घर को मुश्तरका ही हालत में देख रहे हों या घर से देखे जा रहे हों

दोनों मुश्तरका गिने जाएंगे वेशक वह दोनों कुण्डली (ख़ाव जन्म की

ख़ाव बर्बफ़ल की) में जुदा-जुदा ही हों मसलन चंद्र नम्बर 1 और राहु नम्बर 7 में हो

तो उस फ़ेहरिस्त के हिसाब से दोनों बाहम आम हालत में देखते या मिले हुए

कियाफ़ा-विस्तार

बाल्दैन-माता पिता

बौरह-आदि

ख़ास ख़ास-विशेष विशेष

मुकर्र-निर्धारित, निश्चित

फ़ेहरिस्त-सूची

जुदा जुदा- अलग अलग

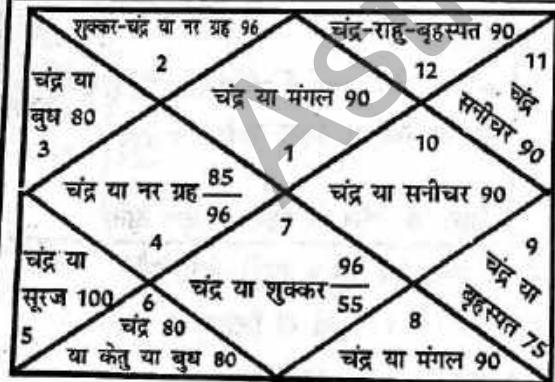
मसलन-जैसे कि

होंगे। यही उसूल किसी भी और घर की हालत पर हो सकता है। तो हर खाना नम्बर में चंद्र की दी हुई उम्र के सालों की तादाद निस्फ़ हो जाएगी। हर राशि के मुतअल्लिका मगर खुद उसके अपने खून के रिश्तादारों के लिये यानी उस ग्रह के मुतअल्लिका रिश्तादार की उम्र पर मंदा असर होगा जो ग्रह कि उस घर में बैठा होवे जहां कि वह मुश्तरका देख रहे हों या उस घर के मुतअल्लिका रिश्तेदार जिनमें कि वह मुश्तरका बैठे हों मसलन खाना नम्बर 9 खाली है। और वह दोनों खाना नम्बर 9 को देख रहे हों। नम्बर 3-5 से तो खाना नम्बर 9 के मुतअल्लिका रिश्तेदार उसके बुजुर्ग बाप दादा बगैरह लेकिन आगर नम्बर 9 में फ़र्ज़न मंगल हो तो उसका भाई अपने खून का हक्कीकी भाई भदे असर में होगा बशर्ते कि यह दोनों मुश्तरका हर तरह से अकेले दृष्टि से खाली हों अगर कुण्डली के पहले घरों में हों तो मौत न होवे। मगर क़रीबुलमर्ग ज़रूर होगा

8-जब चंद्र होवे

A बवकृत चंद्र राहु मुश्तरका रेखा (उम्र व क्रिस्यत रेखा) के मुताबिक उम्र के सालों का ताल्सुक ग्रह की उम्रः:- बमजिब सप्त: नम्बर 1165 में देख लिया जावे।

बृहस्पति 75 साल - बुध या केतु 80 साल - सनीचर या मंगल या राहु 90 साल
शुक्रकर व चंद्र 85 साल - सूरज पूरी उम्र 100 साल तक।



नोट:- अगर 9-12 बमूजिब जनम कुण्डली खाली न हो तो 9-12 के सामने सोमवार लेंगे वरना वीरवार।

१ अगर नर ग्रह की मद्द हो तो ९६ साल तक।

तादाद-संख्या

बमूजिब-अनुसार

निस्फ-आधा

फर्जन-जैसे कि

वीरवार-बुहस्पतिवार

करीबुलमर्ग-कूछ समय का, मरने के करीब

खाना नम्बरों की उप्र

खाना नम्बर	खानों की उप्र	1	100	2	75	3	90	4	85	5	आलाद	6	80	7	85	8	मैव	9	दुर्ग	10	90	11	धरम	12	90
अल्प आयः-																									

8x8 = कुल 64 ज्यादा से ज्यादा 8 दिन महीने साल हर आठवां साल मंदा। ज़हमत व ख़तरा जान। जानवरों से ख़तरा मौत होगा।

- बृहस्पत बहुत से दुश्मन ग्रहों से बिरा हुआ।
- खाना नम्बर 9 में बुध- बृहस्पत- शुक्रकर।
- खाना नम्बर 9 में बृहस्पत के बहुत से दुश्मन बुध-शुक्रकर-राहु।
- चंद्र राहु नम्बर 7 या नम्बर 8 में।
- बुध नम्बर 9

गुरु चंद्र या दोनों उत्तम
उप्र 9 वें बुध बेशक लम्बी

छटे तीन घर 7 वें जो
हाल ग्रहस्ती मंदा हो

6- गुरु 6-8-10-11

शुक्रकर - मंगल - बुध नम्बर 7 } उप्र दो साल
बुध-शुक्रकर-चंद्र नम्बर 5 }

कम उप्र होगा | माथे पर कौवे के पांव का निशान या मर्द के दाँए पांव की कनिष्का व अनामिका
उंगली बाहम बराबर हों।

कनिष्का-हाथ की सबसे छोटी उंगली अनामिका-हाथ की छोटी के साथ वाली उंगली बाहम-परस्पर ज़हमत-कष्ट

8-8 कुल 64 साल होगा	पेशानी के खेत दूटे फूटे हो और उनका झुकाव भी नीचे नाक की तरफ को होवे या पेशानी दोनों अद्वृओं के ऐन दरमियान में मगर तिलक की जगह छोड़ कर तिकोन (मंगल बद) तुला या तरलू (शुक्कर बुध) मछली त्रिशूल (सनीचर) पदम-पंखा-अंकुश-तलवार या परिंद के निशानों में से कोई भी एक निशान होवे-अल्प आयु-अल्प आयु वाला-मवेशियों के सुख से महरूम होगा। अल्प आयु वालों का उप्र का हर आठवें साल 8-16 24-32-40-48-56-64 तंग हाल और आप लोगों का उप्र के हर सातवें साल के बाद हालात की तब्दीली मानते हैं।			
असली उप्र होगी	कान लम्बे बड़ी सी दीवार के या ठोंडी बड़ी और उभरी हुई बाहर की तरफ को या गर्दन पर सिफ़र एक बल या शिकन पड़ता होवे या लम्बा चेहरा आँख बड़ी-मुँह चौड़ा या रान मोटी मोटी-कलाई पर किस्मत रेखा की जड़ में चहारशाखा ख़त			
100 सौ साल	केतु- बृहस्पत ख़ाना नम्बर 12 में और चंद्र क़ायम या (2) चंद्र बृहस्पत ख़ाना नम्बर 12-5 में चंद्र च नर ग्रह क़ायम या (3) मंगल नम्बर 1-2-7 और उसी बक्त सूरज नम्बर 4 या (4) नर ग्रह क़ायम या चंद्र को मदद दे रहे हों या (5) चंद्र-सूरज-बृहस्पत क़ायम बुध-चंद्र-शुक्कर तीनों नम्बर 4 या जिसम के तमाम हिस्से मुनासिब मिक्कदार पर हों।			
120 साल	चंद्र बृहस्पत ख़ाना नम्बर 12 में। जनम कुण्डली का नीच या मंदा ग्रह जिस साल वर्षफल के हिसाब से अपने नीच या मंदा होने वाले धरों में आ जावे तो नीच फल दिया करता है। लेकिन अगर वह जनम कुण्डली में नम्बर 8 का था और दोबारा वर्षफल के हिसाब से नम्बर 8 में आ जावे तो उस ग्रह का दोस्त ग्रह उसका कुर्बानी का बकरा ग्रह और जनम कुण्डली के ख़ाना नम्बर 6 के मुतअल्लका रिश्तादार			
पेशानी-माथा, ललाट असफल शिकन-लकीर	अद्वृओं-धरों चहारशाखी-चार शाखी	मवेशियों-जानवरों मुनासिब-उचित	परिंद-उड़ने वाला	महरूम-बृहित, मिक्कदार-मात्रा, भार, वजन

मारग अस्थान में होगा। इस तरह जब जन्म कुण्डली के नम्बर 6 का ग्रह नम्बर 6 में हो आ जाये। तो उसका दोस्त ग्रह उसका कुर्बानी का बकरा ग्रह और जन्म कुण्डली के खाना नम्बर 8 के मुतालिलका। ग्रह का रिश्तादार पाताली हालत या मंदी दशा बल्कि कम उप्र होने का सबूत देगा।

कद खुद अपने जिस्म के लिहाज से उप्र के साल जिसका पैमाना खुद अपनी उंगलियों का हो यानी अपनी ही उंगलियों से तीन उंगल की एक गिरह 4 गिरह की एक बालिशत दो बालिशत का एक हाथ दो हाथ का एक गज़ या 36 इंच व बराबर 48 उंगल के।

अपना कुद	उप्र के साल	अपना कुद	उप्र के साल
90 उंगल	30 साल	100 उंगल	80 साल
91 उंगल	35 साल	101 उंगल	85 साल
92 उंगल	40 साल	102 उंगल	90 साल
93 उंगल	45 साल	103 उंगल	95 साल
94 उंगल	50 साल	104 उंगल	100 साल
95 उंगल	55 साल	105 उंगल	105 साल
96 उंगल	60 साल	106 उंगल	110 साल
97 उंगल	65 साल	107 उंगल	115 साल
98 उंगल	70 साल	108 उंगल	120 साल
99 उंगल	75 साल		फी उंगल उप्र 5 साल होती गिनी है।

पेशानी की रेखा			दूर्दी पूरी रेखा		
तुरुस्त व साफ रेखा			दूर्दी पूरी रेखा		
तादाद	मर्द	औरत	तादाद	मर्द	औरत
एक लकीर	20 साल	40 साल	एक लकीर	10 साल	20 साल
दो लकीर	30 साल	60 साल	दो लकीर	30 साल	40 साल
तीन लकीर	60 साल	70 साल	तीन लकीर	40 साल	50 साल
चार लकीर	80 साल	80 साल	चार लकीर	40 साल	
पांच लकीर	100 साल	100 साल			
छ: लकीर	120 साल	80 साल	अगर माथे पर सुख		
सात या नाना	50 साल		रंग राहाए का		
बाईर	100 साल		भी साथ हो तो चालीस		
लकीर			साल यकृनी हो		

दोनों कान तक तुरुस्त व सालम (मर्द औरत) एक रेखा -100 साल दोनों कान तक तुरुस्त व सालम (मर्द औरत) दो रेखा -70 साल गिरह-गाठ

बालिशत-हाथ की आंगूठे और कनिष्का के बीच की दूरी
रंग राहाए-नाड़ों का रंग

गज़-36 इंच तादाद-संख्या सुख-लाल
तुरुस्त-सही, ठोक फी-में, बीच

चंद्रमां वाकै हो

मौत का दिन	नम्बर	राशि में	घर का मालिक	उम्र के साल
बुधवार	1	मेष	मंगल	90 साल
शुक्रवार	2	वृष्णि	शुक्र	96 साल
बुधवार	3	मिथुन	बुध	80 साल
मंगलवार	10	मकर	सनीचर	90 साल
सनीचरवार	11	कुंभ	सनीचर	90 साल
बीरवार	12	मीन	राहु-बृहस्पति	90 साल
शुक्रवार	4	कर्क	चंद्र	85 वरना 96 साल
मंगलवार	5	सिंह	सूरज	100 साल
इतवार	6	कन्या	केतु-बुध	80 साल
सोमवार	7	तुला	शुक्र	85 साल
बुधवार	8	वृश्चिक	मंगल	90 साल
बीरवार	9	धनु	बृहस्पति	75 साल

दिल रेखा की लम्बाई (मर्द ख़ाह औरत)

उम्र के साल

कनिष्ठा तक ही होवे तो उम्र होगी	100 साल
कनिष्ठा व अनामिका के दरमियान तक हो	25 साल
अनामिका तक	50 साल
अनामिका व मङ्गला के दरमियान तक हो	75 साल
मङ्गला तक	90 साल
मङ्गला और तर्जनी के दरमियान तक	100 साल
तर्जनी तक	120 साल

कलाई की रेखा

सिर्फ एक हो	30 साल	सिर्फ तीन हो	90 साल
सिर्फ दो हो	60 साल	सिर्फ चार हो	120 साल

बीरवार-बृहस्पतिवार इतवार-रविवार मेष-मेष वृष्णि-वृषभ ख़ाह-चाहे कनिष्ठा-सबसे छोटी उंगली
चाकै-घटित मङ्गला-सबसे बड़ी उंगली दरमियान-बीच में तर्जनी-अंगूठे के साथ वाली उंगली

जब खाना नम्बर 12 में कोई ग्रह न हो तो चंद्र जिस राशि में होगा उस के हिसाब से मौत का दिन होगा। जन्म दिन और वक्त जन्म का एक ही ग्रह हो जाये (मसलन मंगलवार का दिन और मंगलवार की पक्की दोपहर की वक्त की पैदाइश) तो ऐसा ग्रह कुण्डली वाले का कभी बुरा न करेगा और न ही कभी धोखा देगा। बल्कि मौत भी उसी दिन और उसी दिन के उसी वक्त न होगी विलाशक चंद्र के हिसाब से मौत का वह दिन आवे वशतें कि कुण्डली में भी वह ग्रह (वही मिसाल मंगल जो कपर कहा जाएँगे) क्रायम होवे (क्रायम की तारीफ़ जुदा जगह लिखी है) बाकी हालतों में जबकि जन्म दिन तो किसी ग्रह का हो और जन्म वक्त किसी और ही ग्रह का हो तो ऐसी हालत में जन्म दिन और जन्म वक्त के ग्रहों की सब हालतें ग्रह फल-राशिफल बराबर के ग्रह या बाहमी दोस्ती दुश्मनी के नतीजा का असर होगा। मौत का दिन खाना नम्बर 12 और 8 के ग्रहों की ताक्त के मुकाबला से गिना जाता है।

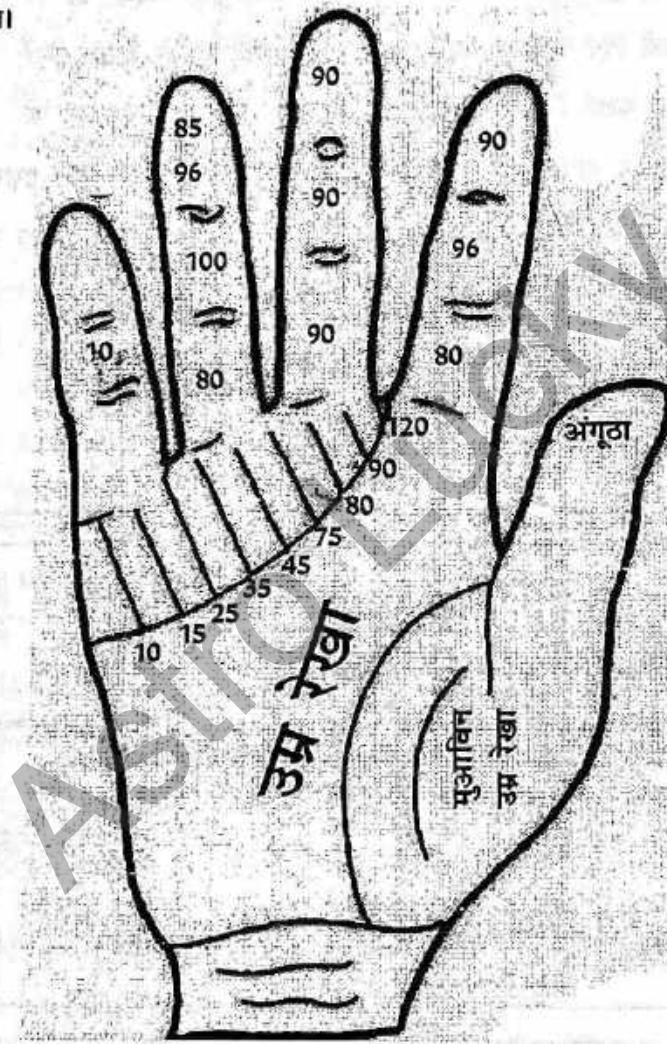


मौत का आखरी साल व दिन :-

मुकाम चंद्र मौत का आखरी दिन और साल कुण्डली में चंद्र के मुकाम और खाना नम्बर 8-12 के मुश्तरका असर से ज़ाहिर हो जाता है। मतलब यह कि चंद्र का मुकाम तो

बाहमी-परस्पर का बिलाशक-निःसंदेह	मुकाम-पड़ाव, लक्ष्य तारीफ़-प्रशंसा	मंगल-मंगल ग्रह ताक्त-शक्ति	चंद्र-चंद्र ग्रह मुकाबला-आमना सामना

तो कुण्डली में मालूम ही होगा और खाना नम्बर 8 में जो कोई ग्रह भी होगा वह नीच होगा।
 इन नीचों के असर से जो साल भी पहला साल होगा वह ख़राब साल होगा उस
 आठवें खाने को बारहवें खाने के ग्रह 25 फ़ीसदी अच्छा या बुरा करेंगे।
 यानी बारहवें घर वालों की अगर अच्छी नज़र हो तो जिस साल वह अच्छी नज़र ख़त्म होगी मौत
 होगी और अगर बुरी नज़र होवे तो जिस साल से वह बुरी नज़र शुरू होगी
 वह आख़री साल होगा।



उम्र के साल :-

मुआविन उम्र रेखा- यह रेखा उम्र रेखा की सब टूट फूट से बचाये रखती है। हथेली के ख़ाना नम्बर में चांद की जगह फ़ैसला करेगी। उंगलियों की राशियों के

ख़त्म-ख़त्म

चांद-चांद

ख़राब-बेकार

फ़ीसदी-प्रतिशत

मुआविन-सहायक

हिसाब से चंद्रमा और चंद्रमा की दिल रेखा की लम्बाई से उम्र को हृद वृहस्पत
 75 साल-बुध-केतु अस्ती साल-सूरज 100 साल-सनीचर व राहु 90 साल
 मंगल 90 साल- शुक्कर 85 साल वरना 96 साल-चंद्र 85 वरना 96 साल।
 नोट:- चंद्र व शुक्कर दोनों स्त्री ग्रह हैं। इस लिये जब अकेले हों
 उम्र 85 साल और जब नर ग्रह का साथ साथ उम्र 96 साल जब मुख्नस ग्रह
 उन दोनों के साथ हों तो भी उम्र 85 साल होगी।

उम्र रेखा:-

दिल रेखा (चंद्र) हर उंगली की जड़ तक 25 साल

सनीचर की उम्र रेखा सिर रेखा तक 35 साल

सनीचर की क्रिस्मत रेखा दिल रेखा तक 65 साल

मुख्नस की जड़ 70 साल

बुध अपने पक्के घर (खाना नम्बर 7) में बैठा हुआ या नर ग्रहों (सूरज-मंगल
 वृहस्पत) या सनीचर में से कोई भी बंद मुट्ठी के खानों (खाना नम्बर 1-7-4-10)

में आया हुआ या धरम मंदिर (खाना नम्बर 2) या गुरुद्वारा (खाना नम्बर 11) के अन्दर बैठा हुआ टेवे
 वाले की सेहत जिस्मानी और उम्र और आम मुतअल्लिका खानों (खाह इन्सानों
 खाह हैवानों की) पर कभी बुरा असर (मौत न देगा बशर्ते कि उन घरों में
 बैठा होने के बक्तु सनीचर के साथ स्त्री ग्रहों (चंद्र या शुक्कर) का ताल्लुक
 (साथ) न हो जावे।

वक्तः-

जन्म दिन और जन्म वक्त कभी मौत का न होगा। नम्बर 3 का ग्रह दोबारा

नम्बर 3 में बैठा कभी मौत न होने देगा (6-14-26-38-54-66-74-96-102-111

मुश्तरका-मिले जुले हृद-किनारा, आखीर, अन्त

मुख्नस-नपुंसक, प्रभावहीन क्रिस्मत-भाग्य

सनीचर-शनि ग्रह जिस्मानी-शरीर संबंधी

मुतअल्लिका-संवर्धित हैवानों-जंगली जानवरों

रेखा के असर का अब

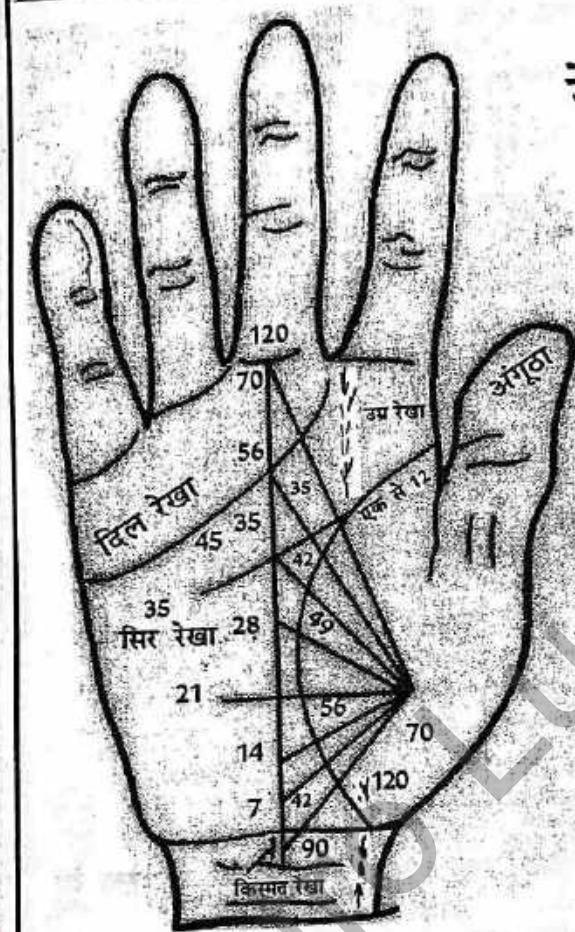
कौन सा साल है

उम्र और किस्मत रेखा-सालों

में-बारह साल तक ज़माना की हवा

में नहीं आया। सत्तर साल के

बाद दुनियां के लिये सत्तर या बहतर या गया



उम्र होगी 10 साल का असा	कनक या जौ के दाने के बराबर के टुकड़े के पैमाना पर रेखा (ख़ाह कोई भी रेखा होवे) असर होगा।
उम्र होगी 12 साल	अगर तर्जनी की जड़ से हाथ के किनारे के साथ साथ नीचे की तरफ उम्र रेखा को काटता हुआ ख़त खीचें तो उसका पहला मुकाम या रेखा की उसी नुक़ता तक लम्बाई होगी।
90 साल	दूसरा मुकाम जब यही ख़त उम्र रेखा को आगे बढ़ाकर फिर दूसरी दफ़ा काटे
उम्र होगी 21 साल	जिस जगह किस्मत रेखा उम्र रेखा से मिले।
ख़ाह-चाहे कनक-गहूं	तर्जनी-अंगूठे के साथ वाली उंगली मुकाम-पड़ाव, लक्ष्य किस्मत-भाग्य
	पैमाना-नापने का यंत्र नुक़ता-केन्द्र बिन्दु, चिन्ह

उम्र होगी 35 साल	जिस जगह किस्मत रेखा सिर रेखा से मिले।	
56 साल	जिस जगह किस्मत रेखा दिल रेखा से मिले।	
45 साल	हथेली की चौड़ाई और दिल रेखा के निस्फ़ का निशान जहां दिल रेखा को काटे वह मुकाम।	
उम्र आखीर	सेहत या तरक़ी रेखा जिस जगह उम्र रेखा से मिले या जिस निशान पर दोनों बाहम कट जावें।	
रेखा पर निशान	ग्रह चाल होगी	बहाना मौत
मंगल बद नम्बर 8 पर सूरज का सितारा हो या पेट पर सिर्फ़ एक ही बल पड़े	चंद्र-सनीचर-मंगल या बुध-शुक्रकर मंगल या शुक्रकर-मंगल बद नम्बर 5-8 मंगल बद नम्बर 2 मगर सूरज या चंद्र का साथ न हो जावे	लड़ाई या मैदाने जंग।
सनीचर के बुर्ज से कोई रेखा उम्र रेखा को आ काटे।	सनीचर-शुक्रकर नम्बर 10 और सूरज नम्बर 4	पुरदर्द मौत
सूरज के बुर्ज पर सूरज का सितारा होवे	सूरज नम्बर 1 क्लायम और अकेला	अचानक मौत
दिल व सिर रेखा का मिल जाना दिल रेखा और गृहस्त रेखा का कनिष्का या मद्मा के पास मिल जाना। सिर रेखा का दिल रेखा को काटकर सनीचर पर ख़त्म हो जाना। दोनों की एक ही रेखा मालूम हो।	चंद्र बुध नम्बर 3-6 या चंद्र सनीचर नम्बर 7 या चंद्र व मंगल बद (मंगल-बुध चंद्र-सनीचर) नम्बर 7-10	सदमा से मौत
श्रेष्ठ रेखा का सनीचर की तरफ़ छुक जाना।	सनीचर नम्बर 6 बुध नम्बर 3-10-11 या सनीचर नम्बर 6-बुध शुक्रकर नम्बर 8	जानवरों से मौत का ख़तरा
बाहम-परस्पर, एक साथ, मिलकर मद्मा-हाथ की सबसे बड़ी उंगली	निस्फ़-आधा कनिष्का-हाथ की सबसे छोटी उंगली तरक़ी-उत्तरि अधिकता	मंगल-मंगल ग्रह पुरदर्द-दुख पूर्ण मुकाम-पड़ाब

अंगूठा छोटा और मद्दमा बहुत लंबी दिल-सिर और उम्र रेखा का मिल जाना सूरज रेखा का हाथ में बिल्कुल न होना। सिर रेखा का चंद्र में खूतम होना।

चंद्र बुध मुश्तरका सूरज बरवाद चंद्र-बुध नम्बर 4

खुदकुशी करेगा।

पापी ग्रहों से बुध का साथ या पापी ग्रहों का मुश्तरका निशान सिर रेखा से ऊपर दिल रेखा तक ही शाख हो।

बुध मय पाप (राहु-केतु) या पापी।

विजली या सांप से।

पितृ रेखा की शाख मातृ रेखा को काटकर अनामिका तक चली जावे। उम्र रेखा से निकली हुई किस्मत रेखा सूरज में या सूरज तक चली जावे।

बुध सनीचर नम्बर 4 या बुध-सनीचर-चंद्र मुश्तरका व सूरज क्रायम।

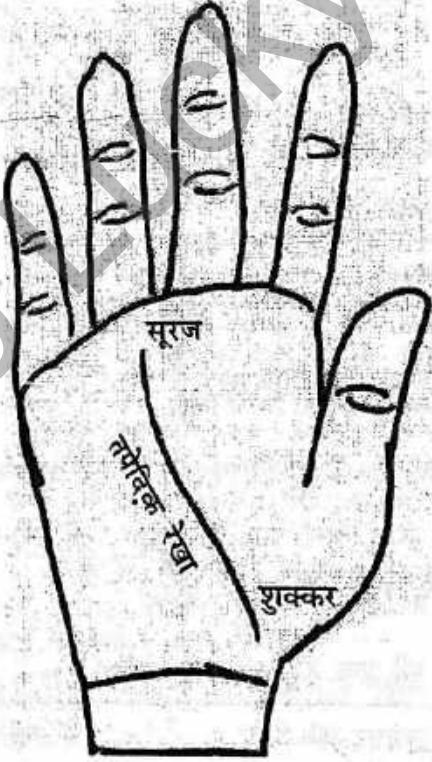
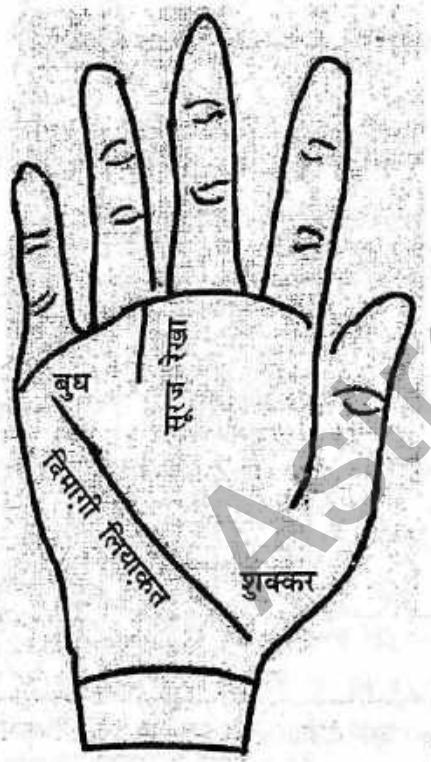
खूनी होगा।

सनीचर नम्बर 3 बुध नम्बर 11 या सूरज सनीचर नम्बर 10 बुध नम्बर 8

कैद में मरे।

शुक्रकर नम्बर 1 सूरज नम्बर 7 दुश्मन या पापी किसी के साथ या सूरज शुक्रकर मुश्तरका नम्बर 1-3-10

तपेदिक से मरे।



पितृ रेखा के ऊपर + त्रिशूल होवे

सूरज-बुध-चंद्र नम्बर 4

घोड़े से गिरकर मरे

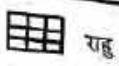
मुश्तरका-मिले जुले

अनामिका-हाथ की छोटी से साथ वाली उंगली

लियाकत-योग्यता

खुदकुशी-आत्महत्या

पितृ रेखा के नीचे
होवे।



यह

चंद्र यह नम्बर 4

कुर्द में गिरकर
या फांसी या
मुटकर मरे।

सिर रेखा पर + निशूल हो तो

सूरज सनीचर नम्बर 7 या सूरज सनीचर बुध
नम्बर 7

सिर कटने
से मौत।

पितृ रेखा मातृ रेखा से अलाहदा
होकर कटी हुई या टेढ़ी हो। चंद्र की चीज़ों
की आमद से चंद्र नष्ट।

बुध बृहस्पत बाह्य मिलमुकाबिल

अंधरं
ते
मौत।

या कब्जा (जोड़) से जुदा होकर टेढ़ी
होवे

बुध बृहस्पत मुश्तरका खाना नम्बर 3

सनपात
से मरे।

शुक्र पर सूरज का सितारा (उम्र रेखा
पर हो।

चंद्र- सनीचर नम्बर 4 या चंद्र नम्बर 10 सनीचर
नम्बर 4 बवकृत रात
सनीचर नम्बर 10 सूरज- चंद्र नम्बर 4 बवकृत दिन
सूरज चंद्र नम्बर 7 बवकृत न दिन न रात

दरिया-नदी
नाला-पानी
से
मौत

चंद्र सनीचर नम्बर 7 से अगर बरुए दृष्टि
प्रबल हो.....चंद्र
अगर बरुए दृष्टि प्रबल हो सनीचर

मातृ
भूमि में
परदेस में

बृहस्पत नम्बर 2 केतु नम्बर 2 या दोनों
मुश्तरका

पहले पता लग
जावे

चंद्र नम्बर 10 और नम्बर 2 खाली

फेफड़े
और छाती
की बीमारियां

बाह्य-परस्पर, एक साथ, मिलकर
बवकृत-समय पर

बिलमुकाबिल-आमने सामने

आमद-आना, आगमन

अलाहदा-अलग अलग

मुश्तरका-मिले जुले

उम्र रेखा यकायक दूट जावे - मौत आने की निशानी है।

जब बुध और राहु या केतु इकट्ठे हो जावें - मौत आने की निशानी होगी।

राहु या केतु से बुध मुश्तरका जब भी किसी का दैरा आवे - मौत गूंजने की निशानी होगी।

चंद्र सनीचर नम्बर 4 परदेस में मरे। बाकी सब हालतों में चंद्र सनीचर नम्बर 7 मातृ

भूमि या अपने गृहस्थ में मरे। किस्मत रेखा की शुरू की दो शाख़ी की अंगूठे की

तरफ़ की शाख़ी अगर लम्बी हो यानी शुक्कर की तरफ़ की बड़ी हो तो अपने गृहस्थियों में और

अगर चंद्र की तरफ़ की बड़ी हो तो परदेस में मौत होवे। उम्र रेखा जब खातमा पर शुक्कर

के बुर्ज की जड़ की गोलाई पर दो शाख़ी हो जावे और शुक्कर की तरफ़ की शाख़ी लम्बी हो तो

मौत मातृ भूमि में होगी। अगर चांद की तरफ़ की बड़ी तो परदेस में मरेगा। वृहस्पत

नम्बर 6 या केतु नम्बर 6 अपनी मौत का उस शख्स को मरने से पहले ही पता लग जावेगा।



यकसां-समान, बराबर, समतल

शाख्स-मनुष्य

वृहस्पत-वृहस्पति ग्रह

मुश्तरका-मिले जुले

यकायक-एक दम

परदेस-विदेश

खातमा-समाप्त

नक़्कारा कूच

मौत का वक्त

मौत का वक्त पापी ^१ ग्रहों के मंदे कामों का नतीजा है।

कर्म ^२ जब हो ख़त्म अपना
खुद ब खुद ^३ ही आ बनेगा
बिनाश काल विपरीत बुद्धि
मौत डंके चोट ^४ लगती

या ख़ाजाना लेख का
सब बहाना मौत का
मालो ज़र न काम था
चलता ख़ास-ओ-आम था

A- मंदी ग्रह चाल बमूजिब बर्षफल जब

- १ - शुक्कर व पापी मंदे हो रहे हों।
- २ - बुध-राहु-केतु किसी तरह भी इकट्ठे हो रहे हों।
- ३ - ख़ाना नम्बर ३ ख़ाली या नम्बर ३ में मंदे ग्रह और नम्बर ८-६ से कोई एक या दोनों मंदे हो रहे हों।
- ४ - बंद मुट्ठी के घर (१-७-४-१०) ख़ाली या उन में जनम कुण्डली के १-७-४-१० का कोई भी ग्रह न हो।
- ५ - चंद्र खुद निकम्मा हो बैठे।
- ६ - नम्बर ४ ख़ाना नम्बर २ की मारफत ८ की ज़हर बढ़ाने का बहाने होंगे।

खुद ब खुद-अपने आप

मालो ज़र-धन दौलत
बमूजिब-अनुसार

शुक्कर-शुक्र ग्रह
निकम्मा-बैकार

बुध-बुध ग्रह
मारफत-द्वारा

२ -बुध मंदे घरों (३-८-९-१२) में हो बैठे।

३ -सनीचर अपने पाप (राहु सिर तो केतु पांव) की मारफत चंद्र को ज़हर देवे।

राहु नम्बर ८ हो। चंद्र राहु में जब चंद्र खुद ही मंदा हो जावे।



मारफत-द्वारा

ज़हर-विष

सनीचर-शनि ग्रह

बुध-बुध ग्रह

चंद्र-चंद्र ग्रह

जब साथ लाए हुए दाना यानी का ख़जाना बाक़ी था सांस चलता रहा

और मुट्ठी खुलती और बन्द होती रही। लेकिन जो नहीं कि आखीर

आया बच्चा की साथ लायी हुई बद मुट्ठी अब ज़ोर से बन्द करने

पर भी बन्द न हो सकी। दुनियाबी गृहस्ती सब बैठे देख रहा है

लेकिन किसी को अपना साथी नहीं बना सकता न ही बाक़ी बच्ची

हुई चीज़ की मुट्ठी भरकर अपने साथ ले जा सकता है। गो सांस

बन्द हुआ मगर किस्मत का लेखा चलता रहा यानी उस के तमाम

मुतअल्लकीन को उसको बंद मुट्ठी में साथ लाए हुए ख़जाने से

बचे हुए हिस्सा के ख़र्च ने का बहाना होगा।



तमाम-सारे, सारा

ख़जाना-घण्डार

बाक़ी-शेष

आखीर-अन्त

ज़ोर-बल, शक्ति

दुनियाबी-संसार संबंधी

मुतअल्लकीन-घर बाले संबंधी

फरमान नम्बर 18

आशीर्वाद

खुश रहो आबाद दुनिया

माल ^१ व जान बढ़ते रहो

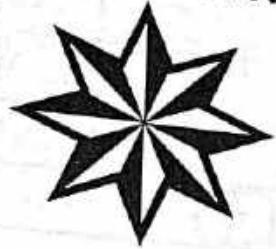
मदद मालिक अपनी देगा

नेकी खुद करते रहो

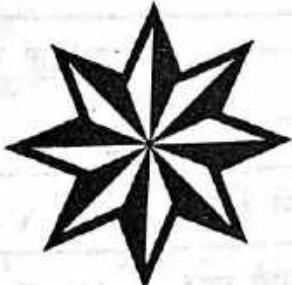
^१ -परिवार धन ।

खत्म शुद्ध

1173-A



इंडिक्स



अलिफ्		बर्षफल	213, 225
अबू (भवें)	1045	बंद मुट्ठी	16
आंख	1031	बीमारी	1144, 1151
आवाज्	1042	पे	
अंगूठा	63, 64, 1049	प्रथम	5-7
अंगूठा पांच	711	पीठ	1047
आगाज् (शुरूआत)	11 ता 15	पांच	711
इस्तलाहात	38 ता 49	पैंतीस (35) साला चक्कर	39
उपाओ	150 ता 161	पैंतीस (35) तोते की	1043, 1044
आमदन	1088	पक्के घर	56 ता 92
औलाद	5, 11, 1121	पेशानी (माथा, ललाट)	86 ता 89
अल्प आयु	1158, 1159	पितृ ऋण	122 ता 141
अंग फड़कना	1030, 1031	पेट पर बल	1041
इसान किस ग्रह से मुतअलिलका है	1022, 1026	पांच पर निशान	1048 व 72
औसत ज़िन्दगी	1099, 1100	प्रार्थना	1
आशीर्वाद (आशीर्वाद)	1173	पाप	42
बे		पापी ग्रह	42
बाल	5, 104, 1046	फलादेश देखने का ढंग	229 ता 234
बाजू	1040	फलादेश अकेले	235 ता 74
बुर्ज	29	अकेले ग्रह	
बचत	1094	दो ग्रह मुश्तरका (मिले हुए)	741 ता 909
		तीन ग्रह मुश्तरका (मिले हुए)	911 ता 938

चार ग्रह मुश्तरका (मिले हुए)	938 ता 942	दाल
पांच ग्रह मुश्तरका (मिले हुए)	943	
तमाम ग्रह मुश्तरका (मिले हुए)	944	
पक्के घर	56	
टे		
टेवे की किस्में	226 ता 228	दौलत 1090 ता 1094
जीम		
जौ (अनाज) का निशान अंगूठे पर	376 व 393	दस्ती तहरीर (लिखना) 1030
जौ (अनाज) का निशान उंगलियों पर	593 व 1033	धरम अस्थान (धर्म स्थान) 47, 62
जनम वकृत	18 ता 20	दिमाग़ के खाने 942, 992
चे		
चक्कर (उंगलियों की पोरियों पर)	248, 770	राशियां 22 ता 24
चक्कर 35' साला	39	रियायती 40 दिन 36, 37
चेहरा	71	राहाए (नाड़े) (नसें) 1043
चंद्र	357 ता 422	रेखा
छाती	1041	ऊर्ध्व रेखा 777
छींक	1045	धाइयों की रेखा 278, 1026
खँच	1091	पितृ (पिता की) रेखा } 553, 1029, 841 मातृ (माता की) रेखा }
खे		
ख़ाब	1047	
ख़ाली खाने	92	
ख़ाना वार अश्या (चीज़ें)	977 ता 1017	
खुशी	1034	
खबरदारी (सावधानी)	1079, 1088	

पांव की रेखा	710, 717	स्वाद
पेशानी की रेखा (माथा ललाट)	1160	सद्फ़ (सीपी)
कलाई की रेखा	1161, 852	सेहत
धन रेखा	831, 832	तोए
रेखा में मेखा	980	तोते की पैंतीसी (35)
सिर श्रेष्ठ रेखा	558	ऐन
सेहत रेखा	329	उम्र इन्सानी
क्रिस्पत रेखा (भाग्य)	1027	उम्र ग्रह व राशि और
काग़ रेखा (कौवा)	1044	खाना नम्बरों की बाहमी (आपस का) उम्र } 50
गृहस्त रेखा	1038	
मच्छ रेखा	777, 779, 1043	गैन
मुआविन रेखा (सहायक)	1163	गुम्मी
हर ग्रह को मुतअल्लिका रेखा (संबंधित)	1028 ता 1043	फ़े
सीन		फ़ेहरिस्त मज़ाभीन (सूची लेख समूह) 2 ता 4
सास	1027	क़ाफ़
संख	248	क़र्ज़ा (ऋण)
सिर	1042	क़द
सीना (छाती)	1041	कुर्बानी के बकरे (बलि के बकरे) 45 ता 46
सामुद्रिक (ज्योतिष)	13	
साहूकारा (लेन-देन)	1101, 1104	
सीना की हड्डियाँ	1047	
सोये घर व सोये हुए ग्रह	96 ता 99	
सफ़र का हुक्मनामा (आदेश)	1125, 1129	
शीन		
शुभ शगुन	1049	
शादी	1059, 1078	

क्रिस्मस	1051, 1058	ग्रह	
क्लॅम की स्याही	1123	ग्रहों की दोस्ती दुर्घटना	25 ता 30
काफ़		ग्रहों की मियादें	31
कान	1048	जन्म दिन के ग्रह व जन्म वक्त	33
केतु	689 ता 740	के ग्रहों का बाहरी ताल्लुक	41, 42
कुण्डली का हथेली से ताल्लुक	16	ग्रह व जिस्म का ताल्लुक	32
कुण्डली की शवलें	17	ग्रह की उम्र का असर	4 ता 35
कुण्डली की बनावट दुरुस्ती	191 ता 208	ग्रह की जाती ताक़त और उसका पैमाना	37, 38
गाफ़			
ग्रह का मुतअल्लिका मकाल (संबंधित)	1019 ता 1021	अकेले व मुश्तरका (मिले हुए) व ख़ाना	162 ता 184
ग्रह का मुतअल्लिका इन्सान (संबंधित)	1022 ता 1026	नम्बर के लिहाज़ से ग्रह का असर	
ग्रहों की मुतअल्लिका रेखा (संबंधित)	1027 ता 1044	नहोरता के ग्रह (आधे अंधे)	43
ग्रहों की मुख़्तलिफ़ अनुभाव (अलग)	185 ता 190	अंधे ग्रह	43
ग्रह व राशि का बाहरी ताल्लुक	51, 55	पापी ग्रह	42
ऊंच नीच वग़ैरह (आपस का)		दरमियानी ग्रह	34
ग्रहफल व राशिफल	38	हमसाये ग्रह	93
ग्रह का घर	47	धर्मी ग्रह	43
गुफ़तार (बोली, बाणी)	1041, 1042	साथी ग्रह	44
गर्दन	1041	बिलमुकाबिल के ग्रह (आपने सामने)	44
ग्रहण	238 हाशिया	चेहरा पर ग्रह	1002, 1004
गर्दन पर बल (शिकन) (बल)	1048	मस्नूई ग्रह (बनावटी)	27

ऊंच नीच के ग्रह	48	लाम
एक दिन में ग्रह	41	लेन देन (साहकारा) 1101, 1104
हफ्ता में ग्रह	30	लगन 57
जन्म दिन का ग्रह	41	लब (होठ) 1040
जन्म वक्त का ग्रह	41	लाल किताब का नाम 11 का पहला शेर
क्रायम ग्रह	47	मीम
घर का ग्रह	48	मकान 1130, 1143
दोस्त ग्रह	48	मिसालें 945 ता 976
दुश्मन ग्रह	48	महांदशा 142, 146
ऊंच ग्रह	48	मकान किस ग्रह से } 1019, 1021
नीच ग्रह	48	मुतअल्लिका (संबंधित) है }
बराबर ग्रह	48	मज़मून का फ़र्क (विषय) 8 ता 10
बालिग ग्रह (वयस्क)	48	मज़मून के उसूल (विषय) 5 ता 7
नाबालिग ग्रह (अवयस्क)	48	मुह का दहाना 1040
पहले और बाद के घरों के ग्रह } 119, 120		महकमे (विभाग) 1122
		नून
उलझन के ग्रह	121	नाक 271
ऋण पितृ के ग्रह	122, 141	नाक का अगला हिस्सा 1042
महांदशा का ग्रह	142, 146	नाखून (हाथ) 1146, 1147
धोका का ग्रह	147, 149 हाशिया 67	नाखून (पांव) 1048 व 715
सोया हुआ ग्रह	97	

वाव		हड्डियां सीना	1047
विसर्ग		हॉठ	1047
844, 845		हथेली पर निशान	1040
हे			1049
हथेली का अंदर बाहर		ये	
हथेली की बैरुनी हड्डूद (बाहरी सीमा)		योग बन्धन	1050 ता 1172
हाथ		93 ता 95	
1046 व 1049			

दुरुस्ती नामा

संख्या:	क्या लिखा है?	क्या लिखना है?
10	पैरों नम्बर 5 से आख़ीर की तरफ से ऊपर को चौथी लाईन के शुरू में लफ़्ज़ इस तरह "पड़" लिखा है।	लफ़्ज़ असल में "पर" होना चाहिये
11	हाशिया में परदेश	परवेश
14	पहले पैरों की चौथी सतर के शुरू में	शक्की (सदैह युक्त)
14	दूसरे पैरों की दूसरी सतर (पर्कित) के शुरू में	लफ़्ज़ (शब्द) "और" फ़ालतू है
15	तीसरे पैरों की 6 वें सतर "हौजूद"	मौजूद

23	<p>पैरा नम्बर । लफ़्ज़ (शब्द)</p> <p>में लफ़्ज़ कमाई के नीचे</p>	<p>कनिष्का वाली सतर</p>	इज़न की निशानी फ़ालतू है
25	पैरा नम्बर । लफ़्ज़ मद्दमा वाली सतर में लफ़्ज़ कमाई के नीचे फरमान नम्बर 6 के नीचे की सतर में लफ़्ज़ "गांठों"		इज़न की निशानी फ़ालतू है "गांठों"
25	<p>लफ़्ज़ ग्रह की सुर्खी के नीचे</p> <p>तीसरी सतर के शुरू में लफ़्ज़</p>	<p>परदेश</p>	परवेश
1049	हथेली पर खास निशानी के नीचे जु़ज़ नम्बर (1) का पहला लफ़्ज़ "कंजूर"		कुंभ
1041	आख़री सतर गला फाड़कर के ऊपर लफ़्ज़ नहीं लिखा है जगह ख़ाली है।		लफ़्ज़ गुफ़तार पढ़ें
1105	पहली सतर लड़की को औलाद नहीं गिनते		गिनने
67	हाशिया की पहली सतर में चंद्र का मुद्दी		चंद्र बंद मुद्दी
262	पेशानी के शेर की दूसरी सतर में तरा		तरा
965	हाशिया के ऊपर की दूसरी सतर में पर ख़र्च 500000 हज़ार रुपया		पर ख़र्च पांच हज़ार रुपया
797	सूरज शुक्कर के नीचे दूसरा शेर "देकर जा नष्ट ही होता है।"		दीगर सोया ही होता है
272	जु़ज़ नम्बर 2 की 7 वीं सतर में लफ़्ज़ मगर औलाद की मारफ़त धो देगा।		लफ़्ज़ मगर फ़ालतू है काट दें

Astro_LUCKY